अथ रासलीला की भूमिका ॥

प्रकटहोवे कि इस छत्तीसगढ़में भाद्रसुदी चतुर्थीको गणेशजू को जन्मोत्सवलीला और आश्विन कार्तिक, माघ, चैत, बैशाख इत्यादि महीनों में श्रीकृष्णानुरागी भक्तजन रासलीला अक्सरकिया करतेहैं परन्त तहां २ परदेखने और गानविद्याके सुननेमें कोई स्थानमें सूरसागरके [illegible] सुननेमें नहीं आये बल्कि यही सुनने और देखनेमेंआया कि अनुसमयानुसार अशुद्ध पदोंको बड़े प्रसन्नतासे शिरहिला २के गातेहैं और लीलाकरते हैं इससे इसकाहेतु हमलोगोंको यही ज्ञातहुआ कि यहां सूरसागर के पद बराबर इनलोगोंको मालूम नहीं हैं इससे लाचारहैं ॥

चौ० तबद्विजवरमनमेंअनुमानी। बोलेपरमसुहावनिबानी ॥ सुनहुतातमोमनयहआई। रचहुरासलीलासुखदाई॥कबित्त॥श्री बद्रीप्रसादबाजपेयीके नुशासनते पंचसाररासलीलापदको निर्मायोहै। श्रीमद्भागवतकेश्लोकनसोंभूषितकरिगितिहूगोबिन्दकेऽष्टपदिनकोमिलायोहै। सुखसागरब्रजबिलाससूरसागरहियहुलासप्रथमहींस्वरूपरागरागिनीदरसायोहै। राधामाधवकेपदारविन्दरज धरिनिजमतिअनुसाररासलीलापदगायोहै १ ॥ ताते हे विद्वज्जनहरिभक्तहु मेरे इसनिवेदनको सुनिकै इसकाव्यको ग्रहणकरि समयानुसार पदोंकोमनसे गानकरके विधिवत् रासलीला करहु जाते प्रेमाभक्तिके भागीहोहु देखिये तो ऊधौजी इतने बड़ेज्ञानीथे परन्तु गोपियोंकी प्रेमा भक्तिके सत्संगसे ब्रह्मनिरूपण ज्ञानको त्यागिकरके प्रेमापरा भक्तिको धारणकरि भवसागर उतरे। तैसे हीतुमहूं करके भवपारहोहु १ ॥ श्लोकः श्रीमद्वृन्दावनंध्यायेद् वैष्णवोहृदयेसदा । महापद्मंयोगपीठंकाञ्चनस्थलनिर्मलम् १ पूर्णचन्द्रोदयंनित्यंसर्वत्रकुसुमान्वितम्।कदम्बपादपच्छायांकालि-

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

न्दीपुलिनोत्तमम् २ माधवीकुंजविश्रामभ्रमद्भ्रमरविभ्रमम् । को-
किलध्वनिसंवीतंमयूरोद्दामनर्त्तनम् ३ कृष्णसारसमाकीर्णंकामधे
नुसुखास्पदम् । गोपगोपीप्रियस्थानंकल्पपादपशोभितम ४मध्येगो
वर्द्धनंतत्रविचित्रमणिमंदिरम् । रत्नसिंहासनासक्तंपद्मरागसरोरु
हम् ५ तन्मध्येचिन्तयेत्कृष्णंकिशोरंनंदनंदनम् । वामेतस्यप्रियां
राधांकिशोरींवृषभानवीम् ६ स्वाभावतोपास्तसमस्तदोषमशेषक
ल्याणगुणैकराशिम् । व्यूहांगिनंब्रह्मपरंवरेण्यंध्यायेमकृष्णंकमले
क्षणंहरिम् ७ अंगेतुवामेवृषभानुजांमुदाविराजमानामनुरूपसौभ
गाम् । सखीसहस्रैःपरिसेवितांसदास्मरामदेवींसकलेष्टकामदाम ८
सत्पुण्डरीकनयनंमेघाभंवैद्युताम्बरं । द्विभुजंज्ञानमुद्राढ्यंवनमा
लिनमीश्वरम् ९ गोपीगोपगवावीतंसुरद्रुमलताश्रयम् । दिव्यालं
करणोपेतरत्नपंकजमध्यगम् १० कालिन्दीजलकल्लोल संगिमा
रुतसेवितम् । चिन्तयंश्चेतसाकृष्णंमुक्तोभवतिसंसृतेः ११ ॥

इति ॥

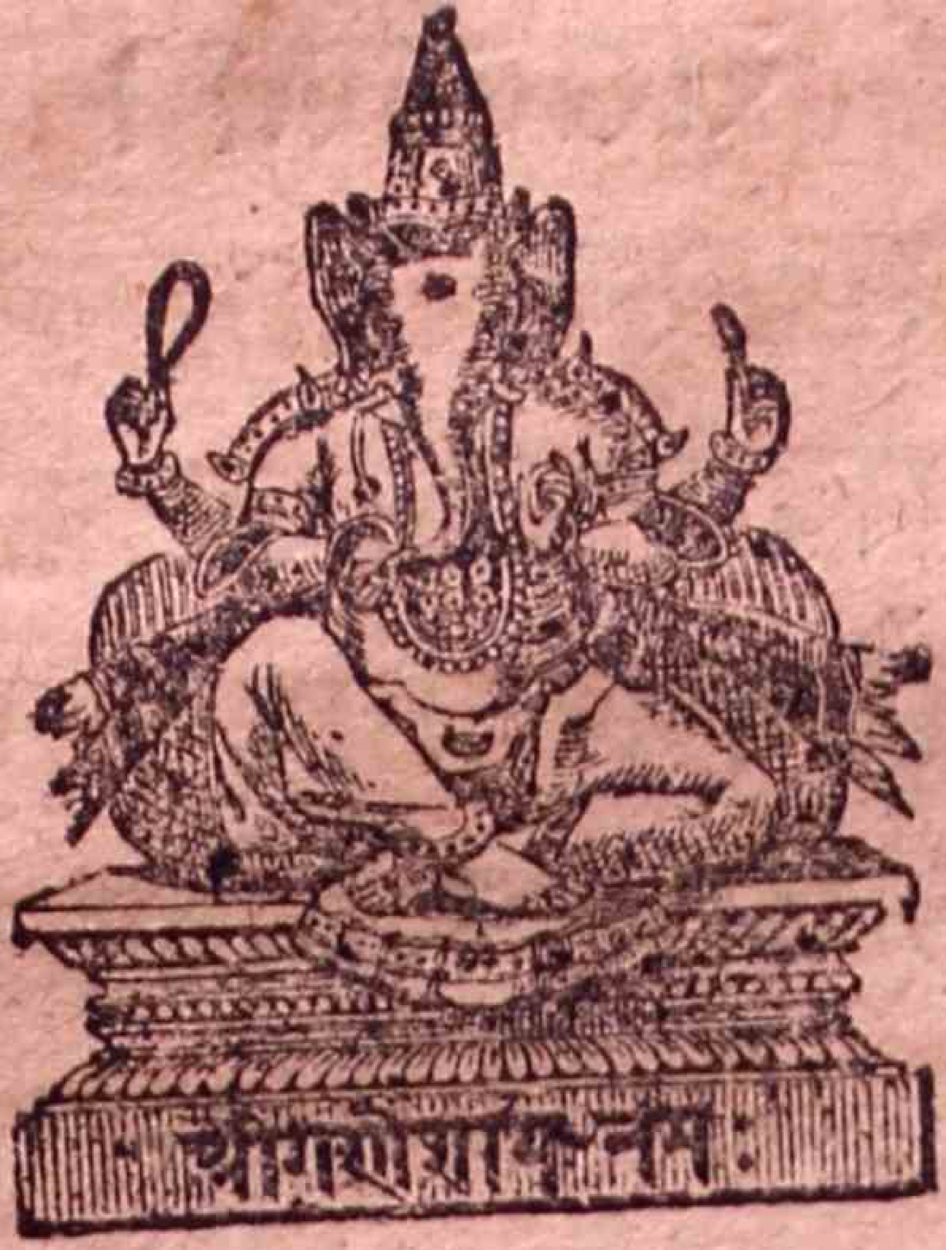

अथ रासलीला प्रारम्भः॥

मंगलाचरण॥

ध्रुपद॥ गणराजातोहिंध्यावों गौरीसुतसोहागिल॥
प्रथमवक्रतुंडगाऊं। हेमदंष्ट्रद्वितियध्याऊं॥ तीजेकृष्ण
पिंगसोहैं। चारुगजवक्रकं १ लम्बोदरहिपञ्चध्या
ऊं। षष्ठेबिकटमाथनाऊं॥ सप्तेविघ्नराजराजै। धूम्र
वर्णअष्टकं २ नवमेबालचन्द्रभाल। बिनायेकदशकृपा
ल॥ मेकादशयोगणपति। द्वादशगजानन ३ बिघ्नाधिप
बिघ्नहरहु। मानसिबचशुद्धकरहु॥ देहुबुद्धिबद्धीजाते
गावैंगुणगोविन्द४।१॥पुनः॥गणपतिबिघ्नहरणगजानंद
बिराजत॥ एकदंतचन्द्रमुखबालचन्द्रछाजत१हेमरत्न
जटितकीटकुण्डलद्युतिभ्राजत २ श्वेतहैजनेउनाग
मुक्तमालकणबिभाग ३ चारौकरकंकणपरशांकुशादि
छाजत ४ बामदाहिनऋद्धिसिद्धिअग्रमूषकणादन्त ५
हरिचरित्रगानहेतुसरयूबरमांगतद।२॥ दो०॥ राधामा-
धवसरस्वतीलम्बोदरपदलाग॥ हरगिरिजाकोध्यायकै
बरणतरागबिभाग ३॥ हियहुलासप्रा०॥ प्रथमैंताको
सुमिरिये जिनदीन्होगुरुज्ञान॥ ज्ञानीगुणगावेसदाध्या

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

नीधरैजुध्यान ४ अम्बरथाम्योथम्भबिनधरतीअधरध
राव ॥ मनुषरूपकैअवतर्योदेखतकलिकोभाव ५ आद
नादअनहदभयोतातेउपज्योवेद ॥ पुनिपायोवाबेदमेंस
कलसृष्टिकोभेद ६ प्राणपरोषटरागसुनिनवउपज्योबै
राग ॥ बारेतरुणेवृद्धकोतातेभावतराग ७ सुखकोदाता
रागहैरागरूपकोभोग ॥ याहीतेसबकहतहैंरागरंगसंयो
ग ८ ॥ षष्ठहूंरागकेनाम ॥ भैरौं १मालकोशवाकोशि २ हिं
डोला ३ दीपक ४ श्रीराग ५ मेघराग ६ ॥ ऋतुबर्णन। दो० ॥
भैरौंशरदकौंशीशिशिरऔरहिंडोलबसन्त ॥ दीपकग्री
ष्महेमन्तुश्रीमेघसुपावसअन्त ९ ॥ गानासन ॥ बैठे
आसनऊंटकीतबहोशुद्धअलाप ॥ चलतेलेटेस्वरभरें
मानहुंमहाकलाप १० ॥ राग अलापसमय वर्णन ॥ पिछ
लेपहरेनिशिसमयभैरौंरागबखान ॥ मालकोशकोगाइ
येजबलौंनिकसेभान ११ एकपहरदिनचढ़ेतककहैराग
हिंडोल॥ठीकदुपहरीकेसमयदीपककोस्वरबोल १२ श्री
रागहिचौथेपहरजबलोंदिनअधियाय ॥ मेघरागतबहीं
कहैजबैमेघबरसाय १३ फागुनमेंयेरागसबजागतआठो
याम ॥ अष्टयाममेंनिशिसमयएकयामबिश्राम १४ ॥
राग गुणवर्णन॥भैरौंस्वरस्वरतेकहैकोल्हुहुचलैजुधाय॥मा
लकोशतबजानियेपाहनपघिलबहाय १५ चलैहिंडोला
आपतेसुनतरागाहिंडोल ॥ बरषैजबघनधारआतिमेघ
रागकेबोल १६ श्रीरागहिकेस्वरसुनेसूखोवृक्षहराय॥ दी
पकदीपकबरिउठैजोकोउजानैगाय १७॥ भैरौंरागस्वरूपब
र्णन॥ भैरौंशिरछबिशिरजटाश्वेतबसनतिरनैन ॥ मुंडन

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

कीमालागलेसिद्धरूपसुखदैन १८ ॥ स० ॥ शिवमूरति
भैरौंकोभावबन्योत्रयनेत्ररुमुंडकीमालगरेहै । पटश्वेत
सबैतनशोभितहैहदमेंभगवानकोध्यानधरेहै ॥ तिरशूल
बिराजतहैकरमेंसबभामिनिकोमनलेतहरेहै। तनछारल
गीद्युतिदूनिभईचितचाहनिमेंजियजातजरेहै १९ ॥ भैरों
की रागिनियोंकेनाम । दो० ॥ भैरौंकीधनभैरवीबंगालीबै
रारि ॥ मधुमाधीअरुसिंधवीपांचौबिरहिनिनारि २० ॥
रागिनीस्वरूपबर्णन ॥ शिवपूजतकैलासपरदोउकरमेंताल ॥
श्वेतचीरअंगियोअरुरूपभैरवीबाल २१ भस्मपिटारीक
रगहेहाथलियेतिरशूल ॥ बंगालीब्याकुलभईगईसबैसु
धिभूल २२ कर्णफूलदुपहरियाकरकंकनशृंगारि ॥ शीशके
शसोहतछुटेश्वेतबसनबैरारि २३ कंचनतनलोचनकम
लनागरिमहाअनूप ॥ पियपैबैठीहँसतहैमधुमाधीइहरूप
२४ पुहुपकमलकाननधरेपहरेबस्तरलाल ॥ क्रोधवन्त
तिरशूलकरलियोसिंधवीबाल २५ ॥ मालकोशकोस्वरूपब
र्णन ॥ मालकोशनीलेबसनश्वेतछरीहैहाथ ॥ मोतिनकी
मालागलेसिगरीसखियांसाथ २६ ॥ स० ॥ कौशिककीउप
माहैभलीतनगौरबिराजतहैपटनीलो । मालगरेकरश्वे
तछरीरणप्रेमछक्योजियछैलछबीलो ॥ नागरिरूपउजा
गरिलैसँगडोलतिहैसुखसोंगरनीलो । कामिनिकोमन
मोहतहैमनभावनरूपअनंगरसीलो २७ ॥ मालकोशकीरा
गिनीकानाम । दो० ॥ डोडीगौरीगुणकलीखम्भावतिको
कब्य ॥ मालकोशकीरागिनीगावतअतिदुर्लब्य २८ ॥
रागिनीकोस्वरूप ब० ॥ डोड़ीकरबीनागहे गावतिपियकेहेत।

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

चंचलछबिमृगलोचनी पहरेबस्तरसेत २९ गौरीछ
बिअतिसांवरीअम्बकोपधरेकान ॥ तिरषातनतपका
मकीगावतमीठीतान ३० छुटेकेशतनगुणकलीबैठीपिय
केपास ॥ नीचीग्रीवाकररहीअतिहीचित्तउदास ३१ खं
भावतिगोरेबदन गावतिकोकिलबैन ॥ अतिआतुर
चातुरखरीकामवन्तदिनरैन ३२ कोकबकामिनिनिशिस
मय जागीपियकेसंग ॥ रतिमानैकेक्षीणतन अंगअंग
मेंरंग ३३ ॥ हिंडोलस्वरूपवर्णन ॥ पीतबसनहिंडोलकेहै
जुहिंडोलामाहि ॥ सखीझुलावतिचावसों गायगायसु
खचाहि ३४ ॥ स० ॥ कीन्हबनावमहाछबिसुन्दरभावत
बैठ्योहिंडोलहिंडोले। झाकझुलावतऔरदुहूँदिशिगा
वतहैंसखियांमुखखोले ॥ गोरोसोगातदोपांवखरोमानो
दामिनिसोंद्युतिदेखतसोले । बस्तरपीतलियेरसरीत
अनंगसोंसोहैहैंसैमृदुबोले ३५ ॥ रागिनीकेनाम । दो०॥
रामकलीपटमंजरीऔरकहौंदेशाख॥ येनारीहिंडोलकी
ललितबिलावलराख३६॥ रागिनीस्वरूपवर्णन॥रामकली
नीलोबसनकंचनसीसबदेह॥पिकबाणीगावतखड़ीपिय
केप्रेमसनेह३७बिरहभरीपटमंजरीमनमलीनतनछीन।
सखीसाखअतिदेतिहैभईप्रेमआधीन३८पियकेकरपर
करधरेअतिव्यापेतनकाम ॥ तनदुर्बलदेशाखहैमहाबि
रहिनीबाम३९ललितगरेमालापुहुपसुंदरतरुणीजान॥
गोरीछबिबस्तरअरुण नयनकामकेबान४० कामदेवको
ध्यानधरि गावतगीतसँगीत ॥ करतिशृंगारबिलावली
लेकेबस्तरपीत ४१ ॥ दीपकरागस्वरूपबर्णन ॥ दीपकगज

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

कीपीठपरबैठ्योबागौलाल ॥ मुक्तमालशोभितगरेचहुँ
दिशिसिगरीबाल४२॥स०॥ दीपककोपरतापबड़ोचढ़ि
बैठोगयंदकीपीठबिराजै । अम्बररातेशरीरसबैमुकता
नकिमालगरेछबिछाजै ॥ संगसखीसबसोहतिहैंतिनमा
हँजोआपगयन्दसोंगाजै । सांवरोरूपस्वरूपबन्योद्युति
देखतदुःखसबैतनभाजै ४३ ॥ रागिनिनाम । दो० ॥ दे
शीनटअरुकान्हराकेदाराकामोद ॥ दीपककीप्यारीसबै
महाप्रेमपरमोद ४४ ॥ रागिनीस्वरूप ॥ देशीअतिबस्तर
हरेकामसताईनारि॥ पतिकोठेलिजगावतीमिसकरिबार
म्बारि४५ अरुणबरणसिगरेबसननटवासीनटनारि ॥दो
ऊकांधाहिपकरिकैपियतनरहीनिहारि४६ शीशपत्रगजद
न्तकोकरबांकीतरवारि ॥ भौंरकंठकेबरणहैरूपकान्हरो
नारि४७शीशजटाबस्तरलटागरेजनेऊनाग ॥ केदाराय
हिरूपहैधरेध्यानबैराग४८ कामवन्तकामोदहैपीतबसन
तनतास ॥ अम्बधरेबैठीहँसतिबिछरीपियकेपास ४९ ॥
श्रीरागस्वरूपबर्णन ॥ शिरीरागकेकरकमलभूपरूपपटला
ल ॥ बर्षअठारहबरसकीगावतकंठरसाल ५० ॥ स० ॥
वर्षअठारहकोबरण्योमुखदेखतहीसबकेमनभावे । बा
मसदैसबकेअपनीगुणगायकैभावतभेदबतावे ॥ रातौं
जोबागौंबिराजतहैकरबामाहिंफूललियेमुसक्यावै । भूप
केरूपस्वरूपबन्योसबहीमेंभलोशिरिरागकहावै ५१ ॥
रागिनीनामबर्णन । दो० ॥ धनाशिरीआशावरी मारूबहु
रिबसंत ॥ शिरीरागकीरागिनी मालशिरीहैअंत ५२ ॥
रागिनीस्वरूपबर्णन ॥ धनाशिरीबिरहिनिबड़ी हिरदयबि

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

रहअपार ॥ सबतनपियरोहवैरह्योनिपटछीनतनबार
५३ चन्दनटीकाभालपर गरेनागकोमाल ॥ छबिअ
तिसुन्दरिसांवरीआशावरीसुबाल ५४ मारूकेमाजागरे
पियेप्रेममदमात ॥ तरुणीसुन्दरिसांवरीबैठीअतिअल
सात ५५ मोरपक्षशिरपरधरेबस्तरपीतबसन्त ॥ कान
फूलजोअम्बरको चहुँदिशिभँवरभ्रमन्त५६ मालशिरी
दुर्बलबदन सखीहाथपरहाथ ॥ चहूंओरपतिकोतकति
चहैमदनकोसाथ ५७॥ मेघरागस्वरूपबर्णन ॥ श्यामबर
णजोमेघहैगहेहाथतरवार॥अतिआतुरचातुरखरोगाव
तसुरतिबिचार५८॥स०॥ मेघमलारमहाअतिसुन्दर
इन्दरकीछबिआपबन्योहै । पहिरेपटपीतगहेतरवारजै
मालधरेयाहिभांतिठन्योहै ॥ जैसोजहांचहियेजोइअंग
सोतैसेइभांतिसोंआपबन्योहै। कामकोआतुरहैअतिही
तियकीरतिकोचितचारुबन्योहै५९॥रागिनीकेनाम।दो०॥
भूपालीकरुगूजरी देशीकारमलार ॥ तनकोबियोगि
निकामिनीमेघरागकीनार ६० ॥ रागिनीस्वरूपबर्णन ॥
भूपालीबिरहिनिखड़ी केसरबोरेचीर ॥ भयोबिरहछिन
ज्वालतेपियरोसबैशरीर६१ बिरहमहातनगूजरी रोवत
छूटेकेश ॥ कामदेवकाननलगे तिनहिंदियोउपदेश ६२
देशकारकंचनबदन खेलतपियकेसंग ॥ चहैकामनवयौ
वनी अंगअंगमेरंग६३ हियहुलसनिचितवनिचितै ग
योकामशरमार ॥ तनदुर्बलबिरहादहै बिरहिनिनारिम
लार६४सुमनसेजरचिसुघरईलेटरहीमनमारि॥ लेतउ
सांसउसीघरी तनकबियोगिनिनारि६५ ॥सो०॥ राखो

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

नामबिचारहियहुलासयाग्रन्थको ॥ रचेरूपशृंगारयामें सिगरेरसिकके ६६ इति ॥

पुनःमंगलाचरण रागभैरव ॥

मंगलमाधवनामउचार। मंगलबदनकमलकरमंगलमंगलजनहिसदासंभार ॥ देखतमंगलपूजतमंगलगावतमंगलचरितउदार। मंगलश्रवणकथारसमंगलमंगलतनबसुदेवकुमार ॥ गोकुलमंगलमधुबनमंगलमंगलरुचिवृन्दाबनचंद। मंगलकरणगोवर्द्धनधारीमंगलवेषयशोदानंद ॥ मंगलधेनुरेनुभुवमंगलमंगलमधुरबजावतबेनु। मंगलगोपबधूपरिरंभनमंगलकालिन्द्रीपयफेनु ॥ मंगलचरणकमलमणिमंगलमंगलकीरतिजगतनिवास। अनुदिनमंगलध्यानधरतमुनिमंगलमतिपरमानँददास १॥ रागसारंग ॥हरिहरिहरिसुमिरनकरो।हरिचरणारबिंदउरधरो ॥ हरिकीकथाहोइजबजहां। गंगाहूचलिआवैंतहां ॥ यमुनासिंधुसरस्वतिआवैं। गोदावरीबिलंबनलावैं ॥ सर्वतीर्थकोबासहैतहां। सूरहरिकथाहोवैजहां २ बन्दोंश्रीहरिपदसुखदाई। जाकीकृपापंगुगिरिलंघै अँधरेकोसबकछुदरशाई ॥ बहिरोसुनैगूंगपुनिबोलैरंकचलैशिरछत्रधराई। सूरदासप्रभुकीशरणागतबारम्बारनमोतेहिपाई ३ ॥ आरती रागविभासमें ॥ श्रीगोपालजूकीआरतीकरतुहै। घंटातालपखावजबाजैंपंचमुखीबातीबारतुहै ॥ शिवबिरंचिनारदइन्द्रादिक सबमिलिगावतबीनबजतुहै। सूरश्यामप्रभुकोदेखतसबतनमनधनहिंवारिडारतुहै ४॥ पुनःबिभासमें ॥ रत्नजटितकनक

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

थालमध्यसोहैंदीपमाल अथादिकचंदनअतिबहुसुगंध छाई। घननननननघंटघोरझननननझनिरटतकोरतननन ततथेईथेईथेईकरतिहैंएकदाई ॥ तननननननतानमान रागरंगसुरबँधानगोपीजनगावैंगीतमंगलबधाई । सूर जगिरिधरनलाल आरतीबनीरसाल वारततनमनाहिं प्राणयशुदानन्दराई ५॥ पुनःरामकलीमें ॥ आरतिकीजे श्यामसुंदरकी । नंदकुमारराधिकाबरकी ॥ भक्तिकरि दीपप्रेमकरिबाती । साधुसंगकरुअनुदिनराती ॥ नव बिलासमृदुहासमनोहर । श्रवणसुधासुखमोहनकरकी॥ आरतिब्रजयुवतीमनभावैसूरश्यामछबिकहँलगिगावै६

ब्यारू रागकेदारेपर ॥ चलोलालकछुकरौबियारी । रुचिनाहींकाहूपरमेरीतूकहिभोजनकियोकहारी ॥ बेस नमिलेसरसमैदासोंअतिकोमलपूरीहैभारी । जेंवहुका न्हमोहिंसुखदीजेतातकरीतुमालियेबियारी ॥ निंबुआ सूरनआमअथानोऔरकरौंदानिकीरुचिन्यारी। बारबार तूकहतियशोदाकाहिंल्यःवैरोहिणिमहतारी॥ जननीसुन ततुरतलैआईतनक२धरिकंचनथारी।सूरश्यामकछुकछु लैखायोजलअँचयोअरुबदनपखारी १॥पुनःरागबिहागरो पर ॥ कमलनयनहरिकरौबियारी । लुचुईलपसीसद्य जलेबीसोइजेंवहुजोइलगैपियारी ॥ घेवरमालपुवामो तिलाडूसुघरसँजूरीसरससवांरी । दूधबराउत्तमदधि रोटीगोलमसूरीकीरुचिन्यारी॥ आछोदूधऔटिधौरीको लैआईरोहिणिमहतारी । सूरदासबलरामश्यामदोउजें वहुजननिजायबलिहारी२ बलमोहनदोउकरतबियारी।

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

प्रेमसहित दोउजननि जिंवावतिरोहिणि अरुयशुमति महतारी ॥ दोउभैयामिलि खातएकसँगरतनजटित कंचनकीथारी । आलससोंकरकौरउठावतनयननींद झमकिरहिभारी ॥ दोउमातानिरखतआलसमुखछ बिपरतनमनडारातिवारी। बार२जमुहातसूरप्रभुयहउप माकबिकहैंकहारी ३ ॥ पुनः रागसारंग पर ॥ जेंवतकान्ह नंदकीकनियां । कछुकखातकछुधरनिगिरावतछबिनिर खतनँदरनियां॥ बरीबराबेसनबहुभांतिनव्यंजनबिबिध अँगनियां । डारतखातलेतअपनेकररुचिमाखनदधिदु नियां ॥ मिश्रीदधिमाखनमिश्रितकरिमुखनावतछबिध नियां । आपुनखायनन्दमुखनावतसोसुखकहतनबनि यां ॥ जोरसनंदयशोदाबिलसतसोनाहिंतिहूंभुवनियां । भोजनकरिनँदअचमनलीन्हेमांगतसूरजुठनियां ४ ॥ अचमन ॥ रागबिहागरो पर ॥ अचमनकीजैकुंजबिहारी । मुखछबिश्यामजाउंबलिहारी ॥ शीतलजलकपूररसरच योझारीकनकलियेकरप्यारी । खरिकालैदीन्हींकरकम लनअचयोलैनिजकरहरिझारी॥ पीरेपानाबिरीमुखनाव तिअधरअरुणताकीछबिभारी। मृगमदअगँजचंदनच र्चितसूरश्यामश्यामासुखकारी १ ॥ पुनःरागभैरव ॥ मंगल रूपयशोदानंदन ॥ मंगलमुकुटकानबिधिकुंडलमंगल तिलकबिराजतचंदन । मंगलभूषणसबअँगसोहतमंग लमूरतिआनँदकंदन ॥ मंगललकुटकांखमेंचापेमंगलमु रलिबजावतमंदन। मंगलचालमनोहरमंगलदरशनहो तमिटयोदुखद्वंदन ॥ मंगलब्रजपतिनामसबनकोमंगल

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

ग्रशगावतश्रुतिछंदन। मंगलश्यामराधिकाजोरीमंगल
सरश्यामरसकेलन २॥ रागबिलावल॥ हरिहरिहरिह
रिहरिहरिहरो। हरिचरणारबिन्दउरधरो॥ हरिबियोग
पांडवतजिराज। गयेहिमालयसबहिनत्याग॥ कहौंजु
कथासुनहुचितधार। सूरकहैभागवतऽनुसार ३॥ यमु
नाजूकीबंदना॥ रागभैरव॥ जैजैजैश्रीसुरजाकलिन्दनन्द
नी। गुल्मलतातरुसुबासकुंजकुसुममोदमत्तगुंजतअलि
सुभगपुलिनवायुमंदनी॥ हरिसमानधर्म्मशीलकान्तिमं
जुजलदनीलकटिनितंबभेदतानितगातिउतंगनी। सिक्का
जनुमुक्ताफलकंकणयुतभुजतरंगकमलनि उपहारलेति
प्रियाचरणबंदनी॥ श्रीगोपेंद्रगोपीसंगश्रमजलकणसिक्क
रंगअतितरंगनीसुरकिसरससुफंदनी। छीतस्वामीगिरि
वरधरनंदनँदनानंदकंदयमुनेजनदुरितहरनदुख निकंद
नी १॥ रागभैरवकीचरचरी॥ अतिमंजुलजलप्रबाहमनोरमा
सुखागबाहनवनवद्युतिराजतअतितरननंदनी। श्याम
बरनभ्फलकरूपलाललहरिबरअनूप सेवतसन्ततमनो
जबायुमंदनी॥ कुमुदकंजबनबिकासमंडितादिशिदिशि
सुवासकूजितकलहंसकोकमधुरछंदनी। प्रफुलितअर
बिंदपुंजकोकिलशुकसारगुंज सेवितअलिभंगपुंजबिबि
धबंदनी॥ नारदशुकसनकव्यासध्यावतमुनिकरतआ
सचाहतहैंपुलिनबाससकलदुखनिकंदनी। नामलेतक
टतपापऋषिकिन्नरमुनिकलाप करतजापपरमानँदआ
नंदकंदनी २॥ नामप्रतापबर्णन॥ रागधनाश्री॥ करमगति
टारेहूंनटरे। कहँवेराहुकहांवेरविशशिआनसंयोगपरे॥

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

गुरुवशिष्ठपंडितअतिज्ञानीरचिपचिलग्नधरे। पिताम
रणअरुहरणसियाकोवनमेंबिपातिपरे॥ भारतमेंभरुही
केअंडाघंटाटूटिपरे। हरिश्चंद्रसेदानीराजानीचकोपा
नीभरे॥ तीनलोकभावीकेबशमेंसुरनरदेहधरे। सू
रदासहोनीसोहोइहै काहेको शोचकरे १ करुणानिधि
तेरीगतिलखिनपरै। धर्म्मअधर्म्मनिषेध अविद्याहिं
कर्णअकर्णकरै॥ जयअरुबिजयअकर्मकियोकहब्रह्म
शरापदिवायो। असुरयोनिदीन्हीताऊपरधर्मअवेद
करायो॥ पिताबचनखंडेसोपापीसोइप्रहलादहिंकीन्हों।
निकसेखंभबीचतेनरहरिताहिअभैपददीन्हों॥ दानधर्म
बहुकीन्हभानुसुतसोतुवबिमुखकहायो। बेदबिरुद्धसकल
पांडवसुतसोतुम्हरेमनभायो॥ यज्ञकरतवैरोचनकोसुत
बेदवचनशुभकर्म। तेतुमबांधिपतालपठायोकौनदयानि
धिधर्म। द्विजकुलपतितअजामिलबिषयीगणिकाहाथबि
कायो। सुतहितनामलियोनारायणसोबैकुंठपठायो॥ प
तिब्रताजालंधरयुवतीसोपतिब्रततेटारी। दुष्टपुंश्चली
अधमसुवेश्यासुवापढ़ावततारी॥ मुक्तिहेतुयोगीश्रमक
रईअसुरबिरोधेपावै। अबिगतगतिकरुणामयतेरीसूरक
हाकहिगावै २ अबिगतिगतिजानीनपरै॥ मनबचअग
मअगाधअगोचरकेहिबिधिबुधसचरै। अतिप्रचंडपौरु
षसोंमातोकेहरिभूखमरै॥ तजिउद्यमअकाशकरबैठ्योअ
जगरउदरभरै। कबहुंकतृणबूड़तपानीमेंकबहुंकशिलात
रै॥ बागरसेसागरकरिराखेचहुंदिशिनीरभरै। पाहनबी
चकमलबिकसाहीजलमेंअग्निजरै॥राजारंककरंकतेराजा

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

लैशिरछत्रधरै। सूरपतिततरिजायछ्रणकमेंजोप्रभुटेकध
रै ३॥रागभैरव॥जैगोबिंदमाधौमुकुंदहरि। कृपासिंधुकल्या
णकंसअरि ॥ कृपनिपालकेशवकमलापति। कृष्णकम
ललोचनअगतिनगति ॥ रामचन्द्रराजीवनयनबर।
शरणसाधुश्रीपतिशारंगधर॥ बनमालीबामनबिट्ठल
बल । बासुदेवबासीब्रजभूतल ॥ खरदूषणत्रिशिरा
शिरखण्डन। चरणचिह्नदण्डकभुवमण्डन॥ बकीदवन
बकबदनबिदारण। बरुणबिषादनंदनिस्तारण॥ ऋषि
मखत्रानताड़कातारक।बनबसितातबचनप्रतिपालक॥
गोकुलपतिगिरिधरगुणसागर। गोपीरमणरासरतिना
गर॥ रघुपतिप्रबलपिनाकबिभंजन । जगहितजनक
सुतामनरंजन॥ कालीदमनकेशिकरपातन। अघअरि
ष्टधेनुकअनुघातन ॥ करुणामयकपिकुलहितकारी।
बालिबिरोधकपटमृगहारी॥ गुप्तगोपकन्याब्रतपूरण।
द्विजनारीदरशनदुखचूरण ॥ रावणकुम्भकरणशिरछे
दन। तरुवरसातएकशरभेदन॥ शंखचूड़चाणूरसँहार
ण। शक्रकहैंममरक्षाकारण॥ उत्तरकृपागीधकृतकारी।
दरशनदैशवरीउद्धारी॥ जेपदसदाशंभुहितकारी। जे
पदपरसिसुरसरीगारी॥जेपदरमाहृदयनहिंटारी।जिन
पदतेतिहुंभुवनतियारी ॥ जेपदवृन्दाबनाहिंबिहारी।
जेपदपांडवगृहपगुधारी ॥ जिनपदशकटासुरसँहारी।
जेपदअहिफणफणप्रतिधारी॥जेपदभक्तनकेसुखकारी।
जिनपदरजगौतमतियतारी ॥ सूरदाससुरयांचतवइप
द। करहुकृपाअपनेजनपरसद ४॥ दो० ॥ कहँलगिब

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

रणौंनामकीमहिमाअगमअपार ॥ अबबरणतश्रीकृष्ण की जन्मकथाबिस्तार ५ ॥ इति ॥

अथ श्रीकृष्णजन्मोत्सव वर्णन ॥

श्लोकटीकायांश्रीभागवते ॥ कृत्वानवतिरध्यायादशमे कृष्णकीर्त्तये ॥ भारंहर्तुंहरेर्जन्मसप्रसंगंनिरूप्यते १ ॥ रागिनीधनाश्रीतालतिताल ॥ चरणकमलबन्दोंहरिराई।जाकीकृपापंगुगिरिलंघैअँधरेकोसबकछुदरशाई॥बहिरोसुनेगूंगपुनिबोलैरंकचलैशिरछत्रधराई। सूरदासस्वामीकरुणामयबारंबारनमोपदजाई १ ॥ रागकल्यानतितालताल ॥ पदपंकजबन्दोंत्रिभुवनस्वामी। सबघटव्यापकजगतउधारनसुरनरमुनिजाकोपारनपामी ॥ मूककरेंबाचालपंगुगिरिलंघैअँधरेकोसबकछुदरशामी। सूरदासप्रभुआशपुजावोदेहुसुमतिहरिगारुड़गामी २ ॥ रागसारंगतालधमारि ॥ कहोशुकश्रीभागवतबिचार ॥ हरिकीभक्तियुगयुगचलिआईआनधरमदिनचार ॥ चिन्तातजोपरिक्षितराजासुनिशुकसीखहमारी। कमलनयनकीलीलागावतकटेअनेकबिकारी। षट्वांगदिलीपमुहूरतमेंतरिगयेतुम्हरेहैंदिनसातसुसार॥ सतयुगसतत्रेतातपकीयेद्वापरपूजासार।सूरभजनकलिकेवलकीजैलज्याकानिनिवारि ३॥ दो० ॥बिघनबिनाशनशुभकरन हरनतापत्रैशूल ॥ चरितललितनँदलालको सकलसुखनकोमूल४॥ सो०॥ चरणकमलउरधारिश्रीराधानँदलालके ॥ सुन्दररसआगारब्रजबिलासअबबरणिहौं५ ॥ श्रीशुकउबाच ॥ चौ० ॥ कहौंकथासुन्दरसुखदेनी ॥ अघहर

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

णीबैकुंठनिसेनी ६ श्रीकलिन्दतनयातटपावनि ॥ बसत
मधुपुरीपरमसुहावनि ७ उग्रसेनतहँबसैनरेशा ॥ नीति
निपुणसहधर्मसुबेशा ८ ताकोसुवनकंसअतिपापी ॥
असुरबुद्धिभोबिश्वसँतापी ९ ॥ दो० ॥ युगद्वापरकेअ
न्तमें कंसकियोजबराज ॥ साधुऋषीश्वरदुखभयो दै
त्यनबधेसमाज १०॥ चौ० ॥कियोतातगहिबन्दीशाला।
आपुनभयोकंसभूपाला ११ तातअनुजतेहिदेवकना
मा।सुतातासुदेवकीललामा १२दईकंसबसुदेवहिताही।
लोकवेदकरिरीतिबिवाही १३ दायजदियोअनेकबिधा
ना।हयगजरथपटभूषणनाना १४॥ दो० ॥ तबचढ़ाय
रथदेवकी आपभयोरथवान ॥ पहुँचावनअतिहेतसों
चल्योसहितअभिमान १५॥ श्लोकश्रीभागवते॥ पथिप्र
ग्रहिणंकंसमाभाष्याहाशरीरवाक्॥ अस्यास्त्वामष्टमोग
र्भोहन्तायांवहसेबुध १ ॥ इतिआकाशबाणी॥ चौ०॥ कं
सासुरसुनिवचनअकाशा। भयोचकितमनामिटयोहुला
सा१६ शत्रुसमानदेवकीमानी। रथतेउतरिपरयोअभि
मानी१७ खड्गनिकासिहाथमेंलीन्हों । यहबिचारअ
पनेमनकीन्हों १८ अबहींयाहिमारिदुखमेटौं। पुनिकले
शकाहेकोभेटौं १९॥पुनःभागवते ॥ इत्युक्त्वासखलःपापो
भोजानांकुलपांसनः॥ भगिनींहन्तुमारब्धःखड्गपाणिः
कचेग्रहीत् १ ॥ चौ० ॥ तबबसुदेवदीनह्वैकहहीं। तियब
धनहींभूपयशलहहीं २० ॥ पुनःभागवते ॥ श्लाघनीयगु
णःशूरैर्भवान्भोजयशस्करः ॥ सकथंभगिनींहन्यात्
स्त्रियमुद्वाहपर्वणि १ ॥ चौ०॥ मैंतुवहितकीकहतबिचा

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

री। राजनकीजैकाजसुधारी २१ ॥ कवित्त ॥ दाताकोम हीपमांधाताऔदिलीपऐसेजाकेयशअजहूंलौंद्वीप२छा येहैं । बलिऐसोबलवानकोभयोजहानबीचरावणसमा नकोप्रतापीजगजायेहैं ॥ बानकेकलानमेंसुजानद्रोणपा रथसेजाकेगुणदीनदयालभारथमेंगाये हैं । कंस२शूर रचेचतुरविरंचिजूफेरचकचूरकरिधूरिमेंमिलायेहैं २२॥ चौ० ॥ तातेबिनयकरतसुनिलीजै। भगिनीबधिबहुपाप नकीजै २३॥ कंसवचनवसुदेवप्रति ॥ सुनुवसुदेवभईनभ बानी। तुमहुंसुनीकछुनाहिंछिपानी २४ जोनहिंहतौंआ जयहबाला। मिटैनउरतेशोचविशाला २५ कन्याऔर ब्याहितोहिंदैहौं। याहिमारिउरशोचमिटैहौं २६॥ दो०॥ मुनिजनगुरुजनसंगजेतिन्हहनिकह्योसमुझाय॥ वृथाहो तहैयज्ञफलयहनउचितमहिराय २७॥ चौ० ॥ पुनिबसु देवकहैकरजोरी। राजनसुनियबिनययकमोरी २८ वृ थादेवकीकोजनिमारो। याकोसुतहैशत्रुतुम्हारो २९ स बसुतयाकेहमसोंलीजै। जीवदानयाकोप्रभुदीजै ३० भ लीबातयहसबहिनजानी। भावीविवशकंसहूमानी ३१ तिन्हैंसहितनृपघरफिरिआये। करिआगोटदोऊरखवा ये ३२ प्रथमपुत्रजबदेवकिजायो। लैवसुदेवकंसपैआ यो ३३ बालकदेखिकंसहँसिदीन्हों। इनतोकछुअपरा धनकीन्हो ३४ अठवोंगर्भशत्रुहैमेरो। सोतुमदीजोआ निसबेरो ३५ यहकहिबालकफेरिसोदीन्हो । वसुदेवग वनभवनकोकीन्हो ३६॥ पुनःश्रीभागवते श्लोकः ॥ एत त्कंसायभगवान्शशंसाभ्येत्यनारदः॥ भूमेर्भारायमाणा

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

नांदैत्यानांचबधोद्यमम् १ ॥ दो० ॥ तबऋषिनारदकंस पहँलियेहस्ततलबीण ॥ गुणगावतगोबिन्दकेआयेपरमप्रवीण ३७ ॥ सो० ॥ उठ्योदेखिकैकंस शीशनायपद बंदिकरि॥ बैठायोपरशंसशुभआसनऋषिनारदहि ३८ चौ० ॥ समाचारजोकछुक्वैआये । सोसबऋषिकोकंससुनाये ३९ सुनिनृपबचनबिहँसिऋषिबोले । तुमकतरहतशत्रुसोंभोले ४० जोंप्रथमहिंवहआयोहोई । दैवचरित्रजानकछुकोई ४१ आठलकीरखैंचदिखराईं । गिनतीमेंसबआठैआईं ४२ यहसमुझायगयेऋषिज्ञानी । कंसासुरउरअतिभयमानी ४३ तेहिक्षणबालकफेरिमँगायो । लैवसुदेवतुरतहीआयो ४४ लियोमूढ़गाहिकरमेंताही । पटकतभयोशिलापरवाही ४५ याहीबिधिषटबालकमारे । मातुपिताअतिभयेदुखारे ४६ कहतअहोश्रीपतिअसुरारी । तुमबिनुकासोंकहहिंपुकारी ४७ ॥ दो० ॥ बिपतिविनाशनदुखदमनजनरंजनसुरराय ॥ अबहमकोकोऊनहींतुमबिनुऔरसहाय ४८ ॥ सो० ॥ बिनतीप्रभुहिंसुनायमनदम्पतिकोदुखितअति ॥ होतनप्रकटजनायकंसअसुरकेत्रासते ४९ ॥ दो० ॥ यज्ञहोमकीहानिकरिपरजाकोदुखदीन ॥ ऐसोपापबिचारकरिभूमिभईआधीन ५० ॥ सो० ॥ भूमिगऊतनुधाराशिवबिरंचिपहँजायकरि॥ कीन्होदुखितपुकारतबहिंकह्योसबदेवमिलि ५१ ॥ चौ० ॥ विनयकरियचलिश्रीपतिपाहीं । कृपाकरहिंतबसबदुखजाहीं ५२ भूमिसहितसुरसकलसिधारे । कोरसिंधुतटजायपुकारे ५३ धेनुअग्रकरिवि

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

नयसुनाई। जयजयजयत्रिभुवनसुरसांई ५४ जयसुख
कन्दभक्तहितकारी। जयजगबन्दनभवभयहारी ५५
जयजयअसुरसमूहनिकन्दन। जयजयभक्तनकेउरचंद
न ५६ जयजयजयप्रणतारतमोचन। दैत्यदलनसुर
शोचबिमोचन ५७ जयजयजयप्रभुअन्तरयामी। सु
नियबिनयसचराचरस्वामी ५८॥ दो०॥ धरियमनुजत
नुदनुजहतिकरियधरणिउद्धार। परसतपदपंकजमिट
हिंसकलभूमिअघभार ५९॥ सो०॥ पाहि२भगवन्त
शरणागतवत्सलहरे। क्षमाकरहुआनंतदीनदुखितजन
जानिहरि ६०॥ चौ०॥ दीनवचनजबधेनुपुकारी। भई
गिरानभमंगलकारी ६१ जाहुसकलसुरघरभयत्यागी।
धरिहौंनरतनुतुमहितलागी ६२ गर्भदेवकीकेअवतरि
हौं। बालचरितगोकुलमहँकरिहौं ६३ तुमहूंगोपवेषब्र
जहोऊ। ममसँगसुखपावोसबकोऊ ६४ यहकहिसुरन
बिदाहरिकीन्हो। आयसुयोगशक्तिकहँदीन्हो ६५ सप्त
मगर्भदेवकीकेरा। तहांशेषममअंशबसेरा ६६ सोआक
र्षणकैक्षणमाहीं। राखहुगर्भरोहिणीपाहीं ६७ शक्तिज
बहिंहरिआयसुपायो। ततक्षणताहितहांपहुंचायो ६८ह
रिचरित्रकछुजाननकोई। जोकछुकरनचहैंसोहोई ६९॥
श्लो०॥ द्वितीयेकंसघातायदेवक्यागर्भगोहरिः। ब्रह्मा
दिभिस्तुतःसाचशांत्वितेतिनिरूप्यते १॥ दो०॥ तब
कृपालुजनकेसुखदआबिगतकमलाकंत। निजआगम
देवकिउदरदियजनायभगवन्त ७०॥ सो०॥ तनद्यु
तिबढ़ीअपारपरमप्रकाशितभवनसब। आननमुकुरनि

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

हारअतिप्रसन्नमनदेवकी ७१ ॥ चौ० ॥ प्रभुआगमन
जानिकरिदेवा । आयेसकलजनावनसेवा ७२ नभते
गर्भस्तुतिसबकरहीं । जयजयजयजयजयउच्चरहीं ७३
जयब्रह्माशिवसेव्यसदाई । जयवेदान्तवेदसुरसाईं ७४
जयसंकल्पसत्यगुणधामा । जयजनबाञ्छितपूरणकामा
७५ जयगोद्विजहितनरतनुधारी । जयसंतनपतिगति
अपहारी ७६ जयकृपालुआनन्दबरूथा । बन्दतचरण
सकलबरयूथा ७७ जयपुरुषारथअमितअनूपा । महा
पुरुषसचराचरभूपा ७८ जयअहीशानितनवगुणगावें ।
तदपिनाथगुणअन्तनपावें ७९ जोमुनिजनमुनिध्यान
नआवें । भक्ताधीनवेदयशगावें ८० ॥ दो० ॥ अलखअरू
पअनीहअजप्रभुअद्वैतअनादि । गर्भबाससोदेवकीकौ
तुकनिधिसरबादि ८१ ॥ सो० ॥ किनहुंनपायोभेवशेश
महेशगणेशबिधि । नमोनमोतेहिदेवपरमविचित्रचरि
त्रशुभ ८२ ॥ चौ० ॥ करिबिनतीसुरसदनसिधारे । पर
मानन्दमगनमनभारे ८३ तबदेवकिपतिपासबखाने ।
कोमलवचनप्रेमसोंसाने ८४ ॥ देवकीकेवचन वसुदेवप्रति
सूरसागरे । रागकेदारो ॥ अहोपतिकछुउपायसोकीजे ॥
जेहिउपाययहबालकअपनोराखिकंससोंलीजे १ मन
साबाचाऔरकरमनानरपतिकह्योनपतीजे २ बुधिबल
छलकरियत्नयुक्तियहिकादिअनतहीदीजे ३ नाहिंन
इतनोभागसुयहरसानितलोचनपुटपीजे ४ बालकगये
कहातुमकरिहौतबबहुतेदुखभीजे ५ कंसदुष्टनहिंबूझै
सुखदुखदूतकोऊजोपतीजे ६ तातेकहतिपुकारिअबाहिं

तेपाछेकहाजोकीजै ७ सुनहुजोपियऐसेसुतकोमुखनिर
खि२सुखलीजै ८ सूरदासप्रभुमोहनमूरतिकैसेजाने
दीजै ९। ८५ ॥ वसुदेववचनदेवकीप्रति। पुनः राग बिहागरो॥
सुनुदेवकीकोहितूहमारे । असुरकंसउपबंसविनाशन
शिरपरबैठेहैंरखवारे १ ऐसोकोसमरथत्रिभुवनमेंजोयह
बालकनेकउबारे २ खड्गधरेआयोमोंदेखनअपनेकर
क्षणमाहँपछारे ३ यहकहिकैअकुलायधरणिगिरेनयन
नीरभरि२दोउढारे ४ दुखितदेखिवसुदेवदेवकीप्रकटभ
येधरिकैभुजचारे ५ बोलतउठेप्रतिज्ञाप्रभुयहमोंतेउबरै
तबमोहिंमारे ६ अतिदुखमेंसुखदियोसूरकोश्रीप्रभुनंद
हिभवनसिधारे ७। ८६ ॥ दो० ॥ षटबालकवधसुरति
करिदम्पतिदुखितविचार। अतिव्याकुलभयकंसकेदग
नचलीबहिधार ८७॥ सो० ॥ करुणासिंधुदयालतात
मातअतिदुखितलखि । प्रकटभयेतेहिकालदुखमोचन
लोचनसुखद ८८॥ चौ० ॥ योगशक्तिहरिआयसुपाई।
प्रकटीनन्दभवनसोजाई ८९ ताकेप्रकटतहीनरनारी।
भयेनींदबशदेहबिसारी ९० भादौंकारीनिशिअतिपाव
नि। आठेंबुधरोहिणीसुहावनि ९१ अखिललोकपति
जनसुखदायक। आकेजन्मलियोसुरनायक ९२॥ श्लोक
भागवते ॥ निशीथेतमउद्भूतेजायमानेजनार्दने । देव
क्यांदेवरूपिण्यांविष्णुःसर्वगुहाशयः १ तमद्भुतंबाल
कमंबुजेक्षणंचतुर्भुजंशंखगदायुदायुधम् । श्रीवत्सल
क्ष्मंगलशोभिकौस्तुभंपीताम्बरंसांद्रपयोदसौभगम् २॥
चौ० ॥ काननमेंकुंडलछबिछाजे । उरमुक्तनकोहारबिरा
CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

जै९३ मुखशोभाकछुकहियनजाई। भानुकोटिप्रकटेमनु
आई९४॥ पुनः श्लोक भागवते ॥ सविस्मयोत्फुल्लविलोच
नोहरिंसुतंविलोक्यानकदुंदुभिस्तदा। कृष्णावतारोत्स
वसंभ्रमोऽस्पृशन्मुदाद्विजेभ्योयुतमाप्लुतोगवाम् १॥
चौ० ॥ परमप्रतापसुभगशिशुदेखा । अद्भुतरूपदेव
कीदेखा९५॥ सूरसागरे। रागकेदारो॥ देवकीमनमनचक्रि
तभई। देखहुआयपुत्रमुखकाहेनऐसीकहूंदेखिनदई १
शिरपरमुकुटपीतऊपरनाभृगुपदउरभुजचारिकिये २पूर
बकथासुनाइकहीहरितुममांग्योयाहिवेषधरे ३छोरेनिगड़
सोवायेपहरूद्वारकपाटउघारयो ४ तुरतमोहिंगोकुलहि
जाहुलैयहकहतहिशिशुबेषधरयो५ तबहींरायउठेवसुदे
वसुनिहर्षवन्तनँदभवनगये ६ बालकधरिलैसुरदेवीको
आपसूरमधुपुरीभये७९६॥ दो० ॥ तबदेवकिपतिसों
कह्योनाहींऔरउपाव । माखनप्रभुकोगोदलैगोकुलमें
लैजाव ९७ अतिअँधियारीअर्द्धनिशिभटघेरेचहुंओ
र। कौनभांतिजैहैंदईपांयानिगड़अतिघोर९८॥ सो० ॥
बर्षतअतिजलजोरघनगर्जतचमकतचपल। बीचयमु
नअतिघोरपारकवनबिधिपाइहैं ९९॥ सूरसागरेरागकेदा
रो॥ भादोंकीरातिअँधियारी। द्वारकपाटकोटिभटरोंके
दुहुंदिशिकंतकंसभयभारी १ गरजतमेघमहाडरलाग
तबीचबढ़ीयमुनाजलकारी २ तबतेइहैंशोचपियमेरे
क्योंदुरिहैंशशिबदनउजारी ३ अरिपियबोलबचनक
रिराखीबरुदेतेमोहिंतादिनमारी ४ कहिऐसोजाकोसुत
बिछुरैसोकैसेजीवैमहतारी ५ कठिनबिलापदेवकीसोक

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

हिदीनदयालशीतभयहारी ६ छुटिगयेनिगड़तबाहिंग
येगोकुलसूरसुमतिहैंबिपतिनिवारी७।१००॥तथासोरठ॥
हरिमुखदेखिहोबसुदेव। कोटिकामस्वरूपबालककोउन
पायोभेव। झरेतारेपरेपहरूनींदआईगेह। दामिनीचहुं
ओरचमकैसघनबरषतमेह। चारिभुजकेचारिआयुधनि
रखिकेनपत्याउं।अजहुंमनपरतीतिनाहींनन्दघरलैजाउं।
सिंहआगेशेषपाछेनदीहैभरपूर। नासिकालौंनीरआयो
पारपैलोदूर।गोदतेहुंकारकीन्हींयमुनजान्योभेव।पुलकि
केहरिचरणपरसींतरिगयेबसुदेव। महरिढिगमनजानि
राखेअमरअतिआनन्द। सूरदासहुलासब्रजहितप्रक
टेआनँदकंद १॥ चौ० ॥ कन्यातहांपुनीतनिहारी।
लईउठायराखिदैत्यारी २ फिरिफिरिसुतकोबदननिहा
री। चलेतुरतभयकंसबिचारी ३॥ दो० ॥ वहांदेवकी
प्रेमबशअतिब्याकुलअकुलात। बालकअरुबसुदेवको
पठैबहुतपछितात ४॥ सो० ॥ बैठतउठतअधीरब्याकु
लसोराहिसेजपर। मोचतनैननीरबोलिसकतनहिंकं
सडर ५॥ चौ० ॥ यहिबिधिशोचाविवशअकुलाई। इ
कक्षणकल्पसमानबिहाई ६ पहुंचेबसुदेवतेहिक्षणजाई।
बूझतउठीपुत्रकुशलाई ७ केहिबिधिपुत्रराखिपतिआ
ये। समाचारबसुदेवसुनाये ८ कन्यादईदेवकिहिजबहीं।
द्वारकपाटगयेलागितबहीं ९ बेड़ीकैगईंपगततकाला।
कन्यारोयउठीतेहिकाला।१० चहुंदिशिजागपरेरखवारे।
तुरतकंसपहँजाइपुकारे ११ सुनतहिउठिअतिआतुर
धायो। खड्गहिलियेतहांचलिआयो १२॥ दो० ॥

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

कन्यालैतबदेवकीआगेराखीआय। दीनबचनआनन्द
हैकंसहिकहीसुनाय १३ ॥ श्लोकभागवते ॥ नन्वहंतेह्य
वरजादीनाहतसुताप्रभो। दातुमर्हसिमंदायाअंगेमांचर
मांप्रजाम् १ उपगुह्यात्मजामेवंरुदंत्यादीनदीनवत् ।
याचितस्तांविनिर्भर्त्स्यहस्तादाचिच्छिदेखलः २ ॥ कंस
बचन। चौ० ॥ सुनतकंसभगनीकीबानी। मृत्युत्रासतेश
ठहिसमानी १४ यातेकछूहोयछलकोई । काजानैबिध
नागतिकोई १५ यहबिचारिकन्यागहिलीन्हीं। पटकन
कीमनसातेहिकीन्हीं १६ करतेछूटिगईआकाशा। दिव्य
रूपतहँकियोप्रकाशा १७ बोलतभईगगनतेबानी। अ
रेमंदमतिअधमअज्ञानी १८ ममहत्यातैंलईवृथाहीं।
तेरोरिपुप्रकट्योव्रजमाहीं १९ ऐसेकहिकैस्वर्गसिधारी।
कंसाहिशोचभयोअतिभारी २० परयोदेवकीचरणनमा
हीं। मैंमारेतुवपुत्रवृथाहीं २१ बसुदेवहुसनक्षमाकराई।
निगड़दियोपगसेकटवाई २२॥ दो०॥ भयोशोचव्याकुल
सदन परयोसेजपरजाय। जागतहीबीतीनिशा नींदप
रीनहिंताहि २३॥ पुनःश्लोके॥ पंचमेंजातकंनन्दःसूनोः
कृत्वामहोत्सवं । गत्वाथमथुरांप्रापवसुदेवागमोत्स
वं १ ॥ गोकुलोत्सव। चौ० ॥ यशुदाजबसोवततेजागी।
सुतमुखदेखतहीअनुरागी २४ ॥ सूरसागरेरागबिलावल ॥
गोकुलप्रकटभयेहरिआय । अमरउदारनअसुरसँहा
रनअन्तर्यामीत्रिभुवनराय १ माथेपरधरिवसुदेवल्या
येनन्दमहरघरगयेपहुँचाय २ जागीमहरिपुत्रमुखदे
खतपुलकअंगउरमेंनसमाय ३ गदगदकंठबोलिनाहिं

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

आवैहर्षवन्तह्वैनन्दबुलाय ४ आवहुकंतदेवपरसनभे
पुत्रभयोमुखदेखोआय ५ दौरिनन्दगेसुतमुखदेख्योसो
सुखमोपैबरणिनजाय ६ सूरदासपहिलोहिसेमांग्योदूध
पियावनयशुमातिमाय ७। २५॥ पुनःरागविभास ॥ नन्द
रायकेनवनिधिआई । माथेमुकुटश्रवणमणिकुंडलपी
तबसनभुजचारिसुहाई १ बाजततालमृदङ्गतालगति
चरचिअर्गजाअंगचढ़ाई २ अक्षतदूधलियेशिरबन्दत
घरघरबन्दनवारबँधाई ३ छिरकतहरदिदहीहियहरषत
गिरतअंकभरिलेतउठाई ४ सूरदाससबमिलतपरस्पर
दानदेतनहिंनन्दअघाई ५। २६॥ दो० ॥ ब्रजवासीटेर
तफिरैंकोऊबनजनिजाय। नन्दरायघरसुतभयोदेहुबधा
ईआय२७॥ पुनःसूरसागरेरागगूजरी ॥ आजबनकोऊबेगि
नजाई। सौगैयांबछरासमेतसबआनहुचित्रबनाई। ढो
टाहैरेभयोमहरिकेकहतसुनाइसुनाई । अपनेअपनेमन
कोचिंत्योनयननदेख्योआई। एकफिरतदधिदूधबन्दव
तएकचलतउठिधाई। एकपरस्परकहतबधाईआनँदउर
नसमाई। सूरदासप्रभुगोकुलप्रकटेगनतनरानोराई२८॥
दो०॥ काहूहीरालालमणिकाहूमोतिनमाल। काहूभूषण
बसनदैकीन्होंसबहिंनिहाल २९॥ सो०॥ अतिहर्षितनँद
रायकह्योबजावनसोहिलो।नारिउठींसबगायलागेबजन
नधावरी३०॥पुनःसूरसागरेरागरामकली ॥होयकनईबातसु
निआई।महरियशोदाढोटाजायोघरघरहोतबधाई। द्वारे
भीरगोपगोपिनकीमहिमाबरणिनजाई। अतिआनन्दहो
तगोकुलमेंरतनभूमिनिधिछाई। नाचततरुणवृद्धअरुबा

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

लकगोरसकीचमचाई। सूरदासस्वामीसुखसागरसुन्दरश्यामकन्हाई ३१॥ दो० ॥ चोलीऊदीकोचकीलहँगा कुसुमीरंग। सारीगोटेतारकीशोभितसुन्दरअंग ३२॥ सो० ॥ लैआईंब्रजनारिकंचनथारसवाँरके। तामेंदीपकबारिमाखनप्रभुकीआरती ३३॥ पुनःसूरसागरे रागगौरी तथासोहर ॥ धनिधनिनन्दयशोमतिधनिजगपावनरे। धनिहरिलियेअवतारसुधनिदिनआवनरे। दशयेंमासभयोपूतजुमुनिनसुहावनरे। शंखचक्रशारंगचतुर्भुजभावनरे। बनिबनिब्रजसुन्दरिचलिंगायवृंदावनरे। कनकथाररोचनदधितिलककरावनरे। नँदघरपहुँचलिगईं महरिजहँपावनरे। पाँयनपरींसबधायमहरिबैठावनरे। यशुमतिधनितुवकोखिजहांरहेबावनरे। भलेहिंसुरनभयोपूतअमरअमरावनरे। युगयुगजीवहिंकान्हसबहिमनभावनरे। गोकुलहाटबजारकरतजुलुटावनरे। घर २ बाजबधावनगरजुसुहावनरे। अमरनगरभोउछाहअप्सराजुनचावनरे। ब्रह्मलीन्हअवतारदुष्टकेदावनरे। दानसबैजुरिदेतबरसजनुसावनरे। मागधसूतरुभाटधनलेतजरावनरे। चोवाचंदनअबीरगलिनछिरकावनरे। ब्रह्मादिकसनकादिकगगनभरावनरे। कश्यपऋषिसुरतातसुलगनधरावनरे। तीनिहुंपुरआनन्दकंसकोडरावनरे। सूरदासप्रभुजगमेंभक्तहुलसावनरे ३४॥ दो० ॥ वृषभानादिकगोपबरब्रजबासीसमुदाय। आयेसबनँदरायगृहआनँददउरनसमाय ३५॥ सो० ॥ अतिआदरकरिनंदशुभआसन

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

दीन्हेसबहिं । सबकेमनआनन्दबजतदुंदुभनिचतनट ३६॥ क० ॥पूतसपूतजन्योयशुदाइतनीसुनिकैबसुधासबदौरी ।देवनकोआनन्दभयोसुनिधावतगावतसंगनगोरी। नंदकछूइतनोजोदियोघनश्यामकुबेरहुकीमतिबौरी। मोहिंदेखतब्रजहिंलुटायदियोनबची बछियाछछियानपिछौरी ३७। पुनः श्रीभागवते श्लोकः ॥अवाद्यंतविचित्राणिवादित्राणिमहोत्सवे। कृष्णेविश्वेश्वरेऽनंतेनंदस्यव्रजमागते १॥ अथ शिवआगमन । सो० ॥ ताहीदिनशुभराशधरियोगीकोवेषशिव । हरिदरशनकीआशअतिअनंदआयेब्रजहि ३८॥ क० ॥ हेहोब्रजराजकोउबेषधारीआजपुत्रकोजनमसुनिआयोतेरेभौनहै । मोतीमणिमाणिकपटकंचननरत्नलेतहयगयभूमिग्रासलेतहमसौनहै । नगरअहोटेनाहिंभूमिब्रजलोटएकअलखहीउचारेऔरनिजमौनहै । बालककेपांवलैजटानसोंछुआयनाचैयोगीतिनआंखकोकहांसेआयोकौनहै ३९ ॥ सूरसागरे । रा० भैरव ॥ नन्दद्वारइकयोगीआयोशृंगीनादबजायो । शीशजटाशशिबदनसोहायोअरुणनयनछबिछायो । रोवतखीझतकृष्णसांवरोरहतनहींहुलरायो । लियोउठायगोदनँदरानीद्वारेजायदिखायो। अलखअलखकरिलियोगोदमेंचरणचूमिउरलायो। श्रवणलागिकछुमंत्रसुनायोहँसिबालककिलकायो । चिरजीवोसुतमहरितिहारोहौंयोगीसुखपायो। सूरदासरमिचलोरावरोशंकरनामबतायो४० ॥ पुनः तथा ॥ मैंयोगीयशगायारेबाबामैंयोगीयशगाया। तेरेसुतकेदरशनकारणमैंकाशीसेधाया। परब्र

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

ह्मपूरणपुरुषोत्तमसकललोकजामाया। अलखनिरंजनदेखनकारणसकललोकफिरआया। धनितेरोभागयशोदारानीजिनऐसासुतजाया। गुणनबड़ेछोटेमतभूलोअलखरूपधरिआया। जोभावैसोलीजैरावरकरोआपनीदाया। देहुअशीशमेरेबालककोअबिचलबाढ़ेकाया। नामैंलेहौंपाटपितम्बरनामैंकंचनमाया। मुखदेखूंतेरेबालककोयहमेरेगुरुनेलखाया। करजोरेबिनवैनँदरानीसुनयोगिनकेराया। मुखदेखननहिंदेहौंरावरबालकजातडिठाया। कालापीलागौररूपहैबाघम्बरओढ़ाया। कहुँबालककोदृष्टिलगेकहुँबालकजातडेराया। तीनलोककासाहबमेरातेरोभवनछिपाया। जाकीदृष्टिसकलजगऊपरसोक्योंजातडेराया। कृष्णलालकोलाईयशुदाकरिअंचलमुखछाया। करपसारचरणनरजलीन्होंशृंगीनादबजाया। अलखअलखकरिपांयछुवेंहैंहँसिबालककिलकाया। पांचबेरपरिकर्माकरिकेअतिआनन्दबढ़ाया। हरिकीलीलाहरमनअटक्योचितनहिंचलतचलाया। अखिलब्रह्मांडकेनायककहियेनन्दघरहिप्रकटाया। इंद्रचंद्रसूरजशारदसनकादिकअन्तनपाया। लागिश्रवणकछुमंत्रसुनायोहँसिबालककिलकाया। कौनदेशकेयोगीहौतुमकौननामधरवाया। कहांबासअसकहतियशोदासुनुयोगिनकेराया। तुमहींब्रह्मातुमहिंबिष्णुहौतुमहींईशकहाया। तुमबिश्वंभरतुमजगपालकतुमहींकरतसहाया। सूरश्यामकहसुनोयशोदाशंकरनामबताया४१॥ दो०॥ भरेपरमआनंदसुरउपजावतअनुराग। बारबारवर्णनकरैंनन्दयशोम

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

तिभाग ४२ ॥ सो० ॥ प्रकटेगोकुलचन्दसन्तकुमुदवन
मोदकरि । तमकुलअसुरनिकन्दब्रजजनचारुचकोरचि
त४३॥चौ०॥ नितनवभीरनन्दकेद्वारे। याचकजनसबहो
हिंसुखारे४४पांचदिवसयहिबिधिसुखपायो । छठयेंदिव
सछठीकरवायो४५ बिशुकरमापलनागढ़िल्यायो । रत
ननजटितसुरंगसुहायो ४६ लागेबिबिधखिलौनातामें ।
देखतभूलिरहैमनजामें ४७ मंगलमयरजनीजबआई ।
गायउठींसबनारिसुहाई ४८ ॥ अथकुरताटोपी । दो०॥कुर
ताटोपीपीतरँगलालनकोपहिराय । लैउछंगपूजनछठी
बैठीहर्षितमाय ४९ ॥ सो० ॥ करिकुलकोब्योहारकरी
आरतीश्यामकी । करतनिछावरिनारतनमनधनशशि
मुखनिरखि५० ॥ चौ० ॥ प्रातहिंउठिललनाअन्हवायो।
सुदिनशोधिपलनापौढ़ायो ५१ ॥ पुनः सूरसागरे । रागध
नाश्री ॥ यशोदाहरिपालनेझुलावें । हलरावैंदुलरायम
ल्हावैं जोइसोइसोईकछुकछुगावैं । मेरेललनकोआव
निदरियाकाहेनआनसुवावैं। तूकाहेवेगिनहिंआवैतोको
कान्हबुलावें । कबहुंपलकहरिमूंदिलेतहैंकबहुंअधरफर
कावें। सोवतजानिमौनह्वैकैरहिकरिकरिसैनबतावैं।इहि
अन्तरअकुलायउठेहरियशुमतिहरुवेगावैं । सूरजोसु
खसुरमुनिकोदुर्लभसोनितयशुमतिपावें ५२ ॥ पुनःराग
जैतश्री ॥कन्हैयाहालरोंहौंवारी। तेरेवदनइंदुपरप्यारेअ
तिछबिअलसनिमारी। कमलनयनकोकपटकरेमाईयहि
ब्रजआवेगो । पालागोंबिधिताहिनकीज्योतूतेहितुरत
बिगो । सुनुदेवताबड़ेजगपावनतूपतियाकुलको । मैंपू

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

जिहौंवेगियहवालककरदेमोहिंवड़ोको । यहसुखसूरदा
सकोनयननिदिनदिनदूनोहो। द्युतियाकेशशिलौंहिवढ़ै
शिशुदेखैंजननिगुनोहो ५३ ॥ दो० ॥ बरषतपरमानंदज
लनन्दसदनजगमाहिं । ध्यानभूमिदृगसरितमगजनउ
रसिंधुसमाहिं ५४ ॥ सो० ॥ पूरणहोतसुनाहिंयद्यपिनि
शिवासरभरत । बढ़तलहरिपुलकाहिंहरिमुखशशिएकै
निरखि ५५ ॥ चौ० ॥ कंसहिवहांनींदनिशिनाहीं । अ
तिचिंताव्याकुलमनमाहीं ५६ बैठ्योनिकसिसभाउठिप्रा
ता। मंत्रीबोलिकहीसबबाता ५७ मेरोरिपुप्रकटयोव्रज
माही। कौनभांतिपहिंचानहुंताही ५८ मोपैरायमंत्रसु
निलीजै। धर्मकाजकछुहोननदीजै ५९ जपतपहोमहो
ननहिंपावें। विप्रनसाधुनअसुरसतावें ६० जोवहदेव
होयगोकोई। सहिनहिंसकैप्रकटिहैसोई ६१ तबतेहि
जायअसुरसंहारैं। याबिधिशत्रुतुम्हारेमारैं ६२ बोल्यो
एकबातयहनीकी। औरहुसुनहुहमारेजीकी ६३ देशदे
शकोअसुरपठावो। बालकमासककेजेपावो ६४ ॥ दो०॥
तिनसबहिनकोबधकरैंबचननपावैंकोइ । इनहींमेंवहहो
यगोमारयोजैहैसोइ ६५ ॥ सो० ॥ कहेउकंसहरषायक
हेउमंत्रदोऊभले । पठवहुअसुरनिकायजायकरैंकारज
सम्हरि ६६ ॥ चौ० ॥ यहिविधिअसुरबिदाबहुकीन्हें ।
बालबधनकोआयसुदीन्हें ६७ कह्योजायव्रजवेगिहिको
ई। तहँकेबालकमारैंसोई ६८ कह्योपूतनाआयसुपाऊं।
तौयहकारजमैंकरिल्याऊं ६९ ॥ पुनःसूरसागरे । रागबिहा
गरो ॥ राजाकोकाजआजकरिआऊं। वेगिसंहारौंसकल

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

गोपशिशुजोमुखआयसुपाऊं। मोहनमुरलिबसीठीपठ
योमतिसन्मुखह्वैधायो। अंगसुभगसाजेमधुसुंदरिनै
ननमाहिंसमायो। घसिचन्दनकंकोलउरोजनिलैरुचि
सोंपयप्याऊं। सूरशोचमनकरैंअबहिंतेतौपूतनानाम
कहवाऊं ७० ॥ चौ० ॥ तुरतकंसतेहिआयसुदी
न्हो। सुनतहिवचनगवनसोकीन्हो ७१ तादिनन
न्दमधुपुरीआये। राजअंशकछुनृपपहँल्याये ७२ नृप
दरबारताहिपहुंचाई। समाचारवसुदेवकोपाई ७३ मि
लनगयोतिनकोनँदराई। उठिवसुदेवमिलेहरषाई ७४
दो० ॥ कुशलपूंछिकरिपरस्परबारम्बारसप्रीति। बैठारे
नँदरायढिगकरिकैआदररीति ७५ ॥ सो० ॥ तबबोले
नँदरायसुनहुदेवभावीप्रबल। तासोंकछुनबसायजगत
भ्रमतजाकेविवश ७६ ॥ चौ० ॥ आजदेखिकैचरणतु
म्हारे। भयेसुखारेनयनहमारे ७७ तबवसुदेवकहीमृदु
बानी। अहोनन्दतुमसत्यबखानी ७८ कर्मरेखनहिंजा
तमिटाई। बिधिगतिकठिनजानिनहिंजाई ७९ ॥ रागध
नाश्री ॥ करमगतिटारेईनटरै। कहँवेराहुकहांवेरबिशशि
आनसँयोगपरे। गुरुवशिष्ठपंडितअतिज्ञानीरचिपचि
लग्नधरे। पितामरनअरुहरनसियाकोबनमेंबिपतिपरे।
भारतमेंभरुहीकेअंडाघंटाटूटिपरे। हरिश्चंद्रसेदानीरा
जानीचकोपानिभरे। तीनलोकभावीकेवशमेंसुरनरदेह
धरे। सूरदासहोनीसोहोइहैकाहेकोशोचकरे ८० ॥ चौ० ॥
सुनहुनन्दसुतभयोतुम्हारे। तबतेअतिसुखभयोहमारे
८१ तबनँदहलधरजन्मसुनायो। प्रथमाहिंतिन्हैंरोहिणी

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

जायो ८२ सुनिवसुदेवबहुतसुखपाई । कंसनृपतिकृत बर्णिसुनाई ८३ ॥ सो० ॥ गईपूतनाआजव्रजकोबाल कघातिनी । करिहैकछूअकाजवेगिधामसुधिलीजिये ८४ ॥ श्लोकभागवते ॥ करोवैवार्षिकोदत्तोराज्ञेदृष्टावयं चवः । नेहस्थेयंबहुतिथंसंत्युत्पाताश्चगोकुले १ ॥ चौ० ॥ सुनिवसुदेववचननँदराई । भयेबिदातुरतहिंभ यपाई ८५ ॥ पुनः श्लोक टीकायां ॥ षष्ठेसख्युर्गिरान न्दोव्रजंगच्छन्मृतांपथि । दृष्ट्वातुराक्षसींतस्यामृत्युंश्रु त्वाथविस्मितः १ ॥ अथ पूतनाबधतथा ब्रजआगमनलीला ॥ श्लोक भागवते ॥ कंसेनप्रहिताघोरापूतनाबालघाति नी । शिशूंश्चचारनिघ्नंतीपुरग्रामव्रजादिषु १ ॥ चौ० ॥ यहांपूतनाब्रजमेंआई । रूपमोहनीप्रकटिबनाई ८६ ॥ अथ सूरसागरे ॥ प्रथमकंसपूतनापठाई । नन्दघरनिसुत लियजहँबैठीचलीचलीनिजुधामहिंआई। अतिमोहनी रूपधरिआईदेखतसबहीकेमनभाई । यशुमतिदेखिर हीवाकोमुखकाकीबधूकौनधौंआई । नन्दसुवनतबहींप हिंचानीअसुरघरनिअसुरनकीजाई । आपुनबज्रसमा नभयेहरिमातादुखितभारअतिपाई । अहोमहरिपाला गनमेरोमैंतुम्हरोसुतदेखनआई। यहकहिगोदलियोअ पनेतबत्रिभुवनपतिमनमनमुसकाई । मुखचूंब्योगहि कंठलगायोविषलपटयोअस्तनमुखनाई । सूरश्यामपै संगप्राणकोअचयोतबहिंगिरीमुरझाई ८७ ॥ श्लोकभाग वते ॥ तस्मिंस्तनंदुर्जरवीर्यमुल्वणंघोरांकमादायशिशो र्ददावथ । गाढंकराभ्यांभगवान्प्रपीडयतत्प्राणैःसमंरो

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

षसमान्वितोऽपिवत् १ सामुंचमुंचालमितिप्रभाषिणी निष्पीड्यमानाऽखिलजीवमर्मणि । विवृत्यनेत्रेचरणौ भुजौमुहुःप्रस्विन्नगात्राक्षिपतीरुरोदह २ ॥ पुनःसूरसागरे। रागबिहागरो ॥ रूपमोहनीधरिब्रजआई । अद्भुतसाजि शृँगारमनोहरअसुरकंसदैपानपठाई । कुचबिषलाईपी सकपटकरिबालघातिनीपरमसुहाई । बैठीहुतीयशोदामं दिरदुलरावतसुतश्यामकन्हाई । प्रकटभईतहँआयपूत नाप्रेरितकालअवधिनियराई । आवतपीठबैठनोदीन्हो कुशलपूंछिअतिनिकटबुलाई । पौढ़ेहरिअतिसुभगपा लनेनँदरानीकछुकाजसिधाई । बालकलयोउछंगदुष्टम तिहर्षितअस्तनपानकराई । बदननिहारिप्राणहरिली न्होपरयोदैत्यनीयोजनह्यांई । सूरजननिगतिताकोदी न्हीमातुमानिसुखधामपठाई ८८ ॥ पुनःश्लोकभागवते ॥ निशाचरीत्थंव्यथितस्तनाव्यसुर्व्यादायकेशांश्चरणौभु जावपि । प्रसार्यगोष्ठेनिजरूपमास्थितावज्राहतोवृत्रइ वापतन्नृप १ पतमानोऽपितद्देहस्त्रिगव्यूत्यंतरद्रुमान् । चूर्णयामासराजेंद्रमहदासीत्तदद्भुतं २॥ पुनःसूरसागरे। रागआसावरी ॥ तासुशब्दसुनियशुमतिधाई । पलनापर ललनानाहिंदेख्योश्यामश्यामकहिटेरसुनाई । त्राहित्रा हिकहिब्रजगणधायेअतिकोमलक्योंबचैंकन्हाई । अति आनन्दसहितसुतपायेहृदयेमांझरहेलपटाई । करवरब डीटरीमेरकीघरघरकरतअनंदबधाई । सूरश्यामपूतना पछारीयहसुनिजियडरपेनृपराई ८९ ॥ पुनः भागवते ॥ यशोदारोहिणीभ्यांताःसमंबालस्यसर्वतः। रक्षांविदधिरे

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

सम्यग्गोपुच्छभ्रमणादिभिः ॥ पुनः सूरसागरे। राग बिहागरो ॥ देखहुयहबिपरीतिभई। अद्भुतरूपनारियकआई कपटभेषक्योंसहैदई । कान्हहिलेतसुमतिकेरातेरुचि करिकंठलगाई । तबवहिदेहधरीयोजनलोंश्यामरहेल पटाई। बड़ेभागहैंनन्दमहरकेबड़भागिनिनँदरानी। सूरश्यामउरऊपरउबरयोयहसबघरघरजानी ९० ॥ पुनः सू० सा०। राग बिलावल ॥ उबरोश्यामम्हारिबड़भागी। बहुतदूरितेपरयोआइधरदेख्योंमैंकहुंचोटनलागी । रोग जाउंबलिजाउंकन्हैयायहकहिकण्ठलगाई । तुमहींहौव्रजकेधनजीवनदेखतनैनसिराई। भलीनहींतेरिप्रकृतिय शोदाछांड़िअकेलेजाति । घरकोकामइनहुंतेप्यारोनेक हुनहींडराति । भलीभईअबकेहरिबाचेअजहूंसुरतिसँभार। सूरदासप्रभुकिकहयोग्वालिनीयशुमतिमनहिंबि· चार९१॥ सो० ॥ कहतियशोमतिमायपुनि२सबकेपांय परि। उबरयोआजुकन्हायतुमपंचनकेपुण्यते९२॥ पुनः सूरसागरे। राग बिहागरो ॥ नेकगोपालहिमाकोदेरी। देखों कमलबदननीकेकरितापाछेतूकानियांलैरी । अतिकोमलकरचरणसरोजसुअधरदशननासासोहैरी । लटकनशीशकण्ठमणिभ्राजितमनमथकोटिवारनेगैरी । द्योसहुंनिशासमानबिलोकतयहछबिकबहुंनपाईमैरी । निगमनिअगमसुनीतवबालकबड़ेभागपायोहैतैरी । जिनकेरूपजगतकेलोचनचंद्रकोटिरबिआइलहैरी । सूरदास बलिजाययशोदागोकुलनाथपूतनाबैरी ९३॥ चौ० ॥ बच्योकान्हसबव्रजसुधिपाई। घर२बाजीअनँदबधाई९४

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

तबहिंनन्दगोकुलमेंआये । देखिपूतनहिअतिभयपाये
९५ तहँसबब्रजबासीजुरिआये । समाचारसबप्रकटिसु
नाये ९६ अतिसुखपायगयोनँदधामहिं । देख्योजाय
श्यामघनश्यामहिं ९७ बदनबिलोकिहर्षिउरलाये । ब
हुतदानदैदेवमनाये ९८ ॥ भागवते श्लोकः॥ डाकिन्योया
तुधान्यश्चकूष्मांडायेऽर्भकग्रहाः । भूतप्रेतपिशाचाश्च
यक्षरक्षोबिनायकाः १ ॥ चौ० ॥ तबब्रजबासीसकलबु
लाये । अंगपूतनाकोकटवाये ९९ बाहिरएकठौरसब
कीन्हो । अग्निलगायफूंकितेहिदीन्हो २००॥ दो०॥ अति
सुगन्धतातेउठीकीन्होधूमप्रकास । हरिअस्पर्शप्रता
पतेब्रजसबभयोसुबास १ ॥ सो० ॥ रहेअचंभोपाय
ब्रजबासीचाक्रितसबै । चरणकमलचितलायनंदसुवन
महिमासुनत २ ॥ पुनः बिलावल ॥ हरिरोयेमाताकीक
नियां । दूधपियायोतबनँदरनियां । पुनिपलनापौढ़ाय
झुलावैं । दुलरावैंदुलरायमल्हावैं । लालनकेहितनींद
बुलावैं । मधुरेसुरकछुजोइसोइगावैं । ऐलाललनकोआव
निंदरिया । तोहिंबुलावतश्यामसुँदरिया । सोवैमेरोबाल
कन्हाई । मुखछबिपरमाताबलिजाई । नितनवमंगलनँद
केधामा । नितनवरूपश्यामअभिरामा । भक्तबश्यसंतन
सुखकारी । जनब्रजबासीहैंबलिहारी ३ ॥ पुनः भा०
श्लोकः ॥ यएतत्पूतनामोक्षंकृष्णस्यार्भकमद्भुतम् । शृ
णुयाच्छ्रद्धयामर्त्योगोविंदेलभतेरतिम् १॥ अथ श्रीधर द्विजको
आगमन दो० ॥ जबहरिमारीपूतनासुनिडरप्योनृपकंस ।
प्रकटभयोब्रजशत्रुममयहजानीनिस्संस ४ ॥ सो० ॥

बीराधरयोबनाययोधासकलबुलाइकै। सोईलेयउठाय
जोयहकारजकरिसकै ५॥ चौ०॥ यहसुनिश्रीधरद्विज
असभाखा। वृथाशोचजियमेंनृपराखा ६ नन्दसुतहिक्ष
णमाहिंपछारों। जाइब्रजहितुवशोचनिवारों ७॥ दो०॥
तबबोल्योराजाबचनधन्यधन्यद्विजराज। तुमबिनसे
सोकौनहैजोकरिहैयहकाज ८॥ क०॥ लैअनुशासन
पानउठायबन्योद्विजरूपमहाअभिरामा। गोकुलमेंजहँ
नंदकोधामतहांपहुंच्योमनगर्बितसामा। तेहिदेखतही
अतिआदरतेंशिरनाइकह्योतबनंदकिबामा॥ कौन
सोकाजपरयोइतहींद्विजकौतुसजातकहूंकेहिग्रामा ९॥
चौ०॥ यहसुनिद्विजयशुदाहिंसमुझायो। मैंतेरोसुतदेख
नआयो१०॥ दो०॥ कमलनयनहैंशयनमेंबैठोद्विजयहि
काल। न्हायआयदिखराइहौंमाखनप्रभुगोपाल ११॥
चौ०॥ यहकहियमुनान्हानसिधाई। सूनोभवनरह्योद्विज
राई १२ मनमहँकहतकरोंसोइकाजू। जातेद्रव्यदेहिंनृप
राजू १३ पलँगाढिगाहिचल्योअतुराई। द्विजआवतजा
न्योसुरसांई १४ तुरतहिंउतारिपरयोपलनाते। गह्यो
जाइद्विजकरकमलनते १५ ब्राह्मणजानिप्राणनहिंली
न्हो। ऐंठिजीभताकीप्रभुदीन्हो १६ लैताकेमुखदधिल
पटाई। फोरिमाटमाहिकीचमचाई १७ ह्वैबालकपुनि
श्रीभगवाना। करतबाललीलाबिधिनाना १८॥ दो०॥
यशुदाआईयमुनतेदेख्योदधिगृहकीच। भाजनसबफूटे
परेदधिलपटोमुखबीच १९॥ सो०॥ कीन्होद्विजअन
रीतियहजानीनँदघरनितब। कैद्विजकीन्हअनीतियहम

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

नगुणिबोलींतबै २० ॥ चौ० ॥ दधिखायोअरुभाजनफो
रो। सुनिद्विजनामलेतहरिकेरो २१ बोलनचहतबोलि
नहिंजाई। कहतहरिहिंभुजभावबताई २२ नहिंपतिया
तितदपिनँदरानी। दूरिकीन्हगृहतेंद्विजजानी २३ श्री
धरकंसासुरपहँजाई। निजकरणीसबकहिसमुझाई २४
सोसुनिकंसभयोबेहाला। कह्योजन्मलीन्होममकाला
२५॥ सो०॥ बस्योतासुउरमाहिंताहीक्षणतेअचलहरि।
भूलतइकक्षणनाहिंशत्रुभावलाग्योभजन २६॥ चौ०॥
अथकागासुरबधलीला ॥कागासुरनृपनिकटबुलायो।ताहिम
तोसबकहिसमुझायो २७ आवहुबेगिनंदसुतमारी। करि
यहुकारजबुद्धिविचारी २८ आयसुधरिशिरगर्बबढ़ायो।
कागरूपसोअसुरबनायो २९॥ अथसूरसागरेरागसोरठ ॥
कागरूपयकदनुजधरयो।नृपआयसुलैकरिमाथेदैहर्षवं
तउरगर्बभरयो। कैतिकबातप्रभुतुवआयसुतेयहजान्यो
मोहिंजातगरयो। इतनीकहिगोकुलउड़िआयोआइनंद
घरछाजररयो। पलनापरपौढ़ेहरिदेखेतुरतआइनैनहिंसं
अरयो। कंठचापिबहुबारफिरायोगहिपटक्योनृपपासप
रयो। तुरतकंसतेहिपूंछनलाग्योक्योंआयोनहिंकाजस
रयो। बीतेयामबोलितबआयोसुनहुकंसतेरोआइस
रयो। धरेअवतारमहाबलकोउएकहिकरमेरोगर्बहरयो।
सूरदासप्रभुकंसनिकंदनभक्तहेतुअवतारधरयो ३०॥
सो० ॥ अतिडरप्योमहिपालकागासुरकोबचनसुनि।
बढ़िसोगयोबिशालजम्योजुउरमेंशोचतरु ३१॥ अथशक
टासुरतथातृणावर्त्तकीबधलीलाप्रारम्भ। श्लो०॥ उत्क्षिपन्नृश

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

कर्टव्योम्नितृणावर्तमधःक्षिपन् । दर्शयन्विश्वमास्येच कृष्णःक्रीडतिसप्तमे १ कृष्णार्भकसुधासिंधुसंप्लवानंद निर्भरः। भूयस्तदेवसंप्रष्टुंराजान्यदभिनंदति २॥ कंस मंत्रीसंबाद पुनः सूरसागरे रागबिलावल ॥मथुरापतिजियअ तिहिडेरानो । सभामांभअसुरनकेआगेबार२शिरधुनि पछितानो। ब्रजभीतरउपज्योरिपुमेरोमैंजानीयहबात। दिनहीदिनवहबढ़तजातुहैमोकोकरिहैंपात। दनुजसुता पूतनापठाईक्षणकमांभसंहारी । चौंचमरोरिकागसुर दीन्हीमेरेढिगफटकारी । अबहिंनतेयहहालकरतुहैदि न२होतप्रकास । सेनापतिनसुनायबातयहनृपमनभयो उदास। ऐसोकौनमारिहैवाकोकहैमोहिंसोआई। वाको मारिअपनपौराखैसूरब्रजाहिंसोजाई ३२॥ पुनःरागसूहो ॥ नृपतिबातयहसबनसुनायो। मुहांमुहींसेनापतिकीन्हीश कटासुरसुनिगर्बबढ़ायो । दोउकरजोरिभयोतबठाढ़ोप्र भुआयसुमैंपाऊं। यहांतेजायतुरतहीमारौंकहौतोजीवत ल्याऊं। यहसुनिनृपतिहर्षतबकीन्होतुरतहिबीरादीन्हो बारम्बारसूरकहैंताकीआपुप्रशंसाकीन्हो३३॥ अथशकटा सुरकोबध पुनःसूरसागरे रागबिलावल ॥ करपगगहिअँगुठा मुखमेलत। प्रभुपौढ़ेपालनेअकेलेहर्षिहर्षिअपनेरँगखे लत । शिवशोचतबिधिबुद्धिबिचारतबटबाढ्योशायर जलभेलत । बिडरिचलेयुगप्रलयजानिकरिदिग्पति दिग्दंतीनसकेलत । मुनिमनभीतभयोभुवकंपितशेषस कुचिसहसौफनपेलत । सोसुखसूरभयोसबगोकुलकि लकतकान्हशकटपगठेलत ३४॥ पुनः ॥ चरणगहे

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

अँगुठामुखमेलत । नंदघरनिगावतिदुलरावतिपलना परकिलकतप्रभुखेलत । जोचरणारबिंदश्रीभूषणउरते नेकनटारति । देखोंधोंकारसचरणनमेंमुखमेलतिकरि आरति । जोचरणारबिंदकेरसकोसुरनरमुनिजनकरत बिषाद। यहरसहैमोहूंकोदुर्ल्लभतातेलेतसवाद। उछलि तसिंधुधराधरकंप्योकमठपीठअकुलाय । शेषसहसफ नडोलनलागेहरिपीवतजबपांय। बढ्योवृक्षबटसुरअकु लानेमगनभयोउतपात। महाप्रलयकेमेघउठेजुरिजहां तहांआघात । करुणाकरीछांड़िपगदीन्हीजानिसुरनम नहरसा । हूंहांगूगीरटतसूरप्रभुसुरप्रभुसुरमुनिकरतप्र शंसा३५ ॥ चौ० ॥ ताअंतरशकटासुरआयो। पवनरूप काहुनलखिपायो३६भारेशकटनंदघरकेरे। पलनाकेढिग हुतेघनेरे३७तिनमेंसोशठआयसमान्यो । नंदसुवनआ वतहीजान्यो३८ताकोहरियकलातचलाई । गिरयोशक टतबहींभहराई३९दनुजनिधनकाहूनहिंजान्यो। गिरयो शकटयहसबहिनमान्यो४०॥ दो० ॥ पलनाढिगखेलतहु तेकछुकगोपकेबाल । तिननकह्योडारयोशकटपलनाते नँदलाल ४१॥ सो० ॥ सोनाहिंकरैंप्रतीतकाहूबालककोकह्यो। यहतोकछुबिपरीतभईकुशलअतिश्यामकी४२॥ सूरसागरेरागबिहागरो ॥ यशोदामदनगोपालसोवावैं। देखिस्वप्नगतित्रिभुवनकंपितईशबिरंचिभ्रमावैं । असितअरुणासितआलसलोचनउभयपलकपरिआवैं। जनुरबिशशिगतहोतमहानिशिदुग्धासिंधुछबिपावैं। सांसउदरउसशतयोजनजगश्वेतभँडारसमावैं । नाभिसरोज

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

प्रकटिपदुमासनउतरितालपछितावैं । करशिरतरकरि
श्याममनोहरअलकअधिकसोभावैं । सूरदासमानहुंप
न्नगपतिप्रभुऊपरफणछावैं ४३ ॥ दो० ॥ जननीअति
आनंदभरिनिरखतश्यामलगात । जैसेनिधनीपायधन
मुदितरहतदिनरात ४४ ॥ सो० ॥ धनि२ब्रजकोबासध
न्ययशोदाधन्यनँद। धनिब्रजवासीदासजिनकोमनयार
समगन ४५ ॥ पुनःश्रीभागवतेश्लोकः ॥ एकदारोहमारूढं
लालयंतीसुतंसती । गरिमाणंशिशोर्वोढुंनसेहेगिरिकूट
वत् १ भूमौनिधायतंगोपीबिस्मिताभारपीडिता । महा
पुरुषमादध्यौजगतामासकर्मसु२॥ चौ० ॥ यशुदाभागन
जातबखाने।त्रिभुवनपतिकोसुतकरिमाने४६हरिकोगोद
लियेपैप्यावैं। बिबिधभांतिकरिलाड़लड़ावैं ४७ ॥ पुनः
सूरसागरे रागसोरठ ॥ यशुमतिमनअभिलाषकरैं । कबमे
रोलालघुटुरुवनरेंगैंकबपगद्वैकधरैं । कबद्वैदांतदूधकेदे
खोंकबतुतरेमुखबचनझरैं । कबनंदहिबाबाकहिबोलैंक
बजननीकहिमोहिंररें । कबमेरोअँचरागहिमोहनजोइ
सोइकहिमोसोंझगरैं । कबधौंतनक२कछुखैहैंअपनेकर
सैमुखहिभरैं। कबहँसिबातकहैंगेमोसोंवाछबितेदुखदूरि
करैं । श्यामअकेलेआँगनछांड़ेआपगईकछुकाजघरैं ।
यहिअंतरअंधवाहिउठ्योयकगर्जतगगनसहितघहरैं ।
सूरदासब्रजलोगसुनतधुनि जोजहँतहँसबअतिहिडरैं
४८॥ पुनःश्लोकःश्रीभागवते ॥ दैत्योनाम्नातृणावर्तःकंसभृ
त्यःप्रणोदितः। चक्रवातस्वरूपेणजहारासीनमर्भकम्१॥
पुनःसूरसागरे रागसूहो ॥ अतिबिपरीततृणाव्रतआयो ।
CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

बातचक्रमिसब्रजऊपरपरिनंदपवरिकेभीतरधायो। पौ
ढ़ेश्यामनंदकेआँगनलेतउठ्योआकाशचढ़ायो। अंधा
धुंधभयोसबगोकुलजोजहँरहयोसोतहैंछपायो। यशुम
तिधायआयजोदेखैंश्याम२कहिटेरलगायो। धावहुनंद
गुहारिकरौकिनतेरोसुतअंधवाहिउड़ायो। तेहिअंतरअ
काशतेआवतपर्बतसमकहिसबनबतायो। मारयोअसुर
शिलापरपटक्योआपुचढ़ेताऊपरभायो। दौरेनंदयशोदा
दौरींतुरतहिलैहरिकंठलगायो। सूरदासयहकहतियशो
दानाजानौंबिधनाहिंकाभायो ४९॥ सो०॥ बार२ब्रज
नारिदेहिंबसनभूषणमगन। जितातितकहैंबिचारिनयो
जन्महरिकोभयो ५०॥ पुनःरागबिलावल॥ उबरयोश्या
ममहरिबड़भागी। बहुतदूरितेपरोआइघरदेखोंमैंकहुंचो
टनलागी। रोगजाउँबलिजाउँकन्हैयायहकहिकंठलगा
ई। तुमहींहौब्रजकेजीवनधनदेखतनैनसिराई। भली
नहींतेरिप्रकृतियशोदाछांड़िअकेलेहिजाति। घरकोका
मइनहुंतेप्यारोनेकहुनहींडेराति। भलीभईअबकेहरिबा
चेअजहूंसुरतिसम्हार। सूरदासखिझिकहतिग्वालिनी
मनमेंमहरिबिचार ५१॥ दो०॥ नाजानोंकेहिपुण्यतेको
करिलेतसहाय। कियोकामबहुपूतनातृणावर्त्तयहँआय
५२॥ सो०॥ मातुदुखितजियजानिकृपासिंधुबतसलभग
त। बालचरितसुखदानिकरनलगेसुन्दरपरस ५३॥ चौ०॥
खेलतमातुउछंगकन्हाई। करतबाललीलासुखदाई ५४॥
पुनःरागधनाश्री॥ हरिकिलकतयशुमतिकीकनियां। निर
खि २ मुखकहतिलालसोंमोनिधनीकेधनियां। अतिको

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

मलतनचितैश्यामकोबारबारपछितातित।कैसेंबच्योजाउँबलितेरीतृणावर्त्तकेघात।नाजानूंधौंकौनपुण्यतेकोकरिलेतसहाई। जैसोकामपूतनाकीन्हीयहिऐसीकरिआई। मातादुखितजानिहरिबिहँसेनान्हीनान्हींदंतुलीदेखाई। सूरदासप्रभुमाताचिततेदुखडारयोबिसराई ५५॥ पुनः रागधनाश्री॥ सुतमुखदेखियशोदाफूलीं। हरखतनिरखतदूधकीदंतुलिप्रेममगनतनुकीसुधिभूलीं। बाहिरतेतबनन्दबुलायेदेखोधौंमुखबाई। तनकसीदूधदँतुलियादेखहुनयनसुफलकरोआई। आनँदसहितमहरतबआयेमुखचितवतद्वौनयनअघाई। सूरश्यामकिलकतमुखदेख्योमनहुँकमलपरबिज्जुजमाई ५६॥ दो०॥ कछुदिनघटिषटमासकेभयेश्यामसुखदाय। अन्नप्राशनकेदिवसबूझहुबिप्रबुलाय ५७॥ सो०॥ सुनिपुलकेनँदरायभयेपराशनयोगहरि। प्रेमरह्योउरछायसोसुखकापैजायकहि ५८॥ अथअन्नप्राशनलीला चौ०॥ प्रातकालउठिबिप्रबुलायो। राशिबूझिशुभलग्नधरायो ५९ यशुमतिसोदिनआछोपायो। सखिनबोलिशुभगानकरायो ६०॥ सूरसागरेरागबिलावल॥कान्हकुवँरकीकरैंपासनीकछुदिनघटिषटमासभये। नंदमहरयहसुनिपुलकितजियहरिअनप्राशनयोगभये। बिप्रबुलायनामलैबूझ्योराशिशोधिइकसुदिनधरो। आछोदिनसुनिमहरियशोदासखिनबोलिशुभगानकरो। युवतिमहरिकोगारीगावैंऔरमहरकोनामलियो। ब्रजघर२आनन्दबढ़्योअतिप्रेमपुलकनसमातहियो। जाकोनेति२श्रुतिगावतध्यावतशिवमुनि

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

ध्यानधरा सूरदासतिनकोव्रजबनिताझकझोरतिअरुअं
गभरें६१॥ दो० ॥ तनअँगुलीशिरचौतनीकरचूरादुहुंपां
य। बार२मुखनिरखिकैयशुमतिलेतिबलाय६२॥ सो० ॥
लेबैठेनँदरायजानिशुभघरीगोदहरि। लीन्हेसदनबुला
यगोपसकलआनँदभरे६३॥ चौ० ॥ बैठेसकलगोपगण
आई। अतिआनंदमगननँदराई६४कनकथारभरिखीर
धराई। मिश्रीघृतमधुडारिमिलाई ६५ लगेनंदहरिमुख
जुठरावन। गोपबधूसबलागींगावन६६ षटरसकेव्यंजन
हैंजेते। हरिकेअधरछुवायेतेते ६७ तनकअधरजलपोंछि
सुहाये। हरिकोयशुमतिपैपहुंचाये ६८ आँगनबाजीबि
बिधबधाई। शंखनिशानबिबिधसहनाई ६९ बिप्रनबो
लिदक्षिणादीन्ही। नानावस्तुनिछावरिकीन्ही७०॥ सो०॥
नितनवमंगलचारनितनवलीलाश्यामकी। कोकबिबर
णैपारशेषनपावहिंपारजेहि७१॥ चौ० ॥ नेति२जिनको
श्रुतिगावैं। तिनकोव्रजजनगोदखिलावैं ७२ ॥ पुनःसूर
सागरेरागबिलावल॥ लालतेरेमुखऊपरवारी। बलकैसोमेरे
नयननलागेरोगनलईतुम्हारी। सुन्दरताकोपारनपाव
तिरूपदेखिमहतारी। उरअन्तरआनन्दबढ़ावतहँसतदे
तकिलकारी। अल्पदशनतुतरातबोलबिचतहांनजात
बिचारी। सूरसिंधुकीबुन्दभईमिलिमनसामगनहमारी
७३॥ रागधनाश्री ॥ ललनमैयाछबिऊपरवारी। बालगो
पाललगैइननयननिरोगबलायतुम्हारी। कुटिलअलक
मोहनमुखबिहँसनिभृकुटीबिकटललारी। मनहुँकमल
अलिशावकपंगतिउड़तमधुपछबिभारी। लोचनललि

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

तकपोलनिकाजरछबिउपजतिअधिकारी। सुखमहँसुख औरौछबिबाढ़तहँसतदेतकिलकारी। अलपदशनकलब लकरिबोलनबुधिनहिंपरतिबिचारी। बिकसिज्योतिअध रारुणकेबिचमानहुँबिधुमेंबिज्जुउजारी। सुन्दरताकोपा रनपावतरूपदेखिमहतारी। सूरसिंधुकीतुन्दभईमिलि मतिगतिदृष्टिहमारी ७४ यशोदाचिरुजीवोगोपाल। बेगिबढ़ैबलसहितबिरधलटमहरिमनोहरबाल। उपजि परेशिशुकर्मपुण्यफलसमुदसीपज्योंलाल। सबगोकुल केप्राणाजिवनधनबैरिनकेउरशाल। सूरकितोसुखपाव तिलोचननिरखतघुटुरुनचाल। झारतरजलागहिमेरे उरभागैंरोगदोषजंजाल ७५॥ श्लोकश्रीभागवते॥ एक दाऽर्भकमादायस्वांकमारोप्यभामिनी॥ प्रश्नुतंपाययामासस्तनंस्नेहपरिप्लुता॥ पीतप्रायस्यजननीसातस्य रुचिरस्मितं॥ मुखंलालयतीराजन्जृम्भतोददृशेइदम् खंरोदसीज्योतिरनीकमाशाःसूर्येन्दुवह्निश्वसनांबुधींश्च द्वीपांनगांस्तद्दुहितॄर्वनानि भूतानियानिस्थिरजंगमानि सावीक्ष्यविश्वंसहसाराजन्संजातवेपथुः॥ संमील्यमृग शावाक्षीनेत्रेआसीत्सुविस्मिता १॥ दो०॥ करतबाल लीलाललित परमपुनीतउदार। सुन्दरश्यामसुजानह रिसन्तनकेआधार ७६॥ सो०॥ कापैबरण्योजाय बालचरितनँदलालको। कल्पनसकहिंनगायशेषकोटि शारदसहस ७७॥ अथनामकर्णप्रसंगलीलाप्रारम्भःश्लो०॥ अष्टमेनामकर्मास्यबालक्रीडाकुतूहले। मृद्भक्षणादियो गेचविश्वरूपंनिरूप्यते १ विश्वरूपादिबालस्यनिश

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

म्याशंकिनःपितुः। नामकृद्गर्गवाक्येननिजंतत्त्वमसूसु
चत्२ गर्गःपुरोहितोराजन्यदूनांसुमहातपाः।व्रजंजगा
मनन्दस्यवसुदेवप्रचोदितः ३॥ चौ० ॥ इकदिनश्रीबसु
देवबिज्ञानी। पठयोबोलिगर्गमुनिज्ञानी ७८ करिपूजाबि
धिवतबैठायो।युगपदकमलशीशतबनायो ७९ बहुरि
कह्योसुनियेऋषिराई। जबतेभयोकंसदुखदाई ८० तब
तेगोकुलनन्दअवासा। जायरोहिणीकियोनिवासा ८१
जाकेगर्भजन्मसुतलीन्हों।कंसत्रासप्रकटनकीन्हों ८२
नामकर्णताकोअबताई। भयोनहींतुमाबिनागुसाईं ८३ क
रिकैकृपातहांप्रभुजैये। ताकोनामराखिकैऐये ८४ सुनिब
सुदेवबचनसुखपायो। हर्षसहितपुनिगोकुलआयो ८५
पुनःसूरसागरेरागबिलावल ॥ महारिभवनऋषिराजगयो।
चरणधोयचरणोदकलीन्होअर्घ्यासनकरिहेतादियो।ध
न्यआजुबड़भागहमारोऋषिआयोअतिकृपाकरी।हमक
हँधन्यधन्यनँदयशुदाधनियहब्रजजहँप्रकटहरी। आदि
अनादिरूपरेखानाहिंइनतेप्रभुनहिंऔरबियो। देवकिउर
अवतारलेनकह्योदूधपियनतुममांगिलियो। बालकक
रिइनकोजनिजानोकंसबिध्वंसयईकरिहैं। सूरदेहधरि
अमरउधारनपुहुमिभारयेईहरिहैं ८६ ॥ दो० ॥ बहुरिम
हरऋषिरायसोंकह्योजोरिकरदोइ। किहिकारजप्रभुआ
गमनकहौकृपाकरिसोइ ८७ ॥ श्लोकभागवते ॥ यदूनाम
हमाचार्यःख्यातश्चभुविसर्वदा ॥ सुतंमयासंस्कृतंतेम
न्यतेदेवकीसुतम १ ॥ सो० ॥ तबबोलेऋषिराजपठयो
हैबसुदेवमोहिं। नामकरनकेकाजशुभघरिरोहिणिसुवन

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

को ८८ ॥ चौ० ॥ सुनतनन्दअतिभयेसुखारे। लैआये
कनियांदोउबारे ८९ मुनिचरणनमेलेदोउभाई। दईअ
शीशमुदितऋषिराई ९० प्रथमनन्दबलहाथदिखायो।
जन्मदिवसमुनिपाससुनायो ९१ देखिगर्गमुनिकियोबि
चारा। हैयहशिशुसबजगतअधारा ९२ ॥ श्लोकःभाग
वते गर्गउवाच॥अयंहिरोहिणीपुत्रोरमयन्सुहृदोगुणैः।आ
ख्यास्यतेरामइतिबलाधिक्याद्बलंविदुः। यदूनामपृथ
ग्भावात्संकर्षणमुशन्त्युत १॥ चौ०॥अतिशुभलक्षणबल
कोधामा। धरयोनामतिनकोबलरामा ९३ बहुरिनन्द
चरणनशिरनायो। कह्योकिऋषिममभागसुहायो९४तु
मसर्वज्ञअहोमुनिनाथा। देखिययहिबालककरहाथा९५
मुनिबरदेख्योचिह्नभुलान्यो। प्रेममगनसबतनुपुलका
न्यो ९६ पुनिपुनिहरिकोबदननिहारी। बोलेमुनिबरसु
रतिसम्हारी ९७ सुनहुनन्दमैंसत्यबखानों।इनकोतुमसु
तकरिमातिमानों ९८ ॥ दो० ॥ रूपरेखजाकेनहींअलख
अनादिअनूप। सोभक्तनहितअवतरयोनिजइच्छा
अनुरूप ९९ ॥ सो० ॥ इनतेबड़ोनकोययेकर्त्तासबजग
तके। जोयेकरैंसोहोयतुमसोंहमसांचीकहैं३००॥ श्लोक
गीतगोविंदे॥ वेदानुद्धरतेजगन्निवहतेभूगोलमुद्बिभ्रते।
दैत्यंदारयतेबलिंछलयतेक्षत्रक्षयंकुर्वते। पौलस्त्यंजयते
हलंकलयतेकारुण्यमातन्वते। म्लेच्छान्मूर्च्छयतेदशाकृ
तिकृतेकृष्णायतुभ्यंनमः १ ॥ पुनः क० ॥ वेदनउधारि
भूमिभारपीठिधारि धरादशनउबारिहिरणकशिपुकोमा
रयो है। बलिछलिलैकैक्षितिक्षात्रीबिनुकैकैरणदशशिर

जैकैहलधरबपुधारयो है । करुणाविचारियज्ञबिधिहि
निवारिफेरिकलिमेंकलंकीह्वैकुलम्लेच्छनसंहारयो है ।
नन्दकेकुमारतुम्हेंनमोबारबारऐसे दशअवतारअवता
रीजगतारयो है १ ॥ चौ० ॥ इनकेनामअमितजगमा
हीं । तदपिकहौंमैंकछुतुमपाहीं २ इनकबहूंवसुदेवके
धामा । धरयोजन्मसुन्दरवरश्यामा ३ तातेवासुदेव
हैनामा । जेहिसुमिरतनरपावहिंकामा ४ ॥ श्लोकः
श्रीभागवते ॥ बहूनिसंतिनामानिरूपाणिचसुतस्यते ।
गुणकर्मानुरूपाणितान्यहंवेदनोजनाः १ ॥ चौ० ॥ कहि
हैंकृष्णबहुरिजगमाहीं । जाकेसुमिरतपापनशाहीं ५
दुष्टदलनसंतनसुखदाता । भूमिभारहरिहैंदोउभ्राता ६
सुनिऋषिमुखहरियशसुखरासी । आनन्देसबव्रजकेबा
सी ७ सुनतनन्दयशुमतिसुखपायो । मुनिचरणनको
शीशनवायो ८ बहुतभेंटलैआगेराखी । अस्तुतिबहु
तभांतिसोंभाखी ९ ॥ श्लोकः श्रीभागवते ॥ इत्यात्मानं
समादिश्यगर्गेचस्वगृहंगते । नंदःप्रमुदितोमेनेआत्मा
नंपूर्णमाशिषाम् १ ॥ सो० ॥ कह्योहर्षिऋषिरायसबवृ
त्तान्तवसुदेवको । सुनतबहुतसुखपायऋषिहिपूजिकी
न्हेबिदा १० ॥ पुनः श्लोकः ॥ कालेनव्रजताऽल्पेनगोकु
लेरामकेशवौ । जानुभ्यांसहपाणिभ्यांरिंगमाणौविजह्
तुः १ ॥ चौ० ॥ यशुमतिसुन्योगर्गमुखबानी । आपुन
अतिबड़भागिनिजानी ११ हरिकोलैउरसोंलपटायो ।
प्रमुदितअस्तनपानकरायो १२ रमकिरमकिहरिबैठत
गोदा । भावतहरिकेबालबिनोदा १३ ॥ पुनः सूरसागरे

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

रागबिलावल॥ खेलतनन्दआंगनगोविन्दा। निरखिनि
रखियशुमतिसुखपावतिबदनमनोहरचन्दा। कटिकिं
किणीचंद्रमणिकीलटमुक्तावलिभलिभाल। परमसुदेश
कंठकेहरिनखबिचबिचबजूप्रबाल। करपहुँचियापांयप
ससूरातनुरंजितरजशीत। घुटुरुनचलतअजिरमहँबि
हरतमुखमंडितनवनीत। सूरबिचित्रकान्हकीबानिकबा
णीकहतनआवै। बालदशाअवलोकिसनकमुनियोग
बिरतिबिसरावै १४॥ पुनः रागधनाश्री॥ ललनमैयाछ
बिऊपरवारी। बालगोपाललगैइननयननिरोगबलाय
तुम्हारी। कुटिलअलकमोहनमुखबिहँसनिभृकुटीविक
टललारी। मनहुंकमलअलिशावकपंगतिउड़तमधुप
छबिभारी। लोचनललितकपोलनकाजरछबिउपजाति
अधिकारी। सुखमहँसुखऔरोरुचिबाढ़तहँसतदेतकि
लकारी। अलपदशनकलबलकरिबोलनबुधिनहिंपर
तिबिचारी। बिकसितज्योतिअधरबिचमानहुंबिधुमें
बिज्जुउजारी। सुन्दरताकोपारनपावतरूपदेखिमह
तारी। सूरतुंदकीतुंदभईमिलिमतिगतिदृष्टिहमारी
१५॥ पुनः रागआसावरी॥ घुटुरुनचलतश्याममणि
आंगनमातपितासुखदेखतहेरी। कबहुंककिलकिला
तमुखहेरतकबहुंजननिमुखपेखतरी। लटकनलटकत
ललितभालपरकाजरबिंदुभ्रुवऊपररी। यहशोभानयन
निदेखैंजेवाराहिंउपमातिहुंभूपररी। कबहुंकदौरिघुटुरुवनि
लटकतगिरतउठतफिरिधावतरी। इततेनन्दबुलायलेत
तहेंउततेजननिबुलावतरी। दम्पतिहाउकरतआपुसमें

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

श्यामखेलौनाकीन्होरी। सूरदासप्रभुब्रह्मसनातनसुतहि
तकरिदोउधावतरी १६ ॥ क० ॥ डगमगपवनतेअलख
अलेखज्योतिनन्दकेहैंजाहिरकेयोगिनकेजपके। रुनभुन
पैंजनियांखेलतहैंरजभरेगभुवारेघुंघुवारेसोहैंबारभपके।
मोहनबलैयालेवँआवोधूरभारडालौं सुनिबातेंमातुगले
लागनकोलपके। शारदागणेशशेशबिधिसोंनागिनेजात
भक्तनकेहितकेअहीरनकेतपके १७॥ चौ० ॥ जबहिंयशोदा
मायबुलावैं। बारोलालघुटुनियोंधावैं १८ ताकेधावतअ
तिछबिहोई। जोदेखैसुखपावतसोई १९ ॥ दो० ॥ बाल
बिनोदबिलोकिकै मुदितयशोदामात। माखनप्रभुहिंनि
हारिकै बार२बलिजात२०॥ सो० ॥ नितउठिब्रजकीबाम
आवैंयशुमतिकेसदन। मुदितनिरखिघनश्यामलैलैगो
दखेलावहीं२१ तनकरहतनहिंपापतनकनामजाकोलिये।
मिटतसकलभवतापतनकक्रुपाजापरकराहिं२२॥ श्लोकः॥
बालक्रीडाचमत्कारैःकृष्णोरामेणसंयुतः। परमानन्दमा
धत्तब्रजेनन्दयशोदयोः१॥ अथवर्षगांठोत्सवलीलाप्रारम्भः॥
चौ० ॥ वर्षगांठिलालनकीआई। द्विषटमासकेभयेकन्हा
ई २३ ॥ सूरसागरेरागबिलावल ॥ आजुभोरतमचुरकीकांई
रोल। गोकुलमेंआनन्दहोतहैमंगलध्वनिघहरानेढोल।
फूलेफिरतनन्दअतिसुखभयोहर्षिमँगावतफूलतँबोल।
तनकबदनदोउतनकतनककर तनकचरणपोंछतपटझो
ल। कान्हगलेसोहतकँठमालाअँगभूषणअरुअँगुरिन्ह
रोल। शिरचौंतरीडिठौनादीन्हेआंखिआंजिपहिराइनि
चोल। श्यामकरतमातासोंझगरोअटपटातकलबलक

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

रिबोल । दोउकपोलगहिकैमुखचूमतिबर्षद्योसकहिक
रतकलोल । सूरश्यामब्रजजनमनमोहनआनँदउठतहि
लोल२४॥ दो० ॥ नयनआंजिभृकुटीनिकटकियोमातुम
सिबिन्द । करिशिंगारहरिमुखनिरखिचूम्योमुखअरबिंद
२५॥ सो० ॥ लियोगोदसुखकन्दनन्दबोलियशुमतिक-
ह्यो। बोलहुभूसुरबृन्दलग्नघरीआवतिचली२६॥ चौ०॥
नन्दक्षिप्रबरबिप्रबुलाये । पदपखारिआसनबैठाये २७
लैंउछंगलालननँदराई। बैठेहर्षिचौकपरजाई २८ वेदमं
त्रबिधिसाहितपढ़ावत। वर्षगांठिसुखसहितजुरावत २९
गावैंमंगलकोकिलबयनी । हरिदरशनप्यासीमृगनयनी
३०नितनवमंगलहोतबधाई। ब्रजबासीहरिजनसुखदाई
३१॥पुनः श्लोके॥कृष्णचापलचौर्याणिसहैवाखिलसद्मतः
प्रजल्पंत्यःसमागत्यगोप्योगोप्यैंमुदंददुः १ ॥ सूरसागरे
रागबिलावल ॥ शोभितकरनवनीतलिये । घुटुरुनचलत
रेणुतनमंडितमुखदधिलेपकिये। चारुकपोललोललोचन
दोउगोरोचनकोतिलककिये। लटलटकनमनमत्तमधुपग
नमादकमधुहिंपिये। कठुलाकण्ठबज्रकेहरिनखराजतिरु
चिरहिये । धन्यसूरएकोपलयहिसुखकाशतकलपजिये
३२॥रागबिलावल॥चालबिनोदखरेजियभावत। मुखप्रति
बिम्बपकरिबेकारणहुलसिघुटुरुवनिधावत । शब्दचोर
बोल्योचाहततेंहैप्रकटबचननहिंआवत । कोटिअनेकब्र-
ह्मांडकिमहिमाशिशुतामांभ्रदुरावत । सूरदासस्वामीसु
खसागरयशुमतिप्रीतिबढ़ावत३३॥ पुनः॥आंगनखेलत
घुटुरुनिधाये।नीलजलदतनुश्यामराममुखनिरखिजननि

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

दोउनिकटबुलाये। बन्धुकसुमनअरुणपदपंकजअंकुश
प्रमुखचिह्नबसिआये। नूपुरकलरवमनुसुतहंसलिकरबे
नीउदैबांहपसाये। कटिकिंकिणिबरहारग्रीवबररुचिरबा
हुभूषणपहिराये।सुभगचिबुकद्विजअधरनासिकाश्रवण
कपोलमाहिंसुठिभाये। भ्रूसुन्दरकरुणारसपूरणलोचन
मनहुंयुगलजलजाये। भालबिशाललललितलटकनिम
निबालदशाकेचिकुरसुहाये।मानहुंगुरुशनिकुजआगेक
रिशशिहिमिलनतुमतेगनआये। उपमाअरुइकअद्भुत
भइतबजबजननीपटपीतओढ़ाये। नीलजलदऊपरयों
निरखततजिसुभावमनुतड़ितछपाये। अंगअंगप्रतिमा
रनिकरमिलिछबिसमूहलैलैमनुछाये।सूरदाससोक्योंक
रिबरणैजोछबिनिगमनेतिकरिगाये ३४॥ पुनःरागकान्हरा॥
सादरसहितविलोकिश्याममुखनन्दअनन्दकन्द लियेक
नियां। सुन्दरश्यामसरोजनीलतनुअँगअँगसुभगसक
लसुखदानियां।अरुणतराणिनखज्योतिजगमगातिरुनुभु
नुकरतिपांयपैंजनियां।कनकरतनमणिजटितरचितकटि
किंकिणिक्वणितपीतपटभ्रनियां। पहुँचीकरनिपदिकउर
हरिनखकठुलाकण्ठजुमानियां। कुटिलभृकुटिमुखकीछ
बिआनतिकलकपोलकीछबिनउपनियां। रुचिरचिबुक
द्विजअधरनासिकाअतिसुन्दरराजतिसोबनियां। भाल
तिलकमसिबिन्दुबिराजतसोहतशीशलालचौतानियां।
मनमोहनितोतरिबोलनिसुनि मुनिमनहरतिसहजमुस
क्यानियां। बालसुभावबिलोकिकिलोचनचोरतिचित
हिंचारुचितवनियां। निरखतिब्रजयुक्तीसबठाढ़ीनन्द
CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

सुवनछबिचन्द्रबदनियां। सूरदासअबदेखिमगनभयेप्रे
मबिवशकछुसुधिनअपनियां ३५॥ रागसूहो॥ धनियशुम
तिबड़िभागिनीलियेकान्हखेलावैं।तनकरभुजपकरिकैठा
ढ़ेहोनसिखावैं। लरखरातगिरिपरतहैंचलिघुटुरुनधावैं।
पुनिक्रमक्रमभुजटेकिकैपगद्वैकचलावैं। अपनेपांयनकब
हिंचलोमोंदेखतधावैं। सूरदासयशुमतियहैबिधिसोंजुम
नावैं३६॥पुनः श्रीभागवतेश्लोकः॥कालेनाल्पेनराजर्षेरामः
कृष्णश्चगोकुले। अघृष्टजानुभिःपद्भिर्विचक्रमतुरंजसा
१ ततस्तुभगवान्कृष्णोवयस्यैर्व्रजबालकैः। सहरामोव्र
जस्त्रीणांचिक्रीड़ेजनयन्मुदम्२॥ दो०॥करतबाललीला
ललित परमपुनीतउदार। सुन्दरश्यामसुजानहरिभक्तन
केआधार३७॥अथकृष्णपदचलनलीला॥पुनःसूरसागरे रागबि
लावल॥ सिखवतिचलनयशोदामैया। अरबराइकरपा
णिगहावतिडगमगायधरणीधरैंपैंया। कबहुँकसुन्दरबद
नबिलोकतिउरआनन्दभरिलेतबलैया। कबहुँककुलदेव
तामनावतिचिरजीवोमेरोलालकन्हैया। कबहुँकबलको
टेरिबुलावतियहिआँगनखेलहुदोउभैया। सूरदासस्वा
मीसुखसागरअतिप्रतापबालकनँदरैया ३८॥ पुनः॥
चलनचहतपांयनगोपाल। लयलगायअँगुरीनँदरानी
मोहनिमूरतिश्यामतमाल। डगमगातगिरिपरतपाणिप
रभुजभ्राजितनँदलाल। जनुश्रीधरश्रीधरतअधोमुख
धुकतिधरतिमानहुँनमिजाल। धूरिधौततनुनयननअं
जनचलतअटपटीचाल। चरणरुणितनूपुरधुनिमानो
सरविहरतहैंबालमराल। कचलटकतशिरचारुचौखड़ा

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

सुठिशोभाशिशुभाल । सूरदासऐसोसुखनिरखतजोजी
वैजगमेंबहुकाल ३९ ॥ राग नटनारायण ॥ बलिगइबाल
रूपमुरारि। पांयपैंजनिरुणितरुनुझुनुनचावतनँदनारि।
कबहुँहरिकीलियेअँगुरीचलनसिखवतग्वारि। कबहुँह
दयलगायहितकरिलेतिअंचलडारि।कबहुँहरिकोचितै
चूमतिकबहुँगावतिगारि।कबहुँलैपाछेदुरावतियहांनहिं
बनवारि । कबहुँअँगभूषणबनावतिराइलोनउतारि।सू
रनरमुनिसबैमोहेंदेखियहअनुहारि४० ॥ रागबिलावल ॥
बालबिनोदअँगनिकीडोलनि। मणिमयभूमिसुभगनँद
आलयबलिबलिजाउँतोतरीबोलनि । रुचिरकण्ठकठु
लाकेहरिनखवज्रमालबहुलालअमोलनि।बदनसरोज
तिलकगोरोचनलटलटकनिमधुकरगतिलोलनि ।कर
नवनीतपरसआननसोंकछुकखातकछुलग्योकपोलनि।
कहिजनसूरकहांलगिबरणौं धन्यनन्दजीवनिजगतोल
नि४१॥पुनः॥गहेअँगुरियासुवनकीनँदचलनसिखावत।
अरबराइगिरिपरतहैंकरटेकिउठावत। बारबारबकिश्या
मसोंकछुबोलिबुलावत। दुहुँघाँद्वैदँतुलीभईअतिमुखछ
बिपावत।कबहुँकमारगछांड़िकैनँदसंगह्वैगावत। कबहूँ
उठिगिरिभूमिलौंघुटुरुनिकरधावत। सूरश्याममुसुकाइ
महहरिमनहर्षबढ़ावत४२॥ पुनः रागसूहो॥ आंगनश्याम
नचावईयशुमतिनँदरानी । तारीदैदैगावहींमधुरीसुरा
बानी।पांयननूपुरबाजईकटिकिंकिणिकूजें । नान्हीना
न्हीअरुणताफलबिंबनपूजें। यशुमतिगानसुनैंश्रवणत
बआपहुगावैं।तारीबाजतदेखहींतबआपुबजावैं। केह

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

रिनखउरपरतुरैंअतिशोभाकारी। मनहुंश्यामघनमध्य
मेंनवशशिउजियारी। गभुवारेशिरकेशहैंबरघूंघुरवारे।
लटकनलटकैंभालपैविधुमधिगणतारे। कठुलाकंठचि
बुकतरेमुखदशनबिराजें। खंजनबिचशुकआनिकैमनु
परयोदुराजे। यशुमतिसुतहिनचावहींछबिदेखतजबते।
सूरदासप्रभुश्यामकेसुखटरतनहियतें ४३॥ दो० ॥ शो
भितकठुलाकंठकलउरहरिनखछबिराश। मनहुंश्याम
घनमेंकियोनवशशिबिमलप्रकाश ४४॥ सो० ॥ जननि
कहतिबलिजाउँ चलहुलेहुनवनीतसद। धरतरुनुकभु
नुपांउं त्रिभुवनपतिनवनीतहित ४५॥ चौ०॥ गौरश्याम
बलरामकन्हैया। संगहिसंगफिरतदोउभैया ४६ मथतद
हीजहँनँदकीरानी। होतखड़ेतहँटेकिमथानी ४७ माततन
कदधिदेतखवाई। लेतप्रीतिसोंसोमुखनाई ४८॥ पुनः राग
धनाश्री ॥ आंगनखेलैंनँदकेनन्दा। यदुकुलकुमुदसुखद
चारुचन्दा। संगसंगबलमोहनसोहैं। शिशुभूषणभव
कोमनमोहैं। तनुद्युतिमोरचन्द्रजिमिझलकें। उमगिउ
मगिअँगअँगछबिछलकें। कटिकिंकिणिपगपैंजनिबाजैं।
पंकजपाणिपहुंचियाराजें। कठुलाकंठबघनहानीके।
नैनसरोजमैनसरसीके। लटकनललितललाटलटूरी।
दमकतद्वैद्वैदँतुलियारूरी। मुनिमनहरतमंजुमसिबुंदा।
ललितबदनबलिबालमकुन्दा। कुलहीचित्रविचित्रभँ
गूली। निरखियशोदारोहिणिफूली। गहिमणिखम्भा
डगमगडोलैं। कलबलवचनतोतरेबोलैं। निरखतभु
किझांकनप्रतिबिंबहि। देतपरमसुखपितुअरुअम्बहि।

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

ब्रजजननिरखतहियहुलसाने । सूरश्याममहिमाकोजा
ने ४९ ॥ सो० ॥ बिहरतआनँदकन्द मणिमयआंगन
नन्दके । यदुकुलकेरबिचन्द दहनदनुजकुलबनअनल
५० ॥ ब्राह्मणलीला । चौ० ॥ बोलनलगेश्यामकलबानी ।
कछुकतोतरीकछुकसयानी ५१ नन्दहिंतातयशोदामै
या । बलसोंदाऊकहतकन्हैया ५२ प्रातहिंउठिमांगत
दोउभैया । माखनरोटीदेअरिमैया ५३ अँचरागहेन
मानतबाता । अतिआतुरहुनकतदोउभ्राता ५४ सुनि
सुनिमधुरवचनसुखपावैं । तातेजननीगहरुलगावैं ५५
जननिमध्यसन्मुखसंकर्षन । पाछेठाढ़ेश्यामसुभगतन
५६ कबरीगहीश्यामखिझलाई । मुक्तामांगगहेबल
भाई ५७ नन्ददेखिहँसिहँसिगयेलोटी । यशुमतिमुदि
तकर्मकीमोटी ५८ कतहरिआरिकरतगहिचोटी । यहै
बातमोहनतवखोटी ५९ जोचाहोसोलेहुदोउभैया ।
करहुकलेवामैंबलिमैया ६० ॥ दो० ॥ दियोकलेऊमातु
उठिमाखनरोटीहाथ । खातखवावतबालकनसकलवि
श्वकेनाथ ६१ ॥ सो० ॥ जेहिध्यावैंयोगीशसनकसनंद
नआदिमुनि । कौतुकनिधिजगदीशकरतचरितसन्तन
सुखद ६२ ॥ चौ० ॥ चलतलालपैंजनिकेपांयन । पुनि
पुनिहर्षितलखिलखिमायन ६३ कबहूंदौरिद्वारलौंजा
हीं । कबहुंभागिआवैंघरमाहीं ६४ ब्राह्मणएकनन्दके
आयो । महाभागहरिभक्तसुहायो ६५ गोपनकोसोपू
ज्यसुहायो । पुत्रजन्मसुनिकैउठिधायो ६६ ॥ पुनःसूर
सागरे । रागधनाश्री ॥ महरानेतेपांड़ेआयो । ब्रजघरघर

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

बूझतनँदराउरपुत्रभयोसुनिकैउठिधायो। पहुँच्योआइ
नन्दकेद्वारेयशुमतिदेखिअनन्दबढ़ायो। पांवधोयभीत
रबैठायोभोजनकोनिजभवनलिपायो। जोभावेसोभोज
नकीजैविप्रमनहिंअतिहर्षबढ़ायो। बड़ीबैसविधिभयो
दाहिनोधनियशुदाऐसोसुतजायो। धेनुदुहाइदूधलैआ
ईपांड़ेरुचिकरिखीरचढ़ायो। घृतमिष्टान्नखीरमिश्रितक
रिपरुसिकृष्णहितध्यानलगायो। नयनउघारिविप्रजब
देख्योखातकन्हैयादेखनपायो। देखहुआइयशोदासुत
कृतसिद्धपाकयहआनिजुठायो। महरिविनयकरिदोउ
करजोरयोघृतमधुपयफिरबहुतमँगायो। सूरश्यामकत
करतअचगरीबारबारब्राह्मणहिंखिझायो ६७॥ पुनः
राग रामकली॥ पांड़ेभोगनलावनपावै। करिकेपाक
जबहिंअरपतुहैंतबहिंताहिछुइआवै। इच्छाकरिमैंब्रा
ह्मणनेवत्योंताकोश्यामखिझावै। वहअपनेठाकुरहि
जिवांवैतबहिंताहिछुइआवै। जननीदोषदेतकतमोको
बिधिबिधानकरिध्यावै। नयनमूंदिकरजोरिनामलैबारं
बारबुलावै। कहिअंतरक्योंहोयभक्तकोक्योंमेरेमनभा
वै। सूरदासबलिबलिताकीजोजन्मपाययशगावै ६८॥
चौ०॥ सुनतगूढ़हरिकेमृदुबयना। खुलिगेबिप्रहृद
यकेनयना ६९॥ दो०॥ धनिरगोकुलनन्दधनिधनिर
यशुदामाय। धनिब्रजबासीधन्यब्रजजहँप्रकटेहरिआ
य ७०॥ सो०॥ सुफलजन्महरिआजप्रकटभयोसबसु
कृतफल। दीनबन्धुब्रजराजादियोदरशमोहिंकृपाकरि
७१॥ पुनःरागबिलावल॥ सुफलजन्महरिआजभयो।

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

धनिगोकुलधनिनन्दयशोदाजाकेहरिअवतारलयो। प्र
कटभयोअबपुण्यसुकृतफल दीनबन्धुमोहिंदरशदयो।
बारम्बारनन्दकेआंगनलोटतद्विजआनंदभयो। मैंअप
राधकियोबिनुजानेकोजानेकेहिभेषजयो। सूरदासप्रभु
जगतहेतबशयशुमतिहितअवतारलयो ७२॥ चौ०॥ प्रे
ममगनद्विजबारहिंबारा।कहिजयजयजयनंदकुमारा ७३
पुनिपुनिपुलकितदेतअशीशा। बिदाभयोघरकोद्विजई
शा ७४॥ दो०॥ देखिचरितयशुमतिचकृतपरीविप्रके
पांय। दियेरत्नबहुदक्षिणाचलेहर्षिद्विजराय ७५॥ सो०॥
यशुमतिलियेउठायगोदखिलावतकान्हको। चितैंबदन
बलिजायआनँदनिधिसुखकोसदन ७६॥ माटीभक्षणली
ला॥ चौ०॥ नितहीनवमंगलमुदताके। मंगलमूरतिह
रिसुतजाके ७७ निजभक्तनहितनरतनुधारी। करतबा
ललीलासुखकारी ७८॥ सो०॥ कौतुकनिधिभगवान
करतचरितनितनितनये। सुन्दरश्यामसुजानब्रजबासि
नकेप्रेमबश ७९॥ चौ०॥ खेलतश्यामधामकेद्वारे। सो
हतब्रजलरिकासँगबारे ८० गावतहँसतदेतकिलकारी।
लखिलखिसुखपावतिमहतारी ८१॥ श्लोकः भागवते॥
एकदाक्रीड़मानास्तेरामाद्यागोपदारकाः। कृष्णोमृदभ
क्षितवानितिमात्रेन्यवेदयन् १॥ चौ०॥ तबहिंश्यामघन
माटीखाई। यशुमतिलखिसांटीलैधाई ८२ उगिलहुबे
गिबदनतेमाटी। नहिंतोमारतिहौंअबसांटी ८३॥ पुनः
श्लोकः श्रीभागवते॥ कस्मान्मृदमदांतात्मन्भवान्भक्षित
वान्रहः। बदंतितावकाह्येतेकुमारास्तेऽग्रजोऽप्ययम् १

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

चौ० ॥ तबमोहनकीन्हीलँगराई । कहतकिमैंमाटीनाहिं खाई ८४ झूँठहिमोकोदोषलगावे। माटीमोकोनेकनभावे ८५॥ पुनःश्रीभागवते ॥ नाहंभक्षितवानम्बसर्वेमिथ्याभिशंसिनः । यदिसत्यगिरस्तर्हिसमक्षंपश्यमेमुखम् १ ॥ सूरसागरेरागरामकली ॥ मोदेखतयशुमतितेरोढोटा अबहींमाटीखाई । यहसुनिकैरिसकैउठिधाई बांहपकरिलैआई । इककरसोंमुखगहिकरगाढ़ेइककरलीन्हेसांटी । मारतिहौंत्वहिंअबहिंकन्हैयाबेगिनउगिलौमाटी । ब्रजलरिकासबतेरेआगेझूँठीकहतबनाइ।मेरेकहेनहींतूमानतिदिखरावहुँमुँहबाई । अखिलब्रह्मांडखंडकीमहिमादिखरायोमुखमाहीं । सिंधुसुमेरुनदीबनपर्वतचकितभईमनमाहीं । करतेसांटीगिरतनजान्योभुजाछांड़िअकुलानी। सूरकहैंयशुमतिमुखमूंदहुबलिगईसारँगपानी ८६ पुनः रागधनाश्री ॥ मोहनक्योंनहिंउगिलैमाटी। बारबारअनरुचिउपजावतमहरिहाथलियसांटी। महतारीसूंमानतनाहींकपटचतुरईठाटी। बदनउघारिदिखायआपनोनाटककीपरिपाटी । बड़ीबारभइलोचनमूंदेभ्रमितजननिमनफाटी । सूरनिरखिब्रजनारिथकितभईकहतनमीठीखाटी ८७॥ पुनः श्रीभागवते श्लोकः॥ यद्येवंतर्हिव्यादेहीत्युक्तःसभगवान्हरिः । व्यादत्तव्याहतैश्वर्यः क्रीड़ामनुजबालकः १ ॥ यशोदावचननन्दप्रति। पुनः सूरसागरे रागधनाश्री ॥ नन्दहिकहतियशोदारानी । माटीकेमिसुमुखदिखरायोतिहूंलोकरजधानी। स्वर्गपतालधरणिबनपर्वतबदनमांझहैंआनी । नदीसुमेरुदेखिचक्रितभइ

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

याकीअकथकहानी । चितैरहेतबनन्दयुवतिमुखमनम नकरतबिनानी । सूरदासतबकहतियशोदागर्गकहीयह बानी ८८ ॥ दो० ॥ नंदकहतसुनुबावरीहरिअतिकोम लगात । लैसांटीधावतिदृथापुनिपाछेपछितात ८९ ॥ सो० ॥ अचरजतेरीबातकोजानैदेख्योकहा । कुशलर हैंदोउभ्रातरामश्यामखेलतहँसत ९० ॥ चौ० ॥ कहति श्यामसोंयशुमतिमैया । मैंतेरीबलिहारिकन्हैया ९१ मधुमेवादधिमाखनछांटी । खातलालकाहेतुमस टी ९२ खेलतदूरिगयेकहुँकान्हा । सखनसंगधावतहैंनान्हा ९३ बहुतअबेरभईघनश्यामहिं । खेलततेआयेनहिंधामहिं ९४ ॥ पुनः राग बिलावल ॥ हरिकोटेरतिहैनँदरानी । ब हुतअबेरभईकहुँखेलतकहँरहेशारँगपानी । सुनतहिटे रदौरिहरिआयेकबकेनिकसेलाल । जेंवतनहींनंदतुम्ह रेबिनुवेगिचलोगोपाल । श्यामहिंल्याईमहरियशोदातु रतहिंपांयपखारे । सूरदासप्रभुसंगनंदकेबैठेहैंदोउबारे ९५ ॥ राग सारँग ॥ जेंवतकान्हनंदकीकनियां । कछुक खातकछुधरणिगिरावतछबिनिरखतनँदरनियां । बरीब रावेसनबहुभांतिनव्यंजनबिबिधअँगनियां । डारतखा तलेतअपनेकररुचिमाखनदधिदनियां।मिश्रीदधिमाख नमिश्रितकरिमुखनावतिछबिधनियां । आपुनखातनंद मुखनावतसोसुखकहतनबनियां । जोरसनंदयशोदाबि लसतसोनहिंतिहूंभुवनियां । भोजनकरिनंदअचमन लीन्होमांगतसूरजुठनियां ९६ ॥ प्रभुजीकोखेलनो राग नट ॥ खेलतश्यामग्वालनसंग । सुबलहलधरअरु

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

श्रिदामाकरतनानारंग । हाथतारीदेतभाजतरुचिरसों
करिहोड़। बरजेहलधरश्यामतुमजनिचोटलागहिगोड़।
तबकह्योमैंदौरिजानतबहुतबलमोंगात। मेरिजोड़ीहैश्रि
दामाहाथमारेजात। बोलितबहींउठेश्रिदामाजाहुतारी
मारि। आगेहरिपाछेश्रिदामाधरयोश्यामहँकारि। जानि
कैमैंरह्योठाढ़ोछुवतकाहजुमोहि। सूरश्यामखिझतसख
नसोंमनहिंकीन्होकोहि९७॥ चौ०॥ तबतोकह्योदौरिमैं
जानौं। हारेश्यामबुरोतबमानौं ९८॥ दो०॥ बोलिउठे
बलरामतबइनकेमायनबाप । हारजीतजानतनहींलरि
कनलावतपाप ९९॥ सो०॥ ऐसेतनकेश्यामझुँठहिझ
गरतसखनसँग। रूठिचलेहरिधामलखिउदासपूँछतिज
ननि ४००॥ चौ०॥ मैंबलिक्योंउदासघरआयो। कौ
नेमेरेलालखिझायो१॥ पुनःरागसारंग॥ मैयामोहिंदाऊ
दुखदीन्हो। मोसोंकहतमोलकोलीन्हो। कहाकहौंयहरि
सकेमारेखेलननहूँनहिंजात।पुनिपुनिकहतकौनहैमाताकौ
नहैतेरोतात॥ गोरेनन्दयशोदागोरीतूकतश्यामलगा
त। चुटकीदैदैग्वालसुनावतहँसतसबैमुसक्यात। तूमो
हींकोमारनसीखीदाउहिंकबहुंनखीझै। मोहनकोमुखरि
ससमेतयेबातेंसुनसुनरीझै। सुनहुकान्हबलभद्रचवाई
जनमहिंकोवहधूत। सूरश्याममोहिंगोधनकीसौंहमैंमातु
तूपूत २॥ दो०॥ पाछेठाढ़ेसुनतसबनन्दश्यामकीबात।
लीन्होगोदउठायहँसिसुन्दरश्यामलगात ३॥ पुनःराग
बिलावल॥ खेलनअबमेरीजायबलैया। जबहिंमोहिंदे
खतलरिकनसँगतबहींखीझतहैंबलभैया। मोसोंकहत

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

तातबसुदेवसोंदेवकीतेरीमैया। मोललियोकछुदैबसुदे
वहिंकरिकरियतनबड़ैया। अबबाबाकहिकहतनन्दसों
यशुमतिसोंकहिमैया। ऐसेकहिसबमोहिंखिझावततबमैं
चल्योंखिझैया। पाछेनन्दसुनतहैंठाढ़ेहँसतहँसतउरले
या। सूरनन्दबलरामाहिंधिरयोसुनिमनहर्षकन्हैया ४॥
दो०॥ निरखतछबिघनश्यामकीचकितसकलसुरवृन्द।
निहचलचषनचकोरजनुतकतशरदकोचन्द ५॥ सो०॥
अतिआनन्दउमंगमिलेसबनकोजायहरि। क्रीड़तको
टिअनंगकरतबाललीलापरम ६॥ चौ०॥ खेलनदूरि
गयेकहुँकान्हा। सखनसंगधावतहैंनान्हा ७बहुतअबेरभ
ईघनश्यामहिं। खेलततेआयेनाहिंधामहिं ८ मनअवसे
रकरतमहतारी। पलकओटरहिसकतनन्यारी ९ तत
क्षणहरिखेलततेआये। दौरिमातुलैकंठलगाये १०॥
पुनःसूरसागरेरागबिहागरो॥खेलनदूरिजातकतकान्हा। आ
जुसुन्योंमैंहाऊआयोतुमनाहिंजानतनान्हा। इकलरिका
अबहींभजिआयोरोवतदेख्योंताहि। कानटोरिवहलेत
सबनकोलरिकाजानतजाहि। चलोनबेगिसबेरेजैयेभा
जिआपनेधाम। सूरश्यामयहबातसुनतहीबोलिलियेब
लराम ११॥ दो०॥ रूपरेखजाकेनहींबिधिहारिअन्तनपा
य। हाऊसोंडरपायतिहियशुमतिरखतिसुवाय १२॥
कनछेदनकोप्रस्ताव। रागभैरव॥ उठहुनन्दकुमारभयोभिनुसा
रजगावतिनँदरानी। झारीकेजलबदनपखारोकहिकहि
शारँगपानी। माखनरोटीअरुमधुमेवाजोभावेसोल्यो
आनी। सूरश्याममुखनिरखियशोदामनहींमनहिंसिहा

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

नी १३ ॥ चौ० ॥ प्रातनन्दउठिहरिपैंआये । मुखछबि
देखनकोअतुराये १४ स्वच्छसेजतेबदनप्रकाश्यो । द्वंद्व
तिमिरनयननिकोनाश्यो १५ ॥ पुनःरागबिलावल ॥ नं
दकेलालउठेजबसोई । निरखिमुखारबिन्दकीशोभाकहि
काकेमनधीरजहोई । मुनिमनहरतयुवतिजनकेतिकरति
पतिमानजातसबखोई । ईषदहासदशनद्युतिदामिनि
माणिकमोतिधरेजनुपोई । नागरनन्दसुवनसुनिसजनी
मारगजातलेतमनगोई । सूरश्याममनहरणमनोहरगो
कुलबसिमोहेसबलोई १६॥ चौ० ॥ देखिमहरिछबिबहुत
सिहानी । कहतिनन्दसोंयशुमतिरानी १७ कनछेदनअ
बहरिकोकीजै । कुण्डलसहितदेखिमुखलीजै १८ बोलि
बिप्रशुभदिवसगनायो । जातिकुटुंबसबन्योतिबुला
यो १९ कुलब्योहारकियोसबसाजा । बिबिधभांतिबहु
बाजनबाजा २० ॥ दो० ॥ श्यामकोमूंड़नप्रथमकरिक
र्णबेधपुनिकीन्ह । पूगीफलतांबलदैगुड़सेलीपुनिदीन्ह
२१ ॥ पुनःरागबिलावल ॥ जबहिंभयोकनछेदनहरिको ।
सुरबनितासबकहतिपरस्परब्रजबासीदासीसमसरिको।
गोपीमगनभईसबगावतिहलरावतिसुतलेतमहरिको ।
जोसुखसुरनरध्याननपावत सोसुखकरतनन्दशुभघरि
को । मणिमुक्तागणकरतनिछावरितुरतहिंदेतबिलमन
हिंतनिको। सूरनन्दब्रजजनपहिरावतउमगिचल्योसुख
सिंधुलहरिको २२ ॥ दो० ॥ करतनिछावरिब्रजबधूधन
मणिभूषणचीर । सकलअशीशतनंदसुतजहँतहँयाच
कभीर २३ ॥ सो० ॥ पहिरावतनँदरायब्रजयुवतिनभू
CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

षणबसन। आनँदउरनसमायमनहुंउमगिचहुंदिशिच ल्यो २४॥ चन्द्रप्रस्तावलीला। चौ०॥ शोभामेरेहरिपर सोहै। मैंबलिबलिपटतरकोकोहै २५ मेरेश्याममनोहर जीवन। बिहँसिश्यामलागेपयपीवन २६ ठाढ़ीअजिरय शोदारानी। गोदीलियेश्यामसुखदानी २७ उदयभयो शशिशरदसुहावन। लागींसुतकोमातुदेखावन २८॥ पुनः सूरसागरे राग कान्हरो॥ ठाढ़ेअजिरयशोदाअपनेहरि हिलियेचन्दादिखरावति। रोवतकतबलिजाउँतुम्हारीदे ख्योधौंभरिनैनजुड़ावत। चितैरहेतबआपुनशशितनअ पनेकरलैलैजुबुलावत। मीठोलगतकिधौंयहखाटोदेख तयहसुन्दरमनभावत। मनहींमनमेंबुद्धिकरतहरिमाता सोंकहिताहिमँगावत। लागीभूखचन्दमैंखैहौंदेहुदेहुक हिकहिबिरुझावत। यशुमतिकहतिकहामैंकीन्होंकतमो हनइतनोदुखपावत। सूरश्यामकोयशुमतिबोधतिगग नतरैयाउदरदिखावत २९॥ दो०॥ कहतयशोदाकौ नबिधिसमझाऊंअबकान। भूलिदिखायोंचन्दमैंताहि कहतहैंखान ३०॥ सो०॥ अनहोनीक्योंहोयतातसु नीयहबातकहुं। याहिखातनहिंकोयचन्दखेलौनाजगत को ३१॥ राग कान्हरो॥ केहिबिधिकरिकान्हहिंसमुझै हौं। मैंभलीचँदवादिखरायोताहिकहतम्वाहिंदेमैंखैहौं। अनहोनीकहुंभईकन्हैयादेखीसुनीनबात। यहतोआहि खिलौनासबकोखानकहततेहितात। यहैदेतनवनीनित मोकोक्षणक्षणसांझसबारे। बारबारतुममाखनमांगतदेहुं कहांतेप्यारे। देखतरहोखेलौनाचन्दाआरिनकरौकन्हा

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

ई। सूरश्यामलिहेंकहतियशोदानन्दहिंकहाबुझाई ३२
पुनः॥ आछोमेरोलालहोऐसीरारिनकीजै। मधुमेवाप
कवानमिठाईजोइभावैसोइलीजै। सदमाखनसाज्योद
ह्योघृतअरुपयपीजै।पालागोंहठजनिकरोअतिरिसतनु
छीजै। आनबतावतआनहींइनबातनकैसेजीजै। सूर
श्यामहठिचन्दामांगैचन्दकहांतेदीजै ३३ ॥ पुनः ॥
बारबारयशुमतिसुतबोधति आउचन्दत्वहिंलालबुला
वैं। मधुमेवापकवानमिठाईआपुनखैहैंतोहिंखवावैं।
हाथाहिंपरतोहिंलीन्हेखेलैंनेकनहींधरणीबैठावैं। जल
बासनकरिकैजुउठावतियाहीमेंतूतनधरिआवैं। जल
पुटआनिधरणिपरराख्योगहिआन्योंवहचन्ददिखावैं।
सूरदासप्रभुहँसिमुसक्यानेबारबारदोऊकरनावैं ३४ ॥
चौ०॥ ताहिदेखिमुसक्यायमनोहर। बारबारडारतदो
ऊकर ३५ चन्दापकरतजलकेमाहीं। आवतकछूहा
थमेंनाहीं ३६ तबजलपुटकेनीचेदेखैं। तहांचन्दप्रति
बिम्बनपेखैं ३७ देखतहँसींसकलब्रजनारी। मगन
बालछबिलखिमहतारी ३८ तबहिंश्यामकछुहँसिमुस
क्याने। बहुरयोमातासोंबिरुझाने ३९ ॥ पुनः राग राम
कली॥ ल्योंगोरीमाचंदाल्योंगो। कहाकरोंजलपुटभीत
रकोबाहिरचौंकिगहोंगो। यहतोझलमलातझकझोर
तकैसेकरिजुलहोंगो। यहतोनिपटनिकटहीदीखतबरजे
हौंनरहोंगो। तुम्हरोप्रेमप्रकटमैंजान्योंबौरायेनचहों
गो।सूरश्यामकहैंकरगहिल्याऊंशशितनुतापदहोंगे४०
रागबिलावल॥ तुवमुखदेखिडरतशशिभारी। करकरि
CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

कैप्रभुदेखोइचाहतभाजिपतालगयोअपहारी । वहश
शितौकैसेहुंनहिंआवतयहऐसीकछुबुद्धिबिचारी । बद
नलखेबिधुबिधुशंकितमननयनकंजकुंडलउजियारी। सु
नहुश्यामतुहिंशशिडरपतुहैकहतयेशरणतुम्हारी । सू-
रश्यामविरुझानेसोयेलियलगायछतियांमहतारी ४१
दो० ॥ लैपौढ़ायोसेजपरहरिकोयशुमतिमाय। अतिबि
रुझानेआजहरियहकहिकहिपछिताय ४२ ॥ सो० ॥
करसोंठोंकिसुवायमधुरेस्वरगावतकछुक । उठिबैठेअ
तुरायचटपटायहरिचौंकिकै४३॥ कथापुरातन। चौ० ॥ पौ
ढ़ोलालकहतिमहतारी।कहौंकथाइकश्रवणनप्यारी४४
हरषेयहसुनिमनबनवारी। पौढ़िगयेहँसिदेतहुंकारी४५
नगरएकरमणीकसुहावन। नामअवधअतिसुन्दरपाव
न४६ तहांनृपतिदशरथरजधानी। तिनकेनारितीनपट
रानी ४७ कौशल्याकेकयीसुमित्रा। तिनजन्मेसुतचारि
पवित्रा ४८ रामभरतलक्ष्मणरिपुहंता । चारहुअति
सुन्दरगुणवंता ४९ तिनमेंरामएकब्रतधारी। अतिसुंद
रजनकेंहितकारी ५० विश्वामित्रएकऋषिराई । तिन
हिंसतावैंनिशिचरआई ५१ रामलषणदोउसुतऋषि
मांगे। अपनीरक्षाकेहितलागे ५२ ॥ दो० ॥ रामलषण
ऋषिलैगये दनुजहतेतिनजाय । ऋषिदीन्हीबिद्याबहु
रितिनकोअतिसुखपाय ५३ ॥ सो० ॥ तहांजनकइक
भूपधनुषयज्ञतानेरच्यो । कन्यातासुअनूपजुरेतहांभूप
तिअमित ५४ ॥ चौ० ॥ ऋषिलैगयेकुँवरतहँदोऊ। ज
नकरायसनमानेसोऊ ५५ धनुषतोरिभूपनमुखमारी ।

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

रामबिवाहीजनककुमारी ५६ चारिहुकुँवरब्याहितहँआ
ये। भयेअवधपुरअनँदबधाये ५७ रामहिंदेनलगेनृ
पराजू। सज्योसकलअभिषेकसमाजू ५८ ताहीसमय
केकयीरानी। चेरीकीमतिसोंबौरानी ५९ बचनमाँगिराजा
सोंलीन्हो। बनकोबासरामकोदीन्हो ६० सुनिपितुबच
नधर्महितधारी। नारिसमेतभयेबनचारी ६१ तिन्हैंचल
तभ्रातासँगलाग्यो। उनकेजातपितातनुत्याग्यो ६२ चि
त्रकूटगयेभरतमिलनजब। दैपदपांवरिकृपाकरीतब ६३
युवतीहितकपटमृगमारा। राजिवलोचनरामउदारा ६४
रावणहरणकियोतबनारी। सुनतश्यामघननींदबिसारी
६५ चौंकिकह्योलक्ष्मणधनुदेहू। देखिभयोयशुदहिंसं
देहू ६६ ॥ दो० ॥ सांझहितेबिरुझायहरिकरीचन्दहि
तआरि। झिझकिउठ्योधौंताहितेरह्योसुरतिउरधारि
६७ ॥ सो० ॥ बड़भागिनिनँदनारिमहिमावदनकहिस
कैं। हरिकोबदननिहारिबिसरावतत्रैतापदुख ६८ ॥ पा
लिग्रामलीला। रागललित ॥ छोटीछोटीगोड़ियांअँगुरियांछ
बीलीछोटीनखजोतिमोतिमानोकंजदलनपर। ललित
आंगनखेलैंठुमुकुठुमुकुडोलैंझुंझुनझुंझुनबाजैंपैंजनीमृ
दुमुखर। किंकिणीकलितकटिहाटकरतनजटितमृदुकर
कमलनिपहुँचियारुचिरबर। पियरीपिछौरीझीनीऔर
नउपमाकीनीबालकदामिनीमानोंओढ़ेवारौंबारिधर। उ
रबघनखकंठकंबुलकुटिलवार बेनिलटकनिमसिबिंदामु
निमनहर। अंजनरंजितनैनचितवनिचितचोरैमुखशो
भापरवारौंअमितअसमशर। चुटकीबजावतनचा

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

वतनन्दघरनिबालकेलिगावतिमल्हावतिप्रेमसोंभर। किलकिलकिहँसैं द्वैद्वैदँतुलिलसैंसूरदासमनबसैंतोत रेबचनबर ६९॥ चौ०॥ भोरहिंमहरयमुनतटधाये। दरशनकरिअतिहीसुखपाये७०॥ पुनःरागरामकली॥ करिअस्नाननन्दघरआये। लैजलयमुनाकोझारीभरिकंजसुमनकहुँपाये। पांवधोइमंदिरपगुधारेप्रभुपूजाजियंजानि। अस्थलधोयपात्रसबधोयेकाजदेवकेकानि। बैठनंदकरतहरिपूजाबिधिवतसोंबहुभांति। सूरश्यामखेलततेआयेदेखतपूजाजाति ७१॥ पुनःरागगुर्जरी॥ नन्दकरतपूजाहरिदेखतघंटबजायदेवअन्हवाये। दलचंदनलेपनताकोकरिपटअन्तरदैभोगलगाये। अचमनदैबीराअछोधरिआरातिकरीबनाई।कहतकान्हबाबातुमअरप्योदेवनहींकछुखाई। चितैरहेतबनन्दमहरिमुखसुनहुश्यामकीबात। सूरश्यामदेवनकरजोरोंकुशलरहैंजसगात ७२॥ सो०॥ हँसतश्यामसुखदानिनन्दस्वरूपनजानहीं। रह्योतिनहिंसुतमानिकरतबाललीलासगुण ७३॥ पुनःरागधनाश्री॥ यशुदादेखतहीढिगठाढ़ी। बालदशाअवलोकिश्यामकीप्रेममगनचितबाढ़ी। पूजाकरतनन्दजहँबैठेध्यानसमाधिलगाय। चुपहींआनिकान्हमुखमेल्योदेखोदेवबड़ाय। देखैंनन्दशिलानहिंआगेतबमनअचरजआय। कहांगयोमेरेहिआगेतेकोलैगयोउठाय। तबयशुमतिसुतबदनदिखावतिदेखौंबदनकन्हाय। मुखकतमेलिदेवताराख्योघालेसबैनशाय। बदनपसारिशिलाजबदीन्हीतीनोंलोकदिखाय। सूरनिरखिमुखनन्दचकि

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

तभैकहतनहींकछुआय७४॥ दो० ॥ परतेपरपरब्रह्मजो निर्गुणअलखअनूप । सोव्रजभक्तनप्रेमबशबिहरतबा लकरूप ७५॥ चौ० ॥ कहतनन्दसोंयशुमतिमैया । दु होलालकीठाढ़ीगैया ७६ काजरिकोपयपियोगुपाला । ज्योंतेरिचोटीबढ़ैबिशाला ७७ ॥ पुनः राग रामकली ॥ मैयाकबबाढ़िहैमेरिचोटी । कितिकबेरमोहिंदूधपियतभ इयहअजहूंहैछोटी । तूजोकहतिबलकीबेनीज्योंह्वैहैलां बीमोटी। काढ़तगुहतन्हवावतजैहैनागिनसीभुंइलोटी। काचोदूधपियावतमोहनदेतीमाखनरोटी । सूरश्यामया हीरसरिभयोहरिहलधरकीजोटी ७८ ॥ राग बिलावल ॥ हरिअपनेआगेकछुगावत । तनकतनकचरणनसोंना चतमनहींमनहिंरिझावत । बांहउठायकाजरीधौरीगैय नटेरिबुलावत । कबहुंकबाबानंदपुकारतकबहूंघरफि रिआवत । माखनतनकलेतकरअपनेतनकबदनमेंना वत। कबहुंचितैप्रतिबिम्बखम्भकोलवनीलैदिखरावत। देखिदेखियशुमतियहलीलाहरषअनंदबढ़ावत।सूरश्या मकेबालचरितनितहीनितदेखेभावत७९॥ पुनः॥बलिब लिजाहुंमधुरस्वरगावहु।अबकिबेरमेरेकुंवरकन्हैयानन्द हिनाचदेखावहु । तारीदेहुआपनेकरकीपरमप्रीतिउप जावहु । आनअन्तधुनिसुनिडरपतकतमोभुजकंठल गावहु। जनिशंकाजियकरहुलालमेरेकाहेकोशरमावहु। बांहउठायकालिहकीनाईंधौरीधेनुबुलावहु । नाचहुनेक जाउँबलितेरीमेरीसाधपुरावहु। रत्नजटितकिंकिणिपग नूपुरअपनेरंगबजावहु । कनकखम्भप्रतिबिंबितशिशु

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

यकलवनीताहिखवावहु। सूरश्याममेरेउरतेकहुंटारेनेक नभावहु ८०॥ सो०॥ प्रेममगनपितुमातनिशिदिनजा तनजानहीं। क्योंहूंमननअघातसुनतबचनदेखतदर श८१॥ अन्हवावनलीला। सूरसागरे रागबिलावल॥ प्रातस मयदधिमथतियशोदाप्रमुदितकमलनयनगुणगावति। नीलबसनतनसजलजलदजनु दामिनिदिविभुजदंडच लावति। चन्द्रबदनलटलटकछबीलीमनहुंअमृतरस राहुचुरावति। गोरसमथतनादयकउपजतकिंकिनिधु निसुनिश्रवणरमावति। सूरश्यामअँचराधरिठाढ़ेकाम कसौटीकसिदिखरावति ८२॥ पुनः॥ नन्दजूकेबारेका न्हछोड़िदेमथनियां। बारबारकहैमातुयशोमतिरमनि यां। नेकरहोमाखनलोमेरेप्राणधनियां। आरिजनिकरो बलिगईहौंन्योछनियां। सुरनरजाकोध्यानधरैंसिद्धिहूं सुनजनियां। ताकोनँदरानीमुखचूंबिलीन्होकनियां। सहसाननशारदागुणगणतहूंनबनियां। सूरश्यामदेखि केसबभूलींगोपधनियां ८३॥ सूरसागरे रागनट॥ सखि रीनन्दनन्दनदेख। धूरिधूसरिजटाजरुलीहरिकेतनहर भेष। नीलकठुलापोहिमणिगणफणिकज्योंलपटाय। ख नखनाकरहँसतहरिहरनचतडमरुबजाय। जलजमाल गोपालपहिरेकहाकहौंबनाय। मुंडमालामनोहरगरलस तशोभापाय। स्वातिसुतमालाबिराजितश्यामतनुय हिभाय। गौरिउरहरमनोंगंमालईकंठलगाय। केहरी नखदेखिहर्षितरहींमनहिंविचारि। बालशशिमानोभा लतेलैउरधरयोत्रिपुरारि। अंगप्रतिअवलोकियुवतीक

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

रतिहैंयहध्यान । सूरश्यामविलोकिभ्रूभक्योनंगमनहिं शकान ८४ ॥ पुनः रागआसावरी ॥ यशुमतिजबहिंकह्यो अन्हवावनरोयगयेहरिलोटतरी । तेलउबटनोलैआगे धरिलालहिंछोटनिपोटतरी । मैंबलिजाउंरहोकिनमोह नकतरोवतबिनकाजेरी । पाछेधरिराख्योचुरायकैउबट नतेलसमाजेरी । महरिबहुरिबिनतीकरिराखतिमानत नहींकन्हाईरी । सूरश्यामअतिहीबिरुझानेसुरमुनिअ न्तनपाईरी ८५ ॥ रागसारँग ॥ कान्हबलिगइआरिन कीजेहो । जोइजोइभावैसोइसोइलीजे । तबकहतिय शोदारानी । कोखिझवैशारँगपानी । जोमेरोलालखि झावै । सोअपनोकियोफलपावैहो । तेहिदेहोंदेशनिका रो । ताकोब्रजनाहिंनगारोहो । अतिरिसहींतेतनुछीजै । सुठिकोमलअंगपसीजैहो । बरजतबरजतबिरुझाने । करिक्रोधमनाहिंअकुलानेहो । तबधरतधरतभुइँलोटे । माताकोचीरनिबेटेहो । अँगआभूषणसबतोरे । नवनि धिकेभाजनफोरेहो । तहँदेखितप्तजलतरसे । यशुदाके पांयनपरसेहो । तबमहरिबांहगाहिआने । तबतेलउबट नोसानेहो ८६ ॥ दो० ॥ तबढुचितीकरिमातुकोगिरत परतगैभाज । नेकनिकटलागेनहींमनमोहनब्रजराज ८७॥ सो० ॥ तबपुचकारेमातश्यामबेदकहिकहिबचन। मैंबलिआवहुतातनहिंआवहुतोजानिहौ ८८ ॥ पुनःसा रँग ॥ तुममेरीरिसनहिंजानतहौ । मोहिंकोतुमनाहिंपहिं चानतहौ । मैंआजुतुमहिंगाहिबांधौं । हाहाकरिकरिअ नुराधौंहो । बाबानंददउतहिंतेआये । कौनेहरिअतिहि

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

खिझायेहो। मुखचूंबिहर्षिलैआये। लैयशुमतिपहँपहुं
चाये। मोहनकतखिझतअयानी। हियेलायलियेनँद
रानीहो। क्योंहूंयतनयतनकरिपाये। तनउबटनतेलल
गायेहो। तातोजलआनिसमोई। अन्हवाइदियोअँग
धोईहो। अतिसरसबसनतनुपोंछे। लैकरमुखकमल
अँगोछेहो। अंजनदोउदृगभरिदीन्हो। भ्रुवचारुच
ख्योंडाकीन्होहो। अँगआभूषणपहिराये। लावाहिंक्र
मक्रमठहरायेहो। ऐसीरिसनकरोमेरेकान्हा। अबखाहु
कुवँरकछुनान्हाहो। तुतरातकह्योकाहेरी। जोमुहिंभावै
सोदैरीहो। जोइजोइभावैमेरेप्यारे। सोइसोइदेहौंमैंल
लारेहो ८९॥ सो० ॥ कियेअमितपकवानमैंअपनेसुत
केलिये। सोसबकहौंबखानजोभावैसोलीजियो ९०॥
पुनः सारँग ॥ करिहैसीरावतिसीरा। कछुहठनकरोयदु
बीरा। सद्यदधिमाखनद्योंआनी। तापरमधुमिश्रीसा
नीहो। खोवामेंमधुरमिठाई। सोदेखवअतिरुचिपाई।
कछुबलदाऊकोदीजै। अरुदूधअधवटापीजैहो। सब
हेरधरीहैसाढ़ी। लैउपरउपरतेकाढ़ी। अतिप्योंसनरस
रससनाई। तेहिसोंठमिरचरचिनाईहो। अरुदूधबरा
दहिरौरी। जोखातअमृतएककौरी। सुठिसरसजलेबी
बोरी। जेहिजेंवतनाहिंरुचिथोरीहो। अतिखुरमानरम
सवांरे। जेमुखमेलतसुकुमारे। मोतीलडूसुठिमीठे। बे
खातनकबहुँउबीठे। शितलडूलवगननाये। एतेकरिबहु
यतनबनाये। गूँझावहुपूरणपूरे। भरिभरिकपूररसचूरे
हो। अरुतैसियदालमसूरी। जोचाखतमुखदुखदूरी।
CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

अरुहेसँमिसुरससँवारे। अतिस्वादपरमसुखकारेहो। चावरवरणेनाहिंजाई। जेहिदेखतअतिसुखपाई। अरु मालपुवामधुसाने। वेतप्ततुरतकरिआनेहो॥ सुन्दर अतिसरसअँदरसे। तेघृतमधुदधिमिलिसरसे। घेवर अतिघिवरचभोरे। लैखांडडारतरबोरेहो। माधुनिअ तिशयरसजूरी। तेहिसद्यपरुसिघृतबोरी। तबपूरीसुनि हरिहर्ष्यो। भोजनपरमनकरिकरष्योहो ९१॥ दो०॥ सुनतयशोदातुरतहींलैआईहर्षाय। बलदाऊकोटेरकै लीन्हींनंदबुलाय ९२॥ सो०॥ षटरसकेपरकारजेबरणे यशुदाप्रथम। परसिधरेसबथारजेंवतहरिबलबीरदोउ ९३॥ रागसारँग॥ मनमोहनहलधरबीरा। जेंवतरुचिरा च्योसीरा। शीतलजललियोमँगाई। भरिझारीयशुमति लाईहो। अँचवतनँदनयनजुड़ाने। दोउहर्षिहर्षिमुसक्या ने। हँसिजननीचरूभराये। तबकछुकछुसुखपरवरायेहो। बीरीतनकतनकमुखनाये। अतिलालअधरह्वैआये। छबिसूरदासबलिहारी। मांगतकछुजूठनिथारीहो९४॥ चौ०॥ सखावृन्दप्रियद्वारपुकारे। खेलनआवहुकान्ह पियारे ९५ बिनयबचनसुनिहर्षकृपाला। चलेमनोह रचालरसाला ९६॥ दो०॥ जाकेगुणगणअगमअति निगमनपावतओर। सोप्रभुखेलतग्वालसँगबँधेप्रेम कीडोर ९७॥ भोजनलीला। चौ०॥ भोजनकेसमयेनँद राई। करेसुरतिबलरामकन्हाई ९८ कह्योबुलायले हुदोउभैया। मोसँगजेवैंआयकन्हैया ९९ यशुमतिसु नतचलीअतुराई। व्रजघरघरटेरतदोउभाई १०० ॥

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

सूरसागरेरागनटनारायण॥ कोउमाईबोलिलेहुगोपालहिं। मैंअपनेकोपथाहिंनिहारत खेलतबेरभईनँदलालहिं। टेरतबड़ीबेरभइमोकोनहिं पावतघनश्यामतमालहिं। सिद्धजेंवनसिरातनंदबैठे ल्यावहुकान्हबोलितत्काल हिं। भोजनकरहिंनन्दसंगमिलिके भूखलगीह्वैहैमेरे बारहिं। सूरश्याममगजोवतियशुमतिआयगयेसुनिब चनरसालहिं १ ॥ पुनः रागसारँग ॥ नन्दबुलावतहैंगो पाल। आवहुबेगिबलैयालेहौंमोहनश्यामतमाल। प रुस्योथारधरयोमगजोवतबोलतबचनरसाल। भात सिराततातदुखपावतक्योंनचलोतत्काल। हौंवारीइ नप्रतिपायनपरदौरिदिखानहुचाल। छांड़िदेहुतुमला ललटपटीयहगतिमन्दमराल। सोराजाजोअगमन पहुंचैसूरसुभवनउताल। जोजेंहैंबलरामअगमनेतौहँ सिहैंसबग्वाल २॥ रागबिलावल॥ हरिकोटेरतहैनँदरा नी। बहुतअबेरभईकहुंखेलतकहँरहथेसारँगपानी। सु नतहिंटेरदौरितबआयेकबकेनिकसेलाल। जेंवतनहींन न्दतुम्हरेबिनुबेगिचलोगोपाल। श्यामहिल्याईमहरि यशोदातुरतहिंपाँयपखारे। सूरदासप्रभुसंगनंदकेबैठेहैं दोउबारे ३॥ रागसारँग॥ जेंवतनन्दकान्हएककठोरे। कछु कखातलपटातदुहूंकरबालकहैंअतिभोरे। बराकौरमेल तमुखभीतरमिरचदसनतकितोरे। तीक्षणलगेनयनभरि आयेरोवतबाहिरदौरे। फूंकतिबदनरोहिणीठाढ़ीलियेल गायअँकोरे। सूरश्यामकोमधुरकौरदैकीनोतातनिहोरो४ जेंवतकान्हनन्दकीकनियां। कछुकखातकछुधरणिगिरा

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

वतछबिनिरखतनँदरनियां । बरीबराबेसनबहुभांतिन ब्यंजनाबिबिधिअगनियां । डारतखातलेतअपनेकररु चिमाखनदधिदुनियां । मिश्रीदधिमाखनमिश्रितकरि मुखनावतछविधनियां । आपुनखायनन्दमुखनावतसो सुखकहतनबनियां । जोरसनन्दयशोदाबिलसतसोन हिंतिहूँभुवनियां । भोजनकरिनँदअचमनलीन्हेंमांग तसूरजुठनियां ५ ॥ सो० ॥ कोकरिसकैबखानभाग्य यशोमतिनन्दके । ब्रह्मरहयोरुचिमानिबालरूपजिन केसदन ६ ॥ पयछुड़ावनलीला। चौ० ॥ बैठेश्याममातुकी कनियां। पियतदूधसुन्दरसुखदानियां ७ बारबारयशु मतिसमुझावें। हरिसोंअस्तनपानछुड़ावें ८ ॥ सूरसाग रेरागरामकली ॥ यशुमतिकान्हहिंयहसमुझावति । सुन हुँश्यामअबबड़ेभयेहोयहकहिअस्तनपानछुड़ावति। ब्र जलरिकातोहिंपीवतदेखैंहँसतलाजनहिंआवति । जैहें बिगरिदांतहैंआछेतातेकहिसमुझावति । अजहूंछांड़ि कहयोकरिमेरोऐसीबातनभावति। सूरश्यामयहसुनिमु सक्यानेअंचलसुखहिंलुकावति ९ ॥ चौ० ॥ आयेतब हींसखाबुलावन। मातुकह्योखेलहुमनभावन १० यह सुनिहर्षिउठेबनवारी। मांगतदेचौगानकहांरी ११ मथ नीकेपाछेकहिदीनो। हर्षितश्यामतहांतेलीनो १२ कहत सखनसोंहारिहर्षाई। खेलहुगेकेहिठाहरजाई १३ खेल तबनिहैपौषनिकासू। हरषिचलेसबसहितहुलासू १४ ॥ दो० ॥ कान्हरहलधरबीरदोउभयेभुजाबरजोर । श्रीदा माअरुसुबलमिलिजुरेसखाइकठोर १५ ॥ सो० ॥ और

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

सखनकेवृन्दबाटालियेजुरिजोटजुट । अतिआनँदनँद
नंददियोबढ़ाढरकायमहि १६ ॥ रागनट ॥ खेलतबनेघो
षनिकास। सुनहुश्यामचतुरशिरोमणियहांहैघरपास।
कान्हहलधरबीरअतिदोउभुजादोहूंजोर। सबलश्रीदा
मासहितअरुसखाभेयकठौर। चलेब्रजकीखोरिखेलत
अतिउमगिनँदनन्द।बटाधरणीडारदीन्हींलैचलेढरका
य। आपअपनीघातनिरखतखेलजम्योबनाय। सखा
जीततश्यामजानेतबकरीकछुपेल। सूरदासकहतश्रिदा
माकौनऐसोखेल १७॥ चौ० ॥ श्रीदामासोंहौंतुमहारे।
झूठीसौंहेंखाउललारे १८ ॥ रागबिलावल ॥ खेलतमें
कोकाकोगुसैयां । जातिपांतिहमतेबड़नाहिननाहिंहम
बसततुम्हारीछैयां। अतिअधिकारजनावतयातेजाते
अधिकतुम्हारीगैयां। रूठीकैरैतासोंकहखेलैंरहेबैठिज
हंतहंसबगोइयां।हरिहारेजीतेश्रीदामाबरबसहींकसक
रतरुसैयां। सूरश्यामप्रभुखेलोइचाहतदांवदियोकरिनं
ददुहैयां १९ ॥ रागनट ॥ खेलतश्यामअपनेरंग। नं
दलालनिहारिशोभानिरखिथकितअनंग। चरणकीछ
बिनिरखिडरप्योअरुणगगनाछिपाय। जानुरंभाकीसबै
छबिनिदरिलईछुड़ाय।युगलजंघनिखंभरम्भानाहितस
मसरताहि। कटिनिरखिकेहरिलजान्योरहेबनघनचा
हि। हृदयहरिनखअतिबिराजतछबिनबरनीजाय। म
नोबालकबारिघननवचन्ददईदिखाय।मुक्तमालबिशा
लउरपरकछुकहोंउपमाय। मनोताराराणगनवेष्टितनिशि
गगनरहयोछाय। अधरअरुणअनूपनासानिरखिजन

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

सुखदाय। मनोशुकफलबिंबकारणलेनबैठ्योआय। कुटिलअलकबिनापवनकेमनोअलिशिशुजाल। सूरप्रभुकीललितशोभानिरखरीब्रजबाल २० ॥ सो० ॥ खेलतभईअबारजननीटेरतश्यामको। आवहुधामसबारसांझसमयनहिंखेलिये २१ ॥ रागकान्हरो ॥ सांझभई घरआवहुप्यारे। दौरतकहाचोटकहुँलगिहैपुनिखेलहुगेहोतसकारे। आपुहिजायबांहगहिल्याईखेहरहीलपटाई। धूरिझारितातोजलल्याईतेलपरसिअन्हवाई। सरसबसनतनपोंछिश्यामकोभीतरगईलेवाई। सूरश्यामकछुकरोबियारीपुनिराखौंपौढ़ाई २२ ॥ रागबिहागरो ॥ बलमोहनदोउकरतबियारी। प्रेमसहितदोउजननिजिवांवतरोहिणिअरुयशुमतिमहतारी। दोउभैयामिलिखातएकसँगरतनजटितकंचनकीथारी। आलससोंकरकौरउठावतनयननींदझमकिरहिभारी। दोउमातानिरखतआलसमुखछबिपरतनमनडारतिवारी। बारबारजमुहातसूरप्रभुयहउपमाकबिकहैंकहारी २३ ॥ पुनः॥कमलनयनहरिकरौबियारी। लुचुईलपसीसद्यजलेबीसोइजेंवहुजोइलगेपियारी। घेवरमालपुवामोतिलाड़ूसुघरसँजूरीसरससवाँरी। दूधबराउत्तमदधिरोटीगोलमसरीकीरुचिन्यारी। आछोदूधऔटिधौरीकोलैआईरोहिणिमहतारी। सूरदासबलरामश्यामदोउजेंवहुजननिजायबलिहारी २४॥ चौ० ॥ बारहिंबारश्यामजमुहाने। खातखातमोहनअलसाने २५ आलससोंकरकौरउठावत। नैनननींदझमकिझुकिआवत २६ ॥ दो० ॥

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

उठहुलालतबमातुकहिधोयोमुखअरबिन्द । पौढ़ायो लैसेजपरबलिअरुबालमुकुन्द २७ ॥ सो० ॥ सोयेबा लगोबिन्ददोउभैयासुखसेजपर । जननीअतिआनन्द गावतगुणगोपालके २८ ॥ माखनचोरीलीला । श्लोक श्रीभागवते ॥ नवमेपयउत्सिक्तेमत्वागोप्यथतत्कृतं । वि लोक्यभांडभंगादिकृष्णंदाम्नाबबंधतम् १ ॥ पुनः ॥ एकदागृहदासीषुयशोदानंदगेहिनी । कर्मान्तरनियुक्तासुनिर्ममंथस्वयंदधि २ यानियानीहगीतानितद्बालच रितानिच । दधिनिर्मंथनेकालेस्मरंतीतान्यगायत ३ सूरसागरेरागबिभास ॥ भोरभयोजागहुनँदनन्दन । सखा संगठाढ़ेजगबन्दन । सुरभिनपयहितबच्छपियाये । पंक्षीयूथदशौंदिशिधाये । मुनिसरतक्योतमचुरसुरहा रेव । शिथिलधनुषरतिपतिगहिडारेव । निशिनिघ टीरबिरथरुचिराजी । चन्दमलीनचकइरतिसाजी । कुमुदिनिसकुचीबारिजफूले । गुंजतफिरतअलीगनटू ले । दरशनदेहुमुदितनरनारी । सूरदासप्रभुदेवमुरा री२९ ॥ राग बिलावल ॥ जागहुलालग्वालसबटेरत । क बहुंपिताम्बरडारिबदनपरकबहुंउघारिजननितनहेरत । सोवतमेंजागतमनमोहनबातकहतसबकीअवढेरत । बा रम्बारजगावतमातालोचनखोलिपलकपुनिघेरत । पु निकहिउठींयशोदामैयाउठहुकान्हरबिकिरिनिउजेरत । सूरश्यामहँसिचितैमातुमुखपटकरलैपुनि २ मुखफेरत ३०॥ चौ० ॥ सुनिजननीकेबचनरसाला । खोलेदृगराजी वबिशाला ३१ हँसतउठेसंतनसुखदाई । मुखछबिदेखि

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

मातुबलिजाई ३२॥ दो०॥ रोटीअरुमाखनतनकदेरी मामोंहाथ। लैआईजननीतुरतकछुमेवाधरिसाथ ३३ सो०॥ करतकलेऊश्याममाखनरोटीमानिरुचि। त्रिभुवनपतिसुखधामचारपदारथहाथजेहि ३४॥ रागगौरी॥ मैयारीमोहिंमाखनभावै। जोमेवापकवानकहततूमोहिंनहींरुचिआवै। ब्रजयुवतीयकपाछेठाढ़ीसुनतश्यामकीबात। मन२कहतिकबहुंअपनेघरदेखौंमाखनखात। बैठेजायमथनियांकेढिगमैंतबरहींछिपानी। सूरदासप्रभुअन्तरयामीग्वालिमनहिकीजानी ३५॥ चौ०॥ गयेश्यामताग्वालिनिकेघर। ठाढ़ेभयेजायद्वारेपर ३६ इतउतदेखतकोऊनाहीं। तबपैठेताकेघरमाहीं ३७ हरिकोआवतग्वालिनिजान्यो। परममुदितअतिहीसुखमान्यो ३८ देखीमाखनभरीकमोरी। खानलगेहरिकरिमतिभोरी ३९॥ दो०॥ चितैरहेमणिखंभमेंहरिअपनीप्रतिछाहिं। जानिदूसरोग्वालतिहिंप्रभुसकुचेमनमाहिं ४०॥ सो०॥ तासोंकरतसयानकहतलेहुआधोतुमहुं। हमतुमएकसमानभलोबन्योहैसंगअव ४१॥ चौ०॥ प्रथमआजुमैंचोरीआयों। तुमकोदेखिबहुतसुखपायों ४२ अबतुममेरेसँगनितअइयो। काहूसोंयहभेदनकहियो ४३ सुनिसुनिहारिकेमुखकीबानी। उमँगिहँसीब्रजयुवतिसयानी ४४ श्यामचौंकिमुखतासुनिहारी। भाजिचलेब्रजखोरिमुरारी ४५॥ सूरसागरेरागगौरी॥ फूलीफिरतग्वालिमनमरी। पूँछतिसखीपरस्परबातेंपायोपरयोकछूकहुँतेरी। पुलकितरोमरोमगद्गदमुखबानीक

हतनआवै। ऐसोकहाआहिसोसखीरीमोकोक्योंनसुनावै। तनुन्यारोज्योंएकहमारोहमतुमएकैरूप। सूरदासकहैंग्वालिनसखिसोंदेख्योंरूपअनूप ४६॥ रागगूजरी॥
आजुसखीमणिखम्भनिकटहरिजहँगोरसकीगोरी। निजप्रतिबिम्बसिखावतज्यांशिशुप्रकटकरैजिनिचोरी। अर्द्धविभागआजुतेहमतुमभलीबनीहैजोरी। माखनखाहुकतहिंडारतहौछांड़िदेहुमतिभोरी। हिस्सानलेहुसबैचाहतहौइहौबातहैथोरी। मीठोपरमअधिकरुचिलागैदेहौंकाढ़िकमोरी। प्रेमउमगिधीरजनरह्योतबप्रगटहँस्योमुखमोरी। सूरदासप्रभुसकुचिनिरखिमुखचलेकुंजकीखोरी ४७॥ रागबिलावल॥ प्रथमकरीहरिमाखनचोरी। ग्वालिनमनइच्छापूरणकरिआपुभजेहरिब्रजकीखोरी॥ मनमनयहैबिचारकरतप्रभुब्रजघरघरसबगाउं। गोकुलजन्मलियोंसुखकारणसबकेमाखनखाउं। बालरूपयशुमतिमोहिंजानैंगोपिनमिलिसुखभोग। सूरदासप्रभुकहतप्रेमसोंयेमेरेब्रजलोग ४८॥ चौ०॥ भक्तबछलसन्तनसुखकारी। अपनेमनदृढ़यहैबिचारी ४९ बालसखासबनिकटबुलाई। तिनसोंहँसिहँसिकहतकन्हाई ५०॥ दो०॥ माखनखइयेचोरिकेसबब्रजघरघरजाय। कीजैबालबिहारयोंयहमेरेमनभाय ५१॥ सो०॥ सुनिहर्षेसबग्वालदेतपरस्परतारिसब। भलीकहीनँदलालतुमबिनुयहबुधकोकरै ५२॥ रागबिलावल॥ सखासहितगेमाखनचोरी। देख्योश्यामगवाछुपंथकैगोपीएकमथतिदधिभोरी। हेरिमथानिधरीमाटतेमाख

नहीँउतरात । आपुनगईकमोरीमागनहरिपाईह्यांघा
त । पैठेसखासहितघरसूनोमाखनदधिसबखाये । छूंछी
छांड़िमटुकियादधिकीहँसिसबबाहरआये । आयगईक
रलिहेकमोरीघरतेनिकसेग्वाल । माखनकरमुखदधि
लपटानोदेखिरहीनँदलाल । कहँआयेब्रजबालकलैसँ
गमाखनमुखलपटानो । खेलततेउठिभग्योसखायकय
हिघरआयछपानो । भुजगहिलियोकान्हयकबालकनि
करेब्रजकीखोरी । सूरदासठगिरहीग्वालिनीमनहरिलि
योअजोरी५३ ॥ चौ० ॥ चमकिगयोहरिसखनसमेता ।
तबहिंग्वालिनीगईनिकेता ५४ देखीजायमथनियांखा
ली । चकिताबिलोकतिइतउतग्वाली ५५ मनहरिलीन्हों
मदनगोपाला । जान्योग्वालिनिहरिकेख्याला ५६
श्लोक श्रीभागवते ॥ कृष्णस्यगोप्योरुचिरंवीक्ष्यकौमार
चापलम् । शृण्वन्त्याःकिलतन्मातुरितिहोचुःसमागताः
१ ॥ दो० ॥ घरघरप्रगटीबातयहसखावृंदलैसाथ । चो
रीमाखनखातहैंनंदसुवनब्रजनाथ ५७ ॥ चौ० ॥ कह
तिपरस्परग्वालिसयानी । सबमोहनकेरूपभुलानी ५८
माखनखानदेहुगोपालहिं । मतबरजोकोउश्यामतमा
लहिं ५९ कहतिएकमैंजोधरिपाऊं । तोअपनेगहिकं
ठलगाऊं ६० यहिबिधिप्रेममगनसबबाला । सबकेह
दयध्याननँदलाला ६१ ॥ दो० ॥ विश्वभरनपोषन
करनकल्पसरोवरनाम । सोप्रभुदधिचोरीकरतप्रेमाबि
वशसुखधाम ६२ ॥ रागबिलावल ॥ ग्वालिनघरगये
जानिसांझकीअँधेरी । मंदिरमेंगयसमायश्यामलतन

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

लखिनजायदेहमेंहरूपकहौंकोकहैनिबेरी । दीपकगृह दानकरयो भुजाचारिप्रगटधरयो देखतभईचकितग्वा लिइतउतकोहेरी । श्यामहृदयअतिविशालमाखनद धिबिंदुजालमनमोहयोनंदलालबालकहीबेरी । युव तीअतिभैबिहालभुजभरिदैअंकमाल सूरदासप्रभुकृपा लडारयोतनफेरी । करसोंकरलैलगायमहरिपैंगईलि वायआनँदउरमेंनसमायबातहैअनेरी ६३ ॥ पुनः ॥ यशुमतितूदेखिआनिआगे ह्वैलेपिछानिबहियांगहिल्याई कुँवरआनकोकितेरो । अबलोंमैंकरीकानिसहीदूधद हीहानिअजहूंजियजानिमानिकान्हहैंअनेरो । दीपक होधरोबारिदेखतभुजभईचार हारीहोंधरतिकरतिदिन दिनकोभेरो । दिखियतनहिंभवनमांझतैसोइतनतैसी सांझछलसोंकछुकरतफिरतमहरकोजठेरो । गोरसतनु छीठिरहीशोभानहिंजातकही मानोंजलयमुनबिम्बउडु गणपथफेरो । उरहननहिंदेहुँकाहिकहितूइतनोरिसाय नाहींब्रजबासीसुतऐसीबिधिमेरो । यशुदानिरखेंकुमार गोपीवरनेबिहारभूलीभ्रमरूपमानोंआनकोउहेरो। मन मेंबिहँसतगोपालभक्तपालदुष्टशालजानेकोसूरदास च रितकान्हकेरो६४ ॥ क० ॥ शंकरसेसुरजाहिजपैंचतुरान नध्याननधर्मबढ़ावैं । नेकहियेमेंजोआवतहींरसखानि महाजड़मूढ़कहावैं । जापरसुंदरदेवबधूनहिंवारतप्राण बिलम्बलगावैं । ताहिअहीरकीछोहरियांछछियाभरि छांछपैनाचनचावैं ६५ ॥ सूरसागरे रागनट ॥ देखीग्वा लिबालयमुनाजात । आपताघरगयेपूछतकोतूहौंकहि

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

बात। जायदेख्योभवनबैठेग्वालबालकदोय। भीरदेखतअतिडरानेदोहुनिदीन्हींरोय। ग्वालकेकांधेचढ़ेतबछिकेलयेउतारि। दहीमाखनखातसबमिलिदूधदीन्होंडारि। बच्छलैसबछोरिदीन्हेगयेबनसमुहाय। छिरकिलरिकनमहीसोंभरिग्वालदियेचलाय। देखिआवतसखीघरकोसखिनकह्योजुदौरि। आनिदेखेश्यामघरमेंभईठाढ़ीपौरि। प्रेमअन्तररसिभरयोमुखयुवतिबूझतिबात। चितैमुखतनसुधिबिसारीकियोउरनखघात। अतिहिरसबशभईग्वालिनिगेहदेहबिसारि। सूरप्रभुभुजगहेल्याईमहरिसोंअनुसारि ६६ ॥ रागबिलावल ॥ महरितुममानहुमेरीबात। ढूंढ़िढँढोरिगोरससबघरकोहरयोतुम्हारोतात। कैसेकहतिलयोछींकेतेग्वालकांधदैलात। घरनहिंपिवतदूधधौरीकोकैसेतेरेखात। असम्भवितबोलतिहैआईढीठग्वालिनीप्रात। ऐसोनहींअचगरोमेरोकहाबनावतिबात। काहकहोंसकुचतिहौंतुमसोंकहादिखाऊंगात। हैंगुणबड़ेसूरकेप्रभुकेह्यांलरिकाह्वैजात ६७ रागसारँग ॥ यशुमतिअपनेगोपालहिंबरजतिक्योंजुनहीं। कहाकरैंदिनप्रतिकीबातेंनाहींपरतसही। माखनखातदूधलैढारतलेपतदेहदही। तापाछेघरहूंकेलरिकनमारतछिरकिमही। जोकछुधरहिंदुरायदूरिलैजानततहींतही। सुनहुंमहरितेरेयासुतसोंहमपचिहारिरही। जबबनजातिछिंड़ायमटुकियारुचिरचिबातकही। अपनेजियकेडरतेतबजोजोकछुकहीसोसही। चोरीअधिककचतुरईसीखीजाहिनकथाकही। तापरसूरबछरुअनिढी

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

लतबनबनफिरतबही ६८ ॥ दो० ॥ सुनतग्वालिनीके वचनयशुमतिहरितनदेखि। भयसकोचयुतमुखनिरखि कोमलललितविशेखि ६९ ॥ सो० ॥ कहतलगावतलो गझूंठहिसबमेरेसुतहि । कबभयेचोरीयोगपांचबरसके तनकसे ७० ॥ रागकान्हरा ॥ अबयेझूंठेईबोलतलोग। पांचबरसअरुकछुकदिननिकोकबभयोचोरीयोग । य हिमिसिदेखनआवतिग्वालिनमुँहफाटैजुगँवारि । अन दोषेकोदोषलगावतिदईदेइगोटारि । कैसेकरयाकीभुज पहुंचीकौनवेगह्यांआये । ऊखलउपरआनिपीठधरि तापरसखाचढ़ाये । जोनपत्याहुचलौसँगयशुमतिदेखो नयननिहारि । सूरदासप्रभुनेकुनबरजोमनमेंमहरिबि चारि ७१ ॥ दो० ॥ करतफिरतउतपातअतिसबब्रज घरघरजाय । नितउठिखेलतफागरीगरियावतनलजा य ७२ ॥ चौ० ॥ सुनिग्वालिनकेवचनसयानी । हँसिकै बोधकियोनँदरानी ७३ यशुमतिकहतिश्यामसोंप्यारे। परघरकाहेजातललारे ७४ ॥ सो० ॥ मोपैलीजैश्यामद धिमाखनमेवामधुर । सबकछुतुम्हरेधामपरघरजायब लायतुव ७५ ॥ दो० ॥ मैंअपनोघरछोड़िकैकभीकहूंन हिंजात । आयसबैयेसुन्दरीवृथाकहतउठिप्रात ७६ माखनप्रभुहिंउठायकैमातुलियोउरलाय । गोपिनसों बिनतीकरीरहींसभौशिरनाय ७७ देखिश्यामकेचरित बरब्रजनारीसुखपाय । होहिंहमारेपुरुषहरिमांगतबिधि हिमनाय ७८ ॥ सो० ॥ सुन्दरघनब्रजनाथकोटिकाम शोभाहरण । गोपबालसैसाथकरतबाललीलाललि

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

त७ ॥ निजनिजगृहंगईंगोपकुमारी। धरेध्यान
मनकुञ्जबिहारी ८० कहतिपरोसिनसोंसमुझाई। सुनि
लीन्होंसोकुँवरकन्हाई ८१ ॥ सखी प्रत्युत्तर सूरसागरे। रा
गधनाश्री ॥ मथुराजातिहौंबेचनदहियो। मेरेघरकोद्वार
सखीरीतबलौंदेखेरहियो। दधिमाखनद्वैमाटभरेहैंतोहिं
सौंपतिहौंसहियो। अवरनहींयाब्रजमेंकोऊनन्दकोआ
वतलहियो। वाकेवचनसुनतहैंठाढ़ेमनहींमनकरिबहि
यो। सूरदासलौंगईनग्वालिनकूदिपरेदैधहियो ८२ ॥
रागगौरी ॥ श्यामगयेग्वालीघरसूने। माखनखायडारि
सबगोरसबासनफोरिशोरहूंकीने। बड़ोमाटयकबहुत
दिननकोताहिकरयोदशटूक। सोवतलरिकनछिरकि
महीसोहँसतचलेदैकूक। आयगईग्वालिनितेहिअवस
रनिकसतहरिधरिपाये। देखेघरबासनसबफोरेदहीदूध
ढरकाये। दोउभुजधरिगाढ़ेकरिलीन्हेंगईमहरिकेआगे।
सूरदासअबबसैकौनह्यांपतिरहिहैंब्रजत्यागे ८३ ॥
दो० ॥ वहीउलहनानित्यकोसत्यकरनकेकाज। मैंगहि
ल्याईश्यामकोबांहपकड़केआज ८४ ॥ रागकान्हरो ॥ क
रतकान्हब्रजघरनिअचगरी। खीझतिमहरिकान्हसों
फिरिफिरिउरहनलैआवतिहैंसिगरी। बड़ेबापकोपूतक
हावतहमवैबासबसतएकहीनगरी। नन्दहुतेयेबड़ेकहै
हैंफेरिबसैहैंयहब्रजनगरी। जननिकेखीझतहरिरोयेझूंठे
हिंदोषलगावतधँगरी। सूरश्याममुखपोंछियशोदाकह
तिसबैयुवतीहैंलंगरी ८५ ॥ रागरामकली ॥ अपनोगां
वलेहुनँदरानी। बड़ेबापकीबेटीतातेपूतहिभलेपठावति

पानी। सखाभीरलैपैठतघरमेंआपुखायँतोसहिये। मैं
जबचलीसामुहेपकरनताकेगुणकहकाहिये। भाजिगये
दुरिदेखतकतहूंमैंघरपौढ़ीआई। हेरहेरबेनीगहिपाछे
बांधीपाटीलाई। सुनुमैयायाकेगुणमोसोंइनमोहिंलियो
बुलाई। दधिमेंपरींसेतकीचींटीमोपैसबैकढ़ाई। टहल
करतयाकीघरकीमैंयहपतिसँगलैसोई। सूरवचनसुनि
हँसीयशोदाग्वालिरहीमुँहगोई ८६ ॥ क० ॥ प्यारेकी
कोमलसुनिकसकीकलेजोमाहिं जीवनहैमेरोकान्हकहां
करआयोहै। मोसोंकहोकोटिककछूनकहोबालकसोंके
तोदुखदेखदेखकैसेकरपायोहै। माखनकोमाटलैकेद्वार
पैमहरिबैठींतौलितौलिलेवबीरजाकोजेतोखायोहै। गो
रसकेकाजग्वालिगोदहूपसारतिहूं गारीमातिदेहुमोंगरी
बिनीकोजायोहै ८७ ॥ चौ० ॥ योंकहिजननीकंठल
गायो। सुन्दरश्यामहर्षतबपायो ८८ खेलनगयेबहु
रिनँदलाला। कियोजायपुनिसोईख्याला ८९ अ
परग्वालिउरहनलैआई। कहतिमहरिकोअतिखिसि
आई ९० ॥ दो० ॥ कीन्होंअतिहीलाड़िलोलाड़लड़ा
इबहूत। अबहींतेयेढँगकरतजायोअनोखोपूत ९१॥
सो० ॥ बाहरतरुणकिशोरबोलतवचनविचित्रवर। इ
हांहोतशिशुभोरतुमअपनीमाननहीं ९२ सुनिग्वा
लिनकेबैनकहतियशोमातिकान्हसों। सिखयोनमान
तवैनलैसँटियाडाटतभई ९३ ॥ चौ० ॥ माखनखा
तपरायेघरको। मेरोइरहतजहांतहँढरको ९४ नितप्रति
मथियतसहसमथानी। तेरेकौनवस्तुकीहानी ९५ पूत

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

कहावतनंदमहरिको। चोरीकरतउघारतफरको ९६ ॥
सूरसागरेरागरामकली ॥ मैयामैंनहींमाखनखायो। ख्याल
परेयेसखासबैमिलिमेरेमुखलपटायो। देखुतुहींछींकेपर
भाजनऊंचेधरिलटकायो। तुहींदेखनान्हेंकरअपनेमैंके
सेसोपायो। मुखदधिपोंछिबुद्धियककीन्हींदोनापाछेदुरा
यो। डारिसांटिमुखचूमियशोदाश्यामहिकंठलगायो।
बालबिनोदभावकरिमोहनमातामनहिंरिझायो। सूरदा
सयहयशुमतिकोसुखदेवनदुर्लभगायो। ९७ ॥ दो० ॥
धनिव्रजबासीधन्यव्रजधनिधनिव्रजकीगाय। जिनको
माखनचोरिहरिनितउठिघरघरखाय ९८ ॥ सो० ॥ र
हेसकलसुरभूलिव्रजबिलासहरिकोनिरखि। हर्षहिंबर्ष
हिंफूलधन्यधन्यव्रजधन्यकहि ९९ ॥ चौ० ॥ आईकह
तिऔरयकग्वाली। सुनहुयशोमतिसुतकीचाली ६००
रागधनाश्री ॥ भाजिगयोमेरोभाजनफोरी। लरिकासह
सएकसँगलीन्हेनाचतफिरतसांकरीखोरी। मारगतौक
हुँचलननपावैंधावतगोरसलेतअजोरी। सकुचनकरत
फागुसीखेलततारीदेतहँसतमुखमोरी। बातकहूँतेरेढो
टाकीसबव्रजकोबांध्योप्रेमकीडोरी। टोनासोंपढ़िनावत
शिरपरजोभावैसोलेतहैछोरी। आपखायँतोसबहममा
नैंऔरनिदेतसिकहरेटोरी। सूरसुतहिंबरजोनँदरानी
अबतोरतचोलीबँदडोरी। १ ॥ दो० ॥ तेरीसौंतोसोंक
हतिमैंसकुचतियहबात। तेरोमुखहरिलखतहींसकुचित
कह्योनजात २॥ सो० ॥ नेकदिखावहुआँखिनींहिंअबते
येढँगभले। कबलगिकहियेराखिकरतअचगरीश्यामअ

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

ति ३॥ चौ० ॥ यशुमतिसुनिहरिकेगुणगाथा । रिसक
रिउठीसांटिलैहाथा ४ ॥ दामोदरतथायमलार्जुनमोक्षलीला
राग बिलावल॥ऐसीरिसमेंजोधरिपाऊं। कैसेहालकरोंधरि
हरिकेतुमकोप्रगटिदिखाऊं। सँटियालियेहाथनँदरानी
थरथरातसबगात । मारेबिनाआजुजोछांड़ोंलागेमेरेता
त। यहिअंतरग्वालिनियकऔरेधरेबांहहरिल्यावति ।
भलीमहरिसूधोसुतजायोचोलीहारबतावति। रिसमेंरि
सअतिहीउपजायोजानिजननिअभिलाष । सूरश्याम
भुजगहेयशोदाअबबांधेंकहिभाष ५॥ चौ० ॥ गहेभुजा
सुतकीबिततानी। इतउतरजुखोजतनँदरानी ६ ॥ पुनः
श्रीभागवतेश्लोकः ॥ तंमत्वात्मजमव्यक्तंमर्त्यलिंगमधोक्ष
जम्। गोपिकोलूखलेदाम्नाबबंधप्राकृतंयथा ४ तद्दाम
बध्यमानस्यस्वार्भकस्यकृतागसः। द्व्यंगुलोनमभूत्तेन
संदधेऽन्यच्चगोपिका ५ ॥ चौ० ॥ पुनिपुनियशुमतिऔ
रमँगावै। हरिकेतनसबओछीआवै ७॥ पुनःश्रीभागवते
श्लोकः ॥ स्वमातुःस्विन्नगात्रायाविस्रस्तकबरस्रजः। दृ
ष्ट्वापरिश्रमंकृष्णःकृपयासीत्स्वबंधने ६ ॥ सूरसागरेरागध
नाश्री ॥ देखुसखीयशुदाबौरानी । घरघरडोलतलेत
दांवतीबांहगहेहरिकीबिततानी। जानतनहींजगतपति
माधौजिनतेसबआपदानशानी । जाकोनामसकतपुनि
ताकीताहिदेखिबांधतनँदरानी । अखिलब्रह्मांडउदर
रहेजाकेजिनकीज्योतिजलथलहिंसमानी । मुखजम्हा
तत्रिभुवनादिखरायोअचरजकथानजातिबखानी। ब्रह्मा
दिकसनकादिशुकादिकभ्रमतरहतइनहूँनहिंजानी। सूर
CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

दासमोहिंवैसियलागतिजोकछुकहागर्गमुखबानी ८ ॥
पुनः ॥ बांधौंआजुकौनतोहिछोरे । बहुतलँगरपौंकीनी
मोसोंभुजगहिरजुऊखलसोंजोरे । जननीअतिरिसजा
निबँधायेचितैबदनलोचनजलथोरे । यहसुनिब्रजयुव
तीसबधाईकहतिकान्हअबक्योंनहिंचोरे । ऊखलसोंग
हिबांधियशोदामारनकोसांटीकरतोरे।सांटीदेखिग्वालि
पछितानीबिकलभईजहँतहँमुखमोरे । सुनहुमहरिऐसी
नबूझियेसुतबांधतिमाखनदधिथोरे । सूरश्यामकोबहु
तसतायोचूकपरीहमतेयहभोरे ९ ॥ दो० ॥ बारबारजोव
तिबदनहुचकिनरोवतश्याम । बज्रहुतेतेरोहियोकठि
नअहोनँदबाम १० ॥ सो० ॥ कतरिसकरतिअचेतछो
रिउदरतेदांवरी । डारिकठिनकरबेतलोचनभरिभरि
लेतहरि ११ ॥ रागनट ॥ मुखछबिनिरखिहोनँदघरनि।श
रदनिशिकोअंशअगणितइंदुआभाहरनि। ललितश्री
गोपाललोचनलोलआंशूढरनि । मनहुँबारिजबिथकि
बिभ्रमपरेपरबशपरनि।कनकमणिमयजटितकुंडलज्यो
तिजगमगकरनि।मित्रलोचनमनहुँआयेतरलगतिद्वैत
रनि।कुटिलकुंतलमधुपमिलिमानौंकियोचाहतलरनि।
बदनकांतिबिलोकिशोभासकेसूरनबरनि १२ ॥ रागध
नाश्री ॥ कबकेबांधेऊखलदाम । कमलनयनबाहिरक
रिराखेतूबैठीसुखधाम । होनिरदईदयाकछुनाहींलागि
रहीघरकाम । देखुक्षुधातेमुखकुँभिलानोंअतिकोमलत
नश्याम । छोरहुवेगिबड़ीबेरियाभइबीतिगयेयुगयाम ।
तेरीत्रासनिकटनहिंआवतबोलिसकतनहिंराम । जन

कारणभुजआपबँधाईबचनकियोऋषिताम। तादिनते यहप्रकटसूरप्रभुदामोदरसोनाम १३ ॥ रागनट ॥ देखुरीनँदनन्दनओर। त्रासतेतनत्रसितभैहरितकतआननतोर। बारबारडराततोकोबरनबदनाहिंथोर। मुकुरमुखदोउनयनटारतक्षणहिंक्षणछबिछोर। सजलचपलकरनयनकीपलअरुणऐसेडोल। रसभरेअंबुजनिभीतरभ्रमतजनुभयेभोर। कछुककरुणाकरियशोदाकहतिनिपटनिहोर। सूरश्यामबिलोकियशुमतिकहतिमाखनचोर १४ ॥ रागधनाश्री ॥ ऐसीरिसतोकोनँदरानी। भलीबुद्धितेरेजियउपजीबड़ीवैसअबभईसयानी। ढोटाएकभयोकैसेहुंकरि कौनकौनकरवरबिधिबानी। करमकरमकरिअबलैउबरयोताकोमारिपितरदेपानी। कोनिरदईरहैतेरेघरकोतेरेसँगबैठैआनी। सुनहुंसूरकहिकहिपचिहारी युवतीचलींघरनिबिरुझानी १५ ॥ चौ० ॥ हरिकोदेखिसखाइकधायो। तिनहलधरसोंजायसुनायो १६ अहोरामतुम्हरोलघुभैया। बांध्योआजुयशोदामैया १७ कान्हूकेलरकाहिंहरिमारयो। यशुमतिपौतिनजायपुकारयो १८ तबतेहरिहिंबांधिबैठायो। छांड़तिनाहिंनसबनिछुड़ायो १९ ॥ रागसारँग ॥ यहसुनिकेहलधरतहँआये। देखिश्यामऊलखसोंबांधे तबहींदोउलोचनभरिआये। मैंबरज्योकैबेरकन्हैया भलीकरीदोउहाथबँधाये। अबहूंछांड़हुगेलँगरायोदोउकरजोरिजननिपहँआये। श्यामहिंछोरिमोहिंबरुबांधौनिकसतसगुनभलेनाहिंपाये। मेरोप्राणजिवनधन

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

कान्हातिनकेभुजमोहिंबँधेदिखाये । मातासोंकहकरो
ढिठाईशेषरूपकहिनामसुनाये । सूरदासतबकहतिय
शोदादोउभैयातुमएकहैआये २० ॥ दो० ॥ छूतोतनक
जोऔरकोउआजदेखत्योंसोय । तूजननीकछुबशनहीं
जोकछुकरोसोहोय २१ दधिमाखनसबकान्हकी कान्ह
हिंकीसबगाय । मोकोहैबलकान्हकोतूनाहिंजानतिमाय
२२॥ सो० ॥तेरेबशहरिआहिंकोजानेकेहिपुण्यते । तूपहि
चानतिनाहिंगोरसहितबांधतहरिहि २३ बलदाऊकी
बातसुनिहँसिकेयशुमतिकह्यो । तुमइकमतिदोउआ
तजानातिमैंतुम्हरेचरित २४ ॥ चौ० ॥ हरिहिदेखिहल
धरमुसक्याने । यहतुमगतितुमबिनुकोजाने २५ को
तुमछोरनबांधनहारा । तुमछोरतबांधतसंसारा २६ का
रणकरनकरतमनमाने । अतिहितयशुमतिहाथबिका
ने २७ भक्तनकेबशरहतसदाई । ताहीतेकछुऔनबसा
ई२८ ॥ दो० ॥ ब्रजबासीप्रभुभक्तहितआपुबँधायोदाम।
ताहीदिनतेप्रकटहैदामोदरअसनाम २९ आपबँधाव
तप्रेमबशभक्तनछोरतफन्द । बदतवेदबाणीबिदितभक्त
बछलनँदनन्द ३० ॥ रागरामकली ॥ यशोदाऊखलबाँ
धेश्याम । मनमोहनबाहिरहीछांडेआपुगईगृहकाम । द
हीमथतिमुखपैकछुबकरतिगारीदैदैनाम । घरघरडो
लतमाखनचोरतषटरसमेरेधाम । ब्रजकेलरिकनमारि
भजतुहैंजाहुतुमहुंबलराम । सूरश्यामऊखलसोंबांधेनि
रखतिब्रजकीबाम ३१ ॥ चौ० ॥ यहसुनिहँसिबलरामसि
धायो । युवतिवृन्दयशुदापहँआयो ३२ कहतियशोदा

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

सोंसबगोपी। ऐसीकहापूतपैकोपी ३३ ॥ रागगूजरी॥ यशोदाकान्हहुतेदधिप्यारो। डारिदेहिंकरमथतिमथानी तरसतनंददुलारो। दूधदहीमाखनलैवारैंजाहिकरतितूगारो। कुम्हिलानोमुखचन्द्रदेखिछबिकाहेननेकनिहारो। ब्रह्मसनकशिवध्यानपावतसोब्रजगैयनिचारो। सूरश्यामपरबलिबलिजैयेजीवनप्राणहमारो ३४॥ यशोदाजीकेबचन। रागआसावरी॥ जाहुचलीअपनेअपनेघर। तुमहींसबमिलिढीठकरायोअबआईबन्धनछोरनबर। मोहिंअपनेबाबाकीसौंहैंकान्हाहिंअबनपत्याऊं।भवनजाहुअपनेअपनेसबलागतिहौंमैंपाऊं।मोंकोकोउबरजोजनिगोपीदेखोहरिकेख्याल। सूरश्यामसोंकहतियशोदाबड़ेनन्दकेलाल ३५॥ दो० ॥ युवतिचलींबिरुझाय सबकहतियशोदहिपोच। मूरुखसोंकहियेकहाकरतप्रेमबशशोच ३६ ॥ सो० ॥ काहकरोंबलिजाउंकहतचलीं सबश्यामसों। धरतियशोदहिंनामअतिकठोरमानतिनहीं३७॥ पुनः श्लोके॥ दशमेऽपातयद्रिंगन्नंतरायमल्लार्जुनौ। तत्रत्याभ्यांचदेवाभ्यांकृष्णस्तुतइतीर्यते१॥ रागसारँग॥ हरिचितयेयमलार्जुनतन। अबहींआजुइनहिंउद्धारों येहैंमेरेनिजजन। इनकेहेतुभुजाबँधवाई अबबिलम्बनाहिंल्याऊं। परसकरौंतनुतरुहिंगिराऊंमुनिबरशापमिटाऊं। येसुकुमारबहुतदुखपायेसनकादिकसुतचारौं। सूरदासप्रभुकहतमनाहिंमनकरबन्धननिरवारौं ३८॥ चौ० ॥ तबहिंश्यामसुन्दरयहठानी। युवतीघरनगईसबजानी ३९॥ पुनः श्रीभागवते॥ इत्यंत

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

रेणार्जुनयोःकृष्णस्तुयमयोर्ययौ । आत्मनिर्वेशमात्रेण
तिर्यग्गतमुलूखलम् १ बालेननिष्कर्षयताऽन्वगुलूख
लंतद्दामोदरेणातरसोत्कलितांघ्रिबंधौ । निष्पेततुःपरम
विक्रमितातिवेपस्कंधप्रबालविटपौकृतचंडशब्दौ २ ॥
चौ० ॥ उखरेमूलसहितअरराई । दियेधरणिदोउतरुन
गिराई४० चकितशब्दसुनिब्रजकेबासी।रहेसकुचितनसु
धिबुधिनासी ४१ याहीअन्तरयुगलकुमारा । प्रकटेध
नदतनयसुकुमारा ४२ नारदशापपायदोउभाई । भ
येहुतेब्रजमेंतरुआई ४३ तिन्हैंकृपालुअनुग्रहकीन्हों ।
चारिभुजाकरिदरशनदीन्हों ४४ शंखचक्रकरसारँगधा
री । भक्तहेतुप्रकटेबनवारी ४५ देखिदरशअतिपुलकश
रीरा । परेचरणदोउबंधुअधीरा ४६ बारबारपदरजशि
रधारी । जोरिपाणिअस्तुतिअनुसारी ४७ ॥ पुनःश्लोके
भागवते ॥ कृष्णकृष्णमहायोगिन्स्त्वमाद्यःपुरुषःपरः ।
व्यक्ताव्यक्तमिदंविश्वंरूपंतेब्राह्मणाविदुः १ नमःपरमक
ल्याणनमःपरममंगल । वासुदेवायशांताययदूनांपतये
नमः २ ॥ सूरसागरे । रागबिलावल ॥ धनिगोविंदधनि
गोकुलआये । धनिधानिनन्दधन्यनिशिवासरधनियशु
मतिजिनगोदखिलाये । धनिवहबालकेलियमुनातटध
निवनसुरभीवृन्दचराये । धनियहसमयधन्यब्रजवासी
धनिधानिबेणुमधुरध्वनिगाये । धनिधानिअनखउरहनो
धनिधनिधनिमाखनधनिमोहनखाये । धन्यसूरऊखल
तरुगोविंदहमहिंहेतुधनिभुजाबँधाये ४८ ॥ रागकान्हरा ॥
धनिधानिधनिऋषिशापहमारे । आदिअनादिनिगमन

हिंजानततेहरिप्रकटदेहब्रजधारे । धन्यनन्दधनिमातु
यशोदाधनिआंगनमेंखेलतबारे । धन्यश्यामधनिदाम
बँधायेधनिऊखलधनिमाखनन्यारे । दीनबन्धुकरुणा
निधिहोप्रभुराखिलेहुहमशरणतुम्हारे । सूरश्यामकेचर
णशीशधरिअस्तुतिकरिनिजधामसिधारे ४९ ॥ दो० ॥
बारबारपदनायाशिरबिनतीप्रभुहिंसुनाय । प्रेममगननि
रखतबदनहर्षनहृदयसमाय ५० ॥ सो० ॥ साधुसाधुक
हिनामभक्तिदानतिनकोदियो । बिदाकियोघनश्यामह
र्षिगयेनिजपुरयुगल ५१ ॥ पुनःश्लोके ॥ गोपानन्दादयः
श्रुत्वाद्रुमयोःपततेरवम्।तत्राजग्मुःकुरुश्रेष्ठनिर्घातभय
शंकितः १॥ चौ० ॥ वृक्षशब्दसुनियशुमतिधाई । देखेअ
जिरनकुंवरकन्हाई ५२ परेविटपमाहिलाखिअकुलानी ।
श्यामचपेतरुतरयहजानी ५३ सुनतशोरब्रजजनउठिधा
ये । नन्दद्वारसबदेखनआये ५४ देखेदुहुँतरुबीचकन्हाई।
रहेत्रसितऊखललपटाई ५५ नयननीरभरिदौरियशो
दा । लियोलगायकंठभरिगोदा ५६ ॥ दो० ॥ नंदमो
हिंकहिहैंकहादेखितरुवरनआय । कुशलरहोअबभ्रात
दोउमैंलैमरहुँबलाय ५७ ॥ सो० ॥ श्यामरहेलपटाय
अतिसभीतउरमातुके । बारबारबलिजाययशुमतिमन
पछितातअति ५८ ॥ रागसारंग ॥ ब्रजयुवतीश्यामहिंउ
रलावति । बारंबारनिरखिहरिकोमुखबिनतीकरिबिधि
कोजुमनावति।कैसेंबचेअगमतरुकेतरमुखचूमतियहक
हिपछितावति । उरहनलैजावतिजेहिकारणसोसुखफ
लपूरनकरिपावति । सुनहुमहरिइनकोतुमबांधतिभुज

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

गहिबंधनचिह्नदिखावति। सूरदासप्रभुअतिरतिनाग
रगोपीहर्षिहृदयलपटावति ५९॥ दो०॥ तबहिंनंदआ
येघरहिंदोउतरुगिरेनिहारि। श्यामचपतबाचेसुनेदेत
महरिकोगारि ६०॥ सो०॥ बांधतिहैबिनुकाजमेरेहरि
बारेसुतहिं। कुशलकरीबिधिआजशोचतनँदलखितरु
वरन ६१॥ चौ०॥ तबहिंतातकहिधायकन्हाई। लि
येनंदकनियांसुखदाई ६२ चूमिबदनउरसोंलपटायो।
प्रेमपुलकिलोचनभरिआयो ६३ तबहिंश्यामजननीपै
आये। हर्षियशोमतिकंठलगाये ६४॥ रागसारंग॥ भू
खोभयोआजुमेरोबारो। भोरेग्वालिउरहनोल्याईवहि
यहकियोपसारो। पहिलेरोहिणिसोंकहिराख्योतुरतक
रीजेंवनार। ग्वालबालसबबोलिलियेमिलिबैठेनन्दकु
मार। भोजनबेगिल्यावरीमैयाभूखलगीमोहिंभारी।
आजुसवेरेकछुवनखायेंसुनतहँसीमहतारी। रोहिणि
चितैरहीयशुमतितनशिरधुनिधुनिपछितानी। परसुरी
धेगिबेरकसलावतिभूखोसारँगपानी। बहुव्यंजनबहुभां
तिरसोईषटरसकेपरकार। सूरश्यामहलधरदोउभैया
औरसखासबग्वार ६५॥ चौ०॥ परसतजननियशोदा
मैया। जेंवतश्यामसखाबलभैया ६६ जोजोव्यंजनय
शुमतिराखे। तनकतनकमोहनसबचाखे ६७ श्यामक
हीअबमातुअघानो। अबमोकोशीतलजलआनो ६८
अचमनकरिअँचयेदोउभैया। अतिसुखपायोलखिदो
उभैया ६९ यशुमतिकहतिश्यामसोंप्यारे। सुनहुबात्त
मेरेनन्ददुलारे ७० अपनेहीआंगनतुमखेलो। मेरोक

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

ह्योकबहुंनहिंपेलो ७१ ॥ दो० ॥ टेरिलेहुनिजसखनको
औभैयाबलराम । सुखदीजैमेरेहगनखेलहुअपनेधाम
७२ ॥ सो० ॥ यहसुनिहर्षबढ़ायबोलिलियेहलधरस
खा। खेलहिंआंखमुंदायकहतसबनसोंमुदितहरि ७३ ॥
चौ० ॥ हलधरकह्योआंखकोमूंदै । हर्षिकह्योहरिजननि
यशोदै ७४ ॥ रागकान्हरा ॥ हरिअपनीतबआंखमुँदाई।
सखासहितबलरामलुकानेजहँतहँगयेभगाई । कानला
गिकह्योजननियशोदावाघरमेंबलराम । बलदाऊको
आवनदेहोश्रीदामासोंकाम । दौरिदौरिबालकसबआ
वतछुवतमहरिकोगात । सबआयेरहेसुबलाश्रिदामाहा
रेअबकीतात । भोरपारिहरिसुबलहिंधायोगह्योश्रिदा
माजाय । दैदैसौंहनन्दबाबाकीजननीपैलैआय । हँसि
हँसितारीदेतसखासबभयेश्रिदामाचोर । सूरदासहँसि
कहतयशोदाजीत्योहैसुतमोर ७५ ॥ दो० ॥ जाकेउरत्रै
लोक्यथलपंचतत्त्वचौखान । सोबालककैखेलहींयशुदा
केगृहआन ७६ ॥ सो० ॥ दुर्लभजपतपयोगज्योतिरूप
जगधामहरि । धन्यसोब्रजकेलोगबालककरिमानति
तिन्हें ७७ ॥ चौ० ॥ कहतभईयशुमतिमहतारी । भई
रातिअबसुनहुमुरारी ७८ ॥ रागकेदार ॥ चलोलालकछु
करोबियारी । रुचिनाहींकाहूपरमोरीतूकहिभोजनकि
योकहारी । बेसनमिलेसुरसमैदासोंअतिकोमलपूरीहैं
न्यारी । जेंवहुश्याममोहिंसुखदीजैंतालकरीतुमलियेबि
यारी। निंबुआसूरनआमअथानोऔरकरौंदनिकीरुचि
न्यारी । बारबारतूकहातियशोदाकहिल्यावैरोहिणिमह

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

तारी । जननीसुनततनकलै आईतनकतनकधरिकंचन थारी । सूरश्यामकछुकछुलैखायोजलअँचयोअरुबदन पखारी ७९ ॥ दो० ॥ सोयेश्यामसुजानहरिसुखसोंबी तीरात । बहुरिकलेऊकेलियेजननिउठावतिप्रात ८० ॥

वृन्दाबनबासलीला । श्लोक ॥ एकादशेसमागत्यवृन्दा वनमथार्भकैः । वत्सान्पालयतानेनहतौवत्सवकासुरौ १ गोपवृद्धामहोत्पाताननभूयवृहद्वने । नन्दादयःसमाग म्यव्रजकार्यममंत्रयन् २ ॥ चौ० ॥ महरमहरियहमन हिंविचारी । गोकुलहोतउपद्रवभारी ८१ तातेअबत जियेयहगाऊं । बसियेचलिकहुंउत्तिमठाऊं ८२ नन्दक हीमैंमनहिंविचारी । हैइकठाउंमहासुखकारी ८३ वृन्दा बनगोबर्द्धनपासा । तहँसबकोसबभांतिसुपासा ८४ यहविचारसबकेमनभायो । चलिबेकोशुभलगनधरायो ८५ ॥ दो० ॥ शकटसोंजसबसाजिकेगोधनादियेहँकाय । चलेगोपगोपीहरषिवृन्दाबनसमुहाय ८६ ॥ सो० ॥ निरखिअनूपमठामशकटदियेसबछोरके । सबकेमनब सश्यामबसेसकलवृन्दाविपिन ८७ ॥ चौ० ॥ बसेसक लवृन्दाबनठाहीं । अतिआनंदगोपमनमाहीं ८८ गाय बच्छसबहिनसुखपायो । चरतनिकटतृणहरितसुहायो ८९ हलधरधेनुचरावनजाहीं । मनमोहनलखिमनाहिं सिहाहीं ९० प्रातचलेसबगायचरावन । जननीसोंबो लेमनभावन ९१ ॥ रागसारँग ॥ मोहूंगायचरावनजैहों । प्रातहोतबलकेसँगजैहोंतेरेकहेनरैहों । ग्वालबालगोव नकेभीतरनेकहुनाहिंडरैहौंलागत । आजुनसोऊंनन्द

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

दुहाईरैनिरहोंगोजागत । औरग्वालसबगायचरैहैंमैंघ
रबैठोरैहों । सूरश्यामअबसोइरहोतुमप्रातजानमैंदैहों
९२ ॥ दो० ॥ सोइरहौअबश्यामतुमजननिकहैंचुचका
रि । प्रातजानकहिहौंतुम्हैंबनकोमैंबलिहारि ९३ ॥
सो० ॥ ज्योंत्योंराखेस्वायप्रातदेनबनजानकहि । जन
नीदाबतपायँश्रमितजानिबनगवनके ९४ ॥ चौ० ॥ भो
रभयोयशुमातिकहैंप्यारे। जागहुमोहननन्ददुलारे ९५
रागललित ॥ जागियेगोपाललालआनँदनिधिनन्दबा
लयशुमतिकहैंबारबारभोरभयोप्यारे । नयनकमलसे
विशालप्रीतिबापिकामराल बदनचन्द्रमदनऊपरकोटि
वारिडारे। उगतअरुणबिगतसर्बरीसशंकुकिरिणिहीन
दीनदीपमलिनक्षीणद्युतिसमूहतारे । मनहुंज्ञानघनप्र
कासबीतेसबभवबिलास आसत्रासतिमिरतोषतरणिते
जजारे। बोलतखगमुखरनिकरमधुकरज्ञैबेप्रतीतिसुनहु
प्राणजीवनधनमेरेतुमबारे । मनहुंवेदबंदीमुनिसूतवृन्द
मागधजनविरदवदतजैजैजैजैतकैटभारे। बिगसितकम
लावलीकचलेप्रपंचचंचरीककुंजतकलकोमलध्वनित्या
गिकंजन्यारे। मनोबिरागपायसकलशोककूपग्रहबिहाय
प्रेममत्यफिरतभृत्यगुनतगुणातिहारे। सुनतबचनप्रियर
सालजागेअतिशयदयालभागेजंजालबिपुलदुखकदंम
टारे । त्यागेभ्रमकंददन्दानिरखिकेमुखारबिन्दसूरदास
अतिअनन्दमेटेमदभारे ९६ ॥ रागरामकली चर्चरी ॥
जागियेगोपाललालप्रकटभयो हंसमालमिटिजुगयोअं
धकारउठोजननिमुखदिखाई । मुकुलितभयेकमलजा

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

लकुमुदवृन्दबनबिहाल मेटहुजंजालत्रिबिधतापतनन
शाई । ठाढ़ेसबसखाद्वारकहतनन्दकेकुमारटेरतहैंबार
बारआइयेकन्हाई । गैयनिभैबड़ीबारभरिभारिपयथन
निभारबछरागनकरैंपुकारतुमबिनुयदुराई । तातेयह
अटकपरीदोहनकाजसोंहकरी उठिआवहुक्योंनहरीबो
लतबलभाई । मुखतेपटभटकिडारिचन्द्रबदनदेनिहारि
यशुमतिबलिहारिवारिलोचनसुखदाई । धेनुदुहनच
लेधायरोहिणीकोलइबुलायदुहनीमुहिंदेमँगाय तबहींले
आई । बछरादियेथनलगायदुहतबैठकेकन्हायहँसत
नन्दरायतहांमातादोउआई । दोहनीकहुंदूधधारसिख
वतनन्दबारबारवहछबिनाहिंवारपारनन्दघरबधाई ।तब
हलधरकह्योसुनायधेनुवनचलीलेवायमेवालीन्हीमँगा
यबिबिधरसामिठाई । जेंवतबलरामश्यामसंतनकेसुख
दधामधेनुकाजनहिंबिश्रामयशुदाबलिजाई । श्याम
समसुखपखारिग्वालबाललेहँकारि यमुनातटमनबिचा
रिगायनहँकराई । शृंगबेनुनादकरतमुरलीसुरअधरध
रतबजावतमनहरतग्वालगावतसुघराई । वृन्दाबनतु
रतजायधेनुचरिततृणअघायश्यामहरषि पांयनिरखिसू
रजबलिजाई ९७ ॥ रागसारँग ॥ चरावतवृन्दाबनहरि
गाय।सखालियेसँगसुबलश्रिदामाडोलतहैंसुखपाय।क्री
ड़ाकरतजहांतहँसबमिलिअतिआनंदबढ़ाय । बगरि
गईंगैयांबनबीथिनदेखीअतिबहुताय । कोउगयेग्वाल
धायबनघेरनकोउगयेबछरुलवाय । आपुहिंगयेअके
लेवनमेंकहुंहलधररहेआय । बंशीबटशीतलयमुनातट

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

अतिहिपरमसुखदाय। सूरश्यामतहँबैठिबिचारतसखा कहांबिरमाय९८ ॥ बत्सासुरबधलीला।श्लोकश्रीभागवते ॥
कदाचिद्यमुनातीरेवत्सान्श्चारयतोःस्वकैः। वयस्यैःकृष्णबलयोर्जिघांसुर्दैत्यआगमत् १ तंवत्सरूपिणंवीक्ष्यवत्सयूथगतंहरिः। दर्शयन्बलदेवायशनैर्मुग्धइवासदत्२
चौ०॥बत्सासुरतेहिअवसरआयो। पठयोकंसकालनियरायो९९ बत्सरूपधरिआयसमानो। कृष्णताहिआवतहीजानो ७०० बलतनचितैकह्योमुसक्याई। तुमयाको जानतहौभाई १ यहतोअसुरबत्सह्वैआयो। हमकोमारनकंसपठायो २ हलधरहूदेख्योधरिध्याना। कहतसांचतुमश्यामसुजाना ३ ग्वालनहूंसोंकहतकन्हाई। बछराघेरिकरहुयकठांई ४॥ रागनटनारायण ॥ चलेबनबछरूचरावनग्वाल। वृन्दाबनसबछोड़िकैलैगयेजहांबनताल। परमसुन्दरभूमिदेखतहर्षमनहिंबढ़ाय। आपुलागेतहांखेलनबच्छदियेबगराय। जानिकेहलधरआयेतहँबालबछरापास। रोहिणीनन्दनहिंदेखतहर्षभयेहुलास। तालरसबलरामचाख्योनन्दनँदनकेमाय। कह्योबछराहांकिल्यावहुचलैंजहांकन्हाय। तालतरुतरअसुरआयोधरयोबछराबेख। फिरतढूंढ़तश्यामकोअतिप्रबलबलकोदेख। सबैबछरूघेरिल्यायेवहनघेरोजाय। दाऊकहिकहिबालकनटेरयोवृषभसुरनधराय। कह्योमनयहिअबहिंमारौंउठेबलहिसम्हारि। टेरिलियेसबसखाबालकआपुगयेप्रचारि। आगेह्वैइतकोबिडारयोपूंछहाथलगाय। पकरिकैभुजसोंफिरायोतालकेतर

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

आय। असुरलैतरुसोंपछारयोगिरयोतरुभहराय। ता
लसोंदूजोलगोतरुउठोबनघहराय। बत्सासुरकोमारि
हलधरचलेसबनलिवाय। सूरप्रभुकीबीरजाकीतिहूँभु
वनबड़ाय ५॥ पुनःभागवतेश्लोकः॥ तंवीक्ष्यविस्मिता
बालाःशशंसुःसाधुसाध्विति। देवाश्चपरिसंतुष्टाबभू
वुःपुष्पवर्षिणः ३॥ दो०॥ बत्सासुरसुरपुरगयोअधम
असुरतनत्याग। सुरहर्षतबर्षतसुमनगगनसहितअनु
राग ६॥ रागगौरी॥ बलदाऊकहिटेरिसुनायो। आवहु
बेगिचलोघरजैयेबनहींमेंपुनिहोतअँध्यारो। ल्यायेबो
लिसखाहलधरकोहँसेश्यामसुखचाहि। बड़ीबेरभैतुम
हिंकन्हैयागाइनलेहुनिबाहि। हेरीदेतचलेसबबनतेगो
धनचलेलेवाय। सूरदासप्रभुश्यामरामदोउब्रजजनके
सुखदाय ७॥ पुनः॥ हरिआवतगाइनकेपाछे। मोरमु
कुटमकराकृतकुण्डलनयनबिशालकमलतेआछे। मुर
लीअधरधरनसीखतहैंबनमालापीताम्बरकाछे। ग्वाल
बालसबबरणबरणबनेकोटिमदनकेछबिकोबाछे। पहुँचे
जायश्यामब्रजपुरमेंघरहिंचलेबलमोहनआछे। सूरदा
सप्रभुदोऊजननीलेतिबलायबोलिमुखबाछे ८॥ चौ०॥
कहतग्वालसुनुयशुमतिमैया। हैतेरोरणधीरकन्हैया ९
बत्सरूपधरिदानवबनमें। आयसमान्योबछरागनमें १०
क्षणहीमाहिंताहिहरिमारयो। हमदेखतमहिपटकिपछा
रयो ११॥ दो०॥सुनिग्वालनकेबदनतेबत्सासुरकोघात।
यशुमतिसबकेपायँपरिबारबारपछितात १२॥ सो०॥
भयोमहरिउरत्रासबचेआजुहरिअसुरते। मैंनबिगारयों

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

कासुभयोसहायकआजुहरि १३ ॥ दो० ॥ मोहिलियो मनजननिकोमधुरेबचनसुनाय । बत्सासुरकोशोचउर क्षणमेंदियोमिटाय १४ ॥ सो० ॥ लगेदुहनसबगायज हँतहँहर्षितगोपजन । गयेतहांहरिधायगायदुहनचाहत सिखन १५ ॥ चौ० ॥ धेनुदुहतहरिदेखतग्वालन । कहतमोहिंसिखवोगोपालन १६ कहतग्वालतुमसुनोकन्हाई । भईअबेरआजअधिकाई १७ तुमकोसिखवैंदुहनसबारे । अबकहुँलागिहैचोटतुम्हारे १८ आवहुकान्हसांझकीबेरिया । कहतजननियहबड़ीकुबेरिया १९ लरिकाईकछुछांड़तनाहीं । सोवहुलालआयघरमाहीं २० ॥ दो० ॥ आयेहरियहसुनतहीजननिलियेअँकवार । लैपौढ़ायेसेजपरअजिरचांदनीचार २१ ॥ सो० ॥ कहतकहतकछुबातहोयगयेबशनींद्के । कहतयशोमतिमातुसोयगयोहरिअजिरहीं २२ ॥ गोदुहनलीलाराग बिभास ॥ होनाहिंनजगायसकतिसुनुसुबातसजनी । मेरेजानकान्हअजहुँमानतहैंरजनी । जबजबमैंनिकटजातिरहीलागिलोभा । तनकीसुधिबिसरिगईनिरखतमुखशोभा।बचननकोबहुतकरतिशोचतिजियठाढ़ी।नयनमिलिबिचारकरतिनिरखतिमुखबाढ़ी । यहिबिधिबदनारबिंदयशुमतिजियभावै । सूरदाससुखकिराशिकातेकहिआवै २३ ॥ रागभैरौ ॥ उठिहोगोपाललालदुहौधौरिगैया । सद्यदूधमथिपीवहुभैया । भोरभयोबनतमचुरबोलैं । घरघरगोपद्वारसबखोलैं । तुम्हरेसखाबुलावनआये । कृष्णकृष्णकहिमंगलगाये । गोपीरहींमथनि

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

यांधोवैं । अपनोअपनोदह्योबिलोवैं । भूषणबसनप
लटिपहिराऊं। चन्दनतिलककललाटबनाऊं । चारिभु
जागोबर्द्धनधारी। लखिछबिसूरजायबलिहारी २४॥
पुनः॥ जननिजगावतिउठहुकन्हाई। प्रगटद्योतरणिकि
रिणिगणछाई। आवहुचन्द्रवदनदिखराई। बारबारज
ननीबलिजाई। सखावृन्दसबतुमहिंबुलावत। तुमका
रणहमधायेआवत। सूरश्यामउठिदरशनदीन्हों। मा
तादेखिमुदितमनकीन्हों २५॥ दो०॥ यहसुनताहितुर
तहिउठेशशिमुखतेपटटारि। धेनुदुहनसीखनचलेमोह
ननन्दकुमार २६॥ सो०॥ ल्यावरोहिणीमातुबेगितन
कसीदोहनी। कह्योसिखावनतातआजुमोहिंगैयादुहन
२७॥ चौ०॥ रोहिणितुरतदोहनील्याई। घरतेसबदेख
नधाई २८॥ रागसूही॥ देरीमैयादोहनीदुहिहौंमैंगैया।
माखनखायोंबलभयोकरिनन्ददुहैया। कजरीसेंदुरीधूम
रीधौरीमेरिगैया। दुहिल्याऊंमैंतुरतहीतूकरिदैमैया।
ग्वालनकीसरिदुहतहौंबूझहुबलभैया। सूरनिरखिजन
नीहँसीतबलेतिबलैया २९॥ रागबिलावल॥ बाबामो
कोदुहनासिखायो। तेरेमनपरतीतनआवैदुहिअँगुरिन
सोंभावबतायो। अँगुरिनभावदेखिजननीतबहँसिकै
श्यामहिंकंठलगायो। आठबरसकोकुँवरकन्हैयाइतनी
बुद्धिकहांतेपायो। मातालैदोहनीकरदीन्हींतबहरिहँस
तदुहनकोधायो। सूरश्यामकोदुहतदेखिकैमातामनम
हँहर्षबढ़ायो ३०॥ पुनः॥ जननिमथतिदधिदुहतकन्हा
ई। सखाश्यामसोंकहतपररुपरहमहूँतेतुमकरतचँड़ाई।
CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

दुहनदेहुकछुदिनअरुमोंकोतबकरिहौमोंसमसरिआई।
जबलोंएकदुहैंगोतबलोंचारिदुहौंतौनन्ददुहाई। झूंठ
हिकरतदुहाइप्रातउठिदेखहिंगेतुम्हरीअधिकाई। सूर
श्यामकह्योकालिदुहौंगो हमहुँतुमहुंमिलिहोड़लगाई
३१ ॥ मोतीबोवनलीलाचौ० ॥ अतिआनंदमगननंदरा
ई। बैठेप्रमुदितगोपअथाई-३२ लियेगोदसुंदरघनश्या
महिं। ब्रजकेजीवनधनसुखधामहिं ३३ आयोतहांएक
बनजारो। मूँगामोतीबेचनहारो ३४ तेहिलखिअटके
नंदकुमारा। देहिंदेहिंकहिबारम्बारा ३५ करपरराखिर
हेहरिमोती। देतनहींलखिसुंदरजोती ३६ ॥ दो० ॥ मु
क्तालैहरिघरगयेबयेअजिरबलबीर। आलबालथलरो
पिकैपुनिपुनिसींचतक्षीर ३७ ॥ सो० ॥ हँसतियशोम
तिमातुकहतकरतमोहनकहा। यहनाहिंजानतबातयेक
रतासबजगतके ३८ ॥ रागधनाश्री ॥ दधिसुतजाम्योन
न्ददुवार। निरखिनयनअरुझोमनमोहनरटतदेहुकहि
बारंबार। दीरघमोलकहयोबैपारीरहेठगेसबकौतुकहार।
करउपमालैराखिरहेहरिदेतनमुक्तापरमसुढार। गोकुल
नाथगयेयशुमतिकेआँगनभीतरभवनमझार। शाखाप
त्रभयेजलमेलतफूलतफलतनलागीबार। जानतनहीं
मरमसुरनरमुनिब्रह्मादिकनहिंपरतविचार। सूरदासप्र
भुकीयहलीलाब्रजबनितागुहिपहिरेहार ३९ ॥ दो० ॥
धनिधनिब्रजकेनारिनरधनियशुदाधनिनन्द। बिहरत
जिनकेसदनमेंब्रह्मसच्चिदानन्द ४० ॥ सो० ॥ कहिकहि
देवसिहाहिंधन्यधन्यब्रजबागवन।जहांचरावतगायसक

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

लसुरन्हशिरमुकुटमणि ४१ ॥ बकासुरबधचौ० ॥ प्रात
चलेबनगायचरावन। हलधरसुन्दरश्यामसुहावन ४२
करतबिहारबिबिधबनमाहीं । बालकेलिरसबरणिनजा
हीं ४३ ॥ दो० ॥ कबहूँगावतसखनसँगकबहुँबजावतबे
नु। धौरीधूमरिनामलैकबहुँबुलावतधेनु ४४ ॥ सो० ॥
कतहुँनचावतमोरसुन्दरश्यामसजलदतनु । गरजमुर
लिघनघोरबरसतपरमानन्दजल ४५ ॥ रागबिलावल ॥
खेलतबिबिधखेलमनभावन। श्रीवृन्दाबनपरमसुहाव
न। तृषितजानिगैयननँदलाला । कह्योचलहुजलदेन
गुपाला। गोधनवृन्दहांकसबदीन्हों। ग्वालगवनयमु
नातटकीन्हों। तहांबकासुरछलकरिआयो । मायारचि
तस्वरूपबनायो । एकचोंचभूतलमहँलाई। एकरह्यो
आकाशसमाई। मगमहँबैठोबदनपसारी । ग्वालनदे
खिभयोभयभारी। कहतभयेसबहरिसनआई । आगे
एकबलायकन्हाई। तबहिंकृष्णताकोपहिंचानो। आयो
बकासुरमनमहँजान्यो ४६ ॥ दो० ॥ निडरश्यामआगे
भयेचलेबकासुरपास । कहतसखासबश्यामसोंनहिंजी
वनकीआस ४७॥ सो० ॥ अजहूँनहींडरातबचोकिति
कउतपातते । चलेकहांहरिजातहमबरजतमानतनहीं
४८॥ चौ० तबहरिकह्योचलहिंतेहिपासा । सबमिलि
मारिकराहिंबकनासा ४९ ताकेनिकटगयेसबजबहीं।
लियोलीलिहरिकोबकतबहीं ५० हरिचरित्रजानीकछु
नाहीं। उपजीअग्निअसुरतनमाहीं ५१ लाग्योजरन
भयोअतिब्याकुल । हरिकोउगिलिदियोअतिआतुर
CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

५२ बहुरच्योपकरनकोमुखबायो । चोंचपकरिहरिचीरि
बहायो ५३ मरतचिकारअसुरअतिपारी । ब्याकुलभ
योग्वालभयभारी ५४॥ श्लोकभागवते॥ तदाबकारिंसुर
लोकवासिनःसमाकिरन्नन्दनमल्लिकादिभिः । समीडिरे
चानकशंखसंस्तवैस्तद्वीक्ष्यगोपालसुताविसिस्मिरे १
मुक्तंबकास्यादुपलभ्यदारका रामादयःप्राणमिवेंद्रियोग
णः । स्थानागतंतंपरिरभ्यनिर्वृताः प्रणीयवत्सान्व्रज
मेत्यतज्जगुः२॥ रागसारंग ॥ब्रजमेंकोउउपज्योयहभैया।
संगसखासबकहतपरस्परइनकेगुणअगमैया । जबतेव्र
जअवतारधरोइनकोनहिंघातकरैया । कितकबातयहब
काबिदारचोधनियशुमतिजिनजैया । तृणावर्त्तपूतनासँ
हारीतबअतिरहेनन्हैया । सूरदासप्रभुकीयहलीलाहम
कतजियपछितैया ५५ ॥ दो० ॥ बलमोहनघरकोचले
जानिसांकरीबेर । लीन्हीगैयांघेरसबमुरलीकीधुनिटेर
५६ ॥ सो० ॥ चलेबजावतवेणुग्वालवृन्दकेमध्यहरि ।
अँगअँगछविकीसैनब्रजजनमोहनसांवरो ५७ ॥ राग का
न्हरा ॥ आजुबनेबनतेब्रजआवत । नानारंगसुमनकी
मालानन्दनँदनउरपरछविपावत । संगगोपगोधनसँग
लीन्हेनानागतिकौतुकउपजावत। कोउगावतकोउनृत्य
करतकोउकोउउघटतकरतालबजावत । रांभतिगायब
च्छहितसुधिकरिप्रेमउमगिथनदूधचुचावत। यशुमति
बोलिउठींहार्षितह्वैकान्हरधेनुचरायेआवत । इतनीकह
तआयगयेमोहनजननीदोऊहियेलैलावत । सूरश्याम
केकृतयशुमतिसोंग्वालबालकहिप्रगटिजनावत ५८॥

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

पुनः श्लोके ॥ इतिनन्दादयोगोपाःकृष्णरामकथांमुदा। कुर्वंतोरममाणाश्चनाविंदन्भववेदनाम् १ ॥ सो० ॥ किनधौंकरीसहायकोजानैभावीप्रबल। कोमेरेपछिताय करीअयानबिबूझबिन ५९ ॥ चौ० ॥ लैबुलायछतियांह रिलाये। प्रेमसलिललोचनभरिआये ६० मैंबलिजाउं कहतकछुखाहू। तुमकतगायचरावनजाहू ६१ नन्द महरसेपितातुम्हारे। मोसीमातुजायबलिहारे ६२ खे लतखातरहोअपनेघर। दधिमाखनपकवानबिबिध वर ६३ दुष्टदलनभक्तनसुखदानी। बोलेमधुरमनोहर बानी ६४ ॥ रागसारँग ॥ मैयाहौंनचरैहौंगैया। सिगरे ग्वालघिरावतमोसोंमेरेपांयपिरैया। जौनपत्यायपूछबल रामहिंअपनीसौंहादिवैया। यहसुनिमातुयशोदाग्वाल नगारीदेतरिसैया। मैंपठवतिअपनेलरिकाकोआवैम नबहलैया। सूरश्याममेरोअतिबालकमारततांहिरिंगै या ६५ ॥ सो० ॥ हरिजनकेसुखदायकोजानैतिनकेच रित। मधुरेवचनसुनायमोहिलियोमनमातुको ६६ ॥ चकईभँवराखेल। भागवते श्लोक॥ एवंबिहारैःकौमारैःकौ मारंजहतुर्व्रजे। निलायनैःसेतुबंधेर्मर्कटोत्प्लवनादिभिः१ दो० ॥ धनिधनिव्रजकेनारिनरधनियशुदाधनिनन्द। विहरतजिनकेसदनमेंब्रह्मसच्चिदानन्द ६७ ॥ पुनःसूर सागरे। रागभैरव ॥ दधिकेमतवारेश्यामखोलोक्योंनपल कैं। शीशमुकुटलटाछुटीऔरछुटीअलकैं। सुरनरमुनि द्वारेठाढ़ेदरशकारणकिलकैं। नासिकाकेमोतीसोहैंबीच लाललकैं। कटिपितांबरमुरलीकरश्रवणकुंडलझ

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

लकैं। सूरदासमदनमोहनदरशदेहुभलकैं ६८ ॥ राग रामकली ॥ मोहनजागिहौंबलिगई। ग्वालबालसबद्वारठादेबेरबनकीभई। पीतपटकरिदूरिमुखतेछांड़िदेअरसई। अतिअनंदितहोतयशुमतिदेखिद्युतिनितनई। जागेजंगमजीवपशुखगऔरव्रजसबई। सूरकेप्रभुदरशदीजैअरुणकीरणछई ६९ ॥ रागविभास ॥ भोरभयेजागोनँदनन्दन। संगसखाठादेजगबन्दन। सुरभिनपयहितबच्छपियाये। पक्षीयूथदशोदिशिधाये। मुनिसरतक्योतमचुरसुरहारेव। शिथिलधनुषरतिपतिगहिडारेव। निशिनिघटीरविरथरुचिराजी। चन्द्रमलिनचकईरतिसाजी। कुमुदिनिसकुचीबारिजफूले। गूंजतफिरतअलीगणटूले। दरशनदेहुमुदितनरनारी। सूरदासप्रभुदेवमुरारी ७० ॥ दो० ॥ तबहँसिचितयेसेजतेउठेश्यामसुखदानि। यशुमतिजलभारीलियेमुखधोयोनिजपानि ७१ ॥ सो० ॥ बोलिउठेबलरामउठेसबेरेआजुहरि। हर्षिमिलेघनश्यामदाऊजूकहिभ्रातसों ७२ ॥ चौ० ॥ कियोकलेऊकछुदोउभाई। जननीसोंबोलेहरषाई ७३ ॥ रागबिलावल ॥ देमैयाभौंराचकडोरी। जायलेहुआरेपररास्योकाल्हिमोललैराखीकोरी। लैआयेहँसिश्यामतुरतहीदेखिरहेरँगरँगबहुठोरी। मैयाबिनाऔरकोराखैबारबारहरिकरतनिहोरी। बोलिलयेसबसखासंगकेखेलतकान्हनन्दकीपोरी। तैसेइहरितैसेइसबबालककरभौंराचकरिनकीजोरी। देखतजननियशोदायहसुखबिहँसतबारबारमुखमोरी। सूरदासप्रभुहँसिहँसि

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

खेलतब्रजबनिताडारतितृणतोरी ७४॥ रागकान्हरा ॥
मेरेहियरेमांझबस्यो है मनमोहनलेगयेमोमनचोरी ।
अबहींयहिमारगह्वैनिकसेछबिनिरखततृणतोरी । मो
रमुकुटश्रवणनमणिकुंडलउरबनमालापीतपिछोरी ।द
शनचमकअधरनअरुणाईदेखतपरीठगोरी । ब्रजलरि
कनसँगखेलतडोलतहाथनलियेफिरतचकडोरी । सूर
श्यामचितवतगयमोतन भइरीमगनमनलियोरिझजो
री ७५ ॥ दो० ॥ योंब्रजबनितननेहबशआँनँदघनसुख
रास । रसिकपुरन्दरसांवरोब्रजमेंकरतबिलास ७६ ॥
सो० ॥ अबबरणौंसुखखानिहरिवृषभानुकुमारिको ।
प्राणएकहीजानिप्रथममिलनदोउदेहको ७७॥ राधेजूको
प्रथममिलन सूरसागरे । रागटोड़ी ॥ खेलतहरिनिकसेब्रज
खोरी । कटिकाछनिपीताम्बरओढ़ेहाथलियेभँवराचक
डोरी । मोरमुकुटश्रवणनिबरकुंडलदशनदमकदामिनि
छबिथोरी । गयेश्यामरबितनयाकेतटअंगलसतचन्द
नकीखोरी । औचकहीदेखीतहँराधानयनबिशालभाल
दियरोरी । नीलबसनफरियाकटिपहिरेबेणीपीठरुरित
झकझोरी । संगलरिकिनीचलिइतआवतिदिनथोरी
अतिछबितनगोरी । सूरश्यामदेखतहीरीझेनयननिमि
लिशिरपरीठगोरी ७८ ॥ पुनः ॥ बूझतश्यामकौनतू
गोरी । कहांरहतिकाकीहैबेटीदेखीनहींकहूंब्रजखोरी ।
काहेकोहमब्रजतनआवतिखेलतिरहतिआपनीपोरी ।
सुनतरहातिश्रवणनिनँदढोटा करतफिरतमाखनदधिचो
री । तुम्हरोकहाचोरिहमलेहैंखेलनचलोसंगमिलिजो

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

री। सूरदासप्रभुरसिकशिरोमणिबातनभुरैराधिकाभो
री ७९॥ रागधनाश्री॥ प्रथमसनेहदुहुंनमनमानो। न
यनसयनबातैंसबकीन्हीगुप्तप्रीतिशिशुताप्रकटानो।
खेलनकबहुंहमारेआवहुनन्दसदनब्रजग्राम। द्वारेआ
इटेरिमोहिंलीजोकान्हाहैममनाम। जोकहियेघरदूरि
तुम्हारोबोलतसुनियेटेर। तुमहिंसौंहवृषभानुबबाकी
प्रातसांभइकफेर। सूधेनिपटदेखियततुमकोतातेकरि
यतसाथ। सूरश्यामनागरिउतनागरराधाहरिदोऊमि
लिगाथ ८०॥ चौ०॥ गैयादुहननन्दजबजैहैं। तिन
केसँगहमहूंउतऐहैं ८१ जोतुमगायदुहावनऐहौ। खरि
कमांभमोकहँतबपैहौ ८२ सुनतगूढ़हरिकीमृदुबानी।
मनहींमनप्यारीमुसुकानी ८३॥ दो०॥ गुप्तप्रीतिप्रक
टीनहींद्वउजनहृदयछिपाय।मनमोहनप्यारीचलीघरको
नयनचलाय ८४॥ सो०॥ चलीसदनसुकुमारिमनमें
उरझोसांवरो। जानीबड़ीअबारिमातुत्रासउरआनिकै
८५॥ रागसारँग॥ गइवृषभानुसुताअपनेघर। संग
सखिनसोंकहतचलीयहकोजैहैखेलनइनकेतर। बड़ी
बारभइयमुनाआयेखीभतहोइहैंमैया। वचनकहतिमु
खहृदयप्रेमदुखमनहरिलियोकन्हैया।माताकहतिकहांहु
तिप्यारीकहांअबेरलगाई।सूरदासतबकहतिराधिकाख
रिकदेखमैंआई ८६॥ चौ०॥ ऐसेकहिमाताबाहिलाई।
अन्तरगतबसिरहेकन्हाई ८७ बिरहबिकलतनुगृहन
सुहाई। सुन्दरश्याममोहनीलाई ८८ खानपानकछुनेक
नभावै। चंचलचित्तपुलकतनुआवै ८९॥ रागधनाश्री॥

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

मोहिंदोहनीदेरीमैया । खरिकमांझअबहींह्वैआईअहि
रदुहतअपनीसबगैया । ग्वालदुहतसबगायहमारीआ
पनदुहिजबलेत । घरिकमोहिंलागैखरिकामेंतूआवैज
निहेत। शोचतिचलीकुँवरिघरहीतेखरिकगईसमुहाय।
कबदेखौंवहमोहानिमूरतिजिनमनालियोचुराय। देखेजा
यतहांहरिनाहींचकितभईसुकुमारी । कबहूंइतकबहूंउ
तडोलतिलागीप्रीतिखुभारी । नन्दलियेहरिआवतदे
खेतबपायोबिश्राम । सूरदासप्रभुअन्तरयामीपूरणकी
न्हेकाम ९० ॥ दो० ॥ प्यारीकोहरिदेखिकैलीन्होंनिकट
बुलाय। खेलहुदोऊसंगमिलिकह्योनन्दसमुझाय ९१
सो० ॥ कहुंमारैजनिगायरहियोदेखेश्यामको । दूरिकहूं
मतिजायराखेहुअपनेनिकटमहँ ९२ ॥ चौ० ॥ नन्दब
बाकीबातसुनोहरि। जाहुनमोढिगतेकतहूंटरि ९३ म
हरसौंपिहमकोतुमदीन्हो।राधेहरिहिबांहगहिलीन्हो९४
तुमकोकहूंजाननहिंदैहौं। जोजैहौतोपकरिलैऐहौं ९५
मेरीबांहछोड़िदेराधा । कहतश्याममनऊपरसाधा ९६
तुम्हरीबांहनतजौंकन्हाई । महरखीझिहैंहमकोआई
९७ ॥ दो० ॥ परमनागरीराधिकाअतिनागरब्रजचन्द।
करतआपनीघातदोउबँधेप्रेमकेफन्द ९८ ॥ सो० ॥ स
मुझिपुरातननेहब्रजबिलासहिततनुधरे । चलनचहत
बनगेहयुगलबिहारीकुंजके ९९ ॥ चौ० ॥ तबहिंश्याम
घनघटाउठाई । गरजमेघनभचहुंदिशिधाई ८०० ॥
सूरसागरे । रागमलार ॥ गगनघहरायजुरीघटाकारी । प
वनटकझोरचपलाचमकिचहूंओर सुवनतनचितैडरत

नन्दभारी । कह्योवृषभानुकीकुँवरिसोंबोलिकैराधिका कान्हघरलियेजारी । दोऊगृहजाहुसँगगगनभयोश्या मरँगकुँवरकरगह्योवृषभानुबारी । गयोघनबनओरनव लनन्दकिशोरनवलराधानवलकुंजभारी । अंगपुलकि तभयेमदनतनमेंगयेसूरप्रभुश्यामश्यामाबिहारी १ ॥

श्लोक गीतगोविन्दे ॥ मेघैर्मेदुरमम्बरंवनभुवश्श्यामा स्तमालद्रुमैर्नक्तम्भीरुरयन्त्वमेवतदिमंराधेगृहंप्रापय । इत्थन्नन्दनिदेशतश्चलितयोःप्रत्यध्वकुंजद्रुमंराधामाध वयोर्जयंतियमुनाकूलेरहःकेलयः १ ॥ क० ॥ घनघेरि आयोबनसघनतिमिरछायो रैनिकोडरैंगेलेखिदेखियोह गनते । नन्दजूकहतवृषभानुनन्दनीसोंनन्दनन्दनाहिं घरैजाहुलैकैबेगिबनते । गुरूकेवचनपाइप्रेमकीरचन भरेचलेकुंजतीरतरुदेखिकैविपिनते । यमुनाकेकूलमेंर हसिरसकेलिमयीऐसेराधामाधौबाधाहरोमेरेमनते २ ॥

सूरसागरे रागकान्हरा ॥ नयोनेहनयोगेहनयोरसनवलकुंव रिवृषभानुकिशोरी । नयोपिताम्बरनयोचूनरीनइनइबूं दनभीजतिगोरी । नयेकुंजअतिपुंजनयेद्रुमसुभगयमुन जलपवनहिलोरी । सूरदासप्रभुनवरसाबिलसतनवल राधिकायौवनभोरी ३ ॥ पुनः ॥ नागरश्यामनवलनाग रिया । अपनीभुजाश्यामभुजऊपरश्यामभुजाअपनेउ रधरिया । क्रीडाकरततमालतरुनतरश्यामाश्यामउम गिरसभरिया । मिलिलपटायरहेउरउरज्योंमरकतमणि कंचनमणिजरिया । उपमाकाहिदेउँकोलायकमनमथ कोटिवारनेकरिया । सूरदासबलिबलिजोड़ीपरनन्दकुंव

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

वृषभानुकुमरिया ४ ॥ दो० ॥ बिहरतबिबिधबिलास बनयुगलरूपकीरास । गुणगावतमुनिवेदबिधिअहिप तिपतिकैलास ५ ॥ सो० ॥ अतिरहस्यसुखदायबनबि हारनँदलालको । क्योंसोकहैकविगाययवेदभेदपावतन हीं ६ ॥ चौ० ॥ चलेसदनप्रभुकुंजबिहारी । गृहपठई अंकमदैप्यारी ७ प्यारीकीसारीहरिलीन्ही । पीतपि छौरीप्यारिहिदीन्ही ८ रहीयशोमतिहरिहिनिहारी । ओढ़ेदेखिशीशपरसारी ९ पूंछतिबिहँसिहरिहिनँदरा नी । तरुणिनकीसिखईबुधिठानी १० पीतपिछौरीकहां बिसारी । यहतोलालढिगनकीसारी ११ ॥ रागसारँग ॥ पीतओढ़नीकहांबिसारी । यहतोलालढिगनकीओरेहै काहूकीसारी । हौंगोधनलैगयोयमुनतटजहांहुतींपनि हारी । भीरभईसुरभीसबबिडरींमुरलीभलीसँभारी । हौंलैभज्योऔरकाहूकीसोलैगईहमारी । सूरदासप्रभु भलीबनाईबलियशुमतिमहतारी १२ ॥ रागधनाश्री ॥ मैयारीमैंजानतवाको । पीतओढ़नियांजोमेरिलैगइलै आनोंधरिताको । हरिकीमायाकोउनजानतआंखधूरि सीदीन्ही । लालढिगनकीसारीताकोपीतओढ़नीकी न्ही । पीताम्बरलैजननिदिखावतलैआन्योंतेहिपास । सूरमनहिंमनकहतियशोदातनिकपढ़ावतगांस १३ ॥ चौ० ॥ राधागईसदनसमुहाई । हाथदोहनीदूधभराई १४ बूझतिनेहविकलमहतारी । कहाभयोराधातोहिं प्यारी १५ अबहींखरिकगईतूनीके । आवतकौनव्य थाभइजीके १६ इकलरिकिनीसंगहीमेरे । कारेडसो

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

आयतेहिनेरे १७ मुर्छिपरीवहधरणिमैंभारी । मैंडर
पीअपनेजियभारी १८ श्यामबरणइकढोटाआयो ।
कहतसुनोंवहनँदकोजायो १९ कछुपढ़िकैउनतुरतहि
भारी । जानातिनहींकौनकीबारी २० अतिप्रवीणवृ
षभानुदुलारी । यहकहिसमुझाईमहतारी २१ ॥
दो० ॥ सुनिजननी राधाबचन उरसों लीन्हीलाय ।
कहतटरीकरवरबड़ीबारबारपाछिताय २२ ॥ सो० ॥
एकसुताह्वैतातपायेदेवनद्वारपरि । भईआजकुशलातब
चीसर्पतेलाड़िली २३ ॥ चौ० ॥ खीझीकछुककुंवरिपैज
ननी । घरनहिंरहतफिरतभइहरनी २४ कितनोकहत
तोहिंमैंहारी । दूरकहूंबाहरजनिजारी २५ यहसुनिहँ
सीमनहिंमनप्यारी । हृदयध्यानधरिकुंजबिहारी २६ क
हतिदूरअबकतहुंनजैहौं । गांवघरहिखेलतानितरैहौं
२७ मायाब्रह्मकृष्णअरुराधा । प्रेमप्रीतिदोउअगमअ
गाधा २८ बसेश्यामश्यामाउरमाहीं । देखेबिनभावत
क्षणनाहीं २९ ॥ रागआसावरी ॥ खेलनकेमिसकुंवरिरा
धिकानंदमहरिकेआईहो । सकुचसहितमधुरेस्वरबोली
घरहौकुंवरकन्हाईहो । सुनतश्यामकोकिलधुनिबाणीनि
कसेअतिअतुराईहो । मातासोंकछुकलहकरतरहेरिसडा
र्योबिसराईहो । मैयारीतूइनकोचीन्हतिबारम्बारबता
ईहो । यमुनातीरकालिहमैंभूल्योंबांहपकरिलैआईहो ।
अबतोइहांतोहिंसकुचतिहैमैंदेसौंहबुलाईहो । सूरश्या
मऐसेगुणआगरिनागरिमनहिंरिझाईहो ३० ॥ चौ० ॥
बांहपकरिल्यायेबनवारी । यशुमतिबोलिनिकटबैठारी

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

३१ देखिरूपमनमांझसिहानी । बूझतिनंदमहरिकी
रानी ३२ ॥ रागनट ॥ नामकहातेरोरीप्यारी । बेटी
कौनमहरिकीहैतूकहिमोसोंकोतवमहतारी । धन्यको
खिजेहितोकोराखीधन्यघरीजेहितूअवतारी । धन्यपि
तामाताधनितेरीछबिनिरखतहरिकीमहतारी । मैंबेटी
वृषभानुमहरिकीमैयातुमकोजानति । यमुनातटबहुबे
रमिलनभयोतुमनाहिंनपाहिंचानति । ऐसोकहिवाको
मैंजान्योंवहतोबहुभरतारी । महरबड़ोलंगरसबदिन
कोहँसतिदेतिमुखगारी । राधाबोलिउठीबाबाकछुतुम
सोंढीठयोकीन्ही । ऐसेसमरथकबहमदेखेहँसिप्यारी
उरलीन्ही । महरिकुंवरिसोंयहकहिभाषतिआउकरूं
तेरिचोटी । सूरदासहर्षितनँदरानीकहतिमहरिहमजो
टी ३३ ॥ रागगौरी ॥ यशुमतिराधेकुंवरिसवाँरति । ब
ड़ेबारश्रीमन्तशीशकेप्रेमसहितलैलैनिरवारति । मांग
पारिवेनीहिसवाँरतिगुंथीसुन्दरभांति । गोरेभालबिन्दब
न्दतमनोइन्द्रप्रांतरबिकांति । सारीचीरिनईफरियालै
अपनेहाथबनाई । अंचलसोंमुखपोंछिअंगसबआपुहि
लैपहिराई । तिलचावरीबताशेमेवादियेकुंवरिकेगोद ।
सूरश्यामराधातनचितवतयशुमतिमनमनमोद ३४ ॥
रागकल्यान ॥ खेलोजायश्यामसँगराधा । यहसुनिकुं
वरिहरषिमनराधा कीन्होमिटिगइअन्तरबाधा । ज
ननीनिरखिचकितरहिठाढ़ीदम्पतिरूपअगाधा । देख
तिभावदुहुंनकीसोईजोचितकरिअवराधा । सँगखेल
तदोउझगरनलागेशोभाबढ़ीउपाधा । मनहुंतड़ितघन

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

इन्दुतराणिकैबालकरतरससाधा । निरखतबिधिभ्रमभू
लिपरयोतबमनमनकरतसमाधा । सूरदासप्रभुश्रौरर
च्योबिधिशोचभयोतनदाधा ३५ ॥ चौ० ॥ चलीमह
रिसोंकहिसुकुमारी । सदनश्रापनेजानिश्रबारी ३६ ॥
रागबिहागरो ॥ बूझतिजननिकहांहुतिप्यारी । कोतेरेभा
लतिलकरचिदीन्होंकिनकचगूंथिमांगशिरपारी । खे
लतिरहींनन्दकेश्रांगनयशुमतिकहयोकुँवरिह्यांश्रारी ।
तिलचावरकोगोदादिखरावतिफरियादईफारिनईसारी ।
मेरोनामबूझिबाबाकोतेरोनामबूझिदईहँसिगारी । मो
तनचितैचितैढोटातनकछुसबितासनगोदपसारी । यहसु
निसुनिवृषभानुमुदितचितहँसिहँसिबूझतबातदुलारी ।
सूरसुनतरससिंधुबढ़योश्रतिदम्पतिमनमनयहैबिचारी
३७ ॥ पुनः ॥ मेरेश्रागेमहरियशोदामैयारीतोहिंगारी
दीन्ही । वाकीघातसबैमैंजानतिवेजैसीमैंचीन्ही । तोको
कहिपुनिकह्योबबाकोबड़ोधूतवृषभान । मैंतबकह्योंठ
ग्योकहुंतुमकोहँसिलागीलपटान । भलीकहीतूमेरीबेटी
लियोश्रापनोदांव । जोमोहिंकह्योसबैगुणउनकेहँसि
हँसिकहतिसुभाव । फेरिफेरिबूझतिराधासोंसुनतहँस
तिसबनारि । सूरदासवृषभानुघरनियशुमतिकोगावति
गारि ३८ ॥ दो० ॥ युगलकिशोरस्वरूपबरवृन्दाबनर
सखान ॥ नवदुलहिनदूलहसदाराधाश्यामसुजान ३९
सो० ॥ दूलहदुलहिनचारमाड़ववृन्दाबिपिनिको । गा
वतनित्यबिहारशेशमहेशगणेशबिधि ४० ॥ चौ० ॥
कहतियशोमतिहरिसोंप्यारे । जहँतहँरहतिखिलौना

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

डारे ४१ आवतसांझसबारसदाई। राधाजिनलैजाय
चुराई ४२॥ दो० ॥ यहसुनिकैसैंततिहरषिमहारिखि
लवनाजान। भौराचकईमुरलिकागेंदबटाचौगान ४३
सो० ॥ यशुमतिसुखकीरासनन्दभवनभूषणपरम। ब्र
जमेंकरताबिलासब्रजबासीजनजाहिंबलि ४४॥ श्लोक
भागवते॥ क्रीडंतंसासुतंबालैरतिवेलंसहाग्रजम्। यशोदा
जोहवीत्कृष्णंपुत्रस्नेहस्नुतस्तनी १ कृष्णकृष्णारविं
दाक्षतातएहिस्तनंपिव। अलंविहारैःक्षुत्क्षांतःक्रीडाश्रां
तोसिपुत्रक २॥ चौ०॥ पयपीवतमोहनअलसाये।
सुन्दरसेजजननिपौढ़ाये ४५ ॥ सूरसागरे रागबिहागरो॥
सोवतनींदआयगयश्यामहिं। महरिउठीपौढ़ायदुहुन
कोआपुलगीघरकामहिं। बरजतिहैघरकेलोगनिकोह
रुवेंलैलैनामहिं। गाढ़ेबोलनपावतकोऊडरमोहनबल
रामहिं। शिवसनकादिकअंतनपावतध्यावतहैंनिशिया
महिं। सूरदासप्रभुब्रह्मसनातनसोवतनन्दकेधामहिं ४६
अघासुरबध ॥ द्वादशेतुमहासर्पवपुर्धरमघासुरम्। वत्सपा
लागिलन्क्रुद्धोगलेऽहन्नितिवर्ण्यते १॥ चौ०॥ प्रातजगाव
तनँदकीरानी। उठहुलाड़िलेसारँगपानी ४७॥ रागबि
लावल॥ उठेनँदलालसुनतजननीमुखबानी। आलस
भरेनैनसकलशोभाकीखानी। गोपीजनबिथकितह्वैचि
तवतिसबठाढ़ी। नैनकरिचकोरचंद्रबदनप्रीतिबाढ़ी।
माताजलझारीलैकमलमुखपखार्यो। नीरनूरपरशक
रतआलसहिंबिसार्यो। सखाद्वारठाढ़ेसबटेरतहैंबन
को। यमुनातटचलहुकान्हचारनगोधनको। सखासहि

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

तश्यामरामभोजनकछुकीन्हों। सूरश्यामसखासंगहलध
रकोलीन्हों४८॥ दो०॥ गावतखेलतहँसतसंगसखावृन्द
लैसाथ। पहुंचेवृन्दाबनसघनवृन्दाबनकेनाथ ४९ ॥
सो० ॥ फिरतचरावतधेनुदीनबन्धुदुष्टनदलन। कृष्णक
मलदलनैनसर्वअंगसुन्दरसुखद ५०॥ श्लोकभागवते॥ ते
नैवसाकंपृथुकाःसहस्रशः स्निग्धासुशिग्वेत्राविषाणवेण
वः। स्वान्स्वान्सहस्रोपरिसंख्ययान्वितान्वत्सान्पुरस्कृ
त्यविनिर्ययुर्मुदा १ कृष्णवत्सैरसंख्यातैर्यूथीकृत्यस्वव
त्सकान्। चारयंतोर्भलीलाभिर्विजन्हुस्तत्रतत्रह २ ॥
चौ० ॥ तहांअघासुरबनमेंआयो। कंसराजकरिकोपप
ठायो ५१ ताकेएकबहिनद्वैभैया। मारेप्रथमहिकुँवरक
न्हैया ५२ तिनकोबैरअसुरउरधारी। कियोगर्बमनमें
अतिभारी ५३ गिरिसमानअजगरतनुधारी। परयो
असुरमगबदनपसारी ५४ बनघननदीरचीमुखमाहीं।
मायाकृतपहिंचानिनजाहीं ५५ वाहीमगनिकसेनँदला
ला। गायवत्सलीन्हेंसबग्वाला ५६॥ पुनः भागवते।
श्लोक॥ दृष्ट्वार्भकान्कृष्णमुखानघासुरः कंसानुशिष्टःस
वकीवकानुजः। अयंतुमेसोदरनाशकृत्तयोर्द्वयोरथैनंस
वलंहनिष्ये १ ॥ चौ० ॥ ग्वालनअहिपर्वतकरिजान्यो।
तासुबदनगिरिकंदरमान्यो ५७ ॥ दो० ॥ गायबत्स
ग्वालनसहितसबमुखगयेसमाय। कहतपरस्परआजु
बनसुरभीचरैंअघाय ५८ ॥ सो० ॥ सबमुखगयेसमा
यअसुरसकोरयोबदनतब। अंधकारगयोछायमानहुंघ
नघेरयोनिशा ५९ ॥ चौ० ॥ अतिअकुलायउठेतहँ

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

ग्वाला। गायबत्ससबबिकलबिहाला ६० कहतपरे धौंहमकहँआई। त्राहित्राहिघनश्यामकन्हाई ६१स बकेप्राणगयेयहिबारा। तुमबिनकौनउबारनहारा ६२ दीनबचनसुनिप्रभुसुखदाई। पैठेआपअघासुखजाई ६३ अघाअसुरअतिहर्षहिपाई। लियोओठसोंओठल गाई ६४ विद्याधरमुनिवरगंधर्ब्बा। अतिभयबिकल गगनसुरसर्ब्बा ६५ अविगतगतिभक्तनसुखदाई। तब हिंकृष्णयहरचीउपाई ६६ मुखतेदेहदुगुनाविस्तारी। रूंधीश्वासत्रासदैभारी६७ फूटिगयोशिरदशमदुवारी। कियोशब्दआघातपुकारी६८॥ श्लोकेभागवते ॥ तदाघन च्छदादेवाभयाद्धाहेतिचुक्रुशुः। जहृषुर्येचकंसाद्याःकौण पास्त्वघबांधवः १ ॥ दो० ॥ वाहीमगअघवदनतेनिक सेगोकुलराय। कहतसखनआवहुनिकसिमैंकरलियोस हाय ६९ ॥ चौ० ॥ बच्छसहितबाहरसबआये। हरि कोदेखिपरमसुखपाये ७० देखिअघासुरबधसुरजानी। हर्षिसुमनकहिजैजैबानी ७१ ॥ श्लोकःभागवते ॥ ततोऽ तिहृष्टाःस्वकृतोऽकृताऽर्हणंपुष्पैसुराअप्सरसश्चनर्त्तनैः। गीतैः सुगावाद्यधराश्चवाद्यकैस्तवैश्चविप्राजयनिःस्व नैर्गणाः १॥ दो० ॥ जैजैजैप्रभुजगतहितजगत्राताजग दीश। जाकोमारणहूंप्रकटतारतविश्वाबीश ७२ ॥ पुनःश्लोकश्रीभागवते ॥ एतत्कौमारजंकर्महरेरात्माहिमो क्षणम्। मृत्योपौगण्डकेबालादृष्टोचुर्विस्मिताव्रजे १ ब्रह्मामोहनतथावत्सहरणलीला॥त्रयोदशेहरतब्रह्मावत्सान् पालान्श्चमायया। तदातत्सर्वरूपोब्दंकृष्णःपूर्ववदाच

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

रत् १ ॥ चौ० ॥ तबहिंसखनसोंबिहँसिकृपाला । बोले
करुणासिंधुगोपाला ७३ चलहुसकलबंशीबटछांहीं ।
आईकैहैछाकतहांहीं ७४ भोजनकरियेसबमिलिजाई ।
बछराहांकिलेहुअगुआई ७५ हर्षिचलेतहँतेबलबीरा ।
आयेसबबंशीबटतीरा ७६ चरतबत्ससबबनकेमाहीं ।
बैठेआयश्यामबटछाहीं ७७ प्रेममगनमनपरमहुलासा ।
करतपरस्परहास्यबिलासा ७८ ॥दो० ॥ तहांछाकघर
घरनतेआईभरिभरिभार । यशुमतिपठयेकान्हकोब्यं
जनबिबिधप्रकार ७९ ॥ सो० ॥ छाकपठाईमातहर्षिक
हतहरिसखनसों । दधिलवनीबहुभांतसबमिलिभोज
नकीजिये ८० ॥ चौ० ॥ बनभोजनबिधिकरतकन्हाई ।
छाकसबैयकठांवरखाई ८१ बैठेमंडलजोरिगुवाला ।
मध्यश्यामसुन्दरनँदलाला ८२ मधुमंगलपरसेनसुदामा ।
सुबलसुखमनाअरुश्रीदामा ८३ अपरअनेकगोपसुत
लीने । जेंवतमिलिसँगश्यामसलोने ८४ ॥ दो० ॥
ग्वालबालमेंबैठिकैमाखनप्रभुब्रजनाथ । माखनरोटीहा
थलैखातजातयकसाथ ८५ ॥ चौ० ॥ लेतपरस्परकौर
छिंड़ाई । कबहुँकतिनकोदेतकन्हाई ८६ कबहूँकाहुहिंदे
नबुलावैं । डहुकिताहिअपनेमुखनावैं ८७ ॥ श्लोकभा
गवते ॥ बिभ्रद्वेणुंजठरपटयोःशृंगवेत्रेचकक्षे वामेपा
णौमशृणकवलंतत्फलान्यंगुलीषु । तिष्ठन्मध्येस्वपरि
सुहृदोहासयन्नर्मभिःस्वैः स्वर्गेलोकेमिषतिबुभुजेयज्ञभु
ग्बालकेलिः १ ॥ दो० ॥ देखतसुरगणसिद्धमुनिचढ़े
बिमानअकास । लखिकौतुकचक्रितसबैगयेकमलभ

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

वपास ८८ ॥ सो० ॥ कह्योब्रह्मसोंजायकहतजाहि
परब्रह्मतुम । सोग्वालनसँगखायछोरिछोरिकरतेकव
र ८९ ॥ सूरसागरेरागनट ॥ जबबिधिसुरनबानीसुनी ।
ग्रसितमायामोहव्याप्योचकितमनडरिगुनी । जगत
एकबिरंचिकहियतद्वितियकबहुँनसुनी । मैंसकलसंसा
रबिरच्योंब्रजहिधौंकोकीन्ह । ग्वालबालकनारिनरब्रज
जन्मकबकोलीन्ह।मोहिंबिरच्योसोजुकैहैंअवतरेभगवा
न। तौहरौंसबवत्सबालककीन्हमनअनुमान । जायदे
खोंब्रजहिकोअबनहींलाऊंबार । लेहुँपरचोसूरहरिको
ब्रह्मयहैबिचार ९० ॥ चौ० ॥ यहबिचारबिधिमनठह
रायो । चल्योतुरतवृन्दाबनआयो९१देखिसरितबनमें
अतिपावन। पुष्पलताद्रुमपरमसुहावन ९२ अतिरम
णीककदमचहुँपासा। बंशीबटमधिसुखदनिवासा ९३
गोपमंडलीमंडनमोहन । भोजनकरतसखनसँगगोहन
९४ ॥रागकान्हरा ॥ देखिबिरंचिचकितभ्रमभारी। बछ
राहरिलीन्हेंबनभारी। हरिअंतरयामीसबजानीबिधि
मनरुचिउपजाई । ल्यावहुघेरिबत्सद्वैबालकपठयेतुरत
कन्हाई । ग्वालसकलबनढूँढ़िढूँढ़िकैफिरिआयेप्रभुपा
हीं । कहतबत्ससबदूरिनिकलिगेखोजिपाइयतनाहीं ।
तबहँसिकह्योश्यामग्वालनसोंतुमबैठोयाहिठाँई। मैंदेखौं
धौंजायकहाहैंचलेआपुबहलाई । जबगयदूरिनिकरि
मनमोहनग्वालनअजहरिलीन्हों। गर्वितहरिमायाबि
धिभूल्योगवनलोकनिजकीन्हों । इताहिश्यामबंशीबट
आयेदेखेबिधिकृतख्याल । सूरबिचारकरतनँदनन्दन

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

जनदुखदेखिबिशाल ९५ ॥ चौ० ॥ बालबत्सजोगृहन
हिंजैहैं ॥ मातपिताइनकेदुखपैहैं ९६ तातेरूपसबन
कोधारौं। ब्रजबासिनकोदुःखनिवारौं ९७ बालबत्सबि
धिलेगयोजेते। भयेश्यामसबआपुनतेते९८॥ दो० ॥मा
खनप्रभुरचनारचीतनिकबचीनहिंरेख । वहीभेषसबदे
खियेपरतेप्रीतिबिशेख ९९ ॥ सो० ॥ अपनोकरिबिधिजा
नअनजानतढीठोकरी । तातेकीन्हेंआनमनभायोबिधि
कोकियो १०० ॥ चौ० ॥ कह्योश्यामसबसखनबुलाई।
ल्यावहुघेरिबत्ससबजाई १ ब्रजकोचलहुसांझनियरा
ई। हर्षिचलेबालकसमुदाई२ ॥ श्लोकभागवते ॥ ततोनृ
पोन्मर्दनमज्जलेपनालंकाररक्षातिलकासनादिभिः। सं
लालितःस्वाचरितैः प्रहर्षयन्सायंगतोयामयमेनमाधवः
१॥ चौ० ॥ चहूँपाससबसखासुहाये। मध्यश्यामबछरन
अगुआये३ ॥ सूरसागरेरागसोरठ॥ गोबिंदचलतदेखियत
नीके । मध्यगोपालमंडलीबिराजतकांधेधरिलियछींके।
बछरावृन्दघेरिआगेकरिजनजनशृंगबजाये। जनुबनक
मलसरोवरतजिकैमधुपउनींदेआये। वृन्दाबनप्रबिशत
अघमारयोबालकयशुमतितेरो । सूरदासयहसुनातिय
शोदाचितैबदनसुतहेरो ४ ॥ रागगौरी ॥ अघामारिआ
येनँदलाल । ब्रजयुवतीसुनिकैउठिधाईंघरघरकहतफि
रतसबग्वाल। निरखतबदनचकितभइँसुन्दरिमनहींम
नयहकरिअनुमान । कहतिपररूपरसत्यबातयहकौनक
रैइनकीसरिआन । येईहैंरतिपतिकेमोहनयेईहैंहमरेप
तिप्रान । सूरश्यामजननीमनमोहनबारबारमांगतकछु

खान ५ ॥ रागकान्हरो ॥ सुनतयशोदामाखनल्याई। तब
लोंखाहुमातुबलिजाई। तुमरेहिततातोजलराखेतेलपर
शिअन्हवाऊं। जातेबनकोश्रममिटिजैहैकहियशुदाब
लिजाऊं। जेंवनकोबलरामबुलायेजननीगहिअन्हवा
ये। परमप्रीतिपरुसतिहैमैयाजेंवतहरिसुखपाये। जेंयउ
ठेतबअचमनकीन्हेबीरारोहिणिदीन्हे। जानिउनींदेसेज
बिछाईपौढ़ेदोउरँगभीने। श्यामरामसोवतदोउभैयासु
खपायेदोउमैया। सूरश्यामबिधिगर्बबिनाशनब्रजबा
सीसुखदैया ६ ॥ सो० ॥ ब्रजमंडलभगवानब्रह्मसच्चि
दानन्दप्रभु। भक्तनकेसुखदानकरतचरितनितनितनये
७ ॥ श्लोकश्रीभागवते ॥ इत्थमात्मात्मनात्मानंवत्सपाल
मिषेणसः। पालयन्बत्सपोवर्षंचिक्रीड़ेवनगोष्ठयोः १
एकदाचारयन्बत्सान्सरामोवनमाविशत्। पंचषासुत्रि
यामासुहायनापूरणीष्वजः २ ॥ चौ० ॥ तबबिरंचिकेम
नयहभाई। ब्रजकेलोगनदेखौंजाई ८ ह्वैहैंकरतबिला
पकलापू। बिनवच्छनगैयनसंतापू ९ आयबिरंचितुरत
तहँदेख्यो। घर२ग्वालवत्सब्रजपेख्यो १० देखिबिरंचि
चकितमनमाहीं। हैयहब्रजकैधौंवहनाहीं ११ मैंबिध
नासबसृष्टिउपाई। यहरचनाधौंकिनहिंबनाई १२ अंत
रयामीजानतसबहीं। बालबत्सधौंलायेतबहीं १३ अ
तिसंभ्रमबिधिज्ञानभुलायो। गयोफेरिनिजलोकहिंधा
यो १४ देखेबत्सबालजहँराखे। चकितबहुरिब्रजकोअ
भिलाखे १५ क्षणभूतलक्षणलोकसिधारे। बालबत्स
दोहुंठौरनिहारे १६ बरसदिवसयहिभांतिबितायो।

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

भयोथकितअतिउरभ्रमछायो १७॥दो०॥ मोहविकलअ
तिदेखिकैसुन्दरश्यामसुजान। प्रकटकियोजनजानिनि
जबिधिकेउरमेंज्ञान १८॥ सो० हृदयभयोतबशुद्धयेपूर
रणअवतारप्रभु॥धृग२मेरीबुद्धिबैरकियोंमैंकृष्णसों १९॥
दो०॥ चतुराननदेख्योप्रकटबालवत्ससबसाज। कृष्ण
रूपसबमेंलख्योपूरणब्रह्मसमाज२०॥ सो०॥ शिवब्रह्मा
दिअनेकइन्द्रादिकदिक्पालसब। वंदतचरणगणेशगु
णगावतगंधर्बगण २१॥ चौ०॥ देखिचरितचितभर्मन
शान्यो। पूरणब्रह्मकृष्णपहिचान्यो २२ शरणशरणक
हिअतिअतुराई। परयोचरणकमलनपरजाई २३॥
श्रीभागवतेश्लोकः॥शनैरथोत्थायविमृज्यलोचनेमुकुंदमुद्वी
क्ष्यविनम्रकंधरः॥कृतांजलिःप्रश्रयवान्समाहितः सवेप
थुर्गद्गदयैलतेलया १॥ ब्रह्मास्तुति॥नौमीड्यतेऽभ्रवपुषे
तडिदंबरायगुंजावतंसपरिपिच्छलसन्मुखाय। वन्यस्रजे
कमलवेत्रविषाणवेणुलक्ष्मश्रियेमृदुपदेपशुपांगजाय १
अस्यापिदेववपुषोमदनुग्रहस्य स्वेच्छामयस्यनतुभूतम
यस्यकोपि। नेशेमहित्ववसितुंमनसांतरेणसाक्षात्तवैव
किमुतात्मसुखानुभूतेः २ कृष्णमेनमवेहित्यमात्मानम
खिलात्मनाम्॥ जगद्धितायसोप्यत्रदेहीवाभातिमाय
या ३॥ दो०॥ मैंअपराधीहीनमतिपरोमोहकेजाल॥
ममकृतदोषनमानियेतुमप्रभुदीनदयाल २४॥ सो०॥
कहजानोंतुवभेवमैंब्रह्मातुम्हरोकियो॥ तुमदेवनकेदेव
आदिसनातनअजितअज २५॥ दो०॥ हौंअसाधिअ
तिहीनमतितुवगतिअगमअगाध॥ माखनप्रभुपरचो

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

लियोंकियोंमहाअपराध २६ ॥ सूरसागरेरागधनाश्री ॥ माधौजूजोजनसौंविगरै।सुनिकृपालुकरुणामयकेशवप्रभुनहिंचित्तधरै। जोशिशुजननिजठरअंतरगतशतअपराधकरै। तऊतनयतनुपोषितोषिचितबिकसितअंकभरै। द्विजरसनादलिदुखितहोततबतोरिसकाहिकरै। क्षमिक्षतक्षोभखीरमधुमिश्रितमुखसमीपसँचरै। यदपिविटपजरहतनहेतुकरिकरकुठारपकरै। तदपिस्वभावसुशीलसुशीतलरिपुतनतापहरै। धराविध्वंसिहलहतनकृषीकरिबैरबीजसँचरै। सोसनमुखसुखसहितसतोगुणशशिबहुफरनफरै। कारणकरणअंतअजितकाहिबिधिप्रभुचरणपरै। यहकहिकालचलतनहिंमोपैसूरशरणहीधरै २७॥ रागसारँग॥ माधौमोहिंदीजैवृन्दाबनकीरेनु। जिनचरणनडोलतनँदनन्दनदिनप्रतिचारतधेनु। कहाभयोयहदेवदेहधरिअरुऊंचोपदपायोऐन।सबजीवनलैउदरमाँभप्रभुमहाप्रलयजलकीन्ह्योशैनहमतेधन्यसदायेतृणद्रुमबालकबच्छबिषाणहुवने। सूरश्यामजिनकेसँगडोलतहँसिबोलतमाथिसेवतफेन२८ दो०॥करिअस्तुतिगद्गदबचनदृगजलपुलकशरीर।परयोचरणपंकजबहुरिबिधिअतिप्रेमअधीर२९॥ सो० ॥ तबहँसिबोलेश्यामगर्वप्रहारीभक्तहित। जाहुआपनेधामबचनहमारोमानिअब ३०॥ रागसारँग॥ ऐसेबसियेब्रजकेबीथिनि। साधुनकेपनवारेचुनिचुनि उदरजुभरियेसीथिनि। पैंड़ेकेसबवृक्षबिराजतछायापरमपुनीतनि। कुंजकुंजप्रतिलोटिलोटिरतिरजलागेरँगरीतनि। निशिदिननिरखियशोदानन्दनअ

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

रुयमुनाजलपीतनि। परशतसूरहोततनपावनदरशन करतअनीतनि ३१ ॥ पुनः ॥ धन्ययहवृन्दाबनकीरेनु। नंदकिशोरचराईगैयांमुखहिंबजायोबेनु। मनमोहनको ध्यानधरैजोअतिसुखपावतचैनु। चलतकहामनबासिन पुरीतनजहांलेनुनाहिंदेनु। यहांरहौंजहँजूठनिपावहुँब्र जबासीकोऐनु। सूरदासह्यांकीसरवरिनहिंकलपवृक्षसुर धेनु ३२ ॥ चौ० ॥ जबबिधिकहीदीनबहुबानी। शरण शरणकहिअतिभयमानी। ३३ कृपाकरीतबश्रीब्रजना था। हस्तकमलपरश्योबिधिमाथा ३४ अभयकियो बिधिशोचमिटायो। चरणकमलतेशीशउठायो ३५ ॥ दो० ॥ जातेपापनशाहिंसबकह्योकृष्णहरषाइ। ब्रजचौ रासीकोशकोकरौप्रदक्षिणजाइ ३६ ॥ सो० ॥ हरिनिज हारउतारिपहिरायोबिधिकोबहुरि। पुनिपुनिहृदयलगा यशोचमोहबिधिकोहरयो ३७ ॥ चौ० ॥ प्रभुआयसुमा थेपरधारी। पायप्रसादहर्षिमुखचारी ३८ ब्रजदाहिन सबपापनशायो। बालबत्सप्रभुपहँपहुँचायो ३९ बार बारचरणनशिरनाई। बिधिनिजलोकगयोसुखपाई ४० ॥ रागनट ॥ हरिकीलीलाकहतनआवै। कोटिब्रह्मां डछिनहिंमेनाशैंछिनहींमेंउपजावैं। बालकबत्सब्रह्महरि लैगयोताकोगर्बनशावैं। ऐसोपुरुषारथसुनियशुमति खींझतिपुनिसमुझावैं। शिवसनकादिकअन्तनपावैंभ क्तबछलकहवावैं। सूरदासप्रभुगोकुलमेंसोघरघरगाय चरावैं ४१ ॥ भागवतेश्लोकः ॥ एतत्सुहृद्भिश्चरितंमुरारे रघार्दनंशाड्वलजेमनंच। व्यक्तेतरद्रूपमजोर्व्वभिष्टवंश्च

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

ण्वनूगृणन्नेतिनरोऽखिलार्थान् १ एवंविहारैःकौमारैः कौमारंजहतुर्व्रजे। निलायनैसेतुबंधैर्मर्कटोत्प्लवनादिभिः २ ॥ गोदुहनकोप्रस्तावश्यामभुवंगडसनलीलारागबिलावल ॥ उठीप्रातहीराधिकादोहिनिकरलाई। महरिसुतासोंतब कह्योकहँहचलिअतुराई। खरिकदुहावनजातिहौंतुम्हरी सेवकाई। तुमठकुराइनघररहोमोहिंचेरीपाई। रीतिदे खीदोहनीकतखीभ्रतधाई। कालिहगईअवसेरकैक्कांउठे रिसाई। गायगईसबप्यायकैप्रातहिनाहिंआई। ताकार णमैंजातिहौंअतिकरतिचड़ाई। यहकहिजननीसोंचली ब्रजकोसमुहाई। सुरश्यामगृहद्वारहीगौकरतदुहाई ४२ ॥पुनः॥ सुतामहरिवृषभानुकीनन्दसदनहिंआई। गृहद्वारहिअजिरमेंगऊदुहतकन्हाई। श्यामचितैमुख राधिकामनहरषबढ़ाई। राधाहरिमुखदेखिकैतनसुरति भुलाई। महरिदेखिकीरतिसुताकहिलियोबुलाई। दंप तिकोमुखदेखिकैसूरजबलिजाई ४३॥ चौ०॥ दुहतश्या मगैयांबिसराई। लैयावृषभपांवअटकाई ४४॥ दो०॥ हँसतसखाहरिसोंकहतकहँतुमरहेभुलाइ। सुनतसखन कीबातनहिंप्यारीसोंचितलाइ ४५॥ सो०॥ प्रियाब दनदृगलायरहेश्यामइकटकनिरखि। देहदशाबिसराय भूलिगयेसबचतुरता ४६॥ चौ०॥ यशुमतिकहतिरा धिकहिंटेरे। यहगुणहैंरेप्यारीतेरे ४७॥रागरामकली॥राधा येठगहैंरीतेरे। वैसेइालमथतदधिकीन्हेंहरिमनोलिखे चितेरे। तेरोमुखदेखतशशिलाजैऔरकहोक्योंबाचैं। नयनातेरेजलजजीतहैंखंजनतेअतिनाचैं। चपलातेच

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

मकतिप्यारीकहाकरैगीश्यामहिं ॥ सुनहुसूरऐसेहिदिन खोवतिकाजनहींतेरेधामाहिं ४८ ॥ पुनःरागसारंग ॥ चितैबोछांड़िदैरीराधा । हिलिमिलिखेलिश्यामसुन्दरसों करतिकामकीबाधा । कीबैठीरहुभवनआपनेह्यांकाहेको आवै । मृगनयनीहरिकोमनमोहतिजबतूदेखिदुहावै ॥ कबहुँककरतेगिरतदोहनीकबहूँबिसरतनोई।कबहूँवृषभ दुहतहैंमोहननाजानौंकाहोई । कौनमंत्रजानतितूप्यारी पढ़िडारतहरिगात । सूरश्यामकोधेनुदुहनदैकहतियशो मतिमात ४९॥ दो०॥अतिसप्रेमदुलरायकैलईबहुरि उर लाय। श्रीराधाकेचित्ततेदीन्हींक्षोभमिटाय ५०॥सो०॥ कापैबरणीजायहरिप्यारीकीचतुरता । लीन्हींसहजसु भायबातनहींयशुमतिभुरै ५१॥ चौ० ॥ कहतसखाह रिसोंमुसक्याई । दुहतकहातुमआजकन्हाई ५२॥ दो० अहोमहरिकेलाड़िलेमोहनश्यामसुजान । कितसीखेय हगोदुहनहमसोंकहोबखान ५३॥ चौ० ॥ सुनिग्वालन केबचनरसाला । कछुकसकुचिबिहँसेनँदलाला ५४॥ रागरामकली ॥ दूधदोहनीलैरीमैया । दाऊटेरतसुनिमैं आऊंतबलौंकरिबिधिधैया। मुरलीमुकुटपितांबरदेमो हिंलैआईमहतारी। मुकुटधरयोशिरकरीपितांबरमुरली करलियोधारी । राधाराधाकहिमुरलीमेंखरिकहिंलईबु लाई । सूरदासप्रभुचतुरशिरोमणिऐसीबुधिउपजाई ५५॥ रागगुर्जरी ॥ सैनदैप्यारीलईबुलाई । खेलनकेमि सकरिकेनिकसेखरिकहिंगयेकन्हाई । यशुमतिसोंकहि प्यारीनिकसीघरकोनामसुनाई।करदोहनीलियेतहँआई

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

जहँहलधरकोभाई । तहांमिलींसबसंगसहेलीकुवँरिक हांतूआई। प्रातहिधेनुदुहावनआईअहिरनहींतहँपाई। तबहिंगईमैंब्रजउतावलील्याईग्वालबुलाई। सूरश्याम दुहिदेनकह्योसुनिराधागइमुसक्याई ५६ ॥ चौ० ॥ यहिबिधिश्रीबृषभानुदुलारी । हरिपैधेनुदुहावतप्यारी ५७ हावभावरसदंपतिपूरे । निरखतललितादिकदुरि दूरे ५८ ॥ राग बिलावल ॥ दुहिदीन्हींराधाकीगैयां । दुहनीनहींदेतकरतेहरिहाहाकरतिपरतिहैपैयां । ज्योंज्यों प्यारीहाहाबोलतित्योंत्योंहँसतकन्हैया । बहुरिकरौंप्यारीतुमहाहादेहौंनंददुहैया। तबदीन्हीप्यारीकरदुहनीहाहाबहुरिकरैया। सूरश्यामरसहावभावकरिदीन्हीकुवँरि पठैया ५९ ॥ पुनः ॥ चलनकहतिपगचलैनघरको । छांडतनहींबनतकैसेहूँमोहनसुन्दरबरको । अन्तरनेक करौंनहिंकबहूँसकुचतहौंपुरनरको । कछुदिनजैसेतैसे खोऊंदूरिकरौंपुनिडरको । मनमेंयहबिचारकरिसुन्दरि चलीआपनेपुरको । सूरदासप्रभुकह्योजाउँघरघातक रयोनखउरको ६० ॥ पुनः ॥ शिरदोहनीचलीलैप्यारी । फिरचितवतिहरिकीमुरिचितवनिमोहनमोहनिडारी । ब्याकुलभईगईसखियनलौंब्रजकोगयेकन्हाई । औरअहिरसबकहांतुम्हारेहरिसोंगायदुहाई । यहसुनिकैचक्रितभैप्यारीधरणिगिरीमुरझाई । सूरदासप्रभुतबस खियनउरभरिकरिकुँवरिउठाई६१॥ चौ० ॥ क्योंनागरी गिरीमुरझाई । दूधदोहनीदईगिराई ६२ यहबानीकहि सखिनसुनाई । कारेमोहिंडसीरीमाई ६३ यहतोकारोकु-

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

वँरकन्हाई। हमहूँकोजिनफूँकलगाई ६४ सबसखियनमि
लियहठहराई। लैराधिकहिसदनपहुँचाई६५॥दो०॥ल
हुमहरिकीरतिसुताअपनीदेखहुआय। कहुँकारेयाकोड
सोगिरीधरणिमुरभ्भाय ६६॥ सो०॥ ल्यावहुगुणीबुलाय
वेगियतनयाकोकरहु। गयोबदनमुरभ्भायज्योंत्योंहमल्या
ईयहां६७॥रागसारंग॥प्रातगईनीकेउठिघरते। मैंबरजीक
हैंजातरीप्यारीतबखीभ्भीरिसभ्भरते।शीतलअंगस्वेदसों
बड़ीशोचपरयोमनडरते। अतिहीहठीलीकहीनहिंमान
तिकरतिआपनेमनते। औरैदशाभईक्षणभीतरबोलेगुणी
नगरते। सूरगारुड़ीगुनकरिथाकेमन्त्रनलागतथरते ६८
रागनट॥ चलेसबगारुड़ीपाछिताय। नेकनमन्त्रलग
तकाहूकोसमुभ्भिनेकुनाहिंजाय। कीरतिबूभ्भतिसंगसखि
नसोंकहहुमोहिंबुभ्भाय। कहाकहिराधासुनायोतुमसब
निसोंआयें। महाबिषधरश्यामअहिबरदेखसबहींधा
य। फूंकज्वालाहमहुंलागीकुवँरिउरपरखाय। गिरीध
रणीमुरछितबहींलईतुरतउठाय। सूरप्रभुकोवेगिल्या
वहुबड़ोगरूड़ीराय ६९॥ सो०॥ ल्यावहुताहिबुला
यदेखतहीबिषजायगो। तुरतहिंलेहिजिवायहमनीकेक
रिजानहीं ७०॥ चौ०॥॥ सखीएकहरिपासपठाई।
तिनमोहनसोंजाइजनाई ७१॥ सो०॥ दुहिदीन्हीजेहि
गायआजभोरहींखरिकमें। वेगिबिलोकहुजायनिजन
यननताकीदशा ७२॥ रागधनाश्री॥ वेगिचलोपि
यकुँवरकन्हाई। जाकारणतुमयहबनसेयोसोत्रियमदन
भुवंगमखाई। नयनशिथिलशीतलनासापुटअंगतपत

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

कछुसुधिनरहाई । सकसकाततनुभीजपसीनाउलटि पलटितनुतोरिजम्हाई । बिनदेखीमूरतिकोजितकित उठिदौरींजिनजहाँबताई । ताहिकछूउपचारनलागत करमींजैंसहचरिपछिताई । बारबारबूझतिहैंऐसेकमल नयनकीसुन्दरताई । जोपैसूरजिवायोचाहततौताकोनं कदेहुदिखाई ७३ ॥ चौ० ॥ जोकहुंडसीभुवंगमप्या री । तौहमआइदेहिंगेझारी ७४ ऐसेकहिहरिसदन हिंआये । देखियशोमतिनिकटबुलाये ७५ तूकछुजा नतमन्त्रकन्हैया । बूझतिबिहँसियशोमतिमैया ७६ ॥ रागआसावरी ॥ मैयाएकमन्त्रमोहिंआवै । बिषहरखाय मरैजोकोऊमोसोंमरननपावै । एकदिवसराधासँगआ ईखरिकाबिटीनीऔर । तहांताहिबिषहरनेखाईगिरीध रणिवहिठौर । यहबाणब्वृषभानुघरानिकहियशुमतित बपतियाई । सूरश्याममेरोबड़ोगारुडीराधाज्यावहुजाई ७७॥ चौ०॥ जननीबचनसुनतब्रजनाथा । चलेहर्षि कीरतिकेसाथा ७८ चलीमहरिहरिसंगलिवाई । गइ वृषभानुपुरीसमुहाई ७९ ॥ दो० ॥ रुदितमहरिलखि कुँवरिकोअतिहिगईकुम्हिलाय । शिथिलअंगबाणी निरखिलीन्हीकण्ठलगाय ८० ॥ सो० ॥ तबहिंश्याम केपांयपरीकुवँरिलैकैमहरि । मोहनदेहुजिवायअतिब्या कुलमेरीसुता ८१ ॥ चौ० ॥ तबकछुपढ़िकैकुँवरकन्हा ई । मुरलीअंगसोदईछुवाई ८२ ततक्षणलोचनकुँव रिउघारे । सन्मुखसुन्दरश्यामनिहारे ८३ ॥ रागराम- कली ॥ लोचनदियोकुँवरिउघारि । कुँवरिदेख्योनन्दको

तबसकुचअंगसँभारि। बातबूझतिजननिसोंरीकहाहै
यहआजु। मरततेतूबचीप्यारीकरतिहैकहलाजु। तब
कहतिमोहिंकारेखाईकछुनरहीसुधिगात। सूरप्रभुतोहिं
ज्यायलीन्हीकहीकुँवरिसोंमात ८४॥ चौ०॥ योंकहिमह
रिहृदयअनुरागी। नन्दसुवनकेपांयनलागी ८५॥
दो०॥ उरलगायमुखचूंबिकैपुनिपुनिलेतिबलाय। ध
न्यकोखियशुमतिमहरिजहांऔतरेआय ८६॥ सो०॥
कछुमेवापकवानकह्योखानघनश्यामको। बिदाकियो
दैपानकीरतिश्यामसुजानको ८७॥ दो०॥ कारोसु
तनँदरायकोजाकीलीलानित्त। तिनहींकोहरिडसतहैं
जिनकोउज्ज्वलचित्त ८८॥ सो०॥ धन्यधन्यब्रजबालध
निधनिब्रजकेग्वालसब। जिनकेसँगनँदलालदुहतचरा
वतगायनित ८९॥ धेनुकबध। श्लोक श्रीमद्भागवते॥ तत
श्चपौगंडवयःश्रितौब्रजेबभूवतुस्तौपशुपालसंमतौ।
गाश्चारयंतौ सखिभिःसमंपदैर्वृंदावनं पुण्यमतीवचक्र
तुः१॥ रागबिलावल॥ जागहुलालग्वालसबटेरत। कबहुं
पितांबरडारिबदनपरकबहुंउघारिजननितनहेरत। सो
वतमेंजागतमनमोहनबातकहतअबकीसबटेरत। बार
म्बारजगावतिमातालोचनखोलिपलकपुनिघेरत। पुनि
कहिउठीयशोदामैयाउठहुकान्हरबिकिराणिउजेरत। सू
रश्यामहँसिचितैमातुमुख पटकरलैपुनिपुनिमुखफेरत
९०॥ रागरामकली॥ कबकीटेरतिकुँवरकन्हाई। ठाढ़े
ग्वालसखासबटेरतअरुअग्रजबलभाई। दाऊजूतु
ह्यांनाहिंआवतकरौमुखारीआई। मातादुहूँकरनिदतुव

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

निदैजलझारीभरिल्याई । उत्तमबिधिसोंमुखपखरा
योओदेबसनअँगोछि । दोउभैयाकछुकरौकलेऊलेब
लायकरओछि । सदमाखनदधितुरतजमायोमधुमेवा
मिष्टान । सूरश्यामबलरामसंगमिलिरुचिकरिलागेखा
न ९१ ॥ पुनः ॥ द्वारटेरतसबग्वालकन्हैयाआवहुबा
रभई । आवहुवेगिबिलँबजनिलावहुगैयादूरिगई ।
यहसुनतहिदोऊउठिधायेकछुअँचयोकछुनाहिं । किति
कदूरिसुरभीतुमछांडीबनतौपहुंचीनाहिं । ग्वालकह्यो
कछुपहुंचीह्वैहै कछुमिलिहैंमगमाहीं । सूरश्यामबल
मोहनभैयागैयनिपूंछतजाहीं ९२॥ रागबिलावल ॥ च
लेसबवृन्दाबनसमुहाई । नन्दसुवनसबग्वालनटेरत
ल्यावहुगायफिराई । अतिआतुरह्वैफिरेसखासबजहँ
तहँआयेधाई । बूझतग्वालबालकेहिकारणबोलेकुँवर
कन्हाई ॥ सुरभीवृन्दइतहिकोहांकोऔरनिलेहुबुलाई।
सूरश्यामयहकहीसबनिसोंआपुचलेअतुराई ॥ ९३ ॥
रागसारंग ॥ चरावतवृन्दाबनहरिधेनु । ग्वालसखास
बसंगलगायेखेलतहैंकरिचैनु । कोउगावतकोउमुरलि
बजावतकोउबिषानकोउबेनु । कोउनृत्यतकोउउघटिता
लदैजुरिब्रजबालकसेनु । त्रिबिधपवनजहँतहँबहनिशि
दिनसुभगकुंजघनएनु । सूरश्यामनिजधामबिसारत
आवतयहसुखलेनु ९४ ॥ पुनः रागधनाश्री ॥ वृन्दा
बनमोकोअतिभावत । सुनहुसखातुमसुबलश्रिदामाब्र
जतेबनगोचारणआवत । कामधेनुसुरतरुसुखाजितने
रमासहितबैकुंठभुलावत । यहवृन्दाबनयहयमुनातट

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

येसुरभीअतिसुखदचरावत । पुनिपुनिकहतश्यामश्री
मुखसोंतुममेरेमनअतिहिसुहावत । सूरदाससुनिग्वा
लचकितभैयहलीलाहरिप्रकटादिखावत ९५ ॥ श्लोकः
भागवते ॥ एवंवृन्दावनंश्रीमत्कृष्णःप्रीतमनाःपशून् ।
रेमेसंचारयन्नद्रेःसरिद्रोधस्सुसानुगः १ क्वचिद्गायति
गायत्सुमदांधालिष्वनुव्रतैः। उपगीयमानचरितःस्रग्वी
संकर्षणान्वितः२॥ चौ० ॥कहहिंसखासबहरिहिसुनाई।
सुनहुश्यामसुन्दरसुखदाई९६॥ रागगौरी ॥नेकबजावोछ
बीलेमुरली॥बलिबलिजातसखायहकहिकहिअधरसुधा
रसप्यावो । दुर्ल्लभजन्मदुर्ल्लभवृन्दावनदुर्ल्लभप्रेमतरं
ग । नाजानियेबहुरिकबऐहैंश्यामतुम्हारेसंग। बिनती
करतसुबलश्रीदामासुनहुश्यामसुखदान । यासुखको
सनकादिशुकादिककरतअमरमुनिध्यान। कबपुनिगो
पवेषव्रजधरिहौफिरिहौसुरभिनसाथ । कबतुमछाकछी
निकैखैहौश्रीगोकुलकेनाथ।अपनीअपनीकांधकमरिया
ग्वालनदईडसाई । सौंहदिवायनन्दबाबाकीरहेसकल
गहिपाँई । सुनिसुनिदीनगिरामुरलीधराचितयेमुखमु
सक्याई । गुणगँभीरगोपालमुरलिकालीन्हेकण्ठलगा
ई । धरिकरवेणुअधरमनमोहनकियोमधुरध्वनिगान ।
मोहेसकलजीवजलथलकेसुनिवारैंतनुप्रान । चपल
नयनभृकुटीनासापुटसुनिसुन्दरमुखबेनु। मानहुंनृत्यत
भावदिखावतगतिलियेनायकमेनु । चमकतमोरचंद्रि
कामाथेकुंचितअलकसुभाल । मानहुंकमलकोशरस
चाखनउड़िआयोअलिमाल । कुंडललोलकपोलनि
CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

झलकतऐसीशोभादेत । मानहुंसुधासिंधुमेंक्रीड़तमक रपानिकेहेत । उपजावतगावतगतिसुन्दरिअनाघातके ताल । रससबदियोमदनमोहनकोप्रेमहरषसबग्वाल । लोलतिबैजन्तीचरणनिपरश्वासापवनझकोरि । मान हुंसुधापियनअहिआयोब्रह्मकमण्डलुफोरि । डोलति लतामरुतमंदहिगतिसुनिसुन्दरमुखबेनु । खगमृगमीन अधीनभयेसबकियोयमुनजलशेनु । झलमलातभृगु कीपदरेखासुभगसांवरेगात । मनोषटबधूएकरथबैठीं उदैकियोअधरात । बांकेचरणकमलभुजबांकेअवलो कनिजुअनूप । मानहुंकल्पतरोवरबिरवाआनिरच्योसु रभूप । अतिसुखदियोगोपालसबनिकोसुखदायकजि यजान । सूरदासचरणनिरजमांगतनिरखतरूपनिधा न ९७॥ रागसारंग ॥ रीझतग्वालरिझावतश्याम । मुरलिबजावतसखनबुलावतसुबलश्रिदामालैलैनाम । हँसतसखासबतारीदैदैनामहमारोमुरलीलेत । श्याम कहतअबतुमहुंबुलावहुअपनेकरतेग्वालनदेत । मुर लीलैलैसबैबजावतकाहूपैनाहिंआवैरूप । सूरश्यामतु म्हरेहिमुखबाजतिकैसेदेखोरागअनूप९८॥ रागकान्हरा॥ फिरतबनबंशीबटसंकेतबटनटनागरकटिकाछे खौरकेस रकीकिये । पीतबसनचन्दनतिलकमोरमुकुटकुण्डल श्यामघनयहछबिलिये । तनत्रिभंगसुभगअंगानिरखि लजितरतिअनंगग्वालबाललियेसंगप्रमुदितसबहिये। सूरश्यामअतिसुजानमुरलीधुनिकरतगान ब्रजजनमन कोसुखदिये ९९ ॥ दो० ॥ सखावृन्दहलधरसहित

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

लियेबच्छअरुगाय। वृन्दाबनघनछांडिकेरहेतालबन
जाय १०००॥ सो०॥ मनहरषेसबग्वालदेखिभूमिसु
न्दरिपरम। फरेबिपुलतरुतालअतिरसमयमीठेमधुर १
चौ०॥ गोधनवृन्ददियेबगराई। लगेखानफलमनह
रषाई२॥ पुनःभागवते श्लोकः॥ बलःप्रविश्यबाहुभ्यां
तालान्सपरिकंपयन्। फलानिपातयामासमतंगजइवौ
जसा १ फलानांपततांशब्दंनिशम्यासुररासभः। अभ्य
धावत्क्षितितलंसनगंपरिकंपयन् २॥ चौ०॥ दाऊ
कहिसबग्वालपुकारे। भागेजिताततिभयकेमारे ३ अ
सुरमहाबलगर्बबढ़ाई। बलकेसन्मुखगर्जेउआई ४॥
दो०॥ बलसँभारिउठिकोपकरिअसुरप्रचारयोजाय।
अग्रजभ्राताश्यामकोतिहुँपुरजासुबड़ाय ५॥ सो०॥ ब
लकोआवतजानिअसुरजोरिदोऊचरण। चपरिचला
ईआनिबहुरोहठिठाढ़ोभयो ६॥ चौ०॥ बहुरोफिरमा
रनकोधायो। बलजूकोतामसअतिआयो ७ जबहिं
असुराफिरचरणचलायो। गहिलीन्ह्योकरिकोपफिरायो
८ पटक्योताहितालपरजाई। भयोप्राणबिनुतरुहिंगि
राई ९ औरबहुतधेनुकपरिवारा। कीन्ह्योबलसबको
संहारा १० मारयोअसुरमहादुखदाई। ग्वालबालस
बकरतबड़ाई ११ ग्वालबालसबयमुनहिआये। बलर
समत्तनपहुंचनपाये १२॥ पुनः भागवते श्लोकः॥ अथ
गावश्चगोपाश्चनिदाघातपपीडिताः। दुष्टंजलंपपुस्त
स्यास्तृषार्ताबिषदूषितम् १ बिषांभस्तदुपस्पृश्यदेवो
पहतचेतसाः। निपेतुर्व्यसवःसर्वेसलिलांतेकुरूद्वह २

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

चौ० ॥ हरिठाढ़ेबंशीबटछाहीं। बारहिंबारकहतमनमा
हीं १३ अबहिंरहेसबसंगचरावत। निकसिगयेधौंकि
तबनधावत १४ कालीदहतनआहटपाई। शोधलेतउ
तचलेकन्हाई १५ बनघनढूँढ़तहरितहँआये। गायग्वा
लसबमुर्छितपाये १६ अमीदृष्टिप्रभुसकलनिहारे। तुर
तउठेसबभयेसुखारे १७ देखिकृष्णकोअतिसुखपाई।
मिलेसकलप्रेमातुरधाई १८ तबहरिबलदाऊकोटे
रो। कह्योचलौबनहोतअबेरो १९ हेरीदेतचलेसबग्वा
ला। गावतगुणसुन्दरगोपाला २० ॥ सूरसागरे राग
गौरी ॥ नटवरवेषधरेब्रजआवत। मोरमुकुटमकरा
कृतकुंडलकुटिलअलकमुखपरछबिपावत। भृकुटीकुटि
लनयनअतिचंचलयहछबिपरउपमाइकधावत। धनु
षदेखिखंजनबिबिडरपतउड़िनसकतउड़नेअकुलावत।
अधरअनूपमुरलिस्वरपरतगौरीरागअलापिबजावत।
सुरभीवृन्दगोपबालकसँगगावतअतिआनंदबढ़ावत।
कनकमेखलाकटिपीतांबरनृत्यतमन्दमन्दसुरगावत।सू
रश्यामप्रतिअंगमाधुरी निरखतब्रजजनकेमनभावत
२१ ॥ दो० ॥ सुनिब्रजसुन्दरिपरस्परकहतिमुरलिसुर
घोर। आवतबनबसिअहरनिशआगमनन्दकिशोर
२२ ॥ सो० ॥ धाईंतजिगृहकाजनिरखनकोमनभावते।
सुन्दरसुतब्रजराजलाजसाजसबछांड़िकै २३ ॥ राग
गौरी ॥ रजनीमुखबनतेबनेआवत। भावतमत्तगयन्द
किलटकनि। बालकवृन्दबिनोदहँसावतकरतललकुट
धेनुकीहटकनि। बिगसितगोपीमनोकुमुदरसरूपसदा

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

लोचनपुटघटकनि । पूरणकलाउदितमनुउडुपतितेहि
क्षणबिरहव्यथाकीचटकनि । लज्जितमनमहँनिरखिबि
मलछबिरसिकरंगभौंहनकीमटकनि । मोहनलालछबी
लेगिरिधरसूरदासबलिनागरनटकनि२४॥ पुनः ॥ बल
मोहनदोउबनतेआये। जननियशोदामातुरोहिणीहरषि
दुहुंनदोउकंठलगाये । काहेआजुअबारलगाईकाहेब
दनकमलकुँभिलाये। भूखेभयेआजुदोउभैयाप्रातकलेउ
करननपाये । देखहुजायकहांजेंवनकियोयशुमतिरोहि
णितुरतपठाई। मैंअन्हवायदेतिदोउनकोतुमभीतरअ
तिकरौचँड़ाई। लकुटिलियोमुरलीकरलीन्हीहलधरदि
योबिषान।नीलाम्बरपीताम्बरदीन्होसैंतिधरतिकरिश्रा
न।मुकुटउतारिधरयोमंदिरलैपोंछतिहैंअँगधातु।अरुब
नमालउतारयोगरतेसूरश्यामकीमातु २५ ॥ चौ० ॥ भू
खेजानितुरतअन्हवाये । षटरसव्यंजनसरसजेंवाये
२६ भोजनकरिअँचयेदोउभाई। लीन्हेपानसंतसुखदा
ई २७ चिन्तामणिहरिजनसुखदानी। कालीकीचिन्ताउ
रआनी २८ कालिहकाढ़िदहतेयहिडरिहों। यमुनाकोज
लनिर्मलकरिहों २९ ॥ दो० ॥ यहबिचारमनमेंकरतभ
येनींदबशश्याम । यशुमतिहरिपौढ़ायकेआपुलगीगृह
काम ३० ॥ सो० ॥ खरेनबोलनदेतघरमेंकाहूकोमहरि।
बलमोहनकेहेतजागिपरहिंमातिनींदते ३१ ॥ चौ० ॥
यशुमातिहूपौढ़ीतहँआई । निशिबीतीअधिकीअधिका
ई ३२ ॥ रागबिहागरो ॥ जागिउठेतबकुंवरकन्हाई ।
मैयाकहांगईमोढिगतेसँगसोवतजान्योबलभाई । जा

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

गेनन्दयशोदाजागींबोलिलयेहरिपास । सोवतभ्रूभ्र
किउठेकाहेतेदीपककियोप्रकास। सपनेकूदिपरयोकाली
दहकाहूदियोगिराई । सूरश्यामसोंकहतियशोदाजनि
हौंलालडराई ३३ ॥ दो० ॥ नितप्रतिमैंबरजतरहूंतूह
ठियमुनाजाय ।सुधिरहिगईअन्हानकीजनिहौंलालडे
राय ३४ ॥ सो० ॥ लैकोरेनँदरायपौढ़ायेनिजसंगत
ब । वृन्दाबनतूजायाकिहिकारणजिततितफिरत ३५
चौ० ॥ सोयेदम्पतिबीचकन्हाई । तुरतहिंगईनींदफिर
आई ३६ ॥ सो० ॥ सुनिस्वप्नेकीबातदम्पतिकरतबि
चारमन । गोचारणअबप्रातजानदीजियेनाहिंइन्हें ३७
चौ० ॥ दम्पतिआपसमेंयहिभांती । करतबिचारबीति
गइराती ३८ तारागणसबगगनछिपाने। गयोतिमिर
अम्बुजबिकसाने ३९॥ रागभैरों ॥ यहिअंतरभिनुसार
भयो । तारागणसबगगनछिपानेअरुणउदितअँधकार
गयो । जागीमहरिकाजगृहलागीनिशिकोदुखसबभूलि
गयो। प्रातस्नानकरनयमुनाकोनन्दाहितुरतउठायदयो।
मथनहारिसबग्वालिबुलाईभोरभयोउठिमथोदह्यो । सू
रनन्दघरनीहूंआपुनमथतमथानीनेतगह्यो ४० ॥ राग
बिलावलसूहो ॥ जननिजगावतिउठोकन्हाई । प्रकटयो
तरणिकिरणिगणछाई । आवहुचन्द्रबदनदिखराई ।
बारबारजननीबलिजाई । सखाद्वारसबतुमहिंबुलावत।
तुमकारणहमधायेआवत । सूरश्यामउठिदर्शनदीन्हो ।
मातादेखिमुदितमनकीन्हो ४१ ॥ रागरामकली ॥ दा
ऊजूकहिश्यामपुकारयो । नीलांबरपटऐंचिलियोहरि

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

मनहुंमेघतेचन्द्रउज्यारयो। हँसतहँसतदोउबाहरआये
मातालैजलबदनपखारयो।दँतवनलैदुहुंकरीमुखारीनय
ननकोआलसजुबिसारयो। माखनखाहुदुहुंनकरदीन्हो
तुरतमथोमीठोअतिभारयो। सूरदासप्रभुखातपरस्पर
माताअंतरहेतबिचारयो ४२॥ कालीदमनकोप्रसंग॥
नारदको कंसकेपासजाना और सलाहबताना तथा कालीदहके
फूलमँगानेकी प्रस्ताव तथा कंसनारद संबाद। रागबिलावल॥
ऋषिनारदहरिभक्तसयाने।प्रभुकेमनकीरुचिपहिचाने।
गावतगुणहरिपरमहुलासा। गयेतुरतमथुरानृपपासा।
देखिकंसआदरअतिकीन्हो। करिदण्डवतबरासनदी
न्हो। नारदकह्योकुशलनृपराई। कछुकशोचबशपर
तलखाई। तुवप्रतापमुनिकुशलसदाई। एकशोचमो
हिंबड़ोगुसांई ४३॥ पुनः॥ नारदसोंनृपकरतबिचारा।
ब्रजमेंयेदोउकोउअवतारा। नन्दसुवनबलरामकन्हाई।
इनकीगतिमैंकछूनपाई। तृणावर्त्तसेदूतपठाये। तापा
छेकेसीचाढ़िधाये। बकीपठायदईपहिलेहीं। ऐसेहिंको
बलवैसहिंजेहीं। उनतेकछूभयोनहिंकाजा। यहसुनि
सुनिमोहिंआवतलाजा। अबमनमेंतुमएकाबिचारो।
सूरश्यामबलरामाहिंमारो ४४॥ दो०॥ तबबोलेमुनि
नृपतिसोंसत्यकहीतुमबात। येदोउअवतारहैंइनगति
जानिनजात ४५॥ सो०॥ हैंयेतुम्हरेकालप्रकटभयेब्र
जआइकै। नन्दगोपकेबालतुमइनकोराखोमतिहिं ४६
चौ०॥ एकबातमेरेमनआवै। करहुकंसजोतुमकहँभावै।
४७ कालीअहिरह्योयमुनाआई। तहांकमलफूलेबि

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

पुलाई ४८ फूलतहांतेमांगपठावहु । पठैदूतनंदहिंड
रपावहु ४९ जैहैंअवशिफूलकेकाजा । तहांघातकरि
हैंअहिराजा ५० यहसुनिकंसबहुतसुखपायो । भलो
मन्त्रमुनिमोहिंबतायो ५१ धनिधनिकहिपुनिपुनिशिर
नावत । हर्षिचलेमुनिहरिगुणगावत ५२ ॥ रागसारंग ॥
यहसुनिकंसमुदितमनकीन्हो । दूतहिंप्रकटकहीयहबाणी
पत्रलिखायनन्दकोदीन्हो । कालीदहकेकमलपठावहुतु
रतदेखियहपाती । जैसेकमलकालिहक्कांपहुंचैंतूकहियोय
हिभांती । यहसुनिदूततुरतहींधायोतबपहुंच्योब्रजजाई ।
सूरनन्दकरपातीदीन्हीदूतकह्योसमुझाई ५३ ॥ रागसूहो ॥
पातीबांचतनन्दडराने । कालीदहकेफूलपठावहुसुनी
सकलब्रजलोगघराने । जोमोकोनाहिंफूलपठावहुतौब्रज
करौंउजारी । महरगोपउपनन्दनराखौंसबहिनडारोंमा
री । पुष्पदेहुतौबनेतुम्हारीनातरुगयेबिलाय । सूरश्या
मबलरामाहिंतेरेमांगोंउनहिंधराय ५४ ॥ चौ० ॥ सुनि
यहनन्दगयेमुरझाई । औरगोपसबलियेबुलाई ५५
तिनसबकोयहबातसुनाई । परीआयअतिहीकठिनाई
५६ ॥ दो० ॥ मेरेसुतदोउनृपतिउरखटकतहैंदिनरात ।
आजकहीयहबातसोबलमोहनपरघात ५७ ॥ सो० ॥
चढ़िहैंब्रजपरधायकालिहकंसअतिकोपकरि । बन्योम
रणअबआयकोराखैकितजाइये ५८ ॥ चौ० ॥ अतिहिं
शोचबशसबनरनारी । भयेकंसभयबहुतदुखारी ५९
दो० ॥ यहैशोचसबमिलिपगेनहींकहूंनिरवार । ब्रजभी
तरनँदभवनमेंघरघरयहीबिचार ६० ॥ सो० ॥ अन्तरया

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

मीजानिखेलततेआयेघरहि । देखतहीनँदरानिदृगभ
रिलियेलगायउर ६१ ॥ चौ० ॥ चितवतमाताकुवँरक
न्हाई । बूझतिकतरोवतदुखपाई ६२ बूझहुजायतता
तसोंबाता । मैंबलिजाउँबदनजलजाता ६३ आयो
श्यामनन्दपैधायो । जान्योमातपितादुखपायो ६४ बू
झतनन्दहिकुवँरकन्हैया । तातदुखितकततुमअरुमैया
६५ मोसोंबातकहोसबसोई । कहाशोचबशहौसबको
ई ६६ नंदलालकनियांबैठारे । कहाकहोंतुमसोंमैंप्यारे
६७॥ दो०॥ कालीदहकेफूलअबपठयेभूपमँगाय ।सबते
यहगाढ़ीपरीकोकरिलेयसहाय ६८॥ सो० ॥ जोनहिंआ
वैंफूललिख्योकंसमोहिंडाटिकै । करौंब्रजहिनिरमूलबां
धिमँगाऊंतुवसुवन६९॥चौ०॥बाबातुमकाहेदुखपाई । क
हतकौनधौंकरैसहाई ७०सोदेवताब्रजहिकेमाहीं।रहतह
मारेसंगसदाहीं७१सबमिलिसोईदेवमनावो । अपनेम
नतेशोचमिटावो ७२मातपिताहिबहुबिधिसमुझाई । च
लेआपखेलनहरषाई ७३ ॥ गेंदखेलनसमयकोप्रस्ताव ॥
सखनमध्यगेकुवँरकन्हाई । कह्योखेलियेगेंदबनाई७४॥
दो० ॥ श्रीदामायहसुनतहीगयोधामनिजधाय । अप
नीगेंदलेआयकैदीन्हीहरिकोआय७५॥ सो० ॥ चलौखे
लियेधायबाहरघोसनिकासिकै । जहँकोउआयनजाय
गेंदखेलबानिहैतहां ७६ ॥ रागनट ॥ खेलतश्यामस
खालियेसंग । एकमारतएकलोकतगेंदहिंएकमांगतक
रिनानारंग । मारपरस्परकरतआपुमेंअतिआनंदभये
मनमाहिं । खेलतहीमेंश्यामसबनिकोयमुनातटकोली

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

न्हेजाहिं। मारिभजतजोजाहिताहिसोमारतलेतआप नोदाव। सूरश्यामकेगुणकोजानैकहतऔरकछुऔरउ पाव ७७॥ रागगौरी ॥ लेगयेटारियमुनतटग्वालनि। आपुनजातकमलकेकाजाहिंसखालियेसंगग्वालनि। जो रीमारिभजतउतहींकोजातयमुनकेतीर। एकधावत पाछेउनहींकेपावतनाहिंअधीर। रौटीकरततुमखेलत हीमेंपरीकहायहबानि। सूरश्यामसोंकहतग्वालयहतुम हिंभलेकरजानि ७८॥ रागनट ॥श्यामसखासोंगेंदचला ई। श्रीदामामुरिअंगबचायोगेंदपरीकालीदहजाई। धायगह्योतबफेंटश्यामकोदेहुमेरोतुमगेंदमँगाई। और सखाजिनिमोकहँजानहुमोसोंजिनितुमकरौढिठाई। जा निबूझितुमगेंदागिरायोअबदीन्हेहीबनैकन्हाई। सूरस खासबहँसतपरस्परभलीकरीहरिगेंदगँवाई ७९॥सो० ॥ सकललोकसिरताजपारनपावैंब्रह्मशिव। ताहिगेंदके काजफेंटपकरिझगरतसखा ८०॥ रागसोरठ ॥ फेंटछांड़ि मोरिदेहुश्रिदामा। काहेकोतुमरारिमचावततनकगेंदके कामा।मेरीगेंदलेहुताबदलेबांहगहतहौधाई। छोटोबड़ो नजानतकाहूकरतबराबरिआई। हमकाहेकोतुमहिंबरा बरिबड़ेनन्दकेपूत। सूरश्यामदीन्हेहीबानिहैबहुतकहावत धूत ८१ तोसोंकहाधुताईकरिहौं। जहांकरीतहँदेखीनाहीं कहतोसोकालरिहौं।मुहँसम्हारतूबोलतनाहींकहतबराब रिबात।पावहुगेआपनोकियोअबहींरिसनिकँपावतगात। सुनहुश्यामतुमहूँसरिनाहींऐसेगयेबिलाई। हमसोंसत रहोतसूरजप्रभुकमलदेहुअबजाई ८२॥ चौ० ॥ सांच

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

कहौंमैंसुनहुश्रिदामा । आयोंयहांफूलकेकामा ८३ के
तिकबपुरोकंसबतायो । जाकेभयतुममोहिंडरायो ८४
कोटिकमलतेहिआजपठाऊं । ब्रजतेताकोत्रासमिटाऊं
८५ कालीदहजलपियतमरयोसब । गहिल्याऊंसोईं
कालीअब ८६ ॥ रागसोरठ ॥ रिसकरिलीन्होफेंटछि
ड़ाई । सखासबैदेखतहैंठाढ़ेआपुनचढ़ेकदमपरधाई ।
तारीदैदैहँसतसखासबश्यामगयेतुमभागिडराई । रोव
तचलोश्रिदामाघरकोयशुमतिआगेकहिहौंजाई । सखा
सखाकहिश्यामपुकारयोगेंदआपनीलेहुनआई।सूरश्या
मपीताम्बरकाछेकूदिपरेदहमेंभहराई ८७ ॥ कालीदह
प्रवेश ॥ दो० ॥ कोमलतनअतिसांवरोसाजेनटवरसाज ।
जलमेंपैठगयेतहांजहँसोवतअहिराज ८८ ॥ रागगौरी ॥
हायहायकरिसखनपुकारयो। गेंदकाजयहकरीश्रिदामा
नन्दमहरकोढोटामारयो। यशुमतिचलींरसोईभीतरतब
हिंग्वालिएकछींकी । ठुठुकिरहीद्वारेपरठाढ़ीबातनहींय
हनीकी। आयअजिरनिकसीनँदरानीबहुरोदोषमिटाई।
मंजारीआगेह्वैनिकसीपुनिफिरिआंगनआई । ब्याकुल
भईनिकासिगईँबाहेरकहँधौंगयोकन्हाई। बायेंकागदाहि
नेखरस्वरब्याकुलघरफिरिआई । क्षणभीतरक्षणबाहेर
आवतिक्षणआंगनयहिभांती। सूरश्यामकोटेरतजननी
नेकनहींमनशांती ८९ ॥ पुनः ॥ देखेनन्दचलेघरआव
त । पैठतपौरिछींकभइबायेंरोयदाहिनेधायसुनावत ।
फरकतश्रवणश्वानद्वारेपरगररीकरतलराई। माथेपरह्वै
कागउड़ानोकुसगुनबहुतकपाई। आयेनंदघराहिमनमा

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

रेब्याकुलदेखीनारी । सूरनन्दयुवतीसोंबूझतबिनुछबि
बदननिहारी ९० ॥ चौ० ॥ बूझतयशुदाहिंनन्दडराई।
काहेतुवमुखगयोभ्भुराई ९१ ॥ दो० ॥ चलीरसोईकरन
हींछींकभईमोहिंआज । आगेह्वैमंजारिपुनिगईदूसरेभा
ज ९२ ॥ सो० ॥ जबतेमोंउरशोचहरिधौंखेलतहेंकहां।
समुभ्फकंसकृतपोचमेरेमनमेंत्रासअति ९३ ॥ चौ० ॥
नन्दकहतपैठतघरमाहीं । मोहूँशकुनभयोशुभनाहीं
९४ ॥ रागगौरी ॥ महरिमहरमनगयेजनाय। क्षणभीत
रक्षणआंगनठाढ़ेक्षणबाहरदेखतहैंजाय । यहिअवसर
सबसखापुकारतरोवतआयेब्रजकोधाय ॥ आतुरभयेनं
दघरहीकोमहरिमहरसोंबातसुनाय । चकृतभयेदोउबू
भ्फनलागेकहोबातहमकोसमुभ्फाय। सूरश्यामखेलतहि
कदमचढ़िकूदिपरेकालीदहजाय ९५ ॥ चौ० ॥ सुनत
हिंपरीधरणिगिरिमैया । कीन्होसपनोसत्यकन्हैया ९६
रोवतनन्दयमुनतटआये । बालकसबनंदहिंसँगलाये
९७ कहांपरोगिरिकुवँरकन्हाई । दईबालकनठौरबताई
९८ त्राहित्राहिकरिनंदपुकारे । गिरेधरणिनहिंअंगस
म्हारे ९९ ॥ दो० ॥ लोटतअतिव्याकुलधरणिपरतचल
तजलधाय । कहतश्यामतुमदियोदुखमोकोबैसबुढ़ाय
११०० ॥ सो० ॥ लोगउठेसबरोयदीनबचनसुनिनंद
के। कहतबिकलसबकोयहरितुमब्रजसूनोकियो १ ॥
रागगौरी ॥ महरिपुकारतकुवँरकन्हाई। माखनधरयोतु
म्हारेहिकारणआजुकहाअवसेरलगाई । अतिकोमल
तुम्हरेहिमुखलायकतुमजेंवहुमोंनयनजुड़ाई । धौरीदू

धम्मौटिहौंराख्योअपनेकरदुहिगयेबनाई। बरजतिग्वा
लियशोदाकोसबयहकहिनीकेहैंयदुराई। सूरश्यामसुत
बिरहमातकेयहबियोगबरण्योनाहिंजाई २॥ चौ०॥ आ
थगयेहलधरतेहिकाला। देखीजननीबिकलबिहाला ३
नाकमूंदिजलसींचिजगाई। जननीकहिकहिटेरलगाई
४ बारबारजबहलधरटेरयो। भयोचेतकछुबलतनहेरयो
५॥ दो०॥ कहतउठीबलरामसोंबनहिंतज्योलघुभ्रात।
कान्हतुमहिंबिनुरहतनहिंतुमसोंक्योंरहिजात ६॥ सो०॥
मगनशोचसरमांभकहतिलैआवहुकान्हको। भूखेह्वै
गइसांभआजकछूखायोनहीं ७॥ चौ०॥ अतिहीमो
हबिकलनँदरानी। करतबोधहलधरमृदुबानी ८॥
दो०॥ मोहिंदोहाईनन्दकीअबहींआवतश्याम। नागना
थलैआवहींतबकहियोबलराम ९॥ सो०॥ सुनिहल
धरकेबैन अतिउदारहरिकेचरित। भयोकछुकउरचैन
जोकछुकरहिंसुसोहसब १०॥ रागसूहो॥ अतिकोमल
तनुधरयोकन्हाई। गयेतहांजहँकालीसोवतउरगनारि
देखतअकुलाई। कह्योकौनकोबालकहैतूबारबारकहि
भागिनजाई। क्षणकहिमेंजरिभस्महोयगोजबदेखैउठि
जागिजम्हाई। उरगनारिकीबाणीसुनिकेआपुहँसेमनमें
मुसक्याई। मोकोकंसपठायोदेखनतूयाकोअबदेहुजगा
ई। कहाकंसदिखरावतइनकोएकफूंकहीमेंजरिजाई।
पुनिपुनिकहतिसूरकेप्रभुकोतूअबकाहेनजातपराई ११॥
दो०॥ अरीबावरीसर्पसोंकहाडरावतमोहिं। जैसोमैंबा
लकप्रकटअबहिंदिखाऊँतोहिं १२॥ सो०॥ तूकिनदे

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

तजगायदेखोंमैंयाकेबलहि । यापरकमललदायलैंजैहों
यहिनाथिब्रज १३ ॥ चौ० ॥ सुनतबचनअहिनारि
रिसानी । छोटेबदनकहतबड़बानी १४ खगपतिसों
जिनसरवरठानी । ताहिकहतनाथनअज्ञानी १५ दे
खतहींह्वैहैजारछारा । केतकतूबपुरोसुकुमारा १६ ब
पुरोमोहिंकहतअहिनारी । बोलतनाहिंनबातसम्हारी
१७ अबहींतोहिबपुरीकरिडारौं । एकहिलातखसम
तुवमारौं १८ तातेतूपतिदेहिजगाई । देखौंमैंयाकीमनु
साई १९ जोपैतोहिमरनबुधिआई । तौतूहीकिनलेत
जगाई २० ॥ रागमारू ॥ भिरकिकैनारिदैगारिगिरिधा
रितबपूंछपरलातदैअहिजगायो । उठ्योअकुलायडर
पायखगरायकोदेखिबालकगर्बअतिबढ़ायो । पूंछराखी
चांपिरिसानिकालीकांपिदेखैंसबसांपिऔसानभूल्यो । पूं
छलीन्हीभटकिधरनिसोंवाहिपटकि फुंकरयोलटकिधरि
करिक्रोधफूल्यो । करतफणघातविषजातअतुरातअ
तिनीरजरिजातनहिंगातपरसे । सूरकेप्रभुश्यामलोका
भिरामबिनुराजअहिराजबिषज्वालबरसे २१ ॥ राग
कान्हरा ॥ उरगनारिसबकहतपरस्परदेखहुयहबालककी
बात। बिषज्वालाजलजरतयमुनकोयाकेतनलागतनाहिं
तात।यहकछुयंत्रमंत्रहैजानतअतिहीसुंदरश्यामलगात।
यहअहिराजमहाबिषज्वालाकितनेकरतसहसफणघात।
छुवतनहींतनुयाकेविषकहुंअबलोंबचोपुण्यपितुमात।स
रश्यामसोंदावबतायोकालीअंगलपेटतजात२२॥दो० ॥
कालीहारिसोंलपटिकेगर्बकियोमननमाह। कहतमोहिंजान

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

तनहींमैंसर्पनकोनाह२३॥सो०॥भंजनगर्बगुपालगर्बभरे सुनिअहिबचन। कीन्होबपुषबिशालबिकलभयोअहिरा जतब२४॥रागकान्हरो॥जबहिंश्यामतनुअतिबिस्तारयो। पटपटाततूटततअँगजान्योशरणशरणअहिराजपुकारयो। यहबाणीसुनतहिकरुणामयतबहिंगयेसकुचाई । यहैब चनसुनिद्रुपदसुतामुखदीन्ह्योबसनबढ़ाई। यहैबचनग जराजसुनायोगरुड़छांड़ितहँधाये।यहैबचनसुनिलाक्षागृ हमेंपांडवजरतबचाये। यहबाणीसहिजातनप्रभुसोंऐसे परमकृपाल। सूरदासप्रभुअंगसिकोरयोब्याकुलदेख्यो ब्याल २५॥ रागगौरी ॥ नाथतव्यालबिलंबनकीन्हो। पगसों चापिघोंचिबलतोरयो फोरिनाककरसोंगहिली न्हो । कूदिचढ़ेताकेमाथेपरकालीकरतबिचार । श्रवण हिसुनीरहीयहबाणीब्रजह्वैहैंअवतार। तेइअवतरेआइ गोकुलमेंमैंजानीयहबात । अस्तुतिकरनलग्योसहस हुमुखधन्यधन्यजगतात । बारबारकहिशरणपुकारयो राखिराखिगोपाल । सूरदासप्रभुप्रकटभयेजबव्याकुल देख्योव्याल २६ ॥ चौ० ॥ देखिदरशमनहर्षबढ़ाई। बोल्योदीनबचनअहिराई २७ मैंअपराधकियोबिनुजा ना। क्षमहुनाथतुमकृपानिधाना २८ ॥ दो० ॥ जिनप दपंकजपरशतेगतिपाईसुरनार । सुरनरमुनिपूजतति न्हैंसंतनप्राणअधार २९ ॥ सो० ॥ फिरतचरावतगाय श्रीवृन्दाबनयेचरण । भक्तनकेसुखदायब्रजबासीजन दुखहरण ३० ॥ चौ० ॥ सुनतदीनकालीकीबानी। दी नबन्धुअतिशयसुखमानी३१ फणप्रतिचरणसरोजछुवा

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

ये। ताकेसबसन्तापनशाये ३२ तबब्रजनाथभक्तहितका
री। यहअपनेमनमाहिंबिचारी ३३ कालीकोब्रजलोकदि
खैये। कमलभारयापैलैजैये ३४ कैहैंब्रजकेलोगदुखारी। क
रौंजायअवतिन्हैंसुखारी ३५ लीन्होअहिपरकमललदा
ई। चलेब्रजहिब्रजजनसुखदाई ३६ लियोनाथगहिअ
हिउचकाई। फणप्रतिनृत्यकरतयदुराई ३७॥ श्लोकः
श्रीभागवते॥ न्याय्योहिदण्डःकृतकिल्विषेऽस्मिंस्तवाव
तारःखलनिग्रहाय। रिपोःसुतानामपितुल्यदृष्टेर्धत्सेद
मंफलमेवानुशंसन १ नमस्तुभ्यंभगवतेपुरुषायमहात्म
ने। भूतवासायभूतायपरायपरमात्मने २॥ दो०॥ उरग
नारितबजोरिकरप्रभुकेसन्मुखआय। करतिबिनयअ
तिदीनह्वैपतिहितहरिहिसुनाय ३८॥ सो०॥ इतय
शुमतिउरमाहिंउठीलहरिअतिप्रेमकी। कान्हरआयो
नाहिंकहतरोयबलरामसों ३९॥ चौ०॥ भईबिनासुत
व्याकुलमैया। कहतकहांममबालकन्हैया ४०॥ सो०॥
सुखदानीदेखेबिनाबिलखानीअतिमाय। रानीअररा
नीपरैंपानीमेंअकुलाय ४१॥ चौ०॥ शोकसिंधुबूड़ी
नँदरानी। तनुकीसुधिबुधिसबैभुलानी ४२॥ दो०॥ क
हतयशोदानन्दसोंधृगधृगबारम्बार। अबकेतिकदिनजि
येगेमरतनहींमोहिंमार ४३॥ चौ०॥ ब्रजबासीसब
उठेपुकारी। जलभीतरक्याकरतमुरारी ४४ मातपिता
अतिहीदुखपावैं। रोयरोयसबकृष्णबुलावैं ४५ हल
धरकहतअहोब्रजबासी। वेअन्तर्यामीअबिनासी ४६ स
बगुणसागरआनँदरासी। रमासहितजलहीकेबासी ४७

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

मेरोकह्योसत्यतुममानो । आवतश्यामधीरउरआनो
४८ यमुनाकेभीतरतेहिकाला । उठ्योसलिलझकझो
रबिशाला ४९ ॥ रागनट ॥ आवतउरगनाथेश्याम । नँ
दयशोदागोपगोपनकहततैंहंबलराम । मोरमुकुटबिशाल
लोचनश्रवणकुण्डललोल । कटिपितांबरवेषनटबरन
टतफणप्रतिडोल । देवदिविदुन्दुभिबजावतसुमनग
णबरषाय। सूरश्यामबिलोकिब्रजजनहरषमनहिंबढ़ाय
५० ॥ चौ० ॥ बोलिउठेआतुरबलरामा । वेदेखोआव
तघनश्यामा ५१ ॥ रागकान्हरो ॥ फणप्रतिप्रतिनृत्यत
नँदनन्दन । जलभीतरयुगयामरहेकहुंमिटयोनहींतनु
चन्दन । उहैकाछनीकटिपीताम्बरशीशमुकुटअतिसोह
त । मनुगिरिऊपरमोरअनंदितदेखतब्रजजनमोहत ।
अम्मरथकेअमरललनासँगजैजैधुनितिहुंलोक । सूर
श्यामकालीपरनृत्यतआवतहैंब्रजओक ५२॥ रागसोरठ
गोपालरायनृत्यतफणपरऐसे । मनुगिरिवरपरबारिद
बैठेआयेमोरअनंदितजैसे। डोलतमुकुटशीशपरहरिके
कुंडलमंडितगंड । पीतबसनदामिनितनुघनपरतापरसु
रकोदंड। उरगनारिआगेठाढ़ीह्वैमुखमुखअस्तुतिगावैं।
सूरश्यामअपराधक्षमहुअबहममांगेपतिपावैं ५३ ॥
रागकान्हरा ॥ बन्दौंचरणसरोजतुम्हारे । सुन्दरश्यामक
मलदललोचनललितात्रिभंगीप्राणपियारे । जेपदपद्म
सदाशिवकेधनसिन्धुसुताउरतेनाहिंटारे । जेपदपद्मता
तरिसत्रासतमनबचक्रमप्रहलादसँभारे । जेपदपद्म
फिरतवृन्दाबनअहिशिरधरिअगणितरिपुमारे । जेपद

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

पद्मपरसिव्रजयुवतीसर्बसदैसुतसदनबिसारे। जेपदप
द्मलोकत्रैपावनसुरसरिदरशकटतअघभारे। जेपदप
द्मपरसिऋषिपत्नीनृपअरुब्याधअमितखलतारे। जे
पदपद्मफिरतपांडवगृहदूतभयेसबकाजसवारे। तेपद
पंकजसूरदासप्रभुकरमबचनअहिफणप्रतिधारे ५४॥
पुनः॥ सबैब्रजकालिन्द्रीकेतीर। कालीनागकेफणपर
नृत्यतसंकर्षणकोबीर। लागगानथेईथेईकरिउघटतता
लम्रदंगगँभीर। प्रेममगनगावतगुणगंधूबब्योमबिमा
ननभीर। उरगनारिआगेभइठाढ़ींनैननढारतिनीर।
हमकोदानदेहुपतिछांड़हुसुन्दरश्यामशरीर। आयेनि
कसिपाहिरिमिनभूषणपीतवसनकटिचीर। सूरश्यामको
भुजभरिभेंटतअंकमदेतअहीर ५५॥ श्लोकः भागवते
नागपत्न्य ऊचुः॥ अनुग्रह्णीष्वभगवन्प्राणांस्त्यजतिप
न्नगः। स्त्रीणांनःसाधुशोच्यानांपतिःप्राणःप्रदीयताम्१
श्रीशुकउवाच॥ इत्थंसनागपत्नीभिर्भगवान्समभिष्टुतः
मूर्च्छितंभग्नशिरसंविससर्जांघ्रिकुट्टनैः २॥ दो०॥ सु
निअहिनारिनकेबचनकरुणामययदुराय। उतरिपरेअ
हिशीशतेयमुनाजलतटआय५६॥ पुनःश्लोकेभागवते॥उ
पोष्यमांस्मरन्नर्चेत्सर्वपापैःप्रमुच्यते। द्वीपंरमणकंहित्वा
ह्रदमेतमुपाश्रितः १ यद्भयात्ससुपर्णस्त्वांनाद्यान्मत्पाद
लांछितम्२॥ सो०॥ तटपरकमलधरायकालीकोआयसु
दियो। उरगद्वीपअबजायकरहुबासानिर्भयसदा५७चौ०
तबकालीकहसुनहुकृपाला। तुवबाहनडरडरतदयाला
५८ धनिऋषिशापदियोहैताहीं। तातेआयसकतह्यां

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

नाहीं ५९ तबमैंभाजिबच्योइतआई। नातरलेतमोहिं
सोइखाई६० चरणचिह्नलखितवफणमेरे। परिहैंगरुड़पां
यअबतेरे ६१ तूअबमतिखगपतिहिडराई। अपनेद्वी
पकरहुसुखजाई ६२ उरगिनसहितनायपदमाथा। ग
योउरगद्वीपहिअहिनाथा ६३ ॥ रागकल्याण ॥ जैजैजैधु
निअमरनिकीन्हो। धन्य२जगदीशगोसांईअपनोकरि
अहिलीन्हो। अभयकियोफणचिह्नचरणधरिजानिआ
पनोदास। जलतेकाढ़िकृपाकरिपठयोमेटिगरुड़कोत्रा
स। अस्तुतिकरिअहिपतिकुटुंबलैचल्योआपनेओक।
सूरश्याममिलिमातुपिताकोदूरिकियोसबशोक ६४ ॥
दो० ॥ धन्य२प्रभुधन्यकहिमुदितसुमनबरसाय। गयेदे
वनिज२सदनहृदयपरमसुखपाय ६५ ॥ रागनट ॥ ली
न्होजननिकंठलगाय। अंगपुलकितरोमगदगदसुखद
आंशुबहाय। मैंतुम्हेंबरजतरहोंहरियमुनतटजनिजाय।
कंसकमलमँगायपठयेतातगयेडराय। मैंकह्योनिशिसप
नतोसोंप्रकटभईसुआय। ताततूअसगुणजोदेखेसोउप्र
कटलखाय। ग्वालसँगमिलिगेंदखेलतआयेयमुनातीर।
काहुलैमुहिंडारिदीन्हीकालियादहनीर। यहकहीतबउ
रगमोसोंकिनपठायोतोहिं। मैंकहीनृपकंसपठयोकमल
कारणमोहिं। यहसुनतडरिकमलदीन्होसोहिंलयोचढ़ा
य। सूरयहकहिजननिबोध्योदेखेतुमहींआय ६६ ॥ चौ० ॥
तबहरिकह्योनंदसोंजाई। मेरेमनाहिंबातयहआई ६७
आजबसैंसबयमुनातीरा। अतिरमणीकसुगन्धसमीरा
६८ यहांकीजियेभोगबिलासा। होतप्रातसबचलहिं

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

अवासा ६९ कमलपठायकंसकोदीजै। सुनहुतातअब
बिलँबनकीजे ७० यमुनातीरगोपसमुदाई। भोजनकि
योबहुतसुखपाई ७१ ॥ रागगौरी ॥ तुरतकमलअबदेहु
पठाई। सुनहुतातअबबिलँबनकीजे कंसचढ़ैब्रजऊप
रधाई। कमलमँगायलयेतटऊपरकोटिकमलतबदियेप
ठाई। बहुतबिनयकरिपातीपठईनृपलीजैसबपुहुपगना
ई। तैसीहमकोआज्ञादीजैबहुतधरेजलमाँभसजाई।
सूरदासनृपतुवप्रतापतेकालीआपगयोपहुंचाई ७२ ॥
सो० ॥ तबहींकुवँरकन्हारगोपनसोंहँसिकैकह्यो। कीन्हों
काजतुम्हारनामहमारोलीजियो ७३ ॥ चौ० ॥ कमल
शकटमाखनदधिभारा। चलेगोपलैनृपकेद्वारा ७४ रा
जद्वारशकटनपहुंचाई। जायपौंरियननृपहिसुनाई ७५
सुनतबातनृपमनहिंडराई। आपुद्वारआयोअतुराई ७६
कमलदेखिभयभयोबिशाला। लगेताहिमनुव्यालकरा
ला ७७ नन्दबिनयतबगोपनभाखी। दीन्होपत्रभेंटसबरा
खी ७८ गोपनबहुरिकह्योनृपराई। नंदसुवनयहकह्योक
न्हाई ७९ ॥ दो० ॥ हमकालीदहजाययहाकियोराजको
काम। नृपहमकोजानतनहींकहियोमेरोनाम ८० ॥ सो० ॥
सुनतश्यामसंदेशदेखिकमलअतिभयबिकल। भीतर
गयोनरेशमनबाढ़ीचिंताबिपुल ८१ ॥ चौ० ॥ पुनिसँ
भारिधीरजउरकीन्हो। गोपनबोलिभीतरहिलीन्हो
८२ हृदयदुखितऊपरसुखमानी। पहिरायेदीन्हेसनमा
नी ८३ ॥ दो० ॥ शिरोपावदैनन्दकोगोपनकह्योनरेश।
तेरेसुतबलरामदोउदेखहुंकह्योसँदेश ८४ ॥ चौ० ॥ यह

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

कहिबिदाकियोसबग्वाला । भयोकंसउरशोचबिशा
ला ८५ ॥ धुंधुकबधतथादावानलपानलीला ॥ दो० ॥ तबदा
वानलबोलिकैकह्योमरमसबताहि । देखौंमैंतेरेबलहि
तूश्रबब्रजकोजाहि ८६ ॥ सो० ॥ जारकीजियोछारब्रज
सबब्रजबासिनसहित।बचहिंननन्दकुमारऐसोबचनबि
चारउर ८७ ॥ चौ० ॥ दावानलसुनिनृपकीबानी । च
ल्योरिसायगर्बउरश्रानी ८८ इहांगोपकमलनपहुँचाई ।
श्रायेयमुनतीरहर्षाई ८९ गोपनकहीनन्दसोंश्राई ।
जैसेनृपतिकहीमुखगाई ९० यकदिनबलमोहनदोउभा
ई । देखौंगोमैंइहांबुलाई ९१ यहसुनिनन्दबहुतसुख
पाये । हरषभूपमोसुतनबुलाये ९२ ॥ दो० ॥ कहतश्या
मबलरामसोंहँसिहँसिकैयहबात । नृपहमतुमदेखनलि
येकह्योबुलावनतात ९३ ॥ सो० ॥ ब्रजजनपरमहुला
सइकसुखहरिश्रहितेबचे । मिटयोकंसकोत्रासद्वितियक
मल्लपठयेनृपहि ९४ ॥ चौ० ॥ यहिबिधिब्रजजनश्रति
सुखपाये । खानपानकरिदिवसबिताये ९५ सोयेनिशि
सबयमुनातीरा । राखिहृदयसुन्दरबलबीरा ९६ तहां
श्रसुरदावानलश्रायो । चाहतहैसबब्रजहिजरायो ९७॥
रागकान्हरो ॥ दाबानलब्रजजनपरधायो । गोकुलब्रज
बृन्दाबनतृणद्रुमचाहतहैचहुँपासजरायो । घेरतश्राव
तदशहुंदिशातेश्रतिकीन्होतनुक्रोध । नरनारीसबदेखि
चकितभयेदवलाग्योचहुँकोध । वहतोश्रसुरघातकियो
श्रावतधावतपवनसमाज । सूरदासब्रजलोगकहतयह
उठयोदवाश्रातिश्राज ९८ ॥ पुनः ॥ श्रायगईदव

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

अतिहिनिकटही । यहजानतअबब्रजजनबाचिहैंकह
तसबैचलियेजलतटही। करिबिचारउठिचलनचहतहैं
जोदेखैंचहुँपास । चकितभयेनरनारिजहांतहँभरिभरि
लेतउसांस । झरझरातभहरातलपटअतिदेखियतन
हींउबार। देखतसूरअग्निअधिकानीनभलौंपहुँचीझा
र ९९॥ दो० ॥ दावानलअतिक्रोधकरिलियोदशहुँदि
शिघेर । उठीअनलज्वालाप्रबलमानहुँअचलसुमेर
१२००॥सो०॥धूमधुंधबिकरालभयोअँधेरोगगनअति।
बिचबिचचमकतज्वालतड़ितमालजनुसघनबन १॥
रागकान्हरो॥ ब्रजकेलोगउठेअकुलाई । ज्वालादेखिअ
काशबराबरदशहुंदिशाकहुँपारनपाई। हरहरातबनपात
गिरततरुधरणितराकितराकिसुनाई । जलबरसतगिरि
वरतरबाचेअबकैसेगिरिहोतसहाई । लटकिजातजरि
जरिबेलीजरिपटकतबांसकांसकुशताल । उचटतकर
अंगारगगनलौंसूरनिरखिब्रजजनबेहाल २ ॥ पुनः॥
अबकीराखिलेहुगोपाल । दशहुँदिशातेदुसहदवानल
उपजीहैयहिकाल । पटकतबांसकांसकुशचटकतलट
कततालतमाल। उचटतअतिअंगारफुटतफरझपटत
लपटकराल । धूमधूँधिबाढ़ीधुरअम्बरचमकतबिचबि
चज्वाल। हरिनबराहमोरचातकपिकजरतजीवबेहाल।
जनिजियडरहुनयनमूंदहुसबहँसिबोलेनँदलाल । सूर
अनलसबबदनसमानीअभयकियेब्रजबाल३ ॥ चौ०॥
हरिहँसिसबसेआंखमुँदाई। करिगयेअग्निपानसुखदा
ई ४॥ दो० ॥ जीवजंतुखगमृगजितेभयेसुखीततकाल।

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

द्रुमबेलीतृणहरितसब प्रफुलितबनसुखमाल ५ ॥
सो० ॥ श्यामसहायकजाहिताहिकहौडरकौनको। यह
नबड़ाईबाहिपांचतत्त्ववाकोकिये ६ ॥ चौ० ॥ कहतिपर
रूपरब्रजकीनारी। हैसखिबड़ोबीरबनवारी ७ ॥ रागसोर
ठ ॥ अतिसुन्दरनँदमहरढुटौना। कपटरूपकीत्रियानि
पातीतबहिंरहेअतिछौना। द्वारशिलापरपटकितृणाव
र्तकैआयोवहपौना। अघाबकासुरतबहिंसंहारेप्रथम
कियोबनगौना। कमलकाजनृपब्रजमारतहोदवाअचै
कियोखौना। सूरप्रकटगिरिधरयोबामकरमैंजानतिबलि
घौना ८ ॥ दो० ॥ एकदिवसयमुनातटहिबासिसबगोपी
ग्वाल। होतप्रातनिजनिजसदनआयेसहितगोपाल
९ ॥ सो० ॥ जोप्रभुअलखअपारदुर्लभशिवसनकादि
हूँ। धन्यनन्दकीनारताकोसुतकरिमानई १० ॥ प्रल
म्बासुरवधश्लोकः श्रीभागवते ॥ ब्रजेविक्रीडतोरेवंगोपालच्छ
द्ममायया। ग्रीष्मोनामर्तुरभवन्नातिप्रेयान्शरीरिणाम्
१ सचवृन्दावनगुणैर्वसन्तइवलक्षितैः। यत्रास्तेभगवा
न्साक्षाद्रामेणसहकेशवः २ ॥ चौ० ॥ नितनवलीलाक
रतकन्हाई। तातमातब्रजजनसुखदाई ११ मुदितसकल
ब्रजकेनरनारी। निशिदिनमुखहरिचन्द्रनिहारी १२ ॥ राग
बिलावल ॥ इकदिनश्यामरामदोउभाई। खेलतसखनसहि
तबनजाई। नानाबिधिसबकरतकलोलैं। भांतिभांति
कीबाणीबोलैं। कबहूँमोरहंसकीनाईं। बोलतहँसतश्या
मसुखदाई। कबहूँमधुरेस्वरसबगावैं। मध्यश्यामघनबे
नुबजावैं। कबहूँचढ़ततरुनपरधाईं। कूदिपरतगहिडा

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

रनवाई। नानाबिधिकेखेलनखेलैं। बालबिनोदमोदर सकेलैं १३ ॥ श्लोकःभागवते ॥ सर्वतौलोकसिद्धाभिः क्रीडाभिश्चेरतुर्वने। नद्यद्रिद्रोणकुंजेषुकाननेषुसरस्सु च १ पशूंश्चारयतोगोपैस्तद्वनेरामकृष्णयोः। गोपरूपीप्रलंबोगादसुरस्तज्जिहीर्षया २॥ चौ० ॥ तहांप्रलंबअसुरइकआयो। कंसताहिदैपानपठायो १४ सोछलगोपरूपबपुधारी। मिल्योआयसबसखनमँभारी १५ श्लोकःभागवते॥ तंविद्वानपिदासार्हौभगवान्सर्वदर्शनः अन्वमोदततत्सख्यंबधंतस्यविचिंतयन् १ ॥ चौ० ॥ बलदाऊकोदियोजनाई। ताहिहतनकोरच्योउपाई १६॥ दो० ॥ सखाबुलायेनिकटसबतिन्हेंकह्योनँदलाल। फलबुझावअबखेलियेभयेमुदितसुनिग्वाल १७॥ सो० ॥ द्वैबालककरिरायसखालियेतबबांटिसब। आधेइकदिशिआयआधेएकदिशाभये १८॥ श्लोकःभागवते॥ रामसंघट्टिनोयर्हिश्रीदामवृषभादयः। क्रीडायांजयिनस्तांस्तानूहूःकृष्णादयोनृप १ उवाहकृष्णोभगवान्श्रीदामानंपराजितः। वृषभंभद्रसेनस्तुप्रलंबोरोहिणीसुतम् २॥ चौ० ॥ निज२जोटसखनजुरिलीन्हो। हलधरजोटदनुजसँगकीन्हो १९ आपसमेंयहहोड़लगाई। जोहारैसोपीठचढ़ाई २० भांडीरवनलौंलैजाही। फेरयहांपहुंचावैताही २१ फलकोनामबुझावनलागे। बूझदियोबलसबतेआगे २२ चलेसखाचढ़ि२निजजोरी। चढ़ेदनुजबलघींचमरोरी २३ भांडीरवनपहुंचेजाई। चलेसखासबठांवछुवाई २४ ॥ श्लोकःभागवते ॥ तमुद्वहन्

धरणिधरेंद्रगौरवंमहासुरोऽविगतरयोनिजंवपुः॥ सञ्चा
स्थितः पुरटपरिच्छदोबभौतडिद्द्युमानुडुपतिवाडिवांबु
दः १॥ चौ०॥ तबबलदेवकोपकरिभारी। वज्रसमानमु
ष्टिकामारी २५॥ श्लोकः भागवते॥ सञ्चाहतःसपदिविशीर्ण
मस्तकोमुखाद्वमन्रुधिरमपस्मृतोऽसुरः। महारवंव्यसुर
पतत्समीरयन्गिरिर्यथामघवतञ्चायुधाहतः १॥ चौ०॥
बिकासिगयोशिरागिरयोञ्चधीरा। उतरिपरेतबश्रीबल
बीरा २६॥ श्लोकः भागवते॥ दृष्ट्वाप्रलंबंनिहतंबलेनबलशा
लिना। गोपाःसुविस्मिताञ्चासन्साधुसाध्वितिवादिनः
दो०॥ ग्वालबालचक्रितसबैदौरिगयेबलपास। मृतक
ञ्चसुरतनदेखिकैतबमनकियोहुलास २७॥ सो०॥ ध
न्यरबलरामधन्यतुम्हारेमातुपितु। बड़ोकियोयहकाम
कपटरूपमारयोञ्चसुर २८॥ श्लोकः भागवते॥ पापेप्र
लंबेनिहतेदेवाःपरमनिर्वृताः। ञ्चभ्यवर्षन्बलंमाल्यैःश
शंसुःसाधुसाध्विति १॥ दावानलमोक्ष श्लोकः भागवते॥
क्रीडासक्तेषुगोपेषुतद्गावोदूरचारिणीः। स्वैरंचरंत्योवि
विशुस्तृणलोभेनगह्वरम १॥ चौ०॥ पहुंचींगायमूंज
बनमाहीं। यहांगोपकोउजाननताहीं २९॥ सो०॥
तबहँसिकह्योकन्हायभलेक्योंचक्रितसबै। गईदूरिसब
गायचलौखोजञ्चबकीजिये ३०॥ चौ०॥ सुनिमोह
नकेगिराबिशाला। टोलीबांधिचलेसबग्वाला ३१ खो
जतथकेगायनहिंपावैं। चढ़िकदम्बपरफेंटडोलावें ३२
तबइकग्वालकह्योहारिपाहीं। गैयागईमूंजबनमाहीं ३३
ग्वालबचनसुनिदीनदयाला। धाइकदम्बचढ़ेनँदलाला

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

ला३४॥ दो० ॥धौरीधूमरिनामलैतरुचढ़िमदनगोपाल। टेरबजाईबांसुरीभक्तनकेआधार ३५॥ सो० ॥ सुनत मुरलिघनघोरआयगईगैयानिकट। उठतप्रेमभ्भक झोरकरतप्रशंसाग्वालसब ३६॥ चौ० ॥ तेहिक्षणदा वानलतहँआयो। कंसराजदैपानपठायो ३७॥ श्लोकौ भागवते ॥ तमापतंतंपरितोदवाग्निंगोपाश्चगावःप्रसमी क्ष्यभीताः। ऊचुश्चकृष्णंसबलंप्रपन्नायथाहरिंमृत्युभ यार्दिताजनाः १ कृष्णकृष्णमहावीर्यहेरामामितबिक्रम। दावाग्निनादह्यमानान्प्रपन्नांस्त्रातुमर्हथः२॥ चौ० ॥ आ रतबचनसुन्योगोपाला।कह्योनयनमूंदहुसबग्वाला३८ सो० ॥ ग्वालनआंखिमुंदायकियोपानदावानलहि। हरि जनकेसुखदायकियोदूरिदुखसबनको३९॥श्लोकःभागवते ततश्चतेऽक्षीण्युन्मील्यपुनर्भांडीरमापिताः। निशम्य बिस्मिताआसन्नात्मानंगाश्चमोचिताः१॥ दो० ॥ ऐसो कोजोकहिसकैमहिमाअगमअपार। चलेब्रजहिसन्ध्या समैश्रीमनमथनमुरारि४०॥ श्लोकौभागवते ॥ गाःसन्निव र्त्यसायाह्नेसहरामोजनार्दनः। बेणुंविरणयन्गोष्ठमगाद्‌ गोपैरभिष्टुतः १ गोपीनांपरमानन्दआसीद्‌गोविन्दद र्शने। क्षणंयुगशतमिवयासांयेनविनाऽभवत् २॥ दो० ॥ सुतसनेहयशुमतिमगननिशिदिनजातनजान। करतचरितसंतनसुखदभक्तबश्यभगवान ४१॥ सो० ॥ नितनवपरमहुलासब्रजबासीहरिसँगलहत। बिलसत बिबिधबिलासबाटघाटगृहबनसघन ४२॥ पनिघटली ला। श्लोकः श्रीभागवते ॥ एवंविधाभगवतोयावृन्दाबन

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

चारिणः। वर्णयंत्योमिथोगोप्यःक्रीडास्तन्मयतांययुः १
राग बिलावल ॥ पनिघटयमुनाकेतटमाहीं। ठाढ़ेश्यामक
दमकीछाहीं। सखावृन्दचहुंओरबिराजैं। कोटिकामछ
बिनिरखतलाजैं। शीशमुकुटकीलटकसुहाई। सुरँगखौ
रिकेसरिछबिछाई। चटकीलीलटकीबनमाला। परसत
चरणसरोजबिशाला। मुक्तमालमणिमालसुहाई। उर
बिशालपैअतिछबिछाई। अरुणअधरदशननद्युतिनी
की। मुरिमुसक्यानिमोहनीजीकी। चटकीलोपटपीतबिरा
जै। कटितटिक्षुद्रघंटिकाराजै। भुजबिशालभूषणयुतसो
हैं। करमुद्रिकाजटितमनमोहैं। तनघनश्यामरसीलेनै
ना। हँसि२कहतसखनसोंबैना। कनकलकुटसोंपग
लपटानो। भूषणसहितनजातबखानो। गहिद्रुमडा
रतिरछेठाढ़े। ब्रजबासीअनुपमछबिबाढ़े ४३॥ दो० ॥
कबहुंबजावतअधरधरिकरमुरलीधुनिघोर। निकटबु
लावतबनमृगनकबहुंनचावतमोर४४॥ सो० ॥ रहेगग
नघनछायसुखदछांहशीतलकिये। वरषाऋतुकोपायनि
रखतसुतनँदरायको ४५॥ रागबिलावल ॥ हरितभूमि
चहुंओरसुहाई। मनहुंकाममसनंदबिछाई। बहतसमी
रधीरसुखदाई। शीतलअधिकसुगन्धसुहाई। बहतय
मुनजलबहुतैपूरी। परतभँवरजहँतहँछबिरूरी। उठत
श्यामजलसुभगतरंगा। छबिलरंगाजिमिहरिकेसंगा।
याछबिसोंपनिघटहरिठाढ़े। संगगोपबालकहितबाढ़े।
यमुनाजलतियभरननजाहीं। ग्वालभीरदेखतसकुचा
हीं ४६॥ सूरसागरे रागपूर्वी॥ पनिघटरोंकेरहतकन्हाई।

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

यमुनाजलकोउभरननपावतदेखतहीफिरजाई । तबहिं श्यामइकबुद्धिउपाई आपुनरहेछिपाई । तटठाढ़ेजेस खासंगकेतिनकोलियोबुलाई । बैठारेग्वालनकोद्रुमतर आपुनफिरि२देखत । बड़ीबारभइकोउनआईसूरश्या ममनलेखत ४७॥ रागदेवगंधार ॥ युवतीएकआवतदेखी श्याम । द्रुमकीओटरहेहैंआपुनयमुनातटगइबाम । जलहलोरिगागरिभरिनागरिजबहींशीशउठायो । घर कोचलीजायतापाछेशिरतेघटढरकायो। चतुरग्वालिक रगह्योश्यामकोकनकलकुटियापाई । औरनिसोंकरिरहे अचगरीमोसोंलगतकन्हाई । गागरिलैहँसिदेतग्वालि कररीतोघटनहिंलेहों। सूरश्यामह्यांआनिदेहुभरितबहिं लकुटकरदेहों ४८ ॥ रागकल्यान ॥ घटभरिदेहुलकुट तबदेहों । हमहूंबड़ेमहरकीबेटीतुमकोनहींडरैहों। मेरी कनकलकुटियादेरीमैंभरिदेहोंनीर । बिसरिगईसुधिता दिनकीतोहिंहरेसबनकोचीर । यहबाणीसुनिग्वालिबिब शभइतनुकीसुधिबिसराई । सूरलकुटकरगिरतनजानी श्यामठगौरीलाई ४९ ॥ दो० ॥ तबघटभरिहरिभावते दीन्होंशीशउठाय । नेकहुसुधितातननहींचलीब्रजहि समुहाय ५० ॥ सो० ॥ कियोहगनमेंधामसुन्दरनटना गरसुखद । जितदेखैतितश्यामपंथजाहिदीखैनहीं ५१ चौ० ॥ उततेअपरग्वालिइकआई । कहतिकहातूरही भुलाई ५२ ॥ रागधनाश्री ॥ कान्हूतोहिंठगौरीलाई । ब भ्कतिसखीसुनातिनाहिंनेकहुतुहींकिधौंठगमूरीखाई । चौं किपरीस्वप्नेजनुजागी तबबाणीकहिसखिनसुनाई ।

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

श्यामबरणइकमिल्योढुटौनातेहिमोकोमोहनीलगाई।
मैंजलभरेइतहिकोआवतिआनिअचानकअंकमलाई।
सूरग्वालिसखियनकेआगे बातकहहि सबलाजगवांई
५३॥ रागटोड़ी ॥ आवतिहीयमुनाभरेपानी। श्यामब
रणकाहूकोढोटानिरखिबदनघरगैलभुलानी। उनमोत
नमैंउनतनचितयोतबहींतेउनहाथबिकानी। उरधकध
कीलगीतनुब्याकुलमुखसोंफुरतिनबानी। तबकह्योमोह
नमोहनितूकोहैयाब्रजमेंहीपहिंचानी। सूरदासप्रभुमोह
नदेखतजनुवारिदजलबूंदहिरानी ५४॥ रागधनाश्री ॥
नेकनमनतेटरतकन्हाई। इकऐसेहिछकिरहीश्यामरस
तापरयहहियहबातसुनाई। वाकोसावधानकरिपठयोच
लीआपुजलकोअतुराई। मोरमुकुटपीताम्बरकाछेदेख्यो
कुँवरनन्दकोजाई। कुंडलभलकतललितकपोलनिसुन्द
रनयनबिशालसुहाई। कह्योसूरप्रभुयेगुणसीखेठगतफि
रतहौनारिपराई५५।पुनः॥कहाठग्योतुम्हरोठगिलीन्हो।
क्योंनहिंठग्योऔरकहठागिहौऔराहिकेठगतुमकोचीन्हो
कहौनामधरिकहाठगायोसुनिराखैंयहबात। ठगकेलक्षण
मोहिंबतावहुकैसेठगकेघात। ठगलक्षणहमसोंसुनिलीजै
मृदुमुसकानिमनचोरत। नैनसैनदैचलतसूरप्रभुअँगात्रि
भंगकरिमोरत ५६॥ चौ० ॥ यमुनाभरनदेतनहिंपानी।
बहुतअचगरीअबतुमठानी ५७ कहौयशोदहिजायसु
नावहुं। फेरतुम्हेंऊखलबँधवावहुं ५८॥ दो० ॥ यहसु
निहारिरिसकरिउठेइँडुरीलईछिनाय। कहौजायसबमा
तुसोंलीजैमोहिंबँधाय ५९ ॥ सो० ॥ मोहिंकहतठग

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

चोरश्रापुभईसाहुनसबै । डारीगागरिफोरकहतजाहु
चुगुलीकरहु६०॥ रागटोड़ी ॥ आनिनदेहुढुटौनाढोटाईढु
रीपराई। तेरोकोऊकहाकरैगोलरिहैंहमसोंबहिनीमाई।
मेरेसँगकीश्रौरगईतेजलभरिधरिघरतेफिरिश्राई। सूर
श्यामश्रबईढुरिदीजैनतुयशुमतिसोंकहिहौंजाई ६१॥
चौ० ॥ कहतकहौंमैयासोंजाई । सबमिलिलीजोमोहिं
बँधाई ६२ इहैंरहौतौबदहुँकन्हाई। जाहुकहूंकोरामदु
हाई ६३॥ दो० ॥ कान्हहिंसोंहदिवायकैउरहनलैसबबा
म । ऊपररिसश्रन्तरखुशीचलींनंदकेधाम ६४ ॥
सो० ॥ मथतिमहरिनिजधामदधिमाखनहरिकेलिये ।
तेहिश्रन्तरब्रजबामश्रावतदेखीभरिश्राति ६५ ॥ रागरा
मकली ॥ सुतकोबरजिराखहुमहरि । डगरचलननदेत
काहुहिफोरिडारतठहरि । श्यामकेगुणकछुनजानातिजा
तिहमसोंगहरि । यहैलालचगायदशलियेबसतिहैंब्रज
थहरि । यमुनतटहरिदेखिठाढ़ेडरनिश्रावैंबहुरि । सूर
श्यामहिनेकुबरजहुकरतहैंश्रतिचहरि ६६ ॥ चौ० ॥
यशुमतिसबहिनकहतिनिहोरी । कहाकरौंसखितुमहिं
कहोरी ६७ जोश्रबहरिकोमैंगहिपाऊं । तौतुमसबको
श्रबहिंबताऊं ६८ ॥ दो० ॥ श्रबघरश्रावैजबहिंहरित
बहिंकरौंसोइहाल।लरिकाईतेश्रचगरोमैंजानतिगोपाल
६९॥ सो० ॥ श्रबजोपकरनजाउँताहिगहनपाऊंकहां।
सुनताहिमेरोनाउँकोजानैभाजिजायाकित ७० ॥ चौ० ॥
यहिबिधियुवतिनबोधकराई। महरिसबनकोघरनपठाई
७१इततेघरनचलींसबग्वाली। उततेघरश्रावतबनमा

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

ली ७२ ह्वैगइ भेंटबीचमगआई। तुरतनयनहरिगयेलजा
ई ७३ मातुबुलावंतिजाहुकन्हाई। कहतिबडाईकरिहम
आई ७४ निरखिबदनहँसिकह्योकन्हैया। मैंसमुझा
यलेउँगोमैया ७५ सकुचतहीआयेघरमोहन। द्वारहि
तेलागेहरिजोहन ७६ देखीजननिकाजगृहलागी। गो
पिनकेउरहनरिसपागी ७७ यहैकहतियशुमतिरिसपा
ई। गयोकहांधौंभाजिकन्हाई ७८ पनिघटरोंकतधूम
मचावत॥ यमुनाजलकोउभरननपावत ७९॥ सो०॥
ईंडुरीदेतबहायसबकीगागरिफोरिकै। कितधौंगयोपराय
यहकहिकहिधिरवतिसुतहि ८०॥ चौ०॥ जातिपांतिसों
कहलँगराई। मारेहुमानतनाहिंकन्हाई ८१ तूमोहीं
कोमारनजानै। उनकेगुणननाहिंपहिंचानै ८२ कद
मतीरतेमोहिंबुलावैं। बातैंगढ़िगढ़िआपुबतावैं ८३ म
टकतगिरीशीशतेगगरी। नामलगावतिमेरोसिगरी ८४
चितयोमातुदेखिहरिपाछे। सुन्दरश्यामपीतपटकाछे ८५
कहतूकहांरह्योमोपाहीं। मैंकातोकोजानतिनाहीं ८६ ह
रिमुखदेखतहीनँदनारी। तुरतहिभूलिगईरिसभारी ८७
कहतिकिउरहनलैसबआवैं। झूठहिखोरिकान्हकोलावैं
८८॥ दो०॥ कहांश्याममेरोतनकवेसबयोबनजोर।
अबउरहनजोआवहींतौपठऊंमुखमोर ८९॥ सो०॥
तूकितउनढिगजातमैंबरजतिमानतनहीं। लावतिझूठी
बातवेसबढीठीग्वालिनी ९०॥ परस्परसम्बाद गोपिनको
रागगौरी॥ करतअचगरीनन्दमहरको। सखालियेयमु
नातटबैठोनिबहतनाहिंसबलोगडगरको। कोउखीझौकौ

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

मनक्रमबचनश्याम
ऊकिनिबरजौयुवतिनकेमनध्यान। मनक्रमबचनश्याम
बरततहैंऔरनदूजोज्ञान। सुरतरुकामधेनुसुखत्यागेव्र
जयुवतिनकेहेत। सूरभजैंजेहिभावकृष्णकोताकोसोइफ
लदेत९१॥ रागटोड़ी॥ गोकुलकेग्वैंड़ेएकसांवरोसोढोटा
माई। आंखिनकेपैंड़ेपैठिजीकेपैंड़ेपरयोहै। कलनपरत
क्षणगृहभयोसमबनतनमनधनप्राणसकलसुखहरयोहै।
भवननभावैमाईआंगननरह्योजाय करौंहायहायदेखो
जैसोहालकरयोहै। सूरदासप्रभुनीकेगावतमधुरसुरमा
नहुंमुरलीमेंपियूषरसभरयोहै ९२॥ चौ०॥ यहसुनि
श्रीवृषभानुदुलारी। पनिघटठाढ़ेकुंजबिहारी ९३ देख
नकोचितअतिअतुराई। कह्योसखिनसोंकुँवरिबुलाई
९४ चलहुयमुनतटलावैंपानी। सुनतबातयहसबसुख
मानी ९५ इकइककलशसबनगहिलीन्हो। तुरतगमन
यमुनातटकीन्हो ९६ देखेतहांकुँवरनँदलाला। सुन्दर
श्यामलनयनबिशाला ९७हेरीझिहरिदीठिलगाई। भ
रयोनीरप्यारीमुसुकाई ९८॥ रागगौरी॥ घरहिचलीं
यमुनाजलभरिकै। सखिनबीचनागरीबिराजतिभईप्री
तिउरहरिकै। मंदमंदगतिचलतिअधिकछबिअंचल
रह्योफहरिकै। मोहनकोमोहनीलगाईसंगहिचलेडगरि
कै। वेणीकीछबिकहतनआवैरहीनितंबनिढरिकै। सूर
श्यामप्यारीकेबशभयेरोमरोमरसभरिकै९९॥रागजैतश्री॥
सखियनबीचनागरीआवै। छबिनिरखतरीझेनँदनन्दन
प्यारीमनहिंरिझावै। कबहुंकंआगेकबहुंकपाछेनानाभा
वबतावै। राधायहअनुमानकियोहरिमेरेचितहिचुरावै।
CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

आगेजायकनकलकुटीलैपंथसवांरिबतावै। निरखतजहां छांहप्यारीकीतहँलैछांहछुवावै। छबिनिरखततनुवारि आपनेनागरिजियहिजनावै। ओढ़िओढ़नियांचलनदे खावतयहिमिसनिकटहिआवै। बारबाराशिरपरकरधरिध रिअतिअधीनह्वैजावै। सूरश्यामऐसेभावनिसोंराधाम नहिंरिझावै १३०० ॥ चौ० ॥ कियोचरितसबरसिकबि हारी। सखिनसहितमोहीसुकुमारी १ ॥ दो० ॥ मिस करिनिकसेनिकटह्वैनिरखिबदनमुसुकाय। मनहरिली न्होसबनिकोदियोकामउपजाय २ ॥ सो० ॥ भईबिबश सुकुमारअंगउमगिआंगीदरकि। मोहीनन्दकुमारसु धिबुधिबिसरीदेहकी ३ ॥ चौ० ॥ सखिनसंगयहिबि धिघरआई॥ अटकिरह्योमनहरिसँगजाई ४ गागरिनि जनिजगृहपहुंचाई। बहुरिसखीप्यारीढिगआई ५ बा रबारसबकहहिंनिहोरी। चलियेयमुनाजलहिबहोरी ६ तिनकोउत्तरदेतनप्यारी। चितउरझ्योमोहनबनवारी ७ गहिगहिभुजाकहतिसबगोरी। चलहिनयमुनाआव हिंखोरी ८ तबसखियनबृषभानुकुमारी। लीन्हीसब ननिकटबैठारी ९ जलजनयनजलभरिअनुरागीं। हरि केचरितकहनसबलागीं १० ॥ दो० ॥ कहोसखीकैसेच लैंवायमुनाकीओर। गैलनछांड़तसांवरोरसियानन्दकि शोर ११ ॥ क० ॥ एकसखीमनमोहनकीमधुरीमुसक्या निदिखाइदईरी। वहसांवलिसूरतिचैनमयीसबहींचितई हमहूंचितईरी। सबसखियांअपनेअपनेगृहखेलतकूदत बाटलईरी। मैंबपुरीवृषभानुललीघरआवतपौरिपहारभ

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

ईरी १२ ॥ रागमलार ॥ मेरीगैलनछांड़ोसांवरेमैंक्योंकरिप
निघटजाउँरी । इहिसकुचनडरपतिरहौंमोहिंधरैनकोऊ
नाउँरी । जितदेखौंतितदेखियेरीरसियानन्दकुमार । इ
तउतनयनचुरायकैमोहिंपलकनकरैजुहाररी । लकुट
लियेआगेचलैहोपंथसवांरतजाय । मोहिंनिहोरोलाय
कैयहफिरिचितवैमुसक्यायरी। यमुनाजलभरिगागरीलै
जबशिरचलौंउँचाय।सोकंचुकिअँचराउँचैमेरोहियरात
किललचायरी । गागरिमारेकांकरीसोलागेमेरेगात ।
गैलमांझठाढ़ोरहैमोहिंपूंछेआवतजातरी। हौंसकुचन
बोलीनहींलोकलाजकीशंक । मोतनछूवैहरिचलैवहता
हिभरतहैअंकरी। निकटआयमुखनिरखिकैचितवैबहुरि
निहारि।अबढंगओढ़ीओढ़नीपीतांबरमोपरवाररी।जब
कहुंलगलागेनहींतबवाकोजियअकुलाइ ।तबहठिमेरी
छांहसोंवहराखैबांहछुवाइरी।कोजानैकितहोतहैसीघरघ
रगुरुजनशोर । मेरोज्योंगांठीबँध्योवापीताम्बरकीछोर
री । अबलौंसकुचअटकरहीअबप्रकटकरौंअनुसारा ।
हिलिमिलिकैसँगखेलिहौंमानिआपनीभागरी । घर२
ब्रजबासीसबैकोउकिनकहैपुकारि । गुप्तप्रीतिपरकटक
रौंकुलकीकानिनिवारिरी । जबलागिमनमिलयोनहींन
च्योचोपकोनाच । सूरदासप्रभुमिलिरहैसबकरैमनोर
थसांचरी १३ ॥ रागसोरठ ॥ कैसेजलभरनसैंजाउँ । गै
लमेरीपरयोसाखिरीकान्हजाकोनाउँ । घरहितेनिकसत
बनतनाहिंलोकलाजलजाउँ । तनइहांमनजायअटक्यो
नंदनन्दनठाउँ । जोरहौंघरबैठिकैतोरह्योनाहिंनजाय।
CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

सीखतुमहींदेहुतैसीकरौंकहाउपाय । जातबाहिरबनत नाहींघरननेकसुहाय। मोहनीमोहनलगाईकहतसखिन सुनाय । लाजकानिमर्यादजियलोंकरतिहौंयहशोच । जाहिबिनतनुप्राणछांड़ेकौनविधियहपोच । मनमेंयहप रतीतआनीदूरिकरिहौंशोच। सूरप्रभुहिलिमिलिरहौंगी लाजडारोंमोच १४ ॥ रागरामकली ॥ मेरेजियऐसीआ निबनी । बिनगोपालऔरनहिंजानौंसुनुमोसोंसजनी । कहाकांचसंग्रहकेकीन्हेडारिअमोलमनी। बिषसुमेरुकछु कामनआवैअमृतएककनी । मनबचक्रममोहिंऔरन भावैअबमेरेश्यामधनी । सूरदासस्वामीकेकारणतजी जातिअपनी १५॥ चौ० ॥ तातेमोमनमेंयहआवै । कीजै जोसबकेमनभावै १६ तपकीजैहरिकेहितलागी । पूजि गौरिपतिसोंवरमांगी १७॥ दो० ॥ जपतपसंयमनेमते प्रभुप्रकटतपाषान । तातेसबतपकीजियेऔरउपावन आन १८॥ सो० ॥ कीजैयहदृढनेमप्रातजाययमुनान दी । पूजहिंसबकरिप्रेमतौपावहिंपतिकरिहरिहि १९ दो० ॥ जाग्रतस्वप्नसुषुप्तिसमब्रजयुवतिनमनमाहिं। स दाएकतुरियारहितऔरअवस्थानाहिं २० ॥ सो० ॥ ऐ सोकौनप्रवीनचहैप्रेमब्रजातियनको । हरिछबिजलमन मीनबिछुरिसकतनहिंएकपल २१ ॥ व्रतचर्यातथाअन्त रउरहनप्रत्युत्तर ॥ चौ० ॥ भवनरवनसबहिनबिसरायो । ब्रजयुवतिनहरिसोंमनलायो २२ यहीबासनासबउर जामी। होयँगोपालहमारेस्वामी २३ षटदशसहसगो पकीकन्या। करनलगींतपहरिहितधन्या २४॥ श्लोकः

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

श्रीभागवते ॥ हेमंतेप्रथमेमासिनन्दव्रजकुमारिकाः । चे
रुर्हविष्यंभुंजानाःकात्यायन्यर्चनव्रतम् १ ॥ चौ० ॥ प्रा
तकालयमुनाजलन्हाहीं। प्रहरत्रयन्तरहैंजलमाहीं २५
जलतेबहुरिनिकसिसबआई । पूजहिंगोपेश्वरशिवजा
ई २६ ॥ सूरसागरेरागआसावरी ॥ गौरीपतिपूजतिब्रजना
रि। नेमधर्मसोंरहतिक्रियाजितबहुतकरतिमनुहारि।य
हैकहतिपतिदेहुउमापतिगिरिधरनन्दकुमार। शरणरा
खिलीजैशिवशंकरतनुतरसावतमार । कमलपुष्पमातू
लपत्रफलनानासुमनसुबास। महादेवपूजतिमनबचक्र
मसूरश्यामकीआस २७ ॥ सूरसागरेरागधनाश्री ॥ ब्रज
ललनारबिकोकरजोरैं । शीतभीतनहिंकरतछहोंऋतु
त्रिबिधकालयमुनाजलखोरैं । गौरीपतिपूजतितपसा
धतिकरतिरहतिनितनेम।भोगरहितिनिशिजागिचतुर्द
शियशुमतिसुतकेप्रेम । हमकोदेहुकृष्णपतिईश्वरऔर
नहींमनआन। मनसिबचसिकरमनाहमारेसूरश्यामको
ध्यान २८॥ पुनःश्रीभागवते ॥ कात्यायनिमहामायेमहा
योगिन्यधीश्वरि। नन्दगोपसुतंदेविपतिंमेकुरुतेनमः १
इतिमंत्रंजपंत्यस्ताःपूजांचक्रुःकुमारिकाः । एवंमासंव्र
तंचेरुःकुमार्यःकृष्णचेतसाः २ ॥ सूरसागररेरागगूजरी ॥
अतितपकरतिगोपकुमारि । कृष्णपतिहमतुरतपावैंका
मआतुरनारि । नयनमूंदतिदरशकारणश्रवणशब्दबि
चारि । भुजाजोरतिअंकभरिहरिध्यानउरऔंकवारि।
शरदग्रीषमडरतिनाहींकरतितपतनुगारि । सरप्रभुस
र्वज्ञस्वामीदेखिरीझेनारि २९ ॥ चौ० ॥ बर्षदिवसयों

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

करतबिहान्यो। प्रभुअन्तरयामीसबजान्यो ३० मोहि
तशिवपूजतिब्रजनारी । औरकामनासकलबिसारी
३१॥ सूरसागरेरागदेवगन्धार ॥ अतितपदेखिकृपाहरिकी
न्हो। तनुकीजरनिदूरिभइसबकीमिलितरुणिनसुखदी
न्हो। नवलकिशोरध्यानयुवतीमनमींजतपीठजनायो।
बिवशभईकछुसुधिनसँभारतिभयोसबनिमनभायो ।
मनमनकहतिभयोतपपूरणआनँदउरनसमाई। कहति
सूरप्रभुलाजनआवतियुवतिनमाँझकन्हाई ३२ ॥
चौ० ॥ हँसिनिकसेतबकुंवरकन्हाई। चीरहारलैचलेप
राई ३३ हांकदेतसबशपथदिवावैं। फिरहुबसनभूषण
हमपावैं ३४ डारिबसनभूषणहरिदीन्हे। गोपिनतुरत
दौरिकैलीन्हे ३५ चीरफटेकंचुकिबँदछूटे। लेतनबनै
हारलरटूटे ३६ ॥ दो० ॥ लगेश्यामढीठोकरनयहकहि
कहिपाछितात। अन्तरअतिआनन्दअतिझूंठीखीझत
जात ३७ ॥ चौ० ॥ गईंसबैतियनन्दमहरघर। यशुम
तिपासगईंसबदरदर ३८॥ रागगौरी ॥ महरिश्यामको
बरजतिकाहेन। ऐसेहालकियेहरिहमकोभईनकहुंजग
आहेन। औरबातइकसुनहुश्यामकेअतिहिभयेहैंढीठ।
बसनाबिनाअस्नानकरतिहमआपुनमींजतपीठ। आपु
कहतिमेरोसुतबारोहियोउघारिदिखाऊं। सुनेहुनकहूंक
हतिहुनआवैतुमकोकहालजाऊं। यहबाणीयुवतिनमुख
सुनिकेहँसिबोलीनँदरानी। सूरश्यामतुमलायकनाहींबा
तभलीमैंजानी ३९॥ दो० ॥ तुमचाहतिहौगगनतेगहन
तरैयाबाम। सोकैसेकरिपाइहौतुमलायकनहिंश्याम ४०

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

सो०॥ मैंबूझीसबबाततुमहमसोंकहिहौंकहा। वृथाफि रतऔठिलातमष्टिकरौसुनिहैंजगत ४१ ॥ चौ० ॥ आइग येतेहिसमयकन्हाई। बांहपकरिलैतुरतदिखाई ४२ तन कतनककरतनकअँगुरिया। तुमयौबनभरनवलबहुरि या ४३ मेरोकान्हअबाहिंअतिबारो। तुमकोउऔरहि जायनिहारो ४४ देखहुरीयेभावकन्हाई। कहांगईत बकीतरुणाई ४५ ॥ दो० ॥ देखिचरितनँदलालकोभ ईबालमतिभोर। सुधिबुधिमनकछुथिरनहींकहतिऔर कीऔर ४६ ॥ सो० ॥ सकुचींबहुरिसँभारिबिघशदे खिअपनीदशा। चलींघरनब्रजनारि हरिमुखकमलनि हारिकै ४७ ॥ रागगौरी ॥ ब्रजघरगईंगोपकुमारि। नेकहुकहुंमननाहिंलागतकामधामबिसारि। मातुपितु कोडरनमानतिबदतिनाहिंनगारि। हठकरतिबिरुझाय तबहींजननिजानतिबारि। प्रातहीउठिचलींसबमिलिय मुनतटसुकुमारि। सूरप्रभुब्रतदेखिइनकोनाहिंनपरतिसँ भारि ४८॥ पुनः॥ यमुनातटदेखेनँदनन्दन। मोरमुकुटम कराकृतकुण्डलपीतबसनतनुचन्दन। लोचनतृप्तभयेद रशनतेउरकीतपनिबुझानी। प्रेममगनतबभईग्वालिस बतनकीदशाहिरानी। कमलनयनतटपरहैंठाढ़ेसकुचि मिलींसुकुमारी। सूरदासप्रभुअन्तर्यामीब्रतपूरणप्रण धारी ४९ ॥ रागनट ॥ बनतनहींनदियमुनाकोऐबो। सुन्दरश्यामघाटपरठाढ़ेकैसेकहोकौनबिधिजैबो। कैसे बसनउतारिधरैंहमकैसेजलहिसमैबो। नन्दनँदनहमको देखहिंगेकैसेकरिजुनहैबो। चोलीचीरहारलैभाजतसो

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

कैसेकरिपैबो।अंकमभरिभरिलेतसूरप्रभुकाल्हिनयहिप
थऐबो ५० ॥ दो० ॥ कहतसकुचकीबातसबऊपरमन
आनंद । अन्तरगतिकीवृत्तिकोजानतसबनँदनन्द ५१
सो० ॥ जानीजाननरायलाजांतरयुवतीसबै । सोअब
देउँमिटायअंतरभलोनप्रेमसों ५२ ॥ चौ० ॥ औरबा
तइकश्यामबिचारी । येभीतरजलन्हातउघारी ५३ जो
तियजलमेंनांगीन्हाई । ताकोदोषहोतअधिकाई ५४
सोइनकोयहदूषणटारौं । औरलाजअन्तरनिरुवारौं ५५
तबहरिमनयहकीन्हबिचारा । इनकेबसनहरौंइकबारा
५६ प्रभुसबकीतबदृष्टिछिपाई । कदमवृक्षचढ़िरहेलु
काई ५७ ॥ चीरहरण चौ० ॥ जबगोपीहरिदेखेउनाहीं।
चकितबिलोकतिइतउतमाहीं ५८ जानेसदनगयेनँद
लाला । न्हानचलींसबतबब्रजबाला ५९ ॥ दो० ॥ ध
रेउतारिउतारिसबतटपरभूषणचीर । नग्नहोयअस्नान
हितपैठींयमुनानीर ६० ॥ सो० ॥ ग्रीवालौंजलमाहिं
पैठिकरतअस्नानसब । मुखछबिकहीनजाहिकनककंज
फूलेमनो ६१ ॥ चौ०॥ यहिविधिकराहिंकिलोलकुमारी।
उततरुतेउतरेगिरिधारी ६२ ॥ दो० ॥ प्रेममगनयुवती
सबैरहींध्यानमनलाइ । हरिसबभूषणबसनलैचढ़ेकद
मपरजाइ ६३ ॥ सो० ॥ भूषणबसनअपारसोलहसह
सबधूनके । हरेएकहीबारलैराखेतरुनीयपर ६४ ॥
चौ० ॥ भूषणबसनसबैहरिल्याये । कदमडारजहँतहँल
टकाये ६५ नीलांबरपाटम्बरसारी । श्वेतपीतचूनरिअरु
कारी ६६ जहांतहांशाखनप्रतिसोहै । देखतछबिमनस

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

न्तमनमोहै ६७ सोतरुशाखापरमसुहाई । बैठेछबि
कीराशिकन्हाई ६८॥ सूरसागरेरागबिलावल ॥ देखत
कदमचढ़ेनँदलाला । बसनबिनाजलमेंसबबाला । प्रे
मनेमयुवतीअवगाहीं । सबिताबिनयकरहिंमनमाहीं ।
मूंदेंनयनध्यानउरधारे । नन्दनँदनपतिहोहिंहमारे । पु
निरबिबिनयशिवहिमनदीन्हो । हृदयमांभअवलोक
नकीन्हो । त्रिपुरकदनत्रिपुरारित्रिलोचन । गौरीप
तिपशुपतिअघमोचन । गरलअशनअहिभूषणधारी ।
जटाधरनगंगाशिरप्यारी । करतिबिनययहमांगतितुम
सों । करहुकृपाहाँसिकैआपुनसों । हमपावैंसुतयशुम
तिकोपति । इहैंदेहुकरिकृपादेवरति । नित्यनेमकरि
चलींकुमारी । सूरश्यामहितकृशतनुजारी६९ ॥ पुनः ॥
ब्रजललनागणध्यानतेजागीं । अतिआतुरतटनिकर
नलागीं । जलतेनिकासिआयतटदेख्यो । भूषणबस
नतहांनहिंपेख्यो । इतउतचकितचितैसुकुमारी । स
कुचिगईजलपुनिब्रजनारी । माघतुषारयुवतिअकुला
हीं । कहहिंयहांकहुंश्यामतोनाहीं । बारबारयुवतीप
छिताहीं । सबकेबसनसूरकहिंनाहीं ७० ॥ दो० ॥ ऐ
सोकोभूषणबसनसबकेएकहिबार । तटतेलयेचुरायकै
लगीननेकहुबार ७१ ॥ सो० ॥ हमजानतियहबात
अंबरहरिहारलैगये । औरकौनकोगातजोब्रजमेंढीठोक
रे ७२ ॥ रागबिलावल ॥ दीनहोयतबयुवतिपुकारी ।
कहँहौश्यामजाउँबलिहारी । दरशदिखायबिनयसुनि
लीजे । अम्बरदेहुकृपाअबकीजे । थरथरअँगकंपि

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

तसुकुमारी । देखिश्यामनहिंसक्योसँभारी । यहिअं
तरहरिबचनसुनायो । ब्रतकोफलदरशनसबपायो। क
हाकहतिमोसोंब्रजबाला । माघशीतकतहोहुबिहाला ।
अम्बरजहांबताऊंतुमको । तौतुमकहादेहुगीहमको ।
तनमनअरपणतुमकहँकीन्हो । जोकछुहुतोसोप्रथम
हिंदीन्हो । औरकहातुमलेहौहमसों । हममांगतिहैं
अम्बरतुमसों । यहसुनिहँसेदयालुमुरारी । सूरबच
नमानहुंब्रजनारी ७३ ॥ सो० ॥ तबहँसिकह्योकन्हा
यजोतनमनमोकोदियो । लेहुबसनह्यांआयतौमानौमे
रोकह्यो ७४ ॥ प्रत्युत्तर । रागरामकली ॥ यहसुनिबिन
यकरतिसुकुमारी । हमरोअम्बरदेहुमुरारी । लैसबची
रकदमचढ़िबैठेहमजलमांझउघारी । तटपरबिनाबस
नक्योंआवैंलाजलगतिहैभारी । चोलीहारतुमहिंकोदी
न्होंचीरहमहिंदेहुडारी । सुन्दरश्यामकमलदललोचन
हमहैंदासितुम्हारी । जोकछुकहौसोईहमकरिहैंचरणक
मलपरवारी । अंगअंगकम्पतमनमोहनाबिनतीसुनहुह
मारी । सूरश्यामकहह्वोहकरौजुशीतगईतनमारी ७५ ॥
सो० ॥ दूषणहोतअपारजोतियअंगदेखहिपुरुष ।
तातेनन्दकुमारनारीनग्ननदेखिये ७६ ॥ कृष्णप्रत्युत्तर
चौ० ॥ अंगदिखायभूषणपैहौ । नातरजलमेंबैठीरै
हौ ७७ ॥ रागगुर्जरी ॥ जलतेनिकसितीरसबआवहु ।
जैसेसबितासोंकरजोरयोतैसेहिजोरिदिखावहु । नवबा
लाहमतरुणकान्हतुमकैसेअंगदिखावें । येजलहीते
बांहटेंकिकैदेखहुश्यामरिझावैं । ऐसेनहिंरीझूंमैंतुमको

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

तटहीबांहउठावहु । सूरदासप्रभुकह्योसुकुमारिनचो लीअम्बरपावहु ७८ ॥ कृष्णगोपीप्रत्युत्तर । रागराम कली ॥ हमरोदेहुमनोहरचीर । कांपतदशनशीततनु ब्यापतहमअतियमुनातीर । मानहिंगीउपकाररावरो कृपाकरहुबलबीर । अतिहिदुखितबपुपरसतमोहनप्र बलप्रचंडसमीर । हमदासीतुमनाथहमारेबिनतीकरति अधीर । उपमाबिकसिकुमुदिनीशशिसोंबाढ़ीप्रीतिगँ भीर । जोतुमहमहिंनाथकरिमानहुतौमांगेमोहिंदेहु । जलतेनिकसिआपबाहिरह्वैसूरजअम्बरलेहु ७९ ॥चौ०॥ अपनोबसनलेहुह्यांआई । देहौंतुमकोनन्ददुहाई ८० अबपूरणतपभयोतुम्हारो । अन्तरइतोदूरिकरिडारो ८१ सुनियहमोहनकीमुखबानी । सबयुवतीमनमेंहर षानी ८२ ॥ परस्परगोपीसंवाद । दो० ॥ कहतिपरस्पर मिलिसबैहरिहठछांड़तनाहिं । बसनाबिनाकैसेबनैकौन भांतिघरजाहिं ८३ ॥ सो० ॥ चलौलीजियेचीरइनहीं कोहठराखिकै । मनमोहनबलबीरजोकछुकहैंसोकीजि ये ८४ ॥ चौ० ॥ यहबिचारिजलबाहरआई । बैठिग ईतटअतिहिलजाई८५ ॥ रागजैतश्री ॥ तरुणीनिकसि निकासितटआईं ।पुनिपुनिकहतलेहुपटभूषणयुवतीश्या मबुलाईं । जलतेनिकसिभईसबठाढ़ीकरअँगउरपरदी न्हे । बसनदेहुआभूषणराखहुहाहापुनिपुनिकीन्हे । ऐ सेकहाबतावातिहोंमोहिंबांहउठायनिहारो । करसोंकर अँगउरनहिंमूंदोमेरेकहेउघारो । सूरश्यामसोइसोइहम करिहैंजोइजोइतुमसबकैहो । लगैंदाउंकबहूंतुमसोंहम

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

बहुरिकहांतुमजैहौ ८६ ॥ रागनट ॥ सोरहसहस गोपकुमारि। देखिसबकोश्यामरीझेरहींभुजापसारि। बोलिलीन्हेकदमकेतरयहांआवहुनारि। प्रकटभाईंस बनिकोहरिकामद्वंद्वनिवारि। बसनभूषणसबनिपहिरे हर्षभइँसुकुमारि। सूरप्रभुगुणभरेहौसबऐसेतुमबनवा रि ८७ ॥ श्लोकः श्रीभागवते ॥ याताबलाव्रजंसिद्धा मयेमारंस्यथक्षपाः। यदुद्दिस्यव्रतमिदंचेरुरार्यार्चनंस तीः १ ॥ रागनट ॥ दृढ़व्रतकियेमेरेहेत। धन्यधनिक हिनंदनन्दनजाहुसबैनिकेत। करौंपूरणकामतुम्हरो शरदरासरमाय। हरषभइँयहसुनतगोपीरहींशीशनवा य। सबनिकोअँगपरशकीन्हेव्रतकियोतनुगारि। सूर प्रभुसुखदियोमिलिकैव्रजचलींसुकुमारि ८८ ॥ राग आसावरी ॥ शिवशंकरहमकोफलदीन्हो। पुहुपपानना नाफलमेवाषटरसअर्पणलैलैकीन्हो। पायँपरींयुवतीस बयहकहिधन्यधन्यत्रिपुरारी। तुरतहिफलपूरणहमपा योनन्दसुवनगिरिधारी। बिनयकरतिसबितातुमसरि कोपयअंजलिकरजोरी। सूरश्यामपतितुमतेपायोकहि गइँव्रजहिबहोरी ८९ ॥ वृन्दाबनवर्णन। श्लोकौश्रीभाग वते। श्रीशुकउवाच ॥ इत्यादिष्टाभगवताल ब्धकामाःकु मारिकाः। ध्यायंत्यस्तत्पदांभोजंकृच्छान्निर्विविशुर्व्रज म् १ अथगोपैःपरिवृतोभगवान्देवकीसुतः। वृन्दावना द्गतोदूरंचारयन्गाःसहाग्रजः २ ॥ चौ० ॥ करतकु लाहलआनँदभारी। पहुंचेवृन्दाबनबनवारी ९० सु रभीगणचहुंदिशिबगराई। सखनसहितबैठेहर्षाई ९१

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

देखतबनसबभयेसुखारी। मनहरणीबहत्रिबिधबयारी
९२॥ दो०॥ बेलिबिबिधलपटींललितफूलिरहींब
हुरंग। शोभितसहिताशिंगारजिमिनारिपुरुषकेसंग९३
सो०॥ हालिउठतसबपातमंदपवनलागतकबहुं। आनँ
दउरनसमातबारबारपुलकितमनहुं९४॥ रागबिलावल॥
कुंजपुंजमंजुलसुखदाई। शीतलसुमनसुगंधसुहाई। ह
रिबिश्रामहेतुतवजान्यो।रच्योबिचित्रसदनबहुमान्यो।
बोलतहैंखगकलबहुरंगा। कीरकपोतकोकिलासंगा।
क्रीड़तमरकटसुभटनलीने। करतकलाज्योंनटपरबीने।
बनशोभाकछुबरणिनजाई। ऋतुबसंतजहँरहतसदाई।
सदाएकरसपरमप्रकाशी। परमसुखदआनँदकीराशी।
चिंतामणिसबभूमिसुहावन।ब्रजबासीमुनिजनमनभाव
न९५॥दो०॥शोभावृन्दाबिपिनकीबरणिसकैअसकौन।
शेशमहेशगणेशबिधिपारनपावततौन९६॥सो०॥ महि
माअमितअपारश्रीवृन्दाबनधामकी। जहँनितकरतबि
हारपारब्रह्मभगवानहरि९७॥ चौ०॥ देखिश्यामबनभ
येसुखारी। बैठेतरुतरबिपिनबिहारी ९८॥ श्लोकाः श्री
भागवते॥ हेस्तोककृष्णहेअंशोश्रीदामन्सुबलार्जुन।
बिशालर्षभतेजस्विन्देवप्रस्थबरूथप१ पश्यतैतान्महा
भागान्परार्थैकांतजीविनः। वातवर्षातपहिमांसहंतोबा
रयंतिनः २ पत्रपुष्पफलच्छायामूलबल्कलदारुभिः।
गंधनिर्यासभस्मास्थितोक्मैःकामान्वितन्वते३॥ रागबि
लावल॥ वृन्दाबनकीकरतबड़ाई। बलदाऊसोंकहतक
न्हाई। मैंयहबनदेखतसुखपावत। बृन्दाबनमोकोअति
CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

भावत। कामधेनुसुरतरुबिसरावत। रमासहितबैकुंठ भुलावत। यहसुखत्रिभुवनकितहुंनपायों। तातेधरित नुमैंइतआयों। दाऊजूतुमसचकरिमानौ। यहवृन्दाब नजड़मतिजानौ। चितवनमेंआनँदकीरासा। प्रेमभ क्तिकोइहांनिवासा। जेतरुवृन्दाबनकेमाहीं। कल्पवृक्ष तिनकीसरिनाहीं। वृन्दाबनतरुचिन्ततजोई। ब्रजबा सीफलपावतसोई ९९॥ दो०॥ जाकेबशमैंरहतहौंअ पनीप्रभुतात्याग। प्रेमभक्तिसोलहतनरवृन्दाबनअनु राग१४००॥ सो०॥ श्रीमुखबरण्योश्यामश्रीवृन्दाबन कीमहत। सुखपायोबलरामसुनतकान्हकेबचनबर १॥ रागबिलावल॥ सखावृन्दसुनिश्रीमुखबानी। प्रेममग नतनुदशाभुलानी। पुनिपुनिपुलकिकहतसुबलादिक सुनहुश्यामघनकुँवरकन्हाई। जहींजहींतुमदेहधरतहौ तहींतहींराखहुशरणाई। तबहँसिकह्योश्यामसुखदानी ब्रजतेतुमहिंनटारौं। यहिब्रजसमनहिंभुवनचतुर्दशतुम लगिमैंतनुहारौं। तुमतेब्रजलीलाबिस्तारतब्रजमोकहँ अतिप्यारो। ब्रजबासीयहकहतसखनसनकबहूँहोतन न्यारो २॥ दो०॥ मधुरबचनसुनिश्यामकेसखावृन्दसु खपाय। प्रेमपुलकितनुमुदितमनरहेसबैगहिपांय ३॥ सो०॥ धनिधनिधनितुमश्यामधनिब्रजधनिवृन्दाबिपि न। तुम्हरोगुणअभिरामहमअज्ञानजानतनहीं ४॥ रागगौरी॥ छबीलेमुरलीनेकबजावो। बलिबलिजातस खाअसकहिकहिअधरसुधारसप्यावो। दुर्ल्लभजन्मदु र्ल्लभवृन्दाबनदुर्ल्लभप्रेमतरंग। नाजानियेबहुरिकब

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

ऐहैंश्यामतुम्हारेसंग । बिनतीकरतसुबलश्रीदामासुन
हुँश्याम्दैकान । यायशकोसनकादिशुकादिककरतअ
मरमुनिध्यान । कबपुनिगोपवेषब्रजधरिहौफिरिहौसुर
भिनसाथ । कबतुमछाकछीनकेखैहौश्रीगोकुलकेनाथ ।
अपनीअपनीकांधकमरियाग्वालनदईडसाई । सौंहदि
वायनन्दबाबाकीरहेसबैगहिपांई । सुनिसुनिदीनगिरा
मुरलीधरचितयेमृदुमुसुकाई । गुणगँभीरगोपालमुर
लिकालीन्हीकंठलगाई । धरिकरबेणुअधरमनमोहन
कियोमधुरध्वनिगान । मोहेसकलजीवजलथलकेसुनि
वारौंतनप्रान । चपलनयनभृकुटीनासापुटसुनिसुन्दर
मुखबेनु।मानहुँनृत्यतभावबतावतगतिलियेनायकमेनु।
चमकतमोरचन्द्रिकामाथेकुंचितअलकसुभाल ।मानो
कमलकोशरसचाखनउड़िआयोअलिमाल । कुण्डल
लोलकपोलनिझलकतऐसीशोभादेत । मानहुँसुधासिं
धुमेंक्रीड़तमकरपानकेहेत । उपजावतगावतगतिसुन्द
रिअनाघातकेताल। रससबादियोमदनमोहनकोप्रेमहर्ष
सबग्वाल । लोलितबैजंतीचरणनपरश्वासापवनझ
कोरि । मानहुँसुधापियनअहिआयोब्रह्मकमंडलुफोरि।
डोलतिलतामरुतमन्दाहिगतिसुनिसुन्दरमुखबैन। खग
मृगमीनअधीनभयेसबकियोयमुनजलशैन। झलमला
तभृगुकीपदरेखासुभगसांवरेगात । मनुषटबधूएकरथ
बैठींउदयकियोअधरात। बांकेचरणकमलभुजबांकेअ
वलोकनिजुअनूप । मानहुँकल्पतरोवरबिरवाआनिर
च्योसुरभूप। अतिसुखादियोगोपालसबनिकोसुखदायक
CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

जियजान । सूरदासचरणनिरजमांगतनिरखतरूप
निधान ५ ॥ रागसारंग ॥ रीझतश्यामरिझावतश्याम।
मुरलिबजावतसखनबुलावतसुबलश्रिदामालैलैनाम।
हँसतसखाकरतारीदैदैनामहमारोमुरलीलेत। श्यामक
हतअबतुमहुँबुलावहुअपनेकरतेग्वालनिदेत। मुरली
लैलैसबैबजावतकाहूपैनहिंआवैरूप। सूरश्यामतुम्हरे
हिमुखबाजतिकैसेदेखोरागअनूप ६ ॥ दो० ॥ कारणक
रणअनन्तगुणनिगमनेतिजेहिगाव। सोग्वालनसँग
गावहींदेखोभक्तिप्रभाव ७ ॥ सो० ॥ वृन्दावनकीरेनु
ब्रह्मादिकबाञ्छितसदा। जहांश्यामसुखदेनुग्वालनसँ
गचारतसुरभि ८ ॥ रागललित ॥ सततंबिचरतबृन्दा
बिपिने। गोकुलपतिगोपालबालकैरारूढेपिदिने। नि
जबदनेनबदतिनामानिगबामातिरतिबचनेन। मनसि
मोदतेबिपुलरसागतसरसकुंजरचनेन ॥ निर्मलनीर
धौतशिखरोपरिरुचिरशिलामुपबिश्य। भुंक्तेभवन
समागतमन्नंनिजगोपेपुनिबिश्व ॥ प्रत्यंगुलिदलबि
बिधकलानिदधातिरुचिरहस्ते। मध्यमोदनंतनुते
दृष्टंजननीकृतशस्ते ॥ पिबतिबिमलपानीयंयमुनाया
मंजलिबंधेन। प्रतिबिंबंपश्यतिसुचिरंनिजलोचनसं
बंधेन ॥ मृदुबादयतिबेणुमतिमधुरंचलतिधेनुसंगे।
हरतितापमथकाननदेशेबिरचिततृणभंगे ॥ कनकचष
कगतफेनसमूहंपिबतिगोपमथितं। शिशिरयतीहबाल
कुलहृदयंबहुबीरहव्यथितं ॥ श्रीबल्लभपदकमलपरा
गंरागरँजितहृदयं। हरिदासेसुखितंभावैरपिकुरुदुर्जन

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

बिलयं ६ हरिरिहदिवसेवसतिबने । गोचारण
मपिकुरुतेगोपैरभितोबिटपिघुने ॥ ध्रुवं ॥ नवैरोचते
किमपिसुमुखिममहरिबिरहितसदने । बिरहबह्निरपि
तनुतेदाहंहृदयेनृपमदने ॥ द्रष्टुमहोकामयतेनयनंगोप
तनयबदनं। अलिकुलसदृशालकतासहितंमुग्धदुग्धर
दनं ॥ नासासततंबिहितदुरासादेहकमलगंधं। आदा
तुंतस्याननुसहितनुतेसैवहृदयबंधं ॥ रसनाकुरुतेसततं
मनोरथमधुररसंपातुं। बागपिरसमनुरागवतीबिदधातु
मनोगातुं १० ॥ चौ० ॥ यहिबिधिवृन्दावनबनवारी।
बिबिधभांतिलीलाअनुसारी ११ ॥ द्विजपत्नीयाचनली
ला श्लोकौश्रीभागवते ॥ तस्याउपवनेकामंचारयन्तःपशू
नृप। कृष्णरामावुपागम्यक्षुधार्त्ताइदमब्रुवन् १॥ श्रीशुक
उवाच ॥ इतिविज्ञापितोगोपैर्भगवान्देवकीसुतः। भक्ता
याविप्रभार्यायाःप्रसीदमिदमब्रवीत् २॥ चौ० ॥ ऐसेली
लाकरतअपारा। भयेक्षुधारतगोपकुमारा १२ कहतभ
येसबहरिसोंजाई। हमकोक्षुधालगीअधिकाई १३ सु
निप्रभुमनकीन्हेअनुमाना। करतरहतद्विजातियममध्या
ना१४ तिनकोदरशनआजदिखाऊं। अरुतिनकोत्रैताप
नशाऊं १५ यहगुनिग्वालनकह्योबुझाई। यज्ञकरतब
नद्विजसमुदाई १६ कहहुजायहमकृष्णपठाये। तुमपै
भोजनमांगनआये १७॥ दो० ॥ यहसुनिग्वालगयेत
हांजहांबिप्रसमुदाय। यज्ञकरतअहामितलियोबिद्याको
बलपाय १८॥ पुनःश्लोकःश्रीभागवते ॥ गाश्चारयंताववि
दूरओदनंरामाच्युतौबोलयतोबुभुक्षितौ। तयोर्द्विजाओ

दनमर्थिनोर्यदिश्रद्धावबोयच्छतधर्मवित्तमाः१ ॥ दो० ॥
हाथजोड़ठाढ़ेभयेग्वालबालयकसाथ। भोजनमांगनहैं
कह्योमाखनप्रभुव्रजनाथ १९ ॥ चौ० ॥ द्विजअज्ञान
अभिमानहिंभूले। अहमितबचनभरेपुनिबोले २० क
ह्योयज्ञहितकरींरसोई। अहिरनपहिलेदेवनकोई २१
यहसुनिग्वालसकलफिरिआये। हरिसोंतिनकेबचनसु
नाये २२ तबग्वालनसोंकह्योमुरारी। जाहुजहांइनकी
सबनारी २३ उनसोंभोजनमांगेहुजाई। कहियोभूखे
भयेकन्हाई २४ यहसुनिग्वालचलेपुनिधाई। द्विजपत्नी
ढिगपहुँचेजाई २५ ॥ श्लोकौश्रीभागवते ॥ नसोवोविप्रप
त्नीभ्योनिवोधतवचांसिनः।इतोविदूरेचरताकृष्णेनेहेषि
तावयम् १ गाश्चारयंसगोपालैःसरामोदूरमागताःबुभु
क्षितस्यतस्यान्नंसानुगस्यप्रदीयताम् २॥ दो० ॥ग्वालन
केसुनिबचनसबहर्षिउठींद्विजबाम। कहतहमारोभाग्य
धनिभोजनमांग्योश्याम २६ ॥ सो० ॥ करतरहींनित
ध्यानसुनिसुनिजिनकेगुणश्रवण। सुफलजन्मनिजजा
नहरिहितभोजनलैचलीं २७ ॥ रागबिलावल ॥ षटरस
ब्यंजनबिबिधप्रकारा। प्रेमसहितलीन्हेभरिथारा।
चलींपतिनकीकानिबिसारी। देखनकोप्रभुगोपबिहारी।
जिनकेपुरुषहुतेतेहिठाहीं। तिनकोजानदेतसोनाहीं।
कहतजातितुमाकितअतुराई। लोकलाजतनदशाभुला
ई। द्विजसनबोलिउठींतबनारी। हमकोश्रीगोपालहैंका
री। प्रभुभोजनदैदरशनलैहैं। बहुरितिहारेघरहमऐहैं
२८ ॥ दो० ॥ यहसुनिपतिअतिक्रोधकरितिन्हेंदिखा

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

योत्रास। कहतभईतुमबावरीबैठतिनहींअबास २९ ॥
सो० ॥ जिनकेउरनँदलालबसेलकुटमुरलीलिये। तिन
हिंनभययमकालकौनभांतिरोंकेरुकाहिं ३० ॥ चौ० ॥
तबग्वालनसेपूँछतिबाला।केतिकदूरअहैंनँदलाला३१
चलौआजहमदरशनदेखैं। जीवनजन्मसुफलकरिले
खैं ३२ ॥ त्रोटकछन्द ॥ असकहिगमनातियकीन्ह। जे
हिजानद्विजनहिंदीन्ह। सोरहीभवनमँझारि। हियब
स्योध्यानमुरारि। येहीतज्योतनुबाम। आगेमिलीघन
श्याम ३३ ॥ सो० ॥ कठिनप्रेमकोपंथजहांनेमकीगति
नहीं। कहतसकलसद्ग्रंथप्रेमभावकेबशहरी ३४ ॥
चौ० ॥ ऐसेभोजनलैद्विजबाला। पहुँचीबनजहँमोहन
लाला ३५ भोजनलैहरिआगेराखे। अपनेभाग्यधन्य
करिभाखे३६॥ श्लोकःश्रीभागवते ॥स्वागतंवोमहाभागा
आस्यतांकरवामकिम्। यन्नोदिदृक्षयाप्राप्ताउपपन्नमिदं
हिवः१॥ चौ० ॥तिनसोंबहुरयोकह्योकन्हाई। गृहपतित
जितुमकितइतआई३७॥ दो० ॥ पतिदेवतासुतीयकहि
बेदबचनपरमान। जाहुबेगितुमपातिनपहँतातेयहजि
यजान३८॥ सो० ॥ सुनिहरिबचनप्रमानकर्मधर्ममानों
सुखद। द्विजतियपरमसुजानबोलींसबकरजोरिकै३९॥
श्लोकःश्रीभागवते ॥ मैवंविभोर्हतिभवान्गदितुंनृशंसंस
त्यंकुरुष्वनिगमंतवपादमूलम्। प्राप्तावयंतुलसिदामप
दावसृष्टंकेशैर्निवोढुमतिलंघ्यसमस्तबंधून्१॥ चौ० ॥ बि
विधयज्ञकरितुमकोंध्यावैं।तुमतेचारिपदारथपावैं४० ता
तेशरणतुम्हारीआईं। यहदूषणनहिंहमहिंगोसाईं४१सु

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

निप्रभुद्विजपत्नीकीबानी। भयेप्रसन्नभक्तसुखदानी ४२ ध
न्य२प्रभुतिनकोभाख्यो। हितकरितिनकोभोजनराख्यो
४३ ॥दो०॥ दैअपनीदृढ़भक्तिहरितिन्हैंकह्योघरजाहु। कै
हैंतुम्हरेदरशतेशुद्धतुम्हारेनाहु ४४ ॥ सो० ॥ हरिआय
सुधरिमाथपायभक्तिबरदानबर। राखिहृदयव्रजनाथच
लींहर्षिद्विजतियसदन ४५ ॥ रागबिलावल ॥ नँदनंदन
कीकरतबड़ाई। द्विजपत्नीसबघरकोआई। देखततिन्हैं
बिप्रसमुदाई। भयेपुनीताबिमलमतिपाई। ब्रह्मादिक
खोजतहैंजिनको। देख्योजायप्रकटइनतिनको। ऐसेब
हुबिधितियनसराहीं। आदरकरिराखेगृहमाहीं ४६
सो०॥ माखनप्रभुसेहेतजोजनमनबचसेकरै। पापदुःख
हरिलेतचारिपदारथदेतहैं ४७॥ दो० ॥ भावतियनको
राखिउरतहँहरिकृपानिकेत। सखनसहितभोजनकरत
रुचिसोंकरिअतिहेत ४८॥ चौ० ॥ अतिहिततेभोजनप्र
भुकीन्हे। सखावृन्दकोबहुसुखदीन्हे ४९ यहिबिधिली
लाकरतअनेका। बनमेंललितएकतेएका ५० वृन्दाब
नसबदिवसबितायो। संध्यासमयनिकटजबआयो ५१
रागगौरी ॥ ब्रजाहिंचलोआईअबसांझ। सुरभीसबैलेहु
आगेकरि रैनहोइपुनिब्रनहींमांझ। भलीकहीयहबा
तकन्हाई अतिहीसघनरैनिउजियारी। गैयांहांकिच
लाईब्रजकोऔरग्वालसबलियेपुकारी। निकसिगयेबन
तेसबबाहिरअतिआनन्दभयेगोपाल। सूरदासप्रभुमुर
लिबजावतब्रजआवतनटवरगोपाल ५२ ॥ दो० ॥ सो
धुनिसुनिकरगोपिकालाजकाजबिसराय। माखनप्रभु

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

केदर्शकोघरसेनिकलींधाय ५३ ॥ चौ० ॥ कहतपरस्पर
मोहनआवत।देखहुछबिभरिनयनअघावत ५४॥ सो० ॥
शोभाअतिअभिरामदेखहुसखियशुमतिसुवन । श्याम
लतनसुखधामजलजमालबरहीमुकुट ५५ ॥ घनाक्ष० ॥
मोरनकेमुकुटमाथेहाथमें लकुटराजेसाजेगुंजमालगले
ललितलरनते । सुन्दरकपोलश्रुतिकुण्डलकीझलकरा
जैजुलुफअमोलभरेगारजकनकते । गौवनकेआछेपा
छेकाछेकाछनीकेकाछरागगौरीगावतगवावतसखनते ।
आनँदकेकंदव्रजलोचनचकोरचंदमंद२आवतगोबिन्द
वृन्दाबनते ५६ जरीदारचीरामेंचुन्ननकीचमकचारुहा
रमुक्ताउरपांवनलौंपरसत । कुंडलकीचमकपीतपटलप
टानोकटिदीपककदमद्युतिदामिनीसीदरसत । नयनन
कोफललैलोचनसुफलकरो यहछबिनिहारिबेकोक्योंन
जीवतरसत । मन्द२आवतबजावतमधुरवेनुकुंजनते
आवतरासिकरूपबरसत ५७॥ दो० ॥ कहतमुदितमन
युवतिजनधनि२सखिवेमोर । जिनकेपंखनकोमुकुटकी
न्होंनंदकिशोर ५८ ॥ सो० ॥ धनि२सखिवेबांसजाकी
मुरलीअधरधरि । हरिपूरतनिजसांसकोपुनीतताकी
सदृश ५९ ॥ चौ० ॥ निज२सदनगयेसबग्वाला । घर
आयेहलधरगोपाला ६० ॥ रागकल्यान ॥ अँगआभूष
णजननिउतारति । दुलरीग्रीवमालमोतिनकीनूपुरलैभु
जश्यामनिहारति । क्षुद्रावलीउतारतिकटितेसैंतिधरति
मनहींमनवारति । रोहिणिभोजनकरहुचँड़ाईबारबारक
हिकाहिकरआरति।भूखेभयेश्यामहलधरकहियशुदाअंत

रप्रेमबिचारीति। सूरदासप्रभुमातुयशोदापटलैदुहुंनअं
गरजझारति ६१ ॥ पुनः ॥येदोउमेरेगायचरैया। मोल
बिसाहिलियेमैंतुमकोतबदोउरहेनन्हैया । तुमसोंटहल
करावतितुमसोंऔरनटहलकरैया। यहसुनिश्यामहँसेक
हिदाऊझूठकहातिहैमैया। सूरदासप्रभुहँसतियशोदाम
चेरीकहिलैतिबलैया ६२ ॥ पुनः ॥ यहकहिजननिदुहुं
नउरलावति । सुमनासुतअंगपरसितरनिजलबलि२
गइकहिकेअन्हवावति। शीतलजलकपूररसरचियोझा
रीकनकलयेअँचवावति । भरयोचरूमुखधोयतुरतही
पीरेपानबिरीमुखनावति । सूरश्यामसुखजानिमुदितम
नशय्यापरसँगलैपौढ़ावति ६३ ॥ दो० ॥ रहतमगनगु
णश्यामकेनिशिदिनआठौयाम । महरिमहरकेप्राणधन
मोहनसुन्दरश्याम ६४ ॥ सो० ॥ हरिक्षणबिसरतनाहिं
ब्रजकेनरनारीजिते। मगनप्रेममनमाहिंनिशिदिनजात
नजानहीं ६५ ॥ गोवर्द्धनलीलाकोप्रसंग । श्लोकःश्रीभाग
वते॥ चतुर्विंशेमहेंद्रस्यमखंव्यावर्त्यहेतुभिः। कृष्णःप्रव
र्त्तयामासगोवर्द्धनमखोत्सवम् १ ॥ चौ० ॥ कृष्णप्रेम
ब्रजलोकसमाने। देवपितरसबकालभुलाने ६६ काति
कसुदिपरिवाजबहोई । इन्द्रहिपूजतब्रजसबकोई ६७
ताकीसुधिबुधिसबनभुलाई । सबकेमनमेंध्यानकन्हाई
६८ सोतिथिआतिसमीपजबआई । तबयशुमतिकेउर
सुधिआई ६९॥ रागबिलावल॥नंदमहरसोंकहतियशोदा
सुरपतिकीपूजाबिसराई। जाकीकृपाबसतब्रजभीतरजा
कीदीन्हीभईबड़ाई।जाकीकृपाअभयधनमेरेजाकीकृपान

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

वोनिधिआई। जाकीकृपादूधदधिपूरणसहसमथानीमथ तसदाई । जिनकीकृपापुत्रभयोमेरेकुशलरहेबलरामक न्हाई।सूरनन्दसोंकहतियशोमतिदिनआयोअबकरतचँ डाई ७०॥पुनः॥नंदमहरिउपनंदबुलाये।बहुआदरकरिबै ठकदीन्हीमहरमहरिमिलिशीशनवाये । मनहींमनसब शोचकरतहैंकंसनृपतिकछुमांगिपठाये।राजअंशधनजो कछुउनकोबिनुमांगेसोदैहमआये। बूझतमहरिबातमह रहितेकौनकाजहमसबनबुलाये । सूरनन्दयहकहतिस बनसोंसुरपतिपूजाकेदिनआये ७१॥दो०॥ यहसुनिमन हर्षेसबैदेवकाजाजियजानि । हमसबभूलेसुरपतिहिमन लागेपछितानि ७२॥ सो०॥ भलीकरीनँदरायतुमहमको दीन्हीसुरति ।सुरपतिकोशिरनायक्षमाकरावतपापसब ७३ ॥ रागबिलावल ॥ गावतमंगलचारमहरघर । यशु मतिभोजनकरतचँड़ाई नेवजकरिकरिधरतश्यामडर । देखेरहोछुवैनकन्हैयाकहजानैवहदेवकाजपर । औरन हींकुलदेवहमारेकैगोधनकैयेसुरपतिवर । करतिबिन यकरजोरियशोदाकान्हहिंकृपाकरोकरुणाकर । और देवतुमसमकोउनाहींसूरकरोसेवाचरणनितर ७४ ॥ रागसूही ॥ बाजतनन्दअवासबधाई । बैठेखेलतद्वारआ पनेसातबरषकेकुँवरकन्हाई । बैठेनन्दसहितवृषभान हिंऔरगोपबैठेसबआई । थापेंदेतघरनकेद्वारेगावतमं गलनारिबधाई । पूजाकरतइंद्रकीजान्योआयेश्यामत हांअतुराई । बारबारबूझतहरिनन्दहिकौनदेवकीकरत पुजाई । इन्द्रबड़ेकुलदेवहमारेउनतेसबयहहोतबड़ाई ।

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

सूरश्यामतुम्हरेहितकारणयहपूजामैंकरतसदाई ७५ ॥
रागबिलावल ॥ जाहुघरैंबलिहारीतेरी। सेजजायसोवहु तुममेरी। मैंआवतहौंतुम्हरेहिपाछे। भवनजाहुतुममे रेबाछे। गोपिनलीन्हेकान्हबुलाई। मंत्रकहोयकमनहिं समाई। आजुएकसपनेकोउआयो। शंखचक्रभुजचा रिबनायो। मोसोंयहकहिकहिसमुझायो। यहपूजातुम किनाहिंसिखायो। सूरश्यामकहिप्रकटसुनायो। गिरि गोबर्द्धनदेवबतायो ७६ ॥ पुनः ॥ यहतबकहनलगेदि विराई। इन्द्रहिपूजेकौनबड़ाई। कोटिइन्द्रहमक्षणमें मारें। क्षणहीमेंहमकोटिनिवारें। जाकेपूजेफलतुमपा वहु। तादेवहितुमभोगलगावहु। तुमआगेहमभोजन खैहैं। मुहँमांगेफलतुमकोदेहैं। ऐसोदेवप्रकटगोबर्द्धन जाकेपूजेबाढ़ैंगोधन। समुझपरीजाकीयहबानी। ग्वाल कहीयहअकथकहानी। सूरश्यामयहसपनोपायो। भोजनकौनोदेवनखायो ७७॥ रागधनाश्री ॥ सुनिग्वाल नयहकहतकन्हाई। सुरपतिकीपूजाकोमेटतगोबर्द्धन कीकरतबड़ाई। फैलगईयहबातघरनघरहरिकहजाने देवपुजाई। हलधरकहतसुनहुब्रजबासीयहमहिमातुम काहुनपाई। कोउकोउकहतसोईब्रजबासीकोउयहकहें कोभाई। सूरदासकोउसुनिसुखपावतकोउबरजतसुर पतिहिडराई ॥ पुनः ॥ मेरोकहोसत्यकरिजानो। जोचा होब्रजकीकुशलाई। तोतुमगिरिगोबर्द्धनमानो। दूधद हीतुमकितनोलेहोगोसुतबढ़ैंअनेक। कहापूजिसुरपति सोंपायोछांड़िदेहुयहटेक। मुंहमागेफलजोतुमपावहुतो

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

तुमसानोमोहि। सूरदासप्रभुकहतग्वालसोंसत्यबचनक
रिदोहि ७८ ॥ पुनः ॥ छांड़िदेहुसुरपतिकीपूजा । कान्ह
कह्योगिरिगोबर्द्धनतेऔरदेवनहिंदूजा । गोपनसत्यमा
नियहलीन्होबड़ोदेवगिरिराज । मोहिंछांड़ियेपर्वतपूज
तगर्बकियोसुरराज । पर्वतसहितधोयगिरिडारोंदेहुंसमु
द्रबहाय । मेरीबालिऔरहिलैअर्पतइनकीकरोंसजाय ।
राखोंइनाहिंनहींभूतलमेंगोकुलदेउँबहाय । सूरदासप्रभु
याकेरक्षकसंगाहिसंगरहाय ७९ ॥ राग बिलावल ॥मानहुक
हीसत्यममबानी । जोचाहोब्रजकीरजधानी । जोतुममँु
हमांगेफलपावहु । तोतुमअपनेकरनिजिवांवहु । भोज
नसबखैहैमुंहमांगे । पूजतसुरपतितिनकेआगे । मेरीक
हीसत्यकरिमानहु। गोबर्द्धनकीपूजाठानहु । सूरश्यामक
हिकहिसमुझायो । नन्दगोपसबकेमनआयो ८० ॥
दो० ॥ तातेसोईकीजियेकान्हकहैजोबात । सबब्रजबा
सीपूजियेगोबर्द्धनचलिप्रात ८१ ॥ सो० ॥ यहीमंत्रठह
रायबूझतहरिसोंहर्षिसब । कहोकान्हसमझायकौनभां
तिगिरिपूजिये ८२ ॥ चौ० ॥ हरषिश्यामतबसबनबुला
यो । इन्द्रयज्ञहिततुमजोबनायो ८३ बहुब्यंजनपकवा
नमिठाई । सोसबशकटनलेहुभराई ८४ नाचतगावत
सहितहुलासा । चलहुसकलगोबर्द्धनपासा ८५ तहां
जाइगिरिवरहिंमनाई । पूजहिंबहुबिधिभोगलगाई ८६
मांगिमांगिगिरितुमसोंखैहैं। मुंहमांगेफलतुमकोदैहैं ८७
कान्हरजोकछुआज्ञादीन्ही । सबहिनबातमानसोली
न्ही ८८ ॥ दो० ॥ बहुब्यंजनपकवानबहुबहुतमिठाई

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

पाक। रसगोरसमेवाबिबिधअमितभांतिकेशाक ८९

सो०॥ षटरसकेसबभोगकछुशाकटनकछुकांवारिन। गृह गृहतेब्रजलोगलैलैगिरिपूजनचले ९०॥ रागबिलावल॥ सुरपतिपूजामेटिकन्हाई। गोबर्द्धनकीकरतपुजाई। पांचदिनालौंकरीमिठाई। नन्दमहरिघरकीठकुराई। जाकेघरधनिमहरियशोदा। अष्टसिद्धिनवनिधिचहुंकोदा। घृतपकबहुतभांतिपकवाना। ब्यंजनबहुकोकरेबखाना। भोगअन्नबहुभारसजाई। अपनेकुलसबअहिरबुलाई। सहसशकटभरिभरतमिठाई। गोवर्द्धनकीप्रथमपुजाई। सूरश्यामयहपूजाठानी। गिरिगोबर्द्धनकीरजधानी ९१

रागनट॥ चलींघरघरनितेब्रजनारि। मनहुंइन्दुबधूनि पंगतिलगतिशोभाभारि। पहिरिसारीसुरँगपँचरँगषष्ठ दशशृंगारि। इहैरक्षासबनिकेचितश्यामरूपनिहारि। ललिताचन्द्रावलिसहितराधासँगकिरतिमहतारि। चलेपूजाकरनगिरिकीसूरसँगनरनारि ९२॥ दो०॥ नंद महरिउपनन्दसबश्यामरामदोउभाइ। पहुंचेगोबर्द्धन निकटनिरखिशिखरसुखपाइ ९३॥ सो०॥ उतरेसहि तसमाजचहूंओरब्रजलोगसब। मधिशोभितगिरिराज कोटिकामशोभासरस ९४॥ रागबिलावल॥ आयजुरे सबब्रजकेबासी। डेरापरयोकोसचौरासी। एकफिरतक हुंठौरनपावें। एतेपरआनन्दबढ़ावें। कोउकाहूसोंबैरन ताके। बैठतमनभावेजहँजाके। खेलतहँसतकरतकौतू हल। जुरेलोगजहँतहांअकूहल। नन्दकह्योसबभोगमँ गावहु। अपनोअपनोसबलैआवहु। भोगबहुतवृषभा

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

नहिंघरको। कोकहिबरणैअतिहिअवरको। सूरश्याम जबआयसुदीन्हों।बिप्रबुलायनन्दतबलीन्हों९५॥पुनः॥ तुरततहांतबबिप्रबुलाये। यज्ञारम्भनतहांकराये। सामवेदद्विजगानकरततहँ। देखतसुरबिथकेअम्बरमहँ। सुरपतिपूजातबहिंमिटाई। गिरिगोबर्द्धनतिलकचढ़ाई। कान्हकह्योगिरिदूधन्हवावहु। बड़ोदेवताइनहिंमनावहु। गोबर्द्धनदूधहिनहवाये। देवराजकहिमाथनवाये। नयो देवताकान्हपुजावत। नरनारीसबदेखनधावत। सूर श्यामगोबर्द्धनथाप्यो। इन्द्रदेखिरिसकरितबकांप्यो९६ दो०॥ गिरिगोबर्द्धनरायकीछबिनहिंपरतबखानि। ब्रज बासीजनकेहियेध्यानपरमसुखदानि ९७ ॥ सो०॥ महिमाअमितअपारश्रीगोबर्द्धनअचलकी। जेहिपूजत करतारशारदबिधिनाहिंकहिसकैं ९८॥ चौ०॥ तबहरि कह्योसबनसमुझाई। भोगसमर्पहुघंटबजाई ९९ नयन मूंदिकैध्यानलगावो। प्रेमसहितकरजोरिमनावो१५०० हरिकोकह्योमानिसबलीन्हो। बहुबिधिगिरिआराधन कोन्ही १ तबप्रकटेगोबर्द्धननाथा। बरणतवेदजासुगुण गाथा २ सहसभुजातनश्यामतमाला। मोरमुकुटबैज न्तीमाला ३ भयेदेखिब्रजलोगसनाथा। दियोदरशगो बर्द्धननाथा ४॥ दो०॥ जयजयजयकहिदेवमुनिबरष तसुमनअकास। ब्रजबासीजयजयकरतभेआनन्दहु लास ५॥ सो०॥ सहसहुभुजापसारिलागेभोजनकर नगिरि। देखतब्रजनरनारिअतिअद्भुतहरिकेचरित ६ दो०॥ इतहिंनन्दकोकरगहेगोपिनसोंबतलात। उतअ

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

पनोधरिसिहसभुजरुचिसोंभोजनखात ७॥ चौ० ॥ ग्वा
लिनएकबिलोवनहारी। रहिवृषभानुसदनरखवारी ८
तासुनामबदरीलागायो। सोघरहीतेभोगलगायो ९
ऐसेप्रेमक्षुधितबनवारी। लईतासुबलिभुजापसारी १०
रागबिलावल ॥ जेंवतदेवनन्दसुखपाये। कान्हदेवताप्र
कटदिखाये। ब्रजबासीगिरिजेंवतदेखैं। जीवनजन्मसु
फलकरिलेखैं। ललिताकहतिराधिकाआगे। जेंवतका
न्हनन्दकरलागे। मैंजानीहरिकीचतुराई। सुरपतिमेटि
आपुबलिखाई। सूरदासप्रभुकीयहलीला। सदाकरत
ब्रजमेंहरिक्रीड़ा ११ ॥ दो० ॥ श्रीराधासुखपायमुदि
तबिलोकतिश्यामछबि। भक्तनकेसुखदायनितनवकर
तबिनोदब्रज १२ प्रीतिरीतिकेभावसोंभोजनसबको
खाय। ह्वैप्रसन्नतबनंदसोंबोलेश्रीगिरिराय १३ ॥
सो० ॥ लेहुनन्दबरदानअबजोतुमहमसोंचहौ। मैंली
न्होंसुखमानबहुतकरीतुमभक्तिमम १४ ॥ चौ० ॥ भली
करीतुममेरीपूजा। सेवकतुमतेऔरनदूजा १५ तेरे
सुतबलमोहनभाई। इनकोकुशलअनन्दसदाई १६
अबजोसुरपतितुमहिंरिसाई। जलबर्षैब्रजऊपरआई
१७ तोतुमअपनेजियमतिडरियो। कान्हकहैंसोईतुम
करियो १८ अबतुमलैप्रसादममखाहू। अपनेअप
नेघरसबजाहू १९ ब्रजमेंबसोनिशंकसदाहीं। औरक
छूमांगौहमपाहीं २० नन्दकह्योकहमांगौंस्वामी। देखि
दरशभयोपूरणकामी २१ ॥ दो० ॥ नन्दगोपउपनन्दस
बश्रीवृषभानुसमेत। बारबारगिरिराजकेचरणपरतअ

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

तिहेत २२ ॥ सो० ॥ करिसबकोसनमानदैप्रसादनिज
पाणिसों । सबनकह्योघरजानक्वैप्रसन्नगिरिराजतब
२३ ॥ रागनट ॥ चलेब्रजघरनकोनरनारि । इन्द्रकीपू
जामिटाईतिलकगिरिकोसारि। पुलकउरनसमातउरमें
महरिसहितसमाज । अबबड़ोहमदेवपायोगिरिगोबर्द्ध
नराज । इनहिंतेब्रजचैनरेहैंमांगिभोजनखात। इहैघेरा
चलतब्रजजनसबनमुखयहबात । सबैसदननिआयप
हुँचेकरतकेलिबिलास । सूरप्रभुयहकरीलीलाइन्द्ररिस
परकास २४ ॥ गोवर्द्धनपहाड़उठावनोश्रीकृष्णजीकोश्लोको
श्रीभागवते ॥ पंचविंशेरुषाशक्रेब्रजनाशायवर्षति।उद्धृत्य
गिरिमासारादरक्षद्गोकुलंप्रभुः १ ॥ श्रीशुकउवाच ॥
इन्द्रस्तदात्मनःपूजांविज्ञायविहतांनृप । गोपेभ्यःकृष्ण
नाथेभ्योनन्दादिभ्यश्चुकोपसः २ ॥ रागबिलावल ॥
इन्द्रदेखिगोबर्द्धनपूजा । कियोक्रोधमोसमकोदूजा
२५ ॥ रागसारंग ॥ ब्रजबासिनमोकोबिसरायो । भली
करीमेरीबलिजोकछुसोसबलैपर्बतहिचढ़ायो । मोसों
गर्बकियोलघुप्रतिमानाजानियेकहामनआयो । त्रिदश
कोटिदेवनकोनायकजानिबूझिकैइननभुलायो । अब
गोपनभूतलनहिंराखोंमेरीबलिमोकोनचढ़ायो । सुनहु
सूरमेरेमारतधौंपर्बतकैसेहोतसहायो २६ ॥ रागबिला
वल ॥ सुरपतिक्रोधकियोअतिभारी । फरकतअधरनय
नरतनारी । भृत्यबुलायेदैदैगारी । मेघनल्यावहुतुर
तहँकारी। एककहतधायेसैचारी । अतिडरपेतनुकीसु
धिहारी । मेघबर्त्तजलबर्त्तबुलावहु । सैनासाजितुरतलै

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

आवहु। कापरक्रोधकियोअमरापति। महाप्रलयाजि यजानिडरेअति। मेघनसोंसबबातसुनाई। तुरतचलोबो लेसुरराई। सैनासहितबुलायेतुमको। रिसकरितुरतप ठायेहमको। बेगिचलहुकछुबिलमनलावहु। हमहिंक ह्योअबहींलैआवहु। मेघबर्त्तसबसैनबुलाये। महाप्रल यकेजेसबआये। कछुहर्षेकछुमनहिंसकाने। प्रलयआ यकीहमाहिंभुलाने। मेघबर्त्तजलबर्त्तबारिवर्त्त। अनिल वर्त्तनलबर्त्तबज्रवर्त्त। बोलतचलेआपनीबानी। प्रभुस न्मुखसबपहुँचेआनी। गरजितराजिघहरातहिआये। सुरदेवहिकहँमाथनवाये २७॥ चौ०॥ मेघनसोंबोलेसु रराई। अहिरनमोसोंकरीढिठाई २८ यहीकाजतुम कोहँकराये। भलीकरीसैनालैआये २९ गायगोपब्रज सबैबहावहु। पहिलेपर्बतखोदिढहावहु ३० जबयहसु नीइन्द्रकीबानी। मेघनकेमनधीरजआनी ३१ सूरदा सयहसुनिघनतमके। कापरक्रोधकरतप्रभुयमके ३२॥ रागबिलावल॥ रिसलायकतापरारिसकीजे। जेहिरिसते प्रभुदेहीछीजे। तुमप्रभुहमसेसेवकजाके। ऐसोकौन रहैतुमताके। क्षणहीमेंब्रजधोयबहावैं। डूंगरकोनहिं नामबचावैं। आपुक्षमाकरियेदिविराई। हमकरिहैंउन कीपहुनाई। यहसुनिकेहर्षितचितकीन्हो। आदरस हितपानफिरिदीन्हो। प्रथमहिदेहुपहाड़बहाई। मेरीब्र लिउनहींसबखाई। सुरइन्द्रमेघनिसमुझावत। हर्षि चलेघनआदरपावत ३३॥ पुनः॥ आयसुपायबलाह कधाये। अपनीसैनासबनबुलाये। कह्योसबनब्रजऊप

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

रधावहु। घटाघोरकरिगगनछिपावहु। मेघबर्त्तजलब्रर्त्त केआगे।औरमेघसबपाछेलागे। गरजिउठेब्रजऊपरजाई। शब्दकियोआघातसुनाई। ब्रजकेलोगडरेअतिभारी। आजुघटादेखियतहैकारी। देखतदेखतअतिअधिकायो। नेकहिमेंरबिगगनछिपायो। ऐसेमेघकबहुँनहिंदेखे। अतिकारेकाजरअवरेखे। सुनहुसूरयहमेघडरावन। ब्रजबासीसिबकहतभयावन ३४ ॥ चौ० ॥ गरजिगरजिब्रजघेरतआवें। तड़पितड़पिचपलाचमकावें ३५ दरदरातघहरातप्रलयअति। गोपीग्वालभयेऔरेगति ३६ सूरश्यामगिरिकरिपुजाय। तातेसुरपतिचढ्योरिसाय ३७ ॥ रागबिलावल ॥ मेघबर्त्तमेघनसमुझावत। बारबारगिरितनहिंबतावत। पर्वतपरबर्षहुतुमजाई। यहीकह्योहमसोंसुरराई। ऐसेदेहुपहाड़बहाई। नाउँरहैनहिंठौरजनाई। ताकोफलपावैंगिरिराई। जेंवतकाल्हिअधिकरुचिपाई। सलिलदेहुजोतृषाबुझाई। खायोहैबहुपेटअघाई। दिनाचारिरहतजगऊपर। अबनरहनपावैंगेभूपर। सूरमेघसुरपतिहिपठाये। ब्रजकेलोगनतुमहिंबिहाये ३८ ॥ दो० ॥ उमड़िघुमड़िघनरायघनपरनलगेजलजोर। टेरतसुतकोमातुपितुब्रजगलबलचहुँओर ३९ ॥ सो० ॥ ब्रजजनसकलबिहालबिललानेजिततितफिरत। श्यामकरतयहख्यालदेखिदेखिमनमेंहँसत ४० ॥ रागगौरी ॥ तड़पतनभडरपतसबलोग। सुरपतिकीपूजाबिसराईलैदीन्ह्योपर्बतकोभोग। नन्दसुवनयहबुधिउपजाईकौनदेवकह्योपर्बत

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

योग । सूरदासगिरिबड़ोदेवताप्रकटहोहिंऐसेसंयोग ४१ ॥ दो० ॥ देखिदेखिब्रजकीदशानन्दमहरिपछितात । कियोनिरादरइन्द्रकोमनमेंबहुतडरात ४२॥ सो० ॥ श्यामरामदोउभायलियेनिकटशोचतिमहरि । जुरेगोपतहँआयमनहींमनमुसक्यातहरि ४३ ॥ चौ० ॥ कहतश्यामसोंसबब्रजवासी । सुनहुश्यामसुन्दरसुखरासी ४४॥ श्लोकःश्रीभागवते॥ कृष्णकृष्णमहाभागत्वन्नाथंगोकुलंप्रभो। त्रातुमर्हसिदेवान्नःकुपिताद्भक्तवत्सल १ ॥ रागगोंडमलार ॥ शरणराखिलेनँदतात । घटाआईगरजियुवतिगईंलरजिबीजचमकततरजिडरतगात। और कोऊनहींतुमधनीजहांतहांबिकलह्वैकैकहीतुमहिंनात । सूरप्रभुसुनिहँसतप्रीतिउरमेंबसत इन्द्रकोकसतहरिजगतधात ४५ ॥ दो० ॥ जबजबगाढ़परीहमैंतबतुमकियोउबार । यहिअवसरअबराखियेमोहननन्दकुमार ४६ ॥ सो० ॥ ब्रजजनकेसुखदानदेखिबिकलब्रजलोगसब । हँसिबोलेतबकानधरहुधीरउरडरहुमति ४७ ॥ चौ० ॥ बिकलदेखिगोकुलकेबासी। दरशदियोसबकोअबिनासी ४८ अबिनाशीकोदरशनपायो । तबसबमनपरतीतिबढ़ायो ४९ तबहँसिबोलेकृष्णमुरारी। गिरिकरधरिराखोंनरनारी ५० सूरश्यामचितयोगिरिवरतन। बिकलदेखिगोगोसुतब्रजजन ५१ ॥ श्लोकःश्रीभागवते॥ इत्युक्त्वैकेनहस्तेनकृत्वागोवर्द्धनाचलम्। दधारलीलयाकृष्णश्छत्राकमिवबालकः १ ॥ रागगौरी ॥ श्यामलियोगिरिराजउठाय । धीरधीरहरिकहतसबनिसोंगिरिगोवर्द्ध

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

नकियोसहाय। नंदगोपग्वालनिकेआगेदेवकह्योयश प्रकटसुनाय। काहेकोब्याकुलभयोडोलतरक्षाकरयोदेवताआय। सत्यबचनगिरिदेवकहतहैंकान्हमोहिंकरलेहिंबनाय। सूरदासनारीनरब्रजकेकहतधन्यतुमकुँवरकन्हाय ५२ ॥ चौ० ॥ आनँदकरतसबैगिरिवरतर। ऊपरसलिलधारमेघवाबर ५३ ॥ दो० ॥ बारबारचपलाचमकिचकचौंधनिचहुंओर। अररअररआकाशतेजलडारतघनघोर ५४ ॥ सो० ॥ हरिजनकोसुखदायगिरिकीन्होबिस्तारअति। सबब्रजलियोबचायबूँदनआवतभूमिपर ५५ ॥ रागमलार ॥ नीकेधरौनन्दनंदनबलबीर। गिरिजनिपरैटरैजननिनखतेकोनसहैगोपीर। चहुंदिशिपवनझकोरतघोरतमेघघटागम्भीर। वनैवनैबरषतगिरिऊपरधारअखंडितनीर। अन्धधुन्धअम्बरतेगिरिवरपरतब्रजहिकेतीर। चमकिचमकिचपलाचकचौंधतिश्यामकहतमनधीर। करजोरतकुलदेवमनावतब्रजकेलोगअहीर। पयपकवानविहानपूजिहैंलैदधिमधुघृतक्षीर। गोपीग्वालगायगोसुतसबरहसुखसहितशरीर। सूरश्यामगिरिधरयोबामकरमेघभयेअतिभीर ५६ ॥ चौ० ॥ दाबतिभुजायशोमतिमैया। बारबारमुखलेतिबलैया ५७ लखिपहाड़मनअतिदुखपावै। पुनिपुनिगोवर्द्धनाहिंमनावै ५८ नाथआपनोभारसँभारी। करियोकान्हाकीरखवारी ५९ पयपकवानमिठाईमेवा। बहुरिपूजिहौंतुमकोदेवा ६० ॥ दो० ॥ माखनप्रभुकेकारनेजायवारनेमाय। ताकेमनकीकल्प

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

नाकोहिबिधिबरणोजाय ६१ ॥ चौ० ॥ मातपिताको देखिदुखारी । तबइकबुद्धिरचीबनवारी ६२ बोलि लियेसबग्वालकन्हाई । कहितुमहूंसबकरहुसहाई ६३ लैलैलकुटराखिगिरिलेहू । मतिराखौमनभयसंदेहू ६४ दो० ॥ यहसुनिजहँतहँगोपसबरहेलकुटगिरिलाय । कहतश्यामतबनन्दसोंभलोलियोउचकाय ६५ ॥ सो० ॥ ठाढ़ेढिगबलरामदेखिदेखिलीलाहँसत । कौतुकनिधि सुखधामकरतचरितसंतनसुखद ६६ ॥ चौ० ॥ श्रीवृष भानुसुतातहँआई । कुँवरकान्हकेअतिमनभाई ६७ गौर अंगसुन्दरसुकुमारी । ललितासोंमृदुबचनउचारी ६८ ॥ रागमलार ॥ देखोमाईबादरकीबरियाई । मदनगोपालधरो करगिरिवरइन्द्रढीठझरलाई । जाकेराजसदासुखकीन्हो ताकोसबनबड़ाई । सेवककरैस्वामिसोंसरबरिइनबातन पतिजाई । इन्द्रढीठबलिखातहमारीदेखेअखिलगवांई । सूरदासतिनकोकाकोडरजेहिबनसिंहकन्हाई ६९ ॥ चौ० ॥ सुनतबोलहँसिउठमुरारी । तबहींडोलिगयोगिरिभारी ७० चतुरग्वालियहलखिभयपाई । गाहिराधेहिकीरीति पहँलाई ७१ कीरतिराधेकोगहिलीन्हो । ढिगतेकहूंजा ननहिंदीन्हो ७२ ॥ रागमलार ॥ बरषतमेघबर्त्तधरणीपर । मूसलधारसलिलबरषतहैबूँदनआवतभूपर । चपला चमकिचमकिचकचौंधतिकरतशब्दआघात । अंधा धुंधपवनबर्त्तकघनकरतफिरतउतपात । निशिसमगग नभयोआच्छादितबरषिबराषिझरबुन्द । ब्रजबासीसुख चैनकरतकरगिरिवरधरगोबिन्द । मेघबरषिजलसबैब्र

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

ढ़ानेदिविगुणगयेसिराय । वैसेइगिरिवैसेइब्रजबासी दूनोंहर्षबढ़ाय। सातदिवसजलबरषिनिशादिनब्रजघर घरश्रानन्द । सूरदासब्रजराखिलियोधरिगिरिवरकर नँदनन्द ७३॥ चौ० ॥ सातदिवसबीतेयहिभांती । बरषतजलजलधरदिनराती ७४ कोपिकोपिडारतजल धारा । मिटीनब्रजकीनेकलगारा ७५ जरतजलदजल बीचहिश्रम्बर । वैसेइब्रजवैसेइब्रजसुन्दर ७६ भयेज लदजलतेसबरीते । रह्योएकगुणद्वैगुणबीते ७७ ॥ रागमलार ॥मघवनिहारिमानिमुखफेरो । नीकोघोषबड़ो गोबर्द्धनजबनीकोब्रजहेरो । नीकीगायबच्छसबनीकेनी केबालगोपाल । नीकेबनवैसीयेयमुनामनमनभयेबिहा ल । गोकुलब्रजवृन्दाबनसारगनेकनहींजलधार । सूर दासप्रभुश्रगणितमहिमाकहाभयोजलसार ७८ ॥ चौ० ॥ श्रतिभयतनकीदशाभुलाने । गयेइन्द्रपहँसबै खिसाने ७९ कहतमेघसुरपतिकेपाहीं । सुनहुदेवहम कहतडराहीं ८०॥ दो० ॥ सातदिवसपरलयसलिलहम बरषेब्रजजाय । ब्रजबासिनभायेनहींनिदरयोहमेंबनाय ८१ ॥ सो० ॥ निघटगयोसबबारिसकबूँदपहुँचोनघर । यहश्रचरजश्रतिभारिकहतलगतलज्जाहमें ८२ ॥ चौ० ॥ यहसुनिचकितभयोसुरराई । पुनिपुनिबूझतमे घबुलाई ८३ सुरपतिमनयहकरतविचारा । परबतमें कोउहैश्रवतारा ८४ तबसुरेशसबदेवबुलाये । श्राज्ञा सुनततुरतसबश्राये ८५ ॥ रागगौरी ॥ श्रमरराजसब श्रमरबुलाये । श्राज्ञासुनतसकलघरघरतेश्रायगयेक

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

छुबिलमनलाये । कौनकाजसुरराजबुलायेहमकोआय सुहोय । देखहुमेघबर्त्तकनिकीगतिब्रजतेआयेरोय । गो बर्द्धनकीकरीपुजाईमोहिंडारयोबिसराय । मेघबर्त्तजल बर्त्तपठायेआवहुब्रजहिबहाय । धारअखण्डितबरषि सातदिनब्रजपहुँच्योनहिंबुन्द । सुरनकहींगोकुलप्रकटे हैंपूरणब्रह्ममुकुन्द । मोसोंक्योंनकह्योतुमतबहींगोकुलहैं ब्रजराज । सूरदासप्रभुकृपाकरहिंगेशरणचलौदिविरा ज ८६ ॥ दो० ॥ तुमजानतजबभूमिप्रभुदुखितपुका रयोजाय । कह्योलेनअवतारतबसोइबिहरतब्रजआय ८७॥ सो० ॥ कह्योइन्द्रपछितायमैंभूल्योंजान्योंनहीं । कीन्हीबहुतढिठायभयकरिमनब्याकुलभयो ८८ ॥ चौ० ॥ यहांगोपआकाशविलोकी । भयेमगननिशिगत जिमिकोकी ८९ पुनिपुनिबिनवहिंश्रीगिरिधरको । कह तधरणिथापहुगिरिवरको ९० ॥ श्लोकःश्रीभागवते ॥ भगवानपितंशैलंस्वस्थानेपूर्ववत्प्रभुः । पश्यतांसर्व भूतानांस्थापयामासलीलया १ ॥ रागसोरठ ॥ जब करतेगिरिधरयोउतारि । श्यामकह्योबहुरोगिरिपूजहु ब्रजजनइनसबलियोउबारि । यहसुनतहिमनहर्षबढ़ा योकियेपकवानसवाँरि । बहुमिष्टान्नबहुतबिधिभोजनब हुव्यंजनअनुहारि । परुसिधरयोगोबर्द्धनआगेजेंवतअ तिरुचिभारि । सूरश्यामगिरिधरवरमांगतिरबिसोंगोप कुमारि ९१ ॥ रागनट ॥ करतेधरयोधरणीधरणि । दे खिब्रजजनथकितह्वैरहेरूपरतिपतिहरणि । लेतबेरनध रतजान्योकहतब्रजनरघरणि । तनुललितभुजअतिहि
CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

कोमलकियोअतिबलकरणि। मोरमुकुटबिशालललोच
नश्रवणकुंडलबरणि। नवजलदसुरचापकीछबियुगल
खंजनितरणि। बरषनिझरेमेघपायकबहुतकीन्होअर
णि। सूरसुरपतिहारिमान्योपरयोतबहरिचरणि ९२॥
श्लोकःभागवते॥ शंखदुंदुभयोनेदुर्दिविदेवप्रणोदिताः।
जगुर्गंधर्वपतयस्तुंबुरुप्रमुखानृप १॥ रागकान्हरा॥ घ
रघरतेब्रजयुवतीआवति। दधिअक्षतरोचनधरिथारनि
हर्षिश्यामशिरतिलकबनावति। बारबारनिरखतिछबि
अँगअँगश्यामरूपउरमाहिंदुरावति। नन्दसुवनकरध
रयोबामकरयहकहिकैमनहर्षबढ़ावति। जेहिपूजतसब
जन्मगवांयोसोकैसेहुपगछुवनननपावति। सूरश्यामगि
रिधरणमांगिवरकरजोरतकहिबिधिहिमनावति ९३॥
चौ०॥ कहतगोपसबआपसमाहीं। इनसमऔरजगत
कोउनाहीं ९४॥ पुनःश्रीभागवते॥ षड्विंशेविस्मितान्गो
पान्कृष्णस्याद्भुतकर्मभिः। नन्दोगर्गोक्तिमाश्राव्यत
दैश्वर्यमवर्णयत् १॥ रागसोरठ॥ जहांतहांतुमहमहिंउबा
रो। ग्वालसखासबकहतश्यामसोंधनियशुमतिअवता
रो। तृणावर्त्तब्रजपरचढ़िआयोलागोदेनउड़ाय। अति
शिशुतामेंताहिसँहारोगिरोशिलापरआय। फलजनाव
बालकसँगखेलतकेशीआयोसाथ। वाहिमारितुमहम
हिंउबारोऐसेत्रिभुवननाथ। कागासुरशकटासुरमारयो
पयपीवतदनुनारि। अघाउदरतेहमहिंउबारयोबकाब
दनधरिफारि। कालीदहजलअँचैगयेमरितबतुमलियो
जिवाय।सूरश्याममुरपतितेराख्योदेतोसबनिबहाय९५

दो० ॥ हमतुमकोजानैंनहींहौतुमत्रिभुवनराय । ब्रजबा
सिनसुखदेनकोप्रकटेब्रजमेंआय ९६ ॥ सो० ॥ तुमक
रिलेतसहायपरतजहांसंकटबिकट । लीन्होहमैंबचाय
बिषतेजलतेअनलते ९७॥ श्लोकः श्रीभागवते श्रीशुकउवाच॥
गोवर्द्धनेधृतेशैलेआसाराद्रक्षितेब्रजे । गोलोकादाब्रज
त्कृष्णंसुरभिःशक्रएवच १ ॥ राग कान्हरा ॥ सुरगणस
हितइन्द्रब्रजआवत । धौलबरणऐरावतदेख्योउतरि
गगनतेधरणिधसावत । अमराशिवरबिशाशिचतुरान
नहयगयबसहहंसमृगयावत । धर्मराजबनराजअनल
दिविशारदनारदशिवसुतभावत । मेढामढीमगरगुड़रा
शेमोरआखुमनबाहनगावत । ब्रजकेलोगदेखिडरपेमन
हरिआगेकहिकहिजुसुनावत । सातदिवसजलबरषिब
ढानोआवतचल्योबज्रअनावत । घोराकरतजहांतहँठा
ढेब्रजबासिनकोनाहिंबचावत । दूरिहितेबाहनतेउत
र्योदेवनसहितचलेब्रजआवत । आयपर्योचरणनित
रआतुरसूरदासप्रभुशीशउठावत ९८ ॥ चौ० ॥ धाय
पर्योचरणनिपरजाई । कृपासिंधुराखोशरणाई ९९
शरणशरणपुनिपुनिकहिबानी । धोयोचरणनयनकेपा
नी १६०० मैंअपराधकियोअनजानी । क्षमाकरहुप्रभु
जनसुखदानी १ ॥ श्लोकः श्रीभागवते ॥ नमस्तुभ्यंभगव
तेपुरुषायमहात्मने । वासुदेवायकृष्णायसात्वतांपतयेन
मः १ ॥ दो० ॥ ब्याकुलदेखिसुरेशअतिदीनबन्धुयदुरा
य । अभयकियोकरमाथधरिभुजगहिलियोउठाय २ ॥
सो० ॥ लीन्ह्योहृदयलगायदेखिदीनताइन्द्रकी । शिरन

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

हिंसकतउठायबारबारपरशतचरण ३॥ श्लोकः श्रीभागवते। सुरभिरुवाच ॥ कृष्णकृष्णमहायोगिन्विश्वात्मन्विश्वसंभव। भवतालोकनाथेनसनाथावयमच्युत १॥ सूरसागरे रागनट ॥ सुरगणकरतअस्तुतिसुखनि। दरशतेतनतापखोयेमिटेअघकेदुखनि। अंगपुलकितरोमगद्गदकहतबाणीमुखनि। बामभुजकरटेकिराख्योकरजलघुकेनखनि। प्रेमकेवशतुमहिंकीन्होग्वालबालकसखनि। योगिजनवनतपतजपकरिनहींपावतमखनि। धन्यनँदधनिमातुयशुमतिचलतजाकेरुखनि। सूरप्रभुमहिमाअगोचरजातकापैबरनि ४॥ चौ०॥ कहतइन्द्रसोंकुँवरकन्हाई। तुमकतसकुचतहौसुरराई ५ भलीकरीब्रजबरषेपानी। हमकछुतुमतेरिसनहिंमानी ६ अबअपनेमनशोचमिटाई। देवनसहितकरोसुखजाई ७॥ दो०॥ प्रभुहिदेखिअनुकूलमनधीरकियोसुरराय। मिटीत्रासउरतेतऊबारबारपछितायं ८ जान्योंप्रभुअवतारनहिंमैंभूल्योंसंसारि। तुमगतिअगमअगाधहरिराखहुशरणमुरारि ९॥ चौ०॥ यहसुनिकह्योश्यामसुखदानी। सुरपतितुमअजहूंभयमानी १० सुनिहरिबचनदेवगणहरषे। अस्तुतिकरिकुसुमांजलिबरषे ११ शिवविरंचिचतुराननदारद। गौरीसुतदोऊसँगशारद १२ रविशशिवरुणअनलयमराजा। आजुभयेसबपूरणकाजा १३ अशरणशरणसदातुमबानो। यहलीलाप्रभुतुमहींजानो १४ धनिब्रजगोकुलधनिवृन्दावन। धनियमुनाधनिलताकुंजघन १५ धन्यनन्दधनिजननियशोदा। बाल

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

केलिहरिकेरसमोदा १६ अस्तुतिसुनिहरिहर्षबढ़ायो । साधुसाधुकहिसुरनिसुनायो १७ तुमहिंजायजबमोहिं जगायो । तुम्हरेहिकाजदेहधरिआयो १८ तुमराखोंअसुरनसंहारों । तनुधरिधरणीभारउतारों १९ आवतजात बहुतश्रमपायो । जाहुभवनकरिकृपापठायो २० कर शिरधरिधरिचलेदेवगन । पहुंचेअमरलोकआनंदमन २१ यहलीलासुरघरनिसुनाई । गाइउठींसुरनारिबधाई २२ अमरलोकआनंदभयेसब । हर्षसहितसुरपति आयेजब २३ सूरदाससुरपतिअतिहरष्यो। जयजयधुनि सुमनानिब्रजबरष्यो २४ ॥ दो० ॥ आयेसुरपतिजीति हरिगिरिधरनन्दकुमार । घरघरब्रजआनन्दसबगावत मंगलचार २५ ॥ सो० ॥ ब्रजमंगलब्रजमोदब्रजआभूषणगिरिधरण । नितनवकरतविनोदब्रजबासीब्रजदा सहित २६ ॥ नन्दएकादशीबरुणलीलाकोप्रस्ताव । श्लोकः श्री भागवते ॥ अष्टाविंशेततोनन्दानयनंवरुणालयात् । वैकुंठदर्शनंचाथगोपानामनुवर्ण्यते १ ॥ चौ० ॥ इन्द्रहिं जीतिश्यामघरआये । ब्रजघरघरआनन्दबधाये २७ तादिनदशमीभईसुहाई । कार्त्तिकशुक्लइकादशिआई २८ ॥ श्लोकः श्रीभागवते ॥ एकादश्यांनिराहारःसमभ्यर्च्यजनार्दनम् । स्नातुंनन्दस्तुकालिंद्याद्वादश्यांजलमाविशत् १ ॥ चौ० ॥ अचमनलेननिहुरनँदपानी । बरुणदूतजलबाजतजानी २९ नन्दबांधिलेगयेपतालहिं। बरुणपासलायेततकालहिं ३० ॥ दो० ॥ भयोबरुण अतिहर्षितपुनिपुनिपुलकितगात । नन्दहिलायेभृत्य

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

ममभलीभईयहबात ३१ ॥ सो० ॥ जाहिधरतमुनिध्या
ननिगमनेतिजेहिगावहीं । सोप्रभुकृपानिधानऐहैंधनि
धनिभाग्यमम ३२ ॥ चौ० ॥ भीतरलैराखेनँदनीके। अं
तःपुरमहलनिशानीके ३३ रानीसबननन्दकोदेख्यो ।
जन्मसुफलअपनोकरिलेख्यो ३४ चितवतपंथबरुणम
नलाये। करुणामयअबआवतधाये ३५ महरिकहीतब
सबग्वालनको। बड़ीबारभइनन्दमहरको ३६ खबरिले
नतबग्वालपठाये। यमुनातटनहिंनन्दहिपाये ३७ झा
रीधोतीतटपरदेखी । भयेशोचसबग्वालविशेखी ३८
इतउतखोजिग्वालफिरिआये। कहतमहरिसोंनन्दनपा
ये ३९ सुनतमहरिमुखगयोझुराई। कहतिकिधौंजलच
रधरिखाई ४० ॥ दो० ॥ अतिब्याकुलयशुमतिभईरो
यउठीअकुलाय। सुनिधायेब्रजलोगसबनन्दहिखोजत
धाय ४१ ॥ सो० यमुनातटनँदगांवनंदनंदटेरतसबै ।
ढूंढ़िफिरेसबठांवभयेबिकलब्रजलोगसब ४२ ॥ रागबि
लावल ॥ बनबनढूंढ़तगांवमँझारे। नँदनन्दनकहिलोग
पुकारे। खेलततेहरिहलधरआये। रोवतमातुदेखिदुख
पाये। कतरोवतिहैयशुदामैया । बूझतजननीसोंदोउ
भैया। बिलखियशोमतिवचनसुनाये । यमुनातटकहुं
नन्दहेराये। कहतश्यामजनिरोवैमाता। अबहींआवत
हैंनँदताता। मोतेकहिगयेअबहींआवन । रोवैजनिमैं
जातबुलावन । प्रभुसर्वज्ञसकलकेस्वामी । जलथल
ब्यापकअन्तरयामी। जानेनन्दबरुणकेधामा । बरुण
प्रीतिपुनिलखिघनश्यामा। मोंदरशनलगिनँदकोराखे।

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

सूरश्यामश्रीमुखसोंभाखे ४३ ॥ चौ० ॥ बरुणलोकतब
हींप्रभुआये। सुनतबरुणआतुरह्वैधाये ४४ धन्यभाग
मेरेबड़आजू। चरणकमलदरशनशुभकाजू ४५ रतन
जटितासिंहासनधारयो। तेहिपरकृष्णहिंलैबैठारयो ४६
अपनेकरप्रभुचरणपखारे। जेकमलाउरतेनहिंटारे ४७
दो० ॥ धूपदीपनैवेद्यकरिप्रभुपरपुष्पचढ़ाय। करीआर
तीप्रेमसोंघंटाशंखबजाय ४८ ॥ सो० ॥ प्रभुपदनायो
माथकरिप्रदक्षिणादंडवत। तुमत्रिभुवनकेनाथजोरिपा
णिअस्तुतिकरत ४९ ॥ चौ० ॥ धन्यनन्दधनिजननिय
शोदा। धनिधनितुमाहिंखिलावतगोदा ५० धनिब्रज
धनिगोकुलकीनारी। पूरणब्रह्मजहांबपुधारी ५१ शेष
सहसमुखबरणिनजाई। बरणतनिगमथाहनहिंपाई ५२
सो० ॥ मैंकीन्होअपराधसोप्रभुउरनाहिंलाइये। तुमहो
सिंधुअगाधक्षमाकरहुनिजजानिजन ५३ ॥ चौ० ॥ ज
लरक्षकजेदूतकृपाला। तेलैआयेनन्दपताला ५४ देखि
नाथशुभदरशतुम्हारा। मैंमान्योंउनकरउपकारा ५५ अ
बप्रभुहमसबशरणतुम्हारी। राखिलेहुश्रीगिरिवरधारी
५६ ॥ दो० ॥ करिअस्तुतिरानिनसहितपुनिपुनिधारिपद
शीश। लैप्रभुकोनँदरायढिगतबहींगयोजलीश ५७ सो०
हर्षिउठेनँदरायदेखिश्यामकोशशिबदन। लखिप्रभुकी
प्रभुतायरहेमुदितचक्रितचिते ५८ ॥ रागबिलावल ॥ जाय
नन्दकोकरगहिलीन्हो। चलहुतातब्रजकहिहँसिदीन्हो।
करयोप्रणामबरुणसुखपाये। नन्दसहिततहँरिब्रजघरआ
ये। बूझतनन्दहिगोपसयाने। कितहिगयेतुमहमनहिंजा

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

ने। नन्दमहरतबसबसोंभाख्यो। कालिहइकादशिब्रत
मैंराख्यो। आजद्वादशीथोरियजानी। रैनिअछतगयो
यमुनापानी। कटिलौंगयोंयमुनजलमाहीं। लैगयेबरुण
दूतगहिबाहीं ५९॥ दो॰ ॥ बरुणलोकतेजायमोहिंल्या
येहैंगोपाल। येप्रकटेब्रजआयकेउत्तमपुरुषाबिशाल
६०॥ सो॰ ॥ महिमाकहीनजातकोटिभांतिबरणीबरु
ण। सांचकहतमैंबातइनकोनरमतिजानियो ६१॥
चौ॰ ॥ ब्रजनरनारिनसबहिंसुनाये। जेहिंबिधिबरुणलो
कतेआये ६२ नंदइकादशिबरणिसुनाई। सूरदासप्र
भुगोकुलराई ६३ ॥ रागकान्हरो ॥ नन्दाहिकहतियशो
दारानी। मोहिंबरजतानिशिगयेयमुनतटपैंठेजायअकेले
पानी। अबकीकुशलपरीपुण्यनितोद्विजनकरौकछुदान।
बोलिलेहुबाजनेबजावहिंदेहुमिठाईपान। गावतिमंग
लनारिबधाईबाजतनन्ददुवार। सुनहुसूरयहकहतिय
शोदानन्दबचेयाहिबार ६४॥ चौ॰ ॥ नन्दकहतयशुमतिसु
नुबोरी। तूअबकतहिंकरतमनभोरी ६५ कहीगर्गमु
निबाणीजोई। प्रकटतजातबातसबसोई ६६ ॥ दो॰ ॥
इनतेसमरथऔरनहिंयेहैंसबकेनाथ। ब्रजबासीआन
न्दसबपुनिपुनिपुलकितगात ६७॥ बैकुंठदर्शनलीला ॥
सो॰ ॥ धनिधनिब्रजनरनारकहतहमारेभागसब। हम
सबकरतबिहारश्रीबैकुंठनिवासहरि ६८ ॥ रागबिला
वल ॥ कहतपरस्परसबब्रजबासी। हरिहैंश्रीबैकुंठनिवा
सी। सोबैकुंठअहैधौंकैसो। जन्ममरणदुखजहांनहैसो।
जाकोवेदपुराणबखानैं। हरिजहँबसतसदासुखमानैं। जो

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

हरिहमाहिंदिखावैंसोई। तौबड़भागहोयँसबकोई। यहम
नसासबकेमनआई। जानिलईभक्तनसुखदाई। तबहिं
कृपाकरिसबब्रजलोका। दिव्यदृष्टिदैकियेबिशोका। पु
रबैकुंठअनूपबिशाला। देखतभूलिरहेसबग्वाला। चक्रि
तचितवतचित्तबिसारी। ब्रजबासीभक्तनसुखकारी
६९॥ दो०॥ कल्पवृक्षकेबागबनसुमनसुगन्धअपार।
खगमृगसबतेजोमयीदिब्यस्वरूपउदार ७०॥ सो०॥
मंदिरबरणिनजाहिंचिन्तामणिमयखचितसब। तैसेता
हिलखाहिंजैसीजाकीभावना ७१॥ ब्रजबिलासेरागबि
लावल॥सकलचतुर्भुजतहँकेबासी। शुद्धसतोगुणमयसु
खरासी। रमासहिततहँप्रभुसुखसीरा। शोभितनवज
लदामशरीरा। मणिनजटितशिरमुकुटबिराजें। भूषण
बसनअनूपमराजें। दिव्यपारषदचवँरढुरावें। नारद
तुम्बुरुगुणगणगावैं। चकितबिलोकतसबब्रजबाला।
जान्योप्रभुप्रभावतेहिकाला। चारिभुजातहँप्रभुहिनि
हारी। शंखचक्रगदअम्बुजधारी। द्विभुजकान्हकोरूप
नदेख्यो। मुरलीलकुटपाणिनहिंपेख्यो। नाहिंवेषनट
वरगोपाला। भयेबिरहबशतबसबग्वाला। कृष्णरूप
बिनुभयेउदासी। ब्रजवासीसोइरूपउपासी ७२॥
श्लोकः श्रीभागवते॥ नन्दादयस्तुतद्दृष्ट्वापरमानन्दनिर्वृ
ताः। कृष्णंचतत्रछंदोभिःस्तूयमानंसुविस्मिताः १॥
दो०॥ अकुलानेदृगसबनकेदेखनकोतेहिकाल। मोर
पंखधरगुंजधरमुरलीधरगोपाल ७३॥ सो०॥ ब्रज
बासिनकोध्यान नटवरबेषगोपालको। अमितरूप

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

भगवानतदपिउपासनरूपयह ७४ ॥ चौ० ॥ बिरह
बिबशहरिब्रजजनजाने । तबहींतुरतसकलब्रजआने
७५ कान्हदेखिसबभयेसुखारी । रहेचकितशशिबद
ननिहारी ७६ कहतसबैमनअचरजपाये । कहँगये
हमकैसेपुनिआये ७७ धन्यधन्यहमसबब्रजबासी ।
ब्रह्महमारेसंगबिलासी ७८ ॥ दो० ॥ श्रीबैकुण्ठदिखाय
कैमाखनप्रभुब्रजराय । निजमायाबिस्तारिकैदीन्हेगोप
भुलाय७९ करतचरित्रबिचित्रप्रभुब्रजबासिनकेमाहिं।
लखिलखिशिवब्रह्मादिसुरमुनिजनमनहिंसिहाहिं ८०॥
सो० ॥ अतिअनन्दब्रजलोगहरिकेनितनवचरितलखि।
सबकोसबसुखयोगब्रजबासीप्रभुनन्दसुत ८१ ॥ दान
लीला रागबिलावल ॥ भक्तनकेसुखदायकश्याम। इस्त्रीपुरु
षनहींकछुनाम । संकटमेंजिनजहांपुकारो । तहांप्रकटि
तिनकोउद्धारो । मुखभीतरजोसुमिरणकीन्हो । तिनको
दरशतहांहरिदीन्हो । दुखसुखमेंजोहरिकोध्यावें । तिन
कोनेकनहरिबिसरावें । चितदैभजैकौनहूंभाऊ। ताकोतै
सेइत्रिभुवनराऊ।कामातुरगोपिनहरिध्यायो।मनबचक्र
महरिसोंमनलायो । षटऋतुतपकीन्होतनुगारी । होहिं
हमारेपतिगिरिधारी । अन्तरयामीजानतसबकी । प्री
तिपुरातनशालीतबकी । बसनहरेगोपिनसुखदीन्हो।
सुखदैसबकोदुखहरिलीन्हो। युवतिनकेउरध्यानसदाई।
नेकुनअन्तरहोयँकन्हाई।घाटबाटयमुनातटरोकें। मारग
चलतजहांतहँटोकें । काहूकीगागरिधरिफोरें । काहूसों
हँसिभौंहसिकोरें । काहूकोअंकमभरिभेंटें । कामव्यथा

युवतिनकीमेटैं । ब्रह्माकीटआदिकेस्वामी । प्रभुहैंनि र्लोभीनिःकामी । भावबश्यसंगहिसँगडोलैं । खेलैंहँसैं तिनहिंसोंबोलैं । ब्रजयुवतीनहिंनेकबिसारैं । भवनकाजचितहरिसोंवारैं । गोरसलैंनिकरींब्रजबाला । तहांतिनहिंदेखेगोपाला । अँगअँगसजिशृँगारबरकामिनि । चलींमनहुँयूथनिजुरिदामिनि । कटिकिंकिणिनूपुरबिछिया धुनि । मनहुँमदनकेगजघंटासुनि । जातमाटमटुकीशिरधरिके । सुखमुखगानकरतगुणहरिके । चन्द्रबदनतन अतिसुकुमारी । अपनेमनसाकृष्णपियारी । देखिसबनरीझेबनवारी । तबमनमेंयकबुद्धिबिचारी । अब दधिदानरचौंयकलीला । युवतिनसंगकरौंयकक्रीला । सूरश्यामसँगसखनिबुलायो । यहलीलाकहिसुखउपजायो ८२॥सूरसागरेरागरामकली ॥नँदनन्दनइकबुद्धिउपाई । जेजेसखाप्रकृतिकेजानेतेसबालियेबुलाई ।सुबलसुदामा श्रीदामामिलिऔरमहरसुतआये ।जोकछुमंत्रहृदयहरि कीन्होग्वालनप्रकटसुनाये । ब्रजयुवतीनितप्रतिदधिबेंचनबनबनमथुराजाति । राधाचन्द्रावलिललितादिक बहुतरुणीइकभांति । कालिन्द्रीतटकाल्हिप्रातहींद्रुमचढ़िरहोलुकाई ।गोरसलैजबहींसबआवैंमारगरोंकहुजाई । भलीबुद्धियहरचीकन्हाईसखनिकह्योसुखपाई । सूरदास प्रभुप्रातहृदयहीसबमनगयेजनाई ८३ ॥ पुनः ॥ प्रात हिउठींगोपकुमारि । परस्परबोलतजहांतहँयहसुनीबनवारि । प्रथमहीउठिसखाआयेनन्दकेदरबार । आइये उठिकैकन्हाईकह्योबारम्बार । ग्वालटेरतिसुनतयशुदा

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

कुँवरदियोजगाय । रहेआपुनमौनसाधेउठेतबअकुला
य। मुकुटशिरकटिपीतअम्बरमुरलिलीन्हेहाथ। सूरप्र
भुकालिन्द्रितटगयेसखालीन्हेसाथ ८४॥ पुनः॥ भली
करीउठिप्रातहिंआये। मैंजानतसबग्वालिउठींजबतब
तुममोहिंबुलाये । अबआवतिक्वैहैंदधिलीन्हेघरघरते
ब्रजनारी । हँसेसबैकरतारीदैदैआनँदकौतुकभारी ।
प्रकृतिप्रकृतिकेजेसबराखेसंगीपांचहहजार । औरपठा
यदियेसूरजप्रभुजेजेअतिहिकुमार ८५ ॥ रागबिला
वल ॥ हँसतसखनसनकहतकन्हाई । जायचढ़ौतुमस
खनद्रुमनिपरजहँतहँरहौछिपाई। तबलौंबैठिरहौमुखमूं
देजबजानहुसबआई । कूदिपरोगेद्रुमनिद्रुमनितेदैदै
नन्ददुहाई । चकितहोहिंजैसेयुवतीगणडरनजाहिंअ
कुलाई। बेणुबिषाणमुरलिधुनिकीजैशंखशब्दघहनाई।
नितप्रतिजातिहमारेहिमारगयहकहियोसमुझाई। सूर
श्याममाखनदधिदानीयहसुधिनाहिंनपाई ८६॥ चौ०॥
ब्रजबनितालखिकैसुखपाऊं । तुमसोंनाहिंनकछूदुराऊ
८७ ॥ रागबिलावल ॥ ब्रजयुवतीमिलिकरतविचार ।
चलहुआजप्रातहिदधिबेंचननिततुमकरतिअबार। तु
रतचलौअबहींफिरिआवैंगोरसबेंचिसबार । माखनद
धिघृतसाजातिमटुकिनमथुराजानविचार। षटदशसहि
तश्रृँगारकरातिहैंअँगअँगानिरखिसवांरति । सूरदासप्र
भुप्रीतिसबनकेनेकुनहृदयाबिसारति ८८॥ रागधनाश्री॥
युवतिअंगशृंगारसवांरति। बेनीगूँथिमांगमोतिनकीशी
शफूलशिरधारति । गोरेभालबिंदुसेंदुरपरटीकाधरयो

जराव।बदनचन्द्रपररबिपरतारागगनउद्योतसुभाव।सुभगश्रवणतरिवनमणिभूषितयहउपमानहिंपार। मनहुंकामबिधिफांदबनायेकारणनंदकुमार।नासानथमुक्ताकीशोभारह्योअधरतटजाय। दाड़िमकणशुकलेतबन्योनहिंकनकफन्दरह्योआय। दमकतदशनअरुणअधरनितरचिबुकदिठौनाभ्राजत। दुलरीअरुतिलरीबंदनतरसुभगहमेलबिराजत। कुचकंचुकीहारमोतिनकोभुजनिबिजैंठासोहत। डारनिचुरीकरनिफुंदनाबनिकंजआशअलिजोहत। क्षुद्रघंटिकाकटिलहँगारँगतनुतनुसुखहैंसारी। सूरग्वालिदधिबेंचननिकसींपगनूपुरधुनिभारी ८९॥ रागनट॥ दधिबेंचनचलींब्रजनारि। शीशधरिधरिमाटमटुकीबढ़ीशोभाभारि। निकसिब्रजकेगईंग्वैंड़ेहर्षभईंसुकुमारि। चलींगावतिकृष्णकोगुणहृदयध्यानबिचारि। सबनिकेमनमेंमिलेंहरिकोउनकहतिउघारि। सूरप्रभुघटघटसुव्यापीजानिलइबनवारि ९०
रागजैतश्री॥ हरिदेखीयुवतीआवतिजब। सबनिकह्योतुमजायचढ़ौद्रुमबैठिरहोजहँतहँदुरिदुरिसब। चढ़ेसबैद्रुमडारग्वालगणसुनतश्याममुखबानी। धोखेहिधोखेरहेसबैहमश्यामभलेहींजानी। नवसतसाजिशृंगारयुवतिसबदधिमटुकीलियेआवत। सूरश्यामछबिदेखतरीझेमनमनहर्षबढ़ावत ९१॥ रागधनाश्री॥ सखाऔरसँगलियेकन्हाई। आपुननिकसिगयेआगेकोमारगरोंक्योजाई। यहिअन्तरयुवतीसबआईंबनलाग्योकछुभारी। पाछेयुवतिरहीतेहिटेरतिअबहींगइतूहारी। तरुणीजु

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

रिइकसंगभईसबइतउतचलींनिहारत । सूरदासप्रभु सखालियेसँगठाढ़ेयहैबिचारत ९२ ॥ रागगौरी ॥ ग्वालिनजबदेख्योनँदनन्दन । मोरमुकुटपीताम्बरकाछेखौरिकियेतनुचन्दन । तबयहकह्योकहांअबजैहौआगेकुँवरकन्हाई। यहसुनिमनआनंदबढ़ायोमुखकहैंबातडराई। कोउकोउकहतिचलौरीजैयेकोउकहैंफिरिघरजैये । कोउ कोउकहतिचलोरीआगेइनकोकहाडरैये । कोउकोउकहतिकाल्हिहीहमकोलूटिलईनँदलाल । सूरश्यामकेऐसेगुणहैंघराहिफिरींब्रजबाल ९३ ॥ रागसोरठ ॥ ग्वालनसैनदियोतबश्याम। कूदिकूदितुमपरहुद्रुमनितेजातचलींघरबाम । सैनजानिसबग्वालजहांतहँद्रुमद्रुमडारहलाये। बेणुबिषाणशंखमुरलीधुनिसबइकशब्दबजाये। चकितभईतरुतरुप्रतिदेखतडारनिडारनिग्वाल । कूदिकूदिसबपरेधरणिपरघेरलईब्रजबाल । नितप्रतिजातिदूधदधिबेंचनआजुपकरिहमपाई । सूरश्यामकोदानदेहुतबजैहौनंददुहाई ९४॥ सो० ॥ दधिलैजातिप्रभातआवतिहौनिशिबेंचिकै । दानमारिनितजातभलीकरतियहबातनाहिं ९५॥ चौ० ॥ ठाढ़ेयमुनातीरकन्हाई। जाहुचलीनिजदानचुकाई ९६ ॥ रागकान्हरो ॥ यहसुनिहँसींसकलब्रजनारी । आनिसुनहुरीबातएकनइसिखइहैमहतारी । दधिमाखनखैबेकोचाहतमांगिलेहुहमपास। सूधेबातकहोसुखपावैंबांधनकहतअकास । अबसमुझीहमबाततुम्हारीपढ़ेएकचटसार । सुनहुसूरयहबातकहोजानिजानतनन्दकुमार ९७ ॥ चौ० ॥ चोरी
CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

करिनाहिंपेटअघायो । अबबनमेंदधिदानलगायो ९८ प्रकटभयेतबकुँवरकन्हाई । देखिसबनबोलेमुसक्याई ९९ ॥ सो० ॥ हममांगतदधिदानतुमउलटीपुलटीकहत । करतनन्दकीआनबिनादियेनहिंजाइयो १७०० ॥ रागभैरव ॥ भोरहीतेकान्हकरतमोसोंझगरो । औरनिछांड़िपरेहठिहमसोंनितप्रतिकलहकरतगहिडगरो । बिनबोहनीतनकनहिंदैहौंऐसेहिछीनिलेहुकिनसगरो। सबकोउजातमधुपुरीबेंचनकौनदियोदिखरावहुकगरो । मुखचुंबतिहँसिकंठलगावति आपुहिकहहिनलालअचगरो । सूरसनेहग्वालिमनअटक्योछांड़िहुदियोपरतनहिंपगरो १॥ रागकान्हरो ॥ दानलेहौंसबअँगअंगनिको । अतिमदगलिततालफलतेगुरुद्दनयुगउरनिउतंगनिको । खंजनकंजमीनमृगशावकभँवरजवरभ्रुवभंगनिको । कुंदकलीबंधूकबिल्वफलबरताटंकतरंगनिको । कोकिलकीरकपोलकिशलताहाटकहंसफलंगनिको । सूरदासप्रभुहँसिबशकीन्होनायककोटिअनंगनिको २॥ रागपूर्बी॥ यौबनदानलेहुंगोतुमसों । जाकेबलतुमबदतनकाहुहिकहादुरावतिहमसों । ऐसेधनतुमलियेफिरतिहोदानदेतिसतराति । अतिहिगर्वतेकह्योनमोसोंदिनप्रतिआवतिजाति । कंचनकलशमहारसभारेहमहुंनतनकचखावहु । सूरसुनहुकतभारमरतिहौहमाहिंनमोलदिवावहु ३ गोपीप्रत्युत्तर । पुनः ॥ ऐसीजनिबोलौनंदकेलाला । छांड़िदेहुअँचरामेरोमोकोजानतऔरसिबाला। बारबारमैंतुमहिंकहतिहौंपरिहौबहुरिजंजाला। यौबनरूपदेखि

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

ललचानेअबहींतेयेख्याला । तरुणाईतनआवनदीजै कतजियहोतबिहाला। सूरश्यामउरतेकरटारहुटूटैगीमो तिनमाला४॥उत्तरगोपिनका।रागटोड़ी॥ अरीयहढीठकान्ह रबोलिनजानै, बरबसझगरोठानै । जोइभावतसोईक हिडारत । ऐसोनिधरकनाहिंकहुंदेख्योरूपयोबनअनु मानै। अंगअंगकोदानलेतनाहिंघरकोकोपहिंचानै। ह मदधिबेंचनजातिहैंमथुराको । मारगरोंकिरहतगहिअं चलकंसकीआननमानै । ऐसीबातसँभारिकहोजूहमतु मकोपहिंचानै। सूरश्यामजोहमसोंमांगत। सोपैहोकहुं औरत्रियनपैयहबातैंगँठिबानै ५ ॥ श्रीकृष्णउत्तर। पुनः॥ कहाकहततुमसोंमैंग्वारिन। दानदेहुघरजाहुचलीसब अतिकतहोतगवांरिन। कबहूंबातनहींघरखेवतकबहुं उठतैदगांरिन ।लीन्हेफिरतिरूपत्रिभुवनकोयेनोखीबन जांरिन। पेलाकरतिदेतिनहिंनीकेतुमहौबड़ीबंजारिन । सूरदासऐसेगथजाकेताकेबुद्धिपसारिन ६ ॥ गोपीउ० रागपूरियाकान्हरा ॥ कान्हअबनागरयोहैठानी। मांगत दानदहीकोअबलोंलैकछुऔरेठानी । औरनिसोंतुमक ह्यालह्योहैसोसबहमहिंदिखावहुआनी । मांगतहौदधि सोहमदैहैंकहाकहतयहबानी । छांड़िदेहुअँचराफटिजे हैतुमकोहमनीकेपहिंचानी । सूरश्यामतुमरतिपतिनाग रनागरिअतिहिसयानी ७ ॥ श्रीकृष्णउ०। रागकान्हरा ॥ लेहोंदानअंगअंगनिको । गोरेभाललालसेंदुरछबिमु क्ताबरशिरसुभगमांगको। नकबेसरिखुटिलातरवनको गरहमेलकुचयुगउतंगको।कंठशिरीदुलरीतिलरीउरमा

णिकमोतीहारबहुरँगको। बहुनगलगेजरावकिअँगिया भुजबाजूबँदबहुटनिको। दाननलेहौंतरुणीखीझतमन कहाकहुअंगअनंगनिको। जेहरिपगगाढ़ेजकरचोमा नोमन्दमन्दगतियहमतंगको। यौबनरूपअंगपाटम्बर सुनहुसूरसबयहप्रसंगको ८ ॥ गोपीऊचुः। चौ० ॥ यह सुनिसबग्वालिनिझहरानी। भयेकान्हतुमऐसेदानी ९ अंगअंगकोदानचुकावत। यौबनरूपहिदीठचलावत १० यहकहिचलींमटुकिशिरधरिकै। यशुमतिसोंअब कहिहैंचलिकै ११ तबहरिपीताम्बरपटकसिकै। धरयो धायआंचरपटहँसिकै १२ ॥ श्रीकृष्णउवाच। रागपूर्वी ॥ दधिमटुकीछीनलई। हारतोरिचोलीबँदतोरेयौवनके बलढीठभई। ज्योंहीज्योंहमसूधेबोलैंत्योंत्योंअतिसत रायगई। बादकरतिअबहींरोवहुगीबारबारहौंकहीद ई। मेरेकहेनमानतिसूधेतुम्हेरेमनकीजानलई। सूरसु नहुमैंकहतअजहुँलौंप्रीतिकरौजोभईसोभई १३ ॥ गोपीउत्तर। पुनः ॥ तुमकबसोंभयेहौजुदानी। दानीदा नीदानी। मटुकीफोरिहारगहितोरयोइनबातनपाहिंचा नी। नन्दमहारिकीकानिकरतिहौंनतुकरतीमहिमानी। भूलिगईसुधितादिनकीजबबांधेयशुदारानी। अबलौं सहीतुम्हारोढीठोतुमयहकहतडरानी। सूरश्यामकछु कहतनबनिहैनृपपावैंकछुजानी १४ ॥ रागबिलावल ॥ सुनहुश्यामअबहमचलींयशुमतिकेआगे। तौबादिहौं हमकोअबहिंतुमकोधरिलागे। इकइककारिबिथुराय कैमोतिनलरतोरयो। हँसिभेंटीकुचपराशिकैगहिअँग

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

झकझोरयो। चलींमहरिपैसुन्दरीउरहनलैहरिको। अ
बहींबोलिबँधाइयेलंगरयहलरिको। गईंनन्दयशुमति
सदनजहँबैठींभीतर। देखिमहरिकोकहिउठींसुतकी-
न्होईंतर। मारगचलननपाइयेरीहरिकेआगे। सूरदा
सप्रभुत्रासतेब्रजतजिहमभागे १५॥ दो०॥ सुनतग्वा
लिनीकेबचनबोलींयशुमतिमात। मैंजानीतुमसबनके
उरअंतरकीबात १६॥ सो०॥ आपफिरतइतरातक
हतश्यामईतरभये। उरनलायनखघातउरहनकोदौरी
फिरत १७॥ यशुदावाक्य। रागसूहो॥ मैंतुम्हरेमनकीस
बजानी। आपुसमेंइतरातिफिरतिहौदोषलगावतिश्याम
हिंआनी। मेरोहरिकहँदशहिबरषकोतुमसबहौयौवनउ
मगानी। लाजनहींआवतिइनलंगरिनकैसेधौंमुखआ
वैबानी। आपुहिहारतोरिचोलीबँदउरनखघातबनाय
निशानी। कहांश्यामकीतनकअँगुरियायहकहिबारबा
रपछितानी। देखहुजायऔरकाहूकोहरिपररहतिसबै
इड़रानी। सूरदासप्रभुमेरोनान्होतुमतरुणीडोलतिअँ
ठिलानी १८॥ गोपिनवाक्य॥ चौ०॥ तुमसुतकेकर्मननहिं
जानौ। हठकरिटेकआपनीठानौ १९॥ सो०॥ सुनौमह
रितुमबातहरिसिखिटोनाकछू। बनहिंतरुणकैजातबाल
कह्वैआवतघरै २०॥ यशुदावाक्य दो०॥ कहाकरौंतुमआय
सबकरतअटपटीबात। मोकोयहभावैनहींतरुणिनइहैसु
हात २१॥ सो०॥ मनआपनगुनिलेहुतुमतरुणीहरितरुण
नहिं। समुझउरहनोदेहुऐसीमोसोंमतिकहौ २२॥ चौ०॥
महरिबचनसुनिग्वालिनिसगरीं। निरउत्तरह्वैघरकोडग

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

रीं २३ यहयशुमतिगोपिनकोझगरो। कृष्णप्रेमरससा
गरसिगरो २४ कहतसुनतभक्तनसुखदाई। ब्रजबा
सीजनजीवनगाई २५ ब्रजघरघरसबहिनसुनिपायो।
मोहनदधिकोदानलगायो २६ सबगोपिनमिलिरुचि
उपजाई। जैयेदधिलैजहांकन्हाई २७ राधाचन्द्रावलि
मिलियूथा। ललितादिकनागरीबरूथा २८ ॥ दो०॥
गोरेमुखछबिसदननवनवयौबनब्रजनारि। लैलैदधि
निकसींसबैसुखमाबढ़ीअपारि २९ ॥ चौ०॥ बेंचनदही
चलींब्रजनारी। षटदशसहसगोपसुकुमारी ३० श्या
मसखनउतलियोबुलाई। सबसोंकहियहबातसुनाई ३१
आवतिहैंहैंअबब्रजभामिनि। घरघरतेदधिलैगजगा
मिनि ३२ यहसुनिसखाघेरिकैबाटा। बैठेठाटिठगन
केठाटा ३३ इहिअंतरआईब्रजनारी। देखतबनला
ग्योकछुभारी ३४ एकसंगजुरिभईतरुणितब। इतउ
तचकितचलींचितवतिसब ३५ सबकेमनकबमिलैंक-
न्हाई। होतनएकहिएकजनाई ३६ ॥ दो० ॥ हँसतप
ररुपरआपमेंचलीजायँसबभोर। पाइघातमेंसखनतब
घेरलईचहुंओर ३७ ॥ सो० ॥ देखिअचानकभीरच
कितरहींचहुंदिशिचितै। सहमींकछुकशरीरकिततेआ
येग्वालसब ३८ ॥ रागबिलावल ॥ तबहँसिग्वालन
दियोजनाई। मतिडरियोजियकान्हदुहाई। आवत
जातनभयकछुकीजै। दधिकोदानलगैसोदीजै। बोलीं
बिहँसितबहिंब्रजबाला। कहांतुम्हारेप्रभुनँदलाला।
दानबजारहाटमेंपावो। यहनिजकान्हहिजायसुनावो।

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

यहसुनिबिहँसिकह्योबनमाली। कहाबातयहकहतगुवाली। लेहौंछीनिदूधदधिमाखन। देखतहींरहिहौसबआंखन। आजहिदानपहारितुमआये। कहांछापकिनतुमहिंपठाये। मांगतछापकहादिखराऊं। काकोतुमकोनामबताऊं ३९ ॥ दो० ॥ लेखोकरिसबदिननकोदीजैदानजगात। चलीजाहुसुखसोंडगरफिरिनकहैकोउबात ४० गोपीवचन। सो० ॥ दीजैबनिजबतायताकीदेहिंजगातिहम। तुमकोनन्ददुहायजोअबबेगिकहौनहीं ४१ ॥ सूरसागरे रागबिलावल ॥ कहौकान्हकहगाथहैहमसों। जाकारणयुवतीसबअँटकींसोबूझतिहैंतुमसों। लौंगदाखनारियलसुपारीकहलादेहमआवैं। हींगमिरचपीपरिअजवाइनयेसबबनिजकहावैं। कूटकायफरसोंठिचिरैताकरजीराकहुंदेखत। आलमजीठलाखसेंदुरकहुंऐसीबुधिअवरेखत। बायबिड़ंगबहेराहड़कहुंबैलगोनबेपारी। सूरश्यामलरिकाईभूलीयौबनभयेमुरारी ४२ ॥ रागधनाश्री ॥ लेहौंदानइननिकोतुमसों। मत्तगयन्दहंसतुमसोंहैंकहादुरावतिमोसों। केहरिकनककलशअमृतकेकैसेदुरेदुरावति। बिद्रुमयहैबज्रकेकिनकासोनाहिंहमाहिंसुनावति। खगकपोतकोकीलकीरखंजनचंचलमृगयावत। मणिकंचनकेचक्रजुरेहैंएतेपरनाहिंमानत। शायकचापतुरैबानिजातिहौनितप्रतिआवहुजाहु। दानदियेबिनुजाननपैहौदीयहिहोतनिबाहु। यहबनिजतिवृषभानुसुतातुमहमसोंबैरबढ़ावति। सुनहुसूरएतेपैकहतिहैंहमधौंकहालदावति ४३ ॥ गोपीउत्तर। चौ० ॥ सुनियह

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

चकितकहतब्रजबाला। कहाबतावततुमनँदलाला ४४
तिनकोनामलेतहमपाहीं । जोहमसपनेदेखेनाहीं ४५
येसबहमपैकहाबतावो । जहांहोयँतहँदानचुकावो ४६
श्रीकृष्णउ०। चौ० ॥ इतनोसबैतुम्हारेपाहीं । करिबिचार
देखोमनमाहीं ४७ अपनेअपनेअंगनिहारो । यौबनरू
पऔरहैन्यारो ४८ ॥ रागबिलावल ॥ प्रकटकरौंसबतुम
हिंबताऊं। चिकुरचौंरघूंघटहैंबरबरभ्रुवशारंगदिखाऊं
बाणकटाक्षनयनखंजनमृगनासाशुकउसमाऊं। तरवन
चक्रअधरबिद्रुमछबिदशनबज्रकणठाऊं । ग्रीवकपोत
कोकिलाबाणीकुचघटकलकसमाऊं । यौबनमदरसअ
मृतभरेहैंरूपरंगझलकाऊं। अंगसुगंधबासपाटम्बरग
निगनितुमहिंसुनाऊं । कटिकेहरिगयंदगतिशोभाहंस
सहितइकताऊं। फेरकियेकैसेनिबहतिहौघरहिगयेकहँ
पाऊं । सुनहुसूरयहबनिजतुम्हारेफिरिफिरितुमहिंसुना
ऊं ४९ ॥ गोपीउ०। रागटोड़ी ॥ दधिकोदानमेटियहठा
न्यो । सुनहुश्यामअबचतुरभयेहोआजतुमाहिंहमजा
न्यो। जोकछुदूधदहीहमदेतींलैखातेमिलिग्वाल । सो
ऊखोयहाथसेबैठेहँसतिकहतिब्रजबाल। यहसुनिश्याम
सबनिकरतेदधिमटुकीलईछिड़ाय । आपुनखायसखन
कोदीन्होमनमेंहरषबढ़ाय । कछुखायोकछुभूढरकायो
चितैरहींब्रजनारी । सूरश्यामबनभीतरयुवतिनयेढंगक
रतमुरारी ५० ॥ रागरामकली ॥ प्यारीपीताम्बरउरझट
क्यो। हरितोरीमोतिनकीमालाकछुगरकछुकरलटक्यो।
ढीठ्योकरनश्यामतुमलागेजायगहीकटिफेंट। आपश्या

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

महिसकरिअंकमभरिभईप्रेमकीभेंट। युवतिनघेरिलि योहरिकोतबभरिभरिधरिअँकवारि। सखापरस्परदेख तठाढ़ेहँसतदेतोकिलकारि। हांकादियोकरिनंददुहाईआ यगयेसबग्वाल। सूरश्यामकोजानतिनाहींढीठभईहैंबा ल ५१॥ युगलप्रत्यु०। चौ०॥ रिसकरिबोलेग्वालस याने। भईढीठहरिकोनहिंजाने ५२ हमभईढीठभलोतु मकीन्हो। देहौंग्वाबदईकोचीन्हो ५३ बातकहनकोए हूआवत। बड़ेसुधर्माआपकहावत ५४ बनभीतररोंक तहौहमको। होतअबेरजानमथुराको ५५ तोरयोमुक्ता हारकन्हाई। घरहिकहाकहिहैंहमजाई ५६॥ ग्वालउ० रागनट॥ आपुनभईसबैअबभोरी। तुमउनकोपीतांब रफ्टक्योउनतुम्हरीमोतियनलरतोरी। मांगतदानग्वा बनहिंदेतीऐसीतुमयौबनकीजोरी। डरनहिंमानतिनन्द नँदनकोकरतिआनिइकझोराझोरी। यकतुमनारिगवाँ रिभलीहौत्रिभुवनमेंइनकीसरिकोरी। सूरसुनहुलेहैंछि नायसबसबहिफिरहुगीदोरीदोरी ५७॥ गोपीउ०। दो०॥ हमजानतिनीकेतुम्हैंलड़काईतेश्याम। काहेकोअपनेब दनकीजैबहुतबखान ५८॥ सो०॥ फिरतचरावतगाय कांधेकामरिकरलकुट। देखीहैठकुरायकतबढ़िबढ़िबातैं करत ५९॥ श्रीकृष्णउ०। रागबिलावल॥ यहकमरीकम रीकरिजानति। जाकीजितनीबुद्धिहृदयमेंसोइतितनोइ अनुमानति। याकमरीकेएकरोमपरवारोंचीरपटाम्बर। सोकमरीतुमनिन्दतिगोपीतीनिलोकआडम्बर। कमरी केबलअसुरसँहारेकमरिहितेसबभोग। जातिपांतिकम

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

रीसबमेरीसूरसबहियहयोग ६० ॥ चौ० ॥ जानहुकहा
हमैंतुमग्वारी। सदाछांछकीबेंचनहारी ६१ सुनहुकान्ह
हमतुमकोजाने। फरिकाखोलतफिरतबिराने ६२ वेढंग
छांड़िभयेअबदानी । यहैबातअबसबहिनजानी ६३
कृष्णउ०। रागगौरी ॥ दानदेतिकीझगरोकरिहौ। प्रथम
हिंयहजंजालमिटावहुतापाछेतुमहमहिंनिदरिहौ । कह
तकहानिदरेसेहौतुमसहजकहतिहमबात। आदिबुन्या
दिसबैहमजानतिकाहेकोसतरात । रिसकरिकरिमटुकी
शिरधरिधरिडगरिचलींसबग्वालिन । सूरश्यामअंच
लगहिभिटक्योजैहौकहांबँजारिन ६४ ॥ रागकल्याण ॥
अबतुमकोमैंजाननदेहौं । बहुतअचगरीकरीनन्दसुत
जोकछुगयोसोतुमपैलेहौं । गोरसखायबच्योसोढारयो
मटुकीडारीफोरी । दैदैगारिनारिझकझोरीचोलीकेबँद
तोरी। हँसतसखासबतारीदैदैबनमेंरोकीनारि । सुनत
लोगघरकेआवहिंगेसाकिहौनहींसँभारि। घरकेलोगनि
कहाबतावतिकंसहिआनिबुलाई । सूरसबैयुवतिनकेदे
खतपूजाकरौंबनाई ६५ ॥ गोपीउ०। रागगौरी ॥ जोतुम
हींहौसबकेराजा । तौबैठोसिंहासनचढ़िकैचमरछत्रशि
रभ्राजा। मोरमुकुटमुरलीपीताम्बरछोड़हुनटवरसाजा।
बेणुबिषाणशंखकतपूरतबाजैंनौबतिबाजा । यहजोकर
हिंहमहुंसुखपावहिंसंगकरैंसुखकाजा । सूरश्यामऐसी
बातैंसुनिहमकोआवतिलाजा ६६ ॥ कृष्णउ०। चौ० ॥
तुम्हरेचितरजधानीनीकी । सोममदासनलागतफीकी
६७ कंसमारिशिरछत्रधराऊं । कहातुच्छयहसाधपुरा

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

ऊं ६८ ब्रजमेंमेरोराजसदाई । औरयहांकाकीठकुराई ६९ प्रातहितेभ्रमगरतिबिनकाजै । दाननिबेरिजातिन हिंसाजै ७० ॥ गोपीउ० । दो० ॥ दानसुनेरिसहोतहैयह नहिंहमैंसुहाय । भलीबुरीअरुजोकह्योसोसहिलेहिंक न्हाय ७१ ॥ सो० ॥ छांड़िदेहुसबजाहिंसुनियेमोहनलाल अब । भईबेरबनमाहिंमातपिताखिझिहैंहमैं ७२ ॥ चौ० ॥ जोकछुबचोसोऊबरुलीजे । क्योंहूंजानहमाहिंघ रदीजै ७३ ॥ कृष्णउ० । सो० ॥ तुम्हैंदेहुंघरजानफेरिक हौपाऊंकहां । जोपैहौंनहिंदाननृपाहिज्वाबकहदेऊँगो ७४ गोपीउ० । चौ० ॥ कहहुश्यामनिजनृपकोनामा । जाकेब लरोंकतबनबामा ७५ ॥ कृष्णउ० । दो० ॥ जानृपकेहम हैंअरीकोनहिंजानतताहि । जड़चेतननरनारिसबतिहूं भुवनवशजाहि ७६ ॥ सो० ॥ बसतसुमनपुरमांहिकहँ लगितिन्हैंप्रशंसिये । सबमानतहैंजाहितिनपठयोमोहिं पानदै ७७ ॥ चौ० ॥ तिनकोनामअनंगभुवाला । उन कोदानदेहुब्रजबाला ७८ सुनियहमोहनकीमुखबानी । प्रेमासिन्धुयुवतीरससानी ७९ ॥ गोपीउ० । दो० ॥ तृषि तभईडरमदनकेनयनमूँदिधरिध्यान । कहतकान्हअब शरणहमलीजैसरबसदान ८० ॥ सो० ॥ ऐसेकहिमन माहिंदेहदशाभूलींसबै । लेहुश्यामबलिजाहिंयहधनतुम हितसंचयो ८१ ॥ रागजैतश्री ॥ अन्तरयामीजानलई । मनमोंमिलेसबनसुखदीन्होतबतनुकीकछुसुरतिभई । त बजानीमगमेंहमठाढ़ींतननिरख्योमनसकुचिगई । कह तिपरस्परआपुसमेंसबकाहरहींहमकाहरई । श्यामबि

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

नायेचरितकरैकोयहकहिकैतनुसौंपिदई । सूरदासप्रभु
अन्तरयामीगुप्तहियौबनदानलई ८२ ॥ कृष्णउ०।चौ०॥
बोलिउठेतबकुंजबिहारी । कहाठगीसीहौब्रजनारी ८३
दो० ॥ करयोदानलेखोकछूरहीजहांतहँशोच । प्रकटसु
नावोसोहमैंदेरिकरौसबमोच ८४ ॥ सो० ॥ बहुरिनरों
कैकोययाबनमेंकोऊतुम्हें । निशिबासरभयखोयसुखसों
आवहुजाहुनित ८५ ॥ रागटोड़ी ॥ कोजानैहरिचरित
तुम्हारे । अजहूंदाननहींतुमपायोमनहरिलियेहमारे ।
लेखोकरिलीजैमनमोहनदूधदहीकछुखाहु । सदमाखन
तुम्हरेहिमुखलायकलीजैदानउगाहु । तुमखैहौमाखन
दधिरुचिसोंहमसबलखिसुखपावैं । सूरश्यामतुमअबद
धिदानीकहिकहिप्रकटिसुनावैं ८६ ॥ दो० ॥ सदमाख
नलायकतुम्हैंसखनसहितमिलिखाहु । सुखपावैंहमदे
खिकैलीजैदानउगाहु ८७ ॥ सो० ॥ अबदधिदानीना
उँतुम्हरोप्रकटबखानिहैं । खाहुदहीबलिजाउँल्याईहम
तुम्हरेलिये ८८ ॥ चौ० ॥ तबहरिहँसिसबसखनबुला
ई । बैठेरचिमंडलीसुहाई ८९ दोनाबहुपलाशकेलाये ।
शोभितसबकेकरनसुहाये ९० निजनिजमटुकिनतेसब
ग्वारी । देतिकरनिउरआनँदभारी ९१ प्यारीसोंमाख
नहरिमांगत । देखौंतुम्हरोकैसोलागत ९२ औरनिकी
मटुकीकोखायों । तुम्हरेदधिकोस्वादनपायों९३॥ दो०॥
श्रीवृषभानुकुमारितबदाधिलाईमुसक्याय । अपनेकर
अधरनपरशिदीन्होबिहँसिखवाय ९४ ॥ सो० ॥ प्यारी
कोदधिखायअलपचितैमोहनबिहँसि । मधुरेकह्योसुना

यमीठोहैयहसबनते ९५ ॥ रागनट ॥ गणगंधर्वदेखिसि
हात। धन्यब्रजललनानिकरतेब्रह्ममाखनखात। नहिं
नरूपनरेखनहिंतनुबरणनहिंअनुहारि। मातुपितुदोउ
नहींजाकेहरतमरतनजारि। आपकरताआपहरताआ
पत्रिभुवननाथ। आपसबघटघटकेब्यापीनिगमगावत
गाथ। अंगप्रतिप्रतिरोमजाकेकोटिकोटिब्रह्मांड। कीट
ब्रह्मप्रयन्तजलथलइनहिंतेयहमांड। त्रिश्वबिश्वंभरन
एईग्वालसंगबिलास। सोईप्रभुदधिदानमांगतधन्यसू
रजदास ९६ ॥ चौ० ॥ मांगिलेतदधिगिरिवरधारी।
आपुहिधन्यकहतिब्रजनारी ९७ देखतरूपथकितब्रज
नारी। देहगेहकीसुरतिबिसारी ९८ सूरश्यामसबकेहि
तकारी। कह्योजाहुघरगोपकुमारी ९९ ॥ रागरामकली॥
युवतींब्रजघरजानबिचारति। कबहूंमटुकीलेतशी
शपरकबहुंधरणिफिरिधारति। देखतश्यामसखासबदे
खतचितैरहैंब्रजनारि। रीतीमटुकिनमेंकछुनाहींसकुचीं
मनहिंबिचारि। तबहँसिबोलेश्यामजाहुघरतुमकोभई
अबार। सकुचतिदानपाछिलेकोतुममैंकरिहौंनिरवार।
यहकहिकैहरिजबहिंसिधारेयुवतिनदानमनाई। सूरश्या
मनागरनारिनकेचितलेगयेचुराई १८०० ॥ दो० ॥ दा
नचरितगोपालकोअतिबिचित्ररसखानि। बेदभेदपावैं
नहींकबिकिमिसकहिबखानि १ ॥ सो० ॥ गावतसुनत
सुजानदधिदानीलीलारुचिर। प्रेमभक्तिकोदानब्रजबा
सीजनपावहीं २ ॥ बड़ीदानलीला। रागबिलावल ॥ सुनि
तमचुरकोबोलघोसभयोजागुरी। नवसतसाजिशृंगार

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

चलींनवनागरी ॥ ध्रुव ॥ नवसतसाजिशृँगारअंगपाट
म्बरसोंहैं । एकतेएकबिचित्ररूपत्रिभुवनमनमोहैं। इ
न्द्रावृन्दाराधिकाश्यामाकामानारि। ललिताअरुचंद्रा
वलीहोसखिनमध्यसुकुमारि १ कोऊदूधकोउदह्योमह्यो
लैंचलींसयानी। कोउमटुकीकोउमाटभरीनवनीतमथा
नी। गृहगृहतेसबनिकसिचलिजुरींयमुनतटजाय। स
बनहरषमनमेंकियोहोउठींश्यामगुणगाय २ यहसुनिनं
दकुमारसैंनदैसखाबुलाये ।मनहर्षितभयेआपजायस
बग्वालजगाये । सैंनबैंनदैसांवरेराखेद्रुमनिचढ़ाय।
औरसखाकछुसंगलैहोरोंकिरहेमगजाय ३ एकसखी
अवलोकितबहिंसबअलीबुलाई । इहिबनमेंइकबारलू
टिहमलईकन्हाई । तनकफेरिफिरिआइयेअपनेसुखन
बिलास। यहझगरोसुनिहोयगोहोगोकुलमेंउपहास ४
उलटिचलींब्रजसखीतहांकोउजाननपावें । रोंकिरहेस
बसखाऔरबातनबिरमावें। सुबलसखाउठिबोलियोरी
तुमग्वालिनहरियोग ।कैसेबातदुरातिहैहोतुमउनकेसं
योग ५ किनहुंशृंगकोउबेणुकिनहुंबनपत्रबजाये। छां
ड़िछांड़िद्रुमडारकूदिधरणीधासिधाये । सखिनमध्यइत
राधिकाउतसखामध्यबलबीर। झगरोठान्योदानकोहो
कालिन्द्रीकेतीर ६ कहतनँदलाड़िले ॥ दैनागरिदधि
दानकान्हठाढ़ेवृन्दाबन। औरसखाहरिसंगबच्छचारत
अरुगोधन । वेबड़ेनंदकेलाड़िलेतुमवृषभानुदुलारि।
दह्योमह्योकेकारणेतुमकतहिंबढ़ावतरारि ७ कहतिब्र
जनागरी। मांगेगोरसलेहुकान्हहमसोंलैखाहू ।ऐसेढी

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

ठग्वालकान्हबरजतनहिंकाहू। यहिमगगोरसबेंचतेदि
नप्रतिआवनजान। हमहिंछांपादिखरावहूतुमकापरप
हिरयोदान ८ कहतनँदलाड़िले। इतेमानसतराति
ग्वारिहमजानिनपाये। अनउत्तरकीखोरिबैनकतकह
तिकठाये। इतनीहमसोंकोकहैयेवृन्दाबनबीच। पुहुमि
माटढरकायहौंतौमचैदहीकीकीच ९ कहतिब्रजनाग
री। अहोकन्हैयाढीठआहिंअजहूंतुमबारे। गायचरा
वनजातभयेकबतेअधिकारे। मातपिताजैसेचलैंतैसेच
लियेआप। कठिनकंसमथुराबसैहोकोकहिलेयसँताप
१० कहतनँदलाड़िले। कहैनजायउतालजहांभूपाल
तिहारो। हौंवृन्दाबनचंदकहाकहिकरैहमारो। शेषसह
सफणनाथियोसुरपतिकियोनिरंस। अनलपानकियो
सांवरेहोकेतिकबपुराकंस ११ कहतिब्रजनागरी। जाके
तुमसुकुमारताहिहमनीकेजानैं। जोपूंछोसतिभावआदि
अद्यावधिभानैं। बातनबड़ेनहूजियेसुनहुश्यामउतपा
ति। गर्भसांटियशुदाकियोहोतबतुमआयेराति १२ क
हतनँदलाड़िले। अरीग्वारिमदमत्तकहातिकतबचनअने
रे। कबहरिबालकभयेगर्भकबलियेबसेरे। असुरभारपु
हुमीभयोरीबिधिकीन्हेयेख्याल। कमलकोशअलिभार
येत्योहींतुमभुरयेगोपाल १३ कहतिब्रजनागरी। तुम
भुरयेहौनन्दकहतहैंतुमकोढोटा। दधिओदनकेकाजदे
हधरिआयेछोटा। गाढ़ेरछोलहुरावरेभलीबनतिहैश्याम।
ऐसीबातैंकहिकहिकैभुरवततबनमेंबाम १४ कहतनँदला
ड़िले। जोप्रभुदेहनधरैंदीनखलकौनउधारैं। कंसकेशाको
CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

गहौबेघनकोकोटिकटारै । कहानिगमकहिध्यावतेकहमु
निजनधरतेध्यान । दरशपरशबिनुनामगुणकोपावैपद
निरबान १५ कहतिब्रजनागरी । जोदैदरशरूपरश
नामगुणकेलिकन्हाई । तुमनिर्भयपददेतदियेहैं वेदब
ताई । योगयुक्तितपध्यावहींअनगतदीनदयाल । ज
लतरंगज्योंमीनगतिहोबँधेकर्मकेजाल १६ कहतनँद
लाड़िले । जटाभस्मतनुदहैंवृथाकरिकर्मबँधावैं । पुहु
मिप्रदक्षिणदेहिंगुफाबसिमोहिंनपावैं । तजिअभिमान
जोगावहींगद्गदगिराप्रकास । तासोंमगनहौंग्वालि
नीहोतेहिघटमेरोबास १७ कहतिब्रजनागरी । जोपैचां
ड़िलेश्यामकरतउपहासघनेरे । हमअहीरिंगृहनारिलोक
लाजनकेजेरे । तादिनहमभइबावरीदियोकंठतेहार ।
तबतेघरघेराचल्योहोश्यामतुम्हारेजार १८ कहतनँद
लाड़िले । सखासबनिमिलिकह्योग्वारिइकबातसुना
वैं । तोतनज्योतिस्वभावरूपउपमाकोपावै । गुप्तप्री
तिबिधनाकरीरसिकसांवरेयोग । यहसंयोगसुनिग्वा
लिनीहोन्यावहँसैंगेलोग १९ कहतिब्रजनागरी । ऐ
सीबातेंकान्हकहतहमसोंकाहेते । चोरीखातेछांछिन
यनभरिलेतगहेते । मुखऊपरकहआनियेअनऊपरकी
खोरि । जबयशुमतिऊखलबांध्योहोतबहमदीन्हीछोरि
२० कहतनँदलाड़िले । बालकरूपअजानकहाकोऊ
पहिंचानै । अनउत्तरकोउकहैभलीअनभलीनमानै ।
वेदिनसमझुग्वालिनीरीसाखियमुनकोपानि । सबनि
हहामोसोंकियोजबबसनदुरायेआनि २१ कहतिब्रज

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

नागरी । बहुतभयेहौढीठदेतमुखऊपरगारी । जेहि आजैतेहिकहौकहाकोउदासितुम्हारी । तुमसोंअब दधिकारनेकौनबढ़ावैरारि । याबनमेंइतरातहौतुमरों किपराईनारि २२ कहतनँदलाड़िले । लियोउपरना छीनिदूरिडारनिऔटकायो। दियोसबनदधिबांटिमाटपु हुमीढरकायो । पटपीताम्बरसांवरेकरपलाशकेपात । हँसतपररुपरग्वालहोसबबिमलबिमलदधिखात २३ कहतिब्रजनागरी । कान्हदहेंडीदेहुमहीयौवनकेमाते । बसियेएकहिगांवकानिराखतिहैंताते । तबनकछुबनि आइहैकैहोबिरचिनिहारि । इनग्वालनिकोबलदेखिहौं जबधरिहैंलाड़उतारि २४ कहतनँदलाड़िले । गहि अंचलझकझोरितोरिहारावलिडारी । मटुकीलईउता रिमोरिभुजकंचुकिफारी । गुप्तसैनदैसांवरेकमरीधरी दुराय । वाकमरीकेकारनेहौअभरणलियोछिनाय २५ कहतिब्रजनागरी । झीनीकमरीकाजकान्हऐसीनहिं लीजै । कांचपोतगिरिजायनंदघरगयोनपूजै । बिनहीं लीन्हेआपयेसोकामरिकोतोल । शंखमुंदरियाजायगि रिहोकान्हतुम्हारोमोल २६ कहतनँदलाड़िले । शि वबिरंचिसनकादिआदितिनहूंनहिंजानी । शेषसहस फणाथक्योनिगमकीरतिनबखानी । तेरीसोंसुनुग्वालि नीजोमेरेमनमाहिं । भुवनचतुर्दशदेखियेहोवाकमरी कीछाहिं २७ कहतिब्रजनागरी । जिनहींइतोप्रताप गायसोकताहिचरावै । परदाराकेजायआपकतलज्जा पावै। घरकेबाढ़ेरावरेबातेंकहतबनाय । ग्वालनपैलै

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

खातहौहोजूंठीछाकाछिनाय २८ कहतनँदलाड़िले। धे
नुरूपममदेहकरतकौतूहलन्यारे । गोकुलगुप्तबिलास
जानिकोसकैहमारे । यहबृन्दाबनग्वारिनाकितकित
अमृतबेलि ।तिहूंलोकमेंगाइयेहोमेरीरसकीकेलि २९
कहतिब्रजनागरी । अबलोंकीन्हीकानिकान्हअबतुम
सोंलरिहैं । अधरनयनरसकोपिबिरंचिअनतैउरकरि
हैं । मोंआगेकोछोहराजीत्योचाहेमोहिं । काकेबलइ
तरातहौकादेहौंगीनखशिखतोहिं ३० कहतनँदलाड़ि
ले । चितैबदनमुसक्यातहाथदधिपूरणदोना । इत
सुन्दरीबिचित्रउतहिघनश्यामसलोना । अतितामस
तोहिंग्वारिनीमैंसबजानतआदि । खोटीकरणीजाहि
कीहोसोईकरैउपादि ३१ कहतिब्रजनागरी । तोहिं
नछांड़ोंकान्हदानतुमकोनहिंदैहौं । बिनाकहेब्रजलोग
कहाकाहूपतिऐहौं । लाजनहींतुमआवहीबोलतजब
सतराय । कतहुंकंससुनिपावईहोगहताफिरहुगेपांय
३२ कहतनँदलाड़िले । सुनतहँसेनँदलालग्वारिजिय
तामसमान्यो । सींच्योअमृतबैनकोपकरषतनहिंजा
न्यो। कहांबसतिहैबावरीसुरपुरमुग्धगँवारि । ब्रजबा
सीकहजानहींहोतामसकोब्योहारि ३३ कहतिब्रजना
गरी। जननीनिजपरिहरीतातकुलधर्मनशायो । गोप
रायकेगेहपुत्रह्वैनामधरायो । इतनेतेइतनोकियोखोटी
छांछपिवाय । तुमहिंदोषनहिंलाड़िलेहोओछोगुणक्यों
जाय ३४ कहतनँदलाड़िले । अविगतअगमअपार
आदिनाहींअविनासी । परमपुरुषअवतारहैमायाजा

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

कीदासी। तुमहिंमिलेओछेभयेकहारहीकरिमौन। तुम्हरेहिआगेन्यावहैहोह्वैमहँओछेकौन ३५ कहतिव्रजनागरी। हमहिंओछाईभईजबहिंतुमकोप्रतिपाल्यो। तुमपूरेसबभांतिमातुपितुसंकटघाल्यो। कहाचलतउपराबढ़ेअजहुंनखीसीगात। कंससौंहदैपूंछियेहोजिनपटकेहैंसात ३६ कहतनँदलाड़िले। कंसकेशनिग्रहौंभूमिकोभारउतारों। उग्रसेनशिरछत्रचमरअपनेकरढारों। मथुरासुरनबसायहौंअसुरकरोंयमहाथ। दनुजदमनाबिरदावलीहोसांचेत्रिभुवननाथ ३७ कहतिव्रजनागरी। तबनकंसनिग्रह्योपुहुमिकोभारउतारयो। चोरीजायेमातुगोदगोकुलपगुधारयो। अबबहुतीबनिआवतींदूधदहीकीमात। जोऐसेबलवन्तहौतोमथुराकाहेनजात ३८ कहतनँदलाड़िले। जोजैहौंमधुपुरीबहुरिगोकुलनहिंऐहौं। यहअपनोपरतापनन्दयशुमतिहिसुनैहौं। वचनलागिमैंहौंकियोयशुमतिकोपयपान। मोहिंग्वालजनिजानहूहोग्वालिनिसुनहुनिदान ३९ कहतिव्रजनागरी। तबदधिआगेधरयोकान्हलीजैजोभावै। खायजायमंजारकाजएकौनहिंआवै। हमअनखीयाबातकोलेतदानकोनाउं। सहजभावनितलाड़िलेहोबसतएकहीगाउं ४० कहतनँदलाड़िले। अभरणादियोमँगायकियोगोपिनमनभायो। हिलिमिलिबढ़ोबिलासआपहरिमाटउठायो। नँदनन्दनछबिदेखिकैगोपिनवारयोप्रान। कुंजकेलिमनमेंबसीहोगाईसूरसुजान४१।३॥ चौ० ॥जबहिंकान्हयहबातसुनाई। व्रजयुवतीअतिगइँमुरभाई ४ ॥ दो०॥

बिहँसिकह्योतबसांवरेजाहुघरनव्रजनारि । सकुचातिपि छलेदानकोमैंलेहौंनिरवारि ५ ॥ सो० ॥ ऐसेवचनसु नायसखनसहितहरिबनगये । लेगयेचित्तचुराययुवति नदानमनायकै १८०६ ॥

दो० जहँजैसोपदलखिपरयोतहँतसलिख्योंसुधार॥
पूरबार्द्ध पूरोकियों निजमतिके अनुसार १

सो० लीजैचूकसुधारि बिद्वज्जन पद देखिकै ॥
सरयूशरणपुकारि कहतदोषक्षमियेसुजन २
हरियशसिन्धुअपार शारदादिगावतथकीं ॥
ताकोकिहिबिधिपार पायसकैममबुद्धिलघु ३

इतिश्रीरासलीलापूर्बार्द्धसमाप्तम् ॥

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

अथ रासलीला उत्तरार्द्ध प्रारम्भः ॥

दानलीलाकोप्रस्ताव सूरसागरे। रागअलहिया ॥ रीतीमटु कीशीशलैचलिंगोपकुमारी । एकएककीसुधिनहींकोके सेनारी। बनहींमेंबेंचतिफिरैंघरकीसुधिडारी । लोकवे दकुलकानिकीमरयादाटारी। लेहुलेहुदधिकहतिहैंबन शोरपसारी । द्रुमसबाघिरकरिजानहींतिनकोदेगारी। दूधदह्योनाहिंलेहुरीकहिकहिपचिहारी । कहतिसूरघर कोउनहींकहँगईंदइमारी १ ॥ रागरामकली ॥ गोरसले हुरीकोउआय । द्रुमनिसोंयहकहतिडोलतिकौनलेहिंबु लाय। कबहुंबंशीबटनिकटजुरिहोतठाढ़ींधाय। लेहुगो रसदानमोहनकहांरहेछिपाय। डरनितुम्हरेजातिनाहिंन लेतदहँड़िछिनाय। मांगिलीजैदानअपनोकहतिहैंसमु झाय। आइहोपुनिरिसकरतहरिदह्योदेतबहाय । एक एकहिबातबूझतिकहांगयेकन्हाय । भईंरसउनमत्तगो पीतनुकिसुधिबिसराय। सूरप्रभुकेरंगराचींजियगयोभ रमाय २॥ रागजैतश्री ॥ बैठिगईंमटुकीसबधरिकै । यह जानतिअबहीं हैंआवतग्वालसखासँगहरिकै । अंचल सोंदधिमाटछिपावतिद्दष्टिगईतहँपरिकै । सबनिमटुकि यारीतीदेखींतरुणीगईंभभरिकै। कहिकहिउठींजहांतहँ तेमिलिगोरसगयोकहुंढरिकै । कोउकोउकहतिश्यामढ रकायोजानदेहुरीजरिकै । यहिमारगकोऊजनिआवहु रिसकरिचलींडगरिकै। सूरसुरतितनुकीकछुआईउतरत

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

कामलहरिकै ३ ॥ चौ० ॥ यहिबिधिसदनगईसबबाला।
नहिंभावतक्षणबिनुनँदलाला ४ बूझतगुरुजनजबकछु
जिनसों। औरैबातबतावतितिनसों ५ गारीदेतसुनतन
हिंकोऊ। श्रवणशब्दपूरेहरिदोऊ ६ ॥ सू०रागधनाश्री ॥
पलकओटनहिंहोतकन्हाई । घरगुरुजनबहुतीबिधि
त्रासतलाजकरावतिलाजनआई । नयनजहांदरशनह
रिअँटकेबैनथकेसुनिबैनसुहाई।रसनाऔरकछूनहिंभाष
तिश्यामश्यामकहिटेरलगाई। चितचंचलसंगहिसँगडो
लतलोकलाजमरयादमिटाई।मनहरिलियोसूरप्रभुजब
हींताबपुरेकीकहाबसाई ७॥ चौ०॥ यहिबिधिप्रेममगनब्र
जनारी।कृष्णप्रेमरसमदमतवारी८तिनमेंश्रीवृषभानुदु
लारी।सकलशिरोमणिहरिकीप्यारी ९॥ रागबिलावल ॥
चलींप्रातहीगोपिकामटुकिनलैगोरस । नयनश्रवणमन
चित्तबुद्धियेनहिंकाहूबस । तनुलीन्हेडोलतिफिरैंरसना
अँटक्योयस। गोरसनामनआवहीकोउलेहैहरिरस।जी
वपरयोयाख्यालमेंअरुगयोदिशादस। बझैंजायखगव
न्दज्योंपियछबिलटकनिरस । छांडिहुदियेउड़ातनहींकी
न्होउपावतस । सूरदासप्रभुभौंहकीमटकनिफांसीगस
१० ॥ रागकान्हरो ॥ दधिबेंचतब्रजगलिनफिरैं । गोरस
लेनबुलावतकोऊताकीसुधिनेकहुनकरैं । उनकीबातसु
नतिनहिंश्रवणनिकहतिकहायेघरनिजरैं । दूधदह्योह्यां
लेतनकोऊप्रातहितेशिरलियेररैं । बोलिउठतिपुनिले
हौगोपालहिघरघरलोकलाजनिदरैं । सूरश्यामकोरूप
महारसजाकेबलकाहूनडरैं ११॥ पुनः॥ गोरसकोनिजना

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

मभुलायो ।लेहुलेहुकोऊगोपालहिगलिनगलिनयहशो
रलगायो। कोउकहैंश्यामकृष्णहैंकाहूंत्राजुदरशनहिंपा
यो। जाकेसुधितनुकीकछुत्र्यावतिलेहुदहीकिहितिनाहिंसु
नायो । यहकहिउठतिदानमांगतहरिकहूं भईकीतुमाहिं
चलायो । सुनहुसूरतरुणीयौबनमदतापरश्याममहार
सखायो १२ ॥ सूरसागरे। रागमलार ॥ कोऊमाईलैहैरी
गोपालहिं। दधिकोनामश्यामसुन्दररसबिसारिगयोब्रज
बालहिं।मटुकीशीशफिरतिब्रजबीथिनबोलतबचनरसा
लहिं।उफनततक्रचहूंदिशिचितवतिचितलाग्योनँदला
लहिं ।हँसतिरिसातिबुलावतिबरजतिदेखहुउलटीचाल
हिं।सूरश्याममबिनुत्र्यौरनभावतयाबिरहिनिबेहालहिं १३
रागधनाश्री ॥ बेंचतहीदधिब्रजकीखोरी । शिरकोभार
सुरतिनाहिंत्र्यावतिश्यामश्यामटेरातिभईभोरी।घरघरफि
रतिगोपालहिबेंचतमगनभईसबग्वालिकिशोरी। सुन्द
रबदननिहारनकारनत्र्यंतरलगीसुरतिकीडोरी । ठाढ़ीं
रहतिबिथकिमारगमेंमांझहाटमटुकीशिरफोरी । सूर
दासप्रभुरसिकशिरोमणिचितचिन्तामणिलियोत्र्यजोरी
१४ ॥ ब्रजविलासे। चौ० ॥ बूझतितिन्हैंत्र्यौरब्रजनारी।
बेंचतिकहाफिरलितूग्वारी १५ प्रातहितेलीन्हेदधिडो
लै। मुखतेनामकान्हकोबोलै १६ इततेउतउततेइत
जाई । बुधिमर्यादासबैमिटाई १७ मैंजानीयहबात
बनाई । तेरोमनहरिलियोकन्हाई १८ ॥ दो० ॥ तिन्हैं
कहतिमोहिंनंदघरकहांसुदेहुबताय । जहांबसतवहसां
वरोमोहनकुँवरकन्हाय १९ ॥ सो० ॥ हैंधौंयेहीग्रामके

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

धौंकहुंअन्तरबसत । कान्हरजाकोनाममैंखोजतिवाको फिरौं २० ॥ चौ० ॥ बहुतदूरितेहौंमैंआई । मोहिं देहुनँदसदनबताई २१ ॥ सूरसागरे । रागरामकली ॥ तबइकसखीप्रीतमकहति । प्रेमऐसेप्रकटकीन्हीधीरकाहे नधरति । ब्रजघरनउपहासजहँतहँसमुझिमनकिनरहति । बातमेरीसुनतिनाहिंनकहतिनिन्दासहति। मातुपितुगुरुजननिजान्योभलीखोईमहति । सूरप्रभुकेध्यानचितधरिअतिहिकाहेबहति २२ ॥ चौ० ॥ अजहूं चेतबातसुनुमेरी । कहतिकुँवरितेरेहितकेरी २३ ॥ दो० ॥ कृष्णप्रेमधनपायकैप्रकटनकीजैबाल । राखियउरयोंगोयकैज्योंमणिराखतब्याल २४ ॥ सो० ॥ तू अतिनागरिनारिपायेनागरनेहजो । तौकतदेतउघारि कहिहैंतोहिंगवांरिसब २५ ॥ प्यारीबचनसखीप्रति । चौ० ॥ कहाकहतिमोकोतूआली । हरिलीन्होमोमनबनवारी २६ ॥ ठुमरी ॥ उनसांवलियाकीलटकचालजियमोंमेरे बसिगइरे। पीतपिताम्बरअधिकसुहावैलैमुरलीपढ़िफूंकिब्रजावै । लटकालीनागिनसिलटक । तनमनमोरे डसिगइरे । बिनुदेखेनाहिंपरतचैन हरिबिनुकहुकैसे कटतरैन । अबकाहकरोंमेरीगोइयांबिनुदरशतरसिगइरे । लिखाललाटमिटैनाहिंमोहनडारिउचाटदहीकेकारन । आपबसेकुंजनमधुबनमें । आजपरवशह्वैफँसिगइरे । मकसूदपियाप्यारेआवैंबांकीछबिभौंहेंदिखलावैं । करनायगलेप्रीतमबहियां।सबकसकनिकसिगइरे२७॥ दो० ॥ बारबारतूकहतिकहमैंनाहिंसमुझतिबात । मेरेम

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

नमेंघरकियोवायशुमतिकोतात २८ ॥ चौ० ॥ मेरेहाथ
नहींमनमेरो। सुनैकौनसखिसिखवनतेरो २९ अबतौमे
रेमनयहमानी । मिलौंश्यामसोंज्योंपयपानी ३० ॥
सो० ॥ ऐसेसखिहिसुनायमौनगहीपुनिनागरी । देहद
शाबिसरायमगनभईरसश्यामके ३१ ॥ चौ० ॥ जायप
रयोमनवाहीख्यालहि । बोलिउठीकोउलेहुगोपालहि
३२ कहतिसखीसोंतूकोआली । कहँवहदधिदानीबन
माली ३३ ॥ रेखता ॥ त्रिभंगीश्यामछबिबांकी ।
ज़राउसतर्फमेंझांकी। पड़ीतबनेहकीफांसी । लगीदि
लरूपकीगांसी। मुझेनहिंहोशअबआली। कहांवहश्या
मबनमाली। देखाओजल्दअबप्यारा। लगैतबनीकसं
सारा। चलौलैमोहिंगहिबहियां । मिलैंजहँवेगिहरिसै
यां। बड़ायशमानिहौंतेरा। नहींजियजातहैमेरा। सखी
तबसंगलैधाई । मिलायोश्यामकोजाई। कुंजबिचबैठे
येंसोहैं। भवानीचेरिमनमोहैं ३४ ॥ कृष्णप्रतिसखीबचन
सूरसागरे। रागनट ॥ सखीयकगईहरिपैधाय । तुरत
हीहरिमिलेताकोप्रकटकहीसुनाय। नारियकअतिपरम
सुन्दरिबरणिकापैजाय।प्राततेशिरधरेमटुकीनन्दघरभर
माय।लेहुलेहुगोपालकोकहिदह्योगईभुलाय। सूरप्रभुक
हुंमिलेताकोकहतिकरिचतुराय३५॥ रागरामकली ॥ भई
मनमाधवकीअवसेरि। मौनधरेमुखचितवतिठाढ़ीज्वा
बनआवैफेरि। तबअकुलायचलीउठिबनकोबोलसुनाति
नटेरि। बिरहाबिबशचहूंघाभरमतिश्यामकहाकियोभे
रि। आवहुबेगिमिलहुनँदनन्दनदाननकरौंनिबेरि। सूर

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

श्यामअंकमभरिलीन्हीदूरिकियोदुखढेरि ३६ ॥ रागबिला वल ॥ सांचीप्रीतिजानिहरिआये । पूरणनेहप्रकटिदर शाये । लइउठायअंकमभरिप्यारी । श्रमिश्रमिश्रमकी न्होतनुभारी । मुखमुखजोरिअलिंगनकीन्हो । बारबार भुजभरिउरलीन्हो । वृन्दाबनघनकुंजलतातर । श्यामा श्यामनवलनवलाबर । मनमोहनमोहनिसुखकारी । कोककलागुणप्रकटेभारी । छूटेबन्दअलकशिरछूटे । मो तिनहारटूटिसुखलूटे । सूरश्यामबिपरीतिबढ़ाई । नाग रिसकुचिरहीलपटाई ३७ ॥ सूरसागरेरागनट ॥ श्यामा श्यामकरतबिहार । कुंजगृहरचिकुसुमशय्याछबिबरणि कोपार।सुरतिसुखकरिअंगआलससकुचिबसनसँभारि। परस्परभुजकंठदीन्हेबैठिहैंबरनारि । पीनकंचनबरण भामिनिश्यामतनुअनुहारि । सूरघनअरुदामिनीमिलि प्रकटसुखबिस्तारि ३८ ॥ रागकान्हरो ॥ राधेबसनश्या मतनुचीन्ही । साँरँगबदनबिलासबिलोचनहरिसारंग जानिरतिकीन्ही । साँरँगबचनकहतिसारँगरिपुदैराख तिपटझीन्ही । सारँगपाणिगहतिरिपुसारँगकरतेलीन्हो छीन्ही । सुधापानकरिकुचनीकीबिधिरह्योशेषमुद्राफिरि दीन्ही । सूरसुदेशअतिहिरतिनागरभुजआकर्षिबामक रलीन्ही ३९ ॥ दो० ॥ कृष्णराधिकाकेचरितअतिपवि त्रसुखखान । कहतसुनतभवभयहरणरासिकजननकेप्रा न४०॥ चौ० ॥बिरहतापतनुदूरिनिवारी। बोलीमोहनसों तबप्यारी ४१ कहाकहोंतुमसोंसुन्दरघन। करतचवाव मोहिंसबब्रजजन ४२ यहैकहैंब्रजमेंसबकोऊ । राधाकृ

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

षणएकहैंदोऊ ४३ कहतिमनहिंसबकोतजिदीजै । इन
बिमुखनकोसंगनकीजै ४४॥ सूरसागरे।रागसारंग ॥ छांडु
मनहरिबिमुखनकोसंग । कहाभयोपयपानकरायेबिषन
हिंतजतभुवंग । जाकेसंगकुबुद्धीउपजैकरतभजनमेंभं
ग । कामक्रोधमदमोहलोभमेंनिशिदिनरहतउमंग ।
कागहिकहाकपूरखवायेश्वानन्हवायेगंग । खरकोकहा
अरगजालेपनमरकटभूषणअंग। पाहनपतितबाणनहिं
भेदतरीतोकरतानिषंग । सूरदासखलकारीकामरिचढ़
तनदूजोरंग ४५ ॥ सो० ॥ मैंलीन्होदृढ़नेमसुनहुश्याम
सुन्दरसुखद। तुमपदपंकजप्रेमयहीपतिब्रतपारिहों ४६
रागसारँग ॥ अबकैसेदूजेहाथबिकाऊं । मनमधुकरकी
न्होवादिनतेचरणकमलनिजठाऊं । जोजानोंऔरैकोउ
करतातऊनमनपछिताऊं । जोइजाकोसोइसोईजानैअ
घतारणनरनाऊं। यापरतीतहोययायुगकीपरमितछुटत
डराऊं । सूरदासप्रभुसिन्धुचरणतजिनदीशरणकतजा
ऊं ४७॥ चौ० ॥ प्रेमाकुलसुनिप्रियकीबानी । बोलेबि
हँसिश्यामसुखदानी ४८॥ रागधनाश्री ॥ देहधरेकोफलय
हप्यारी । लोकलाजकुलकानिमानियेडरियेबंधुपिताम
हतारी । श्रीमुखकह्योजाहुघरसुंदरिबडेमहरवृषभानुदु
लारी । तुवऔसेरिकरतसबह्वैहैंजाहुबेगिपुनिदेहैंगारी।
हमहुंजाहिंब्रजतुमहुंजाहुअबगेहनेहक्योंदीजैडारी । सू
रदासप्रभुकहतप्रियासोंनेकनहींमोतेतुमन्यारी ४९ ॥
दो० ॥ कहतश्यामअबजाहुघरतुमकोभईअबार । प्री
तिपुरातनगोयडरकरियेजगव्यवहार ५० ॥ सो० ॥ प

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

रमप्रेमउरलायघरपठईहरिभावती। चलीसंगसुखपा
यफिरिफिरिचितवतिश्यामतन ५१॥ श्रीप्यारीजूकोनिज
गृहगमनलीला॥ सूरसागरे। रागबिलावल॥ घरपठईप्यारी
अंकमभरि। करअपनेमुखपरशित्रियाकेप्रेमसहितदो
ऊभुजधरिधरि। सँगसुखलूटिहर्षभारिहरिदयचलीभव
नभामिनिगजगतिढरि। अंगमरगजीसारीराजतिछबि
निरखतरीभेठाढ़ेहरि। बेणीडुलतिनितम्बनिपरदोउ
क्षीणलंकपरवारोंकेहरि। फिरिचितयोप्यारीतबपियतन
दुहूंनयनआनंदहर्षकरि। राधाहरिआधाआधातनुए
कैह्वैब्रजमेंहैंअवतरि। सूरश्यामरसभरेउमागिअँगछबि
बहदेखिरह्योरतिपतिडरि ५२॥ चौ०॥ प्यारीमनआ
नन्दबढ़ायो। सुखभरिचलीलूटिसचुपायो ५३ मनहिं
कहतिअतिउमगउछाहू। यहधनप्रकटकरोंनहिंकाहू ५४
सखियनहूंनहिंभेदजनाऊं। कृष्णप्रेमधनगुप्तदुराऊं ५५
ऐसेमनाहिंविचारतिजाहीं। तहँयकसखीमिलीमगमाहीं
५६ अंगअंगछबिलखिमुसक्यानी। कहतबिहँसिप्या
रीसोंबानी ५७॥ सूरसागरे। रागजैतश्री॥ कहफूलीआव
तिरीराधा। मानहुंमिलीअंगभरिमाधवप्रकटातिप्रेमअ
गाधा। भृकुटीकुटिलनयनशरसाधेबदनबिकासतिआ
धा। चंचलचपलबंकअवलोकनिकामनचावतिताधा।
जेहिरसशिवसनकादिमगनभयेशेषरहतादिनसाधा।
सोरसदियोसूरप्रभुतुमकोशिवानलहातिअराधा ५८॥
दो०॥ फिरतिहुतीव्याकुलभवहिंजिनकेदरशनलाग।
कहांमिलेनँदनन्दसोधनिधनितेरोभाग ५९॥ सो०॥

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

नहिंपावतहैंजाहियोगीजनजपतपाकिये । बशकरिपाये ताहितेंकैसेकरिनागरी ६० ॥ रागआसावरी ॥ कहाकह तितूभईबावरी । तोसोंकहतसुनैकोउऔरैकहकीन्होचा हतउपावरी । सोतोसांचमानियहलैहैहमहितुमहिंबातें सुभावरी । मेरीप्रकृतिभलेकरिजानतिमैंतोसोंकरिहौंदु रावरी । ऐसेकैसेहोयसखीरीघरपुनिमेरोहैबचावरी । सू रकहतिराधासखिआगेचकितभईसुनिकथारावरी ६१ रागसारँग ॥ श्यामकौनकारेकीगोरे । कहांरहतकाकेवह ढोटाबृद्धतरुणकीधौंहैंभोरे । यहहिंरहतकीऔरगांवक हुंमैंदेखीनाहींकहुंउनको । कहैनहींसमुझायबातयहमो हिंलगावतिहौतुमजिनको । कहांरहौंमैंवेसोकहिकैतुम मिलवतिहौकाहेऐसी । सुनहुसूरमोसीभोरीकोजोहिजो हिलावतिहौकैसी ६२ ॥ पुनः ॥ जाहुचलीमैंजानीतो को । आजुहिपढ़िलीन्हीचतुराईकहादुरावतिमोको । य हिब्रजहमतुमनँदनन्दनतेदूरिकहूंनहिंजैहैं । मेरेफन्दक बहुंतौपरिहौमुजरातबहींदैहैं । उन्हेंमिलेब्युतपन्नभईहै वेदिनगयेभुलाय । सूरश्यामसँगतेउठिआईमोसों कहतिदुराय ६३ ॥ रागरामकली ॥ सजनीकतयहबात दुरैहौं । ऐसेमोहिंकहेजनिकबहूंझूंठेपरदुखपैहौं । तोते प्रीतमऔरकौनहैजाकेआगेकैहौं । मोकोउचटायेकछुपै हैबहुरिनाउंनहिंलैहौं । यहपरतीतिनहींजियतेरेसोकह तोहिंचुरैहौं । सूरश्यामधौंकहांरहतहैंतहँकाहेकोजैहौं६४ रागधनाश्री ॥ चतुरसखीमनजानिलई । मोसोंतौदुराव यहकीन्होयाकेजियकछुत्रासभई । तबयहकहतिहँसति

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

रीतोसोंजनिमनमेंकछुआनैं । मानीबातकहांवेकहँतूह
महूंउनहिंनजानैं । अबैतनकतूभईसयानीहमआगेकी
बारी । सूरश्याममब्रजमेंनहिंदेखेहँसतकह्योघरजारी ६५
रागबिलावल ॥ सकुचसहितघरकोगईवृषभानुदुलारी ।
महरिसुताकोलखिकह्योकहँरहिरीप्यारी । घरतोहिंनेक
नदेखहूंमेरीमहतारी । डोलतलाजनआवईअजहूंहैबा
री । पिताआजुरिसकरतहोंदेहैंकहिगारी । सुतामहरि
वृषभानुकीकुलखोवनहारी।बान्धवमारनकहतह्योतेरेढँग
कारी । सूरश्यामसँगफिरतिहैयौबनमतवारी ६६॥ चौ०॥
बड़ेमहरिकीसुताकहावति । काहेकोपितुमातुलजावति
६७ ॥ प्यारीब० । दो० ॥ खेलनकोमैंजाउंनहिंकहाकह
तिरीमात । मोपैजातिसहीनहींयहीअनोखीबात ६८
सो० ॥ घरघरखेलनजातिगोपनकीसबलड़किनी । तू
मोहींरिसियातितिनकेमातुपितानहीं ६९ ॥ रागसूहो ॥
सुतालियेजननीसमुझावति । संगबिटिनानिनकेमिलि
खेलोश्यामसाथसुनिसुनिरिसपावति । यातेनिन्दाहो
तिआपनीयातेकुलकीगारीआवति । सुनिलाड़िलीकह
तियहतोसोंयातेरिसकरकेहोंधावति । अबसमझीमैंबा
तसबनकीझूठहींयेबातउड़ावति । सूरदाससुनिसुनियें
बातेंराधामनअतिहर्षबढ़ावति ७० ॥ चौ० ॥ जननीके
मुखकीसुनिबानी । श्रीवृषभानुसुतामुसुकानी ७१ मन
मनबिनयकरतिहरिपाहीं । सुनहुश्यामतुमसबघटमाहीं
७२ ॥ दो० ॥ मातपितामानतनहींलोकलाजकुलकान ।
नहिंजाननतुमकोसुखदजगतईशभगवान ७३ ॥ सो० ॥

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

लेततुम्हारोनावँसकुचतिहौंइनकेनिकट। यहसमुझति पछितावँतुमबिमुखनमेंक्योंरहौं ७४ ॥ रागधनाश्री ॥ जबप्यारीमनध्यानधर्‌यो। पुलकितउररोमांचप्रकटभयो अंचलढरिउघरिपर्‌यो।प्रेमहिबिवशभईसुकुमारीकैसेहु मनधीरजनहिंआवे। चकितभईअँगअंगबिलोकतदुखसुखदोऊमनउपजावे। पुनिमनकहतिसुताकाहूकीकीधौंयहहैमेरीजाई। राधाहरिकेरंगहिराचीजननीरहीजियहिभरमाई। तबजानीमेरीयहबेटीजियअपनेतबजान लियो। सूरदासप्रभुप्यारीकीछबिदेखिचहतिकछुसीख दियो ७५ ॥ रागसोरठ ॥ राधादधिसुतक्योंनदुरावति। हौंजुकहतिवृषभानुनंदिनीकाहेजीवसतावति। जलसुतदुखीदुखीहैंमधुकरद्वैपक्षीदुखपावति। सारँगदुखी होतसारँगबिनतोहिंदयानहिंआवति।सारँगरिपुकीनेक ओटकरिज्योंसारँगसुखपावति।सूरदाससारँगकेहिकारणसारँगकुलहिलजावति ७६ ॥ रागसूहोबिलावल॥ अबराधातूभईसयानी।मेरीसीखमानिहिरदयधरिजहँतहँ डोलतिबुद्धिअयानी। भईलाजकीसामातनुमेंसुनियह बातकुँवरिमुसुकानी। हँसतिकहामैंकहतिभलीतोहिं सुनतिनहींलोगनकीबानी। आजुहितेकहुँजाननदेहौं मतितेरीकछुअकथकहानी। सूरश्यामकेसंगनजैहौंजाकारणतूमोहिंसुगानी ७७ ॥ चौ० ॥ चतुरशिरोमणिहरिकीप्यारी। परमचतुरवृषभानुदुलारी ७८ बात नहीमाताबहिलाई। नीकेराखिलईचतुराई ७९ ॥ राधाजूकेअनुरागलीलाकोप्रसंग।चौ०॥ सखीमिलीजोमारग

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

माहीं। कह्योजायतिनसखियनपाहीं ८० सुनहुसखीरा धेकीबातैं। कैसेआजकरीउनघातैं ८१ अबहींवृन्दाब नतेआई। हर्षसहितमगलाखिमैंपाई ८२ जबमैंकही मिलेहरितोसों। तबरिसकरिफेर्योमुखमोसों ८३॥ दो०॥ तबलागीमोसोंकहनकोहरिकाकोनावँ। कैगोरेकै सांवरेबसतकौनसेगावँ ८४॥ सो०॥ मैंतोजानतिना हिंलेतिनामतूकौनको। लखेनसपनेहुमाहिंसांचकहति कीहँसतिमुहिं ८५॥ चौ०॥ ऐसेकहिटेढ़ीकरिभौंहें। चितईनेकुनमोतनसौंहें ८६ तबमैंयहकहिघरपठईरी। मैंझूठीतूसांचभईरी ८७॥ सूरसागरे॥रागसूहोबिलावल॥ सुनिसुनिबातसखीमुसक्यानी। अबहींजायप्रकटकरिदे हैंकहांरहैयहबातछिपानी। औरनिसोंदुरावजोकरती तौहमकहतीभलीसयानी। दाइनआगेपेटदुरावतिवा कीबुद्धिआजुमैंजानी। मोहिंजातैवहउघरिपरैगीदूधदू धपानीकोपानी। सूरदासअबकरिचतुराईहमहिंदुराव तिबातनठानी ८८॥ रागगौरी॥ युवतीजुरिराधाढिग आई। लखिलीन्हीतबचतुरनागरीयेमोपरसबईरिसहा ई। आदरनहींकियोकाहूकोमनमेंएकबुद्धिउपजाई। मौनगह्योनहिंबोलतितिनसोंबैठिरहीकरिकैचतुराई। आपुहिबैठिगईढिगसिगरीजबजानीयहतौसुघराई। सू रदासवेसखीसयानीऔरकहूँकीबातचलाई ८९॥ राग जैतश्री॥ चतुरचतुरकीभेंटभई। वहतौनिपटमौनधरि बैठीइनसबहिंनलखिताहिरई। मुहाचहीयुवतिनतबकी न्होदेखौउलटीरीतिभई। कहाहमारोमनयहराखैअरुह

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

महींपरसतरगई। बूझहिंवाहिखूँटधरिकैतूकहाआजय
हमौंनलई। सुनहुसूरहमसोंकहपरदा।जिनकरिदीन्होसा
टसई ९०॥ चौ०॥ एकसखीतबविहँसिसुनायो। कहो
मौनव्रतकिनासिखलायो ९१ धनिवहगुरूमंत्रजिनदी
न्हो। कानलगतहीऐसोकीन्हो ९२ कहामौनकोफलअ
बकहिये। सुनैंकछूतोहमहूँगहिये ९३ गुणआगरनाग
रीसयानी। बोलीसहितनिठुरईबानी ९४॥ रागगौरी॥
तुमप्रीतमकीवैरिनिमेरी। वहिसोंकहतिमिलीजोमारग
यहिमोसोंअतिकहोअनेरी। कहतिकहाश्यामाहिमिलि
आईभौंचकिरहीसौंहमैंतेरी। मेरेअँगछबिऔरकहति
कछुइतनीसुनतरहीमुखहेरी। मैंजिनकोसपनेनहिंदेखौं
तिनकीबातकहतिफिरफेरी। सूरदासगुणभरीराधिकाम
हिमाकोजानैयहिकेरी९५॥ रागकल्यान॥ तुमसोंकछुदुराव
हैमेरो। कहांकान्हकहँमैंसुनुसजनीब्रजघरघरयहचल
तहैघेरो। औरकहतसबमोहिंनब्यापैतुमहुँकहोयहबा
नी। आदरनहींकियोयाहीतेतुमपरअतिहिरिसानी।
हमतोनहींकछूकहितोसोंताहूपररिसकरती। सूरतबहिं
हमसोंजोकहतीतेरीधौंकैलरती ९६॥ रागरामकली॥
सखीतूराधहिदोषलगावति। तेरोश्यामकहांइनदेख्यो
बातनवैरबढ़ावति। हमआगेझूँठीनाहिंकैहैसखियनसे
नबतावति। ऐसीबातअरीमुखतेरेकैसेधौंकहिआवति।
भेदहिभेदकहतिहैंबातैंऐसेमनहिंजनावति। सूरश्याम
तैंदेखेनाहींकीधौंहमहिंदुरावति ९७॥ चौ०॥ प्यारीस
बकेमनकीजानै। सबसोंरूखेबचनबखानै ९८ कौनको
CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

नकोमुखसखिगहिये । जाकोजोभावैसोकहिये ९९ ॥

रागबिलावल ॥ कैसेहैंनँदसुवनकन्हाई । देखेनहींनयनभ रिकबहूँब्रजमेंरहतसदाई । सकुचतिहौंयकबातकहति सोनाहींजातसुनाई । कैसेहुमोहिंदेखावहुउनकोयहमेरे मनआई । अतिहीसुन्दरकहियतहैंवेमोकोदेवबताई । सूरदासराधाकीबाणीसुनतसखीभरमाई १०० ॥ चौ० ॥ सुनिवृषभानुसुताकीबानी । हँसींसबैगोपिकासयानी १

रागकेदारोचर्चरी ॥ नन्दनन्दनदरशजबहिंपैहौ । एकद्वै तीनतजिचारबाणीमेटिपांचछहनिदरिसातेंभुलैहौ । आ ठहूगांठिपरिहैनवहूदशहुँदिशिभूलिहौग्यारहोरुद्रजैसे । बारहौकलातेतपनितनुतेमिटति तेरहोरत्नसुखछबिनतै से । निपुणचौदहबरणपंद्रहौसुभगअतिबर्षषोड़शस ग्रहौनरैहै । जपतअठारहुभेदउनइसनहींबीसहूदिशा तेसुखहिपैहै । नयनभरिदेखिजीवनसुफलकरिलेखिब्र जहिमेंरहतितैंनहींजाने । सूरप्रभुचतुरतुमहूंमहाचतुरि हौजैसीतुमतैसेवोऊसयाने२ ॥ चौ० ॥हँसतिकहतिसब गोपकिशोरी । चिरजीवहुयहसुन्दरिजोरी ३ सुनतव्यं ग्यसखियनकीबानी । मनमनबिहँसतिकुँवरिसयानी ४ चतुराईनीकेगहिराखी । हँसिऐसेसखियनसेभाखी ५ ॥

रागदेवगन्धार ॥ मनमनहँसतिराधिकागोरी । ऐसेश्यामर हतब्रजभीतरबूझतिहौंभयभोरी । तुमउनकोकहुँदेखेहौ कीसुनीकहतिहौबात । चतुराईनीकेगाहिराखीमुखमुरि कैमुसक्यात । कबहूंतौकबहूंफँदपरिहौतबहींलीजैची न । सूरश्यामकोपीताम्बरमेरिबेसारिलीजोछीन ६ ॥

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

रागनट ॥ यहसुनिहँसिचलींब्रजनारि । अतिहिआईंग वेकीन्हेगईंघरझखमारि । कबहुंतोहमदेखिहैंइकसंग राधाकान । भेदहमसोंकियोराधानिठुरभईनिदान । बिसरसबदिनचोरकोकहुंहोतहैनिर्बाहु। कालिहदेखैंगेस बनिसुनिसूरदुलहिनिनाहु ७ ॥ चौ० ॥ यहैचवावकरत सबगोपी। हमसोंबातराधिकालोपी ८ ॥ रागसूहोबिला वल ॥ कहाकहततूबातअयानी । तुमहींकहौसबैवहजा नतिहमसबसेवहबड़ीसयानी। सातबर्षतेयहढँगसीखीतु मतोयहआजुहिहैजानी । वाकेछन्दभेदकोजानैमीनक बहिंधौंपीवैपानी। हरिकेचरितसबैवेसीखेदोऊहैंवेबारह बानी । कालिहगईसबवाकेघरमिलिकैसीबुद्धिमौनहीठा नी । कितीकहीनेकहुनहिंबोलीफिरआईतबहमहिंखि सानी। सूरश्यामसंगतिकीमहिमाकहुंकौनहीहूनपतिया नी९॥ दो०॥ ऐसेसबब्रजसुन्दरीमिलिकैकरतिचवाव। राधाहरिउरमेंबसेंऔरनबातसुहाव १० ॥ रागमारू॥ तबराधासखियनपैआई । आवतिदेखिसबनमुखमूं द्योजहँतहँरहिंअरगाई । मुखदेखतसबसकुचिगईयह कहांअचानकआई । करतरहींचुगुलीहमयाकीतरुणी गईलजाई । अतिआदरकरिबैठकदीन्होकहौकहांतुम आई। कहांआजसुधिकरीहमारीसूरश्यामसुखदाई ११ रागधनाश्री॥ मैंकहआजुअनोखीआई। बहुतेआदरकर तिसबैमिलिपहुनेकीकीजैपहुनाई। कैसीबातकहतितूरा धाबैठनकोनहिंकहिये । तुमआईअपनेघरतेह्यांहमहुं मौनह्वैरहिये । जानिलईवृषभानुसुताहँसिकह्योतर्कतुम

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

कीन्हो। सूरदासतादिनकोबदलोदांवआपनोलीन्हो १२
दांवघातसबतुमहींजानति । सदामानितुमकोहमआई
तैसेअबहूंमानति । तुमयहबातगांसकरिराख्योहमको
गईभुलाई । तादिनकह्योनहींमैंजानोंमानिलईसतिभा
ई। चोरसबनिचोरैकरिजानैज्ञानीमनसबज्ञानी । सूर
दासगोपिनकीबाणीराधासुनिमुसक्यानी १३॥ चौ०॥
सुनियहकुँवरिमनहिंमुसक्यानी । कह्योसखीसबसांचब
खानी १४ ॥ रागटोड़ी ॥ पुनिकहियोअबन्हानचलौ
गी । तबअपनोमनभायोकीजोजबमोकोहरिसंगमिलौ
गी। वहैबातमनमेंगहिराखीमैंजानतिकबहुंनाबिसरैगी।
बडीबारमोकोभइआयेन्हानचलतिकीबहुरिलड़ौगी ।
गहिगहिबांहसबनिकरिठाढ़ी कैसेहूघरते निकलौगी ।
सूरराधिकाकहतिसखिनसों बहुरिआयघरकाजकरौगी
१५ ॥ दो० ॥ यहिबिधिहासहुलासकरिसखिनसंग
सुकुमारि । चलीन्हानयमुनानदीश्रीवृषभानुकुमारि
१६ ॥ सो० ॥ सकलरूपकीराशिनवनागरिमृगलोच
नी । भरींअनन्दहुलासकृष्णप्रेमसेंएकचित १७ ॥
यमुनास्नानलीलातहांभगवद्दर्शन। चौ० ॥ चलींयमुनसबन
वलकिशोरी। कनकबरणतनुकोमलगोरी १८ हासबि
लासकुतूहलभारी । करतिपरस्परसबसुकुमारी १९ ॥
सूरसागरेरागनट ॥ गईंब्रजनारियमुनातीर। संगराजति
कुवँरिराधाभईशोभाभीर । देखिलहरितरंगहरषींरहत
नहिंमनधीर । स्नानकोवेभईआतुरसुभगजलगंभीर।
कोउगईजलपैठितरुणीऔरठाढ़ींतीर । तिनहिंलईबु

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

लायराधाकरतिमुखतनकीर। एकएकहिधरतिभुजभ रिएकछिरकतिनीर। सूरराधाहँसतिठाढ़ीभीजिछबितनु चीर २०॥ चौ०॥ श्यामासहितन्हातिसबनारी। बिह रतिजलबिहारसुकुमारी २१ करतिबिबिधबिधिहास बिलासा। एकएकगहिपरमहुलासा २२ सुनितहँश्या मयुवतिमनरंजन। आयेकोटिकामद्युतिभंजन २३॥ दो०॥ काछेनटवरवेषबरचित्रितचन्दनअंग। ठाढ़ेउ टँगिकदम्बतेकीन्हेअंगत्रिभंग २४॥ सो०॥नवघनसुन्द रश्यामब्रजतियमनचातकसुखद। नखशिखअतिअभि रामध्यानकामपूरणसकल २५॥ सू०रागपूर्वी॥उपमाधीर जतज्योनिरखिछबि।कोटिमदनअपनोबलहारयोकुंडल किरणिछायोरबि।खंजनकंजमधुपबिद्रुमाबिधुतड़ितनदी नरहतकहुँयेदबि॥हरिपटतरदैबाहिलजावतसकुचनहीं खोटेकबि। अरुणअधरदशनन्द्युतिनिरखतबिद्रुम शिखरलजाने। सूरश्यामइच्छाबपुकछुयोंपटतरमेटिबि राने २६॥ सूरसागरेरागगौरी॥ उपमाहरितनुदेखिलजा ने।कोउजलमेंकोउबननिरहेदुरिकोउकोउगगनसमाने। मुखनिरखतशशिगयोअँबरकोतड़ितदशनछबिहेरि। मीनकमलकरचरणनयनउरबनमेंकियोबसेरि। भुजादे खिअहिराजलजानेबिबरनपैठेधाय। कटिनिरखतकेह रिडरमान्योबनबनरहेदुराय। गारीदेहिंकबिनकोबरणत श्रीअँगपटतरदेत। सूरदासहमकोबिड़मावतनामहमा रलेत २७॥ चौ०॥ जलबिहारकरिगोपिकिशोरी। नि कसिचलींतटकोसबगोरी २८ परेदृष्टिमोहनतटमाहीं।

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

ठाढ़ेकदम्बबृक्षकीछाहीं २९ ॥ दो० ॥ श्यामानटवररूप कोदेखतहीसुखपाइ। चित्रपूतरीसीरहीदेहदशाबिसरा इ ३० ॥ रागनट ॥ राधेनिरखिभूलीअंग। नन्दनन्दन रूपपरगतिमतिभईतनपंग। इतसकुचअतिसखिनको उतहोतअपनीहानि। ज्ञानकरिअनुमानकीन्होअबहिं लैहैंजानि। चतुरसखियनपराखिलीन्हीसमुझिभईगवां रि। सबैमिलिइतन्हानलागींताहिदियोबिसारि। ना गरीमुखश्यामनिरखतिकबहुँसखियनहेरि। सूरराधाल खतिनाहिंनइनदईअवटेरि ३१ ॥ चौ० ॥ जानीसबैन्हा तजलमाहीं। मेरीदिशिचितवतिकोउनाहीं ३२ तबमन मेंयहबातबिचारी। देखिलेहुँअबछबिगिरिधारी ३३ ॥ दो० ॥ निरखतिश्यामाश्यामछबिपारिनिमेषनभोर। नय नबदनशोभितमनोद्वैशशिचारुचकोर ३४ ॥ रागराम कली ॥ चितवनिरोंकेहूनरही। श्यामसुन्दरसिन्धुसन्मुख सरिताउमगिबही। प्रेमसलिलप्रवाहभौंरतिमितिनका हूलही। लोभलहरिकटाक्षघूँघुटपटकरारबही। थकेपल्ल पथनावधीरजपरतनाहिंगही। मिलीसूरसुभावश्यामहि फेरिहूनचही ३५ ॥ रागजैतश्री ॥ देखहुरीराधाउतअटकी। काल्हिहमाहिंकैसेनिदरतिहोमेरेचितवहटरतनखटकी। चितैरहीयकटकहरिहीतननाजानियेकवनअँगलटकी। न्हातरहीकैसेसँगमिलिकैचितचंचलबिरहाकीचटकी। बातकहतितुलसीमुखमेलतिनैनसैनदैदैमुखमटकी। सू रश्यामकेरूपभुलानीराधाकेचितसुधिनाहिंघटकी ३६ ॥ रागकल्यान ॥ अबकछुभोरेहिभायभई। निरखतिबदनन

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

न्दनन्दनकोऔरहुतीसोगई । हृदयेजामिप्रेमअंकुरजर
सप्तपतालगई । सोद्रुमपसारिशिखरअम्बरलोंसबजग
छायलई । बचनसुपत्रमुकुरअवलोकनिगुणनिधिपुहुप
मई । पररूपराहिअनुरागसींचिसुखलगीप्रमोदजई ।
मनकेसकलमनोरथपूरण शोभाभारनई । सूरदासफ
लगिरिधरनागरमिलिरसरीतिठई ३७ ॥ चौ० ॥ तब
यकसखीकह्योमुसक्याई । प्यारीदेखेकुँवरकन्हाई ३८
राखोचीन्हिइन्हेंअबनीके । येहैंमनभावनसबहीके३९ ॥
दो० ॥ भलेशकुनआईयहां भयोतुम्हारोकाज । अब
कछुहमकोदेवगी मिलेतुम्हेंब्रजराज ४० ॥ सूरसागरे
रागरामकली ॥ राधाकह्योआजुइन्हेंजानी । बारबारमैं
हरितनचितईतबहींयेमुसक्यानी । कालिह्कह्योमैंइन
सोंवैसेअबतोबातनठानी । यहचतुरईपरीमोहींपरमन
मनअतिहिलजानी । मेरीबातगईइनआगेअबहिंकर
तिबिनपानी । सूरदासप्रभुकहाकहौंमैंअबतुमहाथबि
कानी ४१ ॥ चौ० ॥ सखिनकह्योअबघरचलुप्यारी ।
भईयमुनतटबहुतअबारी ४२ ॥ दो० ॥ कियोदरशतुम
श्यामकोघरचलिहौकैनाहिं । चीन्हिलेहुमिलिहैंबहुरिय
हकहिसबमुसक्याहिं ४३ ॥ सो० ॥ तबसखियनकेसा
थचलीसदनकोनागरी । उरमेंधरिब्रजनाथप्रेममगन
बोलैनहीं४४॥रागरामकली॥राधाहरिकेगर्वगहीली। मन्द
मन्दगतिमत्तमतँगज्योंअंगअंगसुखपुंजभरीली । पग
द्वैचलतिठिठुकिरहिठाढ़ीमौनधरेहरिकेरसगीली । धर
णीनखचरणनिकुरुवावतिसौतिनभागसुहागढहीली ।

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

नेकनहींपियतेकहुंबिछुरतितातेनाहिंनकामदहीली। सू
रसखीबूझैयहकहिहौंआजभईयहभेंटपहीली ४५ ॥
दो० ॥ चितवतिसूधेनेकनहिंकाहूतनअनखाय। रहीग
र्वपियश्यामकेगरबीलीगरबाय ४६ ॥ सो० ॥ सखिन
कह्योमुसक्यायक्योंप्यारीबोलतिनहीं। कैहमसोंअन
खायलियोमौनव्रतआजपुनि ४७ ॥ चौ० ॥ कैकछुबात
कहीनाहिंजाई। कैतेरोमनहरयोकन्हाई ४८ सांचीबात
कहोअबप्यारी। शोचपरयोमनतोहिंकहारी ४९ सुनि
सुनिगूढ़सखिनकीबानी। बोलीहरिभावतीसयानी ५०
रागधनाश्री ॥ कहाकहतितूबातअलेखो। मोसोंकहति
श्यामतुमदेखेतुमनीकेकरिदेखो। कैसोबरणवेषहैकैसो
कैसोअंगत्रिभंग। मोंआगेवहभेदकहोधौंकैसोहैतनुरंग।
मैंदेखेकीनाहींदेखेतुमतोबारहजार। सूरश्यामद्वैआँखिय
निदेखतिजाकोवारनपार ५१॥ राधाबाक्यसूरसागरे छंद ॥
सुनहुसखीमैंबूझतितुमसेकाहूहरिकोदेखेहैं। कैसोतनुकै
सोरँगदेखियतकैसेबिधिकरिलेखेहैं। कैसोमुकुटतिलक
हैकैसोसुभगभालभ्रुवनीकेहैं। कैसेनयननासिकाकैसी
श्रवणनिकुंडलपीकेहैं। कैसेअधरदशनद्युतिकैसीचिबु
कचारुचितचोरतहैं। कैसेनिरखिहँसतकाहूतनहँसतहु
बदनसिकोरतहैं। कैसीउरमालाहैकैसीकैसीभुजाबिरा
जतहैं। कैसेकरपहुंचीहैकैसीकैसीअँगुरीराजतहैं। कैसी
रोमावलीश्यामकीनाभिचारुकटिसुनियतुहैं। कैसेकन
कमेखलाकैसीकछनीयहमनगुनियतुहैं। कैसेजंघजानु
कैसेदोउकैसेपदनखजानतिहैं। सूरश्यामअँगअँगकी

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

शोभादेखेकीअनुमानतिहैं ५२ ॥ सखीब० रागकान्हरा ॥ हमदेखेयहिभांतिकन्हाई। शीशशिखंडअलकबिथुरीमुखश्रवणनकुंडलचारुसुहाई। कुटिलभृकुटिलोचनअनियारेसुभगनासिकाराजत। अरुणअधरदशनावलिकी द्युतिदाड़िमकणतनुलाजत। श्रीवहारमुक्ताबनमालाबाहुदण्डगजशुंड। रोमावलीसुभगबगपंगतिजातनाभिहदभुंड। कटिपटपीतमेखलाकंचनसुभगजंघयुगजानु। चरणकमलनखचन्द्रनहींसमऐसेसूरसुजानु ५३ ॥ राग धनाश्री ॥ ऐसेहमदेखेनँदनन्दन। श्यामसुभगतनपीत बसनजनुमनहुंजलदपरतड़ितसुछन्दन। मन्दमन्दमुरलीरवगरजनिसुधावृष्टिबरषतआनन्दन। बिबिधसुमनबनमालाउरमनुसुरपतिधनुषनाहिंयहिछन्दन। मुक्तावलीबीचबगपंगतिसुभगअंगचर्चितछबिचन्दन। सूरदासप्रभुनीपतरोवरतरठाढ़ेसुरनरमुनिबन्दन ५४॥ ललिताबचन। चौ० ॥ हमतौश्यामानिहारेऐसे। तोहिंलगेप्यारीकहुकैसे ५५ ॥ प्यारीउत्तर। सू० रागगौरी॥ तुमदेखेमैंनहिंपतियानी। मैंजानतिसबहीगतिमेरीयहैसांचअपनेमनआनी। जोतुमअंगअंगअवलोक्योधन्यधन्यमुखअस्तुतिगानी। मैंतोएकअंगअवलोकतदोऊनयनगयेभरिपानी। कुंडलझलककपोलनिआभाइतनेहिमांझबिकानी। इकटकरहीनयनदोउरूंधेसूरश्यामकोनहिंपाहिंचानी ५६ ॥ दो० ॥ मैंतबतेअपनेमनहिंयहीरहीपछिताय। देखनकोछबिश्यामकीललचतनयनबनाय ५७ बिनपहिंचानेश्यामसोंकरौंकौनबिधिप्रीति। नाहिंवहरूपनभाववह

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

क्षणक्षणऔरैरीति ५८ ॥ सो० ॥ मैंजानीयहबात हैंआनँदकेखानिहरि । पहिंचानेनाहिंजातकहाकरोंदो लोचनी ५९ ॥ चौ० ॥ तुमप्रतिअंगबिलोकनकीन्हे । मैंनीकेएकहुनहिंचीन्हे६० तुमहरिकीसंगिनिब्रजबाला। तातेदरशदेतनँदलाला ६१ ॥ सखीबचन । रागकल्यान॥ सुनहुसखीराधाकीबानी । हमकोधन्यकहतिआपुन धिगयहनिर्मलअतिजानी । आपुनरंकभईहरिधनको हमहिंकहतधनवंत । यहपूरणहमनिपटअधूरीहमअ संतयहसंत। धिगधिगहमधिगबुद्धिहमारीधन्यराधिका नारी । सूरश्यामकोयहपहिंचान्योहमभईंअंतगवाँरी ६२ ॥ दो० ॥ धनिधनितेरोमातुपितुधन्यभक्तिधनि हेत । तैंपहिंचानेश्यामकोहमअतिबालअचेत ६३ ॥ सो० ॥ धनियौवनधनिरूपधनिधनिभागसुहागतुम । तुममोहनअनुरूपचिरंजीवजोड़ीअचल ६४ ॥ चौ० ॥ जैसेतैंहरिरूपबखाने । हैंतैसोईयहहमजाने ६५ ऐसे श्यामासँगब्रजबाला । कहतपरस्परगुणगोपाला ६६॥ रागबिहागरो॥ अचानकआयगयेतहँश्याम । कृष्णक थासबकहतिपरस्परराधामिलिब्रजबाम । मुरलीअध रधरेनटवरबपुकटिकछनीपरवारौंकाम । सुभगमोरचं द्रिकाशीशपरआयगयेपूरणसुखधाम। तरुतमालतरत रुणकन्हाई दूरिकरनयुवतिनतनुकाम । सूरश्यामबं शीध्वनिपूरतराधालैकैनाम ६७ ॥ रागगौरी ॥ नन्दनँद नवृन्दाबनचन्द । यदुकुलनवतिथिद्वितियदेवकीप्रक टेत्रिभुवनचंद । जठरकुहूतेबिथुरबारुणीदिशिमधपरी

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

स्वछंद । बसुदेवशंभुशीशधरिश्रानेगोकुलश्रानँदकं
द।ब्रजप्राचीराकातिथियशुमतिशरदसरिसऋतुनन्द।
उडुगणसकलसखासंकर्षणतमदमकुलजनिकंद । गो
पीगणतहँधरिचकोरगतिनिरखिमेटिपदद्वंद । सूरस्वदे
शकलाषोड़शपरिपूरणपरमानन्द ६८ ॥ पुनः ॥ नँद
नन्दनमुखदेखौमाई । अंगअंगछबिउदयमनोरबिश
शिश्ररुश्रमरलजाई । खंजनमीनकुरंगभृंगवारिजपर
अतिरुचिपाई । श्रुतिमण्डलकुण्डलबिबिमकरहिबि
लसतमदनसहाई । कंठकपोतकीरबिद्रुमपरदाड़िमक
णनचुनाई । दुइसारँगबाहनपरमुरलीश्राईदेतदुहाई।
मोहेथिरचरबिटपबिहंगमब्योमबिमानथकाई । कुसु
मांजलिबरषतसुरमुनिसबसूरदासबलिजाई ६९ ॥
रागसूहोबिलावल ॥ प्रातसमयश्रावतहरिराजत । रत्न
जटितकुण्डलसखिश्रवणनि तिनकीकिरणिसूरतनला
जत । सातैंराशिमेलिद्वादशमेंकटिमेखलाश्रलंकृतसा
जत।पृथ्वीमथीपितासोंलेकरमुखसमीपमुरलीध्वनिबा
जत । जलधिताततेहिनामकंठकेतिनकेपंखमुकुटशिर
राजत । सूरदासकहेसुनोगूढ़हरिभक्तकिभजतअभ
क्तनिभ्राजत ७० ॥ रागगूजरी ॥ श्यामअँगयुवतींनिर
खिभुलानी। कोउनिरखतिकुण्डलकीश्राभाइतनहिंमां
झबिकानी । ललितकपोलदेखिकोउश्रटकीशिथिल
भईज्योंपानी । देहगेहकीसुधिनहिंकाहूहर्षतिकोउप
छितानी । कोउनिरखतिरहिललितनासिकायहकाहू
नहिंजानी । कोउनिरखतिश्रधरनकीशोभाफुरतिनहीं

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

मुखबानी । कोउचकितभइदशनचमकपरचकचौंधी अकुलानी । कोउनिरखतिद्युतिचिबुकचारुकीसूरतरुणिबितताना ७१ ॥ रागसारँगचर्चरी ॥ देखुरीनन्दकुलकेउधारी । मातुपितुदुरितउद्धरणब्रजउद्धरणधरणिउद्धरणशिरमुकुटधारी । पतितउद्धरणअपभक्तउद्धरणप्रभुदीनउद्धरणकुण्डलनिधारी।जगतउद्धरणतिहुँलोककेउद्धरणगजाहिउद्धरणपगपीठिधारी।पूतनाउद्धरणदनुजकुलउद्धरणतृणाउद्धरणमुखमुरलिधारी । शकटउद्धरणकेशीप्रलम्बउद्धरणबकाउद्धरणअरुणअधरधारी । अघाउद्धरणग्वालगायकेउद्धरणवृषभउद्धरणबनमालधारी।बच्छउद्धरणब्रह्मउद्धरणयेईप्रभुयज्ञउद्धरणधरणीउधारी । कालीउद्धरणफणफणसहितउद्धरणदावाउद्धरणअगमल्लयाधारी।ग्राहउद्धरणगजराजउद्धरणयेशिवाउद्धरणकटिपीतधारी।यदुकुलउद्धरणद्रौपदीउद्धरणशापगतजयबिजयकेउधारी । त्रासउद्धरणप्रह्लादकेउद्धरणप्रबलनरसिंहअवतारधारी । हिरण्यकशिपुउद्धरणहिरण्याक्षउद्धरणवेदउद्धरणनवभुजाधारी । रावणउद्धरणकुम्भकरणउद्धरणयेत्रिशिरउद्धरणप्रभुचक्रधारी। धर्मउद्धरणयेकर्मउद्धरणयेसुभगकटिकिंकिणीपीतधारी। सूरउद्धरणसुरलोकउद्धरण हरिबंशउद्धरण येईमुरारी ७२ ॥ रागनट ॥ हरितनुमोहनीमाई । अंगअंगअनंगशतशतबरणिनाहिंजाई । कोउनिरखिबिथुरीअलकमुखअधिकसुखदाई। कोउनिराखिरहिभालचन्दनएकाचितलाई । कोउनिरखिरहिचारुलोचननिमिषभरमाई ।

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

सूरप्रभुकीनिरखिशोभाकहतनहिंआई ७३ ॥ चौ० ॥ रूपराशिसुखराशिकन्हाई। प्रेमराशिजनकेसुखदाई ७४ दो० ॥ छबिसागरसुखकीअवधिगुणमंदिररसखान। मोहिलियोमनतियनकोरसिकनरेशसुजान ७५॥ सो० ॥ मुरलीमधुरबजायप्यारीप्यारीनामकहि। अनुपमछबि दरशायगयेसदनआनंदघन ७६ ॥ चौ० ॥ रहींठगी सीगोपकुमारी। मनहरिलेगयेनवलबिहारी ७७ ॥ श्रीप्यारीजूकोरागलीला। रागरामकली ॥ पुनिपुनिकहतिहैं व्रजनारि। धन्यबड़भागिनीराधातेरेबशगिरिधारि। धन्यनन्दकुमारधनितुमधन्यतेरीप्रीति। धन्यदोउतुमनवलजोरीकोककलानिजीति। हमबिमुखतुमकृष्णसंगिनिप्राणइकद्वैदेह। एकमनइकबुद्धिइकचितदुहुंनएकसनेह। एकक्षणबिनतुमहिंदेखेश्यामधरतनधीर। मुरलिमेंतुवनामपुनिपुनिकहतहैंबलबीर। श्याममणितेंपरखिलीन्हीमहाचतुरसुजान। सूरकेप्रभुप्रेमकेबशकौनतोसरिआन ७८ ॥ रागसोरठ ॥ राधाश्यामकीप्यारी। कृष्णपतिसर्बदातेरेतूसदानारी। सुनतबाणीसखीमुखकीजियभरयोअनुराग। प्रेमगद्गदरोमपुलकितसमुझिअपनोभाग। प्रीतिप्रकटनकियोचाहैवचनबोलिनजाय। नन्दनन्दनकामनायकरहेनयनछिपाय। हृदयतेकहुंटरतनाहींकियोनिश्चलबास। सूरप्रभुरसभरीराधादुरतनहींप्रकास ७९ ॥ रागजैतश्री ॥ सुनुसजनीमेरीयकबात। तुमतोकरतबड़ाईमेरीमनमेंरोशरमात। मोसोंकहतिश्यामतुमएकैयहसुनिकैशरमात। एकअंगकोपारनपावतिच

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

कितहोतभरमात। यहमूरतिह्वैनयनहमारेलिखीनहींकर
मात। सूररोमप्रतिलोचनदेतेबिधनापरतरमात ८० ॥
चौ०॥जोबिधनाकोवशकरिपाऊं। तौअबपद्धतिऔरि
चलाऊं८१॥ रागरामकली ॥कहाकरोंनीकेकरिहरिकेरूपरे
खनहिंपावतिरी। संगहिसंगफिरतिनिशिबासरनयनिनि
मेषनलावतिरी।बँधीद्दष्टिज्योंगुडीडोरिबशपाछेलागीधा
वतिरी। निकटभयेयेमेरीछायामोकोदुखउपजावतिरी।
नखशिखनिरखिनिहारोइचाहतिमनमूरतिअतिभावति
री। जानौंनहींकहांतेनिजछबिअंगअंगमेंआवतिरी।
अपनीदेहआपकोबैरिनिदुरतिनदुरेदुरावतिरी।सूरश्या
मसौंप्रीतिनिरंतरअन्तरमोहिंकरावतिरी ८२ ॥ चौ० ॥
जोदेखौंतोप्रीतिकरोंरी। देखनहींकीसाधमरोंरी ८३ ॥
रागजैतश्री ॥ सुनुरीसखीदशायहमेरी। जबतेमिलेश्या
मघनसुंदरतबतेसबबिसरेरी। ततक्षणउनकेसंगहिमो
कोअंगनिप्रतिअनंगकीढेरी। चपलातेअतिहीचंचल
तादृशनचमकचकचौंधिघनेरी। चमकतअंगपीतपट
चमकतचमकतमालामोतिनकेरी। सूरसमुझिबिधना
कीकरणीअतिरिसकरतिसौंहमोहिंतेरी ८४ ॥ सो० ॥
लीन्हीसखियनजानहरिरँगरातीलाड़िली। सुन्दरश्या
मसुजानरोमरोमयाकेरमे ८५ ॥ सखीबचन। रागसोरठ ॥
धन्यधन्यबड़भागिनिराधा। नवलश्यामनवलातुमहूँहौ
दोउतुमरूपअगाधा। मैंजानीयहबातहृदयकीरहीनहीं
कछुसाधा। संगहिरहतिसदापियप्यारीक्रीड़ाकरतिअ
गाधा। कोककलाबुतपन्नभईहौकान्हरूपतनआधा।

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

प्रेमउमगितेरेसुखउपज्योअरसपरसअवराधा। सूरदा
सप्रभुमिलेकृपाकरिगयेदुरितदुखदाधा ८६॥ रागध
नाश्री॥ कहुराधिकाबातअवसांची। तुमअबप्रकट
कहौमोआगेश्यामप्रेमरसमांची। तुमकोकहांमिलेनँ
दनन्दनजबउनकेरँगरांची। खरिकमिलेकीगोरसबेंच
तकीबिषहरतेबांची। कहेबनैछांड़हुचतुराईबातनहींयह
कांची। सूरदासराधिकासयानीरूपराशिरसपांची८७॥
चौ०॥ सुनिसखियनकीबातसयानी। बोलीपरमनागरी
बानी ८८॥ रागगौरी॥ कबरीमिलेश्यामनहिंजानौं।
तेरीसोंकरिकहतिसखीरीअजहुँनहींपहिंचानौं। खरि
कमिलेकीगोरसबेंचतकीअबहींकीकालि। नयननअन्त
रहोतनकबहूँकहतिकहारीआलि। एकौपलहरिहोतन
न्यारेनीकेदेखीनाहिं। सूरदासप्रभुटरतनटारेनयननिस
दाबसाहिं ८९॥ रागआसावरी॥ श्याममिलेमोहिंऐसे
माई। मैंजलकोयमुनातटआई। औचकआयेतहांक
न्हाई। देखतहीमोहनीलगाई। तबहींतेतनुसुरतिगवाँ
ई। तबहींतेहरिहाथबिकानी। देहगेहसुधिसबैभुलानी।
अँगअँगाशिथिलभईजसपानी। ज्योंत्योंकरिगृहपहुँची
आनी। बोलेतहांअचानकबानी। सूरश्यामऐसीम
तिठानी ९०॥ दो०॥ नहिंजानतिहरिकहांकियोमन्दम
धुरमुसक्याय। मनसमुझतरीझतनयनकहौंकहांलगि
गाय ९१॥ रागआसावरी॥ नाजानौंतबहींतेसजनीश्याम
कहांधौंकीन्होरी। मेरीदृष्टिपरेजादिनतेज्ञानध्यानहरिली
न्होरी। द्वारेआयगयेऔचकहीमैंआंगनहींठाढ़ीरी।

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

मनमोहनमुखदेखिरहीतबकामब्यथातनुबाढ़ीरी। नयन
सयनदैंदैंहरिमोहतकछुइकभावबतायोरी। पीताम्बरउर
पैनीकरगाहिअपनेशीशफिरायोरी।लोकलाजगुरुजनकी
शंकाकहतनआवैबानीरी। सूरश्याममेरेआंगनआयेजा
तबहुतपछितानीरी९२॥ रागअड़ानो॥ मेरोमनगोपालह
रयोरी। चितवतहीउरपैठिनयनमगकाजानौंवहिकहाक
रयोरी।मातपितापतिबन्धुसजनसखिआंगनलौंसबभव
नभरयोरी। लोकवेदप्रतिहारपहरुवातिनहूंपैराख्योनप
रयोरी। धर्मधीरकुलकानिकूचकरितेहितारादैदूरिधरयो
री।पलककपाटकठिनउरअन्तरयेतेयतनकछूनसरयोरी।
बुधिबिबेकबलसहितसच्योमचि सुधनअचलकबहूंनट
रयोरी।लियोचुरायचितैचितसजनीसूरशोचतनुजातज
रयोरी९३॥गोपीऊचुः।रागधनाश्री॥प्रेमसहितहरितेरेआये।
कछुसेवातैंकरीकिनाहींकीधौंवैसहिउनाहिंपठाये। काहेते
हरिपागसवाँरीक्योंपीताम्बरशीशफिराये। गुप्तभावतो
सोंकछुकीन्होघरआयेकाहेबिसराये। अतिहीचतुरकहा
वतिराधाबातनहीहरिक्योंनभुराये। सूरश्यामकोबशक
रिलेतीकाहेकोरहतेपछितायें९४॥ प्यारीऊचुः। दो०॥कहा
कहोंगुरुजनसखीभयेमोहिंदुखदाय। सकुचिरहीतिनहीं
सकुचमुखकछुबचननआय९५॥ सो०॥ इतनोकियोस
यानमैंतबबेंदीकरपरसि। उरलाईहितमानसन्मुखकरि
करिआरसी९६॥ चौ०॥ अन्तरयामीचतुरकन्हाई। जा
निलईमेरीचतुराई९७॥ सखीऊचुः।रागधनाश्री॥ सेवामा
निलईहरितेरी। अबकाहेपछितातिराधिकाश्यामजात

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

करिफेरी। गुरुजनमेंभावहिकीपजाऔरकहौंकछुटेरी। मोहनअतिसुखपायगयेरीचाहतिहौंकहमेरी। तेरेबश भयेकुँवरकन्हाईकरतिकहाअवसेरी। सूरश्यामतुमको अतिचाहततुमप्यारीहरिकेरी ९८॥ रागरामकली॥ राधातैंहरिकेरँगरांची।तोतेऔरचतुरनहिंकोऊबातकहौं मैंसांची। तैंउनकोमननहींचुरायोऐसीहैतूकांची। हरि तेरोमनअबहिंचुरायोप्रथमहिंतूहैनाची। तुमअरुश्याम एकहौदोऊबाकीनाहींबांची। सूरश्यामतेरेबशराधाकह तिलीकमैंखांची९९॥ पुनः॥राधाहरिअनुरागभरी। ग द्गदमुखबाणीपरकाशतिदेहदशाबिसरी।कहतियहैमन हरिहरिलेगयेयेहीपरनिपरी। लोकसकुचशंकानहिंमान तिश्यामहिंरंगढरी। सखीसखीसोंकहतिबावरीयहिहम कोनिदरी।सूरदासप्रभुमूरतिमानीभुरईहंससगरी२०० रागसुघरई॥ आंखिनमेंबसैजियरेमेंबसैहियरेमेंबसतनि शिदिनप्यारो। मनमेंबसैतनबैनबसैअँगअंगबसतुवह नँदवारो। सुधिमेंबसैबुधिहूमेंबसैउरमेंबसतप्रियप्रेमदु लारो। सूरश्यामबनहूमेंबसतघरहूमेंबसतसँगज्योंछां जलनहोतन्यारो १॥ दो०॥ गईसकलनिजनिजसदन युगलप्रेमरसलीन। बिछुरतिनाहिंएकहुघरीजैसेजलअ रुमीन २॥ सो०॥ रहेश्यामउरछायबिनुदेखेदगकलन हीं। गृहकारजनसुहायगुरुजनत्रासनभानहीं ३॥ राग जैतश्री॥ सासुननदघरत्रासदिखावैं। तुमकुलवधूलाज नहिंआवतिबारबारयहकहिसमुझावैं। कबकीगईन्हा नतुमयमुनायहकहिकहिरिसपावैं। राधाकोतुमसंगकर

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

तिहौब्रजउपहासउड़ावैं। वेहैंबड़ेमहरकीबेटीतौंऐसेकह
वावैं। सुनहुसूरयहउनहींभावैऐसीकहतिडरावैं ४॥
दो०॥ सुनियुवतीगुरुजनवचनबिहँसिरहींधरिमौन।
हरिराधाउपहासकीमहिमाजानैकौन ५ धिकगुरुजनकु
लकानिधिकधिकलज्जाधिकधाम। धिकजीवनवहदिनन
कोबिनसुंदरघनश्याम ६॥ सो०॥ पलककलपसमजायब्र
जबासीप्रभुदरशाबिन। सदनननेकुसुहायमनहरिलीन्हो
सांवरो ७॥ घाटकोमिलनलीला। चौ०॥ श्रीवृषभानुकुँवरिबि
रजोरी। कृष्णप्रेमउनमत्तकिशोरी ८ तनबिकलमनह
रिकेपासा। दुरतनहृदयप्रेमपरकासा ९ चलीयमुनज
लअापुअकेली। रूपराशिगुणराशिनवेली १० दृगन
श्यामदरशनकीआसा। मनहींमनयहकरतिहुलासा ११
सूरसागरे। रागधनाश्री ॥ चितकोचोरअबहिंजोपाऊं। हृ
दयकपाटलगाययतनकरिअपनेमनहिंमनाऊं। जबहिं
निशंकहोतिगुरुजनतेताहिअवसरजोआवैं। भुजनिधरौं
भरिसुदृढ़मनोहरबहुतदिननिकोफलवेपावैं। लैराखोंकु
चबीचचापिकरिप्रतिदिनकोतनुतापबिसारों। सूरजदा
सनंदनन्दनकोगृहगृहडोलनिकोश्रमटारों १२॥ राग
बिलावल॥ इततेराधाजातियमुनततनउततेहरिआवतघ
रको। कटिकाछनीबेषनटवरकोबीचमिलीमुरलीधरको।
चितैरहीमुखइन्दुमनोहरवाछबिपरवारतितनको। दूरि
हितेदेखतहीजानेप्राणनाथसुन्दरघनको। रोमपुलकग
द्गदबाणीकहिकहांजातचोरेमनको। सूरदासप्रभुचो
रीसीखेमाखनतेचितवतधनको १३॥ पुनः॥ भुजापक

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

रिठाढ़ेहरिकीन्हे। बांहमरोरिजाहुगेकैसेमैंतुमकोनीकेध रिचीन्हे। माखनचोरीकरतरहेतुमअबतोभयेमनचोर। सुनतरहीमनचोरतहैंहरिप्रकटलियोमनमोर। ऐसेढी ठभयेतुमडोलतनिदरेब्रजकीनारि। सूरश्याममोहूँनिद रौंगेदेहुँप्रेमकीगारि १४॥ रागकल्यान॥ ब्रजमेंढीठभ येतुमडोलत। अबतौश्यामपरेफँदमेरेसूधेकाहेनबोलत। मनदीजैमर्यादाजैहैरहतचतुरईकीन्हे। सुखकरिदेहु किदुखकरिदीजैअबतौबनिहेदीन्हे। ऐसेढँगतुमकरतक न्हाईजीतिरहेब्रजगांव। सूरआजबहुतैदुखपावैमनका रणपछिताव १५॥ रागगोंडमलार॥ सुनुरीकुलकीकानि ललनसेमैंझगरोमाड़ोंगी।मेरेइनकेबीचपरोजनिलैकरि अधरनखांड़ोंगी। चतुरनायकसोंकामपर्योहैकैसेकैछां ड़ोंगी। सूरदासप्रभुनँदनन्दनकोरसलैडांड़ोंगी १६॥ रागकान्हरा॥ चोरीकोफलतुमहिंदिखाऊं। कंचनखंभडो रिरेशमकीदेखोतुमहिंबँधाऊं। खंडोंएकअंगकछुतुम्हरो चोरीनामामिटाऊं। जोचाहौंसोइसोइसबलेहौंयहक हिडांड़मनाऊं। बीचकरनजोआवैकोऊताकोसौंहदि वाऊं। सूरश्यामचोरनकेराजाबहुरिकहांमैंपाऊं १७॥ चौ०॥ प्यारीयोंझगरतिपियपाहीं। देहगेहकीसुधिकछु नाहीं १८॥ दो०॥ बीचकरीकुललाजतबसन्मुखआई धाय। बकसिनागरीचूकयहमोहिंकह्योसमुझाय १९॥ सो०॥ चितलैगयेचुरायचकपरीहरितेबड़ी। छांड़िदेहु डरपायबड़ीमहरिकीकुँवरितुम २०॥ चौ०॥ कुलकी लाजअकाजकियोरी। कहाकहौंअतिजरतहियोरी २१

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

सूरसागरे। रागकान्हरा॥ प्राणनाथमेरीसुरतिकरौ। क्यौंन
मैंजुदुखपावतिहौं अपनेतनमनमेरीसुरतिकरौ। दी
नदयालुकृपाकरिमोकोकामद्वन्द्वऔबिरहहरौ। तुमबहु
रमणिरमणमैंजानतिवहिधोखेमोसोंकाहेकोलरौ। त
नधनतुमहीमेरेमोहनतेरोध्यानहृदयमेंकरौं। सूरदास
तुमअन्तरयामीमनसाबाचाध्यानतुम्हरोधरौं २२॥
चौ०॥ तबयोंकहतिपीयसनप्यारी। सुनहुप्राणप
तिगिरिवरधारी २३ देखेबिनातुमहिंदुखपाऊं। सो
यहतुमबिनकाहिसुनाऊं २४ अबयहबिनयश्याम
सुनिलीजै। चरणनतेन्यारीनहिंकीजै २५॥ रागसारंग
चर्चरी॥ नागरीश्यामसोंकहतिबानी। सुनहुगिरिधरन
बरशीशशीखंडधरजपतसुरनागनरसहजबानी। रुद्रप
तिक्षुद्रपतिलोकपतिओकपति धरणिपतिगगनपतिवेद
बानी। सिंहकेशरणजंबूकत्रासहिकरैजनकृष्णराधाए
कजगतबानी। अखिलब्रह्मांडपतितिहुँभुवनअधिप
तीसकलश्रुतिसारपतिअगमबानी। सूरप्रभुश्यामतुम
हींकरुणाधामकरौमनकामसुनिदीनबानी २६॥ पुनः॥
बिहँसिराधाकृष्णअंकलीन्हो। अधरसोंअधरजुरिनय
नसोंनयनजुरिहृदयसोंहृदयलागिहर्षकीन्हो। कंठभुजभु
जजोरिउछंगलीन्हीनारिभवनदुखटारिसुखदियोभारी।
हरषिबोलेश्यामकुंजबनघनधाम तहांहमतुमसंगमिलैं
प्यारी। जाहुगृहपरमधनहमहुँजैहैंसदनआयकहुँपा
समोहिंसैनदैहौ। सूरयहभावदैतुरतहीगवनकरिकुंजगृह
सदनतुमजायरैहौ २७॥ पुनः॥ यहसुनतनागरीमाथना

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

यो । श्यामरसबसभरेमदनजियडरडरेसुन्दरीबातको
भेदपायो । खड़ेब्रजयमुनबिचदुहुंनमनअतिसकुचओ
रकुलबनैनहिंबुद्धिठानी। तबहिंब्रजनारिआवतदेखियमु
नतेएकब्रजहितेराधालजानी । श्यामहँसिकैचलेतुरत
ग्वालनिमिलेकहांसबरहेकहिहांकदीन्हो । भावयहकरि
गयेसूरप्रभुगुणनयेनागरीरसिकजियजानिलीन्हो २८॥
पुनः ॥ चतुरबरनागरीबुद्धिठानी । अबहिंमोहिंबूझिहैं
इन्हैंकैहौंकहाश्यामसँगआजमोहिंप्रकटजानी।भावकरि
गयेहरिग्वालबूझतरहेजानिजियलईअतिचतुरराप्ती ।
यहरचोंबुद्धिइककहायेकहैंमोहिंमेरेमनयेसबैद्योसबासी।
इतहुकीउतहुकीसबैजुरिइकठीकहतिराधाकहांजातहैरी
सूरप्रभुकोअबैदेखे हमतेरेढिगकहांगयेतिनहिंपूछितात
हैरी २९ ॥ दो० ॥ कहतरहीजबतबयहीहरिसँगदेखोमो
हिं । तबकहियोजोभावईलीजोबेसरिखोहिं ३० ॥ सो० ॥
अबहमलईछुड़ाय बेसरिदेहौंकीनहीं । कैकरिहोचतुरा
य औरकछूहमसेअभी ३१ ॥ राग सोरठ ॥ यहैकहनमो
कोतुमआई । इततेंधउततेतुमसबमिलिकाहेऐसेधाई ।
बेसरिएकलेवगीकोकोपीताम्बरनदेखावहु । बेसरिअ
रुपीताम्बरलैतबघर२जायसुनावहु । तारीएकबजाति
कीदोऊइतनोज्ञानबिचारो।सुनहुसूरयेबेसरिलैहैंजानो
ज्ञानतुम्हारो ३२ ॥ राग जयश्री ॥ सुनुराधातोहिंसौंहह
मारी । तेरेचरितकोऊनहिंजानैवशकीन्हेगिरिधारी ।
अबहींकान्हटारिकैपठयेचतुरइआपसवांरी । अबहीं
प्रकटदुहुंनहमदेख्योजानतदेहौंगारी । तोमेंबुद्धिअधि
CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

कहमदेखीबड़ीसयानीनारी । सूरश्यामकेयहबुधिनाहीं
जितनीहैतुवधारी ३३ ॥ राग बिलावल ॥ अबहमसों
सांचीकहोवृषभानुदुलारी । कछुतोतोसोंकहतहैंहाहा
गिरिधारी । हाहाहमसोंसोइकहोदहौजनिगारी । हम
कोदेखतहीगयेउतग्वालहँकारी । भेदकरैजोलाड़िली
तोहिंसौंहहमारी । तूठाढ़ीकाहेरहीमगमेंरीप्यारी । सह
जहोयतूकहअबेउरतेरिसटारी । सूरश्यामकीभावतीक
हैकहोंकहारी ३४ ॥ राग सूहो ॥ मैंयमुनाजलजातिरही
री । उततेआवतदेखिसखिनकोइहिकारणमैंपरखिर
हीरी । इततेआइगयेहरितिरछेमैंतिनहींतनाचितैरही
री । बूझनलगेकान्हग्वालनकोतुमतोदेखेउन्हैंनहींरी ।
कछुउनसोंबोलीनहिंसन्मुखनाहींहांकछुबैनकहीरी । सू
रश्यामगयेग्वालनटेरतनाजानोंतुमकहागहीरी ३५ ॥
दो० ॥ तबहँसिकैसखियनकह्योसुनुलाड़िलीसुजान ।
हममानीतेरीकहीतूमतरिसजियआन ३६ ॥ चौ० ॥
अबचलिहैयमुनाकेधामा । संगचलैंहमहूँसबश्यामा ३७
चूकपरीहमसोंयहतेरी । नामलियोबेसरिकोथेरी ३८
अहोसखीतुमानिपटअनैसी । जानतिहौमोहिंआपुहो
जैसी ३९ झूठहिधाईदोषलगावन । अबलागींमोको
दुलरावन ४० यहसुनिहँसतचलींब्रजनारी । गईंयमु
नतेगृहकोप्यारी ४१ ऐसेसखियनकोबहिलायो । कृष्ण
सनेहनप्रकटजनायो ४२ कैसेहुकरिकैदिवसबितायो ।
निशिनघटैरसबिरहसतायो ४३ ॥ दो० ॥ बिरहनदी
निशितमसलिलपैरतथकेनिहारि । बूड़्योमणितमचुर

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

कहौंमिल्योपारभिनुसारि ४४ ॥ संकेतमिलनकीलीला ।
रागबिलावल ॥ कान्हउठेअतिप्रातहीतलबेलीलागी ।
प्रियाप्रेमकेरसभरेरतिअन्तरखागी । श्यामउठतअव
लोकिकैजननीतबजागी । सुन्दरबदनाबिलोकिकैअँग
अँगअनुरागी । माताबूझतिसुवनतेबलिगइमेरेबारे ।
कहाआजअचरजकियोतुमउठेसबारे । झारीजलदँत
वनिदियोछबिपरतनुवारयो । उत्तमजललैप्रेमसोंसुतब
दनपखारयो । करीमुखारीअतुरईनागरिरसछाके । सू
रश्यामऐसीदशात्रिभुवनबशजाके ४५ ॥ चौ० ॥ उत
वृषभानुसुतासुकुमारी । उठीप्रातहरिभावबिचारी ४६
ग्रीवासोंमोतीलरतोरी । आंचरबांधमातुकीचोरी ४७
आंगनगईभवनफिरिआई । गईभवनतेफिरिअँगना
ई ४८ मातुकह्योक्योंउठीसबारी । जातिकहांप्रातहितू
प्यारी ४९ आजकहांइतउततूडोलै । मुखतेकछूबचन
नहिंबोलै ५० ॥ दो० ॥ अतिनागरिमोतीलरीराखीप्र
थमदुराय । ताहीमिसकरिकैसकुचिबोलतनाहिंडराय
५१ ॥ रागसोरठ ॥ जननीअतिहिभईरिसहाई । बारबा
रकहैकुँवरिराधिकामोतीसारिकहांगवांई। बूझैसेतोहिं
ज्वाबनआवैकहारहीअरगाई । नौसरहारअमोलगरे
कोदेहुनमेरीमाई । कालिहहितेगरतेरोसूनोडारिकहूंतू
आई।सुनहुसूरमातारिसदेखतिराधाहँसतिडराई५२॥
दो० ॥नेकुनींदनहिंनिशिपरीतेरीसोंसुनुमात।याहीडरते
आजुहौंउठीबडीपरभात५३ सुनुराधातेरोनहींअबपति
यारोमोहिं । चौकीहारहमेलकछुनहिंपाहिरावोंतोहिं ५४
CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

सो० ॥ लाखटकाकीहानिकरीआजतूलाडिली । अब
नहिंदेहौंआनिजबलौंवहल्यावैनहीं ५५ ॥ रागधनाश्री ॥
जाहुतहींमोतीसरीगवांई। तबहींतौघरपैठनपैहौअबऐ
सेढँगआई । जोवरजोंआपुनसोइसोइकरैंदेखौरीगु
णमाई। एकएकनगशतशतदामिनिलाखटकादेलाई
जाकेहाथपरयोसोदैहैघरबैठेनिधिपाई।सूरसुनतहीकुंव
रिराधिकातोकोनहींभुलाई ५६ ॥ रागगौरी ॥ सुनुरा
धाअबत्वहिंनपत्यैहौं। औरहारचौकीहमेलअबतेरेकंठ
ननैहौं। लाखटकाकीहानिकरीतैंसोजबतोसोंलैहौं। हा
रबिनाल्यायेलड़बौरीघरनहिंपैठनदैहौं। जबदेखौंगीवहै
मोतिसरीतबहींतौसचुपैहौं। नातरुसूरजन्मभरितेरोफे
रिनामनहिंलैहौं ५७॥ रागकल्यान॥ जैहैकहांमोतिसरी
मोरी। अबसुधिनाहिंलईवाहीनेहँसतचलीवृषभानुकि
शोरी।अबहींमैंलीन्हेआवतिहौंमेरेसँगआवैजानिकोरी।
देखौंधौंकहकरिहौंवाकोबड़ेलोगसिखिकरतहैंचोरी। मो
कोआजुअबेरलागिहैढूंढौंगीघरघरब्रजखोरी । सूरच
लीनिधड़कहैसबसोंचतुरराधिकाबातनभोरी ५८ ॥
चौ० ॥ निधड़कचलीसदनतेप्यारी। मनअटक्योजहँकुं
जबिहारी ५९॥ दो० ॥ बारबारनँदनन्दउतआतुरजो
हतराह।प्यारीमुखशशिउदयकीनयनचकोरनिचाह६०
रागदेवगन्धार ॥ श्यामअतिराधाबिरहभरे । कबहूंसदन
कबहुंआंगनहीकबहूंपौरिखरे। जननीआतुरकरातिरसो
ईदेखिदेखिहरिजात । कहाअबेरकरातितूअबरीभूखल
गीअतिमात । मैंबलिजाउंश्यामघनसुंदरअबबैठातुम

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

आई। सूरसखासँगसबैबुलावहुहलधरनहींबताई ६१ रागबिलावल ॥ महरिकह्योनँदलाड़िलेसँगसखाबुलावहु। करौकलेऊआयकैहलधरहुबुलावहु। हलधरलये बुलायकैमोहनकरिआदर। दाऊजूचलिजेंइयेयहकहमनसादर। कान्हजायतुमजेंवहूमोकोरुचिनाहीं। सखा संगहरिलैगयेबैठेयकठाहीं। षटरसव्यंजनकोगनैबहु भांतिरसोई। सरसकनिकबेसनमिलैरुचिरोटीपोई। प्रेमसहितपरसनलगीहलधरकीमाता। ग्वालसखासब जोरिकैबैठेनँदताता। सखासबनजेंवनलगेहरिआयसुदीन्हो। सूरदासप्रभुआपहूकरकौरहिलीन्हो ६२ ॥ चौ० ॥ तबहींकोकिलकेसमबानी। बोलिउठीराधासुखदानी ६३ ॥ रागआसावरी ॥ नन्दमहरकेघरापिछवारेराधे आयबत्यानीहो। मनोअम्बुदलमोरदेखिकैकुहुकिकोकिलाबानीहो। भूंठहिनामलेतिललिताकोकाहेजाहुपरानीहो। वृन्दाबनमगजातिअकेलीशिरलियेदहीमथानीहो। मैंपरखतिद्वारेहौंबैठीश्यामतबाहितेतोहिजानीहो। कोककलागुणआगरिनागरिसूरचतुरईठानीहो ६४ ॥ दो० ॥ बिनजेंयेमोहनउठेकरतेकौरगिराय। जेंवतहीछांडेसखाबनहिंचलेअतुराय ६५ ॥ सो० ॥ देखिचकित दोउमातचौंकिरहेसिगरेसखा। कहतिकहांचलेजातअतिआतुरगोपालतुम ६६ ॥ रागरामकली ॥ धौरीमेरीगायबियानी। सखनिकह्योतुमजेंवहुबैठेश्यामचतुरईठानी। गायनहींछांबछरानाहींछैहैराधारानी। सखाहँसतमनहीं मनकाहिकहिऐसेगुणनिधिजानी। जननीभेदकछूनहिं

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

जानैबारबारअकुलानी। सूरश्यामभूखोउठिधायोमरैन
गायबियानी ६७॥ चौ०॥ गईसैनदैबनश्रीश्यामा। प
हुंचेजायतहांघनश्यामा ६८ मिलेधायगहिअंकमबा
ला। कनकबेलिजनुलगीतमाला ६९ मिलिबैठेदोउकुं
जसुहाई। कोटिकामरतिछबिहिलजाई ७०॥ दो०॥ न
वलकुंजनवनागरीनवनागरनँदनंद। प्रेमसिंधुमरयाद
तजिमिलेउमँगिआनंद ७१॥ सो०॥ बिलसतबिबिध
बिलासकोटिमदनमनकेमथन। युगलरूपकीरासनि
त्यबिलासबिलासनिधि ७२॥ रागदेवगन्धार॥ येदोउरा
जतरतिरणधीर। महासुभटप्रकटभूतलवृषभानुसुताब
लबीर। भौंहनिधनुषचढ़ायपरस्परसजेकवचतनुचीर।
गुणसन्धाननिशेषघटतनहिंछुटोकटाक्षनितीर। नखने
जाआकृतउरलागेनेकनमानतिपीर। मुरलीअधरनिडा
रिअयुधलोंगहेसुभुजभटभीर। प्रेमसमुद्रछांड़िमरया
दाउमँगिमिलेतजितीर। करतबिहारदुहूंदिशितेमनु
सींचतसुधाशरीर। अतिबलयौबनधायरुधिरचिरबंद
नमिलिश्रमनीर। सूरदासस्वामीअरुप्यारीबिहरतकुंज
कुटीर ७३॥ रागकान्हरा॥ नवलनिकुंजनवलनवलामि
लिनवलनिकेतनिरुचिरबनाये। बिलसतबिपिनबिला
सबिबिधबरबारिदबदनबिकासिसचुपाये। लागतचन्द्र
मयूषसुतौतनुलताभवानिरंध्रनिमगआये। मनहुंमदन
बल्लीकरहिमकरसींचतसुधाधारसतनाये। पुनिसुनि
शोचितश्रवणसुन्दरीमौनाकियोमोदतिमनलाये। सूरस
खीराधामाधवमिलिक्रीड़तहैंरतिपतिहिलजाये ७४॥

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

सो० ॥ यहअचरजकीगाथकोमानैकोकहिसकै। गोपसुताकेसाथरमतब्रह्मद्रुमकुंजतर ७५ ॥ रागमलार ॥ उल्हरिआयेशीतलबूंदपवनपुरवाई । बाढ़ेद्रुमसघनबनचहुंओरघटाछाई । तहांहरिआयसेजपातनकीबिछायअनमनेभयेकन्हाई । भीजतदेखीराधामाधवकारीकामरीओढ़ाई। अतिदरेरकीझरेरटपकतसबअम्बरकांपततनुत्रियकोप्रियहँसिकैग्रीवलगाई । भयेएकठौरसूरश्यामभरीकोरअरसपरसरीझतउपरैनाहींमिंसमाई ७६ ॥ पुनः ॥ दीजैकान्हकांधेकोकम्बर । नान्हीनान्हीबूंदनबरसनलाग्योभीजतकुसुमीअम्बर । बारबारअकुलायराधिकादेखिमेघआडम्बर । हँसिहँसिरीझिबैठिरहेदोऊओढ़िसुभगपीताम्बर । शिवसनकादिकनारदशारदअन्तनपावैंतुम्बर । सूरश्यामगतिलखिनपरतकछुखातग्वालतजेसम्बर ७७ ॥ चौ० ॥ यहिबिधिकरिबिलासबनमाहीं। कह्योश्यामश्यामाकेपाहीं ७८॥ रागआसावरी॥ कान्हकह्योबनरैनिनकीजैसुनहुराधिकाप्यारीहो। अतिहितसोंउरलायकह्योअबभवनआपनेजारीहो। मातपिताजियजानैंनकोऊगुप्तप्रीतिरसभारीहो । करतेकौरडारिमैंआयोंदेखतिदोउमहतारीहो। तुमजैसीमोहिंप्यारीलागतिचन्द्रचकोरकहारीहो । सूरदासस्वामीइनबातननागरिरिझईभारीहो ७९ ॥ चौ० ॥ तबप्यारीबोलीमुसक्याई । सुनहुप्राणप्रीतमसुखदाई ८० ॥ रागगौरी ॥ कहाकरौंपगचलतनघरको । नयनबिमुखजनदेखनजातनलुब्धेअरुणअधरको । श्रवणकहतवेवचन

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

सुनेनाहिंरिसपावतमोपरको । मनश्रटक्योरसमधुरहँस
निपरडरतनकाहूडरको। इन्द्रियश्रंगश्रंगश्ररुझानीश्या
मरंगनटवरको।सुनहुसूरप्रभुरहीश्रकेलीकहाकहौंसुन्दर
बरको ८१ ॥ दो० ॥ ऐसीबिधिपरकटकरीदम्पतिनिज
अनुराग । भरेपरमश्रानन्दरसबदतश्रापनेभाग ८२
सो० ॥ श्यामलईउरलायप्रियाबोधिपठईघरहि । चले
आपसुखपायसुंदरघनसुखकेसदन ८३ ॥ चौ० ॥ कर
तिजननिश्रवसेरिबिशाला । पहुंचेसदनश्यामतेहिका
ला ८४ ॥ रागईमन ॥ मैंबलिजाउंकन्हैयाकी । करतेकौ
रडारिउठिधायोबातसुनीबनगैयाकी । धौरीगायश्राप
नीजानीउपजीप्रीतिलवैयाकी। तातोजलसमोयपगधो
वतिश्यामदेखिहितमैयाकी । जोश्रनुरागयशोदाकेउर
मुखकीकहनिनन्हैयाकी । यहसुखसूरश्रौरकहुंनाहींसौं
हकरतिबलभैयाकी ८५ ॥ चौ० ॥ वहतोनाहिंनमेरीरौ
या । वृन्दाबनश्राम्योंसुनुमैया ८६ गोबर्द्धनयमुनातट
सारो । वृन्दाबनढूंढतसबहारो ८७ कोऊसखासंगतहँ
नाहीं । फिर्योंश्रकेलबनकेमाहीं ८८ सुनियशुदाश्रति
मनश्रकुलानी । धोयोपदलैतातोपानी ८९ तुरतश्याम
कोभोजनदीन्हो । निरखिमुखारबिन्दसुखलीन्हो ९० ॥
दो० ॥ उतश्रीकीरतिनंदिनीरूपराशिगुणखान। चलीश्या
मसुखदैभवननागरिनवलसुजान ९१ ॥ सो० ॥ लईखोलके
हाथश्रांचरसोंमोतीलरी । सखीमिलीइकसाथबूझति
कहांतुलाड़िली ९२ ॥ चौ० ॥ तासोंब्योराकहिसमुझायो।
गईहुतीयहकाजबतायो ९३ तबहींचतुरसखीयहजानी।

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

मिलवतिहैंयहभूंठबानी १४ यहतोगईश्यामकेपासा। आवतिहैकरिभोगबिलासा १५ कहप्यारीकिनहारचुरा यो। कैसेजायतहांतेपायो १६ कहुधौंसत्यकहाकहकी न्हो। तुम्हरोगुणप्यारीमैंचीन्हो १७॥ रागधनाश्री ॥ कहुराधेकिनहारचुरायो। ब्रजयुवतीसबहिनमैंजानतिघरघरलैलैनामबतायो। श्यामाकामारसिकाचतुरानवलाप्रमदानारि। सुखमाशीलाअवधअनन्दावृन्दायमुनासारि। कमलातारबिमलाचन्द्राचन्द्रावलिसुकुमारि। अमलाअबलाकुंजामुकुताहीरानीलाप्यारि। सुमनाचंपाजुहिलाबहुलाज्ञानाभानाभाम। प्रेमादामारूपाहंसारंगाहरषानाम। द्रुमिलारंभाकृष्णाध्यानामैनानैनारूप। रत्नाकुमुदामोहाकरुणाललनालोभानूप। इतननिमेंकहुकौनिचुरायोताकोनामबताव। सूरश्यामहैंचोरतुम्हारेमैंजानतिसबदाव १८ ॥ रागशंकराभरण ॥ सुरतिरतिमानिआईपियपैतौगजगतिगामिनी। मरगजेहारबिथुरेबिथुरेबारदेखियतआइगयेयामयामिनी। औरशोभासुहाईअंगअंगअरसाईबोलतिहैअरसामिनी। सूरदासप्रभुछबिनिरखतरहीरसबसकैरीधन्यधन्यतूभामिनी १९ ॥ दो० ॥ रसबसकीन्हेश्यामतैंकहाबतावतिबात। कहेदेतरसरँगभरेअलसोहेसबगात ३०० ॥ चौ० ॥ जबतेतैंहरिकेरँगरांची। तबतेतोहिंजान्योंमैंसांची १ ॥ प्यारीउत्तर। रागबिलावल ॥ इनबातनिकछुपावतिरी। बिनदेखेलोगनसोंसुनिसुनिकाहेबैरबढ़ावतिरी। मोकोजहांअकेलीदेखतितबहींयेउपजावतिरी। ब्रजयु

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

वतिनकीसंगतित्यागोंपुनिपुनिक्रोधकरावतिरी। कैसी
बुद्धितुम्हारीसबकीऐसियतुमकोभावतिरी। सूरशीशत्त
णदैबूझतिहौंकहतितुमहुँकहनावतिरी २॥ चौ०॥
जबजानीप्यारीबिरझानी। तबयहचतुरसखीमुसक्या
नी ३ तबहँसिकह्योजायघरप्यारी। तूजीतीमैंतोसों
हारी ४॥ रागसोरठ॥ राधाडरडरातिगृहआई। देख
तहीकीरतिमहतारीहराषिकुँवरिउरलाई। धीरजभयोसु
तामाताजियदूरिभयोजियशोच। मेरीकोमैंकाहेत्रासी
कहाकियोयहपोच। लेरीमैयाहारमोतिसरीजाकारणमो
हिंत्रासी। सूरराधिकाकेगुणऐसेमिलीआयअबिनासी
५॥ रागसारँगचर्चरी॥ प्रीतिकेवश्ययेहैंमुरारी। प्रीतिके
वश्यनटवरबेषधरयोहैप्रीतिवशकरजगिरिराजधारी।
प्रीतिकेवश्यब्रजभयेमाखनचोरप्रीतिकेवश्यदांवरीबँधा
ई। प्रीतिकेवश्यगोपीरमणनामप्रियप्रीतिवशतरुयमल
मोक्षदाई। प्रीतिवशनन्दबन्धनबरुणसदनगयेप्रीतिके
वश्यबनधामकामी। प्रीतिकेवश्यप्रभुसूरत्रिभुवनबिदि
तप्रीतिवशसदाराधिकास्वामी ६॥ दो०॥ श्यामसदावश
प्रीतिकेतीनभुवनबिख्यात। बिनाप्रीतिनहिंपाइयेनंद
महरकोतात ७॥ सो०॥ प्रीतिकरहुचितलायब्रजबा
सीप्रभुपदकमल। कहतसुनतश्रुतिगायप्रभुरीझतहैं
प्रीतिते ८॥ प्यारीजूकेघरमिलनलीला। चौ०॥ श्यामभ
येनागरिवशऐसे। फिरतछांहसंगहिसँगजैसे ९ कबहुं
श्यामयमुनातटजाहीं। बिनप्यारीदेखेअकुलाहीं १०
कबहुंकदमचढ़िमगअवलोकैं। कबहुंजायबनकुंजबि

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

लोकैं ११ कभुवृषभानुपुरातनआवैं । मुरलीमधुरबजा
वैंगावैं १२ प्यारीप्रकटश्यामगतिदेखी । मनहींमनहिं
सिहातबिशेखी १३ ॥ सूरसागरे । रागसूहो ॥ यमुनाचली
राधिकागोरी । युवतिवृन्दबिचचतुरनागरीदेखेनन्दसु
वनतेहिखोरी । व्याकुलदशादेखिमोहनकीमनहींमनड
रपीउनओरी । चतुरकामफँदपरेकन्हाईअबधौंइनहिं
बुझावैकोरी । इतसखियनसोंबातबनावतिअतिहैगई
तनकसीभोरी । सूरउतहिहरिभावबतावतिधीरधरौमि
लिहैंदोउजोरी १४ ॥ चौ० ॥ एकसखीयमुनासोंआव
ति । ताहिभेंटियेंवचनसुनावति १५ मेरेसदनआइयो
आली । हर्षभयेयहसुनिबनमाली १६ प्यारीगुप्तभा
वजोकीन्हो । श्यामसुजानजानसोलीन्हो १७ चतुरस
खीमनमेंलखिलीन्ही । भावकछूयहहरिसोंकीन्ही १८ ॥
रागसारँगचर्चरी ॥ श्यामकोभावदैगईराधा । नारिनागरि
नकाहूलख्योकोउनहींकान्हकछुकरतहैंबहुतअवराधा ।
चितैहरिबदनयाकोहँसतमैंलखीवेउतैगयेकछुहर्षकीये ।
भावतोभावकेसींगनाहींसुनेयमहाचतुरचतुरईलीये ।
आजहीरैनिदोउसंगयेमिलहिंगे हरेकहिपररुपरमनहिं
जानी । सूरब्रजनागरीनारिनागरिफिरींब्रजतुरतलैगईं
यमुनपानी १९ ॥ चौ० ॥ लैयमुनातेजलअतुराई । स
खिनसंगराधेघरआई २० ॥ दो० ॥ भावदियोनिशिआ
यहैंमेरेमोहनआज । अतिहर्षितअंगनसजतिभूषणाब
सनसमाज २१ ॥ सो० ॥ सहजरूपकीखान अंगशिं
गारतलाड़िली । कोकरिसकैबखान त्रिभुवनपतिहरि

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

बल्लभा २२॥रागटोड़ी॥ भावदियोश्रावैंगेश्याम। अंग
अंगआभूषणसाजतिराजतिअपनेधाम। रतिरणजीति
अनंगनृपतिसोंआपनृपतिबलजोराति। अतिसुगंधमर्द
नअँगअंगनिउपटनिभूषणखोलाति। बीराहारचीरचो
लीछबिसैनासजिशृंगार। पानबचनसन्नासकवचदैजो
रेसूरअपार २३॥ रागकान्हरो॥ प्यारीअंगशृँगारकि
यो। बेनीरचीसुभगकरअपनेटीकोभालदियो। मोति
यनमांगसवाँरिप्रथमहीकेशरिआड़सवाँरी। लोचन
आंजिश्रवणतरिवनिछबिकोकाबिकहैनिरवारी। नासान
थअतिहीछबिराजतिबीराअधरनिरंग। नवसतसाजि
चीरचोलीबनिसूरमिलनहरिसंग २४॥ चौ०॥ मनमो
हनकरपंथनिहारै। कबहुंकउतकंठाउतधारै २५ कबहूं
रुचिरुचिसेजसवाँरै। हरिऐहैंमनहरषिविचारै २६॥
दो०॥ आवैंकबहुंअचानकाहिजोमोगृहघनश्याम।
डारतिअतिअनुरागभरिसुभगपाँवड़ेधाम २७॥सो०॥
प्रकटेकृपानिधानयोंअभिलाषाकरतही। कोकरसकैब
खानभयोजोसुखलखिदुहुनमन २८॥चौ०॥ जाकी
महिमावेदनजाने। कबिताकोकेहिभांतिबखाने २९॥
रागकान्हरो॥ श्यामसकुचप्यारीउरजानी। उछगलई
बामाभुजकरिकैबारंबारकहिबानी। निरखतिसकुचबद
नहरिप्यारीप्रेमसहितभ्रुहरानी। करतकहापियअति
उतावलीमैंकहजातिपरानी। कुटिलकटाक्षबंककरिभृ
कुटीआननिमुरिमुसक्यानी। सूरश्यामगिरिधररतिना
गरनागरिराधारानी ३०॥चौ०॥ श्यामाश्यामसेजप

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

रसोहैं । अरसपरसदोऊमनमोहैं ३१ ॥ रागललित ॥ रा
जतदोऊरतिरंगभरे । सहजप्रीतबिपरीतानिशासबआ
लससेजपरे । अतिरणबीरपरस्परदोऊनेकहुकोऊनमु
रे । अंगअंगबलअपनेरचिनिसोंरतिसंग्राममलरे । मग
नमुरझिरहेसेजखेतपरइतउतकोऊनटरे । सूरश्यामश्या
मारतिरणतेयकपगपलनटरे ३२ ॥ चौ० ॥ हासबि
लासबिबिधरसरीती । यहिसुखरैनियामत्रयबीती ३३
रागललित ॥ करिशृंगारदोऊअरसाने । प्रथमबोलतम
चुरसुनिहर्षेपुनिपौढ़ेदोऊलपटाने । रतिरणयुद्धयामत्र
यनीकेसेजपरेउठिपुनिमुरझाने । मानोसूरखेतसमलरि
कैगिरेउठतफिरउठतलजाने ३४ ॥ दो० ॥ निशिनिघ
टीतमनीमिटीउडगणज्योतिमलीन । गयेकुमुदकुम्हिला
यकैभयोदीपद्युतिहीन ३५ ॥ सो० ॥ बिकसेसरनसरो
जभयउपवनशीतलसुरभि । धरीउतारिमनोजपनच
आपनेधनुषते ३६ ॥ चौ० ॥ सरसवचनबोलीतबप्या
री । जागहुप्राणनाथबनवारी३७॥ रागरामकली।चरचरी॥
जागियेप्राणपतिरैनिबीती । चंदकीद्युतिगईपौहेपी
रीभईसकुचनाहींदईअतिहिभीती । मातुपितुबंधुगुरु
जनअबहिंजानिहैंलखेजानिकहूंयहलाजभारी । सखि
नआगेनहींनहींसबदिनकहीमाहिंघेरेरहतसबैनारी । उ
ठेमुसक्यायअकुलायअतुरायकै निकसिगयेश्यामब्रज
नारिजान्यो । सूरप्रभुनंदनन्दनरसदेगयेनिरखियकट
करहीपलभुलान्यो३८ ॥ दो० ॥ बारबारजियलाड़िली
यहीशोचिपछितातिं।गयउश्यामआलसभरेतनिकनसो

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

येराति३९॥ सो०॥ देखैंसखीनकोयश्यामगयेमोसदन
ते। मैंराख्योंहैगोयअबलगयहरससखिनसों ४०॥
चौ०॥ देख्योजायपँवरिकैंप्यारी। जहँतहँठाढ़ींब्रजकी
नारी ४१॥ रागबिलावल॥ बारबारराधापछितानी।
निकसेश्यामसदनमेरेतेइनअकटरिपाहिंचानी। नितहीं
नितबूझतयेमोसोंमैंइनपरससतराति। अबतोहरिहिप्र
कटहींदेखेपुनिपुनिकहतिलजाति। इकऐसेभकभोर
तिमोसों पायउनीकोदाउं। सूरआजकेहिभांतिदुरा
वोंशोचतिकरतिउपाउ ४२॥ दो०॥ ऐसेशोचतिलाड़ि
लीकबहूंप्रभुहिमनाय। कबहूंप्रभुकोसुखसमुझिप्रेममग
नकैंजाय४३॥ सो०॥ भयउबोधउरआयसुमिरतहीमन
भवनको। कहिहौंसखिनबुझायमनमनहर्षीनागरी ४४
रागललित॥ राधाहरिकेगर्वभरी। सखियनकोआग
मजबजान्योबैठीरहीखरी। उतब्रजनारिसंगजुरिकैंबि
हँसतिकरतिपरिहास। चलोनजायदेखियेरीवाराधा
कोउजआस। कैसोबदनशिंगारकोनबिधिअंगदशा
भैकैसी। सूरश्यामसँगनिशिरसकीन्हेनिधरककैहेंवैसी
४५॥ चौ०॥ राधागृहगवनींब्रजनारी। गईंजहां
वृषभानुदुलारी ४६ देखिनागरीमुखनाहिंबोली। जानो
आपुहिकरतठठोली ४७॥ दो०॥ सहजरहीबोलीन
हीं कछूबदनतेबैन। निकटबोलायोसखिनकोनयननही
कीसैन ४८॥ सो०॥ इतलीन्हींइनजानिपरमचतुरआ
लीसबै। यहकछुरच्योसयानिदेखिहमैंबोलीनहीं ४९॥
चौ०॥ राखतिगर्बतुमहुँसबकोऊ। देखहुबोलिनहींकि

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

नकोऊ ५०कह्योबिहँसितबइकब्रजनारी। सुनोअहोबृ
षभानुकुमारी५१॥ रागसूहो॥ आजकहामुखमूंदिरहीरी।
सुनतिनहींहोकुँवरिराधिकाकापररिसकरिमौनगहीरी।
हमकोयहकाहेनसुनावतिहमहैंतेरीसंगसखीरी। यहक
हिकहिमुसक्यातपरस्परचतुरनारिवहतबहिंलखीरी।
कीधौंध्यानकरतिदेवनकोकीधौंऐसीप्रकृतिपरीरी। सूर
जबहिंआवतिहमतेरेतबतबऐसीधरणिधरीरी ५२॥
दो०॥ कछुदिनतेतेरीप्रकृतिअरीपरीयहकौन। निठु
रभईहमसोंरहतजबतबसाधेमौन ५३॥ सो०॥ अप
नेमनकीबातकछुहमसोंभाषतनहीं। ऐसेकहिमुसक्या
तप्यारीसोंब्रजनागरी ५४॥ दो०॥ सुनिसुनिबाणीस
खिनकीप्यारीजियअनुराग। पुलकरोमगद्गदहियो
समुझिआपनेभाग ५५॥ सो०॥ बचनकहेउनाहिंजा
यप्रीतिप्रकटचाहतकियो। हरिउररहेसमायबाहरलख
तप्रकाशनहिं ५६॥ चौ०॥ परमप्रबीणसकलगुणखा
नी। बोलीमधुरमनोहरबानी ५७ सुनहुसखीबूझ
तिकाहमसों। कहाबुझायकहोंमैंतुमसों ५८ आजप्रात
यकचरितनयोरी। जातइतैकछुदृगनलह्योरी ५९॥
रागरामकली॥ कन्धरकीगिरिमेरुसखीरी। कीस्रग
सीपजकीबगपंगतिकीमयूरकीपीड़पखीरी। कीसुरचाप
किधौंबनमालातड़िताकिधौंपटपीत। किधौंमंदगरजनि
जलधरकीपगनूपुररवनीत। कीजलधरकीश्यामसुभग
तनयहैभोरतेशोचति। सूरश्यामरसभरीराधिकाउमगि
उमागिरसमोचति६०॥ चौ०॥कैघनश्यामकैश्यामकन्हा

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

ई। यहैशोचउररह्योसमाई ६१ ॥ परस्परसखीब०। राग बिलावल ॥ सुनहुसखीराधाकहनावति। हमआईयाके जेहिकारणसोयहप्रकटिसुनावति। हमदेख्योसोईइन देख्योऐसेहिदोषलगावति।यहपुनीतहमहीँअपराधिनि तनुअपराधबढ़ावति। इतनेहिरहौंऔरजिनिभाषहुअ जहूंलाजनआवति। सूरश्यामराधाजोएकैंउनहिंनहींक हिआवति ६२ ॥ चौ० ॥ तबहँसिकह्योसखिनसुनुप्या री। तैंजोलखेसोहैंबनवारी ६३ आजेरैनिहरिसोंरति मानी। हमसोंकपटचतुरईठानी ६४ ॥ प्यारीसोंललिता ब०। क० ॥ तुमजानतिहौजुअजानभईकहिआगेसेउ त्तरधावतिहौ। बतलातीकछूऔकछूकहतीअनुरागकी आंखैंदुरावतिहौ। हमैंकाहपड़ीजोमनेकरिहैंकबिबोधा कहैंदुखपावतिहौ। बदनामीकीगैलबचायचलौबड़ेबा पकीबेटीकहावतिहौ ६५ ॥ चौ० ॥ सुनिललिताकेमुख यहबानी। तबबोलीराधिकासयानी ६६ ॥ क० ॥ हम सोंमनमोहनसोंहितहैचुगुलीकरिकोऊकहाकरिहै। अब तौबदनामभईब्रजमेंगुरुलोगनिजानिकहाडरहै। कहैं ठाकुरलालकेदेखिबेकोब्रजभूलोसबैबिसरोघरहै। तुम आपनेकामतेकामकरौकोउआपनेजानकुवांगिरिहै ६७ चौ० ॥ सुनुललितासांचीकहमोसों। मैंबूझतिसकुच तिहौंतुमसों ६८ मोसोंमानतनेहकन्हाई। मेरीसौंकहि मोहिंसुनाई ६९ उनकेमनकीतुमसबजानौ। हाहामो सोंसांचबखानौ ७० सुनराधेइतरातकहारी। तोतेऔ रकौनहैप्यारी ७१ ॥ दो० ॥ मिलीखरिकतूश्यामकोद

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

ईधेनुदुहितोहिं । तेरेवशहरितवहिंतेकहाभुरावतिमो
हिं ७२ ॥ सो० ॥ बरणौंकहासनेहनेकहुतुमन्यारीनहीं ।
हौतुमएकहिदेहवेदक्षिणतुमबामअँग ७३ ॥ रागदेवगांधार ॥
नन्दनँदनबशतेरेरी । सुनराधिकापरमबड़भागिनिअ
नुरागिनिहरिकेरेरी । जादिनतेतोहिंखरिकमिलेहरिधेनु
दुहावनआईरी । तादिनतेबशभयेकन्हाईकहाठगौरी
लाईरी । अबतूकहतिकहामोआगेबातनमोहिंभुलावै
री । सूरदासललिताकीबाणीसुनिसुनिहरषबढ़ावैरी ७४
चौ० ॥ सुनिप्यारीललितामुखबानी । मैंऐसीजियमेंयह
आनी ७५ औरनहींकोऊमोसरकी । हौंराधाआधा
अँगहरिकी ७६ अपनेहीबशापियकोकरिहौं । कहूंजात
देखौंतबलरिहौं ७७ ऐसोगर्बकियोजियप्यारी । निज
घरगईसकलब्रजनारी ७८ ॥ प्यारीकोगर्बव्याजलीला
दो० ॥ कृष्णराधिकाकोचरितपरमपुनीतउदार । गर्ब
व्याजवर्णनकरौंनिजमतिकेअनुसार ७९ ॥ चौ० ॥ य
हिअन्तरआयेगिरिधारी । गर्बबिभंजनजनसुखकारी
८० हरिअन्तरयामीअबिनासी । जानीप्यारीगर्बउदा
सी ८१ उझकिझांकिप्यारीतनहेरचो । प्यारीदेखत
हीमुखफेरचो ८२ कह्योकान्हतुममानतनाहीं । उझक
तफिरतघरनब्रजमाहीं ८३ कोउजैसेतैसेअपनेघर ।
तुमआवतमानतनाहींडर ८४ ऐसेप्रेमगर्बकरिप्यारी ।
प्राणनाथतननाहिंनिहारी ८५ ॥ सूरसागरे।रागबिलावल॥
यहजान्योजियराधिकाद्वारेहरिलागे । गर्बकियोजियप्रे
मकोऐसेअनुरागे । बैठिरहीअभिमानसोंयहठौरनपा

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

यो। हृदयश्यामसुखधाममेंअभिमानबसायो । जहांग
र्वअभिमानहैतहँगोविंदनाहीं । राधाकेयहजानिकैआ
पुनपछिताहीं । तहांनेकहूनहिंरहेनहिंदरशनदीन्हो ।
सुरश्यामअन्तरभयेजबगर्बहिचीन्हो ८६ ॥ रागधनाश्री॥
राधाचकितभईमनमाहीं । अबहींश्यामद्वारकैझांक्यो
ह्यांआयेक्योंनाहीं । आपुनआयतहांजोदेखेमिलेनन
न्दकुमार। आवतहीफिरिगयेश्यामघनअतिहीभयोबि
चार । सूनोभवनअकेलीमैंहींनीकेउझकिनिहारयो ।
मोतेचूकपरीमैंजानीतातेमोहिंबिसारयो । यकअभिमा
नहृदयकरिबैठीयेतेपरझहरानी । सूरदासप्रभुगयेद्वार
ह्वैतबब्याकुलपछितानी ८७॥ रागबिहागरो ॥ श्यामबि
रहबनमांझहिरानी । संगीगयेसंगसबतजिकैआपुनभ
ईदिवानी। श्यामधाममेंगर्बहिराखतिदुराचारनीजानी।
तातेत्यागिगयेआपुहिसबअंगअंगरतिमानी। अहंकार
लंपटअपकाजीसंगनरह्योनिदानी। सूरश्यामबिननाग
रिराधानागरचित्रभुलानी ८८ ॥ चौ० ॥ भईबिरहब्या
कुलअकुलाई। बदनसरोजगयोमुरझाई ८९ नेकुनहीं
धीरजउरधारै। नयनसरोजनसोंजलढारै ९० ॥ दो० ॥
भईबिकलअतिनागरीबिरहब्यथाकीपीर । खानपान
भावैनहींसुधिबुधितजीशरीर ९१ ॥ सो० ॥ घरबाहरन
सुहायसुखसबदुखदायकभये । रह्योशोचउरछायब्रज
बासीप्रभुमिलनकी ९२ ॥ रागटोड़ी ॥ राधाभवनसखी
मिलिआईं । अतिब्याकुलसुधिबुधिकछुनाहींदेहदशा
बिसराई । बाहँगहीतेहिबूझनलागीकहाभयोरीमाई ।

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

ऐसीबिवशभईतूकाहेकहौंनहमहिंबुझाई। कालिहहिंऔ
रवरणतोहिदेखीआजुगईमुरझाई। सूरश्यामदेखेकीब
हुरयोउनहिंठगौरीलाई ९३ ॥ रागहमीरी ॥ श्यामनाम
चकृतभईश्रवणसुनतजागी। आयेहरियहैकहिकहि
सखिनकंठलागी। मोतेयहचूकपरीमैंबड़ीअभागी। अ
बकेअपराधक्षमहुगयेमोहिंत्यागी। चरणकमलशरणदे
हुबारबारमांगी। सूरदासप्रभुकेबशराधाअनुरागी ९४
चौ० ॥ चकितरहींसबव्रजकीनारी। रहींशोचिराधिक
हिंनिहारी ९५ शीतलजलसोंमुखपखरायो। पोंछिआँ
चरनवचनसुनायो ९६ ॥ रागजैतश्री ॥ कहाआजतूभ
ईअयानी। अतिहीचतुरप्रबीणराधिकासखियनमेंतुम
बड़ीसयानी। कहिधौंबातहृदयकीमोसोंऐसीतूकाहेबि
ततानी। मुखमलीनतनुकीगतिऔरैबूझतिबारबारसो
बानी। कहादुरावकरौंरीतोसोंमैंतोहरिकेहाथबिकानी।
सूरश्याममोकोपरित्यागीताकारणमैंभईदेवानी ९७ ॥
पुनः ॥ कृष्णकृष्णकरतिफिरैराधेआपहीकृष्णहोरही।
आपहीकृष्णआपहीराधाकृष्णराधाहोरही। अबमैंतो
सेकहादुराऊं। आपनिकथाश्यामकीकरणीतोआगेक
हिप्रकटिसुनाऊं। मैंबैठीहीभवनआपनेआपुनद्वारदि
योदरशाऊं। जानिलईमेरेजियकीउनगर्बप्रहारणउन
कोनाऊं। तबहींतेव्याकुलभइडोलतिचितनरहैकितनो
समझाऊं। सुनहुसूरगृहबनभयोमोकोअबकैसेकरिदर
शनपाऊं ९८ ॥ चौ० ॥ बिनमनमोहनकुँवरकन्हाई। भ
येसकलमोकहँदुखदाई ९९ ॥ दो० ॥ गिरिकन्यापति

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

तिलककरिदाहतअनलसमान । शिवसुतबाहनभखन कोभयोहलाहलपान ४०० ॥ सो० ॥ जलधिसुतासुत हारभयोइन्द्रआयुधसखी । मलयजमनहुंअँगारशाखा मृगरिपुबसनबर १ ॥ चौ० ॥ सखीदशामेरीयहहैरी। भयोकामअबमोकोबैरी २ ॥ रागनटनारायण ॥ सखिमि लिकरौकछुकउपाव । मारमारनचढ़्योबिरहिनिनिदरि पायोदाव । हुताशनध्वजजातउन्नतबह्योहरिदिशिबा व । कुसुमशररिपुनन्दबाहनहरषिहरषितगाव । बारि भवसुततासुभावनअबनकरिहौंकाव । बारअबकीप्रा णप्रीतमबिजयसखीमिलाव । ऋतुबिचारिजुमानकी जैसोउबहिकिनजाव । सूरसखीसुभावरैहौंसँगशिरोम णिनाव३ ॥ रागनट ॥ मिलवहुपार्थमित्राहिआनि। जल जसुतकेसुतकिरुचिकरिभईहितकीहानि । उदधिसुता सुतअवलिउरपरइन्द्रआयुधजानि । गिरिसुतासुतति लककरकशहनतशायकतानि । पिनाकीसुततासुबाह नभक्षभखबिषखानि । सखामृगरिपुबसनमलयजहि तहुताशनबानि । धर्मसुतकेअरिसुभावहितजतधरि शिरपानि । सूरदासबिचित्रबिरहिनिचूकमनमनमानि ४ ॥ रागटोड़ी ॥ सुनुसजनीकरनीयहतेरी । हमसों भेदकरैहितउनसोंऐसेगुणउनकेरी । आजुहितेऐसेढँग आयेअबहींतौदिनहैरी । ऐसीटूटिपरीउनउरपरतुम हींकीन्हेबैरी । अजहूंकह्योमानिहैंमेरोकीधौंनहींकरै री । सूरश्यामसोंमानकरैकिनिकाहेव्यथामरैरी ५ ॥ रागसोरठ ॥ तैंहींउनकोमूड़चढ़ायो । भवनबिपिनसंग

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

हिसँगडोलैंऐसेहिभेदलखायो । पुरुषभँवरदिनचारि आपनेअपनोचाड़सरायो । नँदनन्दनबहुरमणिरमण वेयहैजानिबिसरायो । अपनीबातआपनेकरहैहमको तबनसुनायो । सुनहुसूरबिनुमानकियेकिनअपनोप तिअपनायो ६ ॥ रागगौरी ॥ मैंअपनीसीबहुतकरीरी। मोसोंकहाकहातितूमाईमनकेसँगमैंबहुतलरीरी । राखों अटकिउतहिकोधावेउनकेवैसियपरानिपरीरी । मोसों बैरकरैरतिउनसोंमोकोछांड़ीद्वारखरीरी । अजहूंमान करौंपैपाऊंयहकहिइतउतचितैडरीरी । सुनहुसूरपांचनि मनएकैमोहमेंमैंहींपरीरी ७ ॥ दो० ॥ पुनिपुनिसिखव तितुमसखीमानकरनकोमोहि । मनतोमेरेहाथनहिंमान कवनबिधिहोहि ८ ॥ सो० ॥ उमँगयहीदिनरातश्याम गहौंअभिलाषकरि । मननाहिंमानतबातमानकरोंकैसे सखी ६ ॥ क० ॥ घरतजौंबनतजौंनागरनगरतजौंबं शीरामसबतजिकाहूपैनलजिहौं । देहतजौंगेहतजौंने हकहौकैसेतजौंआजकाजराजबीचऐसीसाजसजिहौं । बावरेभयेहैं लोगबावरीकहतमोकोबावरीकहेसेमैंहूंकाहु नबरजिहौं। कहैयाओसुनैयातजौंबापऔरभैयातजौंदै यातजौंमैयापैकन्हैयानाहिंतजिहौं १० ॥ सूरसागरे रा ग रामकली ॥ सारँगसारँगधरहिमिलावहु । सारँगबि नयकरतसारँगसोंसारँगदुखबिसरावहु । सारँगसमय दहतअतिसारँगसारँगातिनाहिंदिखावहु । सारँगपति सारँगधरजैहैंसारँगजायमनावहु । सारँगचरणसुभग करसारँगसारँगनामबुलावहु । सूरदाससारंगकृपाक

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

रिसारँगमरतजियावहु ११ ॥ राग बिलावल ॥ भूलेश्र
बनहिंमानकरौंरी । जातेहोयश्रकाजश्रापनोकाहेबृथा
मरौंरी । ऐसेतनुमेंगर्बनराखौंचिन्तामणिबिसरौंरी ।
ऐसीबातकहेश्रबकोऊताकेसंगलरौंरी । श्रारजपंथ
चलेकासरिहैश्यामहिसंगफिरौंरी । सूरश्यामज्योंश्रा
पस्वारथीदर्शननयनभरौंरी १२ ॥ रागसंकीरण ॥ श्र
रीमोहिंपियभावे । कोऐसीजोश्रानिमिलावै । चौदह
विद्याप्रबीणश्रतिहीसुन्दरनवीनवहुनायककौनमनावै ।
नेकदृष्टिभरिचितवैमोबिरहिनिकोमाईकामद्वंद्वाबिरहतप
नितनुतेबुझावै। सूरदासप्रभुमोपरकराहिंकृपाश्रबनितप्र
तिबिरहजलावै १३ ॥ चौ० ॥ ऐसेकहिप्यारीश्रनुरा
गी। दारुणबिरहव्यथाउरजागी १४ ॥ रागबिलावल ॥
धीरजकरुरीनागरीश्रबश्यामहिलाऊं । श्रतिब्याकु
लजनिहोहिरीसुखश्रबाहिंकराऊं । देखिदशासहिनाहिं
सकीमनहींश्रकुलानी । मैंराधाकीप्रियसखीयहकहिप
छितानी । भूरिभूरिपियरीभईयहतोसुकुमारी । ऐ
सीचूकपरीकहाकैहौंगिरिधारी । प्यारीकोमुखधोयकैं
पटपोंछिसवांरयो । तर्कबातबहुतीकहींकछुसुधिनसँभा
रयो । सावधानकरिकैगईलाऊंगीधरमैं । सूरतहां
श्रातुरगईपायेहरिघरमैं १५ ॥ चौ० ॥ तवहरिललि
तासोंमुसक्याये । बूझतचितवतनयनचुराये १६ श्रति
श्रातुरश्राईकितधाई । काहेबदनगयोमुरझाई १७
बोलीललितातवमुसक्याई। सुनहुचतुरनँदनन्दकन्हाई
१८ श्राजएकश्रचरजलखिपायो । परमबिचित्रनजा

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

तबतायो १९ ॥ दो० ॥ मैंआईतुमसोंकहनचलहुदि
खाऊंनैन । देखिपरमसुखपाइहौजोमानोमोबैन २०
रागटोड़ी ॥ अद्भुतएकअनूपमबाग । युगलकमलपर
गजवरक्रीड़ततापरसिंहकरतअनुराग । हरिपरसरवर
गिरिवरगिरिवरतापरफूलेकंजपराग। रुचिरकपोतबस
नताऊपरताऊपरअमृतफललाग । फलपरपुहुपपुहुप
परपल्लवतापरशुकपिकमृगमदकाग । खंजनधनुषच
न्द्रमाराजतताऊपरइकमणिधरनाग ।अंगअंगप्रतिओ
रऔरछबिउपमाताकोकरतनत्याग। सूरदासप्रभुपियहु
सुधारसमानोअधरनिकेबड़भाग २१ ॥ चौ० ॥ ऐसो
अनुपमबागसुहायो। घटतनेहजलकछुकुम्हिलायो २२
चलिकैश्यामसींचिसोदीजै । शोभादेखिसुफलदृगकी
जै २३ ॥ दो० ॥ सुनहुश्यामसुन्दरनवलछैलछबीलेश्या
म । तुम्हेंमिलनकोनवलवहअतिब्याकुलहैबाम २४ ॥
सो० ॥ कहाभयोजोमानकियोप्रेमकेलाड़ते । अतिसु
न्दरीसुजानप्यारीजीवनजीयकी २५ ॥ रागसारंग ॥
बरणौंश्रीवृषभानुकुमारि । चितदैसुनहुश्यामसादरछ
बिरतिनाहींअनुहारि । प्रथमहिंसुभगश्यामबेनीकी
शोभाकहौंबिचारि । मानोफणिकरहेपीवनकोशशिमुख
सुधानिहारि। काहियेकहाशीशसेंदुरकोकितोरहीपचिहा
रि । मानोअरुणकिरणिदिनकरकीपसरीतिमिरबिदारि
भृकुटीबिकटनिकटनयननकेराजतअतिबरुणारि । मन
हुंमदनजगजीतिजेरकरिराख्योधनुषउतारि । ताबिच
बनीआड़केसरिकीदीन्हीसखिनसवांरि । मानहुँबँधीइं
CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

दुमंडलमेंरूपसुधाकीपारि । चपलनयननासाबिचशो
भाअधरसुरंगसुढारि । मनोमध्यखंजनशुकबैठोलुब्धो
बिनहिंबिचारि । तरिवनसुघरअधरनकबेसरिचिबुक
चारुरुचिकारि । कंठसरीदुलरीतिलरीपरनाहिंउपमाक
हँचारि । सुरँगगुलालमालकुचमण्डलनिरखततनम
नवारि । मानोदिशिदिशिधूमअग्निकेतपवैठेत्रिपुरा
रि । जोमेरोकृतमानहुमोहनकरिल्याऊंमनुहारि । सूर
रसिकतबहींपैबदिहौंमुरलीसकोसँभारि २६ ॥ दो० ॥
अतिकोमलसुकुमारतनसकलसुखनकीशीर । तुमबि
नुमोहनलालप्रियब्याकुलअधिकशरीर २७ ॥ सो० ॥
भरिभरिलोचननीरश्यामश्याममुखकहिउठति । च
लहुहरहुयहपीरमैंआईलखिधायकै २८ ॥ चौ० ॥
प्यारीबिकलसुनतसुखदाई । सहिनाहिंसकेउठेअकु
लाई २९ चलेबिहँसिललिताकेसाथा । प्रेमाहिंकेब
शश्रीब्रजनाथा ३० प्रेमाबिबशप्यारीपहँआये । देखि
दशामनअतिपछिताये ३१ परीबिकलतनुदशाबिसा
री। प्यारीमुखदेखतगिरिधारी ३२ ॥ रागनट ॥ भुजभ
रिलईहिरदयलाय । बिरहब्याकुलदेखिबालानयनदोउ
भरिआय । रैनिबासरबीचहीमेंदोउगयेमुरझाय । मनो
वृक्षतमालबेल्ली कनकसुधासिंचाय । हर्षिडहडहमुस
क्रिफूलेप्रेमफलनलगाय । काममुरझनिबेलितरुकी
तुरतहीबिसराय । देखिललितामिलनवहआनंदनहीं
समाय । सूरकेप्रभुश्यामश्यामात्रिबिधतापनशाय ३३॥
रागबिभास ॥ ललितासंगसखिनकोलीन्हे । दम्पति

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

सुखदेखतश्रतिभावतयकटकलोचनदीन्हे। प्यारीश्याम अंगकीशोभानिदरेदेख्योचाहति। उतनागरनागरिनयननिकोनिदरिरूपअवगाहति। उतउदारशोभाकीसीमाइतलोभहिनाहिंपार। सूरश्यामश्रँगश्रँगकीशोभानिरखतिबारम्बार ३४॥ चौ०॥ लखियहमिलनसखीअनुरागी। कहतिकिधनिधनिदोउबड़भागी३५ रागबिलावल॥ धन्यकान्हधनिराधागोरी। धनियहभागसोहागधन्ययहधन्यनवलनवलानवजोरी। धनियहमिलनिधन्ययहबैठनिधनिश्रनुरागनहींरुचिथोरी। धनियह अरसपरसछबिलटकनिमहाचतुरमुखमोरेभोरी। प्यारीअंगअंगअवलोकति पियअवलोकतलगतठगोरी। सूरदासप्रभुरीझिथकितभयेनागरिपरडारततृणतोरी ३६॥ सो०॥ धनिधनिपुनिपुनिभाखिहरषिचलींसिगरीअली। युगलरूपउरराखिएकहिथलराखेयुगल ३७॥ परस्परश्रभिलाषलीला। चौ०॥ शोभितश्यामराधिकाजोरी। अरसपरसछबिलतहिलोरी ३८॥ रागटोड़ी॥ श्यामभयेराधावशऐसे। चातकस्वातिबूंदचाहतज्योंचक्रबाकरबिजैसे। नादकुरंगमीनजलकीगतिज्योंतनुकेवशछाया। यकटकनयनअंगछबिपोहेथकितभईपतिजाया। उठेउठतबैठेबैठतदोउचलेचलतसुधिनाहीं। सूरदासबड़भागिनिराधासमुझिमनहिंमुसक्याहीं ३९॥ रागश्रासावरी॥ निरखिश्यामप्यारीश्रँगशोभामनश्रभिलाषबढ़ावतहैं। प्रियाश्रभूषणमांगतपुनिपुनिअपनेअंगबनावतहैं। कुंडलतटत

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

रिवनलैसाजतनासाबेसरिधारतहैं। बेंदीभालमांगशि
रपारतबेनीगूंथिसवांरतहैं। प्यारीनयननकोअंजनलै
अपनेलोचनअञ्जतहैं। पीताम्बरओढ़नीशीशदैराधा
कोमनरंजतहैं। कंचुकिभुजनिभरतउरधारतकंठहमेल
भ्रजावतहैं। सूरश्यामलालचत्रियतनुपरकरिशृँगारसु
खपावतहैं ४०॥ रागनट॥ श्यामाश्यामछबिकीसाध।
मुकुटकुण्डलपीतपटछबिदेखिरूपअगाध। प्रियाहाहा
करतपुनिपुनिदेहुप्रीतममोहि। अंगअंगसवाँरिभूषण
रहतिबहुछबिजोहि। काछिकछनीपीतपटकटिकिंकिणी
अतिशोभ। हृदयबनमालाबनावतिदेखिछबिमनलोभ।
श्रवणकुण्डलधारिशोभाशीशरबिश्रीखंड। सूरश्यामसु
हागिनीरुचिकनककरलैदंड ४१॥ रागजैतश्री॥ नागरि
भूषणश्यामबनावत। श्रीनागरनागरिअँगशोभाकियो
निरखिमनभावत। श्यामाकनकलकुटकरलीन्हेपीतांब
रउरधारे। उतगिरिधरनीलाम्बरसारीघूंघटओटनिहा
रे। वचनपरस्परकोकिलबयनीश्यामनारिपातिराधा।
सूरस्वरूपनारिपतिकाछेपतिनारीतनुसाधा ४२॥चौ०॥
हरिकोअपनेरूपनिहारी। आपुनहरिस्वरूपलखिप्या
री ४३ यहअभिलाषाउरतबधारी। कहतिसुनौपिय
गिरिवरधारी ४४ तुमबैठोमानिनिह्वढ़ह्वैकै। तुमहिंमना
ऊंमैंपदछ्वैकै ४५ ॥ रागनट॥ नीकेश्याममानतुमधारो।
तुमबैठोह्वढ़मानठानिमैंमेटौंमानतुम्हारो। यहमनसाध
बहुतहीमेरेतुमबिनकौननिबाहे। नागरिपियतनुअपनी
शोभाबारहिंबारनिहारे। बेनीमांगभालबेंदीछबिनयनन

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

अंजनरंग। सूरनिरखिपियघूंघटकीछबिपुलकनिभाव तिअंग ४६ ॥ रागकान्हरो ॥ तिहारीलालमुरलीनेकब जाऊं। जैसीतानतुम्हारेमुखकीतैसियमधुरसुनाऊं। जै सेफिरतिरंध्रमगअँगुरीतैसेमहूंफिराऊं। जैसेआपअ धरधरिफूंकतमैंअधरनिपरसाऊं। हाहाकरतिपांयहौं लागतिबांसबँसुरियापाऊं। सारँगनटपूरबीमिलैकै रागअनूपउपाऊं। अपनेभूषणमोकोदीजैअपनेतुमाहिं बनाऊं। तुमबैठोदृढ़मानसाजिकैमैंगहिचरणमनाऊं। यहअभिलाषबहुतमेरेजियनथननियहैदेखाऊं। सूर श्यामगिरिधरनछबीलेभुजभरिकंठलगाऊं ४७॥ राग गुर्जरी ॥ मुरलीलईकरतेछीनि। तासमयछबिकहीजा तिनचतुरनारिनवीनि। कहतिपुनिपुनिश्यामआगेमो हिंदेहुसिखाय। मुरलिपरमुखजोरिदोऊअरसपरसब जाय। कृष्णपूरतिनादउछरतप्यारिरिसकरिगात।बा रबारहिंअधरधरिधुनिबजतनाहिंअकुलात। प्रियाभूष णश्यामपहिरतश्यामभूषणनारि। सूरप्रभुकरिमानबै ठेत्रियकरतिमनुहारि ४८ ॥ चौ० ॥ सुनतश्याममन मनमुसक्याई। मुरिबैठेकरिमानरुखाई ४९ तबप्या रीमनअतिअनुरागी। हरिसोंमानछुड़ावनलागी ५० रागबिलावल ॥ कहतिनागरीश्यामसोंतजुमानहठीली। हमतेचूकपरीकहात्रियगर्बगहीली। हँसतहिमेंतुमरि सकियोकहप्रकृतितुम्हारी। बारबारकरधरातिहैकहि कहिसुकुमारी। बृथामाननाहिंकीजियेशिरचरणनिधा रति। आननआननजोरिकैपियमुखहिनिहारति।निठुर

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

भईहौंलाडिलीकबकेहमठाढ़े। तुमहमपररिसकरतिहौ
हमहैंतुवचाढ़े।श्यामकियोहठजानिकैइकचरितबनाऊं।
सुनहुसूरप्यारीहदयरसबिरहउपाऊं ५१ ॥ सो० ॥
बैठिरहेनिठुरायनाहिंबोलतमानतनहीं। पुनिपुनिपरस
तिपांयहाहाकरिकरिलाड़िली ५२ ॥ दो० ॥ कबहूंपा
छेकैरहतिकबहूंआगेजाय। कबहुंउठतबैठतिकबहुंकब
हुंकलेतिबलाय ५३ ॥सो०॥कबहुंकहतिहैपीयकबहूंप्या
रीकहिउठति। धीरजधरतनहीयभईसमीपहिबिरहब
श ५४॥ चौ० ॥ भईबिरहब्याकुलजबबाला। हरषि
हँसेतबपियनँदलाला ५५ ॥ रागधनाश्री ॥ प्रियापिय
लीन्हीअंकमलाय। खेलतमेंतुमबिरहबढ़ायोगईकहा
बितताय। तुमहींकह्योमानकरिबेकोआपुहिबुद्धिउपा
य। काहेबिवशभईबिनकारणऐसीगईडराय। सुनिप्या
रीयहभावबतायोअन्तरगयोजनाय। बारबारआंसिग
हादीन्होअबाहिंरहीमुरझाय। सींचीकनकलतासूरज
प्रभुअमृतबचनसुनाय। अतिसुखदैदुखयोंबिसरायो
राधारमणकन्हाय ५६॥ चौ० ॥ तबनागारिपियलखि
सुखपायो। मिटयोबिरहमनहर्षजनायो ५७ कहति
भलोपियमानदिखायो। मेरेमनअभिलाषपुरायो ५८
रागधनाश्री ॥ कुंजबरगवनदम्पतिबिचारैं। नारिकोबेष
करिनारिकोमनहिंहारिमुकुरलैभावतीछबिनिहारैं। भामि
नीअंगवहानिरखिनटवररूपहँसतहीहँसतसबमेटिडारे।
सहजअपनोरूपधरयोमनभावतीऔरभूषणतुरत अंग
धारे। त्रियाकोरूपधरिसंगराधाकुँवरिजातब्रजखोरि

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

नहिंलखतकोऊ । सूरस्वामीस्वामिनीबनेएकसेकौनप
टतरअरसपरसदोऊ ५९ ॥ ॥ रागगौरी ॥ नँदनन्द
नत्रियछबितनुकाछे । मानोगोरिसांवरीनारीदोऊजात
सहजमेंआछे । श्यामअंगकुसुमीनइसारीफलगुंजाकी
भांति । इतनागरिनीलाम्बरपहिरेजनुदामिनिघनकां
ति। आतुरचलेजातबनधामाहिंअतिमनहर्षबढ़ाये । सूर
श्यामवाछबिकोनागरिनिरखतिनयनचुराये६०॥ चौ० ॥
जातचलेब्रजबीथिनदोऊ । लखिनहिंसकतनारिनर
कोऊ६१ ॥ सो० ॥ अंगअंगछबिजालअतिबिचित्रभूष
णबसन । श्रीराधानँदलालशोभाअवधिबिलासनिधि
६२ ॥ रागकल्याण ॥ श्यामाश्यामकुंजबनआवत । भु
जभुजकण्ठपरस्परदीन्हेयहछबिउनहींचावत । इततेचं
द्रावलीजातिब्रजउततेयेदोउआये । दूरिहितेचितवति
उनहींतनयकटकनयनलगाये । यकराधिकादूसरीको
हैयाकोनहिंपहिंचानों । ब्रजवृषभानुपुरायुवतिनकोइक
इककरिमैंजानों । यहआईकहुँऔरगांवतेछबिसांवरी
सलोनी । सूरआजुयहनईबतानीएकअंगनवलोनी६३
सो० ॥ राधेमनसकुचायचन्द्रावलिआवतनिरखि ।
रहीश्याममुखचायब्रजहीकोफेरातिनिरखि ६४ ॥ चौ० ॥
क़हतिजाहुपियफिरिमुखमाहीं । करतेकरछूटतहैनाहीं
६५ दुखसुखहर्षनहरिरसमाती । उतचन्द्रावलिइनरँ
गराती ६६ ॥ रागगौरी ॥ यहवृषभानुसुतावहकोहै ।
याकीसरियुवतीकोउनाहींयहत्रिभुवनमनमोहै । अति
आतुरदेखनकोआवतिनिकटजायपहिंचानों । ब्रजमें

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

रहतिकिधौंकहुँऔरेबूझेतेतबजानों । यहमोहनीकहां तेआईपरमसलोनीनारी । सूरश्यामदेखतमुसक्यानी करीचतुरईभारी ६७ ॥ चौ० ॥ इनतेनिधरकऔरनको ऊ । कैसीबुद्धिरचीइनदोऊ ६८ औरकहाकोउइनको जानै । मोसोंनहींपरतपहिंचानै ६९ ॥ रागकान्हरो ॥ सकुचछांड़िअबइनाहिंजनाऊं । येतौंचलेआपनेकाज हिमैंकाहेनसमुझाऊं । मनहींमनयेजीतिजाहिंगेजानि बूझिनिदराऊं । यहचतुरईकाछिकैआयेसोअबप्रकट दिखाऊं । बड़ेगुणझकहावतदोऊइनकेलाजतजाऊं । सूरश्यामराधाकीकरणीमहिमाप्रकटिसुनाऊं ७० ॥ चन्द्रावली बचन । रागसारँग ॥ कहुराधायेकोहैरी । अ तिसुन्दरिसांवरीसलोनीत्रिभुवनजनमनमोहैरी । औ रनारिइनकीसरिनाहींकहौंनहमतनजोहैरी । काकीसु ताबधूहैकाकीकाकीयुवतीधौंहैरी । जैसीतुमतैसीहैंयेऊ भलीबनीतुमसेहैरी । सुनहुसूरअतिचतुरराधिकायेच तुरनिकीगौंहैरी ७१ ॥ रागईमन । राधिकाबचन ॥ म थुरातेयेआईहै । कछुसम्बन्धहमारोइनसोंतातेइन्हैंबु लाईहै । ललितासंगगईदधिबेंचनउनहींइन्हौंचिन्हा ईहै । वहैसनेहजानिरीसजनीभवनआजुहमपाईहै । तबहींकीपहिंचानिहमारीऐसीसहजसुभाईहै । सूरमो हिंदेखीह्यांआवतआपुसंगउठिधाईहै ७२ ॥ चौ० ॥ सुनियहश्रीराधेमुखबानी । बोलीचन्द्रावलीसयानी ७३ ॥ रागसोरठ ॥ इनकोब्रजहीक्योंनबुलावहु । की बृषभानुपुराकीगोकुलनिकटहिआनिबसावहु । यउनव

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

लानवल्लातुमहूंहौंमोहनकोदोउभावहु । मोकोदेखिकि
योअतिघूंघटकाहेनलाजहुड़ावहु । यहअचरजदेख्यो
नहिंकबहूंयुवतीहियुवतिदुरावहु। सूरसखीराधासोंपुनि
पुनिकहतिजुहमेंमिलावहु ७४॥ चौ०॥ हमहिंदेखिसकु
चतिकतप्यारी। हमसोंघूंघटकरतकहारी ७५॥ दो०॥
ऐसेकहिचन्द्रावलीगह्योश्यामकरजाय । यहकहुँअब
लौंनहिंसुनीतियसोंतियसकुचाय ७६ आपहिबदनउ
घारिघूंघटपटहाथोकियो । मुखछबिरहीनिहारिमाने
करिलोचनसुफल ७७॥ चौ०॥ बारहिबारकहति
मुसक्याई । चितवतिक्योंनहिंबदनउठाई ७८॥ राग
बिहगरो ॥ मथुरामेंबसबासतुम्हारो । राधातेउपका
रभयोयहदुर्लभदर्शनभयोतुम्हारो । बारबारकरगहि
गहिनिरखतिघूंघटओटकरौकिनिन्यारो । कबहुँककर
परसतकपोलछुइचुटकिलेतिह्यांहमाहिंनिहारो । कछु
मैंहूंपहिंचानतितुमकोतुमाहिंमिलाऊंनन्ददुलारो । का
हेकोतुमसकुचतिहौजूकहौकहाहैनामतुम्हारो । ऐसी
सखीमिलीतोहिंराधातौहमकोकाहेनाबिसारो। सूरदास
दम्पतियहजान्योयासेकैसोहोतउबारो ७९॥ चौ०॥
नयननयनसोंहरिनहिंजोरैं। रहेलजायभावसोंभोरैं ८०
चन्द्रावलीदेखिमुसक्यानी । हँसिबोलीराधासोंबानी
८१॥ दो०॥ तुमहुँकुशलयेहूकुशलक्योंनप्रीतिदृढहो
य । जानिलईचलिजाहुबनआपुस्वारथीदोय ८२॥
सो०॥ दम्पतिकियोबिचारसुनिचन्द्रावलिकेबचन ।
यासोंनहींउबारहर्षिमिलेउरलायतब ८३॥रागगोंडमलार।

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

नन्दनन्दनहँसेनागरीमुखचितै हरषिचन्द्रावलीकंठला
ई।बामभुजबनीदक्षिणभुजासखीपरचलेबनधामसुखक
हिनजाई । मनोविविदामिनीबीचनवघनसुभगदेखिछ
बिकामरतिसहितलाजैं। किधौंकंचनलताबीचतामाल
तरुभामिनीबीचगिरिधरबिराजैं । गयेगृहकुंजअलिगुं
जसुमननपुंजदेखिआनन्दभरेसूरस्वामी । राधिकारम
णयुवतीरमणमनरमणानिराखिछबिहोतमनकामकामी ।
८४ ॥ रागकेदारो ॥ कुंजसुहावनोभवन । बनिठनिबैठेरा
धारवन। बरणबरणकुसुमप्रफुल्लितशशिकीकिरणिजग
मगाततैसोईबहत्रिबिधपवन। अलिगणपिकमंगलगाव
तधुनिसुनिमुनिमनहिभावतदेखतदम्पतिविविशयन ।
सूरदासप्रभुपियप्यारीदोउ राजतवारतरतिपतिशयन
८५ ॥ रागबिलावल ॥ सँगशोभितवृषभानुकिशोरी ।
साराँगनयनबयनबरसाराँगसाराँगबदनकहैछबिकोरी।सा
रँगअधरसुधाकरसाराँगसाराँगजातिसाराँगमतिभोरी ।
साराँगबरणपीठिपरसाराँगसाराँगगतिसाराँगकटिथोरी ।
साराँगपुलिनरजनिरुचिसाराँग साराँगअंगसुभगभुजजो
री । बिहरतसघनकुंजसखिनिरखतिसूरश्यामबनदामि
निगोरी ८६ ॥ पुनः ॥ कुंजभवनराधामनमोहन । रति
विलासकरिमगनभयेअतिनिरखतनयनलजोहन । त्रि
यतनकोदुखदूरिकियोपियदेदैअपनीसोहन । बारबार
भुजधरिअंकमभरिमिलिबैठेदोउगोहन । पीताम्बरपट
सोंमुखपोंछतहरषिपरस्परजोहन। सूरश्यामश्यामामन
रीझतपीनकुचनिटकटोहन८७॥रागबिहागरो॥बनहिंधा

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

मसुखरैनिपुहाई । तैसियनवलराधिकानागरितैसेइन
वलकन्हाई । तैसोइपुलिनपवित्रयमुनकोतैसोइमन्दसु
गन्ध। तैसियकंठकोकिलाकुहकनितैसोइसुखसनबन्ध।
इतबिहारकरिपियअरुप्यारीप्रातचलेबनधाम।सूरदास
दोऊबहुँजोरीराजतश्यामाश्याम८८॥ रागललित॥नवल
निकुंजनवलरसदोऊराजतहैंरँगभीन्हे।कुसुमनिसेजभो
रउठिआवतआलसयुतअंशनिभुजदीन्हे।अरुणनयन
कुचरेखबिराजितश्रमजलबरुणपलटितनुलीन्हें।सूरज
प्रभुपियप्यारीकोसुखनिरखतसाखिनसहितललितादृग
दीन्हे८९॥रागभैरौं।सोहतघूंघुरवारेबार।अरुझिरहेमुक्ता
फलनिरवारतहैंबार।रतिमानीसँगनँदनन्दनकेछुटेबन्द
कंचुकीटूटेहार । निशिकेजागेदोऊनयनाढराकिरहेचल
तियौवनमदभार । सूरश्यामसँगयहसुखदेखतरीझेवा
रंबार ९० ॥ रागललित ॥ दोउबनतेब्रजधामगये। रति
संग्रामजीतिपियप्यारीभूषणसजतनये । वेब्रजगयेआ
पअपनेगृहचिततेकोउनटारत। मनबाचाकर्मणाएकदो
उएकौपलनबिसारत । जैसेमीननीरनहिंत्यागतयेखंडि
तहैंखूरन । सूरश्यामश्यामादोउदेखौइतउतकोउनअधू
रन ९१॥ दो० ॥ अतिबिचित्रनँदलालकीलीलालालि
तरसाल । जोसुखदुर्लभशिवसनकसोबिलसतब्रजबा
ल ९२॥ सो० ॥ गयेयुगलब्रजधामसखीसहितनिशि
रसबिलसि । बसतप्रियाउरश्यामश्यामहृदयप्यारीस
दा ९३॥ शृंगारभूषणवर्णनतथानयनाअनुरागलीला। चौ० ॥
बैठिभवनशृंगारकिशोरी।बहुरयोअंगसवांरतगोरी ९४

रागधनाश्री ॥ बहुरिफिरिराधासजतिश्रृँगार । मनहुँ सुहथपहिरावतिअँगरजजीतेसुरतिअपार । कटितट सुभटनिदेतरसनपटभुजभूषणउरहार । करकंकण काजरनकबेसरिदीन्होतिलकलिलार। बीराबिहँसिदेति अधरनिकोसन्मुखसहेप्रहार। सूरदासप्रभुकोजुबिमुख भयबांधतकापरवार ९५ ॥ रागकान्हरो ॥ आजुअतिरा धानारिबनी । प्रतिप्रतिअंगअनंगजीतिरसबसत्रैलो क्यधनी । शोभितकेशबिचित्रभांतिद्युतिशिखशिखंडि हरनी । रचीमांगसमभागशागनिधिकामधामसरनी । शोभितसूरश्रृँगारसदनमें श्रीवृषभानुकुँवरिछबिछज नी ९६ ॥ दो० ॥ अंगअंगभूषणबसनरुचिरुचिसकल शिंगारि । लैदरपणदेखतछबिहिश्रीवृषभानुदुलारि ९७॥ सो० ॥ दीठिभरोखालायरहेश्यामइकटकनिरखि। उरआनन्दबढ़ायदेखतप्यारीकीछबिहि ९८ ॥ रागदेव गंधार ॥ब्रजनवतरुणिकदंबमुकुटमणिश्यामाआजबनी। नखशिखलौंअँगअंगमाधुरीमोहेश्यामधनी। योंराजति कवरीगंथतिकचकनककंजबदनी । चिकुरचन्द्रकनबी चअर्द्धबिधुमानोंग्रसतफनी। सौभगरसशिरस्त्रवतपना रीप्रियश्रीमन्तटनी। भृकुटिकामकोखंडनयनशरकज्जल रेखअनी। तरलतिलकताटंकगंडपरनासाजलजमनी । दशनकुन्दसरसाधरपल्लवप्रीतममनसुमनी । चिबुकम ध्यअतिचारुसहजसखिश्यामलबिन्दुकनी । प्रीतमप्रा णरतनसंपुटकुचकंचुकिकसिबतनी । भुजमृणालबलह रितबलययुतपरसमरसश्रमनी । श्यामशीशतरमनु

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

मिड़वारीरचीरुचिररवनी। नाभिगँभीरमीनमोहनमन
खेलनकोह्रदनी । कृशकटिपृथुनितंबकिंकिणिव्रतकद
लिखंभजघनी । पदअम्बुजजावकयुतभूषणप्रीतमउर
अवनी।नवनवभावबिलोकिभामसमाविहरतबरकरनी।
हितहरिबंशप्रशंसितश्यामाकीरतिबिशदघनी । गाव
तश्रवणनिसुनतसुखाकरबिश्वदुरितदमनी ९९॥ चौ०॥
निगमनेतिनितगावतजाको । राधाबशकीन्होहैताको
५०० इतहीत्रियछबिलखतबिहारी।उतश्यामादरपण
करधारी १ निरखिआपनीछबिसुकुमारी । रहीबिब
शप्रतिबिम्बनिहारी २ अतिआनन्दभईमतिभोरी।
बिसरीसुरतिदेहकीगोरी ३ लखिप्रतिबिम्बकहतिअकु
लाई।यहसुंदरीकहांतेआई ४ ॥ दो० ॥ यहआईकि
हिलोकतेअतिसुन्दरबरनारि।ब्रजमेंतोऐसीनहींकोऊ
गोपकुमारि ५ ॥ सो० ॥ कोऊलाईयाहिकैधौंआई
आपही । सोबैरिनिममआहिजोलाईयाकोब्रजहि ६
चौ० ॥ मनहीमनपुनिपुनिपछिताई । पूँछतिप्रतिबिम्ब
हिसकुचाई ७॥ रागबिलावल ॥ तूहैकौनकहांतेआई।
यहांकौनतोकोलैआई। नामकहासुन्दरिहैतेरोयहिब्रज
मेंकाकेघरआई । कहानामजोग्रामबसतिहोकाकीबधू
कौनकीजाई।मतिसकुचैकरिसौंहकहतिहौंहमतोहिंआ
गेदेतिजनाई । यहांअकेलीतोहिंदेखतिहौंसँगकोऊका
हेनहिंलाई । जोअपनीपतिचहहुसयानीतोसवारघर
जाहुपराई।ब्रजबासीकहिअंगदुरावहुकहुंदेखैंजनिश्या
मकन्हाई ८ ॥ दो० ॥ तेरेहितकीकहतहौंमानचहै

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

मतमान । आईहैब्रजआजहीतूकहउनकोजान ९ ॥
सो० ॥ ऐसोढीठनआनत्रिभुवनमेंकोऊकहूं । जैसोब्रज
मेंकानमनभायोसबकोकरत १० ॥ चौ० ॥ नेकनहींका
हूडरमाने । मथुरापतिजेहिरहतसकाने ११ ॥ रागदेवग
न्धार ॥ मैंजानतिउनकेगुणनीके । तोसोंकहतिभावते
जीके । हमदधिबेंचनजातिमधुपुरीसंगसहस्रअलिन
के। तबलैंसखनबाटकोछेंकैमांगतदानदहीके । गोरस
लेतछीनिबरियाईकरतभावतोजीके । सूरतोरिहारहिब
गरावतपरसतपाणिअमीके १२ ॥ चौ० ॥ सुनिसुनि
श्यामाप्रियाकीबानी । मनहीमनबिहँसतसुखमानी १३
सो० ॥ कहतरसीलीबातज्योंज्योंतियप्रतिबिम्बसन ।
त्योंत्योंअतिहरषातब्रजबासीप्रभुप्रेमबश १४ ॥ रागदे
वगन्धार ॥ प्यारीनिजप्रतिबिम्बनिहारे । बारबारपूंछति
प्रतिबिम्बहिक्योंसुन्दरिनाहिंवचनउचारे । हँसेहँसतिहे
रेहेरतिहौफेरतिभौंहभौंहकेटारे । हांसीकरतिपरस्परह
मसोंदेखिहोतमनमगनहमारे । करतिसयानीसोहमची
न्हीचन्द्रबदनिमुसकानिआनियारे । सूरश्यामकोरीझि
रिझायेमनभावनप्रियनन्ददुलारे १५ ॥ दो० ॥ यहतो
बोलतिहैनहींअतिगरबीलीबाम । देखतहीयहिरीझिहैं
छैलछबीलेश्याम १६ ॥ सो० ॥ भईसौतियहआयअब
हरियाकेबशभये । योंबियोगउपजायउपजायोअतिबि
रहदुख १७ ॥ रागबिलावल ॥ बिरहव्यथाकीपीरसेंव्या
कुलभइगोरी । इतहिश्यामलखिप्रियदशासुखसिंधुहि
लोरी । औचकहीगयेधाइकैपाछेसुखराशी।श्यामाकेदो

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

उचक्षुमूंदिमनकोभ्रमनाशी । चौंकिचकितभइभामि
नीमनतनसुधिकीन्हो । कहतिमोहिंभ्रमभयोआजुप्र
तिबिम्बनचीन्हो । अतिसकुचीतबलाड़िलीमनलखि
घनश्यामा । जानिबूझिकैलेतिहैसबसखिनकोनामा।
खिनखोलहिंखिनढांकहींनयननागिरिधारी । मुखरिस
मनमुसक्यातिहैभामिनीपियारी । कुँवरिनागरीबल्ल
भाश्रीगिरिधरनायक । सूरकहतपटतरनहींकाबिदेबेला
यक १८॥ दो० ॥ अपनेकरपियकरपकरिलीन्हेनयन
छुड़ाय । रबिशशिचारसरोजनौंद्वैचकोरमिलिभाय
१९॥ सो० ॥कीन्हेसन्मुखआनपाणिपकरिकैलाड़िली ।
भलेभलेजूकानमैंसखियनधोखेरही २० ॥ चौ० ॥
तुमहौतियमनहरणकन्हाई । तुम्हरीगतिकछुजानिन
जाई २१ तबहरिहरषिप्रियाउरलायो । मुकुरकथा
सबभाषिसुनायो २२ सुनिनागरिहारितनमुसक्यानी।
चितैनयनकछुअतिहिलजानी २३ हँसतचलेतबकुँवर
कन्हाई । रसिकपुरंदरजनसुखदाई २४ तेहिअंतर
सँगसखिनालिवाई । चन्द्रावलिराधाढिगआई २५॥
सूरसागरे। रागआसावरी ॥ चन्द्रावलीसखिनसँगलीन्हे
राधाकेगृहआईहो । आजुअंगशोभाकछुऔरैहरिसँ
गरैनिपुहाईहो । अबतोनहींदुरावरह्योकछुकहौसांच
ममआगेहो । अधरदशनछतउरजनिनखछतपीकप
लकदोउपागेहो । हमजानीतुमकहोप्रकटकरिश्याम
संगसुखमानेहो । सुनहुसूरहमसखीपरस्परक्योंनरैनि
सुखगानेहो २६ ॥ चौ० ॥ सुनिसखियनकेबचनस

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

यानी । बोलीप्रियाहरषिमृदुबानी २७ जैसीभांति मिलेहरिहमसों । सोहितकहौंसुनहुसखितुमसों २८ मैं अपनेसबअंगशिंगारति । लियेमुकुरकरबदननिहारति २९ लखिअपनोप्रतिबिम्बभुलानी । जानिऔररति यमनाहिंडरानी ३० पाछेतेयहजानिकन्हाई । मूँदेनय नऔचकहिआई ३१ ॥ दो० ॥ तबहिंचौंकिचक्रित भईमैंसमुझीनिजुभोर । लगीदेनउरहनतुम्हैंभईफिर तिहौंचोर ३२ ॥ सो० ॥ सुनिराधेमुखबातहियहर षींसबगोपिका । पुलाकिप्रफुल्लितगातकहतिधन्यतू लाड़िली ३३ ॥ चौ० ॥ नन्दनँदनवृषभानुकिशोरी । चिरजीवहुसुन्दरियहजोरी ३४ ॥ नयनानुरागकोप्रस्ताव दो० ॥ प्रेमभरेछबिसोंभरेभरेअनन्दहुलास । युगलमाधु रीरसभरेब्रजमेंकरतबिलास ३५ ॥ सो० ॥ करतअनेक बिहाररूपरासिकगुणनिधियुगल । राधानन्दकुमारब्रज बासीजनसुखकरन ३६ ॥ चौ० ॥ हरिअनुरागभरीं ब्रजनारी । लोकसकुचकुलकानिबिसारी ३७ सा सुनन्दगारीदैहारी । सुनतिनहींकोउकहतिकहारी ३८ सुतपातिनेहजगतकोछोरयो । ब्रजतरुणिनतिनुकासम तोरयो ३९ ॥ रागनट ॥ नयननध्याननन्दकुमार । शीशमुकुटशिखण्डराजतनहिंनउपमापार । कुटिलके शसुदेशभ्राजतमनहुँमधुकरजाल । रुचिरकेशरितिल कदीन्हेपरमशोभाभाल । भृकुटिबंकटचारुलोचनरहीं युवतीदेखि । मनोखंजनचापडरडरिउड़तनाहिंआहिले खि । मकरकुण्डलगण्डझलमलानिरखिलज्जितका
CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

म । नासिकाछबिकीरलज्जितकबिनबरणतनाम । अ
धरबिद्रुमदशनदाड़िमचिबुकहैचितचोर । सूरप्रभुमु
खचन्द्रपरणनारिनयनचकोर ४० ॥ चौ० ॥ व्रजब
निताहरिनहिंबिसरावैं । श्यामासहितबैठिगुणगावैं ४१
आयेपुनितेहिओरबिहारी । सखिनसहितबैठीजहँप्या
री ४२ ताहीमगनिकसेसुखदाई । सुन्दरनटवररूपदि
खाई ४३॥दो०॥ शीशमुकुटकुण्डलश्रवणउरचटकीली
माल।पीतबसनकटिकाछनीतनुद्युतिश्यामतमाल४४॥
सो० ॥ चलतललटपटीचालबंकबिलोकनिमृदुहँसनि ।
अंगअंगछबिजालरसिकनवलनागरछयल४५॥चौ०॥
औचकदेखिश्यामब्रजनारी । भईचकिततनुदशाबिसा
री४६गयेकल्पतरुछांहकन्हाई।रूपठगोरीतियनलगाई
४७लागींकहनपरस्परबानी । लोचनमगअनुरागकहा
नी४८॥ रागपूर्वी ॥ तरुतमालतरेत्रिभंगीतरुणकान्हकुँव
रठाढ़ेहैंसांवरेबरण । मोरमुकुटपीतांबरबनमालाबिरा
जतदेखतब्रजजनमनहरण ॥ सखाअंशपरबामभुजदी
न्हेमुरलीअधरशालनबिश्वंभरण । श्यामकमलनय
नकोकौनकीन्होब्रश्याबिलोकनिश्रीगोबर्द्धनधरण ४९
चौ० ॥ बोलीअपरएकब्रजनारी । सखिलोचनलो
भीअतिभारी ५० ॥ रागगौरी ॥ मनलोभ्योहरिरूप
निहारी । जादिनश्यामअचानकआये तबतेमोहिंबि
सारी । इनहींसंगलगायगयोछांडेरानिकस्योभ्मारी ।
ऐसेहालकरतरीकोऊरहीअकेलीनारी । फेरिनमेरीहू
सुधिलीन्हीआपकरतसुखभारी ।सूरश्यामऊरहनोदेहीं

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

पठवतकहेनहमारी ५१ ॥ चौ० ॥ कासोंकहौंसखी यहबाता। भयेनयनहमकोदुखदाता ५२ ॥ दो० ॥ पलनलगतहैंएकपलक्षणनघटतघटसांस। साहसम नजबतेचुभीनयनसयनकीफांस ५३ समझायेसमझत नहींपलकदेतनहिंचैन।निशिबासरप्यासेरहैंनिपटअनो खेनैन ५४ ॥ चौ० ॥ हमकोविरहदुसहदुखदेहीं। आ पसदादर्शनसुखलेहीं ५५ ॥ दो० ॥ यहिबिधिनिदरतिद गनकोभरीप्रेमब्रजनारि। होतिमगनसुखबिरहरसनय ननश्यामनिहारि ५६ ॥ सो० ॥ यहीभजनयहध्यान श्यामरूपरसगुणकथा। नहिंजानतिकछुआननिशिदि नब्रजकीसुन्दरी ५७ ॥ रागबिलावल ॥ श्यामरंगरा चींब्रजनारी। औररंगसबदीन्होडारी। कुसुमरंगगु रुजनपितुमाता। हरितरंगबहिनीअरुभ्राता। दिना चारमेंसबमिटिजैहैं। श्यामरंगअजरामररैहैं। उज्ज्व लरंगगोपिकानारी। श्यामरंगगिरिवरकेधारी। श्या महिमेंसबरंगबसेरो। प्रकटावतीहृदयकहझेरो। अ रुणश्वेतसितसुन्दरतारे। पीतरंगपीताम्बरधारे। ना नारंगश्यामगुणकारी। सूरश्यामरँगगोपकुमारी ५८ चौ० ॥ कोउसखिकह्यतिनयनखगमेरे। फँसेअलकफंदा हरिकेरे ५९ हारजीतयेनयननजानैं। मानपमानकछू नहिंमानैं ६० जिनकीबानिपरीसखिजैसी। धरीटेकउर मेंतिनतैसी ६१ सखिनयनाअबहरिसँगलागे। मनबच क्रमउनसेअनुरागे६२ अबयेनयनफिरतनहिंफेरे। कि येसखीहमयत्नघनेरे ६३ ॥ दो० ॥ अबहमतलफतिउन

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

बिना मरतियहीअफसोस । मालखोंटसखिआपनो कहापारखिहिदोस ६४ ॥ सो० ॥ प्रेमबिवशात्रियवृन्दऐसेदोषतिहगनको । तबहिंछैलब्रजचन्दटेरिसुनाई बांसुरी ६५ ॥ बेणुगीत तथाबांसुरीलीलाको प्रस्ताव ।चौ० ॥ कृष्णप्रेमरसपूरणतातें।करतहुतींनयननकीबातें६६परी श्रवणयहिअंतरजाई । हरिकीमुरलीटेरसुनाई ६७ ॥ श्लोक भा० ॥ वर्हापीडंनटवरवपुःकर्णयोःकर्णिकारंबिभ्रद्वासःकनककपिशंबैजयंतींचमालाम् । रंध्रान्वेणोरधरसुधयापूरयन्गोपवृन्दैर्वृन्दारण्यंस्वपदरमणंप्राविशद्गीतकीर्त्तिः १ ॥ दो० ॥ अधरमधुरमुरलीधरेमुरलीधरसुखदैन । धुनिसुनिमोहींगोपिकातनमनप्रकटोमैन ६८ ॥ सो० ॥ रह्योनमनमेंधीरबाजीबाजीकहिउठीं । ब्याकुलमहाशरीरसुनिमुरलीब्रजकीतरुणि ६९ ॥ क० ॥ बाजीबौरानीबाजीदेखिबेकोद्वारधाईं बाजीअकुलानीसुनिबंशीबंशीधरकी । बाजीनापहीरैंचीरबाजीनाधरैंधीरबाजिनकेउठीपीरबिरहानलभरकी । बाजीनाबोलैंबाजीसंगलगिडोलैंबाजिनकोबिसरिगईसुधिबुधिघरकी । बाजीकहैंबाजीबाजीकहैंकहांबाजीबाजी कहैंबंशीबाजीआजसांवरेसुंदरकी ७० ॥ सूरसागरे रागटोड़ी ॥ मुरलीसुनतदेहगतिभूलीं । गोपीप्रेमहिंडोलेभूलीं । कबहुँचकितह्वैरहतसयानी । स्वेदचल्योह्वैजैसेपानी । धीरजधरिइकइकहिसुनावैं । यहकहिकहिआपुइबिसरावैं । कबहूँसुधिकबहूँसुधिनाहीं । कबहूँमुरलीनादसमाहीं । कबहूँतरुणितरुणिमिलिबोलैं । कबहूँरहैंधीरनहिंडोलैं । क

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

बहूँचलतिकबहुँफिरिआवैं। कबहुँलाजतजिलाजलजावैं। मुरलीश्यामसुहागिनिभारी। सूरकहतिऐसेब्रजनारी ७१ ॥ रागबिहागरो ॥ अधरधरिमुरलीश्यामबजावत। सारँगगौंड़नाटनटकरिकैगौरीरागसुनावत। आपुभयेरसबसताहीकेऔरनिबश्यकरावत। ऐसोकोत्रिभुवनजलथलमेंजोशिरनहींधुनावत। सुभगमुकुटकुंडलमणिश्रवणनदेखतनारिनभावत। सूरदासप्रभुगिरिधरनागरमुरलीधरनकहावत ७२॥ पुनःश्लोकः भागवते॥ इतिवेणुरवंराजन्सर्वभूतमनोहरम्। श्रुत्वाब्रजस्त्रियःसर्वावर्णयंत्योऽभिरेभिरे १ ॥ सू० रागबिहागरो ॥ अँखियनकीसुधिभूलिगई। श्यामअधरमृदुसुनतमुरलिकाचकितनारिभई। जोजैसेसोतैसेइरहिगईसुखदुखकह्योनजाई। लिखीचित्रकीसीसबह्वैगईयकटकपलबिसराई। काहूसुधिकाहूसुधिनाहींसहजमुरलिकाआन। भवनरवनकीसुधिनरहीतनुसुनतशब्दवहकान। अँखियनतेमुरलीअतिप्यारीवहबैरिनियहसौति। सूरपरस्परकहतिगोपिकायहउपजीउदभौंति ७३॥ चौ० ॥ ब्रजमेंधौंकिततेयहआई। भईकठिनहमकोदुखदाई ७४॥ दो० ॥ जारसकोहमतपकियोषटऋतुसबब्रजबाम। सोरसमुरलीलेतिअबसहजाहिंकरिबशश्याम ७५॥ सो० ॥ गावतमीठीतानमुरलीसँगअधरनधरे। अबयाकेबशश्यामऔरनिबिबशकरावही ७६॥ रागकल्यान ॥ बांसबंशबंशीसबबश्यजगतस्वामी। जाकेबशसुरनरमुनिब्रह्मादिकगुणिगुणिगुणबासरनिशिकथतनिगमनेतिनेतिबानी। याकीमहिमाअपाराशि

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

वनलहतवारपारकरतासंसारसारब्रह्मरूपयेहैं । सूरन
न्दसुवनश्याम जेकहियततत्त्वनामआतिहीआधीनबश्य
मुरलीकेतेहैं७७॥ पुनः ॥ मुरलीनहिंकरतश्यामअधरन
तेन्यारी । ठाढ़ेह्वैरहतएकपांयतनुत्रिभंगकरतधरतनाद
मुरलीसुनिपुहुमिबश्यसारी । थावरचरअचरजौनजंग
मजड़भयेमौनसरिताउलटीप्रवाहपवनथकितभारी ।
सुनिसुनिधुनिश्रवणतान स्वेदगयेह्वैपषानतरूडगरधा
वतखगमृगनिसुधिबिसारी । उकठेतरुभयेपातपाथरप
रकमलजातआरजपथतज्योनातब्याकुलनरनारी । री
भेप्रभुसूरश्यामबंशीरवसुखदधामब्रासरहूयामनहीं जा
तिकतहुँटारी ७८ ॥ रागबिहागरो ॥ मुरलीकेबशश्यामभ
येरी । अधरनतेनहिंकरतेन्यारीवाकेरंगरयेरी । रहत
सदातनुसुधिबिसरायेकहाकरनधौंचाहति । देखीसुनी
नभईआजुलौंबांसबँसुरियादाहति । श्यामहिनिदरिनि
दरिहमहूँकोअबहींतेयेरूप । सुनहुसूरहरिकेमुखपायेबो
लतिबचनअनूप ७९॥ चौ० ॥यहतौभलीनहींब्रजआई।
भईसौतिहरिकेमनभाई८० ॥ पुनःरागनट॥ मुरलीभईसौ
तिबजाय।कबहुँबनमेंरहतिडारीताहियहसुघराय।बचन
हीहरिरिझैलीन्हेअधरपूरितनाद। दिनाहिंदिनअधिका
नलागीअबकरैगीबाद । सुनहुरीयहिदूरिकीजैइहैक
रौबिचार । अबहिंतेकरणीकरीयहबहुरिकहालगार ।
ढंगयाकेभलेनाहींबहुतगईडराय । सूरश्यामसुजानरी
झेदेहगतिबिसराय ८१ ॥ चौ० ॥ यहसुनिकहतिएकब्र
जनारी । सखीबातयहकहतिकहारी ८२ अकहुहहोत

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

दूरियहकैसे । जाकेबशनँदनन्दनऐसे ८३ ॥ रागबि
हगरा ॥ अबहींतेहरिसबहिविसारी । ऐसेवश्यभयेहरि
वाकेजातिनदशाविचारी । कबहूँकरपल्लवपरराखतकब
हुँअधरपरधारी । कबहुंलगायलेतहिरदयसोंनेकहुकर
तनन्यारी । मुरलीश्यामहिंअपनेकीन्हेजेकहियतागिरि
धारी । सूरदासप्रभुकेतनमनधनबांसबँसुरियाप्यारी
८४ ॥ चौ० ॥ ऐसोकोअबहरिकेकरते । दूरिकरैयाको
निजबलते ८५ ॥ दो० ॥ अबमुरलीछूटैनहींयाकेवश
भयेश्याम प्रकटकियोसबजगतमेंमुरलीधरनिजनाम
८६ ॥ सो० ॥ हरिकोकरिबशमाहिंमुरलीलूटैअधररस।
उरडरमानतिनाहिंहमसबतेबोलतिनिठुर ८७॥ चौ० ॥
बनकीव्याधिकहांयहआई । ऐसेकहिकहितियपछिता
ई ८८ एकसखीबूभतिभइऐसे । मुरलीप्रकटभईयहकै
से ८९ ॥ रागगौरी ॥ मुरलीप्रकटभईसोकैसी । कहांरह
तिकैसेयहआईगीधेश्यामअनैसी । मातपिताकैसेहैंया
केयाकीगतिप्रतिऐसी । ऐसेनिठुरहोहिंगेतेऊजैसीकी
यहतैसी । यहतुमनहींसुनीहोसजनीयाकेकुलकोधर्म ।
सूरसुनहुअबहींसुखपैहौकरणीउत्तमकर्म ९० ॥ चौ० ॥
बोलीएकऔरतियस्यानी । अबलौंतुमयहबातनजा
नी ९१ ॥ रागनट ॥ सुनुरीमुरलीकीउतपात्ति । बनमेंरह
तिबांसकुलयाकोयहतोयाकीजाति । जलधरपिताधर
णिहैमाताअवगुणकहौंउघारी । बनहूँतेयाकोघरन्यारो
निपटहिजहांउजारी। एकतेएकगुणनिहैंपूरेमातपिताअ
रुआप । नाजानियेकौनफलप्रकटयोअतिहिकृपापरता

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

प ॥ बिश्वासीपरकाजनजानैयाकेकुलकोधर्म । सुनहुसूरमेघनिकीकरणीअरुधरणीकेकर्म ६२ ॥ चौ० ॥ येबरसतजलसबजगमाहीं।गिरिबनसरसरितासबठाहीं ९३ चातकसदारहतकरिआसा । एकबूंदकोमरतपियासा ९४ धरणीसबहीकोउपजावै । आपुनसदाकुमारिकहावै ६५ ताकुलसुतामुरलिकाजानौं । अबआगेगुणप्रकटबखानौं ९६ ॥ दो० ॥ तनुहींतेप्रकटतअनलऐसीयाकीझार । प्रकटभईयावंशमेंकरतिजारतेछार ९७ ॥ सो० ॥ ऐसेगुणकीआहियहमुरलीसाखिबांसकी । आई निजकुलदाहिऔरकौनयातेनिठुर ९८ ॥ रागबिहगरो ॥ याकीजातिश्यामनहिंजानी । बिनबूझेबिनहीअनुमाने करिबैठेपटरानी । बारम्बारलेतआलिंगनसुनिसुनिमधुरीबानी ।गांवठांवमहिंबासबंशीकोयाहिकहांतेआनी। जिनकुलदाहतबिलँबनकीन्होकौनधर्मठहरानी । सुनहुसूरवहकरणीयहिमुखजातिनकछूबखानी ९९ ॥ रागसोरठ ॥ हमतपकारितनुगारयोजाको । सोफलतुरतमुरलियापायोकरीकृपाहरिताको । कपटीकुटिलऔरनहिंकोऊ जैसेहैंब्रजराज । जोसन्मुखसोबिमुखकहावैबिमुखकरैसुखराज । बूझीबातनन्दनन्दनकीमुरलीकेरँगपागे । सूरअधररसआहिंहमारेताकोबकसनलागे६०० ॥ रागगौरी ॥ मुरलियाहमहिंउपाधिभई । नन्दनँदनहमसबनिभुलाई उपजीकहादई ।कैसेवहअबदूरिहोतिहैनोखीमिलीसई। देखोरीसम्बन्धपाछिलोबराबिषबेलिबई । जारेजरैनकाटेसूखैछेगइअमृतमई ।सूरश्यामभरुहाईयाकोब्रजमेंआ

निबहई १ ॥ दो० ॥ अलिसुरनरमुनिसूरशशिखगमृग
सलिलसमीर । यामुरलीकेबशभयेंधुनिसुनिधरतनधी
र २ ॥ सो० ॥ रहीविश्वपरजीतिमोहनमुखलगिबांसु
री । मेटिसकलश्रुतिनीतिरीतिचलावतआपनी ३ ॥
रागधनाश्री ॥ यहमुरलीजरिगईनतबही । जबअपनीकु
लदाहकरायोतबकैसेनिबही । ऐसीचतुरचतुरईकीन्ही
आपबचीसबजारी । कैसेमिलीसूरकेप्रभुकोबिधनाकी
गतिन्यारी४ ॥ रागगौरी ॥ मुरलीमोह्योकुँवरकन्हाई । अँ
चवतअधरसुधाबशकीन्हेअबहमकहाकरैंरीमाई । सर
बसहरिलैधरोसबनिकोऐसेनाहिंनदेतदिखाई । गाज
तिबाजतिबैठिदुहूँकरअपनेकाननसुनतपराई । जेहित
नुअग्निदह्योअपनेकुलतासोंकैसेहोतभलाई । अबसु
निसूरकौनबिधिकीजैबनकीब्याधिसांझघरआई ५ ॥
मुरलीबचन।सूरसागरेरागसूहो ॥ जबसुनिहौकरतूतिहमारी।
तबमनमनतुमहींपछितैहौव्यथादईकहियाकोगारी। तुम
तपकियोसुन्योंमैंसोऊरिसपावहुगीऔरकहारी।मोसभा
नतपतुमनहिंकीन्होसुनहुकरौंजनिशोरवृथारी । मैंकह
कहौंसुनहुगीतुमहींजगतबिदितयहबातहमारी । सूर
श्यामआपुनहीकहियेसुनतकहामुसक्यातमुरारी ६ ॥
रागसारंग ॥ ग्वालिनिकतहिउरहनोदेहु । बूझहुधौंय
हबातश्यामसोंजितेदुखजुरयोसनेहु । जनमतहीहमभ
ईबिरतचितछांड़िग्रामगुणगेहु । एकहिपांयरहतिनित
ठाढ़ीहिमग्रीषमऋतुमेहु ।तज्योमूलशाखासुपत्रसबशो
चिसुखानीदेहु।मुरौंनतनमनअग्निसुलाखतबिकटबन।

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

योंबेहु। कतहोबकतिबांसुरीजानैकरिकरितामसतेहु।
सूरश्यामकोतुमहुँरिझैकरिक्योंनअधररसलेहु ७॥
रागबिलावल॥ रिझैलेहुतुमहूँकिनश्यामाहिं। काहेकोब
कबादबढ़ावतिसतरहोतिबिनकामाहिं। मैंअपनेतपकोफ
लभुगवतितुमहुँकरौफललीजै। तबजोबीचबोलिहैकोई
ताहिदूरिधरिकीजै। अपनोभागनहींकाहूसोंआपआप
नेपास। जोकछुकहौसूरकेप्रभुकोमोपरहोतिउदास ८॥
रागबिलावल॥ मेरेदुखकोऔरनही। षटऋतुशीतउष्ण
बर्षामेंठाढ़ेपांयरही। कसकीनहींनेकहूकाटतघामेराखी
डारि। अग्निसुलाखदेतनहिंमुरकीबनेबनावतिजारि।
तुमजानतिमोहिंबांसबँसुरियाअग्निझांपदैआई। सूर
श्यामऐसोतुमलेहुनखिझतिकहाहौमाई ९॥ पुनः॥ ज
बकरिहौतपमेरीसी। तबतुमअधरसुधारसबिलसौमैंके
रैहांचेरीसी। बिनाकष्टयहफलनपाइहौजानतिहोअबटे
रीसी। षटऋतुशीततपनितनुगारयोबांसबँसुरियाकेरी
सी। कहामौनह्वैकेजुरहीहौकहाअरतिअवसेरीसी। सुन
हुसूरमैंन्यारीह्वैहौंजबदेखौंतुममेरीसी १०॥ चौ०॥ तब
योंकह्योएकब्रजनारी। मुरलीश्यामअधरपरधारी ११ जो
अवगुणहोतोयहिमाहीं। तौयाकोहरिछूतेनाहीं १२सुनहु
सखीयहहैयहिलायक। अतिहीभलीश्रवणसुखदायक
१३। रागरामकली॥ मुरलियाबाजतहैबहुबान। तीनिग्रामइ
क्कीसमुर्छनाउनञ्चासकोटितान। सबैकलाब्युत्पन्नसुघर
अतियासमसरिकोआन। अतिसुकंठगावतिमनभावति
रीझैश्यामसुजान। ऐसीसोंनहिंबैरकीजियेदूरिकरौरिस

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

ज्ञान।सूरश्यामकेअधरनिराजतिसवहीअंगनिधान १४
चौ०॥ सुनहुकानदैकहतिकहारी।श्रीराधाश्रीराधाप्यारी
१५ तुमजानतिहरिहमहिंबिसारी। तुमहारिसोंनहिंनेकहु
न्यारी १६ हर्षीसकलसुनतयहबानी। हममुरलीऐसीनहिं
जानी १७॥ दो०॥धनिरबंशीबांसकीधनियाकेमृदुबोल।
धनिलायेगुणजांचिकैबनतेश्यामअमोल १८॥ सो०॥
धनिश्याकोबंसधनिमुरलीहरिमुखलगी। सखिनसहि
तपरशंसश्रीमुखश्रीराधाकह्यो १९॥ रागधनाश्री ॥ बा
जीहोवृन्दाबनरानी।धनिवैबंशदुखभंजनगिरिधरकरध
रिमोहनमानी। तरलरसालअधरछबिकरलैमुरलीसक
लकहानी।कुंजखोहकहुंकरततपीतपतिनतपतपतिसिरा
नी। अम्बरघेरिघटाक्षणआयेरहीधारधरिपानी। बूझ
तबालगोपालसखासोंकृत्रिमकहांतेआनी। सुखजनरा
जश्रिसुन्दरहरिमुखसूरसबैजगजानी २०॥ रागसारंग॥
जबतेमुरलीश्रवणपरी। तबहींतेमनऔरभयोकछुतनु
सुधिसबबिसरी।हौंअपनेअभिमानरूपगुणयौवनगर्बभ
री। नेकनकह्योकस्योदूतीकोबादाहिआयढरी। बिनुदे
खेवहश्याममनोहरयुगभरिजातघरी। सूरदासयाआर
जपथतेकछुअनचाड़सरी २१॥ पुनः॥ सुनहुरीमु
रलीअधरबजाई। मोहेसुरनरनागनिरंतरब्रजबनिता
मिलिधाई। यमुनानीरप्रवाहथकितभयोपवनरह्यामुर
झाई। खगमृगमीनअधीनभयेसबअपनीगतिबिसरा
ई। द्रुमबेलीअनुरागपुलकतनुशशिथकिनिशिनघटाई।
सूरश्यामवृन्दाबनबिहरतचलहुसखीसुधिपाई २२॥

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

रागनट ॥ सुनिकैकुंजकाननिबैन । ब्रजबनिताबिसारिब्र
म्बरचलींगृहतजिचैन । शब्दब्रह्मबिधिभयोमोहनपूजि
औरपरैन।सूरश्यामजोरसिकनागरसुभटसुरउरदैन २३
बेणुगीतकीप्रस्तावलीला । दो० ॥ गृहगुरुजनकीलाजतजिब्र
जसुन्दरीनिकाय । मुरलीधुनिरसरँगरलींमिलींश्यामब
नजाय २४ ॥ चौ० ॥ अद्भुतरूपदेखिसुखपायो । मन
हीमनअतिहर्षबढ़ायो २५ सुरतिसँभारिधीरउरधारी। क
हतिपरस्परगोपकुमारी २६ देखहुढँगमुरलीकेआली। ह
मतेनिठुरकियेबनमाली २७ अपनोईस्वारथयहजानै। क
पटचतुरईहमतेठानै २८ तातेकहतिसुनोरीगोरी। सजग
होहुअबनवलकिशोरी २९ मुरलीदूरिकरायेबनिहै । कछू
दिननिमेंहमैंनगुनिहै ३० यहसुनिकहतिएकब्रजनारी।स
खिमैंमनइकबुद्धिबिचारी ३१॥ सू० । रागसारंग ॥ सखिरी
मुरलिलीजैचोरि । जिहिगोपालकियेबशअपनेप्रीतिस
बनसोंतोरि । एकहुपलकलनाहिंनिशिदिनमैंकबहूंधरत
नछोरि । कबहूंकरकबहूंअधरनिपरकबहूंउरकटिओरि।
जानतिहौंकछुमेलिमोहनीराखैसबअँगमोरि। सूरश्याम
कोमनसुनुसजनीबँध्योनादकीडोरि ३२॥ दो० ॥ यहसुनि
हर्षीब्रजतरुणिप्यारिहिकह्योबुझाय।हमभुरवतिंहैंश्याम
कोतुमउतलेहुचुराय ३३ ॥ चौ० ॥ यहसुनिकहतिनवल
ब्रजनारी। सुनहुप्राणपतिगिरिबरधारी ३४॥ रागसारंग॥
चितदेसुनहुअंबुजनैन । कृपणकोगथभयोतुमकोसर
सअमृतबैन । हमगुणीनवबालरिझवतितुमतरुणधन
राशि। कैसेहूसुखदानदीजैबिरहदारिदनाशि।करहुयह

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

घशश्यामसुन्दरनिठुरकोठीखोलि । कृपाचितवनिभुज उठावहुप्रेमबचननिबोलि । दीनबाणीश्रवणसुनिसुनि द्रवेपरमकृपाल। सूरएकहुअँगनकांचीधन्यधनिब्रजबा ल३५॥ दो०॥ यहिबिधिप्रभुहिरिझायकैकीन्हेनिजबश श्याम । मुरलीधरकीमुरलिकाहरिलीन्हीब्रजबाम३६॥ सो०॥ जानीजाननरायलीन्ह्योगोपीमुरलिका । भक्तन केसुखदायबोलेप्यारीसोंबचन ३७ ॥ रागबिलावल ॥ बांसुरीदीजैहोब्रजनारि । कालिहसखीयहिठौरभूलिबांसु रीबिसारी । लैजुगईतुमधामबातहमसुनीतुम्हारी । ना हिंनतुम्हरेकामकीबंशीहमरीदेउ । हमआतुरकैमांगहीं तुमनाहिंजुनाहिंकरो ॥ टेक सखीबचन ॥ लंगरकन्हैयाढी ठतोहिंअबकौनपतीजै । डारिदियोकाहिंअनतदोषहम हींकोदीजै । तुमऐसेलंगरकितेकेमांगतहमसोंछांछ । चतुराईप्रभुछांडिकैतुमकहानचायोनहाथ ॥ टेक ॥ कैसीबंशीहोतनाहिंहमनयननदेखी । बापतुम्हारेसाधु लालतुमबड़ेबिबेकी । इतउतढूँढ़ततुमफिरतयाब्रजभू लिरहे । तेरीसोंबाबाकीसोंहममुरलीनाहिंलई ॥ टेक कृष्णबचन ॥ बंशीदेहुगवांरिकाहेकोरारिमचावो । म नमेंसमुझिबिचारिकाहेकोलोगहँसावो । हँसैंलोगचरचा करैंमनमेंसमुझिबिचारि । बंशीहमरीप्रेमकीतुमकाहेन देतिगवांरि ॥ टेक सखीबचन ॥ हमकोकहतगवांरिआ पनीकरतबड़ाई । मारौंतमाचातानितबैबाबाकीजाई । लैलकड़ीमुखपरधरीबंशीवाकोनाम । जाघरतुमसेपुत्र हैंउजरतवाकोग्राम ॥ टेककृष्णबचन ॥ बसौंकिऊजरि

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

जाउनहींपरवाहतुम्हारी । तुमसीहैंलखचारनंदघरगो
बरहारी । लाखरहैंदरबारखड़िलखआवैंलखजांय ।
लखनितउठिदर्शनकरैंसुन्दरिमनपछितांय॥ टेक सखीका
वंशीदेना ॥ ग्वालिनिचतुरसुजानबांसुरीआपुहिदीन्ही ।
मोहनचतुरसुजानसांवरेहँसिकैलीन्ही । लैवंशीग्वा
लिनिमिलीयौंबनबदनदुराय । सूरदासप्रभुहारीहैंग्वा
लिनिजीतेयदुपतिराय ॥ टेक ॥ लैवंशीयदुरायजा
ययमुनातटकीन्हो । सुरतेंतीसौंकोटिवहांसबजन्मजो
लीन्हो । भक्तबछलसुखदायहरिराखोसबकोमान । ति
नमेंतुमप्रभुआपहोगुणगावतसरसुजान ३८ ॥ दो० ॥
धनिधनितेनरनारिजगधनिधनितिनकेभाग। ब्रजबासी
प्रभुबांसुरीजिनकेमनमेंलाग ३९ ॥ सो० ॥ राखतहैंयह
आसजनब्रजबासीदासहू । करहुहीयमेंबासमुरलीधर
मुरलीधरे ४० ॥ रासलीलाकोप्रथमप्रसंग । श्लोकः ॥
ब्रह्मादिजयसंरूढमूढकंदर्पदर्पहा । जयतिश्रीपतिर्गोपी
रासमंडलमंडनः १ ॥ चौ० ॥ बन्दौंयुगलचरणसु
खदायक । श्रीरसरासनायकानायक ४१ नँदनन्दनवृ
षभानुनन्दनी । सुरनरमुनिब्रह्मादिबन्दनी ४२ बहुरिरा
सपतिपदशिरनाऊं । रासचरितमंगलअबगाऊं ४२
ब्रजगोपिनहरिहिततपकीन्हो । श्यामहोंयपतियहब्रत
लीन्हो ४४ ॥ सो० ॥ तबश्रीश्यामसुजानचीरहरण
लीलाकरी । दीन्होपुनिबरदानमनभावतगोपीनको ४५
चौ० ॥ कह्योगोपिकनसोंसुखधामा । शरदरैनिऐहैंज
बयामा ४६ करिहौंतुम्हरेमनकीभाई । लीलाललित
CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

रासुखदाई ४७ सोजबशरदसुखदऋतुआई। रा
कारजनीललितसुहाई ४८ गयेश्यामवृन्दाबनमाहीं।
जहँबसन्तऋतुरहतसदाहीं ४९ ॥ दो० ॥ श्रीवृन्दाब
नधामकीशोभापरमपुनीत। बरणिसकैकबिकौनबिधिबु
धिबलबचनअतीत ५० ॥ सो० ॥ सबचैतन्यस्वरूपभूमि
लताद्रुमगुलमतृण। धारिरह्योजड़रूपसुन्दरश्यामबिहा
रहित ५१ ॥ चौ० ॥ जाकीमहिमाशिवमुनिगावैं। ब्रह्मा
दिकरजछुवननपावैं ५२ जाकीमहिमाश्रीमुखबानी।
संकर्षणप्रतिश्यामबखानी ५३ ॥ दो० ॥ सुखनिधि
रसनिधिरूपनिधिवृन्दाविपिनउदार। शारदनारदशे
षशिवबर्णतश्रुतिबिधिचार ५४ ॥ सो० ॥ सुखदनको
ऊआनवृन्दाबनसमदूसरो। सकलबिश्वसुखदानसु
खपावतमोहनजहां ५५ ॥ चौ० ॥ तहँबितिरचिसक
शंखसुहावा। मणिमयसुभगश्रुतिनमेंगावा ५६ तापर
अद्भुतकमलाबिराजै। षोडशचक्रपत्रसमराजै ५७ यो
जनपांचतासुपरमाना। रासस्थानसुवेदबखाना ५८
मध्यकर्णिकाअतिरमनीया। बैठेतहांकान्हकमनीया
५९ शोभाअमितनेतिश्रुतिबानी। तातेकहातिगिरास
कुचानी ६० ॥ दो० ॥ अतिअद्भुतलावण्यनिधिश्री
वृन्दाबनधाम। निगमनेतिकिमिबरणियेरसिकनवल
घनश्याम ६१ सो० ॥ जेहिगावतश्रुतिचारब्रह्मपूरणा
नन्दहरि। सोपूरणअवतारवृन्दाबनरसरासपति ६२
श्लोकःश्रीभागवते ॥ भगवानपिताराात्रीःशरदोत्फुल्लम
ल्लिकाः। वीक्ष्यरंतुंमनश्चक्रेयोगमायामुपाश्रितः १

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

सूरसागरे।रागगौंडमलार ॥ शरदनिशिदेखिहरिहर्षपायो। बिपिनवृन्दावनसुभगफूलेसुमनरासरुचिश्यामकेमनहिं आयो। परमउज्ज्वलरैनिछिटकिरहीभूमिपरसदाफल तरुनप्रतिलटकिलागे। तैसोईपरमरमणीकयमुनापुलि नत्रिबिधबहैपवनआनन्दजागे। राधिकारवनबनभ वनसुखदेखिकैंअधरधरियोगमायासिमुरली। जाहिसों होतिउत्पत्तिब्रह्मनादकी निगमआगमप्रकटिगुनितगुन ली। श्याममुखकमलपरलसतिशोभासीनगुणनिब्यु त्पन्नआनंदरासी। सूरप्रभुश्यामबिश्वसुखदलोकाभि रामाबिश्वमोहनमन्त्रजनुप्रकासी ६३ ॥ चौ० ॥ श्या मअधरधरिताहिबजाई। त्रिभुवनमनमोहनध्वनिछाई ६४ ॥ रागभैरव ॥ बांसुरीबजाईआजरंगसोंमुरारी। शि वसमाधिभूलिगईमुनिमनकीतारी। वेदभनतब्रह्माभू लेभूलेब्रह्मचारी। सुनतहीआनन्दभयोलगीहैकरारी। रम्भासबतालचकींभूलींनृत्यकारी। यमुनाजलउल टिबह्योसुधिनासँभारी। वृन्दाबनबन्शीबजीतीनलो कप्यारी। ग्वालबालमगनभयेब्रजकीसबनारी। सु न्दरश्याममोहनीमूरतिनटवरबपुधारी। सूरकिशोरम दनमोहनचरणोंवलिहारी ६५ ॥ रागकेदार ॥ जबहरि मुरलीअधरधरी। श्यामलतनुमेंरचीरूपनिधिगिरि धरधरणबरी।उघटततानबँधानसप्तस्वरसुनिरसउमँगि भरी। आकरषेचितबितयुवतिनकोगतिबिपरीतिकरी। पियसुखसुधाबिशालसुरतिसंगीतसमुद्रतरी। सूरदा सत्रैलोक्यबिजयरतिपतिमतिदर्पहरी ६६ ॥ पुनः ॥

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

मुरलीअधरसजीबलबीर । नादसुनिबनिताबिमोहींबी
सरेउरचीर । खगनयनमूँदिसमाधिरहेनयननिमिलेत
पधीर । डुलतनहिंद्रुमपत्रबेलीथकितमंदसमीर । मृ
गधेनुतृणतजिरहेमुखबछ्रानपीवतक्षीर । सूरमोहन
रागसुनिसुनिथकितयमुनानीर ६७ ॥ दो० ॥ सुनतहि
बौरीसीभईबिसरींसबैसयान । लगीठगौरीसीमनहुँमुर
लीकीधुनिकान ६८॥ सो० ॥ रह्योनउरमेंधीरबाजीबाजी
कहिउठीं। आकुलबिकलशरीरसुनिमुरलीब्रजकीतरुणि
६९॥ रागसोरठ॥ मुरलीमधुरबजाईश्याम॥ मनहरिलियोभ
वननहिंभावैब्याकुलब्रजकीबाम । भोजनभूषणकीसुधि
नाहींतनुकीनहींसँभार।गृहगुरुलाजसुतनसोंतोरयोडरीं
नहींब्योहार। करतशृँगारबिबशभईंसुन्दरिअंगानिगईंभु
लाय।सूरश्यामबनबेणुबजावतचितहितरासरमाय७०॥
रागनट॥हरिमुखसुनतबेणुरसाल॥बिरहब्याकुलभईंबाला
चलींजहँगोपाल। पयदुहावततजिचलींकोउरह्योधीरज
नाहिं।एकदुहनीदूधजावैकोसिरावतजाहिं। एकउफनत
हीचलींउठिधरयोनाहिंउतारि । एकजेंवनकरतत्याग्यो
चढ़ेचूल्हेडारि। एकभोजनकरिसँपूरणगईंवैसेइत्यागि ।
सूरप्रभुकेपासतुरतहिमनगयोउठिभागि ७१ ॥ रागके
दार ॥ सुनिमुरलीशब्दब्रजनारि । करतअंगशृँगारभ
लींकामगयोतनुमारि । चरणसोंगहिहारबांध्योनयनदे
खतिनाहिं। कंचुकीकटिसाजिलहँगाधरतिहिरदयमाहिं।
चतुरताहरिचोरिलीन्हीभईभोरीबाल । सूरप्रभुरतिका
ममोहनरासरुचिनँदलाल ७२ ॥ दो० ॥ शीशफूलक

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

रणानधरेकर्णफूलधरिभाल । चलींसकलमुरलीसुनत संभ्रमतेब्रजबाल ७३॥ सो०॥ अंजनकरिदृगएकयकरह्यो अंजनबिना । रह्योनकछूविवेकभईविवशमुरलीसुनत ७४॥ चौ०॥ मुरलीसोंहरिटेरिबुलाई । उपजीप्रीतिस कलउठिधाई ७५॥ रागधनाश्री ॥ चलींबनबेणुसुनतउ ठिधाई।मातपिताबांधवइकत्रासतजातिकहांअकुलाई। सकुचनहींशंकानहिंकाहूरैनिकहांतुमजाति । जननीक हतिदईकीघालीकाहेकोइतराति । मानतिनहींऔररिर सपावतिनिकसीनातोतोरि । जैसेजलप्रवाहभादौंको सोकोसकैबहोरि।ज्योंकंचुकहिभुवंगमत्यागतमातपिता योंत्यागीं। सूरश्यामकेहाथबिकानीअलिअम्बुजअनुरा गीं७६॥ रागसूहोबिलावल ॥ घरघरतेनिकसींब्रजबाला। लैलैनामयुवतिजनजनकेमुरलीमेंसुनिसुनिततकाला । यकमारगयकघरतेनिकरींयकनिकरतियकभईबेहाला। यकनाहींभवनानितेनिकरीतिनपैआयेपरमकृपाला।यह महिमाओहीपैजानैकाबिसोंकहाबरणियहजाई।सूरश्या मरसरीतिरासमुखबिनदेखेक्योंआवैगाई ७७ ॥ राग गोंडमलार ॥ सुनतबनबेणुधुनिचलींनारी । लोकलज्जा निदरिभवनतजिसुन्दरीमिलींबनजायकेबनबिहारी । दरशकैलहतमनहरषसबकेभयो परशकीसाधअतिकर तिभारी । यहैमनबचकर्मतजैंसुतपतिधर्ममेटिभवभर्म सहिलाजगारी । भजैजेहिभावजोमिलैंहरिताहित्योंभे दभेदानहींपुरुषनारी । सूरप्रभुश्यामब्रजबामआतुरका मामिलींबनधामगिरिराजधारी७८॥ रागसूहोबिलावल ॥

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

देखिश्यामश्मनहर्षबढ़ायो । तैसीशरदचांदनीनिरमल तैसोइरासरंगउपजायो।तैसीकनकबरणसबसुन्दरियह शोभापरमनललचायो ॥ तैसइहंससुतापवित्रतटतैसो इकलपवृक्षसुखदायो। करोमनोरथपूरणसबकेयकअन्त रयकखेलउपायो । सूरश्यामरचिकपटचतुरईयुवतिन केमनयहभरमायो ७९ ॥ श्लोकः श्रीभागवते ॥ स्वागतंवो महाभागाःप्रियंकिंकरवाणिवः । व्रजस्यानामयंकच्चि दूब्रूतागमनकारणम् १ ॥ चौ० ॥ अतिआदरकरिकुँवर कन्हाई। बोलेमन्दमधुरमुसक्याई ८० ॥ दो० ॥ तुम अपनेघरछोडिकैक्योंआईबनमाहिं । इहिसमयेघरकी बधूघरतजिकहूँनजाहिं ८१ ॥ रागबिहगरो ॥ निशिकाहे बनकोउठिधाई । हँसिहँसिश्यामकहतहोसुन्दरिकीतुम ब्रजमारगहिभुलाई । गईरहीदधिबेंचनमथुरातहांआ जुऔसेरलगाई। अतिश्रमभयोबिपिनक्योंआईमारग वहकहिसबनबताई । जाहुजाहुघरतुरतयुवतिगणखी झतगुरुजनकहिडरवाई । कीगोकुलतेगमनकियोतुम इनबातनहैनहींभलाई । यहसुनिकैब्रजबामकहतिभ ईंकहाकरतगिरिधरचतुराई । सूरनामलैलैसबजनजन मुरलीबारम्बारबुलाई ८२ ॥ पुनः ॥ यहजानिकहौगो पकुमारि । हमचतुरईनहींकीन्हींतुमचतुरसबग्वारि । कहांहमकहँतुमरहीब्रजकहांमुरलीनाद । करतिहौपरि हासहमसोंतजोयहरसबाद । बड़ेकीतुमबहूबेटीनाम लैक्योंजाय।ऐसेनिशिबनदौड़िआईहमाहिंदोषलगाय। भलीयहतुमकरीनाहींअजहुँघरफिरिजाहु।सूरतुमक्यों

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

निदरिआईनहींतुम्हरेनाहु ८३ ॥ दो० ॥ निजपतित जिपरपतिभजहिंप्रियकुलीननाहिंहोय । मरेनरकजीवत जगतभलीकहैनहिंकोय ८४ ॥ सो० ॥ युवतिनकोपति देवकहैवेदमैंभीकहौं । करौउन्हींकीसेवजोतुमचाहौसु खलहौ ८५ ॥ रागजैतश्री ॥ मातपितातुम्हरेधौंनाहीं । बारम्बारकमलदललोचनयहकहिकहिपछिताहीं । उन केलाजनहींबनतुमकोआवनदीन्हींराति । सबसुन्दरी सबैनवयौबनिनिठुरअहिरकीजाति । कीतुमकहिंपाईकी ऐसेहिकीन्हीरीतिअनीति । सूरतुम्हारेपरहौबुझियेब ड़ीकरीबिपरीति ८६ ॥ रागरामकली ॥ अबतुमकहीह मारीमानो । बनमेंआयरैनिसुखदीख्योयहैलह्योसुखजा नो । अबऐसीकीजोजनिकबहूँजानतिहौमनतुमहूँ । य हधुनिसुनैकहूँजोकोऊतुमकोलाजरुहमहूँ । हमतोआ जबहुतशरमानेमुरलीटेरिबजायो । जैसोकियोलहौफ लतैसोहमहींदोषनआयो । अबतुमभवनजाहुपतिपूज हुपरमेश्वरकीनाई । सूरश्यामयुवतिनसोंयहकहिकहि अपराधक्षमाई ८७ ॥ रागबिलावल ॥ निठुरबचनसुनि श्यामकेयुवतीबिकलानी । चकितभईसबसुनिरहींनहिं आवैबानी । मनुतुषारकमलानिपरयोऐसेकुम्हिलानी । मनोमहानिधिपायकैखोयेपछितानी । ऐसीकैगइतनु दशापियकीसुनिबानी । सूरबिरहव्याकुलभईबूड़ींबिनपा नी ८८ ॥ चौ० ॥ सहिनहिंसकींदुसहयहपीरा । बोलीं गदगदगिरागँभीरा ८९ ॥ श्लोकः गोप्यऊचुः ॥ मैवंविभोर्हति भवान्गदितुंनृशंसंसंत्यज्यसर्वविषयांस्तवपादमूलम् ।

भक्ताभजस्व दुरवग्रहमात्यजास्मान्देवोयथादिपुरुषोभ
जतेमुमुक्षून् १ ॥ चौ० ॥ सकलधर्ममयचरणतुम्हारे।
बसतसदासोहृदयहमारे १० हमतौलोकवेदबिधित्या
गी। चरणकमलतुम्हरेअनुरागी ११ ॥ दो० ॥ अब
यहतुमकोउचितनहिंसुनहुश्यामसुखरास। मनहमरो
अपनाइकैहमकोकरतनिरास १२ ॥ सो० ॥ पापपुण्य
कहनाथयहतोहमजानैंनहीं। बिकींतुम्हारेहाथअधरा
मृतकेलोभलगि १३ ॥ रागजैतश्री ॥ तुमहौअन्तरया
मिकन्हाई। निठुरभयेक्योंरहतइतेपरतुमनहिंजानतपी
रपराई। पुनिपुनिकहतजाहुब्रजसुन्दरिदूरिकरयोपिय
यहचतुराई। आपुहिकहीकरोपतिसेवातासेवाकोहैंहम
आई। जोतुमकहौतुम्हैंसबछाजैकहाकहैंहमप्रभुहिसु
नाई। सुनहुसूरप्रभुयहतनुत्यागैंहमपैघोषगयोनहिंजा
ई १४ ॥ रागकान्हरा ॥ भवननहींअबजाइँकन्हाई। स
जनबन्धुतेभईबाहिरीअबवेकैसेकरतबड़ाई। जोकबहुँ
कवेलेइँकृपाकरितौधिगहमसबनारि। तुमबिछुरतजीव
नधिगराखैंकहौनआपबिचारि। धिगवहलाजबिमुख
कीसंगतिधनजीवनतुमहेतु। धिगमाताधिगपितागेहधि
गधिगसुतपतिहैंजेतु। हमचाहतिमृदुहँसनिमाधुरीजाते
उपजोकाम। सूरश्यामअधरानिरससींचहुजरतिबिरहस
बवाम १५ ॥ पुनः ॥ सुनहुश्यामअबकरतचतुरईक्यों
तुमबेणुबजायबुलाईं। बिधिमरयादलोककीलज्जासबै
त्यागिहमधाईआई। अबतुमकोऐसीनबूझियेआशानि
राशकरौजनिस्वामी। सोइकुलीनसोईबड़भागिनिजेतु

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

मसन्मुखरहैंसदामी। तेधनिपुरुषनारिधनितेईपंकजच रणरहैंदृढ़ताई। सूरदासकहिकहाबखानैंवहनिशिवहश्रँ गसुन्दरताई १६॥ चौ०॥ जानतहौसबश्रन्तरयामी। काहेयहसमुझतनहिंस्वामी १७ जोनहिंमानतबिनय हमारी। तौयहतनुकरिहैंबलिहारी १८॥ रागबिहगरो॥ हरिसुनिदीनबचनरसाल। बिरहव्याकुलदेखिबाला भरेनयनबिशाल। चारुश्राननीरधाराबरणिकापैजा य।मनहुँसुधातड़ागउछलैप्रेमप्रकटिदिखाय। चन्द्रमु खपरनीरबैठेसुभगजोरचकोर। पिवतमुखभरिभरिसु धाशशिगिरततापरभोर। हर्षवाणीकहतपुनिपुनिध न्यधनिब्रजनारि। सूरप्रभुकरिकृपाजोह्योसदयभयब नवारि १९ कहतश्यामश्रीमुखयहबानी। धन्यधन्य दृढ़नेहतुम्हारोबिनदामनमोहाथबिकानी। निर्दयबच नकपटकेभाषेतुमश्रपनेमनएकनश्रानी। भजीनिशंक श्रायतुममोकोगुरुगुरुजनकीशंकनमानी। सिंहरहैजं बुकशरणागतदेखीसुनीनश्रकथकहानी। सूरश्यामश्रं कमभरिलीन्होबिरहश्रगिनिझरतुरतबुझानी ७००॥ रागबिहगरो।रायसा॥ तोपरवारिहौंनँदलाल। शरदचां दनीरजनीसोहैवृन्दाबनश्रीकुंज।सुमनप्रफुल्लितबिबिध रंगजहँकूजतकोकिलपुंज। यमुनापुलिनश्यामघनसुंदर श्रद्भुतरासउपायो।सप्तस्वरनबन्धानसहितहरिमुरलीटे रिसुनायो। थक्योपवनसुरथकितभयेसुनिधरणिउमगि धरकंप्यो। बहिनसकतभानुजाधारवरभानुतरलग तिझंप्यो। खगमृगमीनजीवजलथलकेसबतनुसुरति

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

बिसारी । सूखेद्रुमपल्लवफललागेबनबनशाखाडारी ।
सुनिब्रजबधूतज्योआरजपथसुतपतिनेहनकीन्हो । प्र
कटयोअंगअनंगाबिकलभइँतनमनसबहरिलीन्हो । य
कजेवनारकरतहीछांड़ीयकजेंवतपतित्याग्यो । यकबा
लकपयपियतसुवावतप्रेमबिवशतनुजाग्यो । जोजैसेतै
सेउठिधाईतनमनसुरतिबिसारी । मुरलिनादकरिटेरि
लईहरिब्रजनवतरुणिकुमारी । आंजतनयनअधरदुहुंके
बिचसारँगसुतनाहिंलाग्यो । मानहुँअलिबैठेबंधुकपर
पियतसुमनरसपाग्यो । कटिकंचुकीउरजलहँगाकसि
चरणनिहारसवांरयो । उलटेभूषणअंगनसाज्योफेरिन
काहुनिहारयो । चलींसबैत्रियआधीरतियांजहँनवकुंज
बिहारी । आयहजूरभईकाननमेंजहांश्यामसुखकारी ।
देखिसबैब्रजनारिश्यामघनचितयेबुद्धिसवांरी । क्यों
आईवृन्दावनभीतरतुमसबपियकीप्यारी । तुमकुलब
धूभवनहीनीकीरैनिकहांसबआई । अपनेअपनेघरप
तिजनसोंकैसेनिकसनपाई । बेणुशब्दश्रवणनिमगह्वैउ
रपैठिहमहिंलैआयो । आशतुम्हारीजानिचपलचित
चंचलतुरतचलायो । अपनोपुरुषछोड़िजोकामिनिअ
न्यपुरुषमनलावै । अपयशहोयजगतजीवतभरिबहुरि
अधमगतिपावै । अजहुँजाहुसबगोपतरुणिफिरितुम
तौभलीनकीन्ही । रैनिबिपिननहिंबासकीजियेअबल
निकोनहिंलीन्ही । घरकैसेफिरिजाहिंश्यामजूतनुइहईस
बत्यागैं । तुमतेकहोकौनह्वांप्रीतमजासँगमिलिअनुरा
गैं । हमअनाथब्रजनाथनाथतुमचरणशरणतकिआईं ।

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

निठुरबचनजनिकहौपीयतुमजानतपीरपराई । दीनब
चनसुनिश्रवणकृपानिधिलोचनजलबरषाये । धन्यध
न्यकहिकहिनँदनन्दनहराषितकंठलगाये। हमकीन्होअ
पमानतुम्हारोतुमनहिंजियकछुआन्यो । सरिताजैसे
सिंधुभजैढरितैंसेतुममोहिंजान्यो । द्वादशकोसरासप
रिमितिभइताकोकहाबखानौं । बोलिलईब्रजबधूबिहँ
सिसबतुममण्डलबिधिमानौं।पाणिपाणिसोंजोरियुवति
दुहुँदुहुँबिचश्यामबिराजैं । कंचनखम्भखचितमरकत
मणियहउपमाकछुछाजैं। अंगअंगप्रतिकोटिकामछबि
लज्जितमधिनायकगिरिधारी । नृत्यकरतरसबसभये
दोऊराधामोहनप्यारी । ब्रजबनितामंडलीबनीयोंशो
भाअधिकबिराजैं । नूपुरकटिकिंकिणीचलितगतिअर
सपरसपरबाजैं । मोरचन्द्रिकाशिरपरसोहैजबहरिरुनु
झुनुनाचैं । अंगअंगप्रतिऔरऔरगतिकोटिमदनछ
बिराचैं । यमुनाजलउलटीबहिधाराचन्द्रारथनचला
वैं । बानिकअतिहिबनेमनमोहनमन्मथपकरिनचावैं ।
नृत्यकरतरीझतमनमोहनराधाकंठलगाई । रासबिला
सकरतसुखउपज्योसूरदासबलिजाई १ ॥ चौ० ॥
बिहरतबनबिहारसुखदाई । नवलगोपिकानवलकन्हा
ई २ ॥ दो० ॥ करतहँसतबहुरसचारितयुवतिबृन्दलि
यसंग। गयेयमुनतटश्यामतबक्रीड़तकोटिअनंग ३ ॥
सो० ॥ सोहतअतिकमनीयकोमलउज्ज्वलरेततहँ । क
ह्योपरमरमनीययमुनाजीनिजपाणिरचि ४ ॥ रागबिह
गरो ॥ रासरुचिजबहिंश्यामउरआनी । करहुशिंगार

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

सर्वांरिसुन्दरीहँसतकहतहरिबानी । जोदेखेअँगउलटे
भूषणतरुणितरुणिमुसक्यानी । बारबारपियदेखिदेखि
मुखपुनिपुनियुवतिलजानी । नवशतसाजिभईसबठा
ढ़ीकोछबिसकैबखानी । वहछबिनिरखिअधीरभईतनु
कामनारिबितितानी । भुजभुजपरसिकरीमनइच्छाकछु
तनुतृषाबुझानी । सुनहुसूररसरासनायकासुन्दरिरा
धारानी ५ ॥ रागटोड़ी ॥ जहांश्यामघनरासउपायो ।
कुमकुमजलसुखवृष्टिरमायो। धरपीरजकपूरमयभारी।
बिबिधसुमनछबिन्यारीन्यारी । युवतीजुरिमंडलीबिरा
जैं। बिचबिचकान्हतरुणिबिचभ्राजैं । अनुपमलीला
प्रकटिदिखायो । गोपिनकोकीन्होमनभायो । बिचश्री
श्यामनारिबिचगोरी । कनकखम्भमरकतखचिथोरी ।
शोभासिन्धुहिलोरिहिलोरी । सूरकहाबरणैमतिथो
री ६ ॥ रागदेवगंधार ॥ दोउराजतश्यामाश्याम । ब्रज
युवतीमंडलीबिराजतिदेखतसुरनरबाम। धन्यधन्यवृ
न्दाबनकोसुखसुरपुरकौनेकाम । धनिवृषभानुसुताधनि
मोहनधनिगोपिनकोनाम। इनकीकोदासीसरिकैहैधन्य
शरदकीयाम । कैसहुजन्मसूरब्रजपावैंयहसुखनाहिंतिहुं
धाम७॥ दो० ॥ तेहिअवसरललनासहितआयेसुरमुनि
सर्व । देवनटीकिन्नरबधूनूपुरादिगंधर्व ८ ॥ सो० ॥
देखतचढ़ेबिमानहर्षिहर्षिबरषतसुमन । करतबिदित
मनगानधन्यधन्यब्रजयुवतिकहि ९ ॥ रागसूहो ॥ रा
सरसिकगोपाललालब्रजबालसंगबिहरतवृन्दावन। स
प्तस्वरनमुरलीबाजतिराजतिअधरनिधुनिसुनिमोहे सुर
CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

नरगंधर्बगन । तरुणकान्हतरुतमालकेतटतरुणगोपि
कायूथनिकटपटपीताम्बरनीलाम्बरतनतन । नृत्यकर
तउघटतसंगीतपदताथेईथेईताकहतसूरप्रभुनिरखिपर
स्परहीझतमनमन १० ॥ रागबिहगरो ॥ आजनिशि
शोभितशरदसुहाई । शीतलमंदसुगंधपवनबहैरोमरो
मसुखदाई । यमुनापुलिनपुनीतपरमरुचिरचिमण्डली
बनाई । राधाबामअंगपरकरधरिमध्यहिकुँवरकन्हा
ई । कुण्डलसँगताटंकएकभययुगलकपोलनिझाई ।
इकउडुगणमानोगिरिऊपरद्वैशशिउदयकराई । चारच
कोरपरेमनुफन्दाचलतहैंचंचलताई । उडुपंगतिजति
रह्योनिरखिजतिसूरदासबलिजाई ११ ॥ पुनः ॥ ब्र
जमेंराजतएकधनी । पारब्रह्मअवतारलियोहैभारहर
णधरनी । रासबिलासहोतवृन्दाबनराधामधिरमनी ।
दधिसुतकेसुततासुतकेसुततासुतभखबदनी । मीनसु
तासुततासुतनासातापरजलजमनी । बिद्रुमअधरदश
नद्युतिदामिनिकोकिलमृदुबयनी । गिरिजापतितनु
मृदुआभूषणतेबाहननयनी । कनकखम्भमेंराजतकव
रीमानोचढ़तफनी । तमरिपुसुतभ्रातापितुबाहनताप
रकटिकमनी । रूपअपारकहांलगिबरणौंमानोकनक
कनी । सूरदासछबिदेखिमगनभयबाढ़तप्रीतिघनी १२
रागकेदार ॥ आजहरिऐसोरासरच्यो । श्रवणसुन्योन
कबहुँअवलोक्योयहसुखकेलिसच्यो । प्रथमहिंसबैस
माजसाजिसुरसबमोहेकोऊनबच्यो । एकहिसुरसुमार
थावरचरकोजानैकोकबहिंनच्यो । गततगुणमन्दऽभि
CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

मानअधिकरुचिलैलोचनमनतहांखच्यो । शिवनार
दशारदाकहतयोंहमइतनेदिनबादिपच्यो । निरखिन
यनरसरीतिरजनिरुचिकामकटकफिरिकलहमच्यो ।सू
रधनुषधीरजनधरयोतबउलटिअनंगतच्यो१३॥ पुनः॥
आजहरिअद्भुतरासउपायो । एकहिस्वरसबमोहितकी
न्हेमुरलीनादसुनायो । अचलचलेचलथकितभयेस
बमुनिजनध्यानभुलायो । चंचलपवनथक्योनहिंडोल
तयमुनाउलटिबहायो । थकितभयोचन्द्रमासहितमृ
गसुधासमुद्रबढ़ायो । सूरश्यामगोपिनसुखदायकला
यकदरशादिखायो १४ ॥ रागबिहगरो ॥ आजनिशि
रासरंगहरिकीन्हो । ब्रजबनिताबिचश्याममण्डलीमि
लिसबकोसुखदीन्हो।सुरललनासुरसहितबिमोहेरच्यो
मधुरसुरगान । नृत्यकरतउघटतनानाबिधिसुनिधुनि
बिसरयोध्यान । मुरलीसुनतभयेसबव्याकुलनभधरणी
पाताल । सूरश्यामकोकौनाकियेबशरचिरुचिरासरसा
ल १५ ॥ रागकेदार ॥ जीतीजीतीहोरणबंसी । म
धुकरसूतबदतबंदीपिकमागधबदनप्रशंसी । मथ्योमा
नबलदर्पमहीपतियुवतियूथगहिआन्यो । बनकोदण्डब्र
ह्माण्डभेदिकरिसुरसन्मुखशरतान्यो।ब्रह्मादिकशिवसन
कसनन्दनबोलतजयजयबाने।राधापतिसर्बसअपनोदै
हिततताहाथबिकाने । खगमृगमीनसुमारकियेसबजड़जं
गमजितवेष । छाजतछतमदमोहकवचकटितजतनन
यननिमेष । अपनीअपनीठकुराइनिकीकाटतहैभुवरे
ष । बैठिसुपीठिपानिगर्जतिहैदेखिसबनिअवशेष ।र

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

बिकोरथलैदयोसोमकोषटदशकलासमेत । रच्योयज्ञर
सरासराजसूवृन्दाबिपिननिकेत । दानमानपरधानप्रे
मरसबढ़योमाधुरीहेत । अधिकारीगोपालतहांहैंसूरस
बनिसुखदेत १६ ॥ दो० ॥ ऐसीबिधिब्रजसुन्दरिन
देतपरमसुखश्याम । लखिपतिगतिस्वाधीनअतिभई
गर्बिताबाम १७ ॥ सो० ॥ परमप्रेमकीखानरूपशील
गुणआगरी । क्योंनकरैंअभिमानजाकेबशत्रिभुवनध
नी १८ ॥ अन्तर्द्धानलीला । रागकेदार ॥ तबनागरिजि
यगर्बबढ़ायो । मोसमानत्रियऔरनहींकोउगिरिधरमैं
हीबशकरिपायो । जोइजोइकहतिकरतसोइसोइपिय
मेरेहिहितयहरासउपायो । सुन्दरिचतुरिऔरिनाहिंमो
सीदेहधरेकोभावजनायो । कबहुँकबैठिजातिहरिकर
धरिकबहुँकहतिमैंअतिश्रमपायो । सूरश्यामगहिकण्ठ
रहीत्रियकंधचढ़ौंयहबचनसुनायो १९ ॥ रागबिलावल ॥
कह्योभामिनीकन्तसोंमोहिंकन्धचढ़ावहु । नृत्यकरतअ
तिश्रमभयोताश्रमहिमिटावहु । धरणीधरतबनैंनहीं
पगअतिहिपिराने । त्रियाबचनसुनिगर्बकोपियमनमुस
क्याने । मैंअबिगतअजअलखहौंयहमरमनपायो ।
भावबश्यसबपैरह्योनिगमानिभरमायो । एकप्राणद्वैदे
हहैंदुबिधानहिंयामें । गर्बकियोनरदेहतेमैंरहौंनतामें ।
सूरजप्रभुअन्तरभयेसँगतेतजिनारी । जेजेजहांतहां
रहींसबगोपकुमारी २० ॥ सो० ॥ यहबिचारिजियजान
लैवृषभानुकुमारिसँग । ह्वैगयेअन्तरधानब्रजबासीप्रभु
संगते २१ ॥ दो० ॥ उनजान्योहरिबशकियोल्याईमनअ

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

भिमान। प्रभुअन्तरयामीभयेक्षणमेंअन्तरधान २२
रागटोड़ी ॥ श्यामगयेयुवतीसबत्यागी। चकितभईं
तरुणीनिशिजागी। प्यारीसँगलेगयेबिहारी। कुं
जलतासबतरुणीडारी। संगनहींतहँगिरिवरधारी।
चहूँदिशातनदृष्टिपसारी। परींमुर्च्छितबसकलकुमा
री। कामबैरलीन्होशरमारी। कहिकहिकहांगयेबन
वारी। भईंब्याकुलसबसुरतिबिसारी। नयनसलिलभी
नीसबनारी। सूरसंगतजिगयेमुरारी २३॥ श्लोकः श्री
भागवते॥ अन्तर्हितेभगवतिसहसैवव्रजांगनाः। अतप्यं
स्तमचक्षाणाःकरिण्यइवयूथपम्१॥ चौ०॥कहतिपरस्पर
गोपकुमारी। गयेहमैंतजिकुंजबिहारी २४॥ क०॥ बं
शीकीधुनिसुनिआईतजिलाजकाज सोईव्रजराजसाज
समयबितैगये। मन्दमुसक्यायकेलोभायमनहायरूपर
सप्यायप्रेमचितवनहींचितैगये। कहैंबलदेवनीचबान
सीहैमारीतानलेकेतुमप्रानलाजहमरीरितैगये। टोहना
मिलतकछुचाहनाहमारीश्याम मोहनीदिखायरूपमोह
नकितैगये २५॥ रागटोड़ी ॥ ब्याकुलभईगोपकुमारि।
श्यामतजिसँगतेकहांगयेयहकहतिब्रजनारि। दशोंदि
शिनभद्रुमनिदेखतचकितभईंबेहाल। राधिकानहिंत
हांदेख्योकह्योवाकेख्याल। कछुकदुखकछुहर्षकीन्हीकुं
जलेगयेश्याम। सूरप्रभुसँगदेखिहमकोकियेऐसेकाम
२६॥ रागबिहगरो॥ नवकुंजनचलींब्रजनारि। सदारा
धाकरतिदुबिधादेतिरसकीगारि। संगहीलेगईहरिको
सुखसोंकरतिबिहार। कहांजैहैंढांढ़िलैंहैंमहारासिकनिवा
CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

र। चरणचिह्ननिचलींदेखतिराधिकाकोजाहिं । सूर
प्रभुपगदरशिगोपीहरषिकैमुसक्याहिं २७ ॥ दो० ॥
यहिविधिसबखोजातिफिरैंबिरहातुरब्रजबाल। भईविक
लपावातिनहींकितखोजैंनँदलाल २८ ॥ चौ० ॥ भईबि
रहब्याकुलचितजबहीं । हरिपदाचिह्नलखातिभईतब
हीं २९ कुलिशकमलध्वजअंकुशजामें । जगमगातब
नघनमहँतामें ३० निकटचिह्नप्यारीचरणनके । अरु
णकमलदलहैंचरणनके ३१ बन्दनकरनलगींरजसोई।
शिवविरंचियांचतहैंजोई ३२ कछुयकधीरधरयोमनमा
हीं। खोजलेततताहीमगजाहीं ३३ कान्हकुंवरप्यारीसँ
गलीने। फिरतसकलकुंजनरसभीने ३४ अतिप्यारी
केरसबसमोहन । भौंहनिहारतडोलतगोहन ३५ ॥
दो० ॥ पतिहितलखिअनुकूलअतिहार्षिलाड़िलीहिय।
तातेउपज्योगर्बजियमैंअतिप्यारीपीय३६॥ चौ० ॥ तब
प्यारीकेमनयहआई । मेरेहीबशकुँवरकन्हाई ३७ ॥
ऐसेगुनतिमनहिमनमाहीं । ठिठुकिरहतिगाहिपियकी
बाहीं ३८ बैठिजातिकबहूँमगमाहीं । कहतिकिमेरे
पायँपिराहीं ३९ चलनकहततुमजहांकन्हाई। मोपैपग
नचल्योनाहिंजाई ४० नृत्यकरतमैंअतिश्रमपायो। ता
तेपगनहिंजातउठायो ४१ ऐसेतियजबबचनबखाने।
गर्वजानिमोहनमुसक्याने ४२ जहांगर्वतहँरहतनकब
हीं। अन्तर्द्धानभयेहरितबहीं ४३ ॥ पुनःरागबिहगरो ॥
तबहरिभयेअन्तर्द्धान । जबकियोमनगर्बप्यारीकोउन
मोसीआन । अतिथकितभइचलतमोहनचलिनमो

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

पैजाय। कंठभुजगहिरहीयहकहिलेहुअबहिंचढ़ाय। गये संगबिसारिरसमेंबिरसकीन्हेबाल । सूरप्रभुदुरिचरित देखततुरतभइबेहाल ४४ ॥ दो० ॥ चकितभईतबना गरीगयेकितैंभजिश्याम । मनहीमनपछितातिअतिभू लीतनुसुधिबाम ४५ ॥ चौ० ॥ बिरहव्यथाबाढ़ीअति तनमें। परमअकेलीरोवतिबनमें ४६ नयनसलिलभी जततनुसारी । कासिकासिपियकहतिपुकारी ४७ हा हानाथअनाथनकीजै । बेगिश्याममोहिंदरशनदीजै ४८ बेगिकृपाकरिमिलहुदयाला । अहोकमलदलन यनबिशाला ४९ ॥ रागबिहगरो ॥ रजनीबिरहाबियोग राधिकाकरलीन्हेसारंगबजावत । हरश्रुतिहीनतासुरि पुपतिबिनुसुरअरिअनुजहितोनहिंआवत । हरसुतबा हनतारिपुभोजनताबाहनबिलम्बसुरगावत। हरालिखि मदनकागलिखिकोयललिखिपन्नगमारुतभरमावत । चलतनदधिसुतघटतनहरिरिपुतातेपाणिशीशमहिला वत। अंचललिखैश्वानकीमूरतिलिखिअरधंगशशिहि डेरवावत । रहैबिचित्रबिचारिभामिनीउरबिचारकछु नाहींआवत । सूरश्यामअबबेगिदरशद्योतातेअतिबि रहीसचुपावत ५० ॥ चौ० ॥ बिरहाबिकलयोंबदतिअ केली । रोवतसुनिखगमृगद्रुमबेली ५१ तहँखोजतिआ ईसबनारी । दूरिहितेदेखीतिनप्यारी ५२ रागबिलावल॥ जोदेखेंद्रुमतरेपरीमुर्च्छितसुकुमारी । चकितभईसबसुंद रीयहतोराधारी । याहीकोखोजातिसबैयहरहीकहांरी। धायपरींसबसुन्दरीजोजहांतहांरी । तनुकीतनकहुसुधि

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

नहींब्याकुलभइबाला। यहतोअतिबेहालहैकहँगयेगो
पाला।बारबारबूझतिसबैनहिंबोलतिबानी।सूरश्यामका
हेतजीकहिसबपछितानी ५३॥ रागभैरव ॥ क्योंराधानहिं
बोलतिहै। काहेधरणिपरीब्याकुलह्वैकाहेनयननखो
लतिहै। कनकबेलिसीक्योंमुरझानीक्योंबनमाँझअके
लीहै। कहांगयेमनमोहनतजिकैकाहेबिरहदहेलीहै। श्या
मनामश्रवणनिधुनिसुनिकैसखियनकंठलगावतिहै। सू
रश्यामआयेयहकहिकहिऐसेमनहरषावतिहै ५४॥ चौ०॥
सुनतनामपियकोअनुरागी। बिरहमोहनिद्रातेजागी
५५ जान्योआयेकुँवरकन्हाई। नयनउघारिमिलनकोे
धाई ५६ जोदेखैतोसबब्रजबामा। अतिहीबिलखिउ
ठीतबश्यामा ५७ कहतमोहित्याग्योनँदनन्दन। तुमहूँ
नहींमिलेजगबन्दन ५८॥ दो०॥ क्यापूंछोमुझसोंसखी
मोहनकीनिठुराय। नहिंजानोंवहकितगयेमोहूँकोछिट
काय ५९ बोलीपियसोंमन्दमतिमैंअभिमानबढ़ाय। ली
जैकंधचढ़ायमोहिंमोपैचल्योनजाय ६०॥ सो०॥ वेप्रभु
परमसुजानबिहँसिकह्योमोहिंचढ़नको। ह्वैगेअन्तरधान
अपनीचूककहाकहों ६१॥ चौ०॥ गयेश्यामधौंकितबन
माहीं। मेरीदृष्टिपरेकहुँनाहीं ६२ कहतिबिकलनयननज
लढारी। मोकोत्यागिगयेगिरिधारी ६३ मुरछिपरीधरणी
अकुलाई। श्यामबिरहदुखसह्योनजाई ६४॥ क०॥ बिरहा
नलडाढ़ीसबठाढ़ीसीगिरींभमिगाढ़ीपरिबाढ़ीनिजहाथ
धुनहिंमाथही। मोहनकेहेतमैंअचेतहोपुकारिउठींअबसु
धिलेतनहमारीप्राणनाथही। कैसीगतिकीनदीनसुख

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

दप्रवीनकान्हकहैबलदेवमीनजैसेबिनपाथही। दुसहस
मोईदोऊदीनसेखोईअतिबिरहमेंभोईगोपी रोईएकसा
थही ६५ ॥ रागबिहगरो ॥ रुदनकरतवृषभानुकुमारी।
बारबारसखियनउरलावतिकहांगयेगिरिधारी। कबहुँ
गिरतधरणीपरब्याकुलदेखिदशाब्रजनारी। भरिअँक
वारधरतिमुखपोंछतिदोतिनयनजलढारी। प्रियापुरुषसों
भावकरतिहैजानेनिठुरमुरारी। सूरश्यामकुलधर्मआप
नोलियेरहतबनवारी ६६ ॥ चौ० ॥ कहतिराधिकासों
ब्रजनारी। मिलिहैंश्यामधीरधरुप्यारी ६७ चलींआ
पखोजनसबबनमें। बिरहाविकलसुधिनहिंकछुमनमें ६८
टेरतजहँतहँगोपकुमारी। अहोरासपतिकुंजबिहारी
६९ ॥ रागबिलावल ॥ श्यामसबनिकोदेखहींवेदेखतिना
हीं। जहांतहांब्याकुलफिरैंतनुधीरजनाहीं। कोउबंशी
बटकोचलैंकोउबनघनजाहीं। देखिभूमिवहरासकीजहँत
हँपगछाहीं। सदाहठीलीलाडिलीकहिकहिपछिताहीं।
नयनसजलजलढारिकैब्याकुलमनमाहीं। इकइककेंब
नढूँढहीतरुणीबिकलाहीं। सूरजप्रभुकहुँनाहिंमिलैंसहक
हिपछिताहीं ७० ॥ रागकाफी ॥ कोउकहुँदेखेरीनँ
दलाल। सांवरोसलोनोढोटानयनरसाल। मोरमुकुट
उरबनमालबिशाल। पीताम्बरसोहैमोहैमनगोपाल।
निशिबनगईजहँसबब्रजबाल। अन्तर्द्धानभयेरचिर
चिरुख्याल। द्रुमद्रुमढूँढतभईबेहाल। सूरश्यामबिनबा
लापरींबिरहजंजाल ७१ ॥ रागसो ॥ कान्हप्यारोकहुँ
पायोरी। श्यामश्याम कहिकहतिफिरतियहधुनिवृन्दाब

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

नछायोरी । गर्बजानिपियअन्तरहोरहेसोमैंवृथाबढ़ायोरी । अबबिनदेखेकलनपरत्तक्षणश्यामसुँदरगुणगायोरी । मृगीमृगनिद्रुमखगसारसपिककाहूनहींबतायोरी । सूरदासप्रभुमिलहुकृपाकरियुवतिनटेरसुनायोरी ७२॥ क० ॥ जाहीहाथधनुषचढ़ायोहैसीतापतिजाहीहाथरावणसँहारिलंकाजारीहै । जाहीहाथतारयोऔउबारयोहाथहाथीगहि जाहीहाथसिन्धुमथिलक्ष्मीनिकारीहै। जाहीहाथगिरिउठाइगिरिवरगिरिधारीभयोजाहीहाथनन्दकाजनाथ्योनागकारीहै । हौंतोअनाथहाथजोड़िकहौंदीनानाथ वाहीहाथमेरोहाथगाहिबेकीपारीहै७३॥ र० गकाफी ॥ सखिमोहिंमोहनलालमिलावे । ज्योंचकोरचन्दाकोयकटकभृंगीध्यानलगावे । बिनदेखेमोहिंकलनपरैरीयहकहिसबनिसुनावे । बिनकारणमैंमानकियोरीअपनहिमनदुखपावे । हाहाकरिकरिपांयनपरिपरिहरिहरिटेरलगावे । सूरश्यामबिनकोटिकरूंजोऔरनहींजियआवे ७४॥ रागबिलावल ॥ मिलहुश्याममोहिंचूकपरी। तेहिअन्तरतनुकीसुधिनाहींरसनारटतगोपालहरी । धरणिपरीब्याकुलह्वैबोलतिलोचनधाराआंशुभरी । कबहूँमगनकबहुँसुधिआवतिशरणशरणकहिविरहजरी । कृष्णकृष्णकहिटेरिउठतिहैयुगसमबीततिपलकघरी । सूरनिरखिव्रजनारिदशावहचकितभईजहँतहांपरी७५॥ पुनः ॥ देखिदशासुकुमारिकीयुवतीसबधाई । तरुतमालबभ्कातिफिरैंकहिकहिमुरभ्काई । नन्दनँदनदेखेकहूँमुरलीकरधारी। कुंडलमुकुटविराजहीं

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

तनुश्यामतमारी । लोचनचारुबिशालहैंनासाअतिलो
नी।अरुणअधरदशनावलीछबिबरणैकोनी।बिम्बपखा
रेलागहींदामिनिद्युतिथोरी। ऐसेहरिहमकोकहांकहुँदेखे
होरी।अंगअंगछबिकहकहैंदेखेबनिआवै । सूरश्यामपा
वैंनहींकोकाहिबतावै ७६ ॥ पुनः ॥ अतिब्याकुलभईगो
पिकाढूंढतिगिरिधारी । बूझतिहैंबनबेलिसोंदेखेबनवा
री ।। जाहीजुहीसेवतीकरुणाकनियारी । बेलाचमेली
मालतीबूझतिद्रुमडारी ।। खूझामरुआकुंदसोंकहगोद
पसारी । बकुलबदरिबटकदमतरठाढ़ींब्रजनारी । बा
रबारहाहाकरैंकहुँहौगिरिधारी । सूरश्यामकोनामलेलो
चनजलढारी ७७ ॥ दो० ॥ हेअशोकहरिशोकतुम
सत्यकरौनिजनाम।लेतनहींयहशोकहरिक्योंनकहताकि
तश्याम ॥७८ ॥ सो० ॥ हेमन्दारउदारहेपीपरहरपी
रमम । कहुकितनन्दकुमारसुन्दरघनतनसांवरो ७९
चौ० ॥ हेचन्दनतनजरतजुड़ावो । नन्दनँदनपियह
महिंबतावो ८० ॥ रागरामकली ॥ कहिधौंरीबनबेलि
कहूँतैंदेखेहौनँदनन्दन । बूझहुकहिमालतीकहूँतैंपा
येहौतनुचन्दन । कहिधौंकुईकदम्बबकुलबटचम्पक
तालतमाल । कहिधौंकमलकहांकमलापतिसुन्दरनय
नबिशाल। मुरलीअधरसुधारसलैतरुरहेयमुनकेतीर।
कहितुलसीतुमसबजानतिहौकहँघनश्यामशरीर । क
हिधौंमृगीमयाकरिहमकोकहिधौंमधुपमराल । सूरदा
सप्रभुकेतुमसंगीहैंकहँपरमदयाल ८१ ॥ रागबिलावल
कहूँनपायेश्यामकोबूझतिबनबेली । सबैभईब्याकुल

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

फिरैंतनुमदनदहेली । मृगनारीसोंबूझहीं बूझैंसुकुमा
री । कमलसरोवरबूझहीं बिरहातनुभारी । कनकबे
लिसीसुन्दरीद्रुमकेतरनारी । मनोदामिनीधरणिपरी
कीधौंयेनारी । इतउततेफिरिआवहीं जहँराधाप्यारी ।
सूरश्यामअजहूँनहींकरिमिलतकृपारी ८२ ॥ दो० ॥
यहिबिधिबनघनढूँढ़िसबब्रजतियबहुतउदास । इतउ
ततेफिरिआवहीं कुँवरिराधिकापास ८३ ॥ चौ० ॥ व्या
कुलकहतिसकलब्रजबाला । अजहूँनहिंआयेनँदला
ला ८४ तबसबबहुरियमुनतटआईं । जहांरसिकपि
यरासरमाईं ८५ बैठींसबराधाढिगबामा । कहनल
गींहरिगुणगणग्रामा ८६ कहतिश्यामब्रजप्रकटेजबते ।
देतसबनकोसबसुखतबते ८७ तिनमेंहमसबउनकी
दासी । क्योंहमतजिहरिभयेउदासी ८८ ॥ दो० ॥
व्याधहुतेकरणीकठिनहमसोंकीन्हीश्याम । बेणुबजाय
बुलायसबबधतमृगीलौंबाम ८९ ॥ सो० ॥ कीजैंकौ
नउपायमोहनमुखदेखेबिना । मरतिमसोसाखाययहम
नगीधोमाधुरी ९० ॥ चौ० ॥ ऐसेअकथसकलब्रज
नारी । हरिगुणरूपकथाबिस्तारी ९१ समुझतिकह
तिसकलगुणरूपा । उपजीउरअतिप्रीतिअनूपा ९२
दो० ॥ भूलिगईसुधिदेहकीनाहिंजानतिहमकौन । के
वलतनुमयहोगईबिसरिगयोगृहगौन ९३ ॥ सो० ॥
भृंगीकीटसमानमगनभईरसनागरी । बिसरयोसकल
अपानभईआपहीकृष्णतनु९४॥ रागबिलावल ॥ करति
हैंरुचिरचरितब्रजनारि । देखिअतिहीबिकलराधायहै

बुद्धिबिचारि। इकभईगोपालकीबपुइकभईबनवारि। इ
कभईगिरिधरनसमरथइकभईदैत्यारि। एकइकभइधे
नुबछराएकभइनँदलाल। इकभईयमलाउधारणइक
त्रिभंगिरसाल। इकभईछबिरासमोहनकहतिराधाना
रि। इककहतिउठिमिलहुभुजभरिसूरप्रभुकीप्यारि ९५
श्लोकःश्रीभागवते॥ इतिगोप्यःप्रगायंत्यःप्रलपंत्यश्च
चित्रधा। रुरुदुःसुस्वरंराजन्कृष्णदर्शनलालसाः १॥
चौ०॥ मगनभईसबयाररसमाहीं। तनुअभिमानरह्यो
कछुनाहीं ९६॥ पुनःश्लोकः॥ स्वप्नेमामृतकल्लोल
विक्लीकृतचेतसः। सदयंनंदयन्गोपीरुद्भतोनन्दनंद
नः १॥ दो०॥ अन्तरनेकुरह्योनहींभईश्यामब्रजबा
म। तबअन्तरनाहिंकरिसकेभयेनिरन्तरश्याम ९७॥
क०॥ राखैंगीनप्रानयहजानकेकुँवरकानप्रकटेसुजा
नबीततानबानमारेहैं। लखतहीगोपिनकेवृन्दमेंअनं
दबाढ्योमंदमुसक्यातब्रजचन्दयोंनिहारेहैं। भनैबलदेव
कहैंबानीसुधासानीसुनो सकलसयानीतुमसबैदुखभारे
हैं। गलेमालडारेमुखपीतपटधारेपियाकहतपुकारेहम
ऋणियातुम्हारेहैं ९८॥ सो०॥ प्रकटभयेतेहिकाल
तिनहींमधिनँदलाड़िले। सुन्दरनयनबिशालगोपीज
नबल्लभसुखद ९९॥ रागकान्हरा॥ प्रकटभयेनँदनन्द
नआई। प्यारीनिरखिबिरहअतिब्याकुलधरतेलईउ
ठाई। अभयभुजाभरिअंकमदीन्हीराखीकण्ठलगाई।
प्राणहुतेप्यारीतुममेरेयहकहिदुखबिसराई। हँसतभ
येअन्तरहमतुमसोंसहजखेलउपजाई। धरणीमुरलि

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

परीतुमकाहेकहांगईचतुराई । राधासकुचिरहीमनजा न्योकह्योनकछूसुहाई । सूरदासप्रभुमिलिसुखदीन्हो दुखडारयोबिसराई ८०० ॥ चौ० ॥ तबहरिसोंसबनव लकिशोरी। पूंछनलगींबिहँसिकरजोरी १॥श्लोकःभागवते भजतोऽनुभजंत्येकएकएतद्विपर्ययम् । नोभयांश्चभ जंत्येकएतन्नोब्रूहिसाधुभो १ ॥ दो० ॥ कह्योबिहँसि तबश्यामसुनहुप्राणबल्लभाप्रिया । नहिंतुमसमकोउआ ननिपुणप्रेमकेपन्थमें २ ॥ चौ० ॥ यद्यपिपूँछतिहौतुम जैसे । प्रकटकरौंलक्षणसबतैसे ३ उत्तमप्रीतिजानि येसोई । अनायासउपजैउरजोई ४ अन्तरनेकपरैन हिंकोई । प्रीतिपुनीतजानियेसोई ५ मोसोंकरीप्रीति तुमसोई । मोसमाप्रियतुमकोनहिंकोई ६ ॥ दो० ॥ अ बतुमरहौउदासमतिमनमेंकरौहुलास । महारासअब साजिकैपूरणकरिहौंआस ७॥श्लोकःभागवते॥ इत्थंभगव तोगोप्यःश्रुत्वावाचःसुपेशलाः । जहुर्विरहजंतापंतदं गोपचिताशिषः १ ॥ विष्णुपदबन्दमहारासलीला। श्लोकः भागवते ॥ रासोत्सवःसंप्रवृत्तोगोपीमण्डलमण्डितः । योगेश्वरेणकृष्णेनतासांमध्येद्वयोर्द्वयोः २॥ रागबिहगरो॥ बनिब्रजनारिशोभाभारि । पगनिजेहरिलाललहँगा अंगपचरँगसारि । किंकिणीकटिक्वणितकंकणकरचुरी झनकार । हृदयचौकिचटाकिबैठीसुभगमोतिनहार । कण्ठश्रीदुलरीबिराजतिचिबुकश्यामलबन्द । सुभगबे सरिललितनासारीझिरहेनँदनन्द । श्रवणबरताटंक कीछबिगोलललितकपोल । सूरप्रभुबशअतिभयेहैं
CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

निरखिलोचनलोल ८ ॥ रागसारँग ॥ बहुरिश्यामसुख
रासकियो । भुजभुजजोरिजुरींव्रजबालावैसेहीरसउमँ
गिहियो । वैसहिमुरलीनादप्रकाश्योवैसहिसुरनरवश्य
भये । वैसहिउडुगणसहितनिशापतिवैसहिमारगभूलि
गये । वैसहिदशाभईयमुनाकीवैसहिगतितजिपवनथ
क्यो । वैसहिनृत्यतरंगबढ़ायोवैसहिबहुरयोकामजक्यो।
वैसहिनिशिवैसहिमनयुवतीवैसेहीहरिसबनिभजे । सूर
श्यामवैसहिमनमोहनवैसहिप्यारीनिरखिलजे ९ ॥
दो० ॥ अरसपरसनिरखतछबिहिभरेप्रेमआनन्द । न
वलनागरीव्रजवधूनवनागरनँदनन्द १० ॥ श्लोकःगीत
गोविन्दे ॥ विश्वेषामनुरंजनेनजनयन्नानन्दमिन्दीवर
श्रेणीश्यामलकोमलैरुपनयन्नंगैरनंगोत्सवं ॥ स्वच्छंदं
व्रजसुन्दरीभिरभितःप्रत्यंगमालिंगितः शृंगारःसखि
मूर्त्तिमानिवमधौमुग्धोहरिःक्रीडति १ ॥ अष्टपदीरागल
लित ॥ चन्दनचित्रितनीलकलेवरपीतबसनबनमाली ।
कुंडललोलनिलोलकपोलनिबोलनिबिहँसनिशाली १
हरइहिनवलबधूनिकरे । बिलसतियुवतिबिलासपरे ।
ध्रु० ॥ पीतउरोजकोभारलियेहरिकोभरिअंकसरागहि ।
गोपबधूकोउगाइकैआइअलापतिपंचमरागहि २ ढि
गजाइकपोलकेवातनकेमिसकोउलगीश्रुतिमूले । चुंब
नदीनतहांपुलकेपियअंगसबैअनुकूले ३ कोउबिलास
हुलासभरीदृगमदनमोदरसभीने । ध्यावतिनवलबधूम
नमोहनबदनकंजचितदीने ४ कौतुककेलिकलानतेको
उतियायमुनाजलकूलहि । मंजुलबंजुलकुंजनिमेंकरऐं

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

चतिजातिदुकूलहि ५ करतलतालतरलबलयावाल
कलितकलस्वनबंसी । नृत्यनिपुणरसरासतियालखि
कैहरिताहिप्रशंसी ६ भेंटतकाहुसोंचूमतकाहुकोकाहु
सोंबिलसतरामा । एकनसोंमुसक्यायनिहारनचलन
औरसँगभामा ७ श्रीजयदेवभणितयहअद्भुतकेशव
केलिरहस्यम् । वृन्दावनबिपिनेचरितम्बितनोतुशु
भानियशस्यम् ८ । ११ ॥ सो० ॥ रहेनिरखिछबि
भूलसाहितसुन्दरीमगनसुर । पुनिपुनिबरषतफूलधन्य
धन्यकहिब्रजबधुन १२ ॥ रागजैतश्री ॥ सुरगणचढ़िबि
माननभदेखत । ललनासहितसुमनगणबरषतजन्मब्र
जहिकोलेखत । धनिब्रजलोगधन्यब्रजबालाबिहरत
श्रीराधागोपाल । धनिबंशीबटधनियमुनातटधनिध
निलतातमाल । सबतेधन्यधन्यवृन्दाबनजहांकृष्णको
बास । धनिधनिसूरदासकेस्वामीअद्भुतराच्योरास
१३ ॥ दो० ॥ देवराजशोभितसरसइन्द्राणीकेसंग ।
माखनप्रभुकेदरशकोहँसतनयनसबअंग १४ ॥ चौ० ॥
गावतगोपीसँगसबजुरली । बाजतमधुरमधुरसुरमुर
ली १५ रागरागिनीप्रकटदिखावैं । जैसबरूपअनूपम
गावैं १६ अतिरसरंगबढ़योसुखभारी । थेइथेइबदति
मुदितब्रजनारी १७ ॥ रागबिहगरो ॥ नृत्यतश्यामनाना
रंग । मुकुटलटकनिभृकुटिमटकनिधरेनटबरअंग । च
लतिगतिकटिक्वणतांकिंकिणिघूँघुरूझनकार । मनोहंस
सरसालबाणीअरसपरसबिहार । लसतिकरपहुँचीउ
पाजयमुद्रिकाअतिजोति । भावसोंभुजफिरतजबहींत

बहिंशोभाहोति । कबहुँनृत्यतनारिगतिपरकबहुँनृत्यत आप। सूरकेप्रभुरसिककीमणिरच्योरासप्रताप १८ ॥ पुनः॥गतिसुगन्धनृत्यतिब्रजनारि।हावभावनयननिसों नयनादैरिभवतिगिरिधारि । पगपगपटकिभुजनिलट कावतिफूँदाकरनिअनूप । चंचलचलतभूमकाअंचल अद्भुतहैवहरूप । दुरिनिरखतअँगरूपपरस्परदोउमन हिंमनरीभत । हँसिहँसिबदनबचनरसप्रकटतस्वेदअं गजलभीजत।बेणीछूटिलटैंबगरानीमुकुटलटकिलटका नो। फूलखसतशिरतेभयेन्यारेसुभगस्वातिसुतमानो। गानकरतिनागरीरीभिपियलीन्होअंकमलाय । रसब सकैलपटायरहेदोउसूरसखीबलिजाय १९ ॥ रागकेदार उघटतश्यामनृत्यतनारि । धरेअधरउपंगउपजैलेतहैं गिरिधारि। तालमुरजरबावबीणाकिन्नरीरससार । श ब्दसंगमृदंगमिलवतसुघरनन्दकुमार। नागरीसबगुण निआगरिमिलिचलतिपियसंग । कबहुँगावतिकबहुँनृ त्यतिकबहुँउघटतिरंग । मंडलीगोपालगोपीअंगअँग अनुहारि । सूरप्रभुघननवलभामिनिदामिनीछबिडा रि २० ॥ रागबिहगरो ॥ नृत्यतहैंदोउश्यामाश्याम। अं गमगनपियतेप्यारीअतिनिरखिचकितब्रजबाम। तिर पलेतिचपलासीचमकतिभूमकतभूषणअंग। याछबि परउपमाकहुंनाहींनिरखतबिवशअनंग । श्रीराधिका सकलगुणपूरणजाकेश्यामअधीन। सँगतेहोतनहींकहुं न्यारेभयेरहतअतिलीन। रससमुद्रमानोउछलितभयो सुन्दरताकीखानि। सूरदासप्रभुरीभिथकितभयेकहत

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

नकछूबखानि २१॥ ठकुराइनकोबिवाह। रागसूहो॥ प्रथ
मछिब्रतधरिदेवीपूजी । जाकेमनअभिलाषनदूजी ।
दीजैनन्दपूतपतिमेरे। जोपैहोयअनुग्रहतेरे । तबकरि
अनुग्रहवरदियो जबबर्षभरिलौंतपकियो । त्रैलोक्य
सुन्दरपुरुषभूषणरूपगुणनाहिंनबियो। इतउबटिखोरि
शिंगारिसखियनिकुँवरिकीजोरीअनी । जाहितकियेब्र
तनेमसंयमसोघरीबिधनाठनी । रचिमुकुटकोमौरबना
यो। माथेधरिहरिबरआयो ।तनुश्यामलपीतदुकूले।
देखतदामिनिघनभूले । दामिनीघनकोटिवारौंजबनि
हारौंमुखछबी । कुंडलबिराजतगंडमंडलनहींशोभाश
शिरबी। औरकौनसमानत्रिभुवनसकलगुणजामाहिं ।
मनुमोरनृत्यतसंगडोलतमुकुटकीपरछाहिं । गोपीसब
न्योतेआई।मुरलीधुनिपठैबुलाई।बिधिआनँदमंगलगा
ये।नवफूलनमंडपछाये।छायेजुफूलनिकुंजमंडपपुलिनमें
बेदीरची। बैठेजुश्यामाश्यामबरत्रैलोक्यकीशोभाखची।
उतकोकिलागणकरैंकुलाहलइतसकलब्रजनारि। आईं
जुन्योतेदशहुँदिशितेदेतआनँदगारि।रासमंडलभुजजो
री।श्यामसांवरेराधागोरी।पाणिग्रहणबिधिकीन्हीं।मंडप
भ्रमिभांवरिदीन्ही।दीन्हीजोभांवरिकुंजमंडपप्रीतिगांठि
हृदयपरी। शरदनिशिपूनोअमलशशिनिकटवृन्दाशुभ
घरी । गायेजुगीतपुनीतबहुबिधिबेदरुचिसुन्दरधुनी ।
नन्दसुतवृषभानुतनयारासमेंजोरीबनी । भयेमन्मथसे
नबराती । द्रुमफूलेनानाभांती । सुरबन्दीजनयश
गाये । तहँमघवायंत्रबजाये । बाजाहिंजोत्राजनसक

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

लनभसुरपुहुपश्रंजलिबर्षहीं । बैठेबिमाननिदिब्यसो
जयशब्दकरिकरिहर्षहीं । सूरदासहुभयोश्रानँदपूजि
मनकीसाधिका। मदनमोहनलालदूलहदुलहिनीश्रीरा
धिका २२ ॥ चौ० ॥ सोहतियुवतिवृन्दमधिजोरी।
नवनागरबरनवलकिशोरी २३ ॥ दो० ॥ मनमनह
र्षितनागरीनागरनवलकिशोर । लखिरसरीतिसखी
नकीप्रेमप्रमोदनथोर २४ ॥ सो० ॥ बिलसतश्रति
श्रानन्दब्रजबिलासब्रजनागरी । प्रीतिबिबशब्रजचंद
कोकाहिसकैसुहागसुख २५ ॥ चौ० ॥ ब्याहरीतिस
बकरिब्रजनारी । गावतियशुमतिकोरसगारी २६ त
बकंकणछोरनविधिकीन्ही । रचिपचिगांठिचतुरातिय
दीन्ही २७ कहतश्यामसोंछोरौकंकन । परमानन्दसु
दितगोरीमन २८ बड़ेचतुरतौखोलौगिरिधर। यह
नहोयधरिबोगिरिकोकर २९ कैछोरौकैदोउकरजोरो ।
दुलहीकेपरिपांयनहोरो ३० बड़ेकहावतहौब्रजनाथा।
काहेकँपनलगेदोउहाथा ३१ छोरहुबेगिकिसुनहुकन्हा
ई । पठवहुयशुमतिमायबुलाई ३२ दोउपरस्परकंक
णछोरैं । प्रेमउमगउरहर्षनथोरैं ३३ पांचिहारेकंक
णनहिंछूटत । निरखिहरखिब्रजतियसुखलूटत ३४ क
हतिसहायकरौजनिकोई । कंकणछोरहिंश्रापुनदोई ३५
दुलहिनिदूलहकंकणखोलैं। कैवृषभानुबबाकोबोलैं ३६
दो० ॥ कमलकमलपरसोजनोपानिलाड़िलीलाल । ल
खिकबिकुलसांचेलगतरोमकटीलीनाल ३७॥ सो० ॥
दूलहनन्दकुमारदुलहिनिश्रीराधाकुँवरि । संतनप्राण

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

अधारअविचलयहजोरीसदा ३८ ॥ रागसारँग ॥ तु म्हैंगारीकहाकहिदीजैहोयादवनन्दने । युगबापनाउं काकोलीजैहोयादवनन्दने । युगबापजाकोनामकहि येजातिगोतनजानिये। बिनुरूपबिनुअनुहारिकेकैसेबि खादवखानिये । सबशोधिरहेनशोधिपायेबिनुमुनेकह कीजिये । बलिजाउंयादवरायतुमकोगारिकहकहिदी जिये । तेरीमायसबैकुलखोयेहोयादवनन्दने । सो कोजोबलनबिगोयेहोयादवनन्दने । युगलकरिनबिगो वेमोकोफिरतनिशिबासरबनी । शिरश्वेतकटिपटलाल लहँगानीलचोलीबिनुतनी । चलीमँदमुसक्यायसुर नरनागभुजभीतरलिये । बलिजावँयादवरायतुम्हरी मायकुलबिनतुमाकिये। वैतोभूलिरहीसबभोगीहोयादव नन्दने। बशकीन्हेबोलनयोगीहोयादवनन्दने। बशकि येबोलनबहुतयोगीछत्रपतिकेतेकहौं । औरअगजग जीवजलथलबनकेबुधिनहिंसुधिलहौं । अतिखरेआ तुरकामकातरदेखिअतिकौतुकनये । अकुलायनिशि दिनसंगताकेफिरतश्रमभूलेभये । कछुकहिनजायगति ताकीहोयादवनन्दने । वहफिरतिमदनमदछाकीहोया दवनन्दने । फिरतिहैमदमदनछाकीनिलजकुचढांकेन हीं। नितनिरखिनिरखिजुछैलशोभाबिकलह्वैधावैतहीं। इकगिरतपरतअचेतउरभ्रतमोहमदमनसागही । मुख बरणिकथाअनेकताकीकहतहूनपरैकही । वहनितन तनरतिजोरैहोयादवनन्दने । चितवनिमेंचित्तहिचोरै होयादवनन्दने। चारुचितवनिचितचुरावैचलतधरधी

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

रनधरै। फिरिचमकिचोपलगायचंचलतनहिंतनअन्त
रकरै। इकभौंहकीछबिनिराखिऐसोकौनजोब्रततेटरै।
यहिभांतिपरमसुजानसुन्दरिनित्यनूतनिरतिकरै। अ
ताकीहियतपरमसयानेहोयादवनन्दने। हौठाकुरसब
जगजानेहोयादवनन्दने। सबहीकेठाकुरकृपानिधितुव
सुयशसबजगगाइये। अवलोककोउपहासआपुनब
रजिगारिमिटाइये। कहाकहौंयहचोपमाधवऔरअन्त
नसूझई। प्रभुसूरचतुरसुजानयहिकुलअबनऐसीबूझ
ई ३९॥ दो०॥ धनिवृन्दाबनधन्यसुखधन्यश्याम
धनिरास। धनिधनिमोहनगोपिकानितनवकरतबिला
स ४०॥ रागबिहाग॥ दूलहदुलहिनिश्यामाश्याम।
कोककलाब्युत्पन्नपरस्परदेखतलज्जितकाम। जाफ
लकोब्रजनारिकियेब्रतसोफलसबनिदियो। मनकाम
नाभईपरिपूरणसबहिनमानिलियो। रागरागिनीप्र-
कटिदिखायेगायेजोजेहिरूप। सप्तस्वरनिकोभेदबता
वतिनागरिरूपअनूप। अतिहिसुघरिपियकोमनमो
हतिअपबशकरतिरिझावति। सूरश्याममोहनमूरति
कोबारबारउरलावति ४१॥ श्लोकःगीतगोविन्दे॥ ति
र्यक्कंठविलोलमौलितरलोत्तंसस्यवंशोद्धर स्फीतिस्थान
कृतावधानललनालक्षैणसंलक्षिताः। प्रेम्णाकंदलि
ताःसुमुग्धमधुरेराधामुखेन्दौसुधासारेवोमधुसूदनस्यद
दतुक्षेमंकटाक्षोर्मयः १॥ रागबिहगरो॥ मिलिकैअधर
सुधामधुरीधुनिबाजतमोहनबंसं। चलितदृगंचलचं
चलमौलिकपोलबिलोलवतंसं १ रासबिलासमाहिंह

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

रिसोहत । अतिपरिहासकरतमनमोहत ॥ ध्रु० ॥ मोरमुकुटशिरसोहतचन्द्रकमण्डलबलयितकेशं । मन हुँपुरंदरधनुबहुराजतसघनजलदशुभबेशं २ गोपबधू मुखचुंबतलोभलग्योमनमोहनराजैं । अल्पहासजनुम धुरअधरकीअरुणबरणछबिछाजैं ३ युवतिसहसभुज पल्लवबलयाकृतपुलकितद्युतिसोहैं । करपदउरआ भषणमणिगणतिमिरहरणमनमोहैं ४ सजलजलद ढिगशशिछबिनिन्दकचन्दनतिलकललाटं । पीनपयो धरदृढ़मर्द्दनरुचिनिर्द्दयहृदयकपाटं ५ मणिमयमकरम नोहरकुण्डलमाण्डितगण्डउदारं । पीतबसनसेवितमु निमनुजसुरासुरवरपरिवारं ६ अमलकदंबतरेमिलि कैकलिकलुषभयंशमयन्तं । मोहिंअनंगतरंगभरेदृग सोंमनसोंरमयन्तं ७ श्रीजयदेवभणितयहसुन्दरम धुरिपुमोहनरूपं । हरिपदसुमिरणप्रतिसंप्रतिजनपुण्य वन्तअनुरूपं ८। ४२ ॥ पुनः श्लोकः गीतगोविन्दे ॥ अन्तर्मोहनमौलिघूर्णनवलन्मन्दारबिश्रंसनः स्तब्धा कर्षणदृष्टिहर्षणमहामंत्रंकुरंगीदृशां । दृप्यद्दानवदूय मानदिविषद्दुर्वारदुःखापदांध्वंसः कंसरिपोर्व्यपोहयतुवः श्रेयांसिबंशीरवः १ ॥ रागकल्याण ॥ हरषिमुरलीना दश्यामकीन्हो । कर्षिमनतिहुँभुवनसुनतथकिरह्योपवन शशिहिभल्योगवनज्ञानलीन्हो। तारकागणलजैंबुद्धिम नमनसजैंतबहिंतनुसुधितजैंशब्दलाग्यो। नागनरमुनि थकेनभधरणितनतकेशारदाशम्भुशिवध्यानजाग्यो । ध्याननारदटरयोशेषआसनचल्योगईवैकुंठध्वनिगगन
CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

स्वामी । कहतश्रीपियासोंराधिकारमणयेसूरप्रभुश्या
मकेदरशकामी ४३ ॥ रागबिहगरो ॥ मुरलीधुनिबै
कुंठगई । नारायणकमलासुनिदम्पतिअतिरुचिहृदय
भई । सुनहुप्रियायहबाणीअद्भुतवृन्दाबनहरिपेख्यो।
धन्यधन्यश्रीपतिमुखकहिकहिजीवनब्रजकोलेख्यो।रा
सबिलासकरतनँदनन्दनसोहमतेअतिदूरि ।धनिब्रज
धामधन्यब्रजधरणीउड़िलागैजोधूरि । यहसुखातिहूँभु
वनमेंनाहींजोहरिसंगपलएक । सूरनिरखिनारायणयक
टकभूलेनयननिमेक ४४ ॥ रागआसावरी ॥ जोसुखश्या
मकरतवृन्दाबनसोसुखतिहुँपुरनाहींहो । हमकोकहा
मिलतरजउनकीयहकहिकहिअकुलाहींहो । सुनहुश्री
प्रियासत्यकहतहौंमोतेऔरनकोईहो । नन्दकुमाररा
सरससुखबिनुवृन्दावननहिंहोईहो । हरताकरताकोप्र
भुमैंहीवहमोतेहैंन्यारोहो। सूरधन्यराधाबरगिरिधरधनि
सुखनन्ददुलारोहो ४५ ॥ दो० ॥ माखनप्रभुघनश्याम
सँगसुन्दरिब्रजकीबाम । दामिनिज्योंशोभितमहानृत्य
तगतिअभिराम ४६ नृत्यतअतिहिहुलाससोंमाखन
प्रभुसुखरास । आसपासबनितासबैसुभगसुबासनि
वास ४७॥ रागकेदार ॥ उघटतश्यामनृत्यतनारि । धरे
अधरउपंगउपजैलेतहैंगिरिधारि। तालमुरजरबाबबी
णाकिन्नरीरससार । शब्दसंगमृदंगामिलवतसुघरनन्द
कुमार । नागरीसबगुणनिआगरिमिलिचलतिपियसं
ग । कबहुँगावतिकबहुँनृत्यातिकबहुँउघटितरंग । मं
डलीगोपालगोपीअंगअँगअनुहारि । सूरप्रभुघनन

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

वल्लभामिनिदामिनीछबिडारि ४८ ॥ रागभैरव ॥ हा
हाहोपियनृत्यकरो । जैसेकरिमैंतुमहिंरिझाईत्योंमेरो
मनतुमहुँहरो । तुमजैसेसमबायुकरतहोंतैसेमहूँडोला
ऊंगी । मैंश्रमदेखितुम्हारेअँगकोभुजभरिकण्ठलगाऊं
गी।मैंहारीत्योंहीतुमहारोचरणचापिश्रममेटौंगी।सूरश्या
मज्योंउछँगलईमोहित्योंमैंहूँहँसिभेटौंगी ४९ ॥ रागराम
कली ॥ नृत्यतश्यामश्यामाहेत । मुकुटलटकनिभृकु
टिमटकनिनारिमनसुखदेत । कबहुँचलतसुगंधगति
सोंकबहुँउघटतबैन । लोलकुण्डलगण्डमण्डलचपल
नयननिसैन।श्यामकीछबिदेखिनागरिरहीइकटकजोहि।
सूरप्रभुउरलायलीन्हीप्रेमगुणकरिपोहि ५० ॥ रागपूर्वी ॥
नँदनन्दनसुघरायमोहनबंशीबजायसरिगमपधनिसास
प्तस्वरनिगाय । अतितअनाघातसंगीतसुघरऔरता
नमिलाय । सुरध्यायताल ध्यायनृत्य ध्यायनिपुणराय
मृदंगबजाई । सूरजप्रभुनवलबालसकलकलागुणप्र
बीणअरसपरसरीझिरिझाई ५१ ॥ रागनट ॥ मोह
नरच्योअद्भुतरास । संगमिलिवृषभानुतनयागोपिका
चहुँपास । एकहीसुरसकलमोहेमुरलिसुधाप्रकास । ज
लहुथलकेजीवथकिरहेमुनिनमनाहिंउदास । थकितभ
योसमीरसुनिकैयमुनउलटीधार । सूरप्रभुब्रजबाममि
लिबननिशाकरतबिहार ५२ ॥ चौ० ॥ कियोरास
रसरहसअगाधा । पूरणकरयोसकलकीसाधा ५३ भ
योसमयब्रह्मीशुभकाला । रासरमतभइँश्रमब्रजबाला
५४ तबश्रीयमुनगयोनँदलाला । सोहतसंगसकलब्र

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

जबाला ५५ ॥ जलक्रीड़ा । रागगोंडमलार ॥ रैनिरसरास सुखकरतबीती । भोरभयगयेपावनयमुनकेसलिलन्हा तसुखकरतअतिबड़ीप्रीती । एकइकामिलातिहँसिएक हरिसंगहँसिएकजलमध्यइकतीरठाढ़ी। एकइकडराति य कअंकभरिकैचलतिएकसुखलहतिअतिनेहबाढ़ी । का हुनहिंडरतिजलथलहुक्रीड़ाकरति हरतिमननिदरिज्यों कन्तनारी । सूरप्रभुश्यामश्यामासंगगोपिकामिटीतनु साधभइँमगनभारी ५६ ॥ रागगौरी ॥ यमुनाजलक्री ड़तनँदनन्दन । गोपीवृन्दमनोहरचहुँदिशिमध्यअरि ष्टनिकन्दन । पकरेपाणिपरस्परछिरकतशिथिलसलिल भुजचन्दन । मनोयुवतिपूजतिअहिपतिकोलग्योअंक दैबन्दन । कचभरिकुटिलसुदेशअंगकनचुवतअंगग तिमन्दन । मानहुभरिगण्डूषकमलपरडारतअतिआ नन्दन । भुजभरिअंकअगाधचलतलैज्योंलुब्धकखग फन्दन । सूरदासप्रभुसुयशबखानतनेतिनेतिश्रुतिछं दन ५७॥ रागकान्हरा ॥ विहरतहैंयमुनाजलश्याम । राजतहैंदोउबाहांजोरीदम्पतिअरुब्रजबाम । कोउठा ढ़ीजलजानुजंघलौंकोउकटिहिरदयग्रीव । यहसुखबर णिसकैऐसोकोसुन्दरताकीसीव । श्यामअंगचन्दनकी आभानागरिकेशरिअंग । मलयजपंककुंकुमामिलिकै जलयमुनाइकरंग । निशिश्रममिटयोमिटयोतनुआल सपरशियमुनभइँपावन । सूरश्यामजलमध्ययुवतिग नजनजनकेमनभावन ५८ ॥ रागललित ॥ राधेछि रकतिछैलछबीली । कुचकुंकुमकंचुकिबँदटूटेलटकिर

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

हीलटगीली । बन्दनशिरताटंकगण्डपररत्नजटितमणिनीली । गतिगयंदमृगराजसुकटिपरशोभितकिंकिणिढीली । मच्योखेलयमुनाजलअन्तरप्रेममुदितरसभीली । नन्दसुवनभुजग्रीवबिराजितभागसुभागभरीली । बरषतसुमनदेवगणहर्षितदुन्दुभिसरसबजीली । सूरश्यामश्यामारसक्रीड़तयमुनतरंगथकीली ५९ ॥ सूरसागरे। रागरामकली ॥ श्यामाश्यामसुभगयमुनाजलबिभ्रमकरतबिहार । पीतकमलइन्दीबरपरमसुभोरहिभयेनिहार । श्रीराधाअंबुजकरगहिभरिछिरकतबारम्बार । कनकलतामकरंदझरतमनुहालतपवनसँचार । अतसीकुसुमकलेवरबूँदेंप्रतिबिम्बितमनुहार । ज्योतिप्रकाशसुघनमेंखोलतस्वातिसुवनआकार। धायधरेवृषभानुसुताहरिमोहेसकलशिंगार । बिद्युतजलदसूरमनुबिधुमिलिस्रवतसुधाकीधार ६० ॥ पुनः ॥ श्यामाश्यामअंकमभरी । उरजउरपरशायभुज२जोरिगाढ़ेधरी । तुरतमनसुखमानिलीन्होनारितेहरिँगढरी। परस्पपरदोउकरतक्रीड़ाराधिकानवहरी । ऐसेहीसुखदियेमोहनसबैआनँदभरी। करतरंगाहिलोरयमुनाप्रेमआनँदझरी । रासनिशिश्रमदूरिकीन्होधन्यधनियहघरी। सूरप्रभुतटनिकसिआयेनारिसँगसबखरी ६१ ॥ रागगूजरी ॥ ठाढ़ेश्यामयमुनातीर । धन्यपुलिनपवित्रपावनजहँगिरिधरबरबीर।युवतिबनि२भईठाढ़ीऔरपहिरेचीर । राधिकासुखश्यामदायककनकबरणशरीर। लालचोलीलीलड़ँड़ियासंगयुवतिनभीर । सूरप्रभुछबिनिरखि

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

रीझेमगनभयोमनकीर ६२ ॥ दो० ॥ तबइकतरुकोत्रि
हँसिकैआयसुदीन्हौश्याम। नानाभूषणबसनवरतिनब
रषेअभिराम ६३ ॥ सो० ॥ निज२रुचिअनुहारिलैलै
ब्रजकीसुन्दरिन। कीन्होनवलशिंगारउरआनँदनाहिंजा
यकहि ६४ ॥ चौ० ॥ करिशिंगारतनुनवलकिशोरी।
हरिसन्मुखठाढ़ींसबगोरी ६५ हँसिबोलेतबमदनगुपा
ला। जाहुसदनअबसबब्रजबाला ६६ अतिआदरदे
दैसुखदाई। प्यारिपरशिसबसदनपठाई ६७ गईंसदन
सबहर्षबढ़ायो। घर२लोगनसोवतपायो ६८ ॥ रागबि
लावल ॥ ब्रजबासीसबसोवतपाये। नंदसुवनऐसीमति
ठानीघरलोगनउनजायजगाये। उठेप्रातगाथामुख
भाषतआतुररैनिबिहानी। ऐंड़तअंगजम्हातबदनभ
रिकहतसबैयहबानी। जोजैसेसोतैसेलागेअपनेअपने
काज। सूरश्यामकेचरितअगोचरराखीकुलकीलाज६९
पुनःभागवते श्लोकः ॥ ब्रह्मरात्रउपावृत्तेवासुदेवानुमोदि
ताः। अनिच्छंत्योययुर्गोप्यःस्वगृहान्भगवत्प्रियाः १ वि
क्रीडितंव्रजवधूभिरिदंचविष्णोः श्रद्धान्वितोऽनुशृणुया
दथवर्णयेद्यः। भक्तिंपरांभगवतिप्रतिलभ्यकामंहृद्रोगमा
श्वपहिनोत्यचिरेणधीरः २॥ दो० ॥ माखनप्रभुगोपाल
कीलीलापरमपुनीति। भाग्यउदयजगमेंवहीजोसुनियो
करिप्रीति ७० ॥ सुदर्शनशापमोचनलीला। दो०॥ भक्तनके
हितलेतहैंप्रभुयुग२अवतार। असुरमारिथापतसुरनह
रनभूमिभवभार ७१ ॥ सो०॥ गावतसंतअपारयशपुनी
तपावनकरन। पूरिरह्योसंसारकरताहरताआपुहरि ७२

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

श्लोकः श्रीभागवते ॥ एकदादेवयात्रायांगोपालाजातकौतुकाः। अनोभिरनडुड्युक्तैःप्रययुस्तेम्बिकावनम् १॥
चौ० ॥ इकदिनप्रभुसंतनसुखदाई। नंदहृदययहमतिउपजाई ७३ चलियेआजसरस्वतितीरा। पूजनशंकरसकलअहीरा ७४ लियेसंगमनमोहनदोऊ। गोपीग्वालचलेसबकोऊ ७५ करतकुलाहलआनँदभारी। पहुंचेतहांसकलनरनारी ७६ सरितपुनीतकियेअसनाना। महिदेवनदीन्हेबहुदाना ७७ सादरपूजेशंभुभवानी। पूजाकरतसांझनियरानी ७८ खानपानकरिसहितहुलासा। कियोरैनितिहिबनमेंबासा ७९॥ दो० ॥ ऐसीविधिसोयेसभीसुधिनरहीतनुमाहिं। बारम्बारपुकारियेतबहूंजागतनाहिं ८०॥ चौ० ॥ आधीनिशिअजगरतहँआयो। नंदमहरकेपगलपटायो ८१ उठेपुकारिचौंकिनँदराई। आयेब्रजबासीसबधाई ८२ अजगरदेखिडरेसबकोई। लगेछुड़ावनछुटतनसोई ८३॥ दो० ॥ हारेयलअनेककरिसर्पनछांड़तपाय। कृष्ण२करिनंदतबगोहरायेअकुलाय ८४॥ सो० ॥ अतिव्याकुलभयग्वाललायेश्यामजगायकै। कह्योमहाइकव्याललपटगयोपगनंदके८५
रागबिलावल ॥ सुनतउठेआतुरगोपाला। निकटजायदेख्योसोइव्याला। परश्योताहिकमलपदपावन। पापशापसंतापनशावन ८६॥ श्रीभागवतेश्लोकः ॥ सवैभगवतःश्रीमत्पादस्पर्शहताशुभः। भेजेसर्पवपुर्हित्वारूपंविद्याधरार्चितम् १॥ चौ० ॥ लाग्योहाथजोरिगुणगावन। जयजयजगतईशजगपावन ८७सबदेवनकेदवमुरा

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

री। जयजयजयव्रजगोपबिहारी ८८ ऐसीबिनतीप्रभुहि
सुनायो। बहुरिनंदकोशीशनवायो ८९ देखिस्वरूपच
कितनरनारी। तबमोहनमृदुगिराउचारी ९० ॥ दो० ॥
तुवस्वरूपसुन्दरमहाउपमाकहीनजाय। सर्परूपकाहेध
रयोहमसेकहौबुझाय९१॥ श्लोकः श्रीभागवते। सर्पउवाच ॥
अहंविद्याधरःकश्चित्सुदर्शनइतिश्रुतः। श्रियास्वरूपसं
पत्त्याविमानेनाचरन्दिशः १ ॥ सो० ॥ इकदिनऋषिके
धामगयोंधरेअभिमानमन । कियोंनतिन्हैंप्रणामरूप
दिव्यकेगर्वते ९२ ॥ चौ० ॥ ऋषिअंगिराबड़ेविज्ञानी।
जानिमोहिंजड़अतिअभिमानी ९३ दीन्होशापकोपक
रियेहा । जायहोहुशठअजगरदेहा ९४ ऐसेकह्यो
मोहिंऋषिजबहीं । अजगरभयोंतुरतमैंतबहीं ९५
देखिदुखितमोहिंपरमकृपाला । भयेबहुरिमुनिरायद
याला ९६ तबकरिकृपाकह्योमुनिमोहीं । कृष्णदर
शहैंहैंजबतोहीं ९७ परशिचरणरजपापनशैहै। बहुरि
आपनोतनुतबपैहै ९८ तेपदआजपराशिसुखदाई ।
भयोंपुनीतरूपनिजपाई ९९ जोपदरजब्रह्मानहिंपा
वैं। शिवसनकादिसदाचितलावैं १०० मुनिप्रसाद
सोरजमैंपाई । कहँलगिमुनिकीकरौंबड़ाई १॥ दो० ॥
ताहिशापकैसेकहौंवहतौभईअशीश । जेहिप्रतापज
गदीशकेपगलागेममशीश २ ॥ चौ० ॥ ऐसेविद्याध
रसुखमानी । श्रीपतिपहँनिजकथाबखानी ३ बहुरि
कमलचरणनशिरनाई । गयोलोकनिजउरहरषाई
४ ॥ दो० ॥ नन्दादिकआनन्दसबमहिमादेखिपुनीत।

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

कहतपररूपरकृष्णगुणगईतहांनिशिबीत ५ ॥ सो० ॥
आयेसबव्रजधामप्रातहोतआनन्दसों । संगश्याम
बलरामप्रभुव्रजवासीदासके ६ ॥ शंखचूड़बधलीला ।
श्लोकः ॥ अहिदेहंनिहत्यैवंप्रागुन्मत्तंसुदर्शनम् ।
तद्वदुन्मादिनंकृष्णःशंखचूडमताडयत् १ कदाचि
दथगोविन्दोरामश्चाद्भुतविक्रमः । विजह्रतुर्वनेरात्र्यां
मध्यगौव्रजयोषिताम् २ ॥ रागबिलावल ॥ इकदि
नसुन्दरमदनगुपाला । श्रीबलदेवऔरसँगग्वाला ।
दिवसअन्तनिशिसमयसुहाई । उदितउड़पउडुगण
छबिछाई । प्रफुलितचारुमालतीसोहै । कुमुदसुगं
धपवनमनमोहै । गुंजतभवँरमत्तरसलोभा । चलत
हांदेखनबनशोभा । ग्वालनमिलिगावतदोउभाई ।
कबहुंबजावतबेणुकन्हाई । धुनिसुनिव्रजबनिताउठि
धाई । पहुँचींश्रीवृन्दाबनजाई । बिहरतबनबिहार
दोउभाई । गोपीग्वालसंगसुखदाई । मन्दमन्दग
तिइतउतडोलैं । मृदुमुसक्यायलेतमनमोलैं । रूप
राशिनिधिछबिदोउबीरा । बैठेजाययमुनकेतीरा । पा
छेसखावृन्दसबसोहैं । सन्मुखगोपीजनमनमोहैं ७॥
दो० ॥ करतगानमिलिमुदितसबभरेप्रेमरसमाहिं । भ
येमगनउनमत्तजिमिरहीदेहसुधिनाहिं ८ ॥ सो० ॥
बाजततालमृदंगबीनचंगमुरलीमधुर । छायरह्योरस
रंगउड़ततरंगैंतानकी ९ ॥ रागबिलावल ॥ प्रेममग
नसबगोपकुमारी । हरिछबिनिरखतिसुरतिबिसारी ।
कोहमकहांनहींकछुजाने । नयनश्यामकेरूपलुभाने ।

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

चन्द्रबदनचपलासीगोरी । हरिमुखनादसुनतभइँभो
री १० ॥ श्लोकःभागवते ॥ एवंविक्रीडतोःस्वैरंगायतोः
संप्रमत्तवत् । शंखचूडइतिख्यातोधनदानुचरोऽभ्यगा
त् १ ॥ चौ० ॥ तहांयक्षऋौचकयकआयो । शंखचूड़ते
हिनामसुगायो ११ सोवहधनदअनुगअभिमानी । हरि
प्रभावनहिंजानअज्ञानी १२ देखतहीबलरामकन्हाई ।
सबगोपिनलीन्होंअगुवाई १३ घेरिलेतजिमिगायअही
रा । उत्तरदिशिलैचल्योअभीरा १४ जबगोपिनहरिदे
खेनाहीं। भयोचेततबकछुमनमाहीं १५ कहांजातिहमका
केसाथा। भईबिकलजिमिपरमअनाथा १६ पूरणब्रह्मप्री
तिरसपागीं। कृष्णकृष्णकहिटेरनलागीं १७ हेभगवन्त
संतहितकारी। बेगिधायसुधिलेवहमारी १८॥ दो० ॥ सुन
तश्रवणआरतबचनउठिआतुरयदुराय । अतिसमीप
गोपीनकेतुरतहिपहुँचेजाय १९ तुम्हरेकरुणाबचनसुनि
मैंआयाहूँधाय । शंखचूड़शिरफोरिकैतुमकोलेतछुड़ाय
२०॥ चौ० ॥ शंखचूड़फिरिकैतबदेख्यो । कालमृत्युसमदुहुं
बनपेख्यो २१ भयोत्रसिततबमूढ़अभागो । युवतिनछां
ड़िजीवलैभागो २२ गोपिनपासराखिबलभाई । तापा
छेपुनिचलेकन्हाई २३ अतिहीनिकटधायकैलीन्हो ।
मूकाएकतासुशिरदीन्हो २४ भयोप्राणबिनअधमअ
न्याई । प्रभुप्रतापउत्तमगतिपाई २५ हुतीएकमणिता
केशीशा । सोलैआयेहरिजगदीशा २६ ॥ श्लोकः
भागवते ॥ शंखचूडंनिहत्यैवंमणिमादायभास्वरम् । अ
ग्रजायाददत्प्रीत्यापश्यंतीनांचयोषिताम् १ ॥ चौ० ॥

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

करतबिबिधबिधिहास्यबिलासा । गृहआयेपुनिसहि
तहुलासा २७॥ दो० ॥ देखिदेखिहरिकेचरितपरमरह
स्यउदारि। निशिदिनसबप्रमुदितरहतब्रजबासीनरना
रि २८ ॥ सो० ॥ हरनसकलभवभीरदुष्टदलनजनहि
तकरन। नन्दनँदनबलबीरब्रजबासीप्रभुसांवरो २९॥
मानचरित्रलीला। चौ० ॥ नित्यश्यामश्यामासुखकारी ।
करतचरितनवनित्यबिहारी ३० निर्गुणनिर्बिकारअबि
नासी । भक्तमनोरथसदाबिलासी ३१ भक्तनहेतुबि
बिधतनुधारैं । भक्तनहितलीलाबिस्तारैं ३२ सदाभ
क्तबशकृष्णकृपाला । दयासिंधुप्रभुदीनदयाला ३३
सदाभक्तबांछितफलदानी । एकसमयहरिउरयहआ
नी ३४ गोपिनगर्बरासमेंकीन्हो । सोमैंअन्तरकरिहरि
लीन्हो ३५ ॥ सो० ॥ दुखितभईमनमाहिंश्यामाआदि
कगोपिका । कहतश्याममनमाहिंतिन्हैंदेउँसुखपांवपरि
३६ ॥ चौ० ॥ अबइकमानचरितउपजाऊँ। पांयनपरि
परिसबनमनाऊँ ३७ ॥ दो० ॥ होउँउऋणयातेअबहिं
देउँमानउपजाय । इनकेमुखमंडितबचनकहवाऊँसुख
दाय ३८ ॥ सो० ॥ सकलगुणनकेधामपरमबिचक्षण
रसिकमणि । नवरससागरश्यामएकप्रेमरसबससदा
३९ ॥ चौ० ॥ श्रीराधामनमोहनप्यारी । नवनागरिन
वरूपउज्यारी ४० ॥ रागगुर्जरी ॥ श्यामाश्यामकेउरब
सी। रैनिनृत्यतिभोरिपियमनतड़िततेछबिलसी ।श्या
मतारसलगनलगतेसबत्रियनिमेंयसी । कोककलाप्र
बीणसुन्दरिकिन्तगुणकरिकसी । करतिसदनशिंगारबै
CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

ठीअंगअँगप्रतिलसी । सूरप्रभुआयेअचानकदेखिति नकोहसी ४१ ॥ रागबिलावल ॥ रहेथकितछबिरूपनि हारी । जातकमलमुखपरबलिहारी । इहिअन्तरपियके उरमाहीं । देख्योश्यामानिजपरछाहीं । झझकिउठी प्यारीभइन्यारी । अतिसनेहभ्रमसुरतिबिसारी । और नारिपियकेउरजानी । आपनबिषेप्रीतिघटिमानी । राखतसदाहियेमेंयाही । लायेमोहिंदेखावनताही । कि योमानयहभ्रमउपजाई । कहतिबचनपियसोंअनखाई ४२ ॥ रागटोड़ी ॥ अबजानीपियबाततुम्हारी । हमको तुममुहँकीमिरवतहौभावतिहैवहप्यारी । राखेरहतहृद यपरजाकोधन्यभागहैंताके । ऐसीकहींलखीनहिंअबलौं बश्यभयेयोंयाके । भलीकरीयहबातजनाईप्रकटदिखाई मोहि । सूरश्यामयहप्राणपियारीउरमेंराखीपोहि ४३ ॥ चौ० ॥ ऐसेकहिमुसक्यायकिशोरी । कछुरिसकरिजियभौं हमरोरी४४चकितश्यामलखिसन्मुखबानी । कहतिकहा नागरीसयानी४५ ॥ रागरामकली ॥ प्यारीसांचकहतकी हासी । काहेकोइतनीरिसपावतिकततुमह्वोतिउदासी । पुनिपुनिकहतिकहातबहींतेकहाठगीसीठाढ़ी । इकट कचितैरहीहिरदयतनमनोचित्रलिखिकाढ़ी । समुझी नहींकहामनआईमदनत्रसैतुवआगे । सूरश्यामभये कामआतुरेभुजागहनपियलागे ४६ ॥ रागधनाश्री ॥ मो हिंछुवोजनिदूरिरहोजू । जाकोहृदयलगायलईहैताकी बांहगहोजू । तुमसर्वज्ञऔरसबमूरखसोरानीअरुदा सी । मैंदेखतिहिरदयवहबैठीहमतुमकोभइहासी । बां

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

हगहतकलुशरमनआवतिसुखपावतमनमाहीं। सुनहु सूरमोतनवहइकटकचितवतिडरपातिनाहीं ४७॥ राग बिलावल॥ कहाभईधनबावरीकहितुमहिंसुनाऊं। तुमतेकोहैभावतीजेहिहृदयवसाऊं। तुमहिंश्रवणतुमनयनहौंतुमप्राणअधारा। वृथाक्रोधत्रियक्योंकरौकहिबारम्बारा। भुजगहिताहिदेखावहूंजोहृदयबतावति। सूरजप्रभुकहैंनागरीतुमतेकोभावति ४८॥ रागकान्हरा॥ काहेकोहौबातबनावत। अबतुमकोपियमैंपतियातिहौं छांहआपनीधरणिबतावत। वादेखतहमकोतुममिलिहौकाहेकोअनखावत। जैहैकहूंनिकसिहिरदयतेजानिबूझिक्योंतेहिउचटावत। जोयहकहैकरौतुमसोईकहामोहिंपुनिपुनिसमुझावत। सूरश्यामनागरवहनागरिभलेभलेजुमोहिंखिझावत ४९॥ सो०॥ बातेंकहतबनायवहदेखतिहमसोंहंसत। जैहैकहुँअनखायउरतेतबपछितइहौ ५०॥ चौ०॥ मतिहिंखिझावोमोहिंकन्हाई। भलीकरीलैसौतिदिखाई ५१ जाहुचलेअबमैंसुखपायो। ऐसेकहिमनमानबढ़ायो ५२ रिसकरिमौनरहीगहिप्यारी। देतमनहिमनवाकोगारी ५३ शोचतश्याम्देखिमनमाहीं। बोलिसकतनहिंप्रियहिडराहीं ५४ क्योंरिसकरतिप्रियामनमाहीं। मेरेउरतेरीपरछाहीं ५५ यहसुनिकुँवरिराधिकारानी। बोलीरिसकरिपियसोंबानी ५६ कहाबनावतबातेंहमसों। जाहुचलेबोलहुँनहिंतुमसों ५७ यहकहिओटगईह्वैप्यारी। भयेबिरहबशतबगिरिधारी ५८॥ रागबिलावल॥

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

जबप्यारीन्यारी ह्वैगई । रतिपतिकी तबआतिबनि
गई । पांचौंबाणतानिकरलये । पियतियकेबिषहि
यमेंदये । दुहूँओरतनुतावनलाग्यो । बिरहअग्नि
सुलगावनलाग्यो । प्रोषितपतितियबिनुजोसही ।
पियप्यारीढिगअलिबलिकही ५६ ॥ गीतगोविन्देश्लोकः
इतस्ततस्तामनुसृत्य राधिकामनंगवाणव्रणखिन्नमान
सः । कृतानुतापःसकलिंदनंदनीतटांतकुंजेनिषसाद
माधवः १ ॥ अष्टपदी। रागबिलावल ॥ मामियञ्चलिता
विलोक्यवृतंबधूनिचयेन । सापराधतयामयाननिवा
रितातिभयेन १ हरिहरिहतादरतयागतासाकुपितेव
ध्रु० ॥ किंकरिष्यतिकिंवदिष्यतिसाचिरंविरहेण । कि
न्धनेनजनेनकिम्ममाकिंसुखेनगृहेण २ चिन्तयामितदा
ननंकुटिलभ्रुकोपभरेण । शोणपद्ममिवोपरिभ्रमताकुल
म्भ्रमरेण ३ तामहंहृदिसंगतामनिशंभृशंरमयामि । किं
वनेनुसरामितामिहकिंवृथाविलपामि ४ तन्विखिन्नम
सूययाहृदयन्तवाकलयामि । तन्नवेद्मिकुतोगतासिनते
नतेनुनयामि ५ दृश्यसेपुरतोगतागतमेवकिंविदधा
सि । किम्पुरेवससम्भ्रमंपरिरंभणंनददासि ६ क्षम्य
तामपरंकदापितवेदृशंनकरोमि । देहिसुन्दरिदर्शनंम
ममन्मथेनदुनोमि७ वर्णितंजयदेवकेनहरेरिदंप्रवणेन ।
किन्दुविल्वसमुद्रसम्भवरोहिणीरमणेन८।६०॥ रागबिह
गरो ॥ मानकियोत्रियबिनुअपराधहि । तनुदाहातिबि
नुकाजआपनोकताहिडरताजियबादहि । कहारहीमुखमूँ
दिभामिनीमोरिचूककछुनाहीं । झझकिरहीक्योंचतु

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

रनागरीदेखिआपनीछाहीं । अजहूंदूरिकरौरिसउरते हिरदयज्ञानबिचारो। सूरश्यामकहिकहिपचिहारेहठकीन्होजियभारो ६१ ॥ चौ० ॥ अतिव्याकुलतनमन अकुलाहीं । बारबारशोचतमनमाहीं ६२ गयोसरो जबदनकुम्हिलाई । तहँइकसखीदूतिकाआई ६३ ॥ दो० ॥ वहहरिसोंपूँछतिभईकहौनमोहिंबताय। आज दशाकैसीलगतिबैठेकहागँवाय ६४ ॥ सो० ॥ क्यों तनुरह्योभुलायअतिव्याकुलदेखतितुम्हें । रह्योबदन कुम्हिलायऐसोशोचकहापर्यो ६५ ॥ रागटोड़ी ॥ व्याकुलबचनकहतहैंश्याम । वृथानागरीमानबढ़ायोजो रकियोतनुकाम । यहकहतहिलोचनभरिआयेपायोबिरहसहाय । चाहतकह्योभेदताआगेबाणीकहीनजाय। औरसखीतेहिअन्तरआईव्याकुलदेखिमुरारि । सूर श्याममुखदेखिचकितभईक्योंतनुरहेबिसारि ६६ ॥ राग बिहगरो ॥ कहतिदूतिकासखिनबुझाई । आजराधिकामानाकियोहैश्यामगयेकुम्हिलाई। करसोंकरधरिलालगईलैसखिनसहितबनधाम । सुखदैकह्योलिहेआवतिहौंसँगबिलसाऊंबाम । मोआगेकीमहरिबिटिहिनी कहाकरैवहमान । सुनहुसूरप्रभुकितिकबातयहकरौन पूरणकाम ६७ ॥ दो० ॥ ऐसेकहिचातुरअलीआतुरलखिघनश्याम । श्रीवृषभानुललीजहांचपलचली ब्रजबाम ६८॥ सो०॥ मनमनरचतसयाननईबताऊंबात इक।अबहिंछुड़ाऊंमानमोसोंधौंकाहिहैकहा ६९॥ चौ० ॥ करतबिचारयहैमनमाहीं । गईसखीराधाकेपाहीं ७०

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

कुँवरिकिशोरीपरमसयानी । मुखदेखतहिदूतिकाजा
नी ७१ सहजहिबोलिताहिढिगलीन्ही । सहजहि
कह्योमयाकितकीन्ही ७२ तुरतहिकाहिसबसाखिनसुना
यो । तुमकोबनघनश्यामबुलायो ७३ ॥ रागटोड़ी ॥
काहेकोबनश्यामबुलाई । याहीतेतुमधाईआई । कहा
कहौंतोकोरीमाई । तुमहुँभलीअरुभलेकन्हाई । अब
इकनईमिलीहैआई । ताहीकोअबलेहिंबुलाई । ता
कोराखैंहृदयदुराई । तोकोइांतेटारिपठाई । सूरश्या
मऐसेगुणराई । उनकीमहिमाकहीनजाई ७४ ॥ चौ० ॥
आजकहाकछुकलहभयोरी । कैधौंकछुतैंमानठयोरी
७५ कहाआजअनमनीबतानी । यहतौमैंकछुबातन
जानी ७६ ॥ दो० ॥ मोसोंनहिंकछुहरिकह्योसहज
पठाईलैन । कहधौंपरीपुकारवहँतुमचलिदेखौनैन ७७
सो० ॥ कहतसुनायसुनायलैलैतेरोनामसब । तैंधौंल
योछुड़ायकहिकाकेकाकेगथहि ७८ ॥ रागसूहो ॥ वृ
न्दाबनबैठेहरिधाम । काहेकोगथहरयोसबनिकोकाहे
अपनोकियोकुनाम । डारिदेहुकहलियोपरायोमेरोक
ह्योमानरीबाम । तबहींतेउनशोरलगायोताकोबोली
हैयहिकाम । चलौतुरतजनिदेरलगावहुअबहींआ
यकरौबिश्राम । सूरश्यामतेरीघांभगरततूकाहेतिन
सोंकरैताम ७९ ॥ दो० ॥ बारबारकहकहातिरीतूमो
कोडरपाय । मैंनहिंकाहूकोलियोझूँठाहिदोषलगाय ८०
सो० ॥ लरतकौनसोंश्यामकौनेकरीपुकारबन । कहैं
नतिनकेनामसांचतबहिंमैंमानिहौं ८१ ॥ चौ० ॥ जो

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

नहिंतिनकीगथहिचुराई । तौतूकतबनचलतढराई
८२ मानकहींचलुश्यामबुलाई । श्रवणलागिहरिमो
हिंसुनाई ८३ ॥ रागधनाश्री ॥ तेजनपुकारयोहरिपैजा
य । जिनकीयहसबसौंजराधिकातेरेतनुनेलईछिँड़ाय ।
इन्दुकह्योहोंबदनविगोयोअलकनअलिसमुदाय । न
यननिमृगबचननिपिकलूटेबिलपतहरिहिसुनाय । क
मलकीरकेहरिकपोतगजकनककदलिदुखपाय । बिद्रु
मकुंदभुजंगसंगमिलिशरणगयेअकुलाय । अतिअनी
तिजियजानिसूरप्रभुपठयेमोहिंरिसाय । बनबोलीब्रज
नाथवेगिचलिअबउत्तरदेआय ८४ ॥ चौ० ॥ सुनि
पियकेगुणतियहँसिदीन्हो । कछुसकुचीमनमानिजुली
न्हो ८५ चतुरसखीजियकीसबजानी । तबहींहरषि
कहीयहबानी ८६ ॥ रागबिलावल ॥ मानकरौतुम
औरसवाई । कोटिकरौएकैपुनिक्वैहौतुमअरुवेमनमोह
नमाई । मोहनकोसुनिनामश्रवणहीमगनभईसुकुमारी ।
मानगयोरिसगईतुरतहीलज्जितभइमनभारी । धाय
मिलीदूतिकाकंठसोंधन्य२कहिबानी । सूरश्यामबनधा
मजानिकैदर्शनकोअतुरानी ८७ ॥ चौ० ॥ हँसिकैकह्यो
सखीसोंजारी । तूहरिसोंकहआवतप्यारी ८८ मैंअँग
भूषणबसनसँवारी । आवतिबनहिंजहांबनवारी ८९ ॥
दो० ॥ यहसुनिहरषीदूतिकागईजहांघनश्याम । अति
व्याकुलतनुसुधिनहींविह्वलकीन्होकाम ९० ॥ सो० ॥
बैठतउठतअधीरक्योंहूंसुखपावतनहीं । बढ़तिबिरहकी
पीरश्रीराधाराधारटत ९१ ॥ रागरामकली ॥ श्यामनारि

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

किबिरहभरे। कबहुंकबैठतकुंजद्रुमनितरकबहुंकरहत
खरे। कबहुंकतनुकीसुरतिबिसारतकबहुंकतनुसुधिआ
वत। तबनागरिकेगुणहिबिचारततेइगुणगुनि२गावत।
कहूंमुकुटकहुंमुरलिरहीगिरिकहुंपटपीतपिछौरी। सूर
श्यामयेसीगतिभीतरआयदूतिकागोरी ९२॥ रागबि
लावल॥ श्यामभुजागहिदूतिकाकहिआतुरबानी। काहे
कोकदरातहौमैंराधाआनी। बिरहदूरिकरिदीजियेसुख
करोकन्हाई। त्रियानामश्रवणनिसुन्योचितयेअकुलाई।
मिलेदूतिकहिअंकदैलोचनभरिआई। प्यारी२बोलिकै
युवतिहिउरलाई। तबबोलीहँसिदूतिकापियआवतना
री। सूरश्यामसुनिसखिगिराहर्षेबनवारी ९३॥ रागगु
र्जरी॥ धीरधरोप्यारीअबआवति। मैंजोगईप्रतिज्ञा
करिकैसोकहिबातजनावति। मनचिन्ताअबदूरिकरोजू
कहौनमोहिंकहदैहौ। बनिआवतिवृषभानुनंदनीभुजभ
रिअंकमलैहौ। यहसुन्दरताओरनहींकहुंबडभागीसो
पावै। सूरश्यामदूतिकावचनसुनिकरयुगजोरिमिलावै
९४॥ चौ०॥ रसिकपुरंदरतुमसुखदानी। सुनतसिहा
तदूतिकाबानी ९५ पुलकितअंगधीरनहिंधारैं। पुनि२
प्यारीपंथनिहारैं ९६॥ रागजैतश्री॥ यहसुनिकैमनश्या
मसिहात। पुलकतअंगरहतनहिंधीरजपुनि२पंथनिहा
रतजात। कुंजभवनकुसुमनकीशय्याअपनेहाथसवांर
तजात। जेद्रुमलतालटकितनुलागततेऊंचेधरिपुल
कितगात। प्यारीअंगअतिकोमलजानतसेजकलीचु
निडारत। सूरश्यामरीझतमनहीमनसुधिकरिबिहिनि

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

हारत ९७ ॥ चौ० ॥ देखिश्यामकीआतुरताई। हँसति सखीमनहर्षबढ़ाई ९८ जानिप्रेमबशहरिसुखरासा। गइँबहुरिप्यारीकेपासा ९९ करिशृंगारसनवलतनुजोरी। राजतिश्रीवृषभानुकिशोरी १००० ॥ दो० ॥ देखिरूप मनमग्नसखिबोलीबचनसँभार। धन्य २ राधाकुंवरि तुवगुणरूपअपार १ ॥ रागधनाश्री ॥ धनिवृषभानुसुताबड़िभागिनि। कहानिहारतिअंग २ छबिधन्यश्याम अनुरागिनि। औरत्रियानखशिखशिंगारैंतेरेसहजनपूरैं। रतिरंभाउर्बशीरमासीतोहिंनिरखिमनभूरैं। येसब कंतसोहागिनिनाहींतुहेएकहिप्यारी। सूरधन्यतेरीसुन्दरतातोसीऔरननारी २॥ सो०॥ तोसमाननहिंतीयातिहुंपुरसुन्दरिनागरी। बसतसदापियजीयतूमोहनमनभावती ३॥ रागकान्हरा॥ बिराजितराधारूपनिधान। सुन्दरताकीपुंजप्रकटहीकोपटतरतियआन। सेंदुरशीशमांग मुक्तावलिकचकबनीअबिनान। मनहुंचंद्रमुखकोपिहन्योरिपुराहुबिषमबलवान। तरलतिलकताटंकपड़ेरा भलकतकलबिबकान। मानहुंशशिसहायकरिबेकोरणबिरचेद्वैभान। दीरघनयननासिकाबेसरिअरुणअधर छबिवान। खंजनशुकनाहिंबिम्बसमानिकोलज्जितभयेअजान। कोकाहिसकैउरोजनकीछबिकञ्चनमेरुलजान। श्रीफलसकुचिरहेदुरिकाननसिखरिहवोबिहरान। रोमावलित्रिबलीछबिछाजतजनुकीन्हीयहठान। कुशकटिसबलदंडबंधनमनुविधिदीन्होबन्धान। अंग २ आभुषणकीछबिकापैहोयबखान। सूरदासप्रभूरसिकशिरो

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

मणिबिलसहुश्यामसुजान ४॥ रागकल्याण ॥ आजुअंजन
दियोराधिकानैनको । मीनमृगहीनगुणलज्जितखंज
नडोलअधिकचंचलसरसश्यामसुखदैनको । लसनिदा
ड़िमदशनभौंहमनमथफंदसुलपलटलटकिरहि रहतन
हिंचैनको । कसनिकंचुकिबंददउरमुक्तमालमुखमिरखि
उडुराजतजिगयोसुरऐनको। रुणितनूपुरचरणक्षुद्रकटि
घंटिकाकनकतनुगौरछबिउमगिउपरैनको । सूरसुनिश्र
वणउठिनवलगिरिधरसेजचलिहैंगजगातिमलापिमदन
गढ़लैनको ५ ॥ रागबिभास ॥ प्यारीचलौकिनलालनपै
एरीलालनकोमनतापसिरावन । तूकोरीहैमैंतोदूतीहौं
लालकीआईहैक्योंइततोकोबुलावन । ठाढ़ेकहांहरिहैं
यमुनातटबेरभयोतोहिंबेरमोंआवन । नीकेहैंश्यामकहैं
सहजाकविपाइनिकाइकहामनभावन ६ ॥ चौ० ॥ चल
हुबेगिअबसहितहुलासा । लागिरहीपियकीइतआसा
७ तेरोइनामजपतमनलाई । गावततुवगुणकुंवरकन्हा
ई८॥ श्लोकःगीतगोविन्दे ॥ पूर्वयत्रसमन्त्वयारतिपतेरासा
दिताःसिद्धयस्तस्मिन्नेवनिकुंजमन्मथमहातीर्थेपुनर्माध
वः । ध्यायंस्त्वामनिशंजपन्नपितवैवालापमंत्रावलीं ॥
भूयस्त्वत्कुचकुम्भनिर्भरपरीरम्भामृतंवाञ्छति १॥क०॥
जाहिबसिबासबिलासरसरासकीन्हे सांचेमनसांचनिमें
पूरीप्रीतिढारीहै । ताहीकुंजाबिपिनबितानराजतीरथमें
आजब्रजराजब्रतसोंजयोंसवांरीहै । ध्यामधरितेरोना
ममंत्रहीजपततपतनुकीतपनपञ्चअग्निर्योंसुधारीहै।उ
रजसरोजउरअंकभरिभेंटिबेकीश्यामअभिरामैकामका

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

मनातिहारीहै ९ ॥ चौ० ॥ सुनिसहचरिकेसुखकीबानी । पुलकिप्रफुल्लितमृदुमुसक्यानी १० पियकोप्रेमसमुझिसुखपाई । मिलनचलीगजगतिहर्षाई ११ ऐसेकरतिप्रकाशपियारी । गईजहांपियकुंजबिहारी १२ ॥ दो० ॥ परमप्रेमदोऊमिलेश्रीराधानँदनन्द । गुणआगरनागरयुगलछबिसागरसुखकंद १३ ॥ रागटोडी ॥ फूलनकोमहलफूलनिकीशय्याफूलेकुंजबिहारीफूलीराधाप्यारी। फूलेवेदम्पतिनवलमगनफूलेफूलेकरैंकेलिन्यारी फूलींलताबेलिबिबिधसुमनगणफूलेआननदोउ हैंसुखकारी। सूरदासप्रभुप्यारीपरवारतफूलेफूलचम्पकबेलिनेवारी १४ ॥ रागधनाश्री ॥ आजरँगफूलेकुँवरकन्हाई । कबहुँकअधरदशनभरिखण्डतचाखतसुधामिठाई । कबहुँककुचकरपरशिकठिनअतितहांबदनपरशावत । मुखनिरखतिसकुचतिसुकुमारीमनहीमनअतिभावत । तबप्यारीकरगहिमुखटारतिनेकलाजनहिंआवत । सूरदासप्रभुकामशिरोमणिकोककलादिखसावत १५ ॥ रागरामकली ॥ सँगराजतिवृषभानुकुमारी । कुंजसदनकुसुमनिशय्यापरदम्पतिशोभाभारी । आलसभरेमगनरसदोऊअंगअंगप्रतिजोहत । मनहुँगौरश्यामलराशिनपरउत्तमबैठेसन्मुखसोहत। कुंजभवनराधामनमोहनचहूँपासब्रजनारि । सूररहीलोचनइकटककरिडारतितनमनवारि १६ ॥ पुनः ॥ देखिसखिपांचकमलद्वैशंभु । एककमलब्रजऊपरराजतनिरखतनयनअचंभु । एककमलप्यारीकरलीन्हेकमलसुकोम

लश्रंग। युगलकमलसुतकमलविचारतप्रीतिनकन्न हूँभंग। षटयुगकमलमुखसन्मुखचितवतबहुबिधिरंग तरंग। तिनमेंतीनसोमबंशीबसतीनसुकश्यपश्रंग। जेइकमलसनकादिकदुर्ल्लभजिनसेनिकसींगंग। तेई कमलसूरनिताचिंततनिपटनिरन्तरसंग १७॥ रागनट॥ देखिसखिचारचन्दइकठोर। निरखतिबैठिनितंबिनि पियसँगसारसुताकीश्रोर। द्वैसखिश्यामनवलघनसु न्दरद्वैकान्हेबिधिगोर। तिनकेमध्यचारिशुकराजतद्वै फलश्राठचकोर। शशिशशिसंगप्रबालकन्दकलिश्र रुझिरह्योमनमोर। सूरदासप्रभुश्रतिरतिनागरश्रलि बलियुगलकिशोर १८॥ पुनः॥ देखिरीप्रकटद्वादश मीन। षटइन्दुद्वादशतरणिशोभितबिमलउडुगणती न। षटश्रष्टश्रम्बुजकीरषटमुखकोकिलासुरएक। द शदोयबिद्रुमदामिनीषटतीनब्यालबिशोक। त्रिबलि षटश्रीफलबिराजतपरस्परबरनारि। ब्रजकुँवरिगिरि धरकुँवरपरसूरजनबलिहारि १९॥ पुनः॥ दम्पतिकुंज द्वारेखरे। शिथिलश्रँगमरगजेश्रम्बरश्रतिहीरूपभरे। सुरतहीसबरैनिबीतीकोकपूरणरंग। जलददामिनि संगसोहतभरेश्रालसश्रंग। चकितह्वैब्रजनारिनिरख तिमनोचन्द्रचकोर। सूरप्रभुवृषभानुतनयाबिलासिर तिपतिजोर २०॥ पुनः॥ धनिब्रजसुन्दरीधनिश्याम। धन्यधनिवृषभानुतनयाराधिकाजेहिनाम। गेहगेहनि गईतरुणीश्यामगयेनँदधाम। भवनगइवृषभानुतनया कोककलाभिराम। करतमनकामनापूरणएकनिशिस

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

बबाम। सूरप्रभुजासदनजातनसोकरततनुताम २१॥
दो०॥ गयेश्यामश्यामासदनसखीसहितसुखपाय।
मानचरितरसकेलिकरिव्रजबासीबलिजाय २२॥
सो०॥ मानचरित्रअनूपजेसप्रेमगावहिंसुनहिं। तेनपरैं
भवकूपराधाकृष्णप्रतापते २३॥ खंडिताबचन। चौ०॥
करतचरितराधागिरिधारी। सुखसागरभक्तनहितका
री २४ जाकोशिवअजध्यानलगावैं। सनकादिकमुनि
जपकरिध्यावैं २५ सोप्रभुसबकेअन्तरयामी। युवतिन
प्रेमभक्तिवशकामी २६ बहुनायकह्वैकरतविहारा। ब्रज
पुरघरघरनन्दकुमारा २७ अवधिबदतकाहूसोंजाई।
काहूकेघरबसतकन्हाई २८ सांझकहतजाकेघरआवन।
जातप्राततताकेमनभावन २९ खंडितबचनसुनतसुख
पाई। यहलीलाहरिकेमनभाई ३०॥ दो०॥ ब्रजमेंकर
तविहारहरिव्रजबनितनकेसंग। अखिलकामपूरणकर
नभरेप्रेमरसरंग ३१॥ रागबिलावल॥ ब्रजबीथिननँद
नन्दनठाढ़े। अंगअंगसुन्दरछबिबाढ़े। देखतछबिल
लितालल्लचानी। बोलीबिहँसिश्यामसोंबानी। कतरों
कतमगमेंबिनकाजे। जाहुचलेजितहौंहितसाजे। झूंठ
हिइतोसनेहजनावो। कबहूंहमरेधामनआवो। हरिहँ
सिकह्योआजुनिशिऐहें। तरीसोंहमअनततनजेहैं। ऐसे
कहिमधुरेमुसक्याई। छांड़िदईमगछैलकन्हाई। ललि
तागईसदनसुखमानी। ऐहैंश्यामआजुयहजानी ३२॥
रागगौरी॥ सांझहितेहरिपंथनिहारे। ललितारुचिकरि
भवनआपनेसुमनसुगन्धनिसेजसँवारे। कबहुंकहो

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

तिवारनेठाढ़ीकबहुंकगनतिगगनकेतारे। कबहुंकआइ
गलीमगजोवतिअजहुंनआयेश्यामपियारे। वेबहुनाय
कअनतलुभानेऔरबामकेधामसिधारे। सूरश्यामबिन
बिलपतिबालातमचुरजहँतहँशब्दपुकारे ३३। रागजैतश्री।
शोचपरयोनागरिमनमाहीं। कीकाहूकेअनतलुभानेकी
पितुमातुत्रासमनमाहीं। वेनिशिबसेमहलशीलाकेसुख
सबरौनिगवांई। उठेअकुलायभोरभयोजान्योतवनाग
रिसुधिआई। सहजचलेगोपीसोंकाहिकैजियसकुचत
अतिभारी। सूरश्यामललितागृहआयेचितैरहीमुख
प्यारी ३४॥ रागललित॥ प्यारीचितैरहीमुखपियको।
अंजनअधरकपोलनिबंदनलाग्योकाहूतियको। तुरत
उठीदरपणकरलीन्हेदेखौबदनसुधारौ। अपनोमुखउ
ठिप्रातदेखिकैतबतुमकहूँसिधारौ। काजरबन्दनअध
रकपोलनिसकुचेदेखिकन्हाई। सूरश्यामनागरिमुख
जोवतबचनकह्योनहिंजाई ३५॥ रागआसावरी॥ द
रपणलैप्यारीमुखआगेकहतिपियाछबिहेरौजू। मेरीसों
हाहाकहिपुनिपुनिउतकाहेमुखफेरौजू। सकुचतकहा
बोलकेसांचेमेरेघरतोआयेजू। रैनिनहींतौअबजुकृपा
भइअनिजिनस्वांगकरायेजू। मेरीकहीबिलगजनिमा
नोमैंतुवकरतिबड़ाईजू। सूरश्यामसन्मुखनहिंचितव
तरहेधरणिशिरनाईजू ३६॥ रागललित॥ क्योंमो
हनदरपणनहिंदेखौ। क्योंधरणीपगनखनकरोवतक्यों
हमतननहिंपेखौ। क्योंठाढ़ेबैठतक्योंनाहींकहापरीहम
चूक। पीतांबरगहिकह्योबैठियेरहेकहाह्वैमूक। उघरि

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

गयोउरतेउपरैनानखक्षतबिनगुणमाल । सूरदेखिलट पटीपागपरजावककीअबिलाल ३७ ॥ चौ० ॥ उत्तरमो हिंदेतक्योंनाहीं । कहुँकछुचूकपरीहमपाहीं ३८ ॥ राग बिलावल ॥ काहेकोकहिगयेआइहैंकाहेभूंठीसौंहेंखाये । ऐसेमैंजानौंनहिंतुमकोजोगुणकरितुमप्रकटदिखाये । भ लीकरीदर्शनयहदीन्होजन्मजन्मकेतापनशाये । तव चितयेहरिनेकत्रियातनसबअपराधक्षमाये । सूरदास सुन्दरीसयानीहँसिलीन्हेपियअंकमलाये ३९ ॥ पुनः ॥ नयनकोरहरिहेरिकैप्यारीवशकीन्हो । भावकह्योआ धीनकोललिताललिखिलीन्हो । तुरतगईरिसदूरिकैहँसि कण्ठलगाये । भलीकरीमनभावतेऐसेहुमैंपाये । भ वनगईगहिबांहलैनिशिजागेजाने । अंगशिथिलनिशि श्रमभयोमनहीमनमाने । अँगसुगंधमर्दनकरयोतुरत हिअन्हवाये । अपनेकरअँगपोंछिकैमनसाधपुराये । चीरअभूषणअंगदैबैठोगिरिधारी । रुचिभोजनपियको दियोसूरजबलिहारी ४० ॥ सो० ॥ कोटिकामकमनी यसुन्दरसुखसागरनवल । रमणीमनरमनीयव्रजभूष णव्रजलाड़िले ४१ ॥ चौ० ॥ व्रह्मसनातनजन सुखकारी । यहलीलाव्रजमेंबिस्तारी ४२ ललिताको सुखदैसुखसागर । चलेसदनअपनेनटनागर ४३ ॥ रागबिलावल ॥ ललिताकोसुखदैचलेअपनेनिजधाम । बीचमिलीचन्द्रावलीउनदेखेश्याम । मोरमुकुटकछनी कछेनटवरगोपाल । रहीबदनतनहेरिकैअतिहितव्रज बाल । गलीसांकरीकोउनहींआतुरमिलिधाई । कहां

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

कहांपियरहतहौहमकोबिसराई । श्यामकह्योहँसिबा
मसोंतुम्हरेनिशिबास । सूरहृदयकीकल्पनासुनिभईहु
लास ४४ ॥ रागआसावरी ॥ श्यामबामकोसुखदैबो
लेरैनितुम्हारेआऊंगो। मातपिताजियत्रासधरतहौंतऊ
आइसुखपाऊंगो। तुवमिलिबेकीसाधभुजाभरिउरसोंकु
चपरशाऊंगो। नयनबिशालभारिउरबैठेतेतुवहाथकढ़ा
ऊंगो । तुवतनुपरशिकामदुखमेटौंजीवनसुफलकराऊं
गो । सुनहुसूरअधरनिरसअँचऊंदोउमनतृषाबुझाऊं
गो ४५ ॥ सो० ॥ सुनिहरषीजियबामचलीसदनमुस
क्यायकै । लखिसुखपायोश्याममुदितगयेअपनेभवन
४६ ॥ चौ० ॥ चंद्रावलिमनअधिकउछाहू । फूलीफिर
तिकहतिनहिंकाहू ४७ सुखकेकरतमनोरथनाना। बा
सरकल्पसमानबिहाना ४८ भयेअस्तरबिनिशिनियरा
नी। उडुगणज्योतिदेखिहरषानी ४९ हरिसुखमाकेभव
नसिधाये। चन्द्रावलिकेभवननआये ५० ॥ रागटोड़ी ॥
श्यामगयेसुखमाकेधाम। देखतहर्षभईमनबाम। आतु
रमंदिरगईसमाई। प्यारीप्रेमउठीभुहराई । श्यामभा
मिनीपरमउदारा। कोककलारसकरतबिचारा। बोलत
पियनाहिंआवंतिपासा।गद्गदबाणीकहतिउदासा। धा
यजायपियअंकमलाई। हाहाकहि२लेतिबलाई। अति
आतुरपातिकेगतिकामा। कहांप्रकृतिपाईयहबामा। बां
हगहतकीन्हीधनिमाना । तबहरिकीन्होएकसयाना।
तबप्यारीचरणनशिरधारी । कामव्यथाजान्योसुकुमा
री। अल्पहँसीमुखहेरिलजानी । सूरजप्रभुत्रियमनकी

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

जानी ५१ ॥ रागगोंडमलार ॥ श्यामकरभामिनीसुखसँ वाऱ्यो। बसनतनुदूरिकरिसबलभुजअंकभरिकामरिस बामपरनिदरिधाऱ्यो। अधरदशननिभरेकठिनकुचउर लरेपरेसुखसेजमनएकदोऊ। मनोकुँभिलायरहेमैनसे मल्लदोउकोकपरबीनघटिनहींकोऊ। अंगविह्वलसयेन यननयननिनयेलजितरतिअन्तत्रियकन्तभारी। सूरध निधन्यसुखमानारिबिश्यश्याम यामयुगभईंपातितेनन्या री ५२ ॥ चौ० ॥ बसेतहांमोहनसुखदाई। चन्द्रावलि कीसुरतिभुलाई ५३ ॥ रागबिहगरो॥ चन्द्रावलीश्याममम गजोवति। कबहुंसेजकरझारिसवांरातिकबहुंमलयरज भोवति। कबहुंनयनअलसातजानिकैंजललैपुनिमुख धोवति। कबहूंभवनकबहुंआंगनह्वैऐसेरैनिबिगोवति। कबहुंकबिरहजरतिअतिव्याकुलआकुलतामनमोवति। सूरश्यामबहुरमणरमणिपिय यहकहितनगुणतोवति ५४ ॥ दो० ॥ कबहुंकहतिहरिआयहैंउरमेंहर्षबढ़ाय। कबहुंबिरहव्याकुलजरतअतिव्याकुलअकुलाय ५५ ॥ सो० ॥ कबहुंकहतसुखपायबहुरमणीरमणीयपिय। बसे अनतकहुंजायमोसोंझूंठीअवधिबदि ५६ ॥ रागललित॥ ऐसेहिऐसेरैनिबिहानी। चन्द्रमलीनाचिरैयाबोलींसुनी कागकीबानी। वेलुब्धेअनतहिकाहूकेमनकीआशभुला नी। कपटीकुटिलकूरकहजानैश्यामनामजियआनी। कोकिलश्यामश्यामअलिदेख्योश्यामरंगहैपानी। श्या मजलदअहिश्यामकहावतसूरश्यामसोबानी ५७ ॥ चौ० ॥ ऐसे बिकलक्रोधबशबाला। सुखमासदनरहेनँद

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

लाला ५८ प्रातहोतउठिचलेतहांते । आलसभरेनयनरँगराते ५९ चन्द्रावलीसदनचलिआये । ठाढ़ेअजिररहेसकुचाये ६० ॥ सुखमाकेघरतेचन्द्रावलीकेघरआना । राग बिभास॥चन्द्रावलिधामश्यामभोरभयेआये।इतरिसकरिरहीबामरैनिजागिचारोंयामदेखैजोद्वारकान्हठाढ़ेसुखदाये । मन्दिरतेरहिनिहारिमनहीमनदेतिगारिऐसेकपटीकठोरआयेनिशिबीते।सकीनाहिंरिसिसम्हारिबैठीरहिचढ़ीद्वारठाढ़ेगिरिधारिनिरखिछबिनखशिखहीते । बिनगुणबनिहृदयमालताबिचनखक्षतरसाल लोचनदोउदरशिलाजजैसीरुचिबाढ़ी । जावकरँगलग्योभालबंदनभुजपरबिशालपीकपलकअधरझलकबामप्रीतिगाढ़ी । क्योंआयेकौनकाजमानाकरिअंगसाजउलटेभूषणशृंगारमिरवतहौजाने । ताहीकेजाहुश्यामजाकेनिशिबसेधाममेरेगृहकहाकामसूरदासगाने ६१ ॥ रागबिलावल ॥ तहेंजाहुजहँरैनिबसे । काहेकोदाहनआयेहौअंगरदेखतिजसे । अरगजअंगमरगजीमालाबसनसुगंधभरेसेहैं। काजरअधरकपोलनिबंदनलोचनअरुणढरेसेहैं। पलकनिपीकमुकुरलैदेखहुएकौनहींअनैसेहैं । सूरदासप्रभुपीठिबलयगड़नागारिअंगभरेसेहैं ६२ ॥ पुनः ॥ पीतांबरपटुकहाभयो । नीलांबरओढ़ेआयेहौअतिडहडहोनयो।तैसोइअंगबसनरँगतैसोइकहाकहौंयहशोभा। तैसेइबनीमरगजीकेशरितात्रियकेमनलोभा । एतेपरक्योंबोलतनाहींकहाखोइसेआये । सूरश्यामयहअबमैंजानीनागारिचित्तचुराये ६३ ॥ चौ० ॥ इतनेपरडाहन

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

मोहिंआये। सौंहकरनकोइतउठिधाये ६४ जाहुतहीं जासोंमनमान्यो। जैसेहौंतैसेमैंजान्यो ६५ बिहँसिकह्यो तबलालबिहारी। तुमतेऔरकौनमोहिंप्यारी ६६ तुम बिनुकहूंमोहिंकलनाहीं। बसतसदामनतेरेमाहीं ६७॥ रागललित॥ मैंजानीपियजहँरतिमानी। तुमआयेहोला लजबचिरियाचुहचुहानी।मुखकीबातकहाकहौंठानीबा तनहींपहिंचानी।इतेपरआँखियांरसमसानीअरुपगिया लटपटानी। भालजावकरंगबनायेअधरअंजनप्रकट जानी। बिनुगुणबनीमालसबअँगअँगउलटीनिशानी। सूरदासप्रभुगुणनिधानीअंतरगातिकीजानी। धनित्रि यातुमकोजोसुखदीन्होसँगजागतरैनिबिहानी६८॥ राग बिभास॥ मैंजानीपियबाततुम्हारी। भोरभयेमेरेगृहआ येऐसेभोरेभारी। ह्यांआयेमुखपरशनमेरोहृदयटरतनाहिं प्यारी। कपटचतुरईदूरिकरौजूअयशलेतअरुगारी। कहासांचमैंखोवतकरतेझूंठेकहाफबावत।सूरश्यामनाग रनागरिवहहमतुम्हरेमनआवत६९॥ रागदेवगंधार॥यह कहिप्यारीभवनगई। रीझेश्यामदेखिवाछबिपरारिसमु खमूंदिरई। द्वारकपाटदियोगाढ़ेकरिकरआपनेबनाई। नेकनहींकहुंसंधिबचाईपौढ़िरहीतबजाई। येअंतरयामी परमेश्वरजोकछुकरैंसोहोई। जहांनारिमुखमूंदिपौढ़िरहि तहांसंगरहेसोई। जोदेखैह्यांसंगबिराजतचलीत्रियाभु हराई। एकश्यामआंगनहींदेखेइकगृहरहेसमाई। उत कोवेअतिबिनयकरतहैंइतअंकमभरिलीन्ही। सूरश्याम मनहरणकहाबहुमनहरिकेबशकीन्ही७०॥ रागकल्यान॥

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

तबनागरिरिसभूलिगई। पुलकिअंगअँगियाउरदरकी अंगअनंगजई। अंकमभरिपियप्यारीलीन्होनिशिसुखबासरदीन्हो। मानछुड़ायहुलासबढ़ायोसुफलमनोरथकीन्हो। तबनिजधामश्यामपगधारेतहांसहचरीआई। सूरजप्रभुरसभरीनागरीदेखिरहीमनलाई ७१ ॥

चौ० ॥ कहतिप्रियाकहहर्षबढ़ायो। कहैनलूटकहाकछुपायो ७२ क्योंअँगाशिथिलमरगजीसारी। यहछबिकहीनजायतुम्हारी ७३ हमसोंकहादुरावतिप्यारी। हमजानतिकहुंमिलेबिहारी ७४ ॥ दो० ॥ चन्द्रावलिकरिचतुरईज्वाबसाखिननहिंदेति। रहीलूटिसुखमंदहँसिभीजिश्यामरसलेति ७५ ॥ सो० ॥ रह्योध्यानउरछायवहलीलाबिसरैनहीं। मुखसोंकह्योनजायगूंगेकोगुड़सोभयो७६॥ चौ०॥ तबबोलीबूझतिकहआली। युवतीमनमोहनबनमाली ७७ हैलीलाअद्भुतसबजिनकी। कहीनजायबातसखितिनकी ७८ ॥ रागबिलावल ॥ हाहाकहिचंद्रावलिमोसोंहरिकेगुणमैंहूंसुनिलेऊं। श्रवणनिमगसुनिहृदयप्रकाशौंपुनिरीतोहिंउत्तरदेऊं। कैतोहिंमिलेतीरयमुनाकेकीतोहिंमिलेभवनहीमांझ। कहुंतेहरिमेरेगृहआयेमानोअस्तहोतरबिसांझ। काहुबामकेधामबसेहरिभोरसदनगयेमेरेआय। सूरश्यामजोचरितउपायोकहनचहौंमुखकह्योनजाय ७९ ॥ चौ० ॥ तबचन्द्रावलिगद्गदबानी। हर्षसहिततहरिकथाबखानी ८० ॥ रागगौरी ॥ मैंहरिसोंहौंमानकियोरी। आवतदेखिआनबनितारसद्वारकपाटदियोरी। अपनेहीकरशंकरसारीसचीसुसाधि

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

सियोरी। जोदेखौतोसेजसवांरतिकांप्योरिसनहिंबोरी। अबभुकिचलीभवनतेबाहरतबहठिलोटलियोरी। कहा कहौंकछुकहतनआवैतहँगोविन्दबियोरी। बिसरिगयो सबरोषहर्षमनपुनिफिरिमदनजियोरी। सूरदासप्रभु अतिरतिनागरछलिमुखअमृतपियोरी ८१ ॥ चौ० ॥ सुनिहरिचरितललितसुखकारी। भईप्रेमबशसबव्रज नारी ८२ चन्द्रावलिकोधन्यकहातितब। कहनलगींह रिकेगुणगणसब ८३ ॥ दो० ॥ यहलीलाआनँदभरीस कलरसनकोसार। भक्तनहितहरिकरतहैंगायतरतसं सार ८४ ॥ सो० ॥ घरघरकरतबिहारव्रजयुवतिनकेसं गहरि। गावतहैंश्रुतिचारव्रजबासीप्रभुकेयशहि ८५ ॥ रागबिलावल ॥ श्रीराधावृषभानुदुलारी। नन्दनँदनपि यकीअतिप्यारी। अनतहिरैनिरहेकहुंश्यामहि। भोरभ येआयेनिजधामहि। नागरिसहजरहीमनमाहीं। नन्दसु वनतजिअनतनजाहीं। महरसदनकीमेरोगेहा। हिरदय हैत्रियहैसनेहा। आयेश्यामरहीमुखहेरी। मनमनकर नलगीअवसेरी। रतिरसचिह्ननारिकेजानी। सूरहँसी राधापहिंचानी ८६ ॥ चौ० ॥ तबमनबिहँसिकह्योश्रीरा धा। आजबन्योपियरूपअगाधा ८७ धन्यमोहिंयहद रशदिखायो। धनिधनिजासोंनेहलगायो ८८ ॥ दो० ॥ भलीदिखाईआजयहअद्भुतछबिअभिराम। सूरउदय लोचनकमलचन्द्रउदयपरश्याम ८९ ॥ सो० ॥ उरकुच कुंकुमदागअधरदशनछबिराजई। रँगीमहावरपागय हशोभाअनपमबनी ९० ॥ चौ० ॥ क्योंउठिभोरयहांको

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

आये। काहेकोइतनेशरमाये ९१ तिनहींकोसुखदीजै
मोहन। जिनसोंनिशिबिलसेमिलिगोहन ९२॥ रागबि
लावल॥ रसिकरसिकईजानिपरी। नयननितेअबन्यारे
हूजेतबहींतेअतिरिसनिभरी। तुमयौवनअरुसोनवयौ
वनिएतेपरसबगुणाहिभरी। लाजनहींमेरेगृहआवतजा
हुजाहुकरित्रियभुहरी। अंजनअधरकपोलनिबन्दन
पीकपलकछबिदेखिडरी। सूरश्यामरतिचिह्नदेखावनमे
रेआयेभलेहरी ९३ ॥ रागगौरी॥ श्यामहँसेप्यारीमुख
हेरो। रिसनिउठीभुहरायकह्योयहवशकीन्होमनमेरो।
जायहँसोपियतेहीआगेमैंरीभीअतिभारी। ऐसेहँसि
कैताहिरिझावहुदेहुंकहाअबगारी। होतअबारगवन
अबकीजैघरणीकहानिहारत। सूरश्याममनकीमैंजानी
ताकेगुणहिबिचारत ९४॥ रागबिलावल॥ बारबारमैंक
हतिहौंपियतहींसिधारो। आयेहौमनहरणकोहरिनाम
तुम्हारो। भलीबनीछबिआजकीक्योंलेतजम्हाई। रैनि
आजसोयेनहींरतिकामजगाई। वहरतितुमरतिनाथहो
हमकैसेभावैं। सूरश्यामतुमबहुगुणीजेतुमाहिंरिझावैं ९५
रागसोरठ॥ सकुचतश्यामकहतमृदुबानी। किनदेख्यो
किनकहीबातयहमोहजूरकहैआनी। यातेबचनबोलि
नहिंआवतरिसपावतिहोभारी। जोरिकहतिबातैंतुवआ
गेखोटीब्रजकीनारी। तुमहूंतेऐसीकोप्यारीसौंहकरौंजो
मानो। सुनहुसूरजोबूझातिमोकोमैंकाहुनपहिंचानो ९६
रागभैरव॥ बिनुबोलेपियरहियेजू। नहींकहीकोउहमैंक
हतकोअबऐसेजानिदहियेजू। मौनरहेतौकछूगँवायोइन

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

बचनानिकहललहियेजू । एतेपरबकबादनलागेकैसेरसि
मनसहियेजू । सौंहकहाकरिहौसुनिपावैंसन्मुखह्वैधौंक
हियेजू । सूरदासप्रभुरसिकशिरोमणिरसिकहिसबगुण
चहियेजू ९७॥ चौ० ॥ ऐसेंखिझवतिपियसोंप्यारी।
आईतहांऔरब्रजनारी९८सखियनदेखिकुंवरिमुसक्या
ई। उरअन्तरहैरिसअधिकाई ९९ तिन्हैंकह्योसैननमें
प्यारी। देखौहरिकीछबिहिनिहारी ११०० तुमहींअंग
चीन्हपहिंचानौ। सहीपरैंसोबातबखानौ १ कृपाकरैंत
हँहींपगधारैं । नहींकाजइहँवेगिसिधारैं २ ॥ दो० ॥
प्यारीकेउररोषलखिअरुसाखियनकीभीर। तबह्वांतेबह
रायकैद्वारगयेबलबीर ३ ॥ सो० ॥ शोचकरतउरमाहिं
भरेविरहआनन्दरस। जायसकतकहुंनाहिंमनमेंप्यारी
डरडरत ४ ॥ रागबिहगरो ॥ श्यामगयेतियमानकियो ।
देखोमोहिंदोषतुमदेतीउनऐसेमनचोरिलियो। जाहुस
दनतुमहूंसबअपनेमैंबैठीहौंधाम । जानदेहुअबह्योंज
निआवैंऐसनिकोकहकाम । अनतहिवसतअनतहीडो
लतआवतकिरणप्रकास । सुनहुसूरपुनितौकहिआवै
तनागिगयेतापास ५ ॥ मध्यममानलीला। राग पुनः ॥
यहकहिकैत्रियधामगई। रिसनिभरीनखशिखलौंप्यारी
यौवनगर्बभरी । सखीचलींगृहदेखिदशायहहठकरिबै
ठीजाई।बोलतनहींमानकरिहरिसोंहारिअन्तररहेआई।
यहिअन्तरयुवतीसबआईजहांश्यामघनद्वारे । प्रिया
मानकरिबैठिरहीहैरिसकरिक्रोधतुम्हारे । तुमआवत
अतिहीभुहरानीकहाकरीचतुराई । सुनतसूरयहबात

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

चकितपियअतिहिगयेमुरझाई ६ ॥ दो० ॥ तबसखिय नहरिसोंकह्योचतुरकहावतनाम। करतफिरतऐसेगुणन अबशोचतकतश्याम ७ ॥ सो० ॥ तुमहिंकरायोमान अटपटरूपदिखायकै। अबलागेपछितानप्रथमविचार करयोनहीं ८ ॥ चौ० ॥ यहसुनिधीरजकियोकन्हाई। तबइकयुवतीऔरबुलाई ९ तासोंकहिसबबातजनाई। दूतीकरिहरिताहिपठाई १० दूतीगईकरतमनसाधा। बैठीतहांजायजहँराधा ११ यहइतउतकहुंनाहिंनिहारै। कहाकरौंमनमांझविचारै १२ तबकहिउठीदूतिकानारी। मानाकियोवृषभानुदुलारी १३ कहाकरौंमोहनअतिकी न्ही। उनकीबातआजमैंचीन्ही १४ ॥ दो० ॥ घरघर डोलतफिरतनिशिबोलतलगतनलाज। आयदेखाये प्रातमुखनटकेरतिरँगसाज १५ ॥ सो० ॥ मैंआईअब बाजजितचाहौंतितहीफिरौ। उनकोयहांनकाजराजक रौब्रजमेंसदा १६ ॥ चौ० ॥ दूतीसुनिप्यारीकीबानी। अन्तरप्रेमतासुपहिंचानी १७ कह्योयमुनतेमैंगृहआई। सखीएकमोहिंबातसुनाई १८ तबमैंरहिनसकीघरमा हीं। भलीप्रकृतिहरिकीयहनाहीं १९ ॥ रागबिहगरो ॥ अबद्वारेतेटरतनश्याम। अबपरघरकीसौंहकरतहैंभूलि करौंनहिंऐसोकाम। अबतूमानतजैजनिउनसोंयहैकह नआईतुवधाम। अबसमझीऔरौसमझैबेहमजबकहैं करैंतबताम। अबमोकोयहजानिपरीहैकाहूकेनबसैंकहुँ याम। सूरदासदूतीकीबाणीसुनतिधरतिमनहीमनका म २० ॥ रागसूहो ॥ जा दूतीयहवचनकह्यो। तबजानी

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

हरिद्वारेठाढ़ेउरउमग्योरिसनहींरह्यो। काहेकोहरिद्वार
खरेहैंकिनराख्योकहिजीभिगरै। मौनगह्योमैंहीकहिआ
वतकाहेकोतूरिसनजरै। चतुरदूतिकाजानिलईतबआ
बबोलीगयोमानसबै। सूरश्यामपैआतुरआईकहति
आनकीआनफबै २१॥ सो० ॥ काहिमनाऊंलालनेकु
मरमनहिंपाइये। दीठनजोरतिलालसूधेमुखबोलतिन
हीं २२॥ रागकेदार ॥ ललनतुम्हारीप्यारीआजुमना
योनमानति। झिहरावतिजानिकाबैठीकियोजुइतरतुम
हीलैकोकियोगुनगानति। भरिभरिआँखियननीरलेति
पैढारतिनाहींअतिरिसकंपतिअधरफरककिकरिभृकुटीता
नति। सूरदासप्रभुरसिकशिरोमणिआपुहीचलियेतौ
हितोभलेमनावति २३॥ चौ० ॥ यहसुनिविरहभरेबन
वारी। मुरछिपरेधरसुरतिबिसारी २४ सखीउठायलये
अँकवारी। योंकतबिकलहोतबलिहारी २५॥ दो० ॥
धीरजदैघनश्यामकोदूतीगईउताल। जायकह्योप्यारी
निकटपरेश्यामबेहाल २६॥ रागरामकली ॥ श्यामहि
धीरजदैपुनिआई। बाणीयहैप्रकाशतिमुखसेब्याकुलब
डेकन्हाई। बारम्बारनयनदोउढारतपरेमदनजंजाल।
धरणिरहेमुरझायबिलोकेकहाकहौंबेहाल। बैठीआय
अनमनीहोकेबारबारपछिताना। सूरश्याममिलिकैसु
खदीजैजोतुमबड़ीसयानी २७॥ दो० ॥ मदनअथार
तिरसकथाहरिचितचिन्ततसाथ। प्रेमकलहयुतराधि
कोसखीकहतियहगाथ २८॥ गीतगोविन्दे। श्लोकः॥
स्निग्धेयत्परुषासियत्प्रणमातिस्तब्धासियद्रागिणि द्वेष

स्थासियदुन्मुखेविमुखतांजातस्यतस्मिन्प्रिये । तद्युक्त
म्विपरीतकारिणितवश्रीखंडचर्चाविषं। शीतांशुस्तपनो
हिमंहुतवहःक्रीडामुपेयातनः १ ॥ रागसारँग ॥ श्यामा
तूअतिश्यामहिभावै । बैठतउठताफिरतगोचारततेरिय
लीलागावैं । पीतैपीतबसनभूषणसाजिपीतधातअँग
लावैं । चन्द्राननिसुनिमोरचंद्रिकामाथेमुकुटबनावैं ।
अतिअनुरागसैनसंभ्रममिलिसंगपरमसुखपावैं । बिछु
रततोहिंकासिराधेकहिकुंजकुंजप्रतिधावैं । तेरोइचरित
लिखैंअरुनिरखैंबासरबिरहगँवावैं । सूरदासरसराशिर
सिकसोंअन्तरक्योंकरिआवैं२९॥ श्रीराधावाक्यसखीप्रति।
चौ०॥ तूकहँगईकहनकहआई । मैंजानतिहरितोहिंप
ठाई ३० मानतकौनकहीअबतेरी। जानतिहौंहरिचरि
तबड़ेरी ३१ ॥ दो० ॥ अबधौंकोतिनसोंमिलैजिन्हैंपरी
यहबान । उरमेंराखतआनकछुकहतकरतकछुआन३२
सो० ॥ हैंवेकपटनिधानबहुनायकपूरेगुणन । जिनकोकर
तबखानजिनबामनह्वैबलिछल्यो ३३ ॥ रागकान्हरो ॥ र
हिरीभामिनिमाननकीजै । यहयौबनअँगुरीकोजलहै
जोगोपालमांगैतौदीजै । क्षणक्षणघटतिबढ़तिनहिंरज
नीज्योंज्योंकलाचन्द्रकीछीजै । पूरणपुण्यसुकृतफलतेरो
काहेनरूपनयनभरिपीजै।सौंहकरतितेरेपांयनकीऐसेजि
यनिदशौदिनदीजै । सूरसुजीवनिसफलजगतकोबैरी
बांधिबिवशकरिलीजै ३४॥ रागसारँग ॥ राधेहरितेरो
नामउचारैं । तुम्हरेइगुणग्रंथितकरिमालारसनाकरसों
टारैं । लोचनमूंदिध्यानधरिदृढ़करिनेकनपलकउघारैं ।

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

अंगअंगप्रतिरूपमाधुरीउरतेनाहिंबिसारैं। ऐसोनेमतु म्हारोपियकेकहजियनिठुरतिहारैं। सूरश्याममनकामपु रावहुउठिचलिकहेहमारैं३५॥गीतगोविन्दे।रागमुलतानी॥ सुखदपवनपगधरिहरिमगमें। यातेअधिककौनसुखज गमें। हरिसोंजिनकरिमानिनिमानअरी। पाणिउरोज नतेफलताहिहि। क्योंनहिंकरतिबिफलफललालहि। कितकनबारकह्योमैंतोसों। तजिनहरीरिहसुनितैंमोसों। रोवतिकहाकरतिदुखइतनो। सखिजनहँसतिदेखितो हिंतितनो। इलनोदेतिखेदक्योंमनको। सुनिचलिहि लिमिलिहरिमोहनको। हरिसोंचलिकरिमधुरीबातैं। जिनसहिमनमनसिजकीघातैं। सजलनलिनदलशीत लशयनहिं। हरिहिबिलोकिसफलकरनयनहिं। श्रीज यदेवभणितयहलीला।होहुरसिकजनकोसुखशीला३६ सो०॥ हिलिमिलिकरहिकिलोलमैंतेरेहितकीकहत। लें हिश्यामकोबोलमैंतेरेहितकीकहति ३७॥ चौ० ॥ ऐसे जबदूतीसमभाई। तबबोलीतियकछुमुसक्याई ३८ बादहिबकतिआयमेरेघर। बेधतिहैऐसेवचननशर ३९ उतकीइतइतकीउतजाई। मिलवतभूंठीबातबनाई४० जोचहिहैंतोआपुहिऐहैं। सौंहकरैंअरुहाहाखैहैं ४१॥ दो०॥ जबप्यारीऐसेकह्योसखीलियोतबजानि। मान तनाहींलाड़िलीश्याममिलाऊंआनि ४२ ॥ सो०॥ क ह्योसखीमुसक्यायनहिंमानातिमेरोकह्यो। श्याममनावैं आयमैंजानीतबमानिहै ४३ ॥ चौ०॥ यहकहिगईश्या मपैआली। कहतिअजूसुनियेबनमाली ४४ ॥ रागदेव

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

गन्धार ॥ पियाप्रियनाहिंमनायोमाने । श्रीमुखवचनमधुरमृदुमादककठिनकुलिशसोंजाने । शोभितसहितसुगंधश्यामकचकलकपोलउरभाने । मानहुंबेधतग्रस्योकलानिधितजतनहींबिनुदाने । बालभावअनुसरतिभरतिदृगअग्रअश्रुकणआने । जनुखंजरीटयुगलजठरातुरलेतसुभगअकुलाने। नयननिकटताटंकगंडमंडलपरकविनबखाने । जनुखद्योतचमाकिचालिसकतननिशिगततिमिरहिराने । यहसुनिकैअकुलायचलेहरिकृतअपराधक्षमाने । सूरदासप्रभुमिलेपररूपरमानिनिमिलिमुसक्याने ४५ ॥ चौ० ॥ प्यारीदेखिपियहिमुसक्यानी । जियडरपेमोतेयहजानी ४६ अतिआनंदभयोमनमाहीं । चुपहीरहीकह्योकछुनाहीं ४७ ॥ दो० ॥ लखिप्यारीअतिरोषमयसिसकतलेतउसास । सखिसोंहैंलखिहरिकहतगद्गदसजलगिरास ४८ ॥ गीतगोविन्दे ॥ मानिनिमानमनायोमयाकरिमौनाहिछांड़िदेतापसहौं । मधुरेस्वरबोलअमोलउचारिकपोलहुसोंहैंहौंसोंहैंचहौं । मुरिबैठिकहामुखमोरिचितैमुसक्यानभरीदृगकोरनहौं । अतिदीनतालीनअधीनह्वै बीसती प्रीतिकीरीतिकीतोसोंकहौं ४९ ॥ दो० ॥ लहिइकन्तछुटिसकुचकछुसदनमुदितमुसक्यात । अरसौहींतियमोप्रियासोंहैंयोंबतरात ५० ॥ रागआसावरी ॥ नवदलकुसुमसेजपरप्यारीचरणकमलमृदुढारो । समताकरतअरुणसरसिजतिहिजीतिप्रीतिबिस्तारो । अबइहिक्षणहँसिबोलोप्यारीराधिके ॥ ध्रुव ॥ करोंकरनितुवचरणसेवरुचिनूपुरलोल

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

गिपाइन । दूरिहोयश्रमदुरागमनकोनेकुचितेहितभाइ
न । बदनसुधानिधिसुधाभरैज्योंमधुरेबोलउचारो । उ
रउरोजमेंअन्तरपारतबसनबीचतेटारो । परिरम्भनर
ससुखअभिलाषनमुदितभिलासअधीरो । मोमनमन
सिजदहमदाहकुचकलशनितेकरिसीरो । अधरसुधार
सपायजिवायपियेहौंतेरोचेरो । दहतदहनतनुअनलता
पकीशरणगह्योअबतेरो । दशनबसनमृदुखोलिबोलि
मुखरसनहँसनिध्वनिकीजै । मिलिपिकनिकरश्रवणदु
खदीन्होचिरलौंअबसुखदीजै । चितबिनुहेतरोषतेप्या
रीपायरह्योदुखभारो । सलजहँसोहीआंखिनहूलखिहँ
सिहितदेखिनिवारो । श्रीजयदेवभणितयहप्रतिपदबर
णितमोहनलीला । रसिकजननसुखदेहुचरितअतिर
तिरसभावनशीला ५१ ॥ श्लोकः आशीर्वाद ॥ मानिनी
मानविध्वंसदक्षोजयतिसांप्रतम् । मृदुवेणुसमुद्भूतश्री
मद्गोपालकध्वनिः १ ॥ रागसारँग ॥ चलीबनमौनमना
योमानि । अंचलओटपुहुपदिखरायोधरयोशीशपरपा
नि । शशितनचितैनयनदोउमूंदेमुखमहँअँगुरीआनि ।
यहतौचरितगुप्तकीबातेंमुसक्यानेजियजानि । रेखाती
निभूमिपरखांचीतृणतोरयोकरतानि । सूरदासप्रभुर
सिकशिरोमणिबिलसहुश्यामसुजानि ५२ ॥ दो० ॥ क
ह्योसैनदैभामिनीचलहुश्यामबनधाम । मैंहूंआवतिकुं
जबनपूरणकरिहौंकाम ५३ ॥ सो० ॥ सुनतचलेअतुराय
बंशीबटयमुनानिकट । कुसुमनिसेजबिछायनिरखतप्या
रीकेपथहि ५४ ॥ चौ० ॥ प्यारीमगनिरखतअविनाशी ।

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

विह्वलकामातुरसुखराशी ५५ ॥ रागनटनारायण ॥ दूती संगहरिकेरही। श्यामअतिआधीनह्वैकैजाहुतासोंकही। बेगिआनिमिलायमोकोपरमप्यारीनारि। देखिहरितनु कामव्याकुलचलीमनहिंबिचारि। गईतहँजहँकरतिरा धाअंगरशिंगार। सूरकेप्रभुनवलगिरिधरसंगजानिबि हार ५६ ॥ दो० ॥ केशरिसेतनघनतिमिरमणिगणभूष णधार। कनककसौटीरेखरचिअभिसरयहिअभिसार ५७॥ चौ० ॥ सहचरिकह्योकरतिकहप्यारी। तुवअवसेर बिकलगिरिधारी ५८॥गीतगोविन्दे।रागपूर्वी॥ बिरचितचा टुबचनरचनंचरणेरचितंप्रणिपातं। सम्प्रतिमंजुलवंजु लसीमनिकेलिशयनमनुपातं। मुग्धेमधुमथनमनुगत मनुसरराधिके॥ध्रु०॥घनजघनस्तनभारभरेदरमन्थरच रणबिहारं।मुखरितमणिमंजीरमुपैहिबिधेहिमरालबिका रं। शृणुरमणीयतरन्तरुणीजनमोहनमधुरिपुरावं। कु सुमशरासनशासनबन्दिनिपिकनिकरेभजभावं। अनि लतरलकिशलयनिकरेणकरेणलतानिकुरंबं। प्रेरणमि वकरभोरुकरोतिगतिंप्रतिमुंचबिलंबं। स्फुरितमनंगत रंगबशादिवसूचितहरिपरिरंभं। पिच्छमनोहरहाराबिम लजलधारममुंकुचकुम्भं। अधिगतमखिलसखीभिरि दन्तववपुरपिरतिरणसज्जं। चंडिरणितरसनारवडिमडि ममभिसरसरसमलज्जं। स्मरसरसुभगसुखेनसखीमव लंब्यकरेणसलीलं। चलवलयक्कणितैरवबोधयहरिम पिनिजगतिशीलं। श्रीजयदेवभणितमधुरीकृतहारमु दासितबामं। हरिबिनिहितमनसामधितिष्ठतुकण्ठतटी

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

मभिरामं ५९ ॥ श्लोकः ॥ सामांद्रक्ष्यतिवक्ष्यतिप्रियक
थांप्रत्यंगमालिंगनैः। प्रीतिंयास्यतिरंस्यतेसखिसमाग
त्येतिचिन्ताकुलः॥ सत्वांपश्यतिबेपतेपुलकयन्त्यानन्द
तिस्विद्यति। प्रत्युद्‌ गच्छतिमूर्च्छतिस्थिरतमःपुंजेनिकुं
जेप्रियः १ ॥ अष्टपदी। रागरामकली ॥ रतिसुखसारेग
तमभिसारेमदनमनोहरबेशं। नकुरुनितम्बिनिगमनबि
लम्बिनिमनुसरतंहृदयेशं। धीरसमीरेयमुनातीरेबसति
बनेबनमाली । गोपीपीनपयोधरमर्द्दनचंचलकरयुग
शाली॥ ध्रु० ॥ नामसमेतंकृतसंकेतंबादयतेमृदुबेणुं।
बहुमनुतेतनुतेतनुसंगंपवनचलितमपिरेणुं। पततिपत
त्रेबिचलितपत्रेशंकितभवदुपयानं। रचयतिशयनंस्व
चकितनयनंपश्यतितवपंथानं। मुखरमधीरंत्यजमञ्जी
रंरिपुमिवकेलिसुलोलं। चलसखिकुञ्जंसतिमिरपुंजं
शीलयनीलनिचोलं। उरसिमुरारेरुपहितहारेघनइवत
रलबलाके। तडिदिवपीतेरतिबिपरीतेराजसिसुकृतबि
पाके। बिगलितबसनंपरिहितरसनंघटयजघनमपिधा
नं। हरिरभिमानीरजनिरिदानीमियमपियातिबिरामं।
कुरुममवचनंसत्वररचनंपूरयमधुरिपुकामं। श्रीजयदेवे
कृतहरिसेवेभणितपरमरमनीयं। प्रमुदितहृदयंहरिम
पिसदयंनमतसुकृतकमनीयं ६० ॥ सो० ॥ चितैमधुर
मुसक्यातिसुनिदूतीकेवचनमृदु। प्यारीमनललचाति
हरिअधरामृतपियनको ६१ ॥ सूरसागरे। रागबिहगरो ॥
राधासखीदेखिहरषानी। आतुरश्यामपठाईयाकोअंतर
गतिकीजानी। वहशोभानिरखतअँगअँगकेरहीनिहारि

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

निहारी । चकितदेखिनागरीमुखको तुरतशृँगारबि
सारी । ताहिकह्योसुखदैचलिहरिको मैंआवतिहौंपा
छे । वैसहिफिरीसूरकेप्रभुपैजहांकुंजगृहआछे ६२ ॥
रागकेदारो ॥ दूतीदेखिआतुरश्याम । कुंजगृहतेनिकसि
धायेकामकीन्होताम । बोलिउठीरसालबाणीधन्यतुम
बड़भाग । अबहिंआवतिबनीबालाकियेमनअनुराग ।
कहाबरणौंअंगशोभानयनदेखौआज । सूरप्रभुनेकधरो
धीरजकरौंपूरणकाज ६३ ॥ रागनट ॥ राधासंगललिता
लिये । श्यामआतुरजानिबालागवनआतुरकिये । किं
किणीधुनिश्रवणसुनिहरिअतिहिपुलकितहिये । नारि
आवतजानिगिरिधरनहींधीरजजिये । चलेआतुरधाय
आगेसंगसहचरिबिये । सूरप्रभुरतिरंगराचेदेखिरीझी
त्रिये ६४ ॥ रागबिलावल ॥ पियछबिनिरखतनागरीतनु
दशाभुलानी । अन्तरगतआनँदभरीललिताहरषानी ।
सहचरिसोंकहिसुमनलैहरिफेंटभराये । अतिअधीनपि
यह्वैगयेबशपरेपराये । मारगसुमनबिछावहींपगानिरखि
निहारें । फूलेफूलेधरधरेंकलियांचुनिडारें । ऐसेबशपि
यबामकेसुखसूरजजानें । जोजेहिभावनिहरिभजेंतेहितें
सेमानें ६५ ॥ रागरामकली ॥ बरणबरणबनफूलिरह्यो ।
हर्षितह्वैवृषभानुनन्दनीसँगसबसखिनकह्यो । कुसुमक
लीदेखतरुचिउपजीयहकहितिनहिंसुनावति । आपुन
चुनतिगोदलैधारतियुवतिनकहतिचुनावति । हँसतिप
रस्परदैदैतारीश्यामलियेकरबाहीं । सूरदासप्रभुकाम
आतुरेऔरध्यानउरनाहीं ६६ ॥ पुनः ॥ डोलतिबांकीकुं

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

जगली। ब्रजबनितामृगशावकनयनीबीनतिकुसुमकली। कमलबदनपरबिथुरिरहीलटकुंचितमनहुंअली। अधर बिम्बनासिकामनोहरदामिनिदशनछली। नाभिपरस लोंसरसरोमावलिकुचयुगबीचचली। मनहुंबिबरतेउर गरिंग्योतकिगिरिकैसंधिथली। पृथुनितम्बकटिक्षीण हंसगतिजघनसघनकदली। सूरसुमोहनलालरसिक सँगबनघनमांझरली ६७॥ रागकल्यान॥ लैगईधामब नश्यामप्यारी। रहेलपटायदोउभुजनिपलटायकैकह्यो पियवचनहौनिठुरनारी। बिहँसिवृषभानुतनयाकहति हमनिठुरतुमसुहृदबातवेजनिचलायो। निठुरअरुसुहृद सोमनहिमनजानिहैंकहावहकथाकीसुरतिधायो। पररूप रहँसेदोउरसेरतिरंगमेंकरतमनकामफलपुरुषनारी। सूरप्रभुकोकगुणमेंनिपुणहैंबडेकामबलतोरिरसरह्योभारी ६८॥ पुनः॥ सुतादधिपतिसोंक्रोधभरी। अम्बरलेसभईखिझिबोलहिंसारँगरंगलरी। तबश्रीपतिइकबुद्धिबिचारीमणिलैहाथधरी। वेअतिचतुरनागरीनागर लैमुखमांझकरी। चापतचरणशेषचलिआयोउदयाचलहिंडरी। सूरदासस्वामीलीलाउरअंकलागिउबरी६९ रागरामकली॥ सकुचितनुउदधिसुतामुसक्यानी। रविसारथीसहोदरतापतिअम्बरलेतलजानी। सारँगपाणि मूंदिमृगनयनीमणिमुखमांझसमानी। चरणचापिमहि प्रकटकरीपियशेषशीशसहुदानी। सूरदासतबकहाकरै अबलाजबयहमतिठानी। कुचअंकमभरिचापिकठिन उरश्यामकंठलपटानी ७०॥ गीतगोविन्दे। रागसारँग॥

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

राधावदनविलोकनविकसितविविधविकारविभंगं । जलनिधिमिवविधुमण्डलदर्शनतरलिततुंगतरंगं । हरिमेकरसञ्चिरमभिलषितविलासं । सादर्दर्शगुरुहर्षवशंवदवदनमनंगाविकासं ॥ ध्रु० ॥ हारममलतरतारमुरसिदधतंपरिलंबितदूरं । स्फुटतरफेनकदम्बकरंवितमिवयमुनाजलपूरं । श्यामलमृदुलकलेवरमण्डलमधिगतगौरदुकूलं । नीलनलिनमिवपीतपरागपटलभरबल्लयितमूलं । तरलदृगंचलचलनमनोहरवदनजनितरतिरागं । स्फुटकमलोदरखेलितखंजनयुगमिवशरदितडागं । वदनकमलपरिशीलनमिलितमिहिरसमकुंडलशोभं । स्मितरुचिकुसुमसमुल्लसिताधरपल्लवकृतरतिलोभं । शशिकिरणच्छुरितोदरजलधरसुन्दरसकुसुमकेशं । तिमिरोदयविधुमण्डलनिर्मलमलयजतिलकनिवेशं । विपुलपुलकभरदन्तुरितंरतिकेलिकलाभिरधीरं।मणिगणकिरणसमूहसमुज्ज्वलभूषणसुभगशरीरं । श्रीजयदेवभणितविभवद्विगुणीकृतभूषणभारं । प्रणमतहृदिविनिधायहरिंसुचिरंसुकृतोदयसारं ७१ ॥ चौ० ॥ दम्पतिरससुखसम्पतिभरे । बिबिधबिलासरासरसकरे ७२ बिरहअग्नितेजतनुतये । तेसबसुखसोंशीतलभये ७३ ॥ पुनःश्लोके ॥ तिर्यक्कंठविलोलमौलितरलोत्तंसस्यवंशोच्चरत्स्फीतिस्थानकृतावधानललनालक्षेणसंलक्षिताः । प्रेम्णाकंदलितःसुमुग्धमधुरेराधामुखेंदौसुधासारेवोमधुसूदनस्यददतुक्षेमंकटाक्षोर्मयः १ अष्टपदी ता० ३ । रागमहागरी ॥ संचरदधरसुधामधुरध्व

निमुखरितमोहनवंशं । चलितदृगंचलचंचलमौलिक
पोलविलोलवतंसं । रासेहरिमिहविहितविलासं । स्म
रतिमनोममकृतपरिहासं ॥ ध्रु० ॥ चन्द्रकचारुमयूरशि
खंडकमण्डलवलयितकेशं । प्रचुरपुरन्दरधनुरनुरंजित
मेदुरमुदिरसुवेशं । गोपकदम्बनितम्बवतीमुखचुम्बन
लम्भितलोभं । बन्धुजीवमधुराधरपल्लवमुल्लसित
स्मितशोभं । विपुलपुलकभुजपल्लववलयितवल्लवयु
वतिसहस्रं । करचरणोरसिमणिगणभूषणकिरणविभि
न्नतमिस्रं । जलदपटलचलदिन्दुविनिन्दकचन्दनवि
न्दुललाटं । पीनपयोधरपरिसरमर्द्दननिर्द्दयहृदयकपाटं।
मणिमयमकरमनोहरकुंडलमंडितगंडमुदारं । पीतवस
नमनुगतमुनिमनुजसुरासुरवरपरिवारं । विशदकदम्ब
तलेमिलितंकलिकलुषभयंशमयन्तं । मामपिकिमपित
रंगदनंगदृशामनसारमयन्तं । श्रीजयदेवभणितमति
सुन्दरमोहनमधुरिपुरूपं । हरिचरणस्मरणंप्रतिसम्प्र
तिपुण्यवतामनुरूपं ७४ ॥ चौ० ॥ योंराधाहरिबनिकब
ने । छबिशोभारँगरसमेंसने ७५ सदाबसौइबिसोंमन
मेरे । देहुदृगनसुखसांझसबेरे ७६ ॥ पुनःश्लोके । गीत
गोविन्दे ॥ यद्गन्धर्व्वकलासुकौशलमनुध्यानंचयद्वैष्णण
वं यच्छृंगारविवेकतत्त्वमपियत्काव्येषुलीलायुतं । तत्स
र्वंजयदेवपंडितकवेःकृष्णैकतानात्मनः सानन्दाःपरिशो
धयंतुसुधियःश्रीगीतगोविन्दतः १ ॥ दो० ॥ ज्ञानकुशल
हरिध्यानयुतरसपतिबिनयसुभाय । श्रीजयदेवभणित
भजोगीतगोबिन्दसहाय ७७ ॥ सूरसागरे । रागललित ॥

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

ऐसेहिसुखसबरैंनिबिहानी। भोरभयेब्रजधामचलेदोउ मनमननारिसिहानी। प्यारीगईवृषभानुपुरातनश्याम जातनँदधाम। प्रमदामहलद्वारहीठाढ़ीउनिदेखीवहबा म। प्रातचलेबनतेंब्रजआयेमनमनकरतबिचार। सुन हुसूरसकुचतठठुकतताग्रहगयेनन्दकुमार ७८ ॥ खंडि तावचन। चौ० ॥ चकितबालजबश्यामनिहारे। कहति लालयहख्यालतुम्हारे ७९ कहांहुतेगमनेकितमाहीं। कबहूंदरशदेतहौंनाहीं ८० रहतकहांहौसदालुभाने। आइपरेइतकहांभुलाने ८१ अंगअंगशोभाकेसागर। धनिधनिबसेजहांरतिनागर ८२ ॥ दो० ॥ बिहँसिचले कहिश्यामतबतरककरीतुमबात। समझीसबहमआय हैंआजतुम्हारेरात ८३ ॥ सो० ॥ सुनिहरषीयहबातपु लकगातआनन्दउर। ऐहैंआजुमुरारिसांझपरेमेरेसद न ८४ ॥ चौ० ॥ प्रातहिंतेमनहरषबढ़ायो। नवसतसा जिशृँगारबनायो ८५ ॥ रागकल्यान ॥ अँगशृँगारसुंद रीबनावै। मिलौंगीश्यामनिजुधामकरिआजुहीरैनिबि लसौंकाममनमनावै। सरससुमनाजालशीशकरसोंकर तिसोमंतलैअलकपुनिपुनिसवाँरै। मांगसूधीपारिनिर खिदरपनरहतिगंथिकबरीछांहपाटीनिहारै। कमलखंज नमृगजमीनलोचनजीतिसारँगसुतलेतितहांआंजै। हा रउरधरतिनखशिखहुंभूषणभरतिसूरप्रभुमिलनहितना रिराजै ८६ ॥ रागधनाश्री ॥ बिधुबदनीमुखकमलनिहारै। सुमनासुतलैकमलनिमज्जतिधनपतिधामकोनामसँवा रै। तरणितातबनितासुतताछबिकमलनिरचिरावियंथि

तचारै। कमलकमलपररेखबनावतिसारँगरिपुपाहनग
तिढारै। उरहारावलिमेलतिकमलनिमनहुंइन्दुपारस
ढिगपारै। सूरश्यामकेनामहिंजीतनकमलापतिकेपदहिं
बिचारै ८७॥ रागआसावरी ॥ अंगशृंगाररसँवारिसुंदरी
सेजरचतिहरिआवैंगे। सुमनसुगन्धरचतितापरलैनि
रखिआपुसुखपावैंगे। चन्दनअगरकुंकुमामिश्रितश्रम
तेअंगचढ़ावैंगे। मैंमनसाधकरौंगीसँगमिलिवेमनकाम
पुरावैंगे। रतिसुखअन्तभरौंगीआलसअंकमभरिउर
लावैंगे। रसभीतरमैंमानकरौंगीवेगहिचरणमनावैंगे।
आतुरजबदेखौंपियनैनानिवचनरचनसमभावैंगे। सूर
श्यामयुवतीमनमोहनमेरेमनहिंचुरावैंगे ८८॥ चौ० ॥
बहुनायकनँदसुवनकन्हाई। गयेअनतवाकोबिसराई
८९॥ दो० ॥ कुमुदाकेघरहरिरहेबढ़ेउअधिकउरहे
त। भीजेदोऊप्रेमरसअरसपरससुखलेत ९०॥
सो० ॥ मुदितश्यामसंगबामक्षणसमबीततयामतेहि।
याकोयुगसमयामबीततनभतारेगनत ९१॥ रागबिला
वल ॥ श्यामगयेवृन्दाकेधाम। कामाकेगृहनिशिबसेपुर
योमनकाम। सांझगयेकहिआयहैंबहुनायकनाम। सेज
सवांरतिआशलैऐसेहिगैयाम। अरुणउदयद्वारेखड़ेदेख
तभयताम। रिसानिरहीभुहरायकैमनहींमनबाम। चि
न्हऔरअंगनारिकेबिनगुणउरदाम। सूरदासप्रभुगुण
भरेआलसतनभाम ९२॥ रागकेदारो ॥ रहेहरिरैनिकु
मुदागेह। परस्परदोउप्रेमभीजेचढ़योअतिहिसनेह।
एकछिनइकयामबितवतिकामरसबशगात। ताहिबीत

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

तयामयुगसमगनतताराजात। उनहिंवैसेयाहिऐसेरज
निगईभयोभोर। सूरमोसोंकरिचतुरईगयेनन्दकिशोर
९३॥ चौ०॥ मनहींमनयुवतीपछितानी। मोसोंश्याम
कुटिलईठानी ९४ गयोमदनदुखबदनभुराई। रहीबै
ठिसदनहिंमुरझाई ९५ आईतहांसहजयकआली।
देखीबिरहबिकलतनुग्वाली ९६ लोचनजलजभरेज
लढारै। मनमारेमहिनखनबिदारै ९७ बूझनलगीनिक
टसोजाई। कहाभयोतोकोरीमाई ९८॥ रागबिलावल॥
आजुबिनुआनँदकोमुखतेरो। कहांरहीमनमारिभोर
हीअतिब्याकुलमनमेरो। मोसोंगोयकैरजनिसुन्दरि
नहिंपावतिवहभाव। सुनौबातकैसीउपजीहैकछुजनिक
रैदुराव। तबमधुरीबानीसोंबोलीकहाकहौंरीतोहि। ते
रेश्यामभलेगुणनागरकपटीकुटिलकठोहि। निशिबासि
बेकीअवधिबदीमोहिंसांझगयेकहिआवन। सूरश्याम
अनतहिकहुँलुब्धेनयनभयेदोउसावन ९९॥ दो०॥
ऐसेगुणहरिकेसखीनिपटकपटकीखान। अबउनसोंमो
सोंकहाबनेलियेपहिचान १२००॥ सो०॥ तोहिंमिलैं
जोआजमेरीसोंकहियोउन्हें। गयोकछूजियलाजबचन
नकेसांचेबड़े १॥ चौ०॥ उन्हेंगईमैंकछूबुलावन। आ
पुहिअजिरगयेकरिपावन २ कह्योधाममेरेनिशिआवन
आपनश्रीमुखबचनसुहावन ३ रैनिजागिमैंसेजसवां
री। तातेजरतिरिसहिकीमारी ४ इतनीकहतद्वारहरि
आये। ग्वालिनभीतरतलखिपाये ५ देखतहीरिसमेंझ
हरानी। कहीसुनायश्यामकोबानी ६ धन्यधन्ययहघ

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

रीबिधाता। आयेमेरेजोसुखदाता७॥ दो० ॥ ऐसेकहि
चुपह्वैरहीमुरिबैठीरिसगात। मधुरेबचननसोंकहतिनि
कटसखीसोंबात ८॥ सो० ॥ आयेहेंकरिगौनचतुरना
रिसँगनिशिजगे। इनसोंमिलिहैंकौनफिरतिकहाकोऊ
बही ९॥ चौ० ॥ कृपाकरहिंअबइताहिंनआवें। उतही
जायँजहांसुखपावें १०॥ रागसूहो ॥ श्यामसैनदैसखी
बुलाई। यहकहिचलीजायगृहअपनेतूतौमानकियोरी
माई। अन्तरजायभयेहरिठाढ़ेसखीसहजनिकसींतहँ
जाई। मुखनिरखतदोउहँसेपरस्परभवनजाहुमेंलेउँमना
ई। अंगदिखायगईहँसिप्यारीसुरतचीन्हनीकीसुघराई।
सूरजप्रभुगुणपल्लेरहेकोजानिबूझिकीन्हींरिसहाई ११॥
दो० ॥ रसिकनकेमणिजालमणिविद्यागुणमणिराय।
आपनहूँतहँतेगयेतिनकोदरशदिखाय १२ ॥ सो० ॥
रहीअकेलीबामफिरिकेचितयोद्वारतन। तहांनदेखेश्या
मअधिकशोचमनमेंभयो १३ ॥ चौ० ॥ तबजानीफि
रिगयोकन्हाई। रहीतियामनमेंसकुचाई १४ श्यामग
येनिश्चयजबजानी। न्हानचलीतबयमुनापानी १५
पहुँचीयमुनातुरतनहाई। चलीबहुरिघरकोअतुराई
१६ भयेश्याममारगमेंठाढ़े। पांचबरसकेह्वैछबिबाढ़े
१७॥ रागविलावल ॥ पांचबरसकेलालह्वैत्रियमोहनआ
ये। नागरिआगेह्वैगईतबबोलिसुनाये। कहोकहांरीजा
तिहैकाकीतूनारी। मोहिंपठाईश्यामलेनजाकीतूप्यारी।
यहसुनिनारिचाकितभईआपुनतहँआये। तबकरसोंक
रगहिलियोदेखतमनभाये। अगमचरितप्रभुसूरकेते

लखैनकोई । श्यामनामश्रवणनिपरयोहरषीमुखजोई
१८ ॥ चौ० ॥ करगहिलियोचलीहरषाई । गोपकुमार
जानिगृहलाई १९ अतिआनन्दभयोमनबालहि ।
अन्ताहिपुरलैगईगुपालहि २० तहांचरित्रकियोनँदला
ला। भयेतरुणसुन्दरततकाला २१ भुजगहिलईहर
षिउरलाई। चकितभईनागरिसकुचाई २२ छांड़िदेहु
मनमुदितकहतितिय । ऐसेचरितकहतिधनिधनिपिय
२३ ऐसेहरिभामिनीमनाई । सुखदैसदनगयेसुखदाई
२४ ॥ रागगोंडमलार ॥ श्यामडरबामनिजधामआये ।
उतहिप्रमुदाधामसखीसहजाहिगई अंगकेचिह्नकछुऔ
रपाये । देहिहरषीनारिसकुचदीन्हीडारिआतिहिआनं
दभरीश्यामरंगी । सखीबूझतिताहिहँसतितामुखचा
हिश्यामकोमिलीरीभईचंगी । कहनलागीकहाकहतितू
आजमोहिंनाहिंनाहींकरतिदुरतकैसे । मिलेप्रभुसूरतो
हिंजानियहचतुरईनहींतूकरतिनहिंलखतजैसे २५ ॥
रागबिलावल ॥ प्रमुदाअतिहर्षितभईसुनिबातसखीके ।
रोमरोमपुलकितभईउपजीरुचिहीके । कहतिअबहिंह्यां
तेगयेनँदसुवनकन्हाई । चरितकहाउनकेकहौंमुखकह्यो
नजाई । सांझगयेकहिआयहैंमोसोंरीआली । अनत
बिरमिकतहूंरहेबहुनायकख्याली । रैनिरहीमैंजागिकै
भोरहिंउठिआये । मानुकियोरिसपायकैपलमाहिंछिड़ा
ये । अगणितगुणप्रभुसूरकेकहितोहिंसुनाऊं । अबहिं
चरितकरिकेगयेतेईगुणगाऊं २६ आजसखीयमुनाम
गमोहनमोहिंछन्दीछैंदलाई । कोतूआहिकौनकीबनि

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

ताबातएकसुनिपाई । बिहँसिकह्योमोहिंश्यामपठाईसु
नतबिरहगतिभूली । रतिजलजलजहियोहुलस्योमन
पुलकपांखुरीफूली । जानिकुमारगह्योकरसोंकरल्याऊं
भवनबुलाई। नैनमूंदिअंचलगहिडारयोमैंमाधवमिलि
आई । छैलछबोउरबदनबिलोकयोसकुचिरहीमुसक्या
ई। छांड़हुसूरश्यामयहतुम्हरीआवनजानिनजाई २७॥
चौ० ॥ यहचरित्रकरिगयेनँदलाला । परमाबिचित्रश्या
मकेख्याला २८ ॥ दो० ॥ ब्रजबासीप्रभुकीकथाअति
बिचित्रसुखखानि । कहतसुनतगावतगुनतहरषतसंत
सुजान २९ ॥ सो० ॥ ब्रजनायकघनश्यामनटनागरगु
णआगरे।ब्रजबासीसुखधामगोपीपतिनँदलाड़िले ३०
गुरुमानलीला। रागबिलावल ॥ सखियनिसँगलैराधिका
निकसीब्रजखोरी।चलीयमुनअस्नानकोप्रातहिउठिगो
री । नन्दसुवनजागृहबसेतेहिबोलनआई । जायभई
द्वारेखड़ीतबकढ़ेकन्हाई।औचकभेंटभईतहांचकितभये
दोऊ। येइततेवेउतहिंतेनाहिंजानतकोऊ । फिरिसदन
कोनागरीसखिनिरखतिठाढ़ी । स्नानदानकीसुधिनहीं
अतिरिसतनुबाढ़ी । श्यामरहेमुरझायकेठगमूरीखाई ।
ठाढ़ेजहँकेतहँरहेसखियनिसमझाई । इतनेहीकेकैगये
गहिबांहलेआई। सूरजप्रभुकोलैतहांराधादिखराई३१
चौ० ॥ देखिश्यामआयेजहँराधा । बैठीमानदृढ़ायअ
गाधा ३२ रिसहीकेरसमगनकिशोरी । भईश्याममति
देखतभोरी ३३ ठाढ़ेचकितचित्तअकुलाहीं । मुखतेव
चनकहेनहिंजाहीं ३४॥ दो०॥व्याकुललखिनँदलाल
CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

कोसखियनकियोबिचार। अबदोऊजैसेमिलैंकरियेसो उपचार ३५ ॥ सो० ॥ अतिरिसनारिअचेतकोसुनिहै कासोंकहैं। इतयेधरतनचेतपरीरुठावनबानइन ३६ ॥ चौ० ॥ प्यारीनिकटगईसबआली। ठाढ़ेपौरिरहेबनमाली ३७ कहतिमानकीन्होंतैंप्यारी। न्हानजानतेफिरी कहांरी ३८ तोहिंलखतहींरीगिरिधारी। अतिहिडरेत नुसुरतिबिसारी ३९ मुरछिपरेधरणीअकुलाई। तरुत मालजनुगयोभुराई ४० ॥ रागनट ॥ तेरोनयनाकिधौं रीबान। यामारेज्योंमुरछिपरेधरक्योंकरिराखैंप्रान। ख गपरकमलकमलपरकदलीकदलीपरहरिठान। हरिपर सरसरवरपरकलशाकलशापरशशिभान। शशिपरबि म्बकोकिलाताबिचकीरकरतअनुमान। बिचबिचदा मिनिद्युतिउपजतिहैमधुपयूथअसमान। तूनागरिसब गुणनिउजागरिपूरणकलानिधान। सूरश्यामतोदरशन कारणव्याकुलपरेअजान ४१ ॥ रागकान्हरो ॥ नाहींहै रीअतिहठनीको। मोसोंकह्योसुनहुब्रजसुन्दरिमानिम नायोनागरपीको। सोइअतिरूपसुलक्षणिनारीरीझै जाहिभावतोजीको। प्यासेप्राणजायँजोजलबिनुपुनि कहकीजैसिंधुअमीको। तौंजोमानुतजहुगीभामिनिर विकीरश्मिकामफलफीको। कीजैकहासमयबिनुसुन्दरि भोजनपीछेअचमनघीको। सूरस्वरूपगरजयौवनके जानतिहौअपनेशिरटीको। जाकेउदयअनेकप्रकाशतश शिहिकहाडरकमलकलीको ४२ यहऋतुरूसिबेकीना हीं। बरसतमेघमेदिनीकेहितप्रीतमहरषिमिलाहीं। जे

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

तमालग्रीषमऋतुदाहीतेतरुवरलपटाहीं । जेजलबिन सरितापयपूरणमिलनसमुद्रहिजाहीं । यौवनधनहैद्यो सचारिकोसमुभ्कचतुरिमनमाहीं । सूरसुनतउठिचलहु राधिकादैदूतीकहैबाहीं ४३ ॥ चौ० ॥ बांहगहौहरिकों लैश्रावैं। अबवेनिजअपराधक्षमावें ४४ ॥ प्यारीवचन सखीप्रति॥ गहतिबांहतुमहींकिनजाई । मोसोंबांहगहा वनआई ४५ कालिहिहिसौंहमोहिंउनदीन्ही । आजहि पुनिकरणीयहकीन्ही४६ ॥ दो० ॥ देखिचुकीउनकेगुण ननिजनयननसुखपाय । तिन्हैंमिलावतिआयअबबांह गहावतिआय ४७॥ सो० ॥ मिलौंनतिनसोंभूलिअब जौलौंजीवनजिऊं । सहौंबिरहकीशूलबरताकीज्वाला जरूं ४८ ॥ चौ० ॥ मैंअबअपनेमनयहठानी । उनके पंथनपीऊंपानी ४९ ॥ रागमलार ॥ जौलौंमाईहौंजीव नभरिजीऊं । तबलगिमदनगोपाललालकेपंथनपा नीपीऊं । करौंनअंजनधरौंनमरकतमृगमदतननलगा ऊं। हस्तबलयकटिनापटुमेचककंठनपोतबनाऊं । सु नौंनश्रवणनिआलिपिकबाणीनैननवघनदेखौं। नील कमलकरधरौंनकबहूंसूरश्यामसमलेखौं ५० ॥ चौ० ॥ सखीकहतियोंहठनाहिंकीजै।हरिसोंऐसोमाननकीजै५१ रागसोरठ ॥ राधेहारिरिपुक्योंनछिपावति। मेरुसुतापति पतिताकेसुतताकोक्योंनमनावति । हरिबाहनताबाहन उपमासोतैंधरेदृढ़ावति । नवअरुसातबीसतोहिंसोहत काहेगहरुलगावति । सारँगवचनकह्योकरिहरिकोसारँ गवचननभाषति । सूरदासप्रभुदरशबिनातुवलोचन

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

नीरबहावति ५२ ॥ रागबिलावल ॥ यहितेरेवृन्दाबन
बाग। सुनुराधिकाकदम्बबिटपकीशाखाएकअमीफल
लाग। श्यामअरुणकछुअधिकपीतछबिबरणिजायन
हिंअंगविभाग। अतिसुपक्कमुरलीकेपररसतचुइचुइपर
तउमगिरसराग। ब्रजबनिताबरबारिकनकमयरोंकेरह
तसुधासुरनाग। तुवप्रतापल्लुइसकतनसुन्दरिशुकमुनि
मरकटकोकिलकाग। मैंमालिनियतननिजलजुगयों
सींचतसुहथपरेकरदाग। सूरसुश्रमउठिभेंटिपररूपरहि
यपियूषपायेबड़भाग ५३॥ रागबिलावल ॥ जलसुतप्री
तमसुतरिपुबंधवआयुधअनलबिलासुभयोरी। मेरुसु
तापतिबसतुहैमाथेकोटिप्रकाशसरसायगयोरी। मारुत
सुतपतिअरिपुरबासीपितुबाहनभोजननसुहाई। हरसु
तबाहनअशनसनेहीमानहुअनलदेहहौलाई। उदधि
सुतापतिताकरबाहनताबाहनकैसेसमुभावे। सूरश्याम
लिलिधर्मसुवनारिपुताऔतारहिंसलिलबहावे ५४॥
चौ० ॥ बहुनायकवेतनहिंजानै। तिनसोंकहाइतोदुख
मानै ५५ कहतहुतीरूसौंनहिंकबहीं। सोअबरूसतहै
जबतबहीं ५६ ॥ रागबिलावल ॥ बेगचलौवृषभानुन
न्दनी बोलतनन्दकुमार। तुमबिनपलक्षणकलनपरत
हैभोजनसुखब्योहार। सिंधुसुतासुततारिपुगमनीसुनु
मेरीतूबात। कामपिताबाहनभखकोतनक्योंनधरतनि
जगात। अलिबाहनपतिबाहनरिपुकीतपतबढ़ीतनभा
री। शैलसुतासुततासुतअँगनासोतेतवैबिसारी। भृंग
यूथचतुराननतनयाब्रह्मनादसुरसंगा। जलसुतबाहन

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

सोजनुधारतविषमलगतविषअंगा । चतुराननसुतता सुतवासुतउदितहोनअबआयो । मन्मथमाततातसुत अथयोसोतोवृथागँवायो। पंकजउरपंकजजिनकेरेतेरो अटलसुहाग। सुरपतिबाहनतासुतशिरपरमांगभरोअ नुराग । कमलपुत्रतासुतकरराजतसोहरिनिजकरली न्हे । सप्तसुरनउपजायबजावतरटनराधिकाकीन्हे । सु तप्रह्लादतासुसुततापितुभ्रातावृथागँवायो । संज्ञासुत बपुसदृशबसनतनसोतनलागतछायो। सारँगऊपरसा रँगराजितसारँगशब्दसुनावें । सारँगदेखसुनेमृगनय नीसारँगसुखदरशावें।सारँगरिपुकीबदनओटदेकरबैठी हैमौन । ब्रह्मसुतासारँगकेधोखेकरतसकलब्रजमौन। सारँगसुतादेखसारँगकोतेरोअटलसुहाग । सारँगपति तापतिताबाहनकीरतरटअनुराग। दधिसुतबाहनसुभ गनासिकादधिसुतबाहनदेख्यो । दधिसुतबाहनवचन सुनततुवअंगअंगअवरेख्यो । शशिकोभ्रातकहतता बाहनकुन्दकुसुमललचात । खंजनसदृशदेखितुवआँ खियातनमनमेंअकुलात । मारुतसुरपतिरिपुतापतनी तासुतबाहनबात । श्रवणसुनतअकुलातसांवरोकछुक कहीनहिंजात। चतुराननसुतवासुतपत्नीतासुतकोजो दास । तासुतबाहनपुत्रअंगधरिजलसुतकरोप्रकास। श्रीबलदेवरासजोकाहियेतामेंभानुमिलाय । ताकीसुता कहतचतुराननिगमसदागुणगाय । सिंधुसुतातुवभा ग्यबिलोकतमनमेंरहीलजाय। कामापितामातागुरुताब पुयुवतिकोटिदरशाय। सातोंरासमेलद्वादशमेंऐसेबीत

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

तयाम।द्वितियरासमेंमिलतसप्तमीसोजानतनिजधाम। शैलसुताधारितारिपुबांधतअंगअंगपियआज। कोटिय तनकरसींचततोऊमिटतनहींब्रजराज। बायसअजाश ब्दमनमोहनरटतरहतदिनरैन। तारापतिकेरिपुपरठा ढ़ेदेखतहैंहरिनैन। गंगासुतरिपुरिपुसिखमेरीसुनततनहीं सखिकाह। नारायणसुततासुततासुतलगतबिषमबिष ताह। जलसुतबाहनदेखबदनतुवब्रह्मसुताअकुलानी। मंगलमातताासुपतिबाहनराजतसदृशभुलानी। दक्षप्र जापतिकीतनयापतितासुतनारिगई। सिंधुसुतासुतबा हनकीगतिदेखतबिषमभई। अगिनतातेतेंहितातअंग नात्योंउनमेंतूराखी। बन्धुकुसुमद्रुमतारिपुकोपतिसारँग रिपुकरिभाखी। पतिपाताललगनतनधारनसोसुखभु जाबिचारी। प्रथममथतजलनिधिजोप्रगटयोसोलाग तसबनारी। बन्धुकुमुदपतिपितासुताजोतुवयशमधुरे गावै। ब्रह्मसुतासुतपदरजपरसतसारँगसुतादेखावै। इन्दुसुतापतिभुजालगनलखिजलसुतहृदयलगावै। इ न्द्रसुतातनयापतिकोसुतताकेगुणैनपावै। धरतकमल मेंकमलकमलकरमधुरवचनउच्चार। कमलाबाहनगह तकमलसोंकमलनकरतविचार। कालिन्द्रीपतिनैनता सुसुतलागतहैंसबलोग। इन्द्रमाततेहितातसोसरधत प्रगटदेखियतभोग। अम्बुजमाततातपतितारिपुताप तिकामबिगारै। तातेसुनुवृषभानुनन्दनीमेरोवचनबि चारै। तीसभानद्वैमाससकलऋतुसिन्धुसुतासनजान। भूषणअंगलसतगुंजावलिऔरनकछूसमान। अबतूबे

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

गविचारवचनसमसुनुवृषभानुकुमारि। सूरश्यामकोवेग मिलहुचलिसुनमेरीमनुहारि ५७॥ इतिदृष्टिकूटः। चौ०॥ तजिअभिमानमिलहुप्रियप्यारी। मानुराधिकाकहींह मारी ५८ ॥ रागबिहगरो॥ शर्वरीशबिहानीतोहिंमनाव तराधारानी। शुक्रउदयहोनलग्योजागेतमचुरढरिआ ईमृगानी। प्रफुलितकमलगुंजारकरतअलिपीरीपहु फाटीकुमुदिनिकुम्हिलानी। सूरश्यामबनमुरछिपरेहैं मानिनिवारोमोपैक्योंभुहरानी ५९ ॥ पुनः ॥ श्यामा प्यारीबोलनलागेतमचुरघटिगईरजनी। अरीवेमनमो हनब्रजनायकठाढ़ेसजनी। ठाढ़ेहैंहरिकुंजद्वारेललितवे णुबजाय। श्रवणसुनतिकैसेरहतिकैसेतोहिंगेहसुहाय। तुमकुँवरिवृषभानुकीकछुभेहप्रीतिनजानहू। कहिपठा ईतोहिंहरिकाहेनहींचितआनहू। नन्दनन्दनकह्योऐ सेह्यांसुन्दरीआइहो। औरनाहिंकछुकाजबनमेंनेकमधु रसुरगाइहो।सूरप्रभुहिंविचारिमनमेंप्रीतिसोंउरलाइये। यहपुनिपुनिमैंकहतिराधिकामनबाञ्छितफलपाइये६०। चौ० ॥ तुमवेएकनदोयपियारी।जलतेतरँगहोयनाहिंन्या री ६१ ॥ श्यामावचन ललिताप्रति ॥ सुनतकह्योप्यारी अनखाई। काहेकोतुमकरतिबड़ाई ६२ चुपनरहति कहकरतिमनावन। तुमआईहौबातबनावन६३बहुतस हीघरआईयातें। सुरतिदिवावतिपिछलीबातैं६४मोसों बातकहतहौकाकी।जाहुघरनअबकछुहैबाकी६५कोउन कीनहिंबातचलावत।हैंवेअबतुमहींकोभावत६६ तुमपु नीतअरुवेअतिपावन। आईहौसबमोहिंमनावन ६७

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

राग गौंडमलार ॥ गह्योदृढ़मानवृषभानबारी । डुलैब रुस्वर्गसुरपतिसहितसुरनिहूं डुलैकंचनमेरूपहिनिहा री । रैनिरबिउदयबासरचंदहोयबरुडुलैंसबनखतयह होयभाखै । धरणिपलटैसिंधुमरयादकोतजैशेषशिर डुलैनाहिंमाननाखै । बांझसुतजनैउकठेकाठपल्लवै बिफलफलफलैबिनमेघपानी । सूरयहसुनहुँबरुअचल सबचलिसकैंमाननहिंटरैयहकहतिबानी ६८ ॥ चौ० ॥ यहकहिरहीरोषभरिभारी । गईसखीयेजहांबिहारी ६९ कह्योजायहरिसोंहरुवाई । आजचतुरईकहांगँवाई ७० रागबिहगरो ॥ कहतिश्यामसोंजायमनायोनमानैजू । कहारहीमनघालिकहाअनुमानैजू । कहामनमेंघालि बैठीभेदमैंनहिंलखिसकी । आपह्यांवेवहांबैठीजातआ वतमैंथकी । नेकहूनहिंकह्योमानैकोटिभांतिनमैंकही । हाहाकरिमनुहारिकीन्हीसुनतहींवहरिसगही । राधि काअतिचतुरजानोजायताढिगहीरहो । सूरजोमुखफे रिबैठीमधुरबचश्रीमुखकहो ७१ ॥ दो० ॥ मानतजै नहिंलाड़िलीथाकींसबैमनाय । नेकयत्नकछुकीजियेर चियेआपउपाय ७२ चलैबनैहैलालअबऔरयतन नाहिंकोय। काछकाछियेजोनबिधिनाचनाचियेसोय७३ सो० ॥ आपकाजमहकाजबड़ेनकहिहैंबातयह । त जोश्यामउरलाजकरिबिनतीप्रियसोंमिलो ७४ ॥ राग रामकली ॥ तबहरिरच्योदूतीरूप । गयेजहँभामिनी राधात्रियास्वांगअनूप । जायबैठेकहतमुखयहतूय हांबनश्याम । मैंसकुचितहँगईनाहींफेरिकहियतबाम ।

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

सहजबातैंकहतमानोंअबभईकछुऔर । तूयहांवेवहां
बैठरहतिएकहिठौर । कहौमोसोंकहाउपजीवेरटततुव
नाम । सुनतिहैकछुवचनराधासूरप्रभुबनधाम ७५ ॥
पुनः ॥ राधातैंअतिमानकरयो । यहकहिहरिपछितात
मनहिंमनपूरबपापपरयो । पहिलीअपनीकथाबताई
जबत्रियभेषधरयो । तबतेहिरूपअनूपसुमुखिसुनुत्रि
भुवनचित्तहरयो । मोहेअसुरमहामदमातेसुरमुखअम्र
तभरयो । शिवगणसहितसमेतमहामुनिकोव्रतनेमट
रयो ।तोतनुकीछबिनिरखिसूरशिवछतज्योंजानगरयो ।
जेहिजारयोजगकामसोमाधवतेइहठजातजरयो ७६ ॥
रागबिहगरो ॥ इतोअमनाहिंनतबहुँभयो । सुनुराधि
काजितोअममोकोतैंयहिमानदयो । धरणीधरिबिधि
वेदउधारोमधुसोशत्रुहयो । द्विजनृपकियोदुसहदुख
मेटयोबलिकोराजलयो । तोरयोधनुषस्वयस्वरकीन्ही
रावणअजितजयो । अघबकबच्छअरिष्टकेशिमथिदा
वानलअँचयो । त्रियबपुधरयोअसुरसुरमोहेकोजग
जोनद्रयो। जानोंनहींकहायारसमेंजेहिशिरसहजनयो।
गुरुसुतमृतकजियावनकेहितसागरसोंधलयो । सूरसुब
लअबतोहिंमनावतमोहिंसबबिसरिगयो ७७ ॥ दो० ॥
क्षणक्षणपरसतचरणकरक्षणक्षणलेतबलाय । कहत
प्रियाअबमानतजिपुनिपुनिहाहाखाय ७८ ॥ चौ० ॥
तबबोलेहरिदोउकरजोरी । तेरीसोंवृषभानकिशोरी
७९ तूहीहितचितजीवनमोको । सदाकरतआराधन
तोको ८० तूममतिलकतुहीआभूषण । पोषणतेरेइ

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

बचनपियूषण ८१ तेरोईगुणनिशिदिनगाऊं। अबत
जमानहृदयसुखपाऊं ८२ करजोरेबिनतीकरिभाख्यो।
कहतशीशचरणनिपरराख्यो ८३ यहसुनिकछुप्या
रीमुसक्यानी। तबबोलीउठिसखीसयानी ८४॥ राग
बिहगरो॥ राधिकातजिमानमयाकर। तेरेचरणश
रणत्रिभुवनपतिमेटिकलपतूहोहिकलपतर। जिनके
चरणकमलमुनिबन्दतसोतेरोध्यानधरैंधरणीधर। अ
होबावरीकहतैंकीन्होप्रीतमपठैदियोबैरिनिघर। तुम
नागरिवेश्रीनागरबरतुमसुन्दरिवेश्रीसुन्दरबर। वैह
रितौदुखहरतसबनिकोतूवृषभानसुताहरिकोहर। जो
भुकिकछूकह्योचाहतिहैउनहिंजानिसखिमोहींसोंत्तर।
तबहींसूरनिरखिनयननिभरिआयोउभरिलाललुलिता
क्षर॥ ८५ चौ०॥ सुनहुश्यामतुमहौरसनागर। रूप
शीलगुणप्रीतिउजागर ८६ अबकैहमसबदेतिमनाई
परसौप्यारीचरणकन्हाई ८७ अबरुठायहौजोगिरि
धारी। रामरामतौबहुरिहमारी ८८॥ दो०॥ जब
परसेप्यारीचरणपरमप्रीतिनँदनन्द। छुट्योमानहर
षीप्रियामिटयोबिरहदुखद्वन्द ८९॥ सो०॥ उरआ
नन्दबढ़ायप्रेमकसौटीकासिपियहिं। अवगुणमनबिस
रायमिलीप्रियाउठिश्यामसों ९०॥ चौ०॥ हरषिमि
लेदोउप्रीतमप्यारी। भईसखीसबनिरखिसुखारी ९१
तबदोउउबटिसखिन्हअन्हवाये। रुचिरशिंगारशिंगा
रबनाये ९२ मधुरमिष्ठभोजनमनभाये। दोउअन
एकैथारजिवाये ९३ दियेपानअचमनकरवाये। सु

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

मनसुगन्धमालपहिराये ९४ लैबीराअपनेकरप्यारी। दीन्होबिहँसिबदनगिरिधारी ९५ मिलिबैठेदोउप्रीत मप्यारी। तबसखियनआरतीउतारी ९६ अतिआ नन्दभरेदोउराजैं। अरसपरसनिरखतछबिछाजैं ९७ पायेबशकरिकुंजाबिहारी। बिहँसिकह्योतबपियसोंप्या री ९८ सुनहुश्यामबरषाऋतुआई। रचहुहिंडोलाशु भसुखदाई ९९॥ हैमनपिययहसाधहमारे। सबमि लिझूलहिंसंगतुम्हारे१३००सुनितियबचनश्यामसुख पायो। ऐसेकहिहरिमानछुड़ायो १॥ छं०॥ त्रि यमानहरिऐसेछुड़ायोभक्तहितलीलाकरी। निगमने तिअपारगुणसुखसिंधुनटनागरहरी। यहमानचरित पवित्रहरिकोप्रेमसहितजुगावहीं। करहिंआदरमान तिनकोसंतजनसुखपावहीं २॥ दो०॥ राधारसिक गोपालकोकौतूहलरसकेलि। ब्रजबासीप्रभुजननको सुखदकामतरुबेलि ३॥सो०॥ सुफलजन्महैतासुजेअ नुदिनगावतसुनत। तिनकोसदाहुलासुसूरदासप्रभु कीकृपा ४॥ श्लोकः श्रीभागवते॥ एवंव्रजस्त्रियोराज न्कृष्णलीलानुगायतीः। रेमिरेऽहस्सुतच्चित्तास्तन्मन स्कामहोदयाः१॥ इतिश्रीमानलीला संपूर्णम्। हिंडोलाझू लनलीला। श्लोकः॥ गोपिरासांतरायांतंशंखचूडंनिह त्यसः। अहन्गोपीमहानन्दासंहदुष्टमरिष्टकं१॥चौ०॥ भक्तबश्यप्रभुकुंजबिहारी। भक्तनहितलीलाअवतारी ५ प्रेमभक्तदृढ़ब्रजकीबाला। भयेबश्यातिनकेनँदला ला ६ ग्रीषमगतपावसऋतुआई। परमसुहावनज

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

नसुखदाई ७ श्रीराधामनकीरुचिजानी । तबहिंडो
लबीलामनश्रानी ८ यमुनापुलिनगयेमनभावन ।
वृन्दाबनघनपरमसुहावन ८ अतिश्रानंदउमगिच
हुँओरा। घुमड़िरहेपावसघनघोरा १० ॥ सो० ॥ शो
भितलताबितानश्रातिउतंगतरुसुमनयुत । रहेपातमि
लियानबिबिधनगनमानहुँजड़े ११ ॥ चौ० ॥ कनकबर
णमयभूमिसुहाई । छबिहिंडोलनहिंबरणिसिराई १२
तापररासिकछबीलेदोऊ । उपमाकोत्रिभुवननाहिंकोऊ
१३ नन्दनँदनबृषभानकिशोरी । गौरश्यामसुन्दरछ
बिजोरी १४ ॥ रागमलारहिंडोलना ॥ यमुनापुलिनरच्यो
हिंडोर । गोपललनासंगतरुणीतरुणनंदाकिशोर । ए
कसँगलैनचतमोहनएकदेतिभुलाय । एकनिरखति
अंगमाधुरिएकइकउठिगाय । श्यामसुन्दरगोपिकाग
नघेरिरहींबनाय । मनोजलदकुदामिनीगनचहतलि
येलुकाय । नारिसँगबनवारिगावतकोकिलाघनघोर।
दुलतभालतमुकुटशिरपरमनोनिरततमोर। सुमनमुख
दुहुँपासकुण्डलनिरखियुवतीभोर । चक्रवाकचकोरलो
चनकरिरहेहरिश्रोर। थकितसुरललनासहितनभश्या
मनिरखिबिहार । हरषसुमनश्रपारबरसतमुखहिंजैजै
कार । कहतमनमनयहैबांछाभईतनद्रुमडार । देहध
रप्रभुसूरबिलसतब्रह्मपूरणसार १५ ॥ श्लोकः गीतगो
बिन्दे ॥ नित्योत्संगबसद्भुजंगकवलक्लेशादिवेशाचलं ।
प्रालेयप्लवनेच्छयानुसरतिश्रीखंडशैलानिलः । किंचि
स्निग्धरसालमौलिमुकुलान्यालोक्यहर्षोदया।दुन्मीलं

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

तिकुहुःकुहूरितिकलोत्तालापिकानांगिरः १॥ अष्टपदी। रागललित ॥ चन्दनचर्चितनीलकलेवरपीतबसनबनमाली। केलिचलन्मणिकुण्डलमंडितगंडयुगास्मितशाली। हरिरिहमुग्धबधूनिकरेबिलासिनिबिलसतिकेलिपरे १६ ॥ ध्रु० ॥ पीनपयोधरभारभरेणहरिंपरिरभ्यसरागं। गोपवधूरनुगायतिकाचिदुदंचितपंचमरागं। कापिबिलासबिलोलबिलोचनखेलनजनितमनोजं। ध्यायतिमुग्धबधूरधिकंमधुसूदनबदनसरोजं। कापिकपोलतलेमिलितालपितुंकिमापिश्रुतिमूले। चारुचुम्बनितम्बवतीदयितंपुलकैरनुकूले। केलिकलाकुतुकेनचकाचिदमुंयमुनाजलकूले। मंजुलबंजुलकुंजगतंबिचकर्षकरेणदुकूले। करतलतालतरलबलयावलिकलितकलस्वनबंशे। रासरसेसहनृत्यपराहरिणायुवतिःप्रशशंसे। श्लिष्यतिकामपिचुम्बतिकामपिरमयतिकामपिरामाम्। पश्यतिसस्मितचारुतरामपरामनुगच्छतिबामाम्। श्रीजयदेवभणितमिदमद्भुतकेशवकेलिरहस्यम्। वृन्दाबनबिपिनेललितंबितनोतुशुभानियशस्यम् १७ ॥ इतिगीतगोबिन्दे ॥ सो० ॥ यहिबिधिकरतबिहारब्रजयुवतिनकेसंगहरि। गावतहैंश्रुतिचारब्रजबासीहरिकीकथा १८ ॥ चौ० ॥ भरिउछाहऊँचेसुरगावैं। पियप्यारीकोहर्षिभुलावैं १९ ताललमृदंगबांसुरीबीना। गावतसरसमधुरसुरलीना २० ॥ दो० ॥ यहसुखसुनिब्रजसुन्दरीअपरसकलनवबाल। वृन्दाबनभूलतिकुँवरिराधाअरुनँदलाल २१॥

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

सो० ॥ चलींसकलञ्चतुरायनवसतसाजिशिंगाररतन। ग्रहकारजबिसरायमनमोहनकेरसपगीं २२ ॥ हिंडोरा रागकेदारो ॥ हिंडोरेंभूलनआईं ॥ पचरँगबरणपाटकी डँड़ियाअतिहिबानकसोंबनाई। भूलतयुवतीनंदलल नसँगएकबैसएकदाई। सूरदासप्रभुमोहननागरआप नभूलभुलाईं २३ ॥ रागमलार ॥ हिंडोलनामाईभू लतगोकुलचन्द। संगराधापरमसुन्दरिदोउकरतअनं द। द्वैखंभकंचनकेमनोहररतनजटितसुरंग। बनीचा रुडांड़ीपरमसुन्दरनिरखिलजितअनंग। पटलीपिरो जालाललटकतभूमताबहुरंग। मरुवेसोंमानिकचुनी लागीबिचबीचहरितरंग। कल्पद्रुमतरछांहशीतलत्रि बिधिमन्दसमीर। बरलतालटकतभारकुसुमनपरासि यमुनानीर। हंसमोरचकोरचात्रिककोकिलाअलिकी र। नवनेहनवलकिशोरराधेनवलगिरिधरबीर। ललि ताबिशाखादेहिंभुमटारीभूअँगनसमाहिं। अतिला ड़िलीसुकुमारिडरपतिश्यामउरलपटाहिं। गौरश्याम हिंअंगमिलिदोउभयेएकहिभांति। नीलपीतदुकूलद्यु तिघनदामिनीदुरिजाति। कंजपुंजभुलायभुलवतिस हचरीचहुँओर। मनहुँकुमुदिनिकमलफूलेनिरखियुग लकिशोर। ब्रजवधूतृणतोरिडारतिदेतिप्राणअकोर। जनसूरकोब्रजबासदीजैश्यामनवलकिशोर २४ ॥ हिंडोलना। रागदेवगंधार॥हिंडोरेभूलतश्यामाश्याम।ब्रज युवतीमंडलीचहूँघानिरखतबिथकितकाम। कोउगाव तकोउहरषिभुलावतसबपुरवतमनसाध। कोउसंगम

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

चतकहतकोउमचहोउपजोरूपअगाध । कोउडरतहा
हाकरिबिनवतप्यारीअंकमलाय । गाढ़ेगहतिपियाअ
पनेभुजपुलकतअंगडराय। अबजनिमचौंपायँलागति
हौंमोकोदेहुउतारि । यहसुनिहँसतमचतअतिगिरिधर
डरतदेखिअतिनारि । प्यारीकहतिटेरिललितासोंमेरी
सोंगहिराखि । सूरहँसतललिताचन्द्रावलिकहाकहत
पियभाखि २५ ॥ हिंडोलनारागकेदारो ॥ डोलतनंदनं
दनडोल । कनकखंभजरायपटलीलगेरतनअमोल ।
सुभगसकलसुदेशडांड़ीरचीबिधनागोल । मनहुँसुरप
तिसुरसभातेपठैदयोहिंडोल ।जबहिंभंपततबहिंकंपत
रहासिलगतडरोल । त्रिदशपतिसजिचढ़ेबिमाननिर
खिदैदैओल । थकेमुखकछुकहिनआवैसकलममुख
भोल । सखीसतनवसाजकीनोबदतमधुरेबोल । थ
कोरतिपतिदेखियहछबिइन्द्रभयोभ्रमभोल । सूरयह
सुखगोपगोपीपिवतअमृतओल २६ ॥ चौ० ॥ ऐसे
गोपिनसोंमनमोहन । करतकेलिकौतूहलगोहन २७
अतिआनन्दसबनउपजावैं । निरखिसुमनसुरगणबर
षावैं २८ जैजैजैधुनिबोलतबानी । धन्यधन्यब्रजकह
तबखानी २९ ॥ छं० ॥ कहतधनिब्रजअमरअम्बर
सकलमनआनँदभरे । कहतमनमनइहैचाहनहमनबि
धिब्रजद्रुमकरे । भक्तहितप्रभुअजसनातनब्रह्मतनधरि
अवतरे । बरणिकापैजातसोसुखकरतजोनितब्रजहरे
३०॥दो०॥नितलीलाआनन्दानितनितनवमंगलगान ।
धनिधनिजिनकेचितरहतब्रजबासीप्रभुध्यान ३१ ॥

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

सो० ॥ हरिकेचरितरसालजेसप्रेमगावतसुनत । रहत सदानँदलालसूरजप्रभुतिनकेनिकट ३२ ॥ हिंडोला भूलनलीलासमाप्तः।फागुनबर्णनलीलाप्रारंभः। श्लोकः ॥ कस्तूरीतिलकंललाटपटलेवक्षस्स्थलेकौस्तुभं नासाग्रेगजमुक्तकंकरतलेबेणुंकरेकंकणं । सर्वांगेहरिचन्दनंसुललितंकंठेचमुक्तावलीम् गोपस्त्रीपरिवेष्टितोविजयतेगोपालचूडामणिः १ ॥ पुनःरागबिलावल॥ नित्यधामबृन्दाबनश्याम । नित्यरूपराधाब्रजबाम । नित्यरासजलनित्यबिहार । नित्यमानखंडितअभिसार । ब्रह्मरूपयेईकरतार।करनहरनयेत्रिभुवनसार।नित्यकुंजसुखनित्यहिंडोर । नित्यत्रिबिधिबहपवनभकोर । सदाबसंतरहतजिहिपास । सदाहरषजहँनहींउदास । कोकिलकीरसदायहिशेर । सदारूपमनमथचितचोर । बिबिधसुमनबनफूलेडार। उनमतमधुकरभ्रमतअपार । नवपल्लवबनशोभाएक । बिहरतहरिसँगसखाअनेक । कुहूकुहूकोकिलासुनाई । सुनिसुनिनारिसबैहरषाई । बारबारसुनिहरिहिसुनावत । ऋतुबसन्तआईसमुभावत । फागुचरितरससाधहमारे। खेलैंसबमिलिसंगतुम्हारे। सुनिसुनिसूरश्यामसुसक्याने । ऋतुबसन्तआईहरषाने ३३ ॥ दो० ॥ जबबनिताहरिसोंहराषिकहतिसुनहुब्रजराज । देखहुबनशोभानिरखिअतिहिबिराजतआज ३४ ॥ सो० ॥ खेलतहैंदोउफागमानहुंमदनबसन्तामिलि।लखिउपजतअनुरागयहरसअधिकसुहावनो३५॥ रागबसंत॥ देखहुबनब्रजनाथआजुआतिउपजतहैअनु

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

राग । मानोमदनबसन्तमिलिदोउखेलतफूलेफाग । झांझझालरनझरनिशानडफभँवरभेरगुंजार । मानहुंमदनमण्डलीरचिपुरबीथिनबिपुलबिहार । द्रुमगणमध्यपलाशमंजरीउड़तअग्निकीनाईं । अपनेअपनेमेरमनोहरहोरीहरषिलगाईं । केकीकाककपोतऔरखगकरतकोलाहलभारी । मानहुंलैलैनामपरस्परदेतदेवावतगारी । कुंजकुंजप्रतिकोकिलगुंजतअतिरसबिमलबढ़ी । मानोकुलबधूलज्जितभईंगृहगृहगावतअटनचढ़ी । प्रफुलितलताजहांतहँदेखियततहांतहांअलिजात । मानहुंबिटपबधुनअवलोकतपरसतगणिकागात । बहुबिधिसुमनअनेकरंगछबिउत्तमभांतिधरे । मनोरतिनाथहाथसेसबहुनलीनेरंगभरे । औरकहांलगिकहौंकृपानिधिवृन्दाबिपिनबिराज । सूरदासप्रभुसबसुखक्रीड़तश्यामतुम्हारेराज ३६ ॥ श्लोकगीतगोविन्दे ॥ बसन्तेबासन्तीकुसुमसुकुमारैरवयवै भ्रमन्तींकान्तारेबहुविहितकृष्णानुशरणं।अमन्दंकन्दर्पज्वरजनितचिन्ताकुलतया चलद्बाधांराधांसरसमिदमूचेसहचरी १ ॥ अष्टपदीकोप्रतिबिम्ब । रागबसन्तमें ॥ ललितलवंगलतालगिमलयजपवनचलतसुखदाई । मधुकरपुंजनिगुंजतिकुंजनिकोकिलकलधुनिछाई । बिहरतिहरिइहिसरसबसन्ते । निर्त्ततयुवतिजननकेसंगसुबिरहीजनहिंदुरन्ते ॥ ध्रु० ॥ बिलपातिपतिपरदेशकामिनीकामकामनामाती । कुसुमितबकुलमधुपकुलआकुललखिव्याकुलबिलखाती । तरुणतमालमानकेपरिमलमृगमदकोछबि

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

छीन्यो। किंशुककुसुमबिरहिहियपारनमनसिजनखब
पुलीन्यो। केसरकुसुममदनक्षितिपतिशिरकनकछत्रछ
बिछाजै। पाटलपटलसरसमिलिअलिकुलमदनतुरग
रुचिराजै। ऋतुमदानिलजलोगलखिमानोहँसतकरुण
जोफूले। बिरहीजनदुखदेनकितकइनकेकितसाजेशू
ले। मालतिमाधविकामिलिपरिमलजुहीसुगन्धगही
सी। मुनिमनहूंकोमोहनकारणतुवजनहियेपुहीसी। मु
कुलितसरसरसालपुलकिमनुभेदतमुकुतलताते। वृ
न्दाबनबनिरहीसरसछबिश्रीयमुनाशोभाते। श्रीजयदे
वभणितयहशोभितहरिचरणस्मृतिसारं। सरसबसन्त
समयबनवर्णनउपजतमदनबिकारं ३७॥ गीतगोविन्दे
ष्टपदिःश्लोके॥ सान्द्रानन्दपुरंदरादिदिविषद्वृन्दैरमंदा
दरा दानम्रैर्मुकुटेन्द्रनीलमणिभिःसन्दर्शितेन्दीवरं।
स्वच्छन्दम्मकरन्दसुन्दरगलन्मन्दाकिनीमेदुरं श्रीगो
विन्दपदारविन्दमशुभस्कन्दायबन्दामहे १॥रागबसंत॥
आयोआयोपियऋतुबसन्त। दम्पतिमनसुखविरहीअ
अन्त। फागुखिलावहुसंगकन्त। हाहाकरिकरितृणगह
तदन्त। तुरतगईहरिलियेमनाय। अतिहरषामिलीउर
कंठलाय। दुखडारयोतुरतहिंभुलाय। सोसुखदुहुंकेन
हिंउरसमाय। ऋतुबसन्तकोआगमजानि। त्रियनरा
ख्योमनमानिबानि। सूरदासप्रभुमिलेआनि। रसरा
ख्योरतिरंगठानि ३८॥ पुनः॥ आयोजान्योहरिऋतु
बसन्त। ललनागणसुखदीनोतुरन्त। फूलेबनबरणसु
मनपलास। रतिनायकसुखकोबिलास। संगनारिचहुं

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

आसपास। मुरलीअमृतध्वनिकरतभास। श्यामाश्यामबिलासएक। सुखदायकगोपीअनेक। तजतनाहीं काहूक्षणहुंएक। हैंअलखनिरंजनबिबिधभेष। फागुरंगरसकरतश्याम। युवतिनमनपूरणकरतकाम। बासरद्वैसुखदेतयाम। सूरश्यामबहुकंतबाम ३९ ॥ दो० ॥ कटिपरपटपीरोकसेकनककिनारेचारु। तापरखोंसेमुरलिकाउरमुक्तनकोहारु ४० ॥ सो० ॥ तापरललितबिशालमालगुलाबप्रसूनकी। चितवनहँसनरसालबन्योछैलनँदलाड़िले ४१ ॥ चौ० ॥ खेलतश्यामचलेब्रजहोरी। उड़तगुलालअबीरनझोरी ४२ बाजततालमृदंगसुहाई। डफमुहचंगबीणसहनाई ४३ ॥ दो० ॥ गावतहोरीगीतसबदोहिंदिवावाहिंगारि। डारतिअबिरगुलालकीझोरीभरिभरिनारि ४४ ॥ सो० ॥ इतहरिकेसँगग्वालमुदितगुलालउड़ावहीं। पिचकारिनकेजालबरसतभरकेसरललित ४५ ॥ चौ० ॥ ह्वैगइब्रजकीबीथिनबीचा। अबिरगुलालकुंकुमाकीचा ४६ ऐसेसंगलियेसबग्वाला। करतफागुकौतुकनँदलाला ४७ बरसानेकोचलेकन्हाई। यहसुधिकुँवरिराधिकापाई ४८ तुरतसखीसबबोलपठाई। सुनतसकलआतुरउठिधाई ४९ हँसिहँसिसबकोकहतिकिशोरी। चलौश्यामसँगखेलैंहोरी ५० ॥ धमारि रागआसावरी ॥ डफबाजनलागेहेली। चलहुचलहुजैयेतहांजहँखेलतश्यामसहेली। जिहिघनसुन्दरसांवरोनहिंमिसदेखनदाव। येगुरजनबैरीभयेअबकीजैकौनउपावरी। आवहुबछरामेलियेबनकोदेहिं

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

बिदारि। वेदेहैंहमहींपठैहमदेखैंरूपनिहारि । औंजत
गागरिढारियेयमुनाजलकेकाज । यहिमिसबाहरनिक
सिकैजाइमिलैंब्रजराजरी । रागरंगरँगमचरहारेनिन्द
रायदरवार । गावतसकलग्वालिनीनाचतसकलगुवा
ररी। घरीघरीआनन्दकरिजीवनजानिअसार । खाय
खेलिहँसिलीजियेफागबड़ोत्योहाररी । मुरलीमुकुटबि
राजहींकटिपटराजतपीत । सूरजप्रभुआँनदभरेहैंगा
वतहोरीगीतरी ५१ ॥ दो० ॥ ललितादिकब्रजनागरी
मिलिसबसजोसमाज । तिनमेंश्रीकीरतिकुँवरिसबहि
नकीसिरताज ५२ ॥ सो० ॥ परमरूपकीरासगुणआ
गरनवनागरी । राजतभरीहुलाससमनमोहनमनभाव
नी ५३ ॥ चौं० ॥ हाथनमेंलीन्हेनवलासी । चलीश्या
मघनपैचपलासी ५४ युवतियूथलैसंगकिशोरी। गही
जायआगेब्रजखोरी ५५ उततेआयेमदनगुपाला।
सोहतसंगभीरनवबाला ५६ ॥ दो० ॥ ग्वालबालके
झुंडमेंशोभितयोंब्रजनाथ । ज्योंचन्दाआकाशमेंतारा
गणलियेसाथ ५७ भरिभरिपिचकारीहराषिइततेधाये
ग्वाल। नवलासीलैलैकरनसिमिटिचलींब्रजबाल ५८
सो० ॥ भोभटभेरोआनपरीमारपिचरंगकी । करतन
कोऊकानमनभाईमुखतेकहत ५९ ॥ धमारिरागगौरी ॥
ऊंचोगोकुलनगरजहांहरिखेलतहोरी । चलिसखिदेख
नजाहिंपियाअपनेकीजोरी । बाजततालमृदंगऔराकि
न्नरकीजोरी। गावतदैदैगारिपरस्परभामिनिभोरी । बु
क्कासुरँगअबीरउड़ावतभरिभरिझोरी । इतगोपिनको

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

झुंडउतहिहरिहलधरजोरी। नवलछबीलेलालतनीचोलीकीतोरी। राधाचलींरिसायढीठसँगखेलैकोरी। खेलतमेंकैसोमानसुनोवृषभानुकिशोरी। सूरसखीउरलायहँसतभुजगहिझकझोरी६०॥कवित्त॥ धायेनंदलालओगुलालदोऊएकसंगझुमटिगयोजोदृगआननमढ़ैनहीं। धोयधोयहारीपद्माकर तिहारीसौंहअबतौ उपायकोऊचित्तपैचढ़ैनहीं। कहाकरैंकहांजायँकासोंकहैंकौनसुनैकीजियेउपायजामेंदरदबढ़ैनहीं। एरीमेरीबीरजैसेतैसेइनआंखिनसेकढ़िगोअबीरपैअहीरकोकढ़ैनहीं ६१॥ पुनःधमारिरागगौरी॥गोकुलसकलग्वालिनीघरघरखेलतफाग॥तिनमेंराधालाड़िलीजिनकोअधिकसुहाग। झुंडनमिलिगावतचलींझूमतनन्ददुवार। आजपरबहँसिखेलियेमिलिसँगनन्दकुमार। मोहनदरशदिखावहुढुरौतौनँदकीआन। रसिकरायसुन्दरबरराधाजीवनप्रान। यशुमतिसुतचितचुभिरहीवहतुम्हरीमुसक्यानि। अबतोअनतरुचीउपजाईसहजपरीयहबानि। ढुरतश्यामधरिपायेराधाभरिअँकवारि। कनककलशकेसरिकोलैभरिधाईब्रजनारि। भरहुभरहुसखिश्यामहींपीतपिछौरीपाग। देहगेहसुधिबीसरीनन्दनँदनअनुराग। सूरगुपालकृपाबिनयहरसलहैनकोय। श्रीवृषभानुकिशोरीश्यामाश्याममगनमनहोय ६२॥ चौ० ॥ ऐसेखेलतमिलरसहोरी।इतमोहनउतकुँवरिकिशोरी६३ नभसुरहरषिसुमनबरसावें।जैजैकरिप्रभुकोयशगावें६४ऐसेश्यामरंगरसराख्यो। ललिताआयबीचतबभाख्यो ६५

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

बहुतकरीतुमआयढिठाई । भईसांझअबकुँवरकन्हाई
६६ कालिहप्रातहैबारिहमारी । देखैंगीमनसायतुम्हा
री ६७ पकड़नचावैंतुम्हैंमुरारी । तबकहियोहमकोब्र
जनारी ६८ ॥ दो० ॥ प्यारीकरतेपानलैदीनेसखीसु
जान। प्रातअवधिबदिखेलकीराख्योदुहुंदिशिमान६९
सो० ॥ घरआयेघनश्यामसखनसंगगावतहँसत। गईं
प्रियानिजधामसखिनसहितआनँदभरी ७० ॥ चौ० ॥
श्रीराधिकाकुँवरिसुखदाई । प्रातसखीसबबोलिपठाई
७१ कियोबिचारसबनमिलिगोरी। नन्दग्रामसबखेलैं
होरी ७२ मिलिमोहनसोंयहसुखकीजै । फगुवानन्दम
हरसोंलीजै ७३ मथिमथिबिबिधसुगन्धनलीन्हे। भां
तिअनेकअर्गजाकीन्हे ७४ लैकांवरनअनेकअपारा।
चलेसंगसजिसुभगशिंगारा ७५ ॥ दो० ॥ नवसतसा
जिशिंगारतनअंगअंगसबग्वारि। चन्द्रावलिललिता
दिसबअमितगोपसुकुमारि ७६ ॥ सो० ॥ कोकविवरणै
पारप्यारीसबनँदलालकी। शोभाअमितअपारउपमा
कोत्रिभुवननहीं ७७॥ दो०॥ नखशिखसबशोभाभरींब
नीछबीलीबाम। तिनमेंश्रीराधाकुँवरिराजतिअतिअभि
राम ७८ ॥ सो० ॥ सखियनलीनेहाथपीरेसुमननकीछ
री। होरीहरिकेसाथनन्दगांवखेलनचलीं ७९ ॥ चौ० ॥
करतकेलिकौतुकमगमाहीं । अबिरगुलालउड़ावतजा
हीं ८० लीनोघेरनन्दघरजाई । बसततहांमनहरणक
न्हाई ८१ सुनिसुन्दरबरबाहरआई । हलधरग्वालगु
पालबुलाई ८२ इकदिशिश्यामएकदिशिश्यामा । हो

रीचरितकरतघनश्यामा ८३ ॥ दो० ॥ होहोहोरीकह
तसबभरेपरमआनन्द । सखिनसंगउतलाड़िलीइतैस
खानँदनन्द८४॥ धमारि रागनटनारायण॥ ब्रजमेंहरिहो
रीमचाई । उततेआईनवलराधिकाइततेकुँवरकन्हाई ।
खेलतफागुपरस्परहिलिमिलिनवब्रजधूममचाई । नं
दघरबजतबधाई । बाजततालमृदंगझांझडफमंजीरा
सहनाई । उड़तगुलाललालभेबादलरह्योसकलब्रज
छाई । मनोमेघवाझरिलाई । राधेसैनदियोसखियन
कोझुंडझुंडउठिधाई । झपटिलपटिकेश्यामसुँदरकोप
रबशपकरिलैआईं । लालकोनाचनचाई । छीनलियो
मुखमुरलीपिताम्बरशिरसेचुनरीओढ़ाई । बेंदीभाल
नयनबिचकाजलनकबेसरिपहिराई । लालंकोनारिब
नाई । सुसकतहौमुखमोरिमोरिकेकहांगईचतुराई ।
कहांगयेसँगसखासहोदरकहांयशोमतिमाई । लालको
लेतछुड़ाई । फगुवालिहेबिनुजाननदेहौंकरिहौकोटि
उपाई । लेहौंकाढ़िकसरसबदिनकीतुमहौचोरकन्हाई ।
बहुतदिनमाखनखाई । खेलतगेंदगिरीयमुनामेंकोमे
रिगेंदचुराई । हाथडारचोलियाबिचढूंढ्योएकगईदो
पाई । लालमोहिंचोरीलगाई । चोरिचोरिकरमाखन
खायोतुमहौचोरकन्हाई ।सूरश्यामरसबसभइग्वालिन
हरिचरणोंचितलाई।श्यामश्यामाबलिजाई८५॥दो०॥
लैआईप्यारीनिकटहँसतकहतब्रजबाल । कहियेअब
कैसीबनीबहुतकरतरहेगाल ८६ ॥ सो० ॥ एककहति
मुसक्यायबसनहरेतेआपुही । हमहूंबसनछुड़ायलेहिं

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

दाउँअबआपनो ८७ ॥ चौ० ॥ बधूबधूकहिसबाहिन
गायो। प्यारीनिकटआनिबैठायो ८८ ॥ दो० ॥ निर
खिबदनप्यारीहँसीश्यामहँसेसकुचाय । गहिप्यारीनि
जपाणितबदीन्हींपानखवाय ८९ ॥ सो० ॥ सखियांक
रतकलोलगांठिजोरिअंचलदई। ब्रजमेंरहौअडोलअ
विचलयहजोरीसदा ९० ॥ चौ० ॥ तबललिताकोय
शुमतिमाई। घरभीतरतेबोलिपठाई ९१ हँसकेमहरि
बहुतसनमानी । बिनतीकरीबहुरिमृदुबानी ९२ ल्या
वोअबलाडिलिहिंलिवाई। कीरतिजूकीसौंहदिवाई ९३
दो० ॥ तबयशुमतिपहिंराधिकहिंललिताचलीलिवाय।
सकुचजानिमनश्यामअतिछूटेहाहाखाय ९४ ॥ सो० ॥
हँसेग्वालमुखहेरितनशोभादेखतखरे । बलकोलीन्हीं
टेरिबन्योआजुअतिसांवरो ९५ ॥ चौ० ॥ तुरतश्याम
सोइभेषउतारयो । कछिपटपीतमुकुटशिरधारयो ९६
युवतिनसहितकुँवरिश्रीश्यामा । आईनन्दमहरकेधा
मा ९७ भूषणबसननवीनबनाये। यशुमतिलैसबकोप
हिराये ९८ ॥ दो० ॥ बिबिधभांतिमेवामधुरऔरमि
ठाईपान । सादरसबकीगोदमेंभरेहराषनँदरान ९९
सो० ॥ रह्योनन्दगृहछायहोरीकोआनन्दअति । कह
तियशोमतिमायफगुवाकहौसोदीजिये १४०० ॥ चौ० ॥
ललकिकह्योऔरेकछुनाहीं । लेहैंकान्हरफगुवामाहीं १
पुनःधमारि। रागनटनारायण ॥ खेलतफागुकहतहाहोहो
री । बाजततालमृदंगझांझडफरुंचमुरजबांसुरिधुनि
थोरी। श्रवणसुनायगारिदैगावतऊंचेतानलेतिपियगो

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

री। कुंकुमरंगभरेपिचकारीनवतनछिरकतनवलकिशो
री। यहिबिधिउमगिचल्योरँगजहँतहँमनुअनुरागस
रोवरफोरी। भरिभरिआनिअबीरउड़ावतगोविन्दनि
कटजायदुरिचोरी। मनहुंप्रचंडपवनबशपंकजगगनधू
रिशोभितचहुंओरी। कनककलशकुंकुमभरिलीन्हेक
स्तूरीमिलकैघसघोरी। खेलपररूपरकीचमचीघरअधि
कसुगंधभयोव्रजखोरी। ग्वालबालसबसंगमुदितमन
जाययमुनजलन्हायाहिलोरी। नयेबसनआभूषणपहि
रतऔरनदेतपितम्बरछोरी। द्वैजसमाजमीतकरतीद्वि
जतिलकदूधदधिरोचनरोरी। सूरश्यामबिप्रनबंदीज
नदेतरतनकंचनकीबोरी २॥ सो०॥ जनमनकेसुखदा
नचरितललितगोपालके। गावतसुनतसुजानप्रभुव्र
जबासीरतिलहत ३॥ वृषभासुरबधलीला। दो०॥ देखि
देखिहरिकेचरितपरमचरित्रउदार। निशिदिनसबप्रमु
दितरहतव्रजबासीनरनार ४॥ सो०॥ हरणसकलभ
वभीरदुष्टदलनजनहितकरन। नन्दनँदनबलबीरव्रज
बासीप्रभुसांवरो ५॥ चौ०॥ सुनिसुनिकृष्णअगमगु
णगाहा। कंसअसुरउरदारुणदाहा ६ रहैकंसउरध्या
नसदाहीं। नन्दनँदनपलबिसरतनाहीं ७ असुरअरि
ष्टनामबलभारी। एकदिवसनृपलियोहँकारी ८ तासों
कहिसबमरमबुझायो। बलसराहिव्रजताहिपठायो ९
दो०॥ नृपकोशीशनवायकैकह्योअरिष्टसुनाय। कितक
काजमहराजयहमैंकरिआवतजाय १०॥ सो०॥ तुम
असुरनकेराजइतनेकोशोचतकहा। पलमेंमारौंआज

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

बालकनन्दअहीरके ११ ॥ चौ० ॥ वृषभरूपसोइअसु
रवनायो। आयोतुरतब्रजहिंसमुहायो १२ ॥ श्लोकः।
श्रीभागवते ॥ अथतर्ह्यागतोगोष्टमरिष्टोवृषभासुरः। म
हींमहाककुत्कायःकंपयन्खुरविक्षतां १ ॥ चौ० ॥ पूंछ
उठायडकारतआवै। खोदिखुरनसोंछारउड़ावै १३ दृ
गआरक्तफेनमुखडारै। कबहुंसींगसोंभूमिबिदारै १४
कबहुँतरुनसोंरगरतजाई। इतउतखोजतफिरतकन्हा
ई १५ उन्नतग्रीवचहूंदिशिधावै। जहांतहांगैयनबिड
रावै १६ बारबारगरजतअतिभारी। देखिडरेसबब्रज
नरनारी १७ बिडरींगायगोपसबभागे। कृष्णकृष्णाक
हिटेरनलागे १८ ॥ पुनः भागवते। श्लोकः ॥ कृष्णकृ
ष्णेतितेसर्वेगोविन्दंशरणंययुः। भगवानपितद्वीक्ष्य
गोकुलंभयविद्रुतम् १ ॥ चौ० ॥ कालस्वरूपवृषभइक
आयो। सबनकृष्णसोंजायपुकार्यो १९ बिहँसिकह्यो
मोहनसबपाहीं। मतडरपोचिन्ताकछुनाहीं २० चले
असुरसन्मुखमनमोहन। गोपग्वाललागेसबगोहन २१
दो० ॥ आगेह्वैहरिहांकदैतासोंकह्योसुनाय। रेशठकत
तनुतरुघसतफिरतबिडावतगाय २२ ॥ सो० ॥ मोस
नमुखइतआयतोतनउपज्योकंडयों। अबहींदेहुंमिटाय
कहतनन्दकीसौंहकरि २३ ॥ चौ० ॥ वृषभासुरसुनि
हरिकीबानी। मनमेंगर्वकियोयहजानी २४ याहीबाल
ककेबधकाजा। आदरदैपठयोमोहिंराजा २५ अबहीं
याहिपलकमेंमारौं। नृपतिकाजकरिजायजुहारौं २६
टूटपर्योहरिऊपरआई। लियेसींगगहिकुँवरकन्हाई २७

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

वहआवतहरिकीदिशिधाई। हरिपाछेलैजातहटाई२८ दो०॥ वहआवेहरिओरकोप्रभुपाछेलैजाहिं। यहिविधिजोआयोगयोरहीशक्तिकछुनाहिं २९॥ चौ०॥ आवतजातअसुरतबहारयो।ग्रीवमोड़ितबधरणिपछारयो ३० परयोअसुरपरबतआकारा। मुखतेचलीरुधिरकीधारा ३१ असुरमारिउत्तमगतिदीन्ही। जयजयधुनिनभदेवनकीन्ही ३२ भयेसुखीसबसुरसमुदाई। बरषिसुमनअस्तुतिनभगाई ३३॥ दो०॥ चकितभयेलखिपरस्परकहतसकलब्रजग्वाल। हमजान्योयहवृषभहैयहतोअसुरकराल ३४॥ सो०॥ दुष्टदलनगोपालमुदितकहतनरनारिसब। भक्तनकोरक्षपालब्रजबासीनँदलाड़िलो ३५॥ पुनः भागवते। श्लोकः॥ अरिष्टेनिहतेदैत्येकृष्णेनाद्भुतकर्मणा। कंसायाथाहभगवान्नारदोदेवदर्शनः १॥ चौ०॥ आयेऋषिनारदतेहिकाला। कह्योकंससोंसुनुभूपाला ३६ जिनमारेसबअसुरतुम्हारे। तेनहिंहोहिंनन्दकेबारे३७मैंजानौंनिश्चययहभेऊ। हैंवसुदेवपुत्रवेदोऊ ३८ कन्यालैजोतुमाहिंदिखाई। सोवहहुतीयशोमतिजाई ३९ भयोकछूछलसुनियेराजा। कोजानैकरताकेकाजा ४० करहुयतनतुमअजहुंसवारे। यहकहिनारदस्वर्गसिधारे ४१ उठ्योकंससुनिमुनिकीबानी। भयोशोचबशमूढ़अज्ञानी ४२ प्रथमदेवकीअरुवसुदेऊ। छांड़ेहुतेनिगड़तेदोऊ ४३ बहुतबुरोमान्योतिनपाहीं। राख्योबहुरिबंदिकेमाहीं ४४॥ दो०॥ कैसेमारोंकहकरोंनिशिदिनयहैविचार। शालरहेनृपकं

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

सउरहलधरनन्दकुमार४५॥सो०॥ अबधौंपठऊंकाहि
मनहींमनशोचतखरो। काहुनमारयोताहिअसुरगयेते
सबमरे ४६॥ केशीबधलीला। श्लोकः॥ सप्तत्रिंशेहते
केशिन्यच्युतोभाविकर्मभिः। नारदेनस्तुतःक्रीडन्व्यो
मासुरमथावधीत् १॥ चौ०॥ असुरनमाहिंबड़ोबल
धारी। केशीअसुरबीरअतिभारी ४७ कंसताहितब
बोलिपठायो। अतिआदरकरिढिगबैठायो ४८ कहत
कंसकेशीसुनुमोसों। जीकीबातकहतमैंतोसों ४९ येसे
बकमेरेनहिंऐसे। जैसेमैंचाहतहौंतैसे ५० तातेमोहिंब
ड़ोपछितायो। तबकेशीकहिबचनसुनायो ५१ ऐसोक
हाकठिनप्रभुकाजा। जाकोतुमशोचतहौराजा ५२
आयसुकहामोहिंकिनदीजै। सोकारजअबहींहमकीजै
५३ यहसुनिकंसहरषजियआनो। केशीकोबहुभांतिब
खानो ५४॥ दो०॥ असुरबंशसबहीहतेकाहिकहौंब्र
जजान। नन्दमहरकेछोहराकरिआवेबिनप्रान ५५॥
सो०॥ करोनतिनकछुकाजआगेजेपठयेअसुर। यहसु
निकेअतिलाजमारेसबनँदबालकन ५६॥ चौ०॥ ता
कारणब्रजतोहिंपठाऊं। बहुतऔरकहिकहासिखाऊं ५७
महाबलीतूसाथीमेरो। बड़ाभरोसामुझकोतेरो ५८ ए
कबारतूब्रजमेंजावै। रामकृष्णहनिमुझेदिखावै ५९
कैलैआवबांधिदोउभैया। कहौंजिन्हैंबलरामकन्हैया
६० यहसुनिगर्वअसुरभटकीन्हों। चल्योब्रजहिनृपआ
यसुदीन्हों ६१॥ श्लोकः। श्रीभागवते॥ केशीतुकंसप्र
हितःखुरैर्महींमहाहयोनिर्जरयन्मनोजवः। सटावधूता

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

अविमानसंकुलंकुर्वन्नभोहेषितभीषिताखिलः १ विशा
लनेत्रोविकटास्यकोटरोरुहद्गलोनीलमहाघनोपमः।
दुराशयःकंसहितंचिकीर्षुर्व्रजंसनंदस्यजगामसकंपयन् २
चौ०॥ अश्वरूपह्वैव्रजमेंआयो। अतिबलगर्जतचहुं
दिशिधायो ६२ बेगवंतअतिबपुषबिशाला। भारत
ग्रीवपूंछबिकराला ६३ जिततितभाजिचलेनरनारी।
भयेबिकलसबअतिभयभारी ६४ कह्योजायआतुरह
रिपाहीं। अश्वएकआयोव्रजमाहीं ६५ अतिबिकरा
लनजातबतायो। कैधौंबहुरिअसुरकोउआयो ६६॥
दो०॥ व्रजआयोकेशीअसुरजानिलियोनँदलाल। स
न्मुखताकेहरषिकेचलेकंसकेकाल ६७॥ सो०॥ शीश
मुकुटबनमालकटिकसिबांध्योपीतपट। उरभुजनैनबि
शालअसुरबिमोहनसुरसुखद ६८॥ चौ०॥ जबकेशी
देखोहरिआवत। कियोक्रोधप्रभुसन्मुखधावत ६९
अतिबलदोऊचरणउठायो। प्रभुकेउरकोचपलचला
यो ७० देखतडरेसकलव्रजबासी। गहेबीचहीहरिअ
विनासी ७१ छूटनहेतुअसुरबलकीनो। ठेलिश्यामपा
छेतबदीनो ७२ गिरयोधरणिपरमुर्च्छितभारी। उठेउ
क्रोधकरिबहुरिसँभारी ७३ दांवघातकरिकेबहुधायो।
पुनिपुनिचरणचपेटचलायो ७४ अतिहिबेगिहरिजात
बचाई। करतयुद्धकौतुकसुखदाई ७५ देखतसुरमुनि
चढ़ेअकाशा। कछुकहर्षमनकछुइकत्राशा ७६ बदन
पसारिअसुरतबधायो। चाहतहरिकोमुखमेंनायो ७७
तबहिंश्यामयहबुद्धिउपाई। दियोहाथवाकेमुखनाई ७८

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

श्लोकः। भागवते॥ सलब्धसंज्ञः पुनरुत्थितोरुषाव्यादा
यकेशीतरसाऽपतद्धरिम्। सोप्यस्यवक्त्रेभुजमुत्तरंस्मय
न्प्रवेशयामासयथोरगंबिले १ दन्तानिपेतुर्भगवद्भुज
स्पृशस्तेकेशिनस्तप्तमयःस्पृशोयथा। बाहुश्चतद्देहग
तोमहात्मनोयथामयःसंववृधेउपेक्षितः २॥ चौ०॥
दांतनदाबसक्योसोनाहीं। वृक्षसमानभयोमुखमाहीं ७९
पुनःश्रीभागवते। श्लोकः॥ समेधमानेनसकृष्णबाहुना
निरुद्धवायुश्चरणांश्चविक्षिपन्। प्रस्विन्नगात्रःपरिवृ
त्तलोचनःपपातलेंडंविसृजन्क्षितौव्यसुः १ तद्देहतःकर्क
टिकाफलोपमाद्व्यसोरपाकृष्यभुजंमहाभुजः। अविस्मि
तोऽयत्नहतारिरुत्स्मयैःप्रसूनवर्षैर्दिविषद्भिरीडितः २॥
दो०॥शब्दभयोआघातधरक्योउरसुनिकंसको। नन्दम
हरकेतातजान्योकेशीकोहन्यो ८०॥ चौ०॥ देखतसुरग
णभयेसुखारी। बरषैंसुमनसुमंगलकारी ८१ प्रफुलि
तभयेसकलब्रजबासी। बढ्योहर्षउरमिटीउदासी ८२
रागगौरी॥ यशुमतिकोसुतयहैकन्हाई। इन्हींगोवर्द्धन
लियोउठाई। इन्द्रपरोइनहींकेपाई। इनहींकीब्रजचल
तिबडाई। बकीपियावनइनहींआई। योजनएकपरीमु
रझाई। इनहिंतृणावर्त्तलियोउड़ाई। पटक्योद्वारशि
लापरआई। केशीअसुरइन्हींसंहारयो। अघाबकासु
रइनहींमारयो। श्यामवरणतनपीतपिछौरी। मुरलीरा
गबजावतगौरी। देखिरूपचकितभईबाला। तनकीसु
धिनरहीतेहिकाला। सूरश्यामसोंजानतिनीके। मगन
भईपूछतिसुखजीके ८३॥ चौ०॥ केशीमारिश्याम

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

गृहआये। ब्रजबाजतआनंदबधाये ८४ घरघरसबब्रजलोगलुगाई। नन्दनँदनकीकरतबड़ाई ८५ ॥ दो०॥ धनिधनिब्रजमेंअवतरेभक्तनकेहितआय। सुखसागरशोभाअधिकबलनिधित्रिभुवनराय ८६ ॥ सो०॥ बलमोहनदोउभायचिरजीवहुजोड़ीयुगल। देतअशीशमनायब्रजबासीप्रभुकोसबै ८७॥ व्योमासुरबध लीला।

रागबिलावल ॥ दूजेदिनसुन्दरब्रजनाथा। गयेबनहिंगायनकेसाथा। बलदाऊअरुग्वालसुहाये। शोभितसंगसुभगमनभाये। गईंगायबनमेंअगुवाई। जहँतहँचरनलगींसुखपाई। ग्वालनसंगश्यामअनुरागे। चोरमिहीचनखेलनलागे। उहांकंसकेशीबधसुनिके। बारबारशोचतशिरधुनिके। व्योमासुरइकअतिबलवाना। मायाचरितबहुतसोजाना। पठयोताकोनृपब्रजमाहीं। मारनकह्योश्यामकोताहीं ८८ ॥ श्लोकः। श्रीभागवते॥ मयपुत्रोमहामायोऽव्योमोगोपालवेषधृक्। मेषायितानयोवाहप्रायश्चोरायितोबहून् १ ॥ चौ०॥ गयोसमायसखनकेमाहीं। ताकोकिनहूंजान्योनाहीं ८९ ॥ दो०॥ दुरनजायँबालकजहांतहांअसुरसँगजाय। आवहिंएकहिएकलैपरबतमाहिंचुराय ९० ॥ सो०॥ रहिगयेथोरेग्वालजबयोंबहुबालकहरे। तबजान्योनँदलालव्योमासुरकेकपटको ९१ ॥ चौ०॥ धर्‌योध्यानतबकुँवरकन्हाई। हरिसोंताकीकहाबसाई ९२ तुरतअसुरलैभूपरपटक्यो। प्राणदेहतजिस्वर्गहिसटक्यो ९३ असुरमारिकेदीनदयाला। बालकशोधनचलेगुपाला ९४ ऋषि

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

नारदआयेतेहिकाला।देखिश्यामसुखलह्योबिशाला९५
पुनःश्रीभागवते ॥ देवर्षिरुपसंगम्यभागवतप्रवरोनृप ।
कृष्णमक्लिष्टकर्माणंरहस्येतदभाषत १ ॥ चौ० ॥ जैजैब्र
ह्मसनातनस्वामी । आदिपुरुषप्रभुअन्तरयामी ९६
अलखअनीहअनन्तअपारा। कोजानैप्रभुरूपतुम्हारा
९७ सकलसृष्टिकेसिरजनहारे। पालनलयसबख्यालतु
म्हारे ९८ युगयुगयहअवतारगुसांई । भक्तनहितप्रभु
लेतसदाई ९९ ॥ पुनःश्रीभागवते ॥ विशुद्धविज्ञानघनं
स्वसंस्थयासमाप्तसर्वार्थममोघवांछितम्। स्वतेजसानि
त्यनिवृत्तमायागुणप्रवाहंभगवंतमीमहि १ ॥ चौ० ॥
त्राहित्राहिश्रीपतिदैत्यारी । राखिलेहुप्रभुशरणउबारी
१५०० राजसरीतिसुरनिकहिभाखी । भयेचन्द्रसूरज
तहँसाखी १ ॥ रागबिलावल ॥ क्षीरसिंधुअहिशयनमुरा
री। प्रभुश्रवणनतहँपरीगुहारी । तबजान्योकमलाकेकं
ता। दनुजभारपुहुमीमैंमंता। सिंधुमध्यबाणीपरकाशी।
भुवअवतारकह्योअविनाशी । मथुराजनमिगोकुलहिं
आये। मातपितासुतहेतकहाये । नारदकहियहकथासु
नाई। ब्रजलोगनसुखदियोकन्हाई । धन्यधन्ययेब्रजके
बासी। बशकीन्हेजिनब्रह्मउदासी। अकलकलानिगम
हुंतेन्यारे। तेयुवतिनसँगबनहिंबिहारे । दैत्यदहनसन्त
नसुखकारी। अबमारौप्रभुकंसप्रचारी। सूरजप्रभुअब
यहबरदीजे। चरणशरणसुरगणरखिलीजै २॥ दो० ॥
जबयहगाथागायकैनारदकहीसुनाय । बोलेप्रभुकरित
बकृपासुधाबचनमुसक्याय ३ ॥ सो० ॥ जाहुबेगिसुर

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

शायकरहुसुरनकोकाजयह। पठवहुमोहिंबुलायनृपआय सुतेमधुपुरी ४॥ चौ०॥ जबप्रभुहँसियहआयसुदीनो। तबप्रणामप्रभुकोऋषिकीनो ५ हरषिचलेमुनिहरिगुण गावत। महाप्रेमआनन्दबढ़ावत ६॥ रागबिलावल॥ संकर्षणअस्तुतिअनुसारी। आदिपुरुषअद्वैतबिचारी। तुमजन्मेभुवभारउतारन। तुमहौअखिललोककेतारन। परमपुरुषअविगतअविनाशी। त्रिभुवनपतिजनहित सुखराशी। तुमहौसबसंसारकोसारा। जलथलजहांत हांबिस्तारा। तबहँसिकह्योआतसोंबानी। जोतुमकहत बातमैंजानी। कंसनिकन्दननामकहाऊं। केशगहूंपुहु मीघिसलाऊं। ऐसेप्रभुहलधरसमझाये। बालकबहुरि शोधसबलाये। धन्यधन्यप्रभुकोसबभाख्यो। कहतसूर प्रभुहमकोराख्यो ७॥ दो०॥ गायगोपहलधरसहितभ येपरमआनन्द। सांझसमयबनतेचलेब्रजकोश्रीनँदन न्द ८॥ नारदकंसकोसमझायोसोप्रसंग। श्रीभागवते॥ अ रिष्टेनिहतेदैत्येकृष्णेनाद्भुतकर्मणा। कंसायाथाहभगवा न्नारदोदेवदर्शनः १॥ रागबिलावल॥ नारदगयेकंस केपासा। मनमारेमुखकरेउदासा। हर्षिकह्योमुनिनिक टबुलायो। आदरकरिआसनबैठायो। कैसेमुखक्योंमन ऋषिमारे। कहाचिंताजियबढ़ीतुम्हारे। नारदकह्योसुन हुहोराऊ। कहबैठेकछुकरहुउपाऊ। त्रिभुवनमेंतुमसरि कोऐसो। देख्योनंदसुवनमेंजैसो। करतकहारजधानीऐ सी। यहतुमकोउपजीकछुनैसी। दिनदिनभयोप्रबलय हभारी। हमसबहितकीकहैंतुम्हारी। तबगर्वितनृपबो

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

लेबानी। कहाबातनारदतुमगानी। कोटिदनुजमोंसरि
मोंपासा। जिनकोदेखितरणितनुत्रासा। कोटिकोटिति
नकेसँगयोधा। कोजीवैतिनकेतनक्रोधा। मल्लनिकेबल
कहाबखानो। जिनकेदरशनकालडरानो। कोटिधनुर्द्ध
रसन्ततद्वारे। बचैंकौनतिनकोजुहँकारे। एककुबलया
त्रिभुवनगामी। ऐसेऔरकितिकहैंनामी। ग्वालसुतन
कीकथाचलावहु। यहबाणीकहिकहासुनावहु। ब्रजालो
गब्रजकेसबमेरे। सेवाकरतसदारहैंनेरे। तातेसकुचत
हौंउनिकाजा। बालकसुनतहोतजियलाजा। भलीकरी
यहबातसुनाई। सहजबुलायलेहुंदोउभाई। औरसुनहु
नारदमुनिमोसों। श्रवणनिलागिकहीकछुगोसों। कि
तिकबातबलरामकन्हाई। मोंदेखतअतिकालडराई।
आजुकालिहअबउनहिंबुलाऊं। कहिपठऊंब्रजसहितमैं
गाऊं। औरप्रजाब्रजआनिबसाऊं। अपनेजियकीखुटु
कमिटाऊं। तिनपरक्रोधकहामैंपाऊं। रंगभूमिगजचर
णरुदाऊं। मेरेसमसरकेवेनाहीं। यहसुनिकेनारदमुस
क्याहीं। सत्यबचननृपकहतप्रचारे। अबजान्योंउनको
तुममारे। यहकहिमुनिबैकुंठसिधारे। त्रिभुवनमेंकोबल
हिंतुम्हारे। कंसपरोमनयहैविचारा। रामकृष्णबधयहै
खभारा। धकधकातजियबहुरिसँभारे। क्योंमारोंसोबु
द्धिबिचारे। सूरजप्रभुअविगतअविनाशी। कंसकाल
यहबुद्धिप्रकाशी ९॥ अक्रूरकोबुलायो तथाकंसको विचार।
रागसोरठ॥ नृपतिमनयहैविचारपरयो। क्योंमारोंदोउ
नन्दढ़टौनायेहीअरानेअरो। कबहूंकहतआपचदिधा

ऊंयहैविचारकरो। सातदिवसमेंबधीपूतनायहगुणिमन हिंडरो। पुनिसाहसजियजियकहिगव्योंताकोकालस रथो। सूरश्यामबलरामहृदयतेनेकनहींबिसरयो १० नन्दसुतसहजबुलायपठाऊं। श्यामरामअतिसुन्दरक हियतदेखनकाजमँगाऊं। जैहैंकौनप्रेमकरिल्यावैभेदन जानैकोई। महरमहरिसोंहितकरिल्यावैमहाचतुरजोहो ई। यहिअन्तरअक्रूरबुलायोअतिआतुरमहराज। सूर चलेमनशोचबढ़ायेकौनहैऐसोकाज ११ ॥ दो० ॥ कछु डरकछुजियधीरधरिगयोनृपतिकेपास। देखडरयोमुख शोचबशऊरधलेतउसास १२ ॥ सो० ॥ हाथजोरशिर नायअनबोल्योसन्मुखरह्यो। लीनोढिगबैठायमरमबच नकहिकंसतब १३ ॥ चौ० ॥ आपहिऔरतहांकोउना हीं। बोल्योनृपसफलकसुतपाहीं १४ कहिजुगयेनारद मुनिबानी। सोसबकहिकेप्रगटबखानी १५ ॥ रागसारँ गचरचरी ॥ सुनहुअक्रूरयहबातनिश्चयकरौआजमोहिं भोरतेचैननाहीं। श्यामबलरामयहनामसुनितासमोहिं काहुपठवहुजाहितिनहिंपाहीं। प्रीतिकरिनन्दसोंसहस बातेंकहैतुरतल्यावैदुहुनिनृपतिबोलै। देखिवेसाधबहु तेसुनेगुणबिपुलअतिहिंसुन्दरसुन्योदोउअमोलै। कम लजबतेउरगपीठिल्यायेसुनेयहैब्रखशीशअबइन्हैंदेहैं। सूरप्रभुश्यामबलरामकोडरनहीं बचनइनकेसुनतहरषपै हैं १६ ॥ श्रीभागवते। श्लोकः ॥ गच्छनन्दब्रजंतत्रसुता वानकदुंदुभेः। आसातेताविहानेनरथेनानयमाचिरम् १ चौ० ॥ ऐसेकहिजबकंससुनायो। तबअक्रूरहिंधीरज

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

आयो १७ मनमनकहतकाहयहिभावै। आपुहिअपनो
कालबुलावै १८ ॥ दो० ॥ कियोबिचारअक्रूरतबकहत
जुमैंकछुऔर। तौमारैंगोमोहिंयहअबहींयाहीठौर १९
सो० ॥ कह्योमानिहैंनाहिंकालयाहिआयोनिकट। यह
बिचारिमनमाहिंसुफलकसुतबोलतभयो २० ॥ रागसो
रठ ॥ यहबाणीजबकंससुनाई। तबअक्रूरहियेभयोधीर
जडरडारय्योबिसराई। मनमनकहतकहाहितबैठीसुनि
सुनिऐसीबानी। अपनोकालआपहीबोल्योइनकीमीच
तुलानी। हरषिबचनअक्रूरकहैतबतुरतकाजयहकीजे।
सूरजाहिआयसुकरिपाऊंभोरपोततेहिदीजै २१ ॥ राग
बिलावल ॥ तबअक्रूरकहतनृपआगेधन्यधन्यनारदमुनि
ज्ञानी। बड़ेशत्रुब्रजमेंदोउहमकोसुनहुदेवनीकीचितआ
नी। महाराजतुमसरिकोऐसोतऊजगतयहचलतकहा
नी। अबनहिंबचैंक्रोधनृपकीन्होजैहैंछिनकितवाज्योंपा
नी।यहसुनिहरषभयोगरबानोजबहिंकहीअक्रूरसयानी।
कालिहबुलायसूरदोउमारोंबारबारभाषतयहबानी २२
पुनःश्लोकः।श्रीभागवते॥एवमादिश्यचाक्रूरंमंत्रिणश्चवि
सृज्यसः। प्रविवेशगृहंकंसस्तथाऽक्रूरःस्वमालयम् १
कंसकोस्वप्नभयोसोवर्णन। रागबिलावल ॥ यहैमंत्रअक्रूर
सोंनृपरैनिबिचारी। प्रातनंदसुतमारिहौंयहकह्योप्रचा
री। करिबिचारयुगयामलौंमंदिरपगुधारे। कह्योजाहु
अक्रूरसोंभयेआलसभारे। तुरतजायपलकापरयोपल
कनिझपकानो। श्यामरामसपनेखरेतहँदेखिडरानो।
अतिकठोरदोउकालसेभरम्योअतिझझक्यो। जागिप

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

रयोतहँकोउनहींमनहींमनससक्यो । चौंकिपरोसँगनारि केरानीसबजागीं । उठींसबैअकुलायकेतबबूझनलागीं । महाराजझझकेकहासपनेक्योंशंके । सूरअतिहिंब्याकुल धरधरउरदंके २३ ॥ पुनः ॥ महाराजक्योंआजहींसपने झझकाने । पौढ़ेअबहींआयकेदेखेबिलखाने । कहाशो चऐसोपरोऐसोपुहुमीको । काकीसुधिमनमेंकरीकहिये आपजीको । रानीसबब्याकुलभईकछुभेदनपावैं । तब आपनसहजहिंकह्योवहनहींजनावैं । सावधानकरिपौ रियाप्रतिहारजगावे । सूरत्रासबलश्यामकेनहिंपलक लगावै २४ ॥ ब्रजमेंनंदकोस्वप्नभयो । रागबिलावल ॥ उत नन्दहिस्वप्नोभयोहरिकहूंहिराने । बलमोहनकोउलैग योसुनिकैबिलखाने । ग्वालसखारोवतकहैंहरितौकहुंना हीं । संगहिसँगखेलतरहेयहकहिपछिताहीं । दूतएकसँ गलैगयोबलरामकन्हाई । कहाठगौरीसीकरीमोहनील गाई । वाहीकेदोउक्कैगयेहमदेखतठाढ़े । सूरजप्रभुवैनि ठुरह्वैअतिहीगयेगाढ़े २५ ॥ सो० ॥ अतिब्याकुलनँद रायमुरछिपरेधरणीसुनत । बिवशयशोदामायश्यामबि रहब्याकुलखरी २६ ॥ पुनःरागसोरठ ॥ ब्याकुलनन्दसु नतयहबानी । धरणीमुरछिपरीअतिव्याकुलबिवशय शोदारानी । ब्याकुलगोपिग्वालसबब्याकुलब्याकुलब्र जकीनारी । सुनिबातबलरामश्यामकोलैगयोदूतएक दुखकारी । धरणीपरतिउठतिपुनिधावतियहिअंतरनँद जागे । धकधकातउरनैनस्रवतजलसुतअँगपरसनला गे । सुसकतसुनिजसुमतिअतिआतुरकहामहरभ्रमपा

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

यो । सूरनन्दघरनाकेआगेयहभ्रमनहींसुनायो २७ ॥
कंसकोस्वप्नभयो ताउपरांतकोवृत्तांत । रागकल्यान ॥ एक
यामनृपकोनिशियुगतेभइभारी । आपनहूंजाग्योसँग
जागींसबनारी । कबहुंउठतबैठतपुनिकबहुंसेजसोवै। क
बहुंअजिरठाढ़ोह्वैऐसेनिशिबिगोवै।बारबारज्योतिषिसों
घरीबूझिआवै । एकजायपहुंचेनहीं अरुएकपठावै ।
ज्योतिषिजियत्रासधरयोकहाप्रातकरिहैं । सूरक्रोधभ
रयोनृपतिकाकेशिरपरिहैं २८ ॥ पुनः ॥ व्याकुलतेरैनि
कटीबचीघरीबाकी । एकएकक्षणयामयामऐसीगतिता
की । कोजैहैब्रजकोमनकरैकेहिपठाऊं । जासोंकहिनन्द
सुवनआजहीमँगाऊं । अबनाहिंराखौंउठायबैरीनाहिंना
नों । मारोंगजपैरुदायमनहींअनुमानों । पठऊंअक्रूरहि
कोऐसोनहिंकोऊ । सूरजायगोकुलतेल्यावैठगिदोऊ २९
चौ० ॥ अतिप्रभातरविउगननपायो । सफल्कसुतउत
कंसबुलायो ३० सुनतहिद्वारपालउठिधायो । सोवत
तेअक्रूरजगायो ३१ कह्योबेगचलियेनृपपासा । समु
झिमंत्रनिशिचल्योउदासा ३२ ठाढ़ोनृपतिद्वारहीपायो ।
देखतदूरिहितेशिरनायो ३३ अतिआदरकरिनिकटबु
लायो । शिरोपावनृपतुरतमँगायो ३४ अक्रूरहिनिजक
रपहिरायो । बहुतकृपाकरिबचनसुनायो ३५ ल्यावहुनं
दमहरसुतदोऊ । तुमसमचतुरऔरनहिंकोऊ ३६ ॥
दो० ॥ मुखहर्षेअक्रूरसुनिहृदयगयोबिलखाय । असुर
त्रासजियमेंपरयोबचनकह्योनहिंजाय ३७ ॥ सो० ॥
दीन्होरथहिचढ़ायजाहुबेगिनृपब्रजकह्यो । लैआवहु

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

दोउभायअबहिंबिलम्बनकीजिये ३८ ॥ चौ० ॥ तब
अक्रूरकह्योकरजोरी । सुनोदेवबिनतीयकमोरी ३९ ॥
रागबिलावल ॥ सुनहुदेवयकबातजनाऊं । आयसुभयो
तुरतलैआवहुँतातेफेरिसुनाऊं । बलमोहनउठिजातप्रा
तहींजोउनकोनहिंपाऊं । रहिहौंआजुनन्दगृहबसिकैका
ल्हिप्रातलैआऊं । यहकहिंचल्योनृपतिहूंमान्योसफल
कसुतरथहांक्यो । सूरदासप्रभुध्यानहृदयधरिगोकुलत
नकोताक्यो ४० ॥ रागकल्यान ॥ सफलकसुतहृदयध्या
नकीन्होअविनासी । हरणकरणसमरथसबघटघटको
बासी । धन्यधन्यकंसहिकहिमोहिंजिनिपठायो । मेरोक
रिकाजमीचआपुकोबुलायो । यहगुणिरथहांकिदियोन
गरपरयोपाछे । कछुसकुचतकछुहरषतचल्योलागिका
छे । बहुरिशोचपर्‌यो दरशिदक्षिणमृगमाला । हरष्यो
अक्रूरसूरमिलिहैंगोपाला ४१ ॥ दो० ॥ शिलाशापमो
चनकरणहरणभक्तउरपीर । आजुदेखिहौंवहचरणसक
लसुखनकीक्षीर ४२ ॥ रागनट ॥ जबशिरचरणनिधरि
हौंजाय । कृपाकरिमोहिंदेखिलैहैंकरनिहृदयलगाय ।
अंगपुलकितबचनगदगदमनहिंमनसुखपाय । प्रेमघट
उच्छलितह्वैहैंनयनअश्रुबहाय । कुशलबूझतकहिनस
किहौंबारबारसुनाय । सूरप्रभुगुणध्यानअटक्योपन्थग
योभुलाय४३ ॥ क० ॥ एकरजरेणुकापैचिन्तामणिवारि
डारौंलोकनकोवारौंसेवाकुंजकेबिहारीपै । ललतनकेपात
नपैकल्पवृक्षवारिडारौंरामहूकोवारिडारौंगोपिनकेद्वारपै।
ब्रजकीपनिहारिनपैशचीरचीवारिडारौं बैकुण्ठहूकोवारि

डारोंकालिन्दीकेघाटपै । कहैंअभयरामएकराधाजूको जानतहौंदेवनकोवारिडारोंनन्दकेकुमारपै ४४॥ चौ०॥ सांझभयोगोकुलनहिंपायो । नहिंजानतकोहौंकहँआयो ४५ भयोहरषउरप्रेमविशाला । दशहूंदिशिपूरणगोपाला ४६ हरिअंतरयामीसबजाना । भक्तबछलहैतिनकोबाना ४७॥ रागकल्यान ॥ वृन्दाबनग्वालनिसँगगैयनिहरिचारैं । अपनेजनहेतकाजब्रजकोपगधारैं । यमुनाकरिपारगायश्यामदेतहेरी । हलधरसँगसखालयेमुरलीगणघेरी । धेनुदुहनसखनकह्योआपुदुहनलागे । वृन्दाबनगोकुलबिचयमुनाकेआगे । भक्तहेतश्रीगुपालयहसुखउपजायो । सूरजप्रभुकोदरशनसुफलकसुतपायो ४८ ॥ दो० ॥ माखनप्रभुसुखदेखिकैरोमरोमसुखदाय । प्रेमभावसेमगनह्वैपरयोचरणपरजाय ४९ श्रीभागवते श्लोकः ॥ रथात्तूर्णमवप्लुत्यसोऽक्रूरःस्नेहविह्वलः।पपातचरणोपांतेदण्डवद्रामकृष्णयोः १॥चौ०॥ पुलकगातलोचनजलधारा । हृदयप्रेमआनन्दअपारा ५० कृपासिंधुकरिकृपाउठाये । भक्तहेतमिलिकंठलगाये ५१ मधुरबचनश्रवणनसुखदाई । पुनिपुनिपूंछतकुँवरकन्हाई ५२ कुशलनाथअबदरशनिहारी । दैत्यदलनभक्तनहितकारी ५३ भेदहिंभेदकंसकीबानी । सुफलकसुतसबप्रगटबखानी ५४ ॥ दो० ॥ सुनतबचनअक्रूरकेमुसक्यानेब्रजचंद । फरकिभुजाभूभारकीटारनअसुरनिकंद ५५ ॥ सो० ॥ मिलेरामपुनिआयपरमप्रीतिअक्रूरसों । आनँदउरनसमायवासुदेवबलदेवल

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

खि ५६ ॥ रागबिलावल ॥ श्यामयहैकहिकेउठेनृपहम
हिंबुलाये । अतिहिकृपाहमपरकरीजोकाल्हिबुलाये।
संगसखायहसुनतहीचकितमनकीन्हो। कहाकहतहरि
सुनतहौलोचनभरिलीन्हो । श्यामसखनिमुखहेरिकेत
बकरीसयानी। काल्हिचलौनृपदेखियेशंकाजियआनी।
हरषभयेहरियहकहैंमनमनदुखभारी। सूरसंगअक्रूरके
हरिब्रजपगुधारी ५७॥ रागरामकली ॥ अतिकोमलब
लरामकन्हाई। दुहुनिगोदअक्रूरलियोहाँसिसुमनहुंतेह
रुवाई । ग्वालसंगरथलीन्हेआयेपहुंचेब्रजकीखोरी।
देखतगोकुललोगजहांतहँनन्दउठेसुनिरोरी। निशिस
पनेकोत्रसितभयेअतिसुन्योकंसकोदूत । सूरनारिनर
देखनधायेघरघरशोरअकूत ५८॥ दो० ॥ आतुरउठि
आगेचलेलेननन्दउपनन्द । देखनधायेघरनतेसुनत
नारिनरवृन्द ५९॥ सो० ॥ श्यामरामउरलायस्यन्दन
तजिसुफलकसुवन । आवतलखिनँदरायभयेहरषबि
स्मयबिवश ६०॥ चौ० ॥ सादरतिनकोशीशनवायो।
कुशलप्रश्नकरिकारिगृहलायो ६१ चरणधोयबैठकशु
भदीन्ही। बिबिधभांतिभोजनबिधिकीन्ही ६२ तबअ
क्रूरसंगलैदोऊ। भोजनाकियोलखतसबकोऊ ६३ उठे
अँचैतबपानखवाये । आदरसहितपलँगबैठाये ६४
पुनिकरजोरिनन्दतबभाख्यो । कहाकृपाकरिपगइतरा
ख्यो ६५ तबऐसेअक्रूरसुनाये । बलमोहननृपकंसबु
लाये ६६ तुमकोकह्योसंगलैआवैं । सुनिसुनिगुणमेरे
मनभावैं ६७ देखनकोअभिलाषजनायो । तातेबेगहि

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

प्रातबुलायो ६८ ॥ दो० ॥ चकितनन्दयशुमतिचकित
मनहींमनश्रकुलात । हरिहलधरकोसैनदैसबैबुलावत
जात ६९ ॥ सो० ॥ मायारहितमुकुन्दयोगवियोगजा
केनहीं । सदाएकश्रानन्दश्रविगतश्रविनाशीपुरुष ७०
रागबिहगरो ॥ ब्याकुलभयेब्रजकेलोग । श्याममननाहिं
नेकश्रानतब्रह्मपूरणयोग । कौनमातापिताकोहैकौनहै
पतिनारि । हँसतदोउश्रक्रूरकेसँगनवलनेहबिसारि ।
कोउकहतयहकहांश्रायोक्रूरयाकोनाम । सूरप्रभुलैप्रा
तजैहैंश्रौरसँगबलराम ७१ ॥ दो० ॥ मधुपुरप्रभुकोग
मनसुनिब्याकुलगोपीग्वाल । गयेसकलमुरझायतन
भयेबिकलतेहिकाल ७२ ठौरठौरऐसीदशाकहतनश्रा
वैबैन। बढ़ोश्यामबिछुरनब्यथाढरतउमँगिजलनैन ७३
सो० ॥ फिरतबिकलसबग्वालिपूंछतिएकाहिएकसों ।
चलनचहतबनमालिमनमलीनब्याकुलसबै ७४।चौ०॥
कहहिंपररुपरातियश्रकुलाई । किततेश्रायोयहदुखदा
ई ७५ जानकहतयासंगकन्हाई । कैसेप्राणरहैंगेमाई
७६ ॥ रागसारंग ॥ ब्रजबासिनकेसर्बसश्याम। रेश्रक्रू
रक्रूरबटमारेजीकेजीमोहनबलराम । श्रपनोलागलेहु
लेखोकाहिजोकुछराजश्रंशकोदाम । श्रौरमहरलैसंग
सिधारोनगरकहालरिकनकोकाम । सन्ततसाधुपर
मउपकारीसुनियतबड़ोतिहारोनाम । सूरदासप्रभुप
ठैमधुपुरीकोजीवैक्षणबासरयाम ७७ ॥ पुनः ॥ नहिं
कोइश्यामराखैजाइ । सुफलकसुतबैरीभयोमोकोकहत
यशोदामाइ । मदनगुपालबिनाघरश्रांगनकोकुलका

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

हिसुहाइ। गोपीरहींठगीसीठाढ़ीकहाठगौरीलाइ। सुन्दरश्यामरामभरिलोचनबिनदेखेदोउभाइ। सूरतिनहिंलैचलेमधुपुरीहिरदैशूलबढ़ाय ७८ ॥ रागसोरठ ॥ मोहनइतनोमोहिंचितधरिये। जननीदुखितजानिकरिकबहूंमथुरागमननकरिये। यहअक्रूरक्रूरपाहिलेहीतुमहिंलेनहैआयो। तिरछेभयेपुरबलेपातकबिधियहठाटबनायो। मोसोंमाततातब्रजपतिसोंकहतरहतदोउभाई। तेहिमुखचलनकहतसुनिजीवतिमोरोकछुनबसाई। सूरस्वरूपविलोकियशोदाधरणिपरीमुरझाई। मैंबलिजाउँमुखारबिन्दकीबरजतिरहौंकन्हाई ७९ ॥ पुनः ॥ यशोदाबारबारयोंभाखै। हैकोऊब्रजहितूहमारोचलतगोपालहिराखै। कहाकाजमेरेछगनमगनकोनृपमधुपुरीबुलायो। सुफलकसुतमेरोप्राणहरणकोकालरूपह्वैआयो। बरुयहगोधनकंसलेइसबमोहिंबन्दिलैमेलै। इतनोमांगतिकमलनैनमेरिअँखियनिआगेखेलै। कोकरकमलमथानीगहिहैकोदधिमाखनखैहै। बहुरयोइन्द्रबरसिहैब्रजपरकौनमेरुकरलैहै। बासररैनिविलोकेजीऊंसंगलागिहुलराऊं। हरिबिछुरतअँसुरहैकर्मबशतोकेहिकंठलगाऊं। टेरिटेरिधरपरतियशोदाअधरबदनबिलखानी। सूरसुदशाकहांलगिबरणोंदुखितनन्दकीरानी ८० ॥ दो० ॥ कहाधनुषयेदेखिहैंबालकअतिअज्ञान। कियोनृपतिकछुकपटयहपरयोमोहिंयोंजान ८१ ॥ सो० ॥ देहुंनहींमैंजानमोनिधनीकेश्यामधन। लेहुकंसबरुप्रानकोजीवैनँदनन्दबिनु ८२ ॥ क० ॥ प्राणकेअ

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

धारमेरेबारेयेपधारेचाहैं भूपकेअखारेजहांभारेसजेशूर में। पीरबाढ़ीहैशरीरबूड़तवियोगनीरकैसेकैसेधरौंधीर प्रेमकेअधीरमें। डारैबरुकंसकारागारमेंजँजीरभरियेरी बीरजारिजावधनधामचूरमें। जोपैयेकन्हैयाबलभैया दोऊलालमेरेखेलैंकरिमैंयाबैननैनकेहजूरमें ८३॥ राग सोरठ॥ कन्हैयामोरीछोहबिसारी। क्योंबलरामकहत नाहींतुममैंतुम्हरीमहतारी। तबहलधरजननीपरबोध तमिथ्यायहसंसार। ज्योंसावनकीबेलिफफँड़िकैफलती हैदिनचार। हमबालकतुमकोकहसिखवैंकहूंतुमहिंते जात। सूरहृदयधीरजअबधारोकाहेकोबिलखात ८४ सो०॥ कह्योनन्दतबआयमैंलैजैहौंसंगहरि। धनुषयज्ञ दिखरायलैऐहौंतुरतहिबहुरि ८५॥ चौ०॥ ऐसेहिस बकोरैनिबिहानी। भयोप्रातचिरियाचुहचानी ८६ म हरकह्योसबगोपबुलाई। दधिघृतभारसजोवोआई८७ नृपतिभेंटहितकरौसजोई। हरिकेसंगचलौसबकोई८८ ग्वालसखायहसुनिअकुलाने। चहतश्याममधुपुरको जाने ८९ परयोशोरब्रजघरजहँताईं। हरिमुखदेखन कोसबधाईं ९० कह्योश्यामअक्रूरहिंतबहीं। जोतहुता ततुरतरथअबहीं ९१ सुफलकसुतप्रभुआयसुपायो। सहितसकोचरथहिपलनायो ९२ चलनजानिचितवत नरनारी। बिरहाबिकलतनसुरतिबिसारी ९३॥ रागरा मकली॥ अगिनिहुंतेबिरहानलताती। माधोचलनक हतमधुपुरकोसुनततपीआतिछाती। न्याइहिंनागरिना रिबिरहबशजरतदियाज्योंबाती। जेजरिमरींप्रकटपाव

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

कपरितेत्रियअधिकसुहाती । ढारतिनीरनयनभरिभरि बढ़िआकुलतामदमाती । सूरव्यथासोईपैजानैश्यामसु भगरँगराती ९४॥ रागकल्यान ॥ श्यामचलनचहतकह्यो सखीएकआई । तबमोहनरथबैठेसुफलकसुतचढ़नच हतयहसुनिसबचकितभईबिरहदवलगाई । धुकिधुकि सबधरनिपरींज्वालाझरलतागिरीं मनोंतुरतजलदब रसिसुरतिनीरपरसी । धाईसबनंदद्वारबैठेरथदोउकुमा रयशुमतिलोटतिभुवपरनिठुररूपदरसी । कौनमातकौ नपिताआपब्रह्मजगधाताराख्योनाहिं कछूनातनेकनेह नाहीं । आतुरअक्रूरचढ़ैंरसनाहारिनादरढ़ैंसूरजप्रभु कोमलतनुदेखिचैननाहीं ९५ ॥ श्रीभागवते श्लोकः ॥ एवंब्रुवाणाविरहातुराभृशं व्रजस्त्रियःकृष्णविषक्तमान सः।विसृज्यलज्जांरुरुदुःस्मसुस्वरंगोविन्ददामोदरमा धवेति १ ॥ चौ० ॥ बिलपतिबिकलराममहतारी । अ तिव्याकुलसबब्रजकीनारी ९६ ॥ पुनःभागवते ॥ क्रूरम क्रूरतःश्रुत्वाकंसंकंसनिषूदन । गोपीमनोरथारामःसरा मःसपुरंययौ १ ॥ दो० ॥ देखिदुखितब्रजलोगसबऔर यशोदामाय । तबयहकहिप्रभुसुखदियोबहुरिमिलौंगो आय ९७ ॥ सो० ॥ धरणीकेहितकारिमथुरातनाचित येबहुरि । कह्योहगनसनकारिरथहांकनअक्रूरसों ९८॥ मथुराकेचलनसमयकीलीला । रागधनाश्री ॥ बिरहअनलअ ग्निहुंतेताती । माधोचलनचहतमधुबनकोसुनतकँपति हैछाती । धनितेनागरिनाहिंमानतिहैंदेहजरतिजिमिबा ती । सबसँगमरहिंप्रकटपावकजरिवहाजियजानसुहा

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

ती । जानैकौनकहामुखबिकसताबिकलभईमदमाती । सूरदाससोईपैजानैजोयहरँगरसराती९९॥ पुनः ॥ परम बियोगिनिमिलिसबठाढ़ीं । ज्योंजलहीनदीनकुमुदिनि गतरबिप्रकाशकीडाढ़ीं । जिहिबिधिमीनसलिलसोंबि छुरतअतिअधीनकुँभिलानी । सूख्योअधरकहतनाहिं आवैबचनरहितमुखबानी । उन्नतश्वासबिरहाबिरहिनि उरकमलबदनबिलखानी । भीजतनयननिमेषक्षणहिं क्षणमिलनकठिनजियजानी । बिनुबलबुद्धिचकितडो लतिहैंचलनसकतपचिहारी । सूरदासप्रभुअवधिक ह्योहैप्राणतजतिब्रजनारी १६०० ॥ चौ० ॥ ग्वैंड़ेलौं सबगईबिहाला । ब्रजतजगवनकियोगोपाला १ देख तरहींथकीटकलाई । जबतकधूरिदृष्टिमेंआई २ ॥ दो० ॥ भयोओटजबदृगनतेमुरझपरींबिलखाय । कहतगयोअबदूरिरथधूरिनपरतलखाय ३ ॥ क० ॥ कुटिलअक्रूरक्रूरबैरीकाहूजनमनकोचेटकसीडारिशरलै केब्रजमूरिगो । ब्याकुलबिहालबालबंशीधरश्यामबिनु मीनसीतलफमानोंप्रेमरसभूरिगो । चरणउठायचकि तचितवतऊंचेधामचढ़ि चिन्तामणिचकितभयोचैनस बचूरिगो । बारबारकहतबिसूरिजलपूरिनैनधूरिनउड़ा तआलीअबरथदूरिगो ४ ॥ रागनट ॥ तबनबिचारीरी यहबात । चलतनफेंटगहीमोहनकीअबकाहरीपछिता त । निरखिनिरखिमुखरहीमौनह्वैचकितभईबिलखात। जबरथभयोदृष्टिआगोचरलोचनअतिअकुलात। सबै अजानभईवहिअवसरअतिढिगगहिसुतमात । सूर

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

दासस्वामीकेबिछुरेकौड़ीभरिनबिकात ५॥ रागधनाश्री॥ केतिकदूरगयोरथमाई। नन्दनँदनकेचलतसखीरीहौंहूं मिलननपाई। एकहुद्योसद्वारनँदजाकेतहाँरैनिबिनु आई। आजबिधातामतिहुंरिसानीभवनकाजबिसरा ई। जबचलबेकीसाजकरततबकाहुनबातचलाई। बि धनासकलअकेलीकीन्हीशूलसहीनहिंजाय। सूरदास प्रभुकहाजानिजियजलनिधिदेहौंबहाय ६ ॥ रागपूर्बी॥ कहूंजातदेख्योपियमेरो। जबतेहरिमधुबनहिंसिधारेक बहुंकियोनहिंफेरो। पथिकनचलतसँदेशनपावतमग जोवतभइडेरो। एकबारहरिदरशनदीजैयोगयुक्तिन हिंहेरो। ताबिनुकौनकरैजोसूरजयुवतिनप्रेमनिवेरो ७॥ दो०॥ योंब्रजतियपछितायसबदेखियशोदादीन। सब आईअपनेभवनकिरशितबदनमलीन ८॥ रागबिहगरो॥ भवनभयानकलागेमायाश्यामबिना। देखिहौंजायका हिलोचनभरिनँदजूकेअँगना। लेगयेअक्रूरक्रूरताही कोआजकेप्राणधना।कौनसहायकरैगृहअपनेमेटैबिघन घना। काहिउठायगोदधरिलीजैकरिकरिमनामना। सूरदासमोहनदरशनबिनुसुखसम्पतिसपना ९॥ राग धनाश्री॥ मथुराकेद्रुमदेखियतन्यारे। इतनीदूरसदेह मिलनकोसुनियतटेरपुकारे। तुमबिनुश्याममनोहरमूर तिमदनबाणहममारे। सूरश्यामबिनुभयोगेहबनगगन गनतनिशितारे १०॥ चौ०॥ खगमृगबिकलजहांतहँ बोलैं। गायबत्ससबरांभतडोलैं ११ तरुबेलीपल्लवकुँ भिलानी। ब्रजकीदशानजातिबखानी १२॥ सो०॥सब

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

व्रजपरमउदासहरिबिनुसुखसम्पतिसपन। रह्योप्राण
इहिआसश्यामकह्योमिलिहौंबहुरि १३ इतव्रजकोय
हहालउतसुफलकसुतसंगमें। हलधरसहितगुपालजा
तपरमआनँदभरे १४ ॥ रागकल्यान चरचरी ॥ उतहीं
अक्रूरशोचकरतमनहिंमाहीं। कहतआजकाजनीककी
न्होमैंनाहीं। कोमलतनुश्यामरामजननिजनकदुखित
धामव्याकुलव्रजगोपबामनेकुचैननाहीं। जाततिन्हेमैं
लिवायकंसपैनकछुबसाय मारैइनकोसोआजुदेखतमो
आगे। धृक्धृक्यहबुद्धिमेरिब्रजाहिइनहिंदेहुफेरिमारै
बरुकंसमोहिंआजुहियहिलागे। हरिकोनहिंदेहुंजानसु
फलकसुतमनहिंआन इहिअन्तरहीबिमानयमुनातट
आयो। कीन्होरथतहांठाढ़हदयशोचपरयोगाढ़ताहद
लखिजानिश्यामभक्तशोचपायो। अन्तरयामीसुजान
श्रीपतिकरुणानिधान सूरहदसंशयकोतुरतहिपाहिचा
नो। बोलेगोपालभक्तपालदुष्टशाललाग्योमोहिंक्षुधा
कछुकभोजनअबआनो १५ ॥ दो० ॥ भूखलागितबह
रिकह्योहमैंकलेऊदेहु। करियमुनाअस्नानतबतातुम
हुंकछुलेहु १६ ॥ सो० ॥ सुनतबचनमृदुकानसुफलक
सुतसुनितुरतही। कछुमेवापकवानभोजनदुहुभैयनदि
यो १७ श्लोक। श्रीभागवते ॥ अक्रूरस्तावुपामंत्र्यनिवे
श्यचरथोपरि। कालिंद्याहृदमागत्यस्नानंविधिवदाचर
त् १ निमज्ज्यतस्मिन्सलिलेजपन्ब्रह्मसनातनम्। तावे
वददृशेऽक्रूरोरामकृष्णौसमन्वितौ २ ॥ चौ० ॥ चकित
भयोजलतेशिरकाढ़यो। देख्योरथबाहिरसोठाढ़्यो १८

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

बहुरयोबूड़िसलिलमेंदेख्यो । वैसोइफेरितहांरथपे
ख्यो १९ क्षणजलमेंक्षणप्रकटिनिहारै । पुनि२संभ्रम
बुद्धिबिचारै २० भयोबिकलजबअतिअकुलायो । नि
जस्वरूपहरिप्रकटिदिखायो २१ ॥ श्रीभागवते ॥ सहस्र
शिरसंदेवसहस्रफणमौलिनम् । नीलाम्बरंबिसश्वेतंशृं
गैःश्वैतमिवस्थितम् १ तस्योत्संगेघनश्यामपीतकौशेय
वाससम् । पुरुषंचतुर्भुजंशांतंपद्मपत्रारुणेक्षणम् २ ॥
चौ० ॥ नखशिखअनुपमरूपबिराजैं । दिव्याभरणसक
लअँगराजैं २२ ॥ दो० ॥ नन्दसुनन्दादिकजितेदिव्य
पारषदआहिं । करजोरेठाढ़ेसबैपरिचर्याकेमाहिं २३ ॥
सो० ॥ ठाढ़ीजोरेहाथमायानिजमायासहित । भक्तभक्त
केसाथ अम्बरीषप्रह्लादबलि २४ ॥ चौ० ॥ शिवअ
जसहितशिवाअरुबानी । सनकादिकनारदअरुज्ञानी
२५ शक्तिनसाहितसुरासुरजेते । करजोरेठाढ़ेसबतेते
२६ चन्द्रकुबेरबरुणदिगपाला । मनुबिसुकर्मधर्मयम
काला २७ ॥ दो० ॥ माखनप्रभुब्रजराजकेसभीदेवता
साथ । हाथजोड़िअस्तुतिकरैंधरेचरणपरमाथ २८ ॥
चौ० ॥ जलमेंलखिअक्रूरभुलाने । कृष्णप्रभावप्रकटस
बजाने २९ ॥ दो० ॥ तनमनरह्योलुभायकेदेखिरूपअ
भिराम।माखनप्रभुघनश्यामकोलाग्योकरनप्रणाम ३०
चौ० ॥ अतिआनन्दबढ़योमनमाहीं । अस्तुतिकरनल
ग्योतेहिठाहीं ३१ ॥ श्रीभागवते । श्लोकः ॥ नतोऽस्म्य
हंत्वाखिलहेतुहेतुंनारायणंपूरुषमाद्यमव्ययम् । यन्ना
भिजातादरविंदकोशाद्ब्रह्माऽविरासीद्यतएकलोकाः १

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

चौ० ॥ सकलविश्वतुमहींबिस्तारो । विश्वरूपहैरूपतु
म्हारो ३२ निर्गुणनिर्विकारअविनाशी। लीलासगुणगुण
नकीराशी ३३ प्रभुतुमसबदेवनकेदेवा। जानैकौनतुम्हा
रोभेवा ३४ ॥ छं० ॥ कोजानतुम्हरोभेवहरितुमसकलदे
वमईप्रभो । आदिकारणसबहिकेतुमविश्वसबतुम्हरो
विभो। अतिअगाधअपारतुमगतिपारकाहूनहिंलह्यो ।
शंभुशेषअनेकबिधिनानेतिनिगमनहूंकह्यो । भक्तहित
धरिबिबिधतनतुमचरितअद्भुतबिस्तर्यो। मच्छकच्छब
राहह्वैबपुवेदगिरिनखउद्धर्यो। होयनरहरिभक्तप्रणकरि
सुरनहितबामनभये। भृगुबंशमणिअभिरामतनधरिमा
नमयक्षत्रीहये । रामरूपनिपातिरावणबिभीषणकोनृप
कियो।कंसअरियदुबंशभूषणकृष्णबपुछबिनिधिलियो।
बोधरूपदयालकलिकिंहसादकर्मनभावहीं । निःकलं
कमलेच्छहादशरूपश्रुतितवगावहीं ३५ ॥ श्रीभागवते
श्लोकः ॥ नमस्तेवासुदेवायसर्वभूतक्षयायच । हृषीकेश
नमस्तुभ्यंप्रपन्नंपाहिमांप्रभो ॥ दो० ॥ तवगुणरूपअ
पारप्रभुहौंअजानजगदीश । यौंअस्तुतिअक्रूरकरिना
योप्रभुपदशीश ३६ ॥ सो० ॥ तबहिंश्यामसुखदाय
अंतरहितजलतेभये । निकर्योअतिअकुलायतबज
लतेअक्रूरपुनि ३७ ॥ चौ० ॥ लखीकृष्णकीजबप्रभुता
ई । बढ्योहर्षअतिउरनसमाई ३८ चलोहांकिरथत
बहर्षाई । नँदउपनंदमिलेतहँआई ३९ हरिअक्रूरहिं
बूझतजाहीं । करिसयानमनमनमुसक्याहीं ४० क
हीताततुमअबहर्षाने । प्रथमहिंकछूबहुतमुरझाने ४१

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

कहहुसत्यहमसनसोइबानी । तबअस्तुतिअक्रूरबखानी ४२ ॥ दो० ॥ अबमोहिंप्रभुबूझतकहातुमतोत्रिभुवनकेनाथ।करताहरताजगतकेसकलतुम्हारेहाथ ४३॥ सो० ॥ कहाबापुरोकंसकहामल्लकहकुबलया । अबकरिहौनिरबंसबेगनाथऐसेखलन ४४॥चौ० ॥ सुनिमोहनसुफलकसुतबानी । भयेप्रसन्नभक्तसुखदानी ४५ जातचलेरथपरदोउभाई।सन्मुखदृष्टिमधुपुरीआई ४६
मथुरापुरीके पहुंचनेसमयकीलीला । दो० ॥ ध्वजपताकतोरणकलशतहँतहँललितबितान । मुक्ताझालरझलमलेकोकरिसकैबखान ४७ ॥ सो० ॥ निरखिनिरखिहर्षातमनमोहनअक्रूरको । बलहिंदिखावतजातललितलालकरपल्लवन ४८ ॥ चौ० ॥ कहैंअक्रूरसुनहुयदुनाथा । भईआजमधुपुरीसनाथा ४९ ॥ रागसोरठ ॥ मथुराऐसीआजबनी । मानोंपतिकोआगमजान्योसज्योंशिंगारघनी । भूषणचित्रबिचित्रदेखियतशोभितसुन्दरअंगनि।मानोंकोटिकसीकटिकिंकिणिउपबनबसनसुरंगनि । सुनियतसघनकरालघोषमैंपायननूपुरबाजत। उरअंचलअंचलअतिराजतधामनिध्वजाबिराजत। ऊंचेअटनिनछत्रनकीछबिजनुयुवतीमगुफूली । कनककलशकुचप्रकटदेखियतआनंदकंचुकिभूली । बिद्रुमफटिकपानचीऊपरजालरंध्रकीरेख । मनहुँतुम्हारेदर्शनकारणनयननतजीनिमेख । अवलोकहुयहिभांतिरमापतिपुरीपरमरुचिरूप । सूरदासप्रभुकंसमारिकेहोहुयहांकेभूप ५० ॥ चौ० ॥ नगरानिकटपहुं

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

चेजवजाई। सुफलकसुवनसहितदोउभाई ५१ गौर
श्यामरथपरदोउराजैं। कोटिनकामनिरखिछबिलाजैं
५२॥ दो०॥ परयोशोरमथुरानगरआवतनन्दकुमार।
सुनिधायेनरनारिसबगृहकोकाजबिसार ५३॥ सो०॥
लाजकाजडरडारकोउखिरकिनकोउअटनपर। कोऊ
खड़ीदुवारकोउधावतगलियनफिरत ५४॥ चौ०॥
आवतसखिबलरामकन्हाई। सुनियतजिनकीबहुतब
ड़ाई ५५ नन्दगोपकेयेदोउढोटा। गौरश्यामसुन्दर
दोउजोटा५६॥ रागगौरी॥ वहदेखोआवतबनमाली।
घनतनश्यामपीतपटसुन्दरशोभितनयनबिशाली। जि
नपहिलेहिपलनापौढ़तपैंपीवतपूतनाबिघाली। अघ
बकबच्छअरिष्टकेशिमाथिजलतेकाढ़ोकाली। जेहि
अतिशकटप्रलम्बतृणाव्रतइन्द्रप्रतिज्ञाटाली। इतने
परअन्धोमानतनाहिंकपटीकंसकुचाली। अबबिधुब
दनबिलोकिसुलोचनश्रवणनसुनतजोआली। धन्य
तीयगोकुलकीनारीसूरजप्रकटप्रतिज्ञापाली५७॥ राग
पूर्बी॥ देखुवेआवतहैंबनमाली। जिनपहिलेपौढ़त
पलनाहींपैप्यावतपूतनाबिघाली। अघबकवृखभब
रुणकेशीसुतजलतेकाढ़ोकाली। जिनहठिमारिप्रलं
बतृणाव्रतइन्द्रप्रतिज्ञाटाली। येतेपरअजहूंनहिंसमु
झतकपटीकंसकुचाली। अबबिधुबदनबिलोकिसु
लोचनिश्रवणसुनतहींआली। धन्यसुगोकुलनारिसूर
प्रभुप्रकटप्रीतिप्रतिपाली ५८॥ दो०॥ लेतिबलैयां
वारिकैआंचरयहकहिनार। करिहैंइनसोंकपटनृपतो

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

ह्वैहैंजरिछार ५९ ॥ सो० ॥ सुफलभयोमनकामदेखि
दरशइनकोसखी। कुशलजाहुनिजधामदेतअशीश
सुनायसब ६० ॥ चौ० ॥ देतसबनसुखयोंमनभावन।
उतरेजायबागएकपावन ६१ गोपनसहितनन्दतहँरा
ख्यो। तबसुफलकसुतसोंहरिभाख्यो ६२ आगेक
हहुताततुमजाई। आयेश्यामरामदोउभाई ६३ तब
अक्रूरजोरियुगपाणी। बोल्योसुनतश्यामकीबाणी ६४
हैमेरमनमेंयहआसा। चलिपावनकीजैमोबासा ६५
तबहँसिकैबोलेघनश्यामा। ऐहोंएकदिनातुवधामा ६६
ऐसेकहिअक्रूरपठायो। बिदाहोयनृपपाससिधायो ६७
रथतेउतरिपरेदोउभाई। ग्वालबालसबलियेबुला
ई ६८ सखाआतसँगसहितहुलासा। गयेयमुनतट
नगरनिवासा ६९ ॥ दो० ॥ बालबैसशोभितसुभग
बालसखनकेसंग। गौरश्यामशोभानिराखिलाज्जित
कोटिअनंग ७० ॥ सो० ॥ अतिबिचित्रकोजानब्रज
बासीप्रभुकेचरित। अमितगुणनकीखानजनरंजनदु
ष्टनदलन ७१ ॥ रजकबधलीला। श्लोकः ॥ एकचत्वा
रिंशकेऽहन्रजकंप्राविशंपुरीम्। ततोवराननातुष्टः
सुदाम्नोवायकश्यच १ ॥ श्रीभागवते श्लोकः। रज
कंकंचिदायांतंरंगकारंगदाग्रजः। दृष्ट्वाऽयाचतवासां
सिधौतान्यत्युत्तमानिच १ ॥ चौ० ॥ नृपतिरजकअंब
रनृपधोवै। आवतदेखिश्यामतनजोवै ७२ हँसिहँसि
गर्बबातयोंचालैं। कंसराजकेउरयेशालैं ७३ अतिखो
टोजेहिनामकन्हाई। प्रथमताहिद्वारैमरवाई ७४ हैब

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

लभद्रतैसोईखोटो। गोरोअंगमहाबलमोटो ७५ ताहू
कोमारैगोराजा। इन्हैंबोलिपठयोयहिकाजा ७६ ऐसे
कहतपरस्परबानी। प्रभुअन्तरयामीसबजानी ७७
ग्वालनसहितगयेतिहिपाहीं। कह्योकछुकअम्बरहम
चाहीं ७८ तिनकोपहिरिनृपतिपहँजैहैं। देहैंबहुरितुम्हैं
जबऐहैं ७९ जोपहिरावननृपसोंपैहैं। तामेंकछूतुमहुं
कोदैहैं ८० ॥ दो० ॥ हँस्योबचनसुनिश्यामकेकह्योगर्ब
करिबैन। बलिकेबकराक्वैरहेआयेहैंपटलैन ८१ ॥ सो०॥
राखोंघरीबनायक्वैआवहुतुमद्वारलों। तबलीजोपटआ
यमनभावैसोदीजियो ८२ ॥ रागबिलावल ॥ बनबनफि
रतचरावतगैया। अहिरजातिकामरीउढ़ैया। जुरिकै
चलेनृपतिकेपासा। पहिरावनलेबेकीआसा। नेकआ
शजीवनकीसोऊ। खोवनचहतअबाहिंपुनिसोऊ। ऐ
सेकहिकहिरजकरिसानों। येनृपबसननहींतुमजानों।
अबहींसुनतक्षणकमेंमारै। नन्दहिपकरिबंदिमेंडारै।
जाहुचलेयहँतेअबनीके। कैक्वैहौअबहींबिनजीके। कर
तअचगरीमोसोंआई। दुहुनमारिहौंकंसदुहाई। यहसु
निकियोश्यामयहख्याला। भुजापकरिपटक्योततका
ला ८३ ॥ दो० ॥ तुरतगयोतनुतजिस्वरगकीन्होरज
कनिहाल। जन्ममरणतेरहितभोऐसोगुणगोपाल ८४
सो० ॥ लखिकेगयेपरायसंगीताकेसबरजक। लीन्हेब
सनलुटायश्यामप्रथमहींनृपतिके ८५ ॥ रागबिलावल ॥
रजकमारिसबबसनलुटाये। आपपहिरिग्वालनपहिरा
य। चलेतहांतेसबहरषाई। मिलोएकदरजीपुनिआई।
CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

प्रभुकोदेखिबहुतसुखपायो । चरणकमलकोमाथनवा
यो । घाटबाढ़जेबसनसुहाये । तेउनकरिसमतुरतबना
ये ८६ ॥ श्रीभागवते । श्लोकः ॥ ततःसुदाम्नोभवनंमा
लाकारस्यजग्मतुः । तौदृष्ट्वाससमुत्थायननामशिरसा
भुवि १ ॥ चौ० ॥ आदरसहितभवनमेंआन्यो । चरण
धोयनिजभाग्यबखान्यो ८७ हाथजोरिनिजबिनयसु
नाई । जैजैश्रीपतिप्रभुयदुराई ८८ नृपतिहेतजेहारब
नाये । तेसप्रेमप्रभुकोपहिराये ८९ मोपैनाथअनुग्रह
कीजै । दीनजानिअपनोकरिलीजै ९० ॥ दो० ॥ सुनि
सप्रेमताकेबचनरीझेश्यामसुजान । मालीपूरणकामक
रिदीन्हभक्तिबरदान ९१ ॥ श्लोकोटी० ॥ स्वैरंचरन्म
धुपुरेरजकंनिकृत्यकृष्णःप्रदायचवरानथवायकाय । मा
लाकृतंसमनुकम्प्यचकारकुब्जामृज्वींधनुश्चसहसान
मयन्बभंज २ ॥ कुब्जामिलनतथाचन्दनचर्चनलीला । श्री
भागवते श्लोकः ॥ अथव्रजन्राजपथेनमाधवःस्त्रियंगृ
हीतांगविलेपभाजनाम् । बिलोक्यकुब्जांयुवतींबरान
नांपप्रच्छयांतींप्रहसन्रसप्रदः १ ॥ चौ० ॥ निरखि
श्यामछबितनुसुधिभूली । बोलीप्रेमहर्षिरसफूली ९२
हेप्रभुदीनबन्धुसुखदाई । तुम्हरेहितचंदनमैंलाई ९३
मोहिंकलपनायहजगबन्दन । चरचौंअंगतुम्हारेचन्दन
९४ ॥ श्रीभागवते । श्लोकः ॥ दास्यस्म्यहंसुन्दरकंससंम
ताग्निचक्रनामाह्यनुलेपकर्मणि । मद्भावितंभोजयतेरति
प्रियंबिनायुवांकोऽन्यतमस्तदर्हति २ ॥ चौ० ॥ आज
दरशपरगटप्रभुपायो । मोजियकोसन्तापनशायो ९५

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

अबयहमलयकृपाकरिलीजै । पूरणकामनाथममकीजै ५६ अन्तरयामीप्रभुसुखदानी । भावभक्तिकुबजापहिंचानी ५७ ॥ पुनः श्रीभागवते श्लोकः ॥ प्रसन्नोभगवान्कुब्जांत्रिवक्रांरुचिराननाम् । ऋज्वींकर्त्तुंमनश्चक्रेदर्शयन्दर्शनेफलम् १ ॥ दो० ॥ पगराख्योपगपीठपरधरयोशीशकरश्याम । नेकउठाईचिबुकगहिभईसुन्दरीबाम ९८ ॥ सो० ॥ कोकरिसकैबखानजाहिबनाईआपहरि । भईरूपगुणखानकुबजामनआनन्दअति९९ ॥ रागबिलावल ॥ महाकुरूपकुबरीतैसी । परसतभईतुरतरतिजैसी । तबकुबजाअपनेमनमान्यो । मिलेमोहिंमोहनपतिजान्यो । पुनिपुनिचरणकमलशिरनाई । हाथजोरिबहुबिनयसुनाई । जिमिकीन्हीमोहिंकृपाकृपाला । तिमिममसदनचलहुनँदलाला । अपनोचरणकमलतहँधरिये । सुफलमनोरथमेरोकरिये । तासोंबिहँसिकह्योघनश्यामा । कंसदेखिऐहौंतुवधामा । अपनीकरितियसदनपठाई । चलेधनुषदेखनदोउभाई १७०० ॥ धनुषभंगलीला । रागधनाश्री ॥ मथुराकेनरनारिकहैं । कहामिलीकुब्जाचन्दनलैकहाश्यामतेहिकृपाचहैं । कहातपस्याकरियहराख्योजहांतहांपुरयहैचले । कछूनहींआवतहरिदेखीयहैकरोप्रभुहेतभले । तबहिंकृपाकरिसुन्दरिकीन्हीयहमहिमाम्वहिंकहिनहिंआवै । सूरजदासभागकुबरीकोकौनताहिकेपटतरपावै १ ॥ रागपूर्बी ॥ देखनमंदिरपरजुचढ़ी । यदुपतिपूरणचन्द्रविलोकतिजनुपुरउदधितरंगबढ़ी । दरशनकीप्यासीअतिआतुर

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

निशिबासरगुणग्रामरढ़ी। रहीनलाजमोहिंमुखचितव
तसबानिसुनायअशीशपढ़ी। रहीदेहकीखेहकरमबश
जनुपटघटिकाअनलडढ़ी। सूरजदासप्रभुकृपाविलोक
निमनहुंबिधातेंफेरिमढ़ी २ ॥ दो० ॥ रजकमारिलूटेब
सनकरीकूबरीचार। बालभावमोहनमनहिंहैंकोउदेवउ
दार ३ ॥ चौ० ॥ गयेधनुषशालादोउबीरा। देखतच
कितभयेभटभीरा ४ अस्त्रसँभारउठेअकुलाई। देखिथ
केसुन्दरदोउभाई ५ धनुषसमीपअसुरसबठाढ़े। अ
तिबलबीरधीररणगाढ़े ६ सहजाहिंघेरलियेदोउभैया।
बोलिउठेसबसुनहुकन्हैया ७ सुनियतअतिबलभुजन
तुम्हारी। यहकोदण्डचढ़ावहुभारी ८ तिनसोंबिहँसि
कह्योसुखरासी। कहाकरतहमसोंतुमहांसी ९ खेलन
कहौरोलकछुहमको। तौहमखेलबतावैंतुमको १० ऐ
सेश्यामहँसततिनपाहीं। उतअक्रूरगयेनृपपाहीं ११
समाचारसबजायसुनाये। नन्दसहितबलमोहनआये
१२ यहकहिघरअक्रूरसिधारे। रजकजायतिहिकाल
पुकारे १३ ॥ दो० ॥ मारेबिनदूषणहमहिंनन्दगोपके
बाल। लीनेबसनलुटायकेपहिरायेसबग्वाल १४ ॥
सो० ॥ सुनतहिउठ्योरिसायबोल्योसबनबुलायनृप।
करीप्रथमहींआयदेख्योइनढीठोबड़ो १५ ॥ चौ० ॥
मैंसादरकरिइनहिंबुलायो। आगेदेइनरजकमरायो १६
तबहींदूतनखबरजनाई। धनुषनिकटपहुंचेदोउभाई १७
नृपतिधीरधरिअसुरपठाये। तेअसकहतश्यामपहँआ
ये १८ पहिलेतोरिधनुषगोपाला। बहुरिबुलायोनिक

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

टभुवाला १९ सुनिअसुरनकेबचनकन्हाई । बोलेमन
हींमनमुसक्याई २० याहीकोनृपहमहिंबुलायो । जो
रयोबैरजानियहपायो २१ ॥ श्रीभागवते श्लोकः ॥ करे
णवामेनसलीलमुद्धृतंसज्यंचकृत्वानिमिषेणपश्यताम् ।
नृणांविकृष्यप्रबभंजमध्यतोयथेक्षुदंडंमदकर्युरुक्रमः १
छं० ॥ उरआनिरिसिगहिपानितुरतहिंअसुरलैमारेसबै ।
अतिहिबेगउठायधनुषाहितोरिमहिडारयोतबै । उठेत
बकरिक्रोधयोधामारुमारुपुकारहीं । एकझटकतएक
पटकतनैनमटकतफिरतहीं । एकअटकतएकलटकतए
कसटकतजहँतहीं । नन्दसुतरणबीरहोधरधीरअसुरसँ
हारहीं । तालचटकतचमाकिझटकतदेखिभटकतनटभ
ले । एकपकरिफिरायपटकतजाततेनृपपहँचले २२ ॥
सो० ॥ देखतचढ़ेबिमानब्रह्मादिकसुरसिद्धमुनि । डार
तसुमनसुजानब्रजबासीप्रभुपरहरषि २३ ॥ श्रीभागवते
श्लोकः ॥ धनुषोभज्यमानस्यशब्दःखंरोदसीदिशः ।
पूरयामासयंश्रुत्वाकंसस्त्रासमुपागमत् १ तयोर्विचरतोः
स्वैरमादित्योऽस्तमुपेयिवान् । कृष्णरामौवृतौगोपैःपुरा
च्छकटमीयतुः २ गोप्योमुकुन्दविगमेविरहातुरायाआ
शासताशिषऋतामधुपुर्यभूवन् । संपश्यतांपुरुषभूष
णगात्रलक्ष्मींहित्वेतरान्नुभजतश्चकमेऽयनंश्रीः ३ ॥
दो० ॥ बिबिधभांतिभोजनकियोसबग्वालनकेसाथ ।
रैनिगँवाईचैनसोंमाखनप्रभुब्रजनाथ २४ ॥ कुबलयापी
ड़बधलीला । श्लोक ॥ त्रिचत्वारिंशकेहत्वागजेंद्रंरामकृ
ष्णयोः । रंगप्रवेशसौभाग्यंचाणूरेणचभाषणम् १ अ

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

थकृष्णश्चरामश्चकृतशौचौपरंतप । मल्लदुन्दुभिनि
घोषंश्रुत्वाद्रष्टुमुपेयतुः २ ॥ चौ० ॥ रंगभूमिहरिहलध
रआये। संगसखासबग्वालसुहाये २५ देख्योद्विरदद्वा
रपरठाढ़ो। मनहुंगर्वकोगिरिवरगाढ़ो २६ कंधकेशरीग
र्वप्रहारी। बलतनहँसेगयेंद्रानिहारी २७ मधुपुरकीयुव
तीसबठाढ़ीं। कहतपरस्परमहलनबाढ़ीं २८ लखहुस
खीउरअंगलुनाई । रूपराशिमनहरणकन्हाई २९ ॥
दो० ॥ होयहमारोसुकृतकछुसुनहुसखीतोआज । जैसे
तोरयोधनुषहरित्योंजीतैंगजराज ३० ॥ सो० ॥ सुरनम
नावतजातअतिकोमलनँदलाललखि । बचेउकुशल
दोउभ्रातमातपिताकेपुण्यते ३१ ॥ चौ० ॥ देखिमतंग
द्वारमतवारो। गजपालहिंबलरामहँकारो ३२ सुनहुम
हावतबातहमारी। लेहुद्वारतेगजतुमटारी ३३ जानदे
वहमकोनृपपासा। नातरुह्वैहैगजकोनासा ३४ कहेदे
तनहिंदोषहमारो। मतिजानोहरिकोतुमबारो ३५ त्रिभु
वनपतिदुष्टनसंहारी। धरणीभारउतारनकारी ३६ सु
नतबोलगजपालरिसानो। रेगोपालतुमहिंमेंजानो ३७
बादतबड़ेशूरकीनाईं । जैहेंप्राणअबहिंयहिठाईं ३८
तोरयोधनुषभयोअतिगारो। नहिंजानतयहगजअति
भारो ३९ दशसहस्रगजकोबलयाही । डरपतिहैंऐरा
पतिजाही ४० जबलगियासोंलरिनहिंलैहौ। तबलगि
कैसेभीतरजैहौ ४१ ॥ दो० ॥ तबहिंकोपहलधरकह्यो
सुनरेमूढ़कुजात। गजसमेतपटकहुंअबहिंमुंहसँभारिक
हुबात ४२ ॥ सो० ॥ नेकनलगिहैबारदेखतमारिजैहैअ

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

बहिं। तोसोंकहतपुकारमानुअजहुंमेरोकहो४३॥ चौ०॥
यहसुनिगजगजपालचलायो। झटकसूंड़बहुरोगजधा
यो ४४ तबबलरामकोपकरिभारी। बज्रसमानथापयक
मारी ४५ तबसमेटिंकरकरिसकुचान्यो। दईकूकमदरं
धसुखान्यो ४६ हँसतनिकटठाढ़ेदोउभाई। देखिमहा
वतरह्योलजाई ४७॥ रागकल्यान॥ खेलतगजसंगश्या
मरामकुँवरदोऊ॥ क्रोधद्विरदव्याकुलअतिइनकेरिसने
कनहींचकितभयेयोधातहँदेखतसबकोऊ। श्यामझट
किपूंछलेतहलधरकरसूंड़िदेत महलमहलनारिचरितदे
खतियहभारी। ऐसेआतुरगोपालचपलनयनसुखरसा
ललियेकरबेणुलकुटमनोनृत्यकारी। सुरगणव्याकुल
विमान मनमनसबकरैंगान बोलतयहबचन अजहुंमा
रयोनहिंहाथी। सूरजप्रभुश्यामरामअखिललोककेबि
श्रामपुरपूरणकामकरननामलेतसाथी ४८॥रागसोरठ॥
तबरिसकियोमहावतभारी। जोनहिंआजुमारिहौंइन
कोकंसडारिहैमारी। अंकुशराखिकुंभपरकरष्योहलधर
करिकिलकारी। धायोपवनहुंतेअतिआतुरधरणीदेत
खभारी। जबहरिपूंछगह्योदक्षिणकरकम्बुकबरशिरवा
री। पटकौंभूमिफेरिनाहिंमटकौंमहाकुबलयाभारी। दुहुं
कराद्विरददशनयकछबिसोंनिरखतपुरनरनारी।सूरदास
प्रभुसुरसुखदायकमारयोनागपछारी ४९॥ श्रीभागवते
श्लोकः॥ हतंकुवलयापीडंदृष्ट्वातावपिदुर्जयौ। कंसोम
नस्व्यपितदाभृशमुद्विविजेनृप१॥ दो०॥ हँसतहँसत
मारयोप्रबलमहाकुबलयाश्याम। सखनसहितठाढ़ेमु

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

दितछबिनिरखतपुरबाम ५० ॥ सो० ॥ मारयोगजबल
रामजहांतहांसबकोउकहत । चिरजीवहुदोउभ्रातप्रभु
ब्रजबासीदासके ५१ ॥ मल्लयुद्धकंसबधइत्यादिलीला।
चौ० ॥ चलेजहांसबमल्लगुपाला । द्विरददन्तधरिकंध
बिशाला ५२ गौरश्यामसुन्दरदोउभाई । श्रमसीकर
मुंहकमलसुहाई ५३ छबिअपारबलनिधिगंभीरा । सं
गगोपबालककीभीरा ५४ गयेरंगमहिमोहनजबहीं ।
यथाभावदरशेतहँतबहीं ५५ ॥ श्रीभागवते श्लोकः ॥
मल्लानामशनिर्नृणांनरवरः स्त्रीणांस्मरोमूर्त्तिमान्गोपा
नांस्वजनोऽसतांक्षितिभुजांशास्तास्वपित्रोःशिशुः । मृ
त्युर्भोजपतेर्विराडविदुषांतत्त्वंपरंयोगिनां वृष्णीनांपरदे
वतेतिविदितोरंगंगतःसाग्रजः १ ॥ चौ० ॥ जाकीरही
भावनाजैसी। प्रभुमूरतिदेखीतिनतैसी ५६ कहतदेखि
सबसुन्दरजोटा। येईनन्दमहरकेढोटा ५७॥ रागमारू ॥
येहीसुतनन्दअहीरके । मारयोरजकबसनसबलूटयोसं
गसखाबलबीरके । कांधेधारिदोऊजनआयेदन्तकुबल
यापीड़के । पशुपतिमण्डलमध्यमनोमणिक्षीराधिनीर
धिसीरके । उठिआयेतजिहंसमातमनोमानसरोवरती
रके। सूरदासप्रभुतापनिवारणहरणसंतदुखपीरके ५८॥
रागगोंडमलार ॥ बोलिलीन्हेकंसमल्लचाणूरकोकहारेक
रतक्योंबिलमकीन्हो । बंशनिरबंशकरिडारिहौंक्षणकमें
गारिदैदैताहित्रासदीन्हो । शत्रुनान्हींजानिरहेअबलौं
बैठिजनकआपनेकोमारिडारो । द्विरदकोदन्तउपटार
तुमलेतेहोयहैबलआजुकाहिनसँभारो । भलीनाहिंकरी

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

तुमराखिरास्योउनहिंहैवहीकाहितुरततेहिपठायो । को
धकछुत्रासकछुशोचकछुशोककरि साहसैकरतरंगभूमि
आयो। परस्परकहिसबनिनृपतित्रास्योमोहिंसुनहुरेबीर
अबलौंनमान्यो । श्यामबलरामइनदुहुनकोमारकर
होयसोहोययहकहतरान्यो । निरखिदोउबीरतनडरेदो
ऊमनहिंमनवहीबुधिकरौजेहिनाशकीजे । लखतिपुर
नारिप्रभुसूरदोउमारिहैं कहतहैंनृपतियहसुयशलीजे
५९ ॥ रागधनाश्री ॥ कहतपुरनारियहमनमोहमारे। र
जकमारयोधनुषतोरिद्वैखंडकरयो हत्योगजतोइन्हेंकौन
मारे । त्रसितनारीसबैमल्लज्योंज्योंकहेंलरतनाहिंश्या
महमसंगकाहे । परस्परमतौकरतमारिडारोइन्हेंलख
तियहचरितदुहुँमुखनिचाहे । कहाहमकहैंयहहोनचाह
तकहाअबहिंमारतदुहुँनहमहिंआगे । सूरकरजोरिअं
चरछोरिबिनवैंबचैंयेआजुबिधियहैमांगे ६० ॥ चौ० ॥
लीन्हेधेरिकंसभयमानी। तबचाणूरकहीहँसिबानी ६१
आवहुश्यामइताहिपगुधारो । सुनतहुतेबहुनामतुम्हा
रो ६२ कहाभयोजोगजतुममारो । लरहुआजुहमसंग
अखारो ६३ ॥ दो० ॥ कहांनामहमरोसुन्योहँसिबोले
घनश्याम। हमबालकभोरेअबहिंहमैंखेलसोंकाम ६४
सो० ॥ कहियेबातविचारहमैंतुम्हेंलरिबोकहा। अपग
तियहब्योहारआपुदेखिदेखोहमाहिं ६५ ॥ चौ० ॥ जा
नदेहुहमकोनृपपाहीं। काहेकोरोकतमगमाहीं ६६ नृप
हमकोकरिहेतुबुलायो । तुमयहहमकोकहासुनायो ६७
तबचाणूरकह्योहरपाई। तुम्हरीगतिजानीनाहिंजाई६८

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

तुमबालकमानुषनहिंदोऊ। कीन्हेकपटरूपसुरकोऊ ६९
खेलतधनुषखंडद्वैकरे। मारेउतुरतकुबलयातरे ७० कि
योकामकोउकरैनजैसे। तुमकोबालककहियेकैसे ७१॥
रागगोंडमलार॥ सुनहोबीरमुष्टिकचाणूरतुमहमाहिंनृपपा
सनहिंजानदैहौं। घेरिराखेहमहिंनहींबूझततुम्हेंजगत
मेंकहाउपहासलैहौं। सबैकहैंयहैभलीमतितुमपैहैनन्द
कुँवरदोऊमल्लभारे। यहैयशलेहुगेजीवनहिंदेहुगेखो
जहींपरेअबतुमहमारे। हमनहींकहतमनमनहिंजोयहै
बसीकहतहौकहातौकरैंतैसी। सूरहमतननिरखिदेखि
येआपकोबाततुममनहिंयहबसीनैसी ७२॥ चौ०॥ य
द्यपितूबलकोअधिकारा। मैंअहीरबालकसुकुमारा ७३
तद्यपिएकबारमैंलरिहौं। युद्धविषेतोसोंनहिंडरिहौं ७४॥
दो०॥ जबहिंश्यामऐसेकह्योबिलखिउठींसबनारि। दे
खौंरीमारनचहतमल्लउभयसुकुमारि ७५॥ सो०॥
अतिकोमलसुठिचारुबाचैंकैसेहूदई। कहतनैनजलढा
रक्योंजननीपठयेयहां ७६॥ चौ०॥ जोरिजोरिकरबिधि
केआगे। अंचरछोरिछोरिबरमांगे ७७ तबचाणूरकृ
ष्णपैआयो। सहजश्यामपटकटिलपटायो ७८ भुजभु
जजोरिभयेभिड़ठाढ़े। तकितकिदांवचलावतगाढ़े ७९
ऐसेइमुष्टिकलैबलरामा। भिडेबढ़ायबादबलधामा ८०
श्रीभागवते श्लोकः॥ एवंचर्चितसंकल्पोभगवान्मधुसू
दनः। आससादाथचाणूरंमुष्टिकंरोहिणीसुतः १॥
रागगोंडमलार॥ भिरयोचाणूरसोंनन्दसुतबांधिकटिपीत
पटफेंटनवरंगराजैं। द्विपदन्तकरकलितअरुभेषनटवर

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

ललितमल्लउरशल्लतललतालबाजैं । पीनभुजनीलजे
लक्षिरंजितहृदयनीलघनशीततनुतुंगछाती । देखिर
हिमेखरतिप्रेमनरनागरी बदतितजिभीररतिरीतिरा
ती । मत्तमातंगबलअंगदंभोलिदलकाछनीलालगल
मालसोहै । कमलदलनैनमृदुबैनबन्दितबदनदेखिसुर
लोकनरलोकमोहै । बाहुसोंबाहुउरजानुसोंजानुनीचर
णसोंचरणधरिप्रकटपेलैं । परस्परजबकरतमोहनअरु
मल्लदोउदेखतपुरनरनारिमष्टभेलैं । घूमदैघूंघरनिभी
ड़भइबंधुजनसुभटपदपाणिधरणिधरतिमोलैं । चित्त
सोंचित्तमनबंधुमनबंधुसोंदृष्टिसोंदृष्टिनाहिंसूरडोलैं ८१
सो० ॥ गहननपावतघातछूटिजातलपटातपुनि । बिधि
शिवपैनगहाततिन्हैंमल्लचाहतगहन ८२ ॥ चौ० ॥ त
बचाणूरमनहिंगरबान्यो । हरिकेबलहितुच्छकरिमान्यो
८३ करिकेकोपमुष्टियकमारी । फूलसमानश्यामउरपा
री ८४ तबमोहनकरिकोपहँकारयो । जनुगजकोमृग
राजपुकारयो ८५ सुनतहांकचाणूरडराना । अपनो
कालश्यामकरजाना ८६ ॥ रागगोंडमलार ॥ गहेकर
श्याममल्लअपनेधायझटाकिलीन्होतुरततेहिपटाकिधर
णी । झटकिअतिशब्दभयोपटकनृपकेहियेअटकिप्राण
नपरयोचटककरणी । लटकनिरखनलग्योमटकसबभू
लिगइहटकडारीदेहुयहैलागी । झटकिकुंडलनिरखि
अटककैकेगयोगटाकिशलसोरह्योमीचजागी । मल्लजे
जेरहेसबैमारेतुरतअसुरयोधासबैतोसँहारे । धायदूत
निकेहमल्लकोउनहिंरहेसूरबलरामहरिसबपछारे ८७॥

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

श्रीभागवते श्लोकः ॥ चाणूरेमुष्टिकेकूटेशलेतोशलकेह
ते। शेषाःप्रदुद्रुवुर्मल्लाःसर्वेप्राणपरीप्सवः १ ॥ दो० ॥
जबहरिमारेमल्लसबपरयोकटकमेंशोर । जिमितारागणरविउदयछिपैंअसुरचहुंओर ८८ ॥ सो० ॥ सखनसहितदोउबीररंगभूमिराजतखरे। हरणभक्तभयपीरब्रजबासीप्रभुनन्दके ८९ ॥ चौ० ॥ जबहींश्याममल्लसबमारे। भगेअसुरसबलखिहियहारे ९० देखिकंसअतिभयोदुखारी। सेनापतिनकहतदैगारी ९१ नृपभयमानिअसुरपुनिधाये। अस्त्रशस्त्रलैहरिपैंआये ९२ आवतलखिअसुरनकीभीरा। भिरेहांकदैदैदोउबीरा ९३ ॥
छं० ॥ अवलोकिअसुरसमूहआवतहांकदैदोऊभिरे। मनहुँगजगणनिरखिकेहरिधायातिनऊपरपरे। सुनतशब्दगँभीरहरिकोहहरिसेनापतिगये । लपकिगहिमहिपटकिजहँतहँक्रोधकरिबलजूहये । श्यामगौरकिशोरसुन्दरअसुरगणबिचयोंलरैं । जनुशांतअरुशृंगारधरितनुबीरकीकरणीकरैं । जातिनहिंबरणीचटकिगहिपटकिइतउतधावहीं । भूमिभारअपारअघनिधिअसुरनिकरनशावहीं ९४ ॥ दो० ॥ परयोनगरखलभलसकलअतिभयव्याकुलकंस । पुनिपुनिमंत्रिनसोंकहतबढ़ोअधिकउरसंस ९५ ॥ सो० ॥ कीजैकछूउपायजियतजाहिंनहिंबन्धुदोउ । मारहुनन्दबुलायब्रजकोउरहननपावही ९६ ॥ चौ० ॥ ऐसेपुनिपुनिबचनउचारे। कंपितरिसानिखड्गकरधारे ९७ क्षणबैठतक्षणउठतअधीरा। मारेअसुरसकलदोउबीरा ९८ अतिबलवन्तनं

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

दकेबारे। तबसकोपनृपओरनिहारे ११॥ श्रीभागवते श्लोकः॥ एवंविकत्थमानेवैकंसेप्रकुपितोव्ययः। लघिम्नोत्पत्त्यतरसामंचमुत्तुंगमारुहत् १॥ चौ०॥ गयेमचानमचकिचढ़िदोऊ। बाजझपटदेखतसबकोऊ १८०० कैगयोचकितनृपतिभयमान्यो। आयोकालनिकटपहिंचान्यो१॥ पुनःश्लोके॥ तंखड्गपाणिंविचरंतमाशुश्येनंयथादक्षिणसव्यमंबरे। समग्रहीद्दुर्विषहोग्रतेजायथोरगंतार्क्ष्यसुतःप्रसह्य १॥ चौ०॥ रहिगयोलियेखड्गकरमाहीं। हरिकोमारिसक्योसोनाहीं २ तबहींश्यामलातयकमारी। गिरिगोमुकुटशीशतेभारी ३ दीन्होठेलिमंचतेभूपर। कूदिपरेहरिताकेऊपर ४॥ पुनः श्रीभागवते॥ प्रगृह्यकेशेषुचलत्किरीटंनिपात्यरंगोपरितुंगमंचात्। तस्योपरिष्टात्स्वयमब्जनाभःपपातविश्वाश्रयआत्मतंत्रः १ तंसंपरेतंविचकर्षभूमौहरिर्यथेभंजगतोविपश्यतः। हाहेतिशब्दःसुमहांस्तदाऽभूदुदीरितःसर्वजनैर्नरेंद्र २॥ दो०॥ जबधरणीमेंआयकेपरयोउतानोभूप। उरऊपरदर्शनदियोश्यामचतुर्भुजरूप ५॥ चौ०॥ तहांचतुर्भुजरूपदिखायो। सोस्वरूपदेस्वर्गपठायो ६॥ दो०॥ माखनप्रभुकेरूपकीमहिमाअगमअपार। जाकेसुमिरणध्यानतेतरतसकलसंसार ७॥ रागमारू॥ जैजैध्वनितिहुँलोकभई। मारयोकंसधरणितबउधरीओकओकआनन्दमई। रजकमारिकोदंडबिभंज्योखेलतकरगजप्राणलियो। मल्लपछारितुरतसंहारेसबनिमानिसुरलोकदियो। पुरनरनारिनकोसु

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

खदीन्होजोजैसोफलसोइलह्यो । सूरधन्ययदुवंशउजा
गरधन्यधन्यधुनिघुमरिरह्यो ८ ॥ चौ० ॥ मारयोकंस
कहतसबबानी । जैधुनिसुरगणगगनबखानी ९॥दो०॥
करिअस्तुतिपुनिपुनिहरषिसुमनबरषिसुरवृंद । मुदित
बजावतदुन्दुभीकहिजयजयनँदनन्द १० ॥ सो० ॥
मथुरापुरनरनारिअतिप्रफुल्लितसबकोहियो । मनहुँकु
मुदबनचारिबिकसतहरिशशिमुखनिरखि ११॥ चौ०॥
मारयोकंसजबहिंभगवाना । भ्राताअष्टतासुबलवाना
१२ ॥ श्रीभागवते श्लोकः ॥ तस्याऽनुजाभ्रातरोऽष्टौकं
कन्यग्रोधकादयः । अभ्यधावन्नभिक्रुद्धाभ्रातुर्निर्वेशका
रिणः १ ॥ चौ० ॥ करिकरिकोपयुद्धकोधाये । तिनसब
कोबलदेवनशाये १३ बहुरिकेशगहिकंसमुरारी । दि
योघसीटयमुनजलडारी १४ कीन्होकछुकतहांबिश्रा
मा । भयोबिश्रामघाटतेहिनामा १५ ॥ रागधनाश्री ॥
आजुपरमदिनमंगलकारी । लोकलोककोटीकोआयोमु
दितसकलनरनारी। शिवसुरेशशेशअरुनारदचन्द्रानन
करथारी । हरिकरपाटबंधिन्योछावरिकरतरतनपटसा
री । बाजतढोलनिशानशंखध्वनिबहुतकुलाहलभारी।
अपनेअपनेलोकचलेसबसूरदासबलिहारी १६॥ पुनः॥
धनिअक्रूरमधुपुरिलैआये । सूरअमरजैजैधुनिगाये।
दनुजबंशनिरबंशकराये । धरणीशिरतेभारगँवाये ।
यहबाणीसुरलोकनिगाये । सूरजप्रभुसबकेमनभाये।
१७॥ चौ० ॥ सुनिपतिमरणकंसकीनारी । औरसक
लभ्राताकीप्यारी १८ ॥ दो० ॥ सबधाईसुधिपायकै

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

आईजहांनरेश।तोड़ेहारशिंगारसबछोड़ेशिरकेकेश १९
चौ० ॥ निजहितसमुझिभयोदुखभारी । चहतमरण
पतिनेहबिसारी २० गयेतहांबहुरयोदोउभ्राता । बो
लेबचननीतिसुखदाता २१ मामीसुनहुशोकनहिंकीजै।
मामाजीकोपानीदीजै २२ सदानकोऊजीतारहै। झूठा
वहजोअपनाकहै २३ बहुतभांतितिनकोसमुझाई ।
आयेमहलद्वारदोउभाई २४ ॥ रागपरज ॥ रानिनपर
बोधिश्याममहलद्वारआये । कालबंशनेमिउग्रसेनसु
नतधाये । झूकिचरणपरयोआयत्राहित्राहिनाथा ।
बहुतेअपराधपरेक्षमहुमोहिंनाथा । महाराजकहीश्री
मुखलियेउरहिलाई । हमरोअपराधक्षमहुकरीहमढि
ठाई । तबहींसिंहासनपैउग्रसेनधारे । छत्रशिरधराय
चँवरअपनेकरढारे । ठाढ़ेआधीनभयेदेवदेवभाखे । अ
पनजानकेप्रसादसादरऋषिराखे । मोकोकहयेतोप्रभु
बिश्वभरनस्वामी। घटघटकीजानतहौतुमअंतरयामी।
तोफिरनृपकहतकाहेतुमकोइहकेती । सेवातुमजेतिक
रीदेहोंपुनितेती । रजकधनुषगजमल्लनिशंकमारिका
जा । सूरजप्रभुशोभितकियेउग्रसेनराजा २५ ॥ राग
सारँग ॥ मथुरालोगनबातसुनीयहउग्रसेनकोराजदियो।
सिंहासनबैठारिकृपाकरिआपुहाथहरिचँवरलियो । मा
तपिताकेसंकटहरिहैंदेवनजयधुनिशब्दकियो । रानी
सबैमरातितेराखीउनतेप्रभुनाहिंऔरबियो। अबहींसुनि
बसुदेवदेवकीहरषितह्वैहैंदुहुँनाहियो । सूरदासप्रभुआ
यमधुपुरीदरशनतेपुरलोगजियो २६ ॥ दो० ॥ कंस

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

मारिभूभारहरिउग्रसेनकरिभूप। कहांहमारेमातुपितुतब बोलेसुखरूप २७॥ सो०॥ संगहिचलेलिवायउग्रसेन अक्रूरकहि। रामकृष्णदोउभायब्रजबासीजनदुखहरण २८॥ बसुदेवगृहउत्सवलीला। चौ०॥ उतबसुदेव स्वप्नसुधिआयो।हृदयहर्षिदेवकिहिंसुनायो २९ रामकृष्ण जनुमधुपुरआये। सुफलकसुतसँगनृपतिबुलाये ३० अ सुरसेनहतिकंसहिमार्‍यो। उग्रसेननृपकरिबैठार्‍यो ३१ सुनितियकहतिनैनभरिपानी। कहतिकहापियऐसीबा नी ३२ हमकरिपापजन्मजगलीन्हो। सोफलहमहिं बिधातादीन्हो ३३॥ रागजैतश्री॥ कहैबसुदेवरोवैम तिनारी। जनिरोवहुहोबारबारदैंसौंहनीरमुखधोवहु नारी। कहियतहैगोपालहरणदुखगर्भप्रहारी। कबहुँ प्रकटवेहोहिंगेकृष्णतुम्हारेतात। आजकालिहहरिआ यहैंयहस्वप्नेकीबात। अबजनिहोउअधीरकंसकोआयु तुलान्यो। देखतजायबिलायभारतिनुकाकरिजान्यो। ऐसोस्वप्नोमोहिंभयोरीतियासत्यकरिमानि। त्रिभुव नपतितेरेसुवनहैंतोहिंमिलैंगेआनि। यहिअंतरप्रभुक ह्योमातुपितुकहांहमारे। तहँलेगयेअक्रूरश्यामबलरा मपधारे। बज्रशिलाद्वारेदियोदर्शनतेगयेछूटि। सहज कपाटउघरिगयेताराकूंचीखूटि। जोदेखेबसुदेवकुँवर दोउकाकेआयो। दरशादियोतेहिभेषप्रथमजोदरशादि खायो। धायमिलेपितुमातुकोयहकाहिमैंतुवतात। म धुरेरोवनदोउलगेसुनिहैंकंसडरात। तुरतबन्दितेछोरि कह्योमैंकंसहिमारो। योधासुभटसँहारिमल्लकुबलया

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

पधारो । जिन्ह अपनेजनिडरकरौंमैंसुततुमपितुमात । दुखबिसारिअबसुखकरोअबकाहेपछिताताता । निश्चय जननीजानिकण्ठधरिशोवनलागी । तबबोलेबलराम मातुतुमतेकोभागी। बारबारदेवेकहैकौनगोदखेलेनाहिं। द्वादशबर्षकहांरहेमातापिताबलजाहिं । पुनिपुनिबोधत कृष्णालिख्योमेटैनहिंकोई । जोइजोइमनकीसाधकहौ हमकरिहैंसोई । जोदिनगयेसोगयेतबअबलूटौसुख मात। तातनृपतिरानीजननिजाकेमोसोंतात। जोमन इच्छाहोयतुरतदेखौमैंकरहूँ । गगनधरणिपातालजात कतहूंनहिंडरहूँ । माताहृदमेंतबकहीमनमनबढ़्योअ नन्द । महरसुघनमैंतौनहीं मैंबसुदेवकोनन्द। राजकरो दिनबहुतजानिकेहैअबतुमको। अष्टसिद्धिनवनिद्धिदेउँ मथुराघरघरको । रमासिवकिनीदोउकरिकरजोरेदिन याम । अबजननीदुखजानिकरोकरोनपूरणकाम । ध नियदुबंशीश्यामयहैयुगचलतबड़ाई । शेषरूपमैंराम कहतनहिंबातबनाई । सूरजप्रभुदनुकुलदहनहरनक रनसंसार । तेपायेसुततुमहिंकरिकरौनसुखबिस्तार ३४ चौ० ॥ सुनिहितस्रवतपयोधरक्षीरा । मिटीसकलउर संशयपीरा ३५ पूरबपुण्यफल्योसुखकारी । पायो सुतहितकरिदैत्यारी ३६ ॥ दो० ॥ तुरतबोलितबबिप्र बरप्रीतिसहितपरिपाय । प्रथमहिंसंकलपीहुतीदईलक्ष तेगाय ३७ ॥ सो० ॥ औरदियोबहुदानबन्दीजनआ येसुनत । परितोषेसनमानअतिउछाहबसुदेवमन ३८ रागिनीभूपाली ॥ आनंदेहीहर्षबढ़ोअति । देवदृन्दचर

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

णारविन्दज्यौंमथुराप्रकटभयोयादवपति। गावतगुणगं
धर्वजोपुलकितरसिकसूरजोअतिरति । विद्यासुरधर
कण्ठकलतिअतितालउघटिजतननिजति। शिवविरं
चिसनकादिकआगेचितनसमानरह्योरति । कमलन
यनशशिबदनबिलोकतदेखिमदनजुबिचित्ररति । श्या
मसुभगजोपीतबसनद्युतिऔरआनिजोरेरति । नखम
णिमुकुटबिभागमुदितज्यौंचितेनमानतिमनयति । सूर
दासप्रभुकियोकृपाअतिभुजकेचिह्नदुरावति ३९॥दो०॥
नीलपीतबरबसनतनदोऊसुतनशिंगार। चारुअलक
मुखशशिभलकनिरखिजातबलिहार ४० ॥ सो० ॥
हुतेश्यामकेसाथग्वालतिन्हैंपुनिदेवकी । पहिरायेनिज
हाथजानिकृष्णपीतमसबै ४१ ॥ रागमारू ॥ मथुराके
लोगनसचुपायो । नटवरभेषकाछिनँदनन्दनसंगअक्रू
रलैआयो । प्रथमहिंरजकमारिमनमोहनगोपवृन्दपहि
रायो । धनुषतोरिलीलानटनागरतबगजखेलखेला
यो । रंगभूमिमुष्टिकचाणूरहिभुजबलतालबजायो ।
नगरनारिदैगारिकंसकोअजगुनयुद्धबनायो । गणगं
धर्बऔरदेवतनसोकौतुकअम्बरछायो । मारोकंस
काजसबसारोउग्रसेनमनभायो । हर्षेबसुदेवदेवकीआ
नँदमँगलबधायो । मातपिताकीबन्दिछुड़ाईसूरसुयह
यशगायो ४२ ॥ दो० ॥ कठिनशूलसंकटहरणमंगल
करणअशेष । रामकृष्णकेचरितबरगावतसुनतबिशे
ष ४३ ॥ सो० ॥ नरतनपायसुजानअनुदिनगावहिंह
रिकथा। सकलसुखनकीखानब्रजबासीप्रभुकोसुयश ।

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

४४॥ कुब्जागृहप्रवेशलीला। चौ० ॥ श्रीयदुकुलकुलकमल
तमारी। दीनबन्धुभक्तनाहितकारी ४५ करिकैजननी
जनकसुखारी। तबकुबजाकीसुरतिसँवारी ४६ नृपति
भवनताजिकैअभिरामा। चलेबसनकुबजाकेधामा ४७
रागमारू ॥ कूबरीपूरबतपकरिराख्यो। आयेश्यामभव
नताहीकेनृपतिमहलसबनाख्यो। प्रथमहिंधनुषतोरि
आवतहीबीचमिलीवहधाय। तिहिअनुरागबश्यभेता
केसोहितकह्योनजाय। देवकाजकरिआवनकहिगयेदै
गयेरूपअपार। कृपादृष्टिचितवतश्रीसीभइनिगमनपा
वतपार। हतेपूरिदिननीकेपाछेऐसेदीनदयाल। सूरसु
रनकेकाजतुरतकरिआवततहँगोपाल ४८ ॥ रागकाफी॥
कुबजासदनआयेश्याम। करिकृपाहरिगयेप्रथमहिंभई
अनुपमबाम। प्रीतिकेबशदीनबंधोभक्तबच्छलनाम।
मिलीमारगमलयलैकैभयेपूरणकाम। उरबशीपटतरन
हींनहिंरमाकेमनताम। सूरप्रभुमहिमाअगोचररमादा
सीधाम ४९ ॥ चौ० ॥ जबकुबजाजान्योहरिआये। पाट
म्बरपांवड़ेबिछाये ५० अतिआनन्दलियेउठिआगे।
पूरणपुण्यपुंजसमजागे ५१ ॥ दो० ॥ टेढ़ीसेसूधीक
रीदियोरूपअभिराम। दासीसेरानीभईपूरेमनसबका
म ५२ ॥ चौ० ॥ धनिधनिकुबजाहरिकीरानी। धनिध
निकृष्णप्रीतिकरमानी ५३ कहिकहिसबसुरनारिसिहा
हीं। आजकूबरीसमकोउनाहीं ५४ ॥ दो० ॥ बसेश्या
मकुबजासदनतहँकछुकरिबिश्राम। पुनिआयेवसुदेव
गृहजनमनपूरणकाम ५५ ॥ सो० ॥ तबश्रीनन्दकुमा

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

रब्रजबासिनकीसुरतिकरि। मनमेंकियोबिचारअबसब
चलियेनन्दपै ५६ ॥ नन्दबिदा। चौ० ॥ लैवसुदेवसंग
दोउभाई। गयेजहँउग्रसेननृपराई ५७ तहांबहुरियाद
वसबआये। अरुअक्रूरउद्धवाहिंबुलाये ५८ तबहरिसे
सेबचनसुनायो। ममहितब्रजबासीसबआयो ५९ नंदा
दिकसबअहिंरजितेका। रह्योनहींकोउब्रजमेंएका ६०
गायबच्छसबतजेअनेरे। हैंसूनेमंदिरसबकेरे ६१ ह्वैहैं
दुखितयशोमतिमैया। जिनहमप्रतिपालेदोउभैया ६२
पलटोनहींजोउनकोदीजै। अबचलिबिदाउन्हैंब्रजकी
जै ६३ सुनिहरिबचनपरमसुखदाई। सबमिलिचलेज
हांनँदराई ६४ सुनीनन्दगोपनयहबाता। मारयोकंस
जायदोउभ्राता ६५ ॥ दो० ॥ मनहींमनशोचतखरेन
हिंआयेबलश्याम। ब्रजतेआयेकैगयोतिनकोआठोंया
म ६६ ॥ सो० ॥ अबकैसेब्रजजाहिंबलमोहनदोऊबि
ना। अतिव्याकुलउरमाहिंकबधौंनयननदेखिहैं ६७॥
चौ० ॥ आयेतबहींकुँवरकन्हाई। नृपवसुदेवसहितदोउ
भाई ६८ देखतनन्दामिलेउठिधाई। लियेलगायकंठ
उरलाई ६९ लखिवसुदेवबहुतसुखपाई। मिलेनन्दसों
सादरधाई ७० उग्रसेनतबनन्दजुहारे। आदरसहित
सकलबैठारे ७१ बैठेमिलिहरिहलधरभाई। नं
दहिमिलेनिकटबैठाई ७२ ॥ रागधनाश्री ॥ नन्दगोप
सबसखानिहारतयशुमतिसुतकोभावनहीं। उग्रसेनव
सुदेवउपंगसुतसुफलकसुतवैसेहिसंगहीं। जबहींमन
न्यारोहरिकीन्होगोपनमनयहव्यापिगई। बोलिउठेय

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

हिअन्तरमुखहरिनिठुररूपजेब्रह्ममई । अतिप्रतिपाल कियोतुमहमरोसुनतनन्दजियझ्ंकिरहे । सूरश्याम ऐसोनहिंचहियेजोमोसोंयहबचनकहे ७३ ॥ चौ० ॥ तबहरिमधुरकह्योनँदराई । सुनहुतातहमकहतलजाई ७४ पुत्रहेतुहमकोप्रतिपारे । तातमातजिमिअधिकदु लारे ७५ हमकोसुखदीन्होंतुमजितनो । कह्योनजातबद नतेतितनो ७६ ह्वैहैंदुखितयशोमतिमैया । मोबिनब्रज तियअरुसबगैया ७७ तातेगवनबेगिब्रजकीजै । जाय सबनकोधीरजदीजै ७८ ॥ रागबिहगरो ॥ ब्रजकहंजाहु फिरहुनन्दराई । हमहिंतुमहिंसुततातकोनातोऔरप र्योहैआई । तुमकीन्होंप्रतिपालहमारोशूलनजियते जाई । जहांजहांहमरहेतुम्हारेडारहुजानिबिसराई । ज ननियशोदाग्वालसखासबमिलिहौंकंठलगाई । शुभदि नसाधिशोधिकरिदेखोमेरोईगुणगाई । मायामोहमिल नअरुबिछुरनऐसेहीदिनजाई । सूरदासप्रभुनिठुरबचन सुनिनयननीरबहाई ७९ ॥ सो० ॥ दुखितसखाअरुगो पचकितरहेहरिमुखनिरखि । करतमनहिंमनकोपयहच रित्रअक्रूरके ८० ॥ चौ० ॥ परेनन्दतबचरणनजाई । कहहुनऐसेबचनकन्हाई ८१ ॥ रागसोरठ ॥ गोपालरा यहौंनचरणतजिजैहौं । तुमहिंछांड़िमधुबनमेरेमोहनक हाजायब्रजलैहौं । उतरकहादेहौंयशुमतिकोजबसनमु खमैंजैहौं । प्रातसमयसोवतउठजननीकाहिकलेऊदैहौं । बारहबरसदईहमढीठोयहप्रतापनहिंजान्यो । अबतुम प्रकटभयेवसुदेवसुतगर्गबचनपरमान्यो । कतहमकाज

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

बड़ेरिपुमारेब्रजआपदनविनासी। डारिनदयोकमलक
रतेंगिरिदबिमरतेब्रजबासी। बासरसंगसखासबलीन्हे
टेरिनधेनुचरावहु। क्योंरहिहैंयहप्राणदरशाबिनुसन्ध्या
समयनआवहु। अबतुमराजकरोकोटिकयुगमातपित
हुसुखदैहौ। कबहूंतातततमेरेमोहनमुखसोंमोसोंके
हौ। ऊरधश्वासचरणशिथिलानेनयननिजलभरिआ
ई। सूरनन्दबिछुरनकीबिपदामोपैकहीनजाई ८२॥
रागमारू॥ मेरेकान्हकमलदललोचन। अबकीबेरबहु
रिब्रजआवहुकहालगेजियशोचन। यहलालसाबहुत
मेरेजियबैठेदेखतरैहौं। गायचरावनजानकुँवरकोकब
हूंभूलिनकैहौं। करतअठाननबरजोकबहूंअरुमाखन
कीचोरी। अपनेजियतनयनभरिदेखौंहीराकीसीजोरी।
एकबेरमिलिजावयहांलौंअनतकहींकेऊतर। चारिहु
दिवसआइसुखदीजैसूरपहुनईसूतर८३॥रागबिलावल॥
तबबोलेहरिनन्दसोंमधुरेकरबानी। गर्गबचनतुमसेक
हेसोनहिंतुमजानी। मैंआयोंसंसारमेंभुवभारउतारन।
तिनकेतुमधनिधनिकहौकान्हाप्रतिपालन। मातपिता
कोऊनहींतुमतेअरुकोऊ। एकबेरब्रजलोगसोंमिलिहौं
सुनसोऊ। मिलनहिलनदिनचारिकोतुमतोसबजानो।
मोकोतुमअतिसुखदियोसोकहाबखानो। मथुरानरना
रीसुनैंब्याकुलब्रजबासी। सूरमधुपुरीआयकैयेईअवि
नासी ८४॥ चौ०॥ कतपछितातततहौयेतो। ब्रज
अरुमथुराहिअन्तरकेतो ८५ कहादूरतुममतेकहुंजाहीं।
करिविचारदेखौमनमाहीं ८६ ऐसेबोधकियेब्रजनाथा।

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

तबनँदकह्योजोरियुगहाथा ८७ जोप्रभुतुमकोऐसेभाई। तोअबमेरोकहाबसाई ८८ जैहौंब्रजप्रभुकहेतुम्हारे। जातबचनमोपैक्योंटारे ८९ बहुतकरीप्रभुममप्रभुताई। नीचदशालैऊंचचढ़ाई ९० ॥ दो० ॥ भरीसाखचौदह भुवनकियोसुकृतकीखान। भरीसाखचौदहभुवनसुरमु निबेदपुरान ९१ ॥ सो० ॥ ऐसेकहिनँदरायपरेबहुरिह रिकेचरण।लीन्हेश्यामउठायकह्योजानसनमानसब ९२ श्रीकृष्णउवाच। रागिनीकलिंग॥ नीकेरहियोयशोदामैया। आवैंगेदिनचारपांचमेंहमहलधरदोउभैया। बंशीबेणु बिषानदेखियोऔरअबेरसबेरो। लैजनिजायचुरायरा धिकाकछूखेलौनामेरो। जादिनतेहमतुमतेबिछुरेकोउ नकहैकन्हैया। प्रातसमयउठिकियोनकलेऊसांझपि योनहिंधैया। कहाकहौंकछुकहतनआवैयशुमातिजितो दुखायो। अबसुनियतवसुदेवदेवकीकहतहमारोजा यो। कहियोजायमातुसोंऐसोसन्दनिठुरमनकीन्हों। सू रश्यामकहिमातुसँदेशोनैननीरभरिलीन्हों ९३ ॥ चौ० ॥ तबवसुदेवबिनयबहुभाखी।आगेसकलसंपदाराखी ९४ तबसबगोपनृपतिपहँआये। बहुतबोधकरिब्रजहिपठा ये ९५ गोपसखाबोधेहरिसबहीं। बिदाकियेआदरदैत बहीं ९६ चलेसकलमनशोचतभारी। हारेसर्बसमनहुं जुआरी ९७ काहूसुधिकाहूसुधिनाहीं। लटपटचरणप रतमगमाहीं ९८ ॥ दो० ॥ भयेबिरहबारिधमगनअति अचेतअकुलाय। श्यामरामतजिमधुपुरीआयेब्रजजनि यराय ९९ ॥ सो० ॥ उतहिगयेहरिगेहउग्रसेनवसुदेव

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

युत।ब्रजबासिनकोनेहपुनिपुनिश्रीमुखतेकह्यो१९००॥
चौ० ॥ पुनिपुनिनन्दकहतपछिताई । चूकपरीहरिकी
सेवकाई १ उतब्रजहरिमगजोवतमाता । ब्याकुलबि
नमोहनबलताता २ आवतदेखिगोपब्रजओरी। हरष
हृदयआतुरउठिदोरी ३ ॥ दो० ॥ धाईअतिहर्षितहिये
सुनतरोहिणीमाय । दरशआशआईसबैब्रजातियसुनि
सबधाय ४॥ चौ० ॥ आतुरगईसकलनँदपासा । मन
मोहनदरशनकीआसा ५ आवतनन्दगोपसबदेखे ।
श्यामरामदोऊनहिंपेखे ६ बूझतियशुमतिअतिअकु
लाई। कहँमेरेश्यामरामदोउभाई ७ ॥ रागसोरठ ॥ न
न्दतमछांड़ेकहांकुमार। कैसेप्राणरहतबिनुदेखेपूंछतगो
पगुंवार । करुणाकरतयशोदामैयानैनबहैआसार ।
चितवतनन्दठगेसेठाढ़ेमनुगथहरेजुवार । मुरलीधु
निब्रजमेंनहिंसुनियेसूरजजनसबकरतपुकार । श्याम
सुँदरजादिनतेबिछुरेकोउनहिंझांकेनन्ददुवार८॥पुनः॥
उलाटिपगकैसेदीन्हींनन्द । छांड़ोकहांउभयसुतमो
हनधृकजीवनमतिमन्द । कैतुमधनयौवनमदमातेकैतु
मछूटेबन्द । सुफलकसुतबैरीभयोमेरोलैगयोआनँद
कन्द।रामकृष्णबिनकैसेजीजैकठिनप्रीतिकोफन्द। सूर
दासअबभईअभागिनितुमबिनुगोकुलचन्द ९॥पुनः॥
मेरोमायअतिप्यारोनँदनन्द।कहांबिसारिनन्दतुमआये
चूकपरीमतिमन्द।बलिमाधवअम्बुजलोचनकियेअति
आनँदकेकन्द।सरवरगोपकुमुदकुँभिलानेकान्हबदनबि
नचन्द।चलहुनचरणगहेंवसुदेवकेमोलिपागगलफन्द।

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

सूरदासप्रभुगोकुलपठवतर्तीनिलोकमुनिबन्द १० पुनः॥
हरिबिछुरतफाट्योनहियो । भयोकठोरबज्रतेभारीयहां
रहेअबकहाकियो । बांटिहलाहलसुनमेरिसजनीऔष
धहीनापियो । मनबुधिगइसँभारनतनकीकूड़ोदावदि
यो । अबकाकरौंकौनबिधिमिलिहौंपरबशप्राणलियो।
निशिदिनरटतसूरकेप्रभुबिनुकैसेपरताजियो ११॥ चौ०॥
पूंछतिबिलपियशोमतिमैया । कहोनन्दकहकह्योकन्है
या १२ तुमकोबिदाब्रजहिंजबकीन्हों । हरिकछुमोहिं
सँदेशोदीन्हों १३ तुमकछुहरिसोंबिनयनभाखी । कहा
श्याममनमेंयहराखी १४॥ दो० ॥ मैंअपनीसोबहुकरी
वेप्रभुत्रिभुवननाथ । जोचाहैंसोईकरैंकहाबसैमेरेहाथ
१५॥ सो०॥ कहिकेतोहिंप्रणामबहुरिश्यामऐसोकहो।
करिकेकछुसुरकाममिलिहौंतुमसेआयब्रज १६ ॥
चौ० ॥ पुनिबोलेऐसेबलभैया । दुखीहोनपावैंनहिंमै
या १७ पठयोमोहिंताहिहितलागी । तबमैंबचनस
क्योनहिंत्यागी १८ सुनिसँदेशयशुमतिदुखपागी। रहे
प्राणहरिचरणनलागी १९ ब्रजघरघरसबकहतगुवा
ला। कियेकृष्णमथुराजोख्याला २० भयेकृष्णमथुरा
केराजा। अहिरनदेखिलगतअतिलाजा २१ पुनिग्वा
लनयहबातचलाई । बसेश्यामकुबजागृहजाई २२
राजाहरिकुबजाभइरानी । गोपिनसुनीजबहियहबा
नी २३ गईबिरहतनतापसिराई । सौतिशालशाल्यो
उरआई २४ भयोदुसहदुखऊरधश्वासा । मिटीश्याम
आवनकीआसा २५ ॥ ब्रजबिरहलीलाप्रारंभः ॥ दो० ॥

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

जुरिआईंब्रजतियसबैसुनिकुबजाकीबात । लागींआपुसमेंकहनमनदुखसुखहरषात २६ ॥ सो० ॥ करीसुहागिनश्यामकुबजादासीकंसकी । आपुनपतिवहबामकियोनामतिहुंपुरबिदित २७ ॥ रागिनीनट ॥ देखोकूबरीकेकाम । अबकहावतिपट्टरानीबड़ेराजाश्याम । कहतनहिंकोउनाहिंदासीवेनहींगोपाल । वेकहावतराजकन्यावेभयेभूपाल।पुरुषकोरीसबैसोहैकुब्जकाहेकाज। सूरप्रभुकोकहाकहियेबीचपाईलाज॥२८॥पुनः ॥ यहसुनिहमहिंआवतलाज । जायमथुराकंसमारयोकूबरीकेकाज । लोगपुरमेंबसतऐसेसबनियहैसुहात । कबहुंकोऊकहतनाहींश्यामआगेबात । कहांबैरीकहाकीन्हींकहाआपुनहोत।तुमबड़ेयदुबंशराजामिलेदासीगोत। अजहुंकहैंसुनायकोऊकरैंकुबजादूरि । सूरडाहनिमरतिगोपीकूबरीकेभूरि २९ ॥ पुनः॥ भामिनिकुबजासोंरँगराते । राजकुमारिहिंजोपैपातेतौनहिंअंगसमाते । रीझेजायतनकचंदनलैमधुबनमारगजाते । ताकीकहाबड़ाईकीजैऐसेरूपलुभाते । येअहीरवेकंसकिदासीजोरीकरीविधातैं । ब्रजकीबनितात्यागिसूरप्रभुबूझीउनकीबातैं ३० ॥ चौ० ॥ कहतिएकसुनरीब्रजनाथा । ब्रजअबमानहुंकियोअनाथा ३१ ॥ सो० ॥ अबलागेदिनजानसुनसखिमोहनलालबिन । रहतदेहमेंप्रानबिनवहमूरतिसांवरी ३२॥ रागसोरठ ॥ हैकोउइतनीभांतिदिखावै । किंकिणिशब्दचलतधुनिरुणिझुनुठुमुकठुमुकगृहआवै । कछुकबिलासबदनकीशोभा

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

अरुणकोटिगतिपावै । कंचनमुकुटकंठमुक्तावलिमोर पुच्छछबिपावै। धूसरधूरिअंगसबलीन्हिंग्वालबालसँग लावै। सूरदासप्रभुकहतयशोदाभागबड़ोजोपावै ३३॥ रागजंगला ॥ जबतेहरिमधुबनहिंसिधारेकबहुँकियोन हिंफेरी । भयोवहांईकेमनमोहनइतहोंनाहिंचितौरी । विनदेखेकलनाहिंपरतहैनिशिदिनलगतउभेरो । सूर श्यामकोआनिमिलावैआनँदहोयघनेरो ३४॥दो०॥ देव मनावतदिनगयेबड़ेहोनकीआस। बड़ेभयेतबयहकियो बसेकूबरीपास३५ ॥ सो० ॥यशुमतिलाड़लड़ायबारेते सेवाकरी । ताहूकोबिसरायभयेदेवकीपुत्रअब ३६ ॥ रागधनाश्री ॥ अबतोऐसेईदिनमेरे । सुनरीसखीदोषन हिंकाहूहरिहितलोचनफेरे । खगमृगमलयकपूरकुमकु माजेसबसंततचेरे । मन्दसुपवनसुमनशशिशीतलते देखियतकेररे । चातकमोरकोकिलामधुकरउपबननदि येबसेरे । जोभावतसोबकतदिवसनिशिबरजतरहतन हेरे । जेद्रुमसींचिसींचिकरअपनेकियेबढ़ायबड़ेरे । सूरदासकिशलयकरवरकैआनिनयनमगघेरे ३७ ॥ रागिनीधनाश्री ॥ अतिमलीनवृषभानुकिशोरी। हरिश्र मजलभीजेउरअंचरयहलालचिनधुवावतसारी । रू खेचिकुरबदनकुँभिलानोज्योंनलिनीहिमकरकीमारी । अधमुखदेतिउँचोनाहिंचितवतिज्योंधनहारे थकितजु वारी । हरिसंदेशसुनतमुर्छितभइबिरहजरीदूजेआति जारी। सूरश्यामबिनुकैसेजीवैंब्रजबनिताकिप्राणदियो वारी ३८ ॥ रागजैतश्री ॥ कितेदिनबीतेरीहरिबिनदे

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

खें। गनतगनतमिटिगईसखीरीकरश्रँगुरिनकीरेखें। जिहियहिबिरहश्रमरकीनीसोबिसरीनयननिमेखें। हौं डरपातिश्रवधिहिंसूरजप्रभुजिनिपारौंसुरलेखें ३९॥ रागदेवगंधार ॥ कुबरिकोऊबैरागिनिबैराग। पलटति बसनकशतिनिशिचोरीबपुबिलसतिभइजाग। बेसरि बेहमूँदिमृगमदमथिनखनिनखनबिदारतिमांग। श्रव णनतेतजितरलतरौनापहिरतिफणिमणिनाग। कुसु मावलिग्रंथितउरमालारचिपचिबांधीपाग। बासरर हतिरजनिकेधोखेधोयेमिटतनदाग। सुन्दरिएकश्या मतेबिछुरीढूँढ़तिहैबनबाग। सूरदासप्रभुतुम्हरेमिलन कोश्रालीउड़ावतकाग ४०॥ रागकान्हरो ॥ श्रँखियांश्र जानभई। एकश्रंगश्रवलोकतिहरिकोश्रौरहुतींसुग ई। योंभूलीज्योंचोरभरेघरचोरीनिधिनलई। बदलत भोरभयोपछितानोकरतेछांड़िदई। जेहिसुखपहिलेहीप रिपूरणत्योंहोंक्योंनरई। सूरसकतिश्रतिलोभबढ़योहै उपजतपीरनई ४१॥ रागकेदारो ॥ शरदसमयहूँश्यामन श्रायो। जानतिहौंरसबसउहिश्रवसरकाहूबिरहिनिबि रमायो। श्रमलश्रकासकासकुसुमितभयेलक्षणशो चनजाये। रससरितासुलताजलउज्ज्वलश्रलिकुलक मलसुहाये। नवमयंकमकरंदद्वंद्वध्वजदाहकगरल गँवाये। प्रीतमश्रंगसंगमिलिसुन्दरिशुचिसचिसिन्धु सराये। सूनीसेजतुषारतेजनहिंबिरहसिन्धुउपजाये। सूरश्यामगइश्राशामिलनकीभयेब्रजनाथपराये ४२॥ रागमलार ॥ कोऊमाईबरजैवाचन्दहि। करतबकोपब

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

हुतहमऊपरकुमुदिनिकरतश्रनन्दहि । कहांकुहूककहांर विश्ररुतमचुरकहांवलाहककारी । चलतनचपलरहत रथथकिकरिबिरहिनिकेतनतारी । निन्दितशैलउदधि पन्नगकोचापतिकमठकठोरहि । देतिश्रशीशजरादे वीकोराहुकेतुकिनजोरहि । ज्योंजलहीनमीनतनतल फतसोइतपतिब्रजबालहि । सूरदासप्रभुबेगिमिलावहु मोहनमदनगोपालहि ४३ ॥ चौ०॥जबसेबिछुरेकुँवरक न्हाई।तबसेभयेसबहिंदुखदाई ४४ ॥ रागकेदारो ॥ दधि सुतजातहौवाहिदेश । द्वारकाहैंश्यामसुन्दरसकलभुव ननरेश । परमशीतलश्रमियतनतुमकहियोयहउपदे श । काजश्रपनेसारिहमकोछांड़िरहेबिदेश । नन्दनंद नजगतबन्दनधरहुनटवरभेश । नाथकैसेश्रनाथछांड़ो कहियोसूरसँदेश ४५ ॥ पुनः ॥ जोपैकोउमधुबनलै जाय । पतियालिखीश्यामसुन्दरकोकरकंकणद्योताय । श्रबवहप्रीतिकहांगइमाधवामिलतेबेणुबजाय । नयन नीरसारँगरिपुभीजैदुखसुखरैनिबिहाय । शून्यभवन मोहिंखड़ोडेरावैयहश्रतुमननसुहाय । सूरदासयहसम यगयेतेपुनिकहलेहैंश्राय ४६ ॥ दो० ॥ भयोनयोरा जाश्रबनयेमातुपितुगेह । नईनारिकुबजामिलीनयेस खानवनेह ४७ ॥ सो० ॥ भूलेब्रजकीबातकुंजकेलिर सरासको । भयेश्रापनीघातादिनादिनसुखदूनोंभयो ४८ ॥ रागदेवगन्धार ॥ जबतेबिछुरेकुंजबिहारी । नींदन परैघटतिनाहिंरजनीव्यथाबिरहज्वरभारी । धिकसुन्द रीबिरहकीबेदनजगमेंरहीउजारी । रबिकीरश्मिलागत

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

अनतानीयहिशीतलशशिजारी । श्रवणनिदुखसुहा यनाहिंसाखिरीपिकचातकद्रुमडारी । तनहीनहिंभावत अतिआतुरकरकंकणजुउतारी ।सूरश्यामबिनबिषला गतहैकुसुमसेजजुरजारी। बिलखबदनवृषभाननंदनी निन्दितकपिरिपुहारी ४९ ॥ रागमल्लार ॥ हरिपरदेशब हुतदिनलाये । कारीघटादेखिआदरकीनयननीरभरि आये। पालागूँतुमबीरबटाऊकौनदेशतेधाये । इतनी पतियांमेरीदीजहुजहांश्यामघनछाये । दादुरमोरपपि हराबोलतसोवतमदनजगाये । सूरदासस्वामीकेबि छुरेप्रीतमभयेपराये ५० ॥ रागसारँग॥ मेरेजियकरकेरही। वेबतियांछतियांलिखिराखीजोनँदनन्दकही । एकदिव सआयेनँदनन्दनहौंगृहमथतिदही । रतिमांगतमैंमान कियोहैसोहरिगुसागही । शोचतिऔपछितातिराधिका मूरछिपरतमही । सूरदासस्वामीकेबिछुरेब्यथानजातस ही ५१ ॥ दो० ॥ वेईनिशिवेईदिवसवेईऋतुवेइमास । बदलेसबैसुभायजनुबिनुहरिमदनविलास ५२ ॥ सो० ॥ चलीऔरहीचालअबयाब्रजमेंयेसखी । बिमुखभयेगो पालभयेदुखदजेसुखदसब ५३ ॥ रागमल्लार ॥ कोउमा ईबरजोबोलतमोरनि । रटतपपीहाक्षणनरहाईहोतबिर हकिरोरनि । चमकतिचकितचहूंदिशिदामिनिअम्बर घरणिकिघोरनि । बरसतबूंदबाणक्वैलागतक्योंजीजेय हिजोरनि । चन्दकिकिरणिनयनभरिपीवतनाशतितृषि तचकोरनि ।सूरदासप्रभुहमतोजीवेंमिलिहैंनन्दकिशो रनि५४ ॥ पुनः ॥ कैसेजियराखौंगीबोलतमोर । देखि

सखीतरवरजनुसेवतचितवतचन्दचकोर। दृगदामिनि
अरुमेघघटाज्योंगर्जतहैंघनघोर। ऐसीअवस्थापरीबा
लकोकठिनमदनझकझोर। नवसतसाजचलींसबगो
पीउरनाहिंनबँदछोर। सूरदासप्रभुदरशतुम्हारेपलक
निदेतअँकोर ५५ सखिरीचातकमोहिंजियावतु। जैसे
हिरैंनिरटतिहौंपिवपिवतैसेहिपुनिवहगावतु। अतिसुकं
ठसुदेशप्रीतममुखतरजीभनलावतु। आपुनपियतसुधा
रससजनीबिरहिनबोलुपियावतु। जोयहसखीसहायन
होतोप्राणबहुतदुखपावतु। जीवनसुफलसूरताहीको
काजपरायेआवतु ५६ ॥ रागबिहगरो ॥ माईमोकोचन्द
लगेदुखदैन। कहांवेश्यामकहांवेबतियांकहांवेसुखकी
रैन। तारेगनतगनतहौंहारीटपकनलागेनैन। सूरदा
सप्रभुतुम्हरेदरशबिनुबिराहिनकोनहिंचैन ५७॥ दो०॥
एकबारफिरआयकैदेहुसुदर्शनश्याम। तुमबिनब्रजऐ
सोलगतज्योंदीपकबिनधाम ५८॥ रागधनाश्री॥ आज
बिरहिनीबिरहातुरह्वैकेशवकेशवरटतरही। बासरकथा
कठिनकरिकिरमिनुक्रमक्रमब्यथासही। संध्याशशिदव
जानिचलीउठिरहतनअंकगही। अतिश्रममलयकुमकु
मासींचतसरितासेजबही। तनुतलफतनसुहातकछूअ
बनगनननीरबही। तौक्योंसूरहोयअबशीतलपियाबि
योगदही ५९॥ रागमलार ॥ बिछुरनजनिकाहूसनहोय।
बिछुरनभयोरामसीताकोक्रमक्षितिखोजीटोय। बिछुरन
भयोमीनअरुजलकोतलफितलफितनखोय। बिछुरन
भयोचक्रईचकवाकोरैनगँवाईरोय। रुदनकरतबैठीबन

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

महिंयांबातनबूझैकोय । सूरदासस्वामीकोबिछुरतबन तउपायनसोय ६०॥ पुनः॥ बलैयालेहौंहोबीरबादर। तुम्हरेरूपसमहमरेप्रीतमगयेनिकटजलसागर। पालागों द्वारकासिधारोबिरहिनकेदुखदागर। ऐसोसंगसूरकेप्रभुकेकरुणाधामउजागर६१पुनः॥ बरषाऋतुआईहरिनमिलेमाई। गगनगरजिघनदामिनदीनदेखाई।मोरनिबनबुलाईदादुरलीनोजगाई । पपीहापुकारसखिसुनतेबिकलमाई। इन्द्रचापचढ़ाईशायकडारौंरिसाई । बिषमबूंदयतोएतोरीयाहितैंसहोनजाई । पथिकपातीलिखायबेगिदीजैपहुंचाई।सूरसुमतिजैसेआवहिंयदुराई६२पुनः॥ सिखिनिशिखरचढ़िटेरसुनायो। बिरहिनिसावधानह्वैरहियोसजिपावसदलआयो । बादरअतिवानैतपवनभयोताजीचढ़िअतिचटकदिखायो। दामिनिशैलसमान घटाघनगरजिनिशानबजायो। चातकपिकशुकभृंगभिल्लरीसबहिनमारूगायो। मदनसुभटलैपंचबाणकरब्रजसन्मुखह्वैधायो। जानिबिदेशनन्दनन्दनकोअबलनित्रासदिखायो। सूरश्यामपाहिलेगुणसुमिरतजातप्राणबिरमायो६३॥पुनः॥किधौंघनगरजतनाहिंवहिदेशनि। किधौंवहइन्द्रहठिहिंहरिबरज्योंदादुरखायेशेशनि। किधौंवहदेशबकनिमगुछांड्योधरबूड़ाननिप्रवेशनि। किधौंवहिदेशमोरपिकचातकबाधिकनबधेबिशेशनि। किधौंवहिदेशबालनहिंभूलतिगावतिगीतसहेशनि। पथिकनचलतसूरकेप्रभुपैजासोंकहौंसँदेशनि ६४ ॥ पुनः ॥ सखिरीपावससैनपलान्यो। पायोबीचइन्द्रअभिमानीहरिबिनु

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

गोकुलजान्यो। दशहूंदिशासधूमदेखिकैकम्पतिहैश्रति
देह। मनहुंचमूचतुरंगचलतबहुबाढ़ीहैखुरखेह। बोल
तमोरशैलद्रुमचढ़िखगउड़तत्यागिडरिडाके। मनोसेज
फहरायफिरावतभाजतकहतपुराके। गरजतगगनगयं
दगुंजमानोश्ररुदादुरदलकार। सूरदासप्रभुश्रपनेब्रज
कोकाहेनलेहुसँभार ६५॥ पुनः॥ ब्रजपरबहुरचोश्राये
गाजन। जोकबहूंपतिजायबड़ेकीमुखक्योंदिखवतला
जन। बादरदलचहुंदिशितेउमड़ेसुनियतलागेबाजन।
घोषकेलोगकान्हबलबिनुश्रब जितिततधायेभाजन।
श्रापुनजायद्वारकाछायेलागेश्यामबिराजन। सूरदास
गोपीक्योंजीवाहिंजिनकेबिछुरेसाजन ६६॥ पुनः॥ बहु
रोबादरबरसनश्राये। श्रपनीश्रवधिजानिनँदनन्दनग
रजिगरजिघनछाये। सुनियतहैंसुरलोकबसतहैंसेवक
सदापराये। चातककुलकीपीरजानिकैजहँतहँतेउठिधा
ये। द्रुमकियेहरितहरषिमिलिबल्लीदादुरमृतकजिवाये।
छायेनिविड़नीरतृणजहँतहँपाक्षिनिहूंपतिभाये। समुभ
तिनहिंसाखिचूकश्रापनीबहुतेदिनहरिलाये। सूरदास
स्वामीकरुणामयमधुबनबसिबिसराये ६७॥ पुनः॥ ह
मारेमाईमोरखोबैरपरे। घनगरजेबरजेनहिंमानतत्योंत्यों
रटतखरे। करिइकठौरबीनिइनकेपँखमोहनशीशधरे।
याहीतेहमहूंकोमारतहरिहीढीठकरे। कहजानियेकवन
गुणसखिरीहमसोंरहतश्ररे। सूरदासपरदेशबसतहरि
येबनतेनटरे ६८॥ रागसारँग॥ लिखेनहींपठवतद्वैबोल।
द्वैकौड़ीकेकागजमसिकोलागतहैंबहुमोल। हमयहिबा

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

रश्यामपरलेटतबीचबिरहकेजोर। सूरदासप्रभुहमरेमिलनकोहृदयकरौजुकठोर ६९॥ रागकान्हरा॥ गोरिपुतारिपुतासुतआयुधप्रीतमतहांनिन्यारे। सोबिरंचिसम्भवजातनतेतहँरहेप्राणहमारे। सोबरजतहीगवनकियोहठिस्वादलुब्धरसआल। कुंतीनन्दतातमुखजोवातिकलमलाइअतिप्याल। भोरभयेपशुबंधनछूटेज्योंबिरहिनिरतिमानै। इहिबिधिमिलाहिंसूरकेस्वामीचतुरहोयतौजानै ७०॥ रागसारँग॥ बिछुरयोमेरोबालसँघाती। निकसिनजातप्राणयेपापीबिहरतिनाहिंनछाती। हौंतिहिसमयमथतिदधिभूलीभरियौवनमदमाती। जोजानैहरिचलतमधुपुरीलाजछांड़िसँगजाती। ढारतिनीरनैनभरिसुन्दरिनाहिंसुहातिदिनराती। सूरश्याममिलिबेकोसखिरीबेगिपठैलिखिपाती७१॥ पुनः॥ हरिमेंहरिनखकहिजुगये। हरिदरशतहरिमुदितउदितहरिहरिब्रजहरिजुलये। हरिरिपुतारिपुतारिपुकोसुतहरिबिनुअधिकबये। हरितनयाशोधितजलदहमहँहरिअभिमानगँवाये।अबहरिबदनकितोकुबजाहरिसूरदासमनभाये७२॥ पुनः॥ बिनुमाधवराधातनसजनीसबबिपरीतभई। गईछपायछपाकरकीछबिरहीकलंकमई। लोचनहूँतेशरदसारसेसुछबिनिचायलई।आंचलगेच्योनोसोनोज्योंत्योंतनधातुहई। कदलीदलसीपीठमनोहरसोजनुउलटिगई। सम्पतिसबहरिहरीसूरप्रभुबिपदादईदई ७३॥ रागमलार॥ सखीरीदिखरावहुवहदेशू। नाहितरीलिखिपठैसँदेशू। गृहकन्दरासेजभइशूली। शशिकीकिरण

अग्निसमतूली। गयेमिलनकहिश्रीमुखबानी। अवधि
बदीतेसबहिसिरानी ७४॥ रागबिहगरो॥ जपतिहौंतेरेगुण
कीमाला। तुम्हरेकारणयोगिनिहोउँगीबांधिकमरमृग
छाला। यकबनढूँढ़िसकलब्रजढूँढ़्योंकहूँनपायेनँदला
ला॥ सूरदासप्रभुतुम्हरेमिलनकोहौंबिरहिनिबेहाला ७५
रागकेदारो॥ राधाबैरागिनिभई॥ एकबनवारीकेकारणवां।
गहिरीनदियानावपुरानीखेवनवालनहीं। खेवैकोहोय
तोखेवोमेरेप्रभुजीनाहिंतजातबही॥ ठाढ़ेकदमतरकेशभु
रावैंआशालागिरही। अंगभभूतिगरेमृगछालामाला
हाथलई। हमसेंतोरिऔरसोंजोरीकहुकैसेनिबही।
राधेछोड़ेकुंजभवनमेंकुबरीसंगलई। तुमतोजायद्वारि
काबैठयोलिखकेनपठयोपाती। सूरकेस्वामीमिलिकैबि
छुरिगैअबकैसेप्राणरही ७६॥ रागबिलावल॥ हरिसु
तपावकप्रकटभयो। मारुतसुतबन्धवापितुप्रोहिततताप्र
तिपालिहिंछांड़िगयो। रतिपतिताकोपुनिबाहनताबाह
नघनसुतउनयो। मीनसुतासुततातकहतहैंतापरकासत
सकलछयो। शशिकेसंगसरोजकलीकोतातेमेरेमनमाहँ
ठयो। शैलसुताकोरूपनआवतताादिनकोत्रियनेमल
यो। सारँगसुतावाकेसुतकेहितुयासुतसोंसुखनाथहयो।
सूरदासरबिरथरबिकेबशअजहुँनमोहनदरशदयो ७७
रागनट॥ मिलवहुपार्थमित्रहिंआनि। जलजसुतकेसु
तकिरुचितेभईरसकीहानि। उदधिसुतासुतअवलि
उरतेइन्द्रआयुधमानि। गिरिसुतापतितिलककरकस
हनतशायकतानि। पिनकीसुततासुबाहनभक्षकोभक्ष

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

बखानि। शाखमृगरिपुबसतमलयजहुतहुताशनजानि। धर्मसुतअरिकेसुभाइहिंतजौशिरधरिपानि । सूरदास बिचित्रबिरहिनिचूकमनमनमानि ७८ ॥ रागसारँग ॥ जलसुतप्रीतमसुत रिपुबान्धवआयुधआननबिलखुभ ये । सारँगसुतपतिबसतजुमाथेकोटिप्रकाशरिसायग ये । मारुतसुतपतिरिपुपुरबासीपितुबाहनभोजननसु हाये । हरसुतबाहनभक्षसनेहीमानहुँअनलदेहदवला ये । दधिसुतपतिबाहनकोबाहनताकोकैसेहोंसमुझाई । सूरदासप्रभुधर्मपुत्ररिपुताअवतारहिंसलिलबहावै ७९। रागमलार ॥सँदेशनिमधुबनकूपभरे ।जेकोइपथिकगयेते ह्यांतेफिरनहिंगवनकरे । कैवेश्यामासिखाइसमोधेकैवे बीचमरे । अपनेनहिंपठवतनँदनन्दनहमरेउफेरिधरे । मसिखूटीकागरजलभीजेसरदौलागिजरे । पातीसूरलि खेंक्योंकरिज्योंपलककपाटअरे ८० ॥ रागकल्यान ॥ कहैकोइपरदेशीकीबात । मंदिरभागअरधकरिदेगये हरिभखुदेख्योजात । शशिरिपुबरससूररिपुयुगबरहरि रिपुकीअवघात । मघपंचकलेगयेश्यामघनतातेमन अकुलात ।मनमोहनबिनुरहिनपरतहैबारबारबिलखा त । सूरदासबशभईबिरहकेकरमीजैंपछितात ८१ ॥ रागसोरठ ॥ श्यामबिनोदीरेमधुबनियां । अबहरिगो कुलकाहेकोआवहिंचाहतनवयौवनियां । वेदिनमाधो भूलिबिसरिगैगोदाखिलायेकनियां । गुहिगुहिदेतेनन्द यशोदातनककांचकेमनियां ।दिनाचारतेपहिरनसीखे पाटपितम्बरतनियां । सूरदासप्रभुतजीकामरीअबह

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

रिभयेचिकनियां ८२ ॥ चौ० ॥ बिरहमगनयोंब्रजकी
नारी । नहींकृष्णसोंपलभरन्यारी ८३ धन्यजन्मजो
हरिकेदासा । सबबिधिधन्यजिन्हेंहरिआसा ८४ ॥
दो० ॥ नन्दयशोमतिगोपिकननिशिबासरयहध्यान ।
ब्रजबासीप्रभुदरशकोआशलगीरहैंप्रान ८५ ॥ सो० ॥
बिसरेसबव्यवहारअवरनदूजोरतिकछू । अन्धलकुट
आधारएकसुरतिनँदनन्दकी ८६ ॥ श्रीकृष्णजीकीयज्ञोप
वीतलीला । चौ० ॥ रहेजाइमथुराहरिजबतें । नितनव
मोदहोततहँतबतें ८७ देवकिमनअभिलाषपुरावैं ।
निरखिनिरखिदोउसुतसुखपावैं ८८ एकदिवसवसु
देवसुजाना । बोलेजेकुलमध्यप्रधाना ८९ करिआद
रमान्यताबड़ाई । तिनसोंकहियहबातसुनाई ९० रा
मकृष्णअबलोंदोउभाई । गोकुलरहेनन्दघरजाई ९१
तातेयहबिचारअबकीजे । यज्ञोपबीतदुहुनकोदीजे ९२
सुनियहबचनसबनमनभाये । गर्गादिकसबबिप्रबुला
ये ९३ पूछिसुदिनशुभलगनधराई । यज्ञकाजसबसौ
जमँगाई ९४ सकलतीरथनतेजलल्याये । रामकृ
ष्णतातेअन्हवाये ९५ ॥ श्रीभागवते श्लोकः ॥ ततश्चल
ब्धसंस्कारौद्विजत्वंप्राप्यसुब्रतौ । गर्गाद्यदुकुलाचार्या
द्गायत्रंब्रतमास्थितौ १ प्रभवौसर्वविद्यानांसर्वज्ञौजग
दीश्वरौ ॥ सो० ॥ अंतनपावैंशेशवेदश्वासजाकोसक
ल ॥ ताहिदियोउपदेशगायत्रीगुरुगर्गमुनि ९६ ॥ चौ० ॥
दियेदानबसुदेवअनेका । पूजेसबद्विजसहिताबिबेका
९७ सबनरनारिमंगलगाये । बन्दीजननद्रब्यबहु

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

पाये ९८ लखिकौतुकसुरगणसुखपावैं । बरसिसुमन दुंदुभीबजावैं ९९ पुनियकदिनबसुदेवसुज्ञानी । यह इच्छाअपनेमनआनी २००० पण्डितभलोकहूंजोप इये ॥ तौबिद्याअबसुतनपढ़ैये १ काहूतबयहबात बखानी । संदीपनपण्डितबड़ज्ञानी २ रहैंअवंतीपुर केमाहीं । तासमजगपण्डितकोउनाहीं ३ यहसुनि कृष्णसकलगुणखानी । पितुकेमनकीरुचिपहिचानी ४॥ श्रीभागवते श्लोकः ॥ अथोगुरुकुलेबासमिच्छंतावुपजग्मतुः । काश्यंसांदीपनंनामह्यवंतिपुरवासिनम् १ ॥ चौ० ॥ वेदबिदितसेवाहरिकीनी । अल्पकालबिद्यास बलीनी ५ लखिप्रभावगुरुअतिअनुरागे । जानिज गतपतिमनअनुरागे ६ ॥ दो० ॥ तबहरिगुरुसोंजो रिकरबोलेसहितसनेहु । गुरुदक्षिणाकछुचाहियेमांगि सुहमसोंलेहु ७ ॥ सो० ॥ तबगुरुकह्योबिचारितुमक रताप्रभुजक्तके । बूझिलेहुंनिजनारिजोवहकहैसोदी जियो ८ ॥ चौ० ॥ तबसंदीपनातियपैआये । बचन कृष्णकेताहिसुनाये ९ देनकहतहरिदक्षिणाहमको । मांगैंकहासोबूझैंतुमको १० मरेहुतेताकेसुतदोई । ति नमांगेहरिसोंपुनिसोई ११ कृष्णसकलजीवनकेस्वामी । जलथलसबजिनकेअनुगामी १२ सुनतचलेहरिआ तुरधाई । दियेगुरूकेसुतकोलाई १३ भयेसुखीद्विज अरुद्विजनारी । सुतसंतापमिटयोदुखभारी १४ कैप्र सन्नगुरुआशिषदीन्हो । नमस्कारप्रभुगुरुकोकीन्हो १५ गुरुआयसुलैपुनिदोउभाई । आयेमधुपुरजनसुखदा

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

ई१६ तातमातलखिकेसुखपाये । भयेमनोरथसबमन
भाये१७हितजनपरिजननरअरुनारी । सुखीसकलह
रिबदननिहारी १८ ॥दो० ॥ ऊधौअरुअक्रूरयेसखाश्या
मकेसाथ। मिलिबैठतखेलतहँसतइनकेसँगयदुनाथ १९
सो० ॥ ब्रजबासिनकोध्यानब्रजबासीप्रभुकेसदा । यद
पिब्रह्मसुखखानतदपिभक्तबशप्रेमरस २० ॥ ऊधवजी
कीबिदालीला श्रीभागवते । श्लोकः ॥ वृष्णीनांप्रवरोमंत्री
कृष्णस्यदयितःसखा । शिष्योबृहस्पतेःसाक्षादुद्धवोबु
द्धिसत्तमः १ ॥ चौ० ॥ ऊधौयदुपतिसखासज्ञानी । ए
कब्रह्मसुखसोंरतिमानी २१ हरिकोत्रिगुणरूपकरिमा
नै । प्रेमकथाकछुउरनाहिंआनै २२ जबहरिब्रजकीबात
चलावैं । तबऊधौहाँसिकेउचटावैं२३ ॥ रागिनीधनाश्री ॥
यदुपतिजानिउद्धवरीति । जेहिप्रकटानिजसखाकहियत
करतभावअनीति । बिरहदुखसुखजहांनाहींतहँनउप
जेप्रेम । रेखरूपनबरणजाकेयहधरोहैनेम । त्रिगुणतनक
रिलखतहमकोब्रह्ममानतऔर । बिनागुणक्योंपुहुमि
उधरैयहकरतमनडोर । बिरहरसकेहिमंत्रकहियेक्योंच
लेसंसार । कछुकहतयहएकप्रकटतअतिभरोअहंकार ।
प्रेमभंजननेमयाकोजायक्योंसमुझाय । सूरप्रभुमनयहै
शोचतब्रजहिदेउँपठाय २४ ॥ दो० ॥ ऐसेहरिबैठेकरत
अपनेउरअनुमान । ऊधौकेउरतेकरोंदूरिज्ञानअभिमा
न २५ ॥ सो० ॥ आइगयेतेहिकालऊधौजीहरिकेनिक
ट । बिहँसिमिलेनँदलालसखासखाकहिअंकभरि २६ ॥
चौ० ॥ अंगभुजादैकेयदुराई । ऊधौसोंब्रजबातचला

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

ई२७ ॥ रागसारँग ॥ सखासुनोमेरीएकबात । वहलतागएसंगगोपिनसुधिकरतपाछितात । कहांवहवृषभानतनयापरमसुन्दरगात । सुरतिआवेरासरसकीअधिकजियअकुलात । सदाहीयहरहतनाहींसकलमिथ्याजात । सूरप्रभुयहसुनोमोसोंसकहींसोंनात २८ ॥ श्रीभागवते श्लोकः ॥ गच्छोद्धवव्रजंसौम्यपित्रोर्नौप्रीतिमावह । गोपीनांमद्वियोगाधिंमत्संदेशैर्विमोचय १ ॥ दो० ॥ वहसबमेरेबिरहमेंअतिहैंमहामलीन । कलनपरतक्षणरैनदिनजैसेजलबिनमीन २९ ॥ रागटोड़ी ॥ उद्धवयहइननिश्चयजानो । मनक्रमबचमयतुम्हेंपठावतब्रजकोतुरतपलानो । पूरणब्रह्मसकलअविनाशीताकेतुमहौज्ञाता । रेखनरूपजातिकुलनाहींजाकेनाहिंपितुमाता । यहमतदैगोपिनकहँआवहुबिरहनदीमेंभासति । सूरतुरतयहजायकहोतुमब्रह्माबिनानाहिंआसति ३० ॥ दो० ॥ यकप्रवीणअरुसखाममतुमसमज्ञानीकौन । सोकीजैजोब्रजबधूसाधनसीखैंमौन ३१ ॥ सो० ॥ ज्योंसुखपावैंनारिज्ञानयोगउपदेशसे । डारैंमोहिंबिसारिब्रह्मअलखपरचोकरैं ३२ ॥ पुनः श्लोके ॥ धारयंत्यतिकृच्छ्रेणप्रायःप्राणान्कथंचन । प्रत्यागमनसंदेशैर्वल्लव्योमेमदात्मिकाः १ ॥ चौ० ॥ ऊधौसुनिबोलेमुसक्याई । कहाकहतहरियोंअकुलाई ३३ सदारहतयहाहितथिरनाहीं । जगव्यवहारसकलमिथ्याहीं ३४ मोसोंसुनोबातयदुराई । एकहिंब्रह्मसदासुखदाई ३५ ॥ दो० ॥ जबऊधौऐसेकहीबिहँसिज्ञानकीबात । तबयदुपतिसुखपायकेपुनिबो

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

लेहरषात ३६ ॥ सो० ॥ भाईमोमनमाहिंउद्धवजोतुम
बातकहि।तुमसमानकोउनाहिंसखाऔरमेरोहितू ३७॥
रागनट॥ उद्धवबेगहीब्रजजाहु । सुरतिसंदेशासुनायमे
टोबल्लभितकोदाहु । कामपावकतूलमेंतनाबिरहश्वास
समीर। भस्मनाहिंनहोनपावतलोचननकेनीर। अजों
लोंयहिभांतिह्वैहैंकछुकसजगशरीर । एतेपरबिनुसमा
धानेक्योंधरैंतियधीर । कहींकहाबनायतुमसोंसखासा
धुप्रवीन । सूरसुमतिबिचारियेक्योंजियेंजलबिनमीन
३८॥ दो० ॥ उद्धवब्रजमेंजायकेबिलमिनरहियोजाय।
तुमबिनहमअकुलायहैंश्यामकरतचतुराय ३९ ॥चौ०॥
कहीश्यामजबऐसीबानी।तबउद्धवअपनेजियजानी ४०
रागकल्यान ॥ उद्धवमनअभिलाषबढ़ायो । यदुपतियो
गजान्योजियसांचोनयनअकाशचढ़ायो । नारिनपैंमो
कोपठवतहौंकहतसिखावनयोग । मनहींमनअबकरत
प्रशंसाहैंमिथ्यासुखभोग । आयसुमानिलियोशिरऊप
रप्रभुआज्ञापरमान। सूरदासप्रभुपठवतगोकुलमेंक्यों
कहौंकिआन ४१ ॥ रागकान्हरा ॥ तुमपठवतगोकुलको
जैहौं। गदगदबचनकहतमुखप्रफुलितबारबारसमभै
हौं । आलसनहींकरौंतुवकारणकौनकाजपुनिलैहौं ।
यहमिथ्यासंसारसदाईयहकहकेउठिऐहौं । सूरदिना
द्वयब्रजजनसुखदैआयचरणपुनिगहिहौं ४२॥ चौ० ॥
यहसुनिबिहँसिकह्योहरितबहीं। उद्धवजावबेगिब्रजअ
बहीं ४३ जायनन्दयशुमतिपरतोषो। ज्ञानकथाकहियु
वतिनपोषो ४४ सकुचोमतिहिजानिब्रजनारी। कहियो

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

ज्ञानयोगबिस्तारी ४५ ॥ दो० ॥ बचनकहतहीसमाझि
हैंवेहैंपरमप्रवीन । ह्वैहैंशीतलबिरहतेज्योंजलपायेमी
न ४६ ॥ सो० ॥ पठवतथापिमहन्तऊधौकोयहिकाज
हरि । ह्वैश्रावेंगेसन्तब्रजभक्तनकेदरशते ४७ ॥ चौ०॥
अपनोहीरथतुरतमँगायो । दियोउपगसुतकोपलनायो
४८ अपनेहिभूषणबसनसुहाये । निजकरऊधौकोप
हिराये ४९ अपनोमुकुटआपनीमाला । पहिराईउर
बिशदविशाला ५० ऊधौतबहरिरूपसुहायो । यकभृ
गुपतिकेचिह्नबिरायो ५१ ॥ रागटोड़ी ॥ उपगसुतहाथ
दईकरपाती । यहकहियोयशुमतिमैयासोंनहिंबिसरों
दिनराती । कहतकहावसुदेवदेवकीतुमकोहमहैंजायो ।
कंसत्रासाशिशुअतिहिजानिकैंब्रजमेंजायदुरायो । कहै
बनायकोटिकोइबातेंकहिंबलरामकन्हाई । सूरकाजक
रिकैंकछुदिनमेंबहुरिमिलैंगेआई ५२ ॥ रागगौरी ॥
पातीलिखिऊधौकोदीन्ही । नन्दयशोदहिहितकहिदी
न्हीहँसेउपगसुतलीन्ही । मुखबचनानिकहिहेतुजनायो
तुमहौहितूहमारे । बालजानिपायेनृपडरतेतुमप्रतिपा
लनहारे । कुबजासुन्योजातब्रजऊधौमहलनलियेबो
लाई । सेहनपातिलिखीराधाकोगोपिनसहितबनाई ।
मोकोतुमअपराधलगावतिकृपाभईबिनआस । भुक
तिकहामोपरब्रजनारीसुनहुनसूरजदास ५३ ॥ पत्रकुब
जाकोगोपिनप्रति । रागसारँग ॥ सुनायोएकसँदेशोऊधौतुम
गोकुलकोजात ॥ तापीछेकहियोतुमउनसोंएकहमारीबा
त ।मातपिताकोहेतजानिकैकान्हमधुपुरीआये । माहिंन

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

नश्यामतिहारेप्रीतमनायशुदाकेजाये । समझोबूझो
अपनेमनमेंतुमजोकहाभलकीन्हो । कहबालकतुममत्त
ग्वालनीसबैआपबशकीन्हो । औरयशोदामाखनका
जेबहुतकत्रासदिखाई ॥ तुमहिंसबैमिलिदांवरिदीन्ही
रंचदयानहिंआई । अरुवृषभानसुताजोकीन्हीसोतुम
सबजियजानो । याहीलाजतजीब्रजमोहनअबकाहेदु
खमानो । सूरदासयहसुनसुनबातैंश्यामरहेशिरनाई।
इतकुबजाउतप्रेमग्वालिनीकहतनकछुबनिआई ५४॥
चौ० ॥ लिखिपातीऊधौकरदीन्ही।औरमुखागरबिनती
कीन्ही ५५ नीकीरहोयशोमतिमैया । कछुदिनमेंअ
इहैंदोउभैया ५६ ॥ सो० ॥ कहोसँदेशनजातअतिदुख
पायोमातुतुम । अबमोकोंनिजतातबासुदेवदेवकिकह
त ५७ ॥ क० ॥ कामरीलकुटमोहिंभूलतनएकोपलघुं
घुचीनविसारैंजोपैलालउरधारेहैं । जादिनतेंछाकैंछूट
गईंग्वालिनकीतादिनतेभोजननपावतसकारेहैं । भने
यदुबंशयहनेहनन्दबंशसोंबंशीनबिसारैंजोपैबंशबिस्ता
रेहैं। उद्धवब्रजजाइयोमेरोलाइयोचौबानगेंदमैयातेक
हियोहमऋणियांतुम्हारेहैं ५८ ॥ चौ० ॥ यहिबिधिऊ
धौसेयदुराई । कहिसबमनकीबातचलाई ५९ ॥
दो० ॥ ऐसेऊधौसेकरीप्रकटश्यामब्रजप्रीति । ऊधौ
तिनकोज्ञानलैचलेकरनबिपरीति ६० ॥ चौ० ॥ सुनि
बसुदेवदेवकीपायो । ऊधौब्रजकोजातपठायो ६१ ॥
रागबिहागरो ॥ उद्धवजातब्रजहिंसुने। देवकीबसुदेवसुनि
कैहृदयहेतुगुने। आपसोंपातीलिखीकहिधन्ययशमति

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

नन्द। सुतहमारोपालिपढ़योअतिदियोआनन्द। आयकैमिलिजातकबहुँनश्यामअरुबलराम। यहैकहतिपठायहौंअबतबहिंतनबिश्राम। बालसुखसबतुमहिंलूटयोमोहिंमिलेसुकुमार। सूरयहउपकारतुमतेकहतबारम्बार ६२॥ चौ०॥ ऐसेलिखिपातीसुखदाई। उद्धवकरबसुदेवपठाई ६३ तबहरिऊधौवेगिपठायो। चल्योउपगसुतब्रजसमुहायो ६४ ऊधौचलेगर्बमनधारी। कहाज्ञानसमुझैंगीग्वारी ६५ गयोउपगसुतजबहरषाई। ब्रजगोपिनमनगयोजनाई ६६ समुझिसोसगुनदरशअनुरागीं। जहँतहँकागउड़ावनलागीं ६७॥ रागबिलावल॥ बायसगहगहातसुनिसुन्दरिबाणीबिमलपूर्बदिशिबोली। आजुमिलहिंगेश्याममनोहरचितदैसुनिराधेमनभोली। कुचभुजनयनअधरफरकतहैंबिनुसमीरअंचरध्वजडोली। शोचनिवारिकरहुमनआनँदजातनभागदशाबिधिखोली। सुनतबचनसर्बज्ञसखिनकेप्रेमपुलकितरकीउरचोली। सूरदाससुबिलासनन्दसुतरहसीबिलसितनारिअमोली६८॥ रागसारँग॥ तौतूउड़हिनरेकाग। जोगोपालगोकुलहिआवेंतौहैहमरेभाग। दधिओदनदोनाकेदैहौंअरुअंचरकीपाग। लोचनहृदयबुझायसगुनतनमेटिबिरहकेदाग। सूरदासप्रभुमिलहुमयाकरियाहूतेअनुराग। जैसेमातपितानाहिंजानाहिंरैनिहोयनाहिंजाग६९॥सो०॥ सुनिगोपिनकेबैनउठिबैठतबायसअनत। लखिपावतसबचैनकहतपरस्परआपमें७०॥ दो०॥ घरघरसगुन

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

बिचारहींब्रजकीत्रियबड़भाग। ब्रजबासीप्रभुदर्शकोस
बकेमनअनुराग ७१॥ सो०॥ मथुरातनटकलायअनु
दिनपंथनिहारहीं। कबआवेंब्रजराययहैकरतअभिला
षसब७२॥ ऊधवजीकीब्रजगवनलीला। श्रीभागवते श्लोकः॥
इत्युक्तउद्धवोराजन्संदेशंभर्त्तुराहृतः। आदायरथमारु
ह्यप्रययौनन्दगोकुलम् १॥ चौ०॥ ऊधौचलेब्रजहिं
समुहाये। मथुरातजिगोकुलनियराये ७३ रथपरबै
ठेशोभितकैसे। दूजेनन्दनँदनमनुजैसे ७४ वहैमु
कुटपीतांबरकाछे। श्यामरूपशोभितअँगआछे ७५
दूरिहिंतेरथकीउजियारी। देखतहर्षींब्रजकीनारी७६॥
सूरसागरे। रागमलार॥ हैकोईवैसिहीअनुहारि। मधु
बनतेइतआवतसखिरीचितवतुनयननिहारि। माथे
मुकुटमनोहरकुंडलपीतबसनरुचिकारि। रथपरबैठि
कहतसारथिसोंब्रजतनबांहपसारि। जानतिनाहिंनप
हिंचानतिहूँमनुबीतेयुगचारि। सूरदासस्वामीकेबिछुरे
जैसेमीनबिनबारि ७७॥ पुनः॥ कोऊआवतहैतनश्या
म। वैसइपटवैसइरथबैठनिवैसइहैउरदाम। जोजैसेइ
सोतैसइदौरीछांड़िसकलगृहकाम। रोमपुलकगद्गदभ
इतेहिक्षणशोचिअंगअभिराम। इतनीकहतआयगय
ऊधौरहींठगीतेहिठाम। सूरदासप्रभुह्यांक्योंआवैंबँधे
कुब्जारसदाम ७८॥ दो०॥ यहैशोरब्रजघरनघरआ
वतनंदकुमार। देखनकोनिकसेहरषितरुणवृद्धअरुबा
ल ७९॥ सो०॥ सुनतयशोदानन्दलेनचलेआगेहर
षि। भयेपरमआनन्दतेहिक्षणब्रजकेलोगसब ८०॥

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

चौ० ॥ ताहीसमयनिकटरथआयो। ऊधौनिरखिनयन
जलछायो ८१ तबइककहतिश्यामतौनाहीं। यशुमति
मूर्च्छिपरीमहिमाहीं ८२ रुदनकरतब्याकुलअतिभारी।
लईउठायपोंछिदृगबारी ८३ यशुमतिबोधकरतिसब
बाला। ऊधौकोपठयोगोपाला ८४ ॥ दो० ॥ भलीभ
ईमारगचल्योसखापठायोश्याम। उठहुबूझियेहरिकु
शलकहतमहरिसोंबाम ८५ ॥ सो० ॥ सुफलघरीहैआ
जकरहुजानयहमनहरषि। आवनकोब्रजराजइनकेकर
कैहैंलिखे ८६ ॥ चौ० ॥ ऊधौनिरखिकहतब्रजनारी।
सुन्दरसजलसुशीलमहारी ८७ ताहीतेहरियाहिपठा
यो। लैसँदेशमोहनकोआयो ८८ चहुँदिशिघेरिलिये
रथजाई। नन्दगोपब्रजलोगलुगाई ८९ गयेलिवाय
नन्दनिजद्वारे। ऊधौरथतेहरषिउतारे ९० अरघ
देयभीतरघरलीनो। धनिधनिधनिकहिआदरकीनो
९१ चरणधोयआसनबैठाये। बहुप्रकारभोजनक
रवाये ९२ बिविधभांतिकरिकेपहुनाई। नन्दश्यामकी
बातचलाई ९३ ॥ दो० ॥ नन्दगोपकरजोरकेपूँछतशीश
नवाय। माखनप्रभुगोपालकीकहोकथासमुझाय ९४
करतहमारीसुधिकभीकहुउद्धवबलबीर। पुलकगातग
द्गदबचनपूँछतनन्दअधीर ९५ ॥ सो० ॥ चूकपड़ीअन
जानकहपछितानेआजुके। घरआयेभगवानजानेहम
नअहीरकरि ९६ ॥ चौ० ॥ प्रथमगर्गमुनिकह्योबखानी।
भल्योसंगदोषनिजजानी ९७ ॥ दो० ॥ यातेयहहुनिश्चय
कियोहमअपनेमनमाहिं। आदिपुरुषभगवानहैंपुत्रह

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

मारेनाहिं ९८॥ चौ० ॥ कह्योयशोमतिदृगभरिपानी।
ऊधौहमऐसीनहिंजानी९९कुशलहमारेसुतकीकहो।जि
नकेसंगसदातुमरहो२१००कबहूँयहसुधिकरतहमारी।
उनबिनदुखहमपावतभारी १ सबहिनसेआवनकहि
गये। बीतीअवधिबहुतदिनभये २ ॥ दो० ॥ उद्धव
तुमसेक्याकहौंमनमोहनकीबात। जोलीलाब्रजमेंकरी
सोबरणीनहिंजात ३ ॥ चौ० ॥ बोलेनन्दबिलखित
बवानी। कहियोऊधौसांचबखानी ४ श्यामकबहुँब
हुरयोब्रजऐहैं। ब्रजबासिनकोतापनशैहैं ५ कहिगये
चलतीबारमुरारी। मिलिहौंबहुरितातयकबारी ६ ॥
दो० ॥ करिहैंप्रभुअपनोबचनकबहुँश्यामप्रतिपाल। क
हुऊधौतुमसोंकछूकह्योकिनाहिंगुपाल ७ ॥ सो० ॥ भये
सकलकृशगातश्यामबिरहब्रजनारिनर।युगसमदिवस
बिहातऊधौहमकोहरिबिना८॥चौ० ॥ लखिऊधौब्रजरी
तिसुहाई। रह्योकछुकऊधौसकुचाई९ सुन्योनन्दयशुम
तिकीबानी। बोल्योहृदयपरमसुखमानी १० कहिदोउ
भाइनकीकुशलाती। दईश्यामदीनीजोपाती ११ हरि
कोकह्योसँदेशसुनायो। हलधरकोसबकह्योसुनायो१२
पातीबांचिनन्दउरलाई। भेंटेमानहुँकुँवरकन्हाई १३लि
खीश्यामकेकरकीपाती। यशुमतिलैलैलावतिछाती १४
पुनिबसुदेवलिख्योहैजोई॥ ऊधौदियोनन्दकोसोई१५
बांचतनयननीरभरिआये। कहतश्यामअबभयेपराये
१६सुनिबसुदेवलिखीसोबाता। बोलीबिलखियशोदा
माता१७॥ दो० ॥ ऊधवयद्यपिहमैंसबसमभावतब्रज
CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

लोग । उठतशूलतद्यपिनिरखिमाखनप्रभुसुखभोग १८॥ चौ० ॥ एकबारगोकुलफिरिआवैं। मनकरिमाखनभोगलगावैं १९ ऐसेकहियशुमतिबिलखाई। ऊधौचरणरहींशिरनाई २० पूरणब्रह्मकृष्णसुखरासी । जगतआत्मासबघटबासी २१ हैंब्यापकपूरणसबठाहीं। जैसेअग्निकाठकेमाहीं २२ मतिजानोहरिहमतेन्यारे। वेहैंसबजनकेरखवारे २३॥ दो० ॥ मतिजानोसुतकरतिन्हैंवेसबकेकरतार । तातमाततिनकेनहींभक्तनहितअवतार २४॥ सो० ॥ हमहैंसबअज्ञानप्रभुमहिमाजानैनहीं। वेप्रभुपुरुषपुरानजन्ममरणकरिकेरहित २५॥ चौ० ॥ तातेप्रभुहिजानिहरिध्यावै। निश्चयमुक्तिपदारथपावै २६ ऊधौजोतुमहमहिंसिखावत । हमहूँनिजमनकोसमुझावत २७ तद्यपिवहमृदुरूपकन्हाई । देखेबिनारह्योनहिंजाई २८ ॥ सो० ॥ सबब्रजबिरहअधीरयुगसमबीततपलइमें। धरैंकौनबिधिधीरऊधौमनमोहनबिना २९॥ चौ० ॥ ब्रजघरघरसबहोतबधाई। कहतकान्हकीपातीआई ३० गोपसखासबकृष्णउपासी। आयेधायसकलब्रजबासी ३१ ब्रजयुवतीमिलितिलकबनावैं। करिपरदक्षिणशीशनवावैं ३२ बूझतसकलकुशलनरनारी । नन्दअवासभीरभइभारी ३३ हकबकातचहुँदिशिसबठाढ़े । ऊधौरहेमौनगहिगाढ़े ३४॥ दो० ॥ ऊधौकीलखिकैदशाब्रजजनमनअकुलात । तुमऊधौक्योंकहतनहिंरामकृष्णकुशलात ३५॥ सो० ॥ इकक्षणयुगसमजाहिंहमेंसुनेबिनप्रीतिहरि ।

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

आवनकह्योकिनाहिंब्रजहिकृपाकरिसांवरे ३६॥चौ०॥
तबबोलेऊधौधरिधीरा। सदाकुशलहरिहलधरबीरा
३७ दियोतुमहिंलिखिपत्रसँदेशू। अरुश्रीमुखयहक
ह्योसँदेशू ३८॥रागगट॥ सुनुगोपीहरिकोसंदेश। क
रिसमाधिअन्तरगतिचितवौप्रभुकोयहउपदेश। वेअ
विगतअविनाशीपूरणघटघटरहेसमाय। तिहिनिश्च
यकरिध्यावहुऐसेसाचितकमलमनलाय। यहउपाय
करिबिरहतजौगीमिलैंब्रह्मतबआय। तत्त्वज्ञानबिनमु
क्तिनहोईनिगमसुनावतगाय। सुनतसँदेशदुसहमाधौ
कोगोपीजनाबिलखानी। सूरबिरहकीकौनचलावैनयन
ढरतअतिपानी ३९॥रागसारँग॥ यहउपदेशकह्यो
हैमाधौ। करिबिचारजियसाधनसाधौ। इलापिंगला
सुषुमननारी। शून्यसहजमेंबसैंमुरारी। ब्रह्मभाव
करिसगुणहिदेखो। अलखबिनाकछुऔरनपेखो। कूं
चीतारएकमनलाई। नयनमूंदिअन्तरगतध्याई। हृ
दयकमलमहँज्योतिप्रकाशी। सोइअन्तरयामीअविना
शी। यहैउपायविरहजलतरिहौ। योगपंथक्रमक्रमअनु
सरिहौ। यहसंदेशकह्योगोपाला। सुनतहिबिमुखभई
ब्रजबाला।रेमधुकररसलम्पटवाई।ऐसेबचननकहैंकन्हा
ई।श्रीवृन्दाबनभवनबिराजैं।नटवरभेषसदाहरिसाजैं।
रहसबिलासभलेमानेमन। बिचगोपीबिचकान्हश्याम
घन। अलिआयेहैंयोगसिखावन। देखिकेप्रीतिलगो
शिरनावन। भ्रमरगीतजोदिनदिनगावै। परमानंदपर
मपदपावै। सूरयोगकीकथानभाई। प्रेमभक्तिगोपीमन

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

भाई ४० ॥ पुनः ॥ परीपुकारद्वारगृह२प्रतियहसांचीभ
इयोगीआयो । पवनसधावनभवनछिड़ावनरवनरसा
लकृपालपठायो । आशअवधिपरमावधिजीवनतेउ
शिथिलकहिकाहितुलायो । कनकबेलिकामिनिब्रज
बालाहिंयोगअगिनिदीवेदिनधायो । भूभरहरनअ
सुरमारनहितकारनकान्हमधुपुरीछायो । यादोउमेंब्र
जएकौनाहिंनकाहेकोउलटयोयशबितरायो । संवलश्या
मधामदैपठयोनृपअधिकारसारजेपायो । सूरनप्रीति
बिसारिसांवरेभलीचतुरताजगतसुनायो ४१ ॥ पुनः॥
मधुकरभलीसुमतिमतिखोई । हांसीहोनलगीयहब्रजमें
योगहिंराखौगोई । आतमरामलखावतडोलतघटघट
ब्यापकजोई । चापेकांखफिरतनिर्गुणकोह्यांगाहकनहिं
कोई । प्रेमकथासोईपैजानैजापैबीतीहोई । तूनीरस
येतीकहजानैबूझिदेखिबेओई । बड़ोदूततूबड़ोठौरको
कहियेबुद्धिबड़ोई । सूरदासपूरीयहिषटपदकहताफिर
तहैंसोई ४२ ॥ पुनः ॥ ऊधोयोगसिखावनआये । शृं
गीभस्मअधारीमुद्रालैब्रजनाथपठाये । जोपैयोगलि
ख्योगोपिनकोकसरसरासखिलाये । तबहिंज्ञानकाहे
नउपदेश्योअधरसुधारसप्याये । मुरलीशब्दसुनतवन
गवनतिसुतपतिगृहबिसराये । सूरदाससँगछांड़िश्याम
कोमनहिंरहेपछिताये ४३ ॥ चौ० ॥ ऊधोतुम्हैदोषको
लावै । यहसबकुबजानाचनचावै ४४ जबयुवतिन
यहबातसुनाई । ऊधोरहेमौनसकुचाई ४५ ॥ सो० ॥
तबजान्योमनमाहिंयेगुणहैंसबश्यामके । मोहिंपठयो

यहिठाहिंयाहीकारणकेलिये ४६ ॥ दो० ॥ नन्दयशोदागोपसोंमाखनप्रभुकीबात । ऐसेबिधिऊधौकहतसुखसोंबीतीरात ४७ ॥ चौ० ॥ मनमनकरिप्रणामहरषाने । ऊधौचलेबहुरिबरसाने ४८ श्रीवृषभानुकुँवरिहरिप्यारी । औरसकलब्रजगोपकुमारी ४९ यूथयूथमिलिअतिअतुराई । पियसँदेशसुनतैउठिधाई ५०
श्रीभागवतेश्लोकः ॥ भगवत्युदितेसूर्येब्रजद्वारिव्रजौकसः। दृष्ट्वारथंशातकौंभंकस्यायमितिचाब्रुवन् १ अक्रूरआगतःकिंवायःकंसस्यार्थसाधकः। येननीतोमधुपुरींकृष्णः कमललोचनः २॥ चौ० ॥ तेहिक्षणऊधौदरशदिखायो। तबधीरजसबकेमनआयो ५१ ॥ दो० ॥ ऊधौरथतेउतरिकेबैठेतरुकीछांह । भईभीरगोपीनकीअतिआनँदमनमांह ५२ ॥ सो० ॥ अतिप्रियपाहुनजानसुधिलायेब्रजराजकी। करिकेअतिसन्मानप्रेमसहितपूजेसबन५३ चौ० ॥ हाथजोड़िपुनिबिनयसुनाई । कहियोऊधौनिजकुशलाई ५४ बहुरिकहोमधुबनकुशलाता। हैंबसुदेवदेवकीमाता ५५ कुशलक्षेमकहियेबलदाऊ । अरुअक्रूरकुशलकुबजाऊ ५६ तबऊधौउरमेंधरिधीरा। बोलेसोधिनयनकोनीरा ५७ सबबिधिकहिहरिकीकुशलाती। दीन्हीप्रथमश्यामकीपाती ५८ ॥ रागसारँग ॥
पातीसखिमधुबनतेआई । ऊधौहाथश्यामलिखिपठई आइसुनहुमोरिमाई । अपनेअपनेगृहतेदौरींलेपातीउरलाई । नयननननीरानिमिषनहिंखण्डितप्रेमनबिथाबुझाई । कहाकरौंसूनेयहगोकुलहरिबिनकछुनसु

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

हाई । सूरदासप्रभुकौनचूकतेश्यामसुरतिबिसराई ५९
दो० ॥ अतिहितपातीश्यामकीसबमिलिमिलिसुखपा
य। ऊधौकरदीन्हीबहुरिदीजेबांचिसुनाय ६० ॥सो०॥
ऊधौसबनसमोधिबांचिश्यामकीपत्रिका। लागेकरनप्र
बोधिज्ञानकथाबिस्तारिकै ६१ ॥ रागसारँग ॥ हौंतुम
पैब्रजनाथपठायो । आतमज्ञानसिखावनआयो। आपु
हिपुरुषआपुहीनारी। अपुहिबाणप्रस्थव्रतधारी। आ
पुहिपिताआपुहीमाता। आपुहिभगिनीआपुहिभ्राता।
आपुहिपण्डितआपुहिज्ञानी । आपुहिराजाआपुहिरा
नी । आपुहिधरतीआपुअकासा । आपुहिस्वामीआ
पुहिदासा । आपुहिग्वालआपुहीगाई। आपुहिआप
चरावनजाई । आपुहिभँवरआपुहीफूल । आतमज्ञा
नबिनाजगभूल । रंकरायदूजोनहिंकोय। आपुहिआ
पुनिरंजनहोय ६२ ॥ श्रीभागवते श्लोकः ॥ श्रूयतांप्रिय
संदेशोभवतीनांसुखावहः । यमादायागतोभद्राअहंभ
र्त्तुरहस्करः १ ॥ श्रीभगवानुवाच ॥ भवतीनांवियोगोमेन
हिसर्वात्मनाक्वचित् । यथाभूतानिभूतेषुखंवाय्वग्निर्जे
लंमही २ आत्ममायानुभावेनभूतेंद्रियगुणात्मना ३
आत्माज्ञानमयःशुद्धोव्यतिरिक्तोगुणान्वयः । सुषुप्ति
स्वप्नजाग्रद्भिर्मायावृत्तिभिरीयते ४ ॥ चौ० ॥ यहि
प्रकारजाकोमनलागै । जरामरणजातेभ्रमभागै ६३
योगसमाधिब्रह्मचितलावे । परमानन्दतबहिंसुखपा
वे ६४ ॥ दो० ॥ आतमहीसेदेखियेपरमआतमारूप।
सबमेंपूरणएकरसअद्भुतमहाअनूप ६५ ताहीसुमिरण

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

ध्यानमेंरहोसबहिचितलाय। याहीबिधितुमसनकह्यो
माखनप्रभुसमुझाय ६६ सुनतहिऊधौकेबचनरहींस
बैशिरनाय। मानहुमांगतसुधारसदीन्होगरलपियाय
६७ ॥ सो० ॥ रहींठगीसीनारिहरिसँदेशदारुणसुन
त। बोलींबहुरिबिनायऊधौसोंकरजोरिके ६८ ॥ क० ॥
धरमकेसँघातीएकबातहूनकहतबनै थिरमेंथहरातीजो
लहातीहितरामके। जाकेपूतनातीकरैंप्रीतिअभिरातो
यहकाहूनसुहातीबशभयेऐसेबामके। मोहनकुजातीकुब
जातीसंगजातोअबहमसोंकहातीवेहमारेकौनकामके।
छातीदाहिबेकोयहपातीलैसिधारेऊधौ घातीकरीतुमहूं
सँघातीसखाश्यामके ६९ ॥ रागसारँग ॥ ऊधौकहाकरैं
लैपाती। जौलागिनाहिंगोपालहिंदेखतिबिरहदहतमो
रिछाती। निमिषएकमोहिंबिसरतनाहिंनशरदसमय
कीराती। मनतौतबहींतेहरिलीन्होजबभयमदनबरा
ती। पीरपराईकहतुमजानोहौतोश्यामसँघाती। सू
रदासस्वामीसोंतुमपुनिकहियोठकुरसुहाती ७० ॥ चौ० ॥
भलेभलेतुमउद्धवराई। भलीआयकुशलातसुनाई ७१
कछुइकहतीमिलनकीआशा। कियोआयतिनकोतु
मनाशा ७२ ॥ सूरसागरे रागनट ॥ नयननननंदनन्दनध्या
न। तहांलैउपदेशदीजैजहांनिरगुणज्ञान। पाणिपल्ल
वरेखगणिगुणअवधिविधिबन्धान। यतेपरकहिकटुकब
चननिहनतजैसेबान। चन्द्रकोटिप्रकाशमुखअवतंस
कोटिकभान। कोटिमनमथवारिछबिपरनिरखिदीजत
दान। भृकुटिकोटिकडण्डरुचिअवलोकनीसन्धान।

कोटिबारिजबंकनयनकटाक्षकोटिकभान । कम्बुग्रीवा
रत्नहारउदारउरमणिजान । आजानुबाहुउदारअति
करपद्मसुधानिधान । श्यामतनमेंपीतकीछबिकरैकौन
बखान । मनहुनिरततनीलघनमेंतड़ितदेतीमान । रा
सरसिकगोपालमिलिमधुअधरकरतीपान । सूरऐसेरू
पबिनकोइकहारक्षकआन ७३ ॥ दो० ॥ रहनदेवऐसे
हमैंअवधिआशकीनाह । फिरिहमकोपावैंनहींडारैंसिं
धुअथाह ७४॥सो० ॥ लायोयुवतिनयोगजोयोगिनकेभो
गतुम । हमतनभरयोबियोगभयोअधिकदुखश्रवणसु
नि ७५ ॥ स० ॥ जोहरिमथुराजायबसेहमरेजियप्रीति
बनीरहिसोऊ । ऊधौवेसुखयेहूहमैंअरुनीकेरहैंवेमूरति
दोऊ । हमारहिंनामकीछापपड़ीअरुअन्तरबीचकहैन
हिंकोऊ । राधाकृष्णसबैतोकहैंअरुकूबरिकृष्णकहैनहिं
कोऊ ७६॥ दो० ॥ अधरअरुणमुरलीधरेलोचनकमल
बिशाल।क्योंबिसरतऊधौहमैंमोहनमदनगोपाल ७७॥
सो० ॥ सजलमेघतनश्यामरूपराशिआनँदभरयो ।
मोहीसबब्रजबामऔरनजानतब्रह्महम ७८॥ चौ० ॥ ऊ
धौसुनिगोपिनकीबानी । बोलेबहुरयोसाजिसयानी ७९
रूपरेखजाकेकछुनाहीं । नयनमूंदिचितवोमनमाहीं ८०
हृदयकमलमेंज्योतिबिराजै । अनहदनादनिरंतरबाजै
८१इड़ापिंगलासुषुमणनारी ।सहजशून्यमेंबसतमुरारी
८२नासाअग्रब्रह्मकोबासा।धरोध्यानतहँज्योतिप्रकासा
८३ क्रमक्रमयोगपंथअनुसरहू । यहिप्रकारभवदुस्तर
तरहू ८४ ॥ क० ॥ ऊधौतुमसुघरसिखावतहौनीकेयो

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

गहूँतोगतिचाहतनकासीअबिनासीकी। ब्रह्माकीइन्द्र कीउपेन्द्रकीनचाहौंभूति तोषनिधिधनेशकीदिनेशकीन पासीकी। तनमननयनमेंपूरिरहेप्यारेलालबालकहा जानैगतिशंकरउदासीकी। नासीलोकलाजवृन्दाबनके मवासीसंगमेरीमतिदासीभईकान्हब्रजबासीकी ८५॥

रागजैतश्री॥ देनआयेऊधौमतनीको। आवहुरीसबसु नहुसयानीलेहुनयशकोटीको। तजनकहतअम्बरआ भषणगेहनेहसबहीको। शीशजटासबअंगभस्मअति सिखवतनिरगुणफीको। मेरेजानयहैयुवतिनकोदेतफि रतदुखपीको। तेहिशरपंजरभयेश्यामतनअबनगहत डरजीको। जाकीप्रकृतिपरीप्राणनिसोंशोचनपोचभली को। जैसेसूरब्यालडसिभाजतकासुखपरतअमीको ८६॥

रागकेदारो॥ गोकुलसबगोपालउपासी। योगअं गसाधनकोऊधौवेसबबसतईशपुरकासी। यद्यपिहरि हमतजिअनाथकरितदपिरहतिचरणनरसरासी। अप नीशीतलतऊनछांड़तयद्यपिहैशशिराहुगरासी। कोअ पराधयोगलिखिपठवतप्रेमभजनतजिकरतउदासी। सूरदासऐसीकोबिरहिनिमांगतमुक्तजेगुणरासी ८७॥

रागकाफी॥ आयोगोपबड़ोबेपारी। लादिखेपगुणज्ञान योगकीब्रजमेंआनिउतारी। फाटकदैऔरहाटकमांगत भोरेनिपटसुधारी। घरहीतेखोटोखायोहैलयेफिरतशिर भारी। इनकेकहेकौनडहकावैऐसीकौनअयानी। अ पनोदूधछांड़िकोपीवैखारकूपकोपानी। ऊधौजाहुसबा रयहांतेबेगिगहरजनिलावो। मुँहमांग्योपैहौसूरजप्रभु

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

साहुहिआनिदिखावो ८८॥ रागनट॥ आयोयोगसिखावनपांड़े। परमारथीपुराणनिलादेज्योंबनजारोटांड़े। हमरेगतिमतिकमलनयनकीयोगासिखेतेरांड़े। कहोमधुपकैसेसमाहिंगेएकम्यानदुइखांड़े। कहोंषटपदकैसेखैयतुहैंहाथिनकेसँगगांड़े। काकीभूखगईबयारिभखिबिनादूधघृतमांड़े। काहेकोझांसालौमिलवतकौनचारतुमडांड़े। सूरदासतीनौनाहिंडपजतधनिपधानकहकांड़े ८९॥ रागमलार॥ हमरेकौनयोगब्रतसाधै। मृगत्वचभस्मअधारीजटाकोकोइतनोअवराधै। जाकीकहूँथाहनहिंपैयेअगमअपारअगाधै। गिरिधरलालछबीलेमुखपरयेतेबांधकोबांधै। आसनपवनभूतिमृगछालाध्याननिकोअवराधै। सूरदासमाणिकपरिहारिकेराखगांठिकोबांधै ९०॥ रागधनाश्री॥ हमतोकान्हकेलिकीभूखी। कैसेनिरगुणसुनहिंतिहारोबिरहिनिबिरहबिदूखी। कहियेकहाकहोनाहिंजानतकाहियोगहैयोग। पालागैंतुमहींसोवापुरबसतबावरोलोग। अंजनअभरणचीरचारुवरुनेकआयतनकीजै। दण्डकमण्डलभस्मअधारीजोयुवतिनकोदीजै। सूरदेखिदृढ़तागोपिनकीऊधौयहब्रतपायो। कहैंकृपानिधिहौंकृपालहोप्रेमैपढ़नपढ़ायो ९१॥ दो०॥ योगकथायुवतिनकहीमनहींमनपछिताय। प्रेमबचनतिनकेसुनतरहिगेशीशनवाय ९२॥ चौ०॥ ताहीसमयभँवरइकआयो। सहजनिकटह्वैबचनसुनायो ९३॥ दो०॥ माखनप्रभुकेबिरहमेंगोपिनकोनहिंचैन। भँवरसुनाकरकहतहैंऊधौसोंसबबै

न ९४॥ रागसारँग ॥ मधुकरप्रीतिकरीपछितानी। मैंजा
नीऐसीनिबहैगीउनकछुऔरैठानी । कारेतनकोकौनप
त्यारोबोलतमधुरीबानी। हमकोलिखिलिखियोगपठा
वतआपुकरतरजधानी। सूनीसेजश्यामबिनमोकोतल
फतरैनिबिहानी। सूरश्यामप्रभुमिलिकेबिछुरेतातेमति
जुहिरानी ९५॥ पुनः ॥ बिनगोपालबैरनभईंकुंजैं। तब
येलतालगतअतिशीतलअबभईंबिषमज्वालकीपुंजैं।
वृथाबहतयमुनाखगबोलतवृथाकमलफूलैंअलिगुंजैं।
पवनपानिघनसारसजीवनिदधिसुत किरणिभानुभईंभुं
जैं।येऊधौकहियेमाधौसोंबिरहकदनकरिमारतलुंजैं।सूर
दासप्रभुकोमगजोवतअँखियांभईंबरनज्योंगुंजैं ९६॥
पुनः ॥ ऊधौकहतनकछुबनिआवै। शिरपरसौतिहमारे
कुबजाचामकेदामचलावै। उनकछुमंत्रपढ़्योचन्दनमें
तातेश्यामहिंभावै। अपनेरंगहिरँगेसांवरेशुकज्योंबैठि
पढ़ावै। छांड़्योनेहहेतुगोकुलसोंलिखिलिखियोगपठा
वै। बिसरयोशेषअसुरकीदासीअबकुलबधूकहावै।
ज्योंनटिनीलघुहाथलकुटिलेकपिज्योंनाचनचावै। सूर
दासप्रभुजरीबहुतदुखतापरनोनलगावै ९७॥ चौ०॥
ऊधौकहांकंसकीदासी। यहसुनिहोतसकलब्रजहांसी
९८॥ दो०॥ गावतसबजगगीतअबवाचेरीकेकाज।
उद्धवयहअनुचितबड़ोचेरीपतिब्रजराज९९॥सो०॥उ
द्धवकहियोजायअजहूँचेरीकोतजैं। यहदुखसह्योनजा
यसवतिकहावतिकूबरी २२०० कहियोमेरीओरसेकुब
जहिंकोसमभाय।भूलीहरिकेरूपपरजानातिनाहिंनिठुरा

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

य १ ॥ क० ॥ जाकीकोषजायोताकोकैदकरवायआयोधा
यकरमारीनारिनिठुरमुरारीहैं । जेतीब्रजनारीतेतीमिलि
मिलिमारीअनमिलिहूँमारीजोमिलिहैंताहिमारीहैं । सु
नरीथेचेरीमैंतेरीसोंकहातिहौं वैतोहारिसरसनयनआंशु
वनिढारीहैं । बड़ेहैंशिकारीपरइन्हैंनसँभारीनारिमारिबे
कोनवलकन्हैयातलवारीहैं २ ॥ चौ० ॥ करिकेऐसी
प्रीतिकन्हाई । अबचित्तधरीमहानिठुराई ३ जबसे
ब्रजतजिगयेबिहारी । तबसेऐसीदशाहमारी ४ ॥
रागसारँग ॥ प्रीतिकरिदीन्हीगरेछुरी । जैसेबधिकचुगाय
कपटकणपाछेकरतबुरी । मुरलीमधुरचोपकरिकांपोमोर
चन्द्रठठवारी । बंकविलोकनिलूकलागिबशसकीनतन
हिसँभारी । तलफतछांड़िचलेमधुबनकोफिरकेलईन
सार । सूरदासवाकमलसरोवरफेरनबैठीडार ५ ॥
पुनः ॥ मनकीमनहीमांझरही । कहियेजायकौनसोंऊ
धौनाहींपरतसही । अवधिअधारआवनहिंकीतनमन
हींबिथासही । चाहतिभूरिगुहारिजहांतेतहँहींतेधारबही
अबयहदशादेखिनिजनयननिसबमरयाददही । सूर
दासप्रभुकेबिछुरेतेदुसहबियोगदही ६ ॥ दो० ॥ तब
खेलतसौगन्धदैराख्योकछुनबचाय । अबसीखैंयहयोग
कहँऊधौकहियोजाय ७ ॥ सो० ॥ हमकोनिरगुणज्ञान
जहँस्वारथतहँसगुणहै । लिखिभेज्योनिरबानचाटैंसहत
लगायकर ८ ॥ रागबिलावल ॥ ऊधौहारिसेकहियोजा
यकेसुरतियानबिसारो । मकराकृतबनमाललालकोकुंड
लसोहै । उरबैजन्तीमालदेखिसुरनरमुनिमोहै । मोर

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

मुकुटकटिकछनीकाछेशोभाबरणिनजाय । जितदेखों तितश्यामसुँदरकोमेरोमनरहतलुभाय । जबसेब्रजकोत्यागिराजब्रजराजसिधारो । बिनदीपककोहीन भवनलागतअँधियारो । वहीग्वालवहिबालसखीरीवहियमुनाकोतीर । एकश्यामबिननीकनलागेकृपासिंधुयदुबीर ॥ टेक ॥ ब्रह्माब्रजमेंआयकछूअभिमानबढ़ायो । हरेगौवनहरेग्वालबाललैसंगसिधायो । बच्छराजगौवासबत्यागेप्रभुलीलायहकीन । जोजाकेजैसेरहेसोभेदनकाहूचीन ॥ पुनः ॥ इन्द्रपरिक्षालीनउमँगिजलब्रजपरआयो । सप्तदिवसभरलायप्रबलघनचहुँदिशिछायो । कोटिछयनवमेघइन्द्रजुरिमुशलधारबरसन्त । तबहरिगिरिवरनखपरराख्यो।खिलियोभगवन्त । एकसमयब्रजराजभेषचुरालिनिकोलीन्हो । करिसोलहोंशृंगारगवनबरसानेकीन्हो । रतनजटितकीबांहुटीकरशोभाबरणिनजाय । प्रेमप्रीतिपहिचानकेकरकंकणदेओरभाय ॥ पुनः ॥ कालिन्दीकेतीररासकीन्हेबनमाली । छामहिनाकीभईरैनिमर्मकाहूनहिंजानी । जबमोहनकीबंशीबाजीमोहेतीनोंलोक । इतनेमेंसबजगवशहोगयेजलचरपक्षीकोक ॥ पुनः ॥ प्रभुकरनीजसकीन्हतासुगुणकहांलौबखानो । प्रथमपतनामारिदुष्टदानवदलहानो । मखकेपवरभुलायकेढीलदियोमकरन्द । गजकेदंतउपारिकेहरिजायपछारयोकंस । पुनः ॥ लैपातीअक्रूरकृष्णरथमेंबैठायो । धनुषयज्ञकेहेतुकंसप्रभुकोबुलवायो । नरनारीसबत्राशितभयेहरिरिथ

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

चढ़िमथुराजाय। सूरश्यामरसकेवसहोगयेगोपीरहींप
छितायके ९ ॥ दो० ॥ वहिगोकुलवहिकुंजवनवही
सखावहिठौर। इकउद्धवब्रजराजबिनभईऔरकीऔ
र १० ॥ क० ॥ याहीकुंजकुंजनतरगुंजतभवँरभीरया
हीकुंजकुंजनतरअबशिरधुनतहैं। याहीरसनातेकरीर
सकीरसीलीबातैंयाहीरसनातेअबगुणगणगिनतहैं।
आलमबिहारीबिनहृदयहूँ अचेतभयेयेहोइईहितकहत
कैसेबनतहैं। जेहीकान्हनयननकेतारेहुतेनिशिदिनते
हीकानकान्हकीकहानीसुनतहैं ११ ॥ रागमलार ॥
कैसेजीवैंऊधौहरिपरदेशरहे। बरषेबरषिहरिगर्जनला
गेनदिऔनारबहे। कहिपठयोमधुपुरीसखीरीमेरेहौंतौ
चरनगहे। बासरगयेनिहारतमारगचातकरौनिडहे।
कासौंकहौंतपतमननिशिदिनकोयहपीरसहे। हमहूँकिन
लैजायसूरप्रभुकोब्रजदुखहिंलहे१२ ॥ सिंधु॥ ऊधौइत
नामोहिंसतावत। कारीघटादेखिबादरकीदामिनिचम
किडरावत। हेमसुतापतिकोरिपुब्याप्योदधिसुतरथन
चलावत। अंबुखँडनकोशब्दसुनतहीचित्तचकितउ
ठिधावत। कंचनपुरपतिकोजोभ्राताातेसबबलहिनआ
वत। शम्भूसुतकोजोबाहनहैकुहुँकैआशालावत। यद्य
पिभूषणअंगबनावतसोइभुजंगहोइधावत। सूरदास
बिरहिनिअतिब्याकुलखगपतिचढ़िकिनआवत १३ ॥
दो० ॥ हमबिरहिनिबिरहाजरीतुममतिजारोअंग।
सुखतौतबहींपायहैंजबनाचैंहरिसंग १४ ॥ क० ॥
आयोआयेभायोऊधो अबब्रजमण्डलमें रागमेंकुराग

योगरीति कहिसुनाईहै । झोरीझंडागुदरी औभस्म मुद्राकाननमेंहाथनमेंखप्परयहस्वांगलैदिखाईहै । संयमनेमध्यानधारणादृढ़ावतहौब्रह्मको प्रकाशरससरासदरशाईहै । कुबरीपैपढ़िआयोवेदकोपढ़ायआयोरथचढ़िआयोअनरथगढ़िल्याईहै १५ ॥ चौ० ॥ क्याहमकरैं योगलैरूखी । अबलाश्यामसंगकीभखी । फिरिवहरूपप्रगटजबदेखैं । जीवनमुक्तभीकरिलेखैं १६ उद्धवहरिहैंईशहमारे । सोअबकैसेजातबिसारे १७॥ दो० ॥ योगदीजियेलैतिन्हैंजिनकेमनदशबीस । कतडारत निर्गुणयहांउद्धवब्रजमेंखीस १८ ॥ पुनः ॥ योगकथाअबमतिकहौउद्धवबारम्बार । भजैंऔरनँदनन्दतजिताकोहैधिक्कार १९ ॥ क० ॥ ओढ़बेकोकंथाअरुभस्मरमाइबेकोकाननमेंकुंडलकरिटोपियांबनावैंगी । हाथमेंकमंडलअरुखप्परभराइबेको आदेशआदेशकरिशृंगियांबजावैंगी । ऋद्धिदीनीकुबजाकोसिद्धिदीनीगोपिनकोफिरैंगीद्वारद्वारअलखकरजगावैंगी । एकबातउद्धवजी मनमेंबिचारदेखो एतीब्रजबालामृगछालाकहांपावैंगी २० ॥ रागसारँग ॥ ऊधौराखतिहौंपातितेरी । यहँतेजाहुजाहुआगेतेदेखतआंखिबरतहैमेरी । तुमजुकहतगोपालसत्यहैंदेखहुजाइनकुबजाघेरी । तेसबतैसेतेऊबने हैंवेअहीरकहँकंसकीचेरी । तुमसारीखेबसीठपठायेकहाकहौंउनकीमतिफेरी । सूरदासप्रभुतुम्हरेमिलनको ग्वालिनकेसँगजोवतहेरी २१ ॥ पुनः ॥ गोपालहिपाऊँतोजाऊँवहिदेश । शृंगीमुद्राकरखप्परलैकरियोगिन

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

कोभेश। कंथापहिरौंभस्मलगाऊँजटाबनाऊँकेश। हरि
मिलिबेगोरखहिजगाऊँजैसेस्वांगमहेश। तनमनजा
रौंखेहउड़ाऊँबिरहिनिगुरुउपदेश। सूरश्यामबिनसब
जगसूनोजैसेमणिबिनशेश २२॥ रागललित॥ शोच
तिराधालिखतिनखनमाहिबचनकहतकंठजलतास।
क्षितिपरकमलकमलपरकदलीकदलीपंकजकियोप्रका
स। तापरअलिसारँगसारँगपतिसारँगरिपुकियोलेकु
लबास। तहँहरिपंथपितायुगऊदितबारिजबिन्दरँगभ
वआभास। सारँगरिपुतेपरतअंबरीमानोशिवपूजतत
पतीबिनास। सूरदासप्रभुबिनहरिहररिपुदाहतअंगदि
खावतत्रास २३॥ रागपरज॥ पियरीश्यामबियोगीम
धुकररे। श्यामसुंदरमधुबनाहिंसिधारेअन्तबटाऊलो
गमधुकररे। बिछुरनभयेमिलनकबह्वैहैंकितहमकितवह
लोग। सूरदासप्रभुतुम्हरेदरशकोनदीनावसंयोग २४॥
रागबिहागरा॥ कृष्णकृष्णकरताफिरोंकृष्णकहांमैंपाऊँ। न
हिंबिधनामोहिंपंखदीन्हेउड़िकेमधुपुरीमैंजाऊँ। ऊधोजू
तुमबेगिजाओश्यामाहिंबेगिलेआऊ। सूरकेप्रभुदरश
दीजैतेरीकहायअबकाकीकहाऊँ २५॥ सिंधु॥ वेसीसा
रँगकरहिंलियो। सारँगकहतसुनतवेसारँगसारँगमनहिं
दियो। सारँगथकीबैठियहसारँगसारँगाबिकलहियो।
सारँगधुकिसारँगपरसारँगसारँगक्रोधकियो। सारँगहे
भजकरहिंबिराजतसारँगरूपबियो। सूरजदासमिल
हिंवेसारँगतोपरिसुफलजियो २६॥ बारहमासी॥
चन्दनअगरसुवासेगलपुहुपकेहार। अँगुरिनमँगि

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

याभरैत्योंसुखकेमासअसाढ़। ऊधौश्यामकबआवैं। ह
रिकोल्लावोसमुभाय टेक ॥ सावनगड़िगेहिंडोलना
सखिभूलनजायँ। सखिसबभुलतहिंडोरना। राधे
मनपछितायँ ऊधौ०। भादौंलागैंभवनभयंकरगरजे
घहरय। बिजुलिचमकिजियराडरपै। केहिकेशरणमें
जाउँ ऊधौ०। क्वारकुशलहमकीनेपातीआवैनजाय।
लिखिपातीभेजउँबिदेशरा। जहांपीउहमार ऊधौ०।
कातिककीपुनमसियासखिगंगनहायँ। गंगनहावैंल
टभुरवैं। राधेमनपछितायँ ऊधौ०। अगहनठाढ़े
आँगनमेंपहिरेअम्बरकेचीर। सोइचीरभेजित्योंबिदेशरा।
जियेंलाखबरीस ऊधौ०। पूसमेंपरिगैतुषरवासखिरु
इलेधुनाय। रुचिकरिसेजरीबिछौत्यों। पियबिनजाड़
नजाय ऊधौ०। माहबरतहमकीन्हेरहिपांचोइतवार।
समुभिसमुभिपियऐतिन। ऐतिनललनहमार ऊधौ०।
फागुनमासफरहरामाड़ेगुंडीगुलाल। आजुकेदिनपिय
रहितिन। खेलतिनगुंडीगुलाल ऊधौ०। चैतमा
सबनटेसूफूलेभँवरारहेलुभाय। आवोभँवरतुमलोटि
जा। लोटिजासेजरीहमार ऊधौ०। बैशाखमेंबँसवाक
टैत्यों। रुचिमुचिबँगलाछवाय। ऊपरखिड़कीलगैत्यों
अंचलवायुडुलाय ऊधौ०। जेठअसढ़वाकेबिचमेंगा
वैबारहमास। सूरश्यामबलिहारीहरिमिलनकीआस
२७॥ पुनः ॥ प्रथममहीनाअसाढ़लागेबरषाऋतुआ
ई। प्रीतमहमरेश्यामसलोनेपातीभेजवाई। कहोवेकै
सेनाहिंआये। ऐसेचतुरसुजानश्यामकोकुबजाबिलमा

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

ये। डारिगलजादूकीफांसी। श्रीराधेगोपींत्यागिकरी
घरबारीकुबजासी। सावनमेंमनभावनसखिरेदावनसे
लागी। तबतोप्रीतिकियोक्षणक्षणमेंअबकैसेत्यागी। सु
नौतुमऊधौमेरीसों। लाजशरमकहँगईप्रीतिजबकीन्ही
चेरीसों।यहीमोहिंआवतिहैहांसी श्रीराधे०। भादौरैनि
अँधियारीबोलैप्रीतमकीप्यारी। अन्ननभावैनींदनआ
वैसंकटअतिभारी। प्रीतिनहिंमोहनकीऊधो। कपटीकु
टिलसुजानश्यामकोजानातिहमसूधो। मारिगयेबिरहा
कीगांसी श्रीराधे०। लागतक्कारकनागतआयोसबको
इधर्मकरै। हमतोधर्मकरेंगीजबहींप्रीतमनज़रपरै। मि
लावोहैकोईऐसोरी। लैअक्रूरगयोमथुराकोवादिनकेबै
री।बुद्धिवाकीकौनेअबनासीश्रीराधे०।कातिककौतुककि
येकृष्णजूहमसबकोउजानै। आखिरजातअहीरश्याम
कोकुबजामनमानै। कंसकीआखिरहैचेरी। याहीसोंदि
नरैनिआंखमेरीफरकतहैडेरी।खबरज्योजायलगेकंसी।
श्रीराधे०।अगहनमेंजियझझकनलागेफाटतिहैछाती।
ऊधौहाथसँदेशाभेज्योबांचोरीपाती। लिखौकछुतुमहूँ
प्रीतमको। हमकोयोगपठायरचीपटरानीकुबजाको। ह
मारेजियकोसुखरासी श्रीराधे०।पसमासमेंचलेगयेमेरे
प्रीतमसेप्यारे। काननलागेदूरकरैंहमनयननसेन्यारे।
हमैयहमदनसतावतहै। जियकेजारनकोजुसँदेशोऊधो
लायोहै।खबरतुमलीजोअविनासी श्रीराध०।माघमही
नाजाड़ाव्यापैत्यागेहमजानी। उठतकराहकराहबातस
बऊधौनेजानी। ज्ञानकीबातैंदरशाई। कृष्णहृदयमेंमिलैं

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

तुम्हेंकहिगोपिनसमझाई । झूँठयहसबकेमनभासी ।
श्रीराधा०।फागुनफीकोलगैश्यामबिनहोयरहीविसमें।
पातीबांचतक्षेमसखीएकयोंबोलीरिसमें । लगेअबशा
हकरनचोरी । हमरेदेखतसंगसखासबखेलतहैंहोरी।
देखेकहुँद्वारकाकेबासीश्रीराधा०। चैतचिंतामेंजरौंबरौं
मैंगिरतिउँकुइयांमें । कहियोमदनगोपालसंगकुबजाकूँ
लैआवैं।प्रीतिकरिमनमेंक्योंत्रासी।हमगोपीदरशनकी
प्यासीश्रौतृष्णानाहीं।खबरमेरिलैजैब्रजबासी।श्रीरा
धा०।लागतहीबैशाखसखासबघरघरकेआये।ऊधौ
जीनेजायकृष्णसोंऐसेसमझाये । पैजतुमहमनाहकरो
पी।हाड़मांसगलिगयोबावरीह्वैगईसबगोपी।लोहिंगी
करवटहूँकासी श्रीराधा०।जेठमासमोंमिलेकृष्णजबरा
धागोपीसे । ब्रजबासीआनन्दभयेतबछूटेबाधासे।प्रेम
पदवाहीसोंपाई । बांसबरेलीकेलालदासबारहमासी
गाई।कृष्णकीयहबारहमासी। कहैसुनैबैकुंठजायऔमे
टैयमत्रासी।सांचयहमेरेमनभ्यासी।श्रीराधागोपीत्यागि
करीघरबारीकुबजासी२८॥ चौ०॥ ऊधौब्रजकीरीतिनि
हारी।भयेबिबशनिजनेमबिसारी २९लाग्योकहनधन्य
ब्रजबाला।जिनकेसरबसमदनगोपाला३० ऊधोआयो
योगसिखावन। सीखेप्रेमभक्तिअतिपावन ३१ भयेमग
नरसप्रेमबिशाला। लागेगावनगुणगोपाला ३२ लोट
तकबहुँकुंजमेंजाई। कबहूँगोपिनभेंटतधाई ३३कबहूँब्र
जरजशीशचढ़ावै। कबहूँगोपिनपदशिरनावै३४॥दो०॥
महाधन्यतुमगोपिकाधन्यतुम्हारोनेम । माखनप्रभुगो

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

पालसोंजिनकोबाढ़ोप्रेम ३५ ऊधौमनआनन्दअति
लखिकेप्रेमबिलास । आयाथादिनदोयकोबीतगयेषट
मास ३६ ॥ सो० ॥ तबउपज्योमनशोचबचनकृष्णके
यादकरि । मनमेंभयोसकोचश्यामबुलायोबेगिमोहिं
३७ ॥ रागधनाश्री ॥ ऊधौउपदेशसुनोब्रजनागरी । रू
पशीललावण्यसबैगुणआगरी। प्रेमध्वजारसरूपिनीउ
पजावनिसुखपुंज। सुन्दरश्यामबिलासिनीनवबृन्दावन
कुंज । सुनोब्रजनागरी १ कहनश्यामसंदेशएकमैंतुमपै
आयो । कहनसमयसंकेतकहूँअवसरनहिंपायो । शो
चतहीमनमेंरह्योकबपाऊँयकठाउँ । कहिसँदेशनँदला
लकोबहुरिमधुपुरीजाउँ। सुनोब्रजनागरी२ सुनतश्याम
कोनामग्रामगृहकीसुधिभूली । भरिआनंदरसहृदयप्रे
मबेलीद्रुमफूली । पुलकिरोमसबअँगगयेभरिआयेज
लनैन । कण्ठघुटेगदगदगिराबोलेजातनबैन ॥ ब्य
वस्थाप्रेमकी३ अर्द्धासनबैठारिबहुरिपरिकरमादीन्ही ।
श्यामसखानिजजानिबहुरिसेवाबहुकीन्ही। बूझतिसुधि
नँदलालकीबिहँसतमुखब्रजबाल । नीकेहैंबलबीरजू
बोलतिबचनरसाल ।सखासुनश्यामके४कुशलश्यामअ
रुरामकुशलसंगीसबउनके । यदुकुलसिगरेकुशलप
रमआनँदहैउनके । बूझनब्रजकुशलातकोआयोतुम्ह
रेतीर । मिलिहैंथोरेदिवसमेंजिनिजियहोहुअधीर ।
सुनोब्रजनागरी ५ सुनिमोहनसंदेशरूपसुमिरणकैआ
यो । पुलकितआननकमलअंगआवेषजनायो। बिह्वल
ह्वैधरणीपरींब्रजबनितामुरझाय । दैजलछींटप्रबोधहीं

उद्धवबातसुनाय । सुनोब्रजनागरी ६ वेतुमतेनहिंदू
रिज्ञानकीआंखिनदेखौ । अखिलबिश्वभरिपूरिब्रह्मस
रूपबिशेखौ । लोहदारुपाषाणमेंजलथलमाहिंअका
श । सचरअचरबर्त्ततसबैज्योतिहिंरूपप्रकाश । सु
नोब्रजनागरी ७ कौनब्रह्मकोजातिज्ञानकासोंकहियो
ऊधो । हमरेसुन्दरश्यामप्रेमकोमारगसूधो । नैनबै
नश्रुतिनासिकामोहनरूपलखाय । सुधिबुधिसबमुर
लीहरीप्रेमठगौरीलाय । सखासुनश्यामके ८ यहस
बसगुणउपाधिरूपनिर्गुणहैउनको । निरबिकारनिरले
पलगतनहिंतीनोंगुनको । हाथनपांयनमासिकानैन
बैननहिंकान । अच्युतज्योतिप्रकाशहीसकलबिश्वको
प्रान । सुनोब्रजनागरी ९ जोमुखनाहिंनहतोकहोकि
नमाखनखायो । पांयनबिनगोसंगकहोबनबनकोधा
यो । आंखिनमेंअंजनदयोगोबर्द्धनलयोहाथ । नन्द
यशोदापूतहैकुंवरकान्हब्रजनाथ । सखासुनश्यामके १०
जाहिकहततुमकान्हताहिकोउपितानमाता । अखिल
अण्डब्रह्माण्डबिश्वउनहींमेंजाता । लीलागुणअवता
रहैधरिआयेतनश्याम । योगयुगतहींपाइयेपरब्रह्मपुर
धाम । सुनोब्रजनागरी ११ ताहिबतावोयोगयोग्य
ऊधोतहँजावो । प्रेमसहितहमपासश्यामसुन्दरगुण
गावो । नैनबैनमनप्राणमेंमोहनगुणभरिपूरि । प्रेम
पियूषैछोड़िकेकौनसमेटैधूरि । सखासुनश्यामके १२ धू
रधुरीजोहोयईशक्योंशीशचढ़ावै । धूरिक्षेत्रमेंआयक
र्मकरिहरिपदपावै । धूरिहितेयहतनभयोधूरिहितेब्रह्म

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

पड । लोकचतुर्दशधूरितेसप्तद्वीपनवखण्ड । सुनोब्र
जनागरी १३ कर्मधूरिकीबातकर्मअधिकारीजाने । क
र्मधूरिकोआनिप्रेमअमृतमेंसाने । तबहींलौंसबकर्महै
जबलगिहरिउरनाहिं । कर्मबध्यसबबिश्वकेजीवबिमु
खह्वैजाहिं । सखासुनश्यामके १४ तुमनिन्दतिहौकर्म
कर्मतेसदगतिहोई । कर्मरूपतेबलीनाहिंत्रिभुवनमेंको
ई । कर्महिंतेउत्पत्तिहैंकर्महिंतेहैंनास । कर्मकियतेमु
क्तिहैपरब्रह्मपुरबास । सुनोब्रजनागरी १५ कर्मपाप
अरुपुण्यलोहसोनाकीबेरी । पांयनबन्धनदोउकोऊमा
नोबहुतेरी । ऊँचकर्मतेस्वर्गहैनीचकर्मतेभोग । प्रेम
बिनासबपचिमरैंबिषयबासनारोग । सखासुनश्यामके
१६ कर्मबुरेजोहोयँयोगकाहेकोधारैं । पद्मासनसबधा
रिरोकिइन्द्रिनकोमारैं । ब्रह्मअग्निजरिशुद्धह्वैसिद्धिस
माधिलगाय । लीनहोयसायुज्यमेंज्योतिहिंज्योतिसमा
य । सुनोब्रजनागरी १७ भोगीभोगैभजेभक्तिनीरू
पैजानैं । प्रेमपियूषैप्रकटश्यामसुन्दरउरआनैं । नि
र्गुणगुणहिंजोपाइयेलोगकहैंजोनाहिं । घरकेनागनपूज
हींबांबीपूजनजाहिं । सखासुनश्यामके १८ जोउन
केगुणहोयवेदक्योंनीतिबखानें । निर्गुणसगुणजुआत
मारचिऊपरसुखसानैं । वेदपुराणनिखोजिकैपायोकिन
हुँनएक । गुणहीकेगुणहोहिंतोतेकहौअकाशकिटेक । सु
नोब्रजनागरी १९ जोउनकेगुणनाहिंऔरगुणभयेकहां
ते । बीजबिनातरुजमैमोहिंतुमकहोकहांते । वागुण
कीपरछांहरीमायादर्पणबीच । गुणतेगुणन्यारेभयेअ

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

मलबारिजलकीच । सखासुनश्यामके २० मायाके
गुणऔरऔरहरिकेगुणजानो । उनगुणकोइनमाहिंआ
निकाहेकोसानो । जाकेगुणअरुरूपकोजाननपायोभे
द । तातेनिर्गुणरूपकोबदतउपनिषदवेद । सुनोब्रज
नागरी २१ वेदहुहरिकेरूपश्वासमुखतेजोनिसरै । कर्म
क्रियाआसक्तसबैपिछलीसुधिबिसरै । कर्ममध्यढूंढ़ैसबै
किनहुँनपायोदेख। कर्मसहितहीपाइयेतातेप्रेमाबिशेख।
सखासुनश्यामके २२ प्रेमजोकोऊबस्तुरूपदेखैलौलागै।
बस्तुदृष्टिबिनकहौकहांप्रेमीअनुरागै । तरनिचन्द्रके
रूपकोगुणनहिंपायोजान । तोउनकोकहजानियेगुणा
तीतभगवान । सुनोब्रजनागरी २३ तरनिअकाश
प्रकाशतेजमयरह्योदुराई । दिब्यदृष्टिहीरूपभलेवहदे
खोजाई । जिनकीवेआंखेंनहींदेखेंकबवहरूप। तिन्हें
बिश्वासक्योंऊपजेजेपरेकर्मकेकूप । सखासुनश्यामके
२४ जबकरियेनितकर्मभक्तिहूंजामेंआई । कर्मरूप
कातेकहौकोपैछूटयोजाई । क्रमक्रमकर्महिंसबकियेकर्म
नाशह्वैजाय । तबैआत्मनिकर्मकरिनिर्गुणब्रह्मसमाय ।
सुनोब्रजनागरी २५ जोउनकेनहिंकर्मकर्मबन्धनहैंआ
वै । तौनिर्गुणहैबस्तुमात्रपरमाणबतावै । जोउनकोप
रमाणहैतोप्रभुताकछुनाहिं । निर्गुणभयेअतीतकेसगु
णकमलजगमाहिं । सखासुनश्यामके २६ जोगुणआ
वैदृष्टिमांभ्रनहिंईश्वरहैसारे । वेसबहुनतेबासुदेवअच्यु
तहैंप्यारे । इन्द्रीदृष्टिबिकारतेरहतअधोक्षयज्योति। शु
द्धसरूपीजानिजियत्तप्तिजुतातेहोति । सुनोब्रजनाग

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

री२७नास्तिकजेहैंलोगकहाजानैंहितरूपै।प्रकटभानुको छांड़िगहैपरछाहींधूपै। हमरेतुम्हरेरूपहीऔरनकछूसो हाय। ज्योंकरतलआभासकोकोटिकब्रह्मादिखाय। स खासुनश्यामके २८ ऐसेमैंनँदलालरूपनयननकोआ गे। आयगयेछबिछायबनेपियरेउरबागे। ऊधौसोंमु खमेरिकहीकछुउततेबात। प्रेमअमृतमुखतेस्रवतअं बुजनयनचुवात। तरकरसरीतिकी २९ अहोनाथश्री नाथऔरयदुनाथगोसाईं। नन्दनँदनबिड़रातफिरत तुमबिनसबगाईं। काहेनफेरिकृपालहोगोग्वालनसु खदेहु। दुखनिधिजलमेंबूड़हिंकरिअवलंबनलेहु। नि ठुरह्वैकहँरहे ३० कोऊकहैंअहोदरशदेहुपुनिबेणुबजा वो। दुरिदुरिबनकीओटकहाहियलोनलगावो। ह मकोतुमसेएकहैंतुमकोहमसीकोरि। बहुतभांतिकेराव रेप्रीतिनडारौतोरि। केएकैबारही ३१ कोऊकहैंअ होदरशदेतफिरलेतदुराई। यहछलविद्याकहौकौनपाप यतुमहिंसिखाई। हमपरबशआधीनहैंतातेबोलतदी न। जलबिनकहौकैसेजियेगाहिरेजलकीमीन। बिचा रियेरावरे ३२ कोऊकहैंअहोश्यामकहांइतरायगयेहौ। मथुराकोअधिकारपायमहराजभयेहौ। ऐसीकछुप्रभु ताहुतीजानतकोऊनाहिं। अबलाबधसुनिडरिगयेब लीडरेजगमाहिं। पराक्रमजानिकै ३३ कोऊकहैंअ होश्यामचहतमारनजोऐसे। गिरिगोबर्द्धनधारिकरीर क्षातुमकैसे। ब्यालअनलअरुज्वालतेराखिलयेसब ठौर। अबबिरहानलदहतहौहाँसिहाँसिनन्दकिशोर।

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

चोरिचितलैगयो ३४ कोऊकहैयेनिठुरइन्हैंपातकनाहिं
ब्यापै । पापपुण्यकेकरनहारयेआपहिआपै । इनके
निर्दयरूपमेंनाहिंनकछूबिचित्र । पयपीवतप्राणनहरेपु
तनाबालचरित्र । मित्रयेकौनके ३५ कोऊकहैरीआ
जनाहिंआगेचलिआई। रामचन्द्रकेधर्मरूपमेंहीनिठुरा
ई । यज्ञकरावनजातहैंबिश्वामित्रसमीप । मगमेंमा
रीताड़कारघुबंशीकुलदीप । बालहीरीतियह ३६ को
ऊकहैयहपरमधर्मस्त्रीजितपूरे । लक्षलक्षसन्धानधरैं
आयुधकेरूरे । सीताजूकेकहतेशूर्पणखापैकोपि । छे
दिसुअंगबिरूपकैलोगनलज्जालोपि । कहोंताकीकथा
३७ कोऊकहैरीसुनोऔरइनकेगुणआली । बलिराजा
पैगयेभूमिमांगनबनमाली । मांगतबामनरूपह्वैपरबत
भयेअकाय । सत्यधर्मसबछांड़िकैधरौपीठपैपाय । लो
भकोनावये३८कोऊकहैरीकहाहिरणकश्यपतेबिगरयो ।
प्रेमढीठप्रह्लादपितासन्मुखह्वैभगरयो । सुतअपनेको
देतहोशिक्षादण्डबताय । इनबपुधरिनरसिंहकोनखन
बिदारयोजाय । बिनाअपराधही ३९ कोऊकहैइन
परशुरामह्वैमातामारी । फरसाकांधेधारिभूमिक्षात्रिन
संहारी । शोणितकुण्डभरायकेपोषेअपनेपित्र । इन
केनिर्दयरूपमेंनाहिंनकछूविचित्र । बिलगकहमानिये
४० कोऊकहैरीकहादोषशिशुपालनरेशै । ब्याहकर
नकोगयोनृपतिभीषमकेदेशै । दलबलजोरिबरातको
ठादेहैंछबिबाढ़ि । इनछलकरिदुलहीहरीक्षुधितग्राम
सुखकाढ़ि । आपनेस्वारथी ४१ यहिबिधिहैंआवेश

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

परमप्रेमीअनुरागी । औररूपपियचरिततहांतेदेखन
लागी।रोमरोमहरिब्यापिकेमोहनजिनकेआय।जिनको
भूतभविष्यत्धौंजानतकौनदुराय।रागलीप्रेमकी ४२
देखतइनकोप्रेमनेमऊधोकोभाज्यो। तिमिरभावआवेश
बहुतअपनेमनलाज्यो । मनमेंकहैराजपायकेलैमाथे
निजधारि । हौंतोकृतकृतिह्वैरहोंत्रिभुवनआनँदवारि।
बन्दनायोगये ४३ कबहूँकैगुणगायश्यामकेइनहिं
रिझाऊं । तातेप्रेमाभक्तिश्यामसुन्दरकीपाऊं । जि
हिबिधिमोपैरीझहींसोबिधिकरोबनाय । तातेमोमन
शुद्धह्वैदुविधाज्ञानामिटाय ।पायरसप्रेमको ४४ ताही
क्षणइकभँवरकहूँतेहीउड़िआयो । ब्रजबनितनकेपुंज
माहिंगुंजतछबिछायो । चढ़योचहतहैपगनिपरअरुण
कमलदलजानि । मानोमनऊधोभयोप्रथमहिंप्रकट्यो
आनि । मधुपकोभेषधरि ४५ ताहिभँवरसोंकहैंसबै
प्रतिउत्तरबातैं । तर्कवितर्कनियुक्तिप्रेमरसरूपीघातैं।
जिनिपरसौममपावरेतुममानतहमचोर । तुमहींसेक
पटीहुतेमोहननंदकिशोर। यहांतेदूरिहो४६ कोऊकहैरी
विश्वमांझजेतेहैंकारे । कपटीकुटिलकीकोटिपरममानु
षमसिहारे। एकश्यामतनपरसिकेजरतआजलौंअंग।
तापीछेयहमधुपहूलायोयोगभुवंग। कहाइनकोदया४७
कोऊकहैरीमधुपभेषउनहींकोधारयो । श्यामपीतगुंजा
रबैनकिंकिणिझनकारयो।वापुरगोरसचोरिकैफिरआयो
यहदेश। इनकोजिनमानहुकोऊकपटीइनकोभेश।चो
रिजिनिजायकछु ४८ कोऊकहैरेमधुपकहैंअनुरागीतुम

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

को। कौनेगुणधौंजानियहूअचरजहैहमको। कारोत
नअतिपातकीमुखपियरोजगनिन्द। गुणअवगुणस
बआपनोआपुहिजानिअलिन्द। देखिलैआरसी ४९
कोउकहैरेमधुपकहातूरसकोजानै। बहुतकुसुमपैबैठि
सबैकाघनसममानै। आपनसमहमकोकियोचाहतहै
मतिमन्द। द्विविधज्ञानउपजायकेदुखितप्रेमआनन्द।
कपटकेधन्धसों ५० कोउकहैरेमधुपकहामोहनगुणगावै।
हृदयकपटसोंपरमप्रेमनाहिंनछबिपावै। जानतिहौंसब
भांतिकेसर्वसलियोचुराय। येबौरीव्रजबासिनीकोजोतु
म्हैंपतियाय। लहेहमजानिकै ५१ कोउकहैरेमधुपकौ
नकहैतुममधुकारी। लियेफिरतमुखयोगगांठकांटावक
टारी। रुधिरपानकियोबहुतकैअरुणअधररँगरात। अ
बव्रजमेंआयेकहाकरनकौनकोघात। जातकिनपातकी
५२ कोउकहैरेमधुपप्रेमषट्पदपशुदेख्यो। अबलौं
यहव्रजदेशनाहिंकोउनाहिंबिशेख्यो। द्वैसँगआननऊप
रोजामेंकारोगात। खलअमृतसममानहीअमृतदेखिड
रात। बादियहरसिकता ५३ कोउकहैरेमधुपज्ञानउ
लटोलेआयो। मुक्तिपरेजेफेरितिन्हैंपुनिकर्मबतायो। वे
दउपनिषदसारजेमोहनगुणगहिलेत। तिनकेआत्मा
शुद्धकरिफिरिकरिसंथादेत। योगचटसारमें ५४ कोउ
कहैरेमधुपनिगुनइनबहुकरिजान्यो। तर्कबितर्कनियुक्ति
बहुतउनकीयहआन्यो। पैइतनोनाहिंजानहींवस्तुबिना
गुणनाहिं। निर्गुणहोहिंअतीतकेसगुणसकलजगमा
हिं। सखासुनश्यामके ५५ कोउकहैरेमधुपतुम्हैंलज्जान

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

हिंआवै। सखातुम्हारोश्यामकूबरीनाथकहावै। यहनी
चीपदवीहुतीगोपीनाथकहाय। अबयदुकुलपावनभ
योदासीजूठनिखाय। मरतकहबोलको ५६ कोउकहैअ
होमधुपश्यामयोगीतुमचेला। कुब्जातीरथजायकियो
इन्द्रिनकोमेला। मधुबनसुधिबिसरायकैआयोगोकुल
माहिं। यहांसबैप्रेमीबसैंतुम्हरोगाहकनाहिं। पधारोरा
वरे ५७ कोउकहैरेमधुपसाधुमधुबनकेऐसे। औरतहां
केसिद्धलोगह्वैहैंधौंकैसे। अवगुणगुणगहिलेतहैंगुणको
डारतमेटि। मोहननिर्गुणकोगहैंतुमसाधनकोमेटि। गां
ठिकोखोयकै ५८ कोउकहैरेमधुपहोहितुमसेरेसंगी।
क्योंनहोयतनश्यामसकलवातनचौरंगी। गोकुलमेंजो
रीकोउपाईनाहिंतुम्हारी। मदनत्रिभंगीआपुहीकरीत्रि
भंगीनारी। रूपगुणशीलकी ५९ यहिबिधिसुमिरिगो
बिन्दकहतिऊधौप्रतिगोपी। भृंगसंज्ञाकरिकहतसकल
कुललज्जालोपी। तापीछेइकबारहीरुदितसकलब्रज
नारि। हाकरुणामयनाथहोकेशवकृष्णमुरारि। फाटिहि
यरोचल्यो ६० उमगैजोकोउसलिलसिंधुलैतनकीधार
नि। भींजतअम्बुजनीरकंचुकीबहुगुणहारनि। ताही
प्रेमप्रवाहमेंउद्धवचलेबहाय। भलीज्ञानकीमेड़होब्रज
मेंदीन्हीआय। कुलतारनभये ६१ प्रेमप्रशंसाकरतशुद्ध
जोभक्तिप्रकाशी। दुविधाज्ञानगलानिमन्दतासिगरी
नाशी। कहतमोहिंबिस्मयभयोहरिकेयेनिजपात्र।
हौंतोकृतकृतह्वैगयोइनकेदरशनमात्र। मेटिमतज्ञानको
६२ पुनिपुनिकहिहरिकहनबातएकान्तपठायो। मैंइन

कोकछुमरमजानिएकोनहिंपायो। हौंजुकहौंनिजमर्यादा कीज्ञानकर्मलोरोपि। येसबप्रेमासक्तह्वैकुललज्जाक रिलोपि। धन्ययेगोपिका ६३ जोऐसेमर्यादमेटिमो हनकोध्यावैं। काहेनपरमानन्दप्रेमपदवीकोपावैं। ज्ञान योगसबकर्मतेप्रेमपरेहीसांच। हौंयहिपटतरदेतहौंही राश्रानेकांच। विषमताबुद्धिकी ६४ धन्यधन्यजेलोग भजतहरिकोजोऐसे। जोकोउपारसश्रौरप्रेमबिनपाव तकैसे। मेरेयालघुज्ञानकोउरमदरह्योउपाध। श्रब जानौंब्रजप्रेमकोलहतनश्राधोश्राध। वृथाश्रमकरिथ के ६५ पुनिकहउत्तमसाधुसंगनित्यैहैभाई। पारस परसेलोहतुरतकंचनह्वैजाई। गोपीप्रेमप्रसादकोहोंश्र बसीख्योंमैंश्राय। ऊधौतेमधुकरभयोदुविधाज्ञानमि टाय। पायरसप्रेमको ६६ पुनिकहिपरसतपांयप्रथम हौंइनहिंनिवारो। भृंगसंज्ञाकरिकहतनिन्दिसबहीते डारो। श्रबह्वैरहौंब्रजभूमिकीपगमारगकीधूरि। बिच रतपदमोपैपरैंसबसुखजीवनमूरि। मुनिनहूँदुर्लभहै ६७ कैसेहोहुँद्रुमलताबेलिबल्लीबनमाहीं। श्रावतजातस भायपरतिमोपैपरछाहीं। सोऊमेरेबशनहींजोकछुकरौं उपाय। मोहनमोहिंप्रसन्नजोयहबरमांगौंजाय। कृ पाकरिदेहुजू ६८ ऐसेमगश्रभिलाषकरतमथुराफिरि श्रायो। गदगदपुलकितरोमश्रंगश्रावेशजनायो। गो पीगुणगावनलग्योमोहनगुणगयोभूलि। जीवनको लैकहकरैंजोनहिंजीवनमूलि। भक्तिकोसारयह ६९ ऐसे शोचतजहांश्याम तहँश्रायोधायो। परिकर्मादण्डौति

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

बहुतआवेशजनायो । कछुनिर्दयताश्यामकीकरिको
धितदोउनैन । कछुब्रजबनिताप्रेमकीबोलतरसभरि
बैन । सुनोनँदलाड़िले ७० करुणामयअरुरसिकता
तुम्हरीसबझूठी । जबहींलौंनाहिंलखीतबहिंलौंबांधी
मूठी । मैंजान्योब्रजजायकैंतुम्हरोनिर्दयरूप । जो
तुमकोअवलम्बहीवाकोमेलोकूप । कौनयहधर्मंहै ७१
पुनिपुनिकहँहोचलौजायवृन्दाबनरहिये।प्रेमपुंजकोप्रेम
जायगोपिनसँगलहिये । औरकामसबछांड़िकैउनलो
गनिसुखदेहु । नातरुटूटयोजातहैअबहींनेहसनेहु ।
करोगेतौकहा ७२ सुनतसखाकेबैननैनभरिआयेदो
ऊ । बिबशप्रेमआवेशरहीनाहींसुधिकोऊ । रोम
रोमप्रतिगोपिकाह्वैरहिंसौवरिगात । कलपतरोरुहसां
वरोब्रजबनिताभईंपात । उलहिअँगअंगते ७३ हो
सचेतकहिभलोसखापठयोसुधिल्यावन । अवगुणहम
रेआनितहांतेलगेबतावन । मोमेंउनमेंअन्तरोएकौ
क्षणतरिनाहिं । ज्योंदेखोमोमाहिंवेत्योंमैंउनहींमाहिं ।
तरंगानिबारिज्यों ७४ गोपीरूपदिखायतबैमोहनबन
वारी । ऊधौभ्रमहिनिवारिडारिसुखमोहकीजारी । अ
पनोरूपदिखायकैलीन्होंबहुरिदुराय । नन्ददासपाव
नभयोजोयहलीलागाय।प्रेमरसपुंजनी ७५।३८ ॥ राग
बिहागतालएकतार ॥ कृष्णकृष्णकरतडोलूंकृष्णकहांपा
ऊँ । द्वारेतेदौड़आऊँतोउनलाजलजाऊँ । तोहिंछां
ड़िऔरकीमैंकौनकीकहाऊँ । ऊधौतुमवेगिजावोप्रेम
लिखपठाऊँ। ढूंढ़िफिरौंबनकुंजमाहिंश्यामश्यामगाऊँ।

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

बिधिनानहिंपंखदियोउड़िकेतहांजाऊँ । ऊधौतुमवेग जावोश्यामहींलेआवो । सूरजप्रभुदरशदियोसबहि कण्ठलावो ३९ ॥ श्रीभागवतश्लोकः । श्रीशुकउवाच ॥ अथगोपीरनुज्ञाप्ययशोदानन्दमेवच । गोपानामंत्र्य दाशार्होयास्यन्नारुरुहेरथम् १ ॥ ऊधौजीकीबिदालीला ॥ चौ० ॥ ऊधौजातगोपिकाजानी । आईधायसकलअकु लानी४०तबऊधौसबकोशिरनाई।हाथजोरिकेबिनयसु नाई४१ऊधौहरिसोंकहियोजाई । यशुदाकीआशीशसु नाई ४२ कहियोबहुरिइतोसमभाई । तुमबिनदुखित यशोदामाई ४३ इतनीदयामातुपरकीजै । एकबारफि रदरशनदीजै ४४ ॥ दो० ॥ नन्ददोहनीभरदईकह्योन यनभरिनीर । वाधौरीकोदूधयहभावतहैबलबीर ४५॥ सो० ॥ दईयशोमतिमायमुरलीमधुरगोपालकी । ऊधौ दीजोजायप्यारीहीअतिलालकी ४६ ॥ श्रीभागवते श्लो कः ॥ तंनिर्गतंसमासाद्यनानोपायनपाणयः । नन्दाद योऽनुरागेणप्रावोचन्नश्रुलोचनाः १ ॥ रागसोरठ ॥ सँ देशोदेवकीसोंकहियो । हमतौधायतुम्हारेसुतकीकृपाक रतहीराहियो । उबटनतेलऔरतातोजलदेखहीभाजिजा ते । जोइजोइमांगतसोइसोइदेतीकर्मकर्मकेन्हाते। तुम तौटेवजानतहिहोइहौतऊमोहिंकहिआवै । प्रातउठत मेरेलाललड़ैतेहिमाखनरोटीभावै । अबयहसूरमोहिं निशिबासरबड़ोरहतजियशोच । अबमेरेअलकलड़ैते लालनहोइहैंकरतसँकोच ४७॥ पुनःभागवते ॥ एवंस भाजितोगोपैःकृष्णभक्त्यानराधिप । उद्धवःपुनरागच्छ

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

न्मथुरांकृष्णपालिताम् १ ॥ चौ० ॥ जायकृष्णपदशी
शनवायो। प्रभुसादरह्वैकंठलगायो ४८ कहियेसखाकु
शलसोंआये। ब्रजमेंजायबहुतदिनलाये ४९ नन्दब
बाअरुयशुमतिमाई। कहौंकवनिबिधिदेख्योजाई ५०
कहादशाब्रजगोपिनकेरी। जिनकेप्रीतिनिरन्तरमेरी
५१ ॥ रागधनाश्री ॥ माधौसुनौब्रजकोनेम। बूझिहमष
टमासदेख्योगोपिकनकोप्रेम। हृदयतेनहिंटरतउनके
श्यामरामसमेत। अश्रुसलिलप्रवाहउरपरअरघनयन
नदेत। चीरअंचलकलशकुचमनोंपाणिपदुमचढ़ाय।
प्रगटलीलादेखिहरिकेकर्मउठतीगाय। देहगेहसमेत
अर्पणकमललोचनध्यान। सूरउनकेभजनआगेफीको
लागैज्ञान ५२ ॥ दो० ॥ गहीएकहीगहनउनमेंढिवेद
बिधिनीति। गोपभेषभजिसांवरेरहीविश्वभरिजीति
५३ ॥ सो० ॥ नहिंसीखैंसिखआनजोबिधिजाइसिखा
वहीं। तुमहूँबड़ेसुजानवहांजाहुतौजानहू ५४ ॥ रागके
दारो ॥ सुनियेब्रजकीबातगुसाईं। रथकीध्वजापीतपट
भूषणदेखतहीउठिधाईं। जेबातेंतुमकहींयोगकीतेमैंस
बैसुनाईं। नयनमूँदिगुणकर्मतुम्हारेप्रेममगनह्वैगाईं।
बारबारसंदेशयशोदाकहतिद्वारलगिआईं। हुतोक
छुकहमहींसोंनातोनिपटकहाबिसराईं। सूरदासप्रभु
बनविनोदकरिजेतुमगायचराईं। तिनगायनकोग्वाल
नघेरतमानहुँआहिंपराईं ५५ ॥ दो० ॥ यहमुरली
देबिलखिकैकह्योयशोमतिमाय। एकबारहितनन्दकेद
शादिखावहिंआय ५६ ॥ सो० ॥ जिनगैयनकोश्याम

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

आपचराईहेतुकरि । बहुरिनआईधामबिड़रीकुंजनमें फिरति ५७॥ चौ० ॥ सुनिकैप्रभुगैयनकेबैना । उमगे प्रेमभरेदोउनैना ५८ लैउठायमुरलीउरलाई । धरि ब्रजध्यानरहेअरगाई ५९ पुनिहाब्रजकहिछांड़िउसासू। पोंछिपीतपटनयननआंसू ६० ॥ श्रीकृष्णउवाच। राग धनाश्री॥ ऊधौमोब्रजबिसरतनाहीं ।हंससुताकीसुन्दर कलँगीअरुकुंजनकीछाहीं । वेसुरभीवेबच्छदोहनीखरि कदुहावनजाहीं । ग्वालबालसबकरतकुलाहलनाचत गहिगहिबाहीं । यहमथुराकंचनकीनगरीमणिमुक्ताह लजाहीं । जबहिंसुरतिआवतवहसुखकीजियउमगत तननाहीं । अनगनभांतिकरीबहुलीलायशोदानन्दनि बाहीं।सूरदासप्रभुरहेमौनह्वैयहकहिकहिपछिताहीं६१॥ चौ० ॥ ऊधौसोंयोंबचनसुनायो । भलेसखासिखदेब्रज आयो ६२ मनमेंयोंप्रभुकियोबिचारा । ब्रजभक्तनमम रूपअधारा ६३ भक्ताधीनसोपर्णहमारे । ब्रजबासी मोकोअतिप्यारे ६४ सदाबसततातेब्रजमाहीं । इनस महितुऔरकोउनाहीं ६५ ॥ दो० ॥ मनकरिहरिब्रज मेंरहेंमिलिब्रजजनमनसाथ। तबकहिदेवनकाजहितभ येद्वारकानाथ ६६ ॥ सो० ॥ सदाबसतब्रजश्यामनट वरबपुमुरलीधरे । ब्रजजनपूरणकामकोटिकामलावण्य निधि ६७ ॥ रागकाफीजतिताल ॥ यहिबिधिक्रीड़तगो कुलमेंहरिनिजवृन्दाबनधाम । मधुबनऔरकुमुदबन सुन्दरबहुलाबनअभिराम । नन्दधामसंकेतखिदरबन औरकामबनधाम । लोहबनमांठबेलबनसुंदरभद्रवृह

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

दबनग्राम । चौरासीब्रजकोशनिरन्तरखेलतहैंबालिमोहन । सामवेदरचिवेदयजुमेंकह्योचरितब्रजमोहन । ब्यासपुराणप्रगटयहभाष्योतंत्रज्योतिषिनजान्यो।नारदसोंहरिकह्योकृपाकरिअमृतबचनप्रमान्यो । सनकादिकसोंकह्योआपुहरिनिजबैकुंठमँझार। ब्यासदेवशुकदेवमहामुनिनृपसोंकियोउचार । नारायणचतुराननसोंकहिनारदभेदबतायो। तातेसुनिकैब्यासभागवतनृपशुकदेवजतायो । शेषकह्योजोसंख्यायनसोंसुनिकैसनतकुमार । कह्योबृहस्पतिपुनिमैत्रेयसोंउद्धवाकियोबिचार । ऐसेबिबिधप्रमाणप्रगटबहुलीलाकरिब्रजईश । सोईश्रीशुकदेवमहामुनिप्रगटिकहीराधीश । बृन्दाबनहरियहिबिधिक्रीड़तसदाराधिकासंग। भोरनिशाकबहूँनहिंजानतसदारहतयकसंग ६८॥ श्रीनाथजूकोबरदान॥ करमयोगपुनिज्ञानउपासनसबहीभ्रमभरमायो।श्रीबल्लभगुरुतत्त्वसुनायोलीलाभेदबतायो। तबबोलेजगदीशजगतगुरुसुनोसूरममगाथा।तुवकृतममयशजोगावैगोसदारहैममसाथा।धरिजियनेमसूरसारावलिउत्तरदक्षिणकाल । मनबांछितफलसबहीपावैमिटैजन्मजंजाल । सीखैसुनैपढ़ैमनराखैलिखैपरमचितलावै । गरभबासबंदीखानेमेंसूरबहुरिनाहिंआवै ६९ ॥ दो० ॥ ब्रजबिलासब्रजराजकोकोकहिपावैपार। भक्तिभावगावतभगतभजनप्रभावबिचार ७० नहिंतपतीरथदानबलनहींकर्मब्योहार । ब्रजबासीकेदासकोब्रजबासीआधार ७१ ॥
श्लोकः ॥ एकोनबिंशचतुश्चत्वाश्रीसंवत्विकारकं।मधु

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

मासेकृष्णपक्षेनवम्यांभृगुबासरे १ पंचसारस्यसंग्रहि
तोरासलीलासमाप्तकं। बसन्तऋतुयोश्रेष्ठंमंगलानां
चमंगलं २ ॥ कुं० ॥ उत्तरार्द्धलीलाललितराधाकृ
ष्णाबिहार। श्रीबद्रीद्विजकृपातेपंचसारदुखहार। पंच
सारदुखहारपूर्णभयोआनंदितमन। हरिकेचरितपुनीत
जानिगावहुहरिकेजन। कहैसरयूशरणमनक्रमवचनली
लाजोबिधिवतकरहिं। श्रीराधाकृष्णप्रसादतेनरसुफल
मनोरथफलफरहिं २२७२ ॥

इतिश्रीराधाकृष्णबिहारनित्यकीर्त्तनरागकल्पद्रुमसरयूशरण
वैष्णवसंग्रहीतश्रीपंचसाररासलीलासमाप्तम् ॥

मुन्शी नवलकिशोर (सी, आई, ई) के छापेखाने में छपा
मई सन् १८९० ई० ॥

कापीराइट महफ़ूज़ है बहक़ इसछापेख़ाने के ॥

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor

CC-0. Digital Donation Received and Uploaded by eGangotri on behalf of Anonymous Donor